प्राइड एंड प्रीजूडिस

जेन ऑस्टेन

ऐलिस
और
किताबें

TABLE OF CONTENTS

शीर्षक
भाग ---- पहला
अध्याय 1
अध्याय दो
अध्याय 3
अध्याय 4
अध्याय 5
अध्याय 6
अध्याय 7
अध्याय 8
अध्याय 9
अध्याय 10
अध्याय 11
अध्याय 12
अध्याय 13
अध्याय 14
अध्याय 15
अध्याय 16
अध्याय 17
अध्याय 18
अध्याय 19
अध्याय 20
अध्याय 21
अध्याय 22
अध्याय 23
भाग 2
अध्याय 1
अध्याय दो
अध्याय 3

अध्याय 4
अध्याय 5
अध्याय 6
अध्याय 7
अध्याय 8
अध्याय 9
अध्याय 10
अध्याय 11
अध्याय 12
अध्याय 13
अध्याय 14
अध्याय 15
अध्याय 16
अध्याय 17
अध्याय 18
अध्याय 19
भाग 3
अध्याय 1
अध्याय दो
अध्याय 3
अध्याय 4
अध्याय 5
अध्याय 6
अध्याय 7
अध्याय 8
अध्याय 9
अध्याय 10
अध्याय 11
अध्याय 12
अध्याय 13
अध्याय 14

अध्याय 15
अध्याय 16
अध्याय 17
अध्याय 18
अध्याय 19

प्राइड एंड प्रीजूडिस

जेन ऑस्टेन

प्रकाशित: 1813 श्रेणी: कथा, रोमांस स्रोत:

HTTP://WWW.GUTENBERG.ORG/ETEXT/1342

यह पुस्तक www.aliceandbooks.com से डाउनलोड की गई है। आप हमारी वेबसाइट पर सार्वजनिक डोमेन की कई और पुस्तकें पा सकते हैं।

भाग 1

अध्याय 1

यह सर्वमान्य सत्य है कि एक धनी अविवाहित पुरुष को पत्नी की आवश्यकता होती है।
किसी मोहल्ले में पहली बार प्रवेश करने पर ऐसे व्यक्ति की भावनाओं या विचारों के बारे में भले ही कम जानकारी हो, लेकिन यह सच्चाई आसपास के परिवारों के मन में इतनी गहराई से बैठी होती है कि उसे उनकी किसी न किसी बेटी की जायज संपत्ति माना जाता है।
एक दिन उनकी पत्नी ने उनसे कहा, "मेरे प्रिय श्री बेनेट, क्या आपने सुना है कि नेदरफील्ड पार्क आखिरकार किराए पर दे दिया गया है?"
श्री बेनेट ने उत्तर दिया कि उन्होंने ऐसा नहीं किया था।
"लेकिन ऐसा ही है," उसने जवाब दिया; "क्योंकि श्रीमती लॉन्ग अभी-अभी यहाँ आई थीं, और उन्होंने मुझे इसके बारे में सब कुछ बताया।"
श्री बेनेट ने कोई जवाब नहीं दिया।
"क्या तुम यह नहीं जानना चाहते कि इसे किसने लिया है?" उसकी पत्नी ने अधीरता से चिल्लाकर कहा।
"आप मुझे बताना चाहते हैं, और मुझे इसे सुनने में कोई आपत्ति नहीं है।"
यही निमंत्रण काफी था।
"अरे, मेरी प्यारी, तुम्हें पता होना चाहिए, श्रीमती लॉन्ग का कहना है कि नेदरफील्ड को उत्तरी इंग्लैंड के एक धनी युवक ने खरीद लिया है; वह सोमवार को चार घोड़ों वाली गाड़ी में जगह देखने आया था और उसे इतना पसंद आया कि उसने तुरंत श्री मॉरिस से समझौता कर लिया; वह माइकलमास से पहले कब्जा ले लेगा और उसके कुछ नौकर अगले सप्ताह के अंत तक घर में आ जाएंगे।"
"इसका नाम क्या है?"
"बिंगले।"
"क्या वह विवाहित है या अविवाहित?"
"ओह! बिलकुल अविवाहित! एक अमीर अविवाहित पुरुष, सालाना चार-पाँच हज़ार डॉलर कमाता है। हमारी बेटियों के लिए कितना बढ़िया मौका है!"
"ऐसा कैसे? इससे उन पर क्या असर पड़ सकता है?"
"मेरे प्यारे श्रीमान बेनेट," उनकी पत्नी ने उत्तर दिया, "आप इतने उबाऊ कैसे हो सकते हैं! आपको पता होना चाहिए कि मैं सोच रही हूँ कि वह उनमें से किसी एक से शादी कर ले।"
क्या यहाँ बसने के पीछे उसका यही इरादा था?
"डिज़ाइन! बकवास, तुम ऐसा कैसे कह सकते हो! लेकिन बहुत संभावना है कि उसे उनमें से किसी एक से प्यार हो जाए, इसलिए जैसे ही वह आए, तुम्हें उससे मिलने जाना चाहिए।"

"मुझे इसकी कोई आवश्यकता नहीं दिखती। आप और लड़कियाँ जा सकती हैं, या आप उन्हें अकेले भेज सकती हैं, जो शायद और भी बेहतर होगा, क्योंकि आप उनमें से किसी से भी कम सुंदर नहीं हैं, इसलिए श्री बिंगले शायद आपको ही सबसे ज्यादा पसंद करें।"
"मेरी प्यारी, तुम मेरी तारीफ कर रही हो। बेशक, मुझे भी खूबसूरती का अपना हिस्सा मिला है, लेकिन अब मैं खुद को कोई असाधारण नहीं मानती। जब एक महिला की पांच वयस्क बेटियां हों, तो उसे अपनी सुंदरता के बारे में सोचना छोड़ देना चाहिए।"
"ऐसे मामलों में, एक महिला के पास सुंदरता के बारे में सोचने के लिए ज्यादा कुछ नहीं होता है।"
"लेकिन, मेरी प्यारी, जब मिस्टर बिंगले आस-पास आएं तो तुम्हें उनसे मिलने जरूर जाना चाहिए।"
"मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि यह मेरी अपेक्षा से कहीं अधिक है।"
लेकिन अपनी बेटियों के बारे में सोचिए। ज़रा सोचिए कि उनमें से किसी एक के लिए यह कितना अच्छा अनुभव होगा। सर विलियम और लेडी लुकास तो इसी वजह से जाने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं, क्योंकि आम तौर पर, आप जानती हैं, वे किसी भी नए मेहमान से मिलने नहीं जाते। वास्तव में आपको जाना ही होगा, क्योंकि अगर आप नहीं गईं तो हमारे लिए उनसे मिलना असंभव हो जाएगा।
"आप ज़रूरत से ज़्यादा सतर्क हैं, यह तो पक्का है। मुझे पूरा यकीन है कि मिस्टर बिंगले आपसे मिलकर बहुत खुश होंगे; और मैं आपके ज़रिए उन्हें कुछ संदेश भेज दूँगी ताकि उन्हें यकीन हो जाए कि मैं उनकी पसंद की किसी भी लड़की से शादी करने के लिए पूरी तरह सहमत हूँ; हालाँकि मुझे अपनी प्यारी लिज़ी के लिए भी कुछ कहना है।"
"मैं कामना करती हूँ कि तुम ऐसा कुछ न करो। लिज़ी बाकी लड़कियों से ज़रा भी बेहतर नहीं है; और मुझे यकीन है कि वह जेन जितनी सुंदर नहीं है, न ही लिडिया जितनी हंसमुख है। लेकिन तुम हमेशा उसे ही प्राथमिकता देते हो।"
"उनमें ऐसी कोई खास बात नहीं है जो उन्हें प्रशंसनीय बनाती हो," उसने उत्तर दिया; "वे सभी अन्य लड़कियों की तरह मूर्ख और अज्ञानी हैं; लेकिन लिज़ी अपनी बहनों की तुलना में अधिक फुर्तीली है।"
"श्री बेनेट, आप अपने ही बच्चों को इस तरह कैसे गाली दे सकते हैं? आपको मुझे परेशान करने में आनंद आता है। आपको मेरी कमजोर नसों के लिए जरा भी दया नहीं है।"
"तुम मुझे गलत समझ रही हो, मेरी प्रिय। मैं तुम्हारी नसों का बहुत सम्मान करता हूँ। वे मेरी पुरानी दोस्त हैं। मैंने तुम्हें पिछले कम से कम बीस वर्षों में उनके बारे में गंभीरता से बात करते सुना है।"
"अरे, तुम्हें नहीं पता कि मैं क्या झेलता हूँ।"
"लेकिन मुझे उम्मीद है कि आप इससे उबर जाएंगे, और चार हजार डॉलर प्रति वर्ष कमाने वाले कई युवा पुरुषों को इस इलाके में आते हुए देखने के लिए जीवित रहेंगे।"
"अगर ऐसे बीस लोग भी आ जाएं तो भी हमें कोई फायदा नहीं होगा, क्योंकि आप उनसे मिलने नहीं जाएंगे।"
"मेरी प्यारी, इस बात पर भरोसा रखो कि जब बीस हो जाएंगे, तो मैं उन सभी से मिलने जाऊंगा।"

श्री बेनेट में तीक्ष्ण बुद्धि, व्यंग्यपूर्ण हास्य, संयम और मनमौजीपन का ऐसा विचित्र मिश्रण था कि तेईस वर्षों का अनुभव भी उनकी पत्नी को उनके चरित्र को समझने के लिए अपर्याप्त था। उनका मन समझना अपेक्षाकृत आसान था। वह कम समझदार, कम जानकार और अनिश्चित स्वभाव की महिला थीं। जब वह असंतुष्ट होती थीं, तो खुद को बेचैन महसूस करती थीं। उनके जीवन का मुख्य उद्देश्य अपनी बेटियों की शादी कराना था; और उनके जीवन का एकमात्र सहारा उनसे मिलना और उनकी खबरें सुनना था।

अध्याय दो

श्री बेनेट उन शुरुआती लोगों में से थे जो श्री बिंगले से मिलने जाते थे। उनका हमेशा से उनसे मिलने का इरादा था, हालांकि अंत तक वे अपनी पत्नी को यही आश्वासन देते रहे कि वे नहीं जाएंगे; और मुलाकात के बाद वाली शाम तक उनकी पत्नी को इसकी कोई जानकारी नहीं थी। फिर इसका खुलासा इस तरह हुआ। अपनी दूसरी बेटी को टोपी सजाते हुए देखकर उन्होंने अचानक उससे कहा:

"मुझे उम्मीद है कि मिस्टर बिंगले को यह पसंद आएगा, लिज़ी।"

"हम यह जानने की स्थिति में नहीं हैं कि मिस्टर बिंगले को क्या पसंद है," उसकी मां ने नाराज़गी से कहा, "क्योंकि हमें उनसे मिलने की अनुमति नहीं है।"

"लेकिन आप भूल गई हैं, माँ," एलिजाबेथ ने कहा, "कि हम उनसे सभाओं में मिलेंगे, और श्रीमती लॉन्ग ने उनका परिचय कराने का वादा किया है।"

"मुझे विश्वास नहीं है कि श्रीमती लॉन्ग ऐसा कुछ करेंगी। उनकी अपनी दो भतीजियाँ हैं। वह एक स्वार्थी, पाखंडी महिला हैं, और उनके बारे में मेरी कोई राय नहीं है।"

"अब मुझे उसकी ज़रूरत नहीं है," श्री बेनेट ने कहा; "और मुझे यह जानकर खुशी हुई कि आप उसकी सेवा पर निर्भर नहीं हैं।"

श्रीमती बेनेट ने कोई जवाब न देने की जहमत उठाई, बल्कि खुद को रोक न पाने के कारण अपनी एक बेटी को डांटने लगीं।

"किटी, भगवान के लिए, इतनी खांसना बंद करो! मेरी नसों पर थोड़ी दया करो। तुम उन्हें टुकड़े-टुकड़े कर देती हो।"

"किटी को खांसने में कोई सावधानी नहीं है," उसके पिता ने कहा; "वह गलत समय पर खांसती है।"

"मैं अपने मनोरंजन के लिए नहीं खांसती," किट्टी ने चिढ़कर जवाब दिया। "लिज़ी, तुम्हारा अगला बॉल कब है?"

"कल पखवाड़े भर बाद।"

"हाँ, ऐसा ही है," उसकी माँ चिल्लाई, "और श्रीमती लॉन्ग एक दिन पहले तक वापस नहीं आएंगी; इसलिए उनके लिए उनका परिचय कराना असंभव होगा, क्योंकि वह खुद उन्हें नहीं जानती होंगी।"

"तो फिर, मेरी प्यारी, तुम अपनी सहेली का फायदा उठा सकती हो और मिस्टर बिंगले को उससे मिलवा सकती हो।"

"असंभव, श्रीमान बेनेट, असंभव, जब मैं खुद उनसे परिचित नहीं हूँ; आप इतना मज़ाक कैसे कर सकते हैं?"

मैं आपकी सावधानी का सम्मान करता हूँ। दो सप्ताह की जान-पहचान तो बहुत कम होती है। दो सप्ताह बीतने से किसी व्यक्ति के असली स्वभाव का पता नहीं चल सकता। लेकिन अगर हम पहल नहीं करेंगे तो

कोई और करेगा; और आखिरकार, श्रीमती लॉन्ग और उनकी बेटियों को भी मौका मिलना चाहिए; इसलिए, चूंकि वह इसे एक दयालुता का कार्य समझेंगी, यदि आप यह जिम्मेदारी लेने से इनकार करते हैं, तो मैं इसे स्वयं ले लूंगा।

लड़कियाँ अपने पिता को घूरती रहीं। श्रीमती बेनेट ने बस इतना कहा, "बकवास, बकवास!"

“उस ज़ोरदार विस्मयबोधक चिह्न का क्या अर्थ हो सकता है?” वह चिल्लाया। “क्या तुम परिचय के रूपों और उन पर दिए जाने वाले ज़ोर को निरर्थक समझती हो? मैं तुमसे पूरी तरह सहमत नहीं हूँ। तुम्हारा क्या कहना है, मैरी? क्योंकि मैं जानता हूँ कि तुम गहन चिंतनशील युवती हो, महान पुस्तकें पढ़ती हो और उनके अंश निकालती हो।”

मैरी कुछ समझदारी भरी बात कहना चाहती थी, लेकिन उसे समझ नहीं आ रहा था कि कैसे कहे।

उन्होंने आगे कहा, "जब तक मैरी अपने विचारों को समायोजित कर रही है, तब तक आइए मिस्टर बिंगले के पास वापस चलते हैं।"

"मैं मिस्टर बिंगले से तंग आ चुकी हूँ," उनकी पत्नी ने रोते हुए कहा।

"यह सुनकर मुझे बहुत दुख हुआ; लेकिन आपने मुझे यह पहले क्यों नहीं बताया? अगर मुझे आज सुबह यह पता होता तो मैं निश्चित रूप से उनसे मिलने नहीं जाता। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है; लेकिन चूंकि मैं उनसे मिल चुका हूं, इसलिए अब हमारा परिचय टल नहीं सकता।"

महिलाओं का आश्चर्य ठीक वैसा ही था जैसा वह चाहता था; श्रीमती बेनेट का आश्चर्य शायद बाकी सभी से कहीं अधिक था; हालाँकि, जब खुशी का पहला कोलाहल समाप्त हुआ, तो उन्होंने कहना शुरू कर दिया कि वह शुरू से ही यही उम्मीद कर रही थीं।

"आपने कितनी अच्छी बात की, मेरे प्यारे श्री बेनेट! लेकिन मुझे पता था कि मैं आखिरकार आपको मना ही लूंगी। मुझे पूरा यकीन था कि आप अपनी बेटियों से इतना प्यार करते हैं कि ऐसी जान-पहचान को नज़रअंदाज़ नहीं कर सकते। खैर, मैं कितनी खुश हूँ! और यह भी कितना अच्छा मज़ाक है कि आप आज सुबह गए और अब तक इसके बारे में एक शब्द भी नहीं कहा।"

"अब, किटी, तुम जितना चाहो खांस सकती हो," मिस्टर बेनेट ने कहा; और बोलते-बोलते वे अपनी पत्नी की खुशी से थककर कमरे से बाहर चले गए।

"तुम्हारे पिता कितने अच्छे हैं, बेटियाँ!" दरवाजा बंद होते ही उसने कहा। "मुझे नहीं पता कि तुम उनकी इस दयालुता का एहसान कैसे चुका पाओगी; या मेरा भी। हमारी उम्र में हर दिन नए लोगों से मिलना इतना सुखद नहीं होता, मैं तुम्हें बता सकती हूँ; लेकिन तुम्हारे लिए हम कुछ भी करेंगे। लिडिया, मेरी प्यारी, हालाँकि तुम सबसे छोटी हो, मुझे पूरा यकीन है कि मिस्टर बिंगले अगली पार्टी में तुम्हारे साथ नृत्य करेंगे।"

"ओह!" लिडिया ने दृढ़ता से कहा, "मुझे डर नहीं है; क्योंकि हालांकि मैं सबसे छोटी हूं, मैं सबसे लंबी हूं।"

बाकी की शाम इस बात का अनुमान लगाने में बीती कि वह मिस्टर बेनेट से मिलने कब लौटेंगे, और यह तय करने में कि उन्हें रात के खाने पर कब आमंत्रित किया जाए।

अध्याय 3

श्रीमती बेनेट ने अपनी पाँचों बेटियों की मदद से इस विषय पर अपने पति से श्री बिंगले के बारे में संतोषजनक जानकारी प्राप्त करने के लिए बहुत कुछ पूछा, लेकिन वह सब पर्याप्त नहीं था। उन्होंने उनसे कई तरह से पूछताछ की—स्पष्ट प्रश्नों, चतुर अनुमानों और दूरगामी अटकलों से; लेकिन वे उन सभी की बाजी पलट देते थे, और अंततः उन्हें अपनी पड़ोसी लेडी लुकास से मिली जानकारी पर भरोसा करना पड़ा। उनकी रिपोर्ट बहुत ही अनुकूल थी। सर विलियम उनसे बहुत प्रसन्न थे। वे काफी युवा, बेहद आकर्षक, अत्यंत मिलनसार थे, और सबसे बड़ी बात यह थी कि वे अगली सभा में एक बड़े दल के साथ आने वाले थे। इससे अधिक आनंददायक और क्या हो सकता था! नृत्य का शौक होना प्रेम में पड़ने की दिशा में एक निश्चित कदम था; और श्री बिंगले के दिल को लेकर बहुत उम्मीदें थीं।

श्रीमती बेनेट ने अपने पति से कहा, "अगर मैं अपनी बेटियों में से किसी एक को नेदरफील्ड में खुशी-खुशी बसते हुए देख सकूं, और बाकी सभी की भी अच्छी तरह से शादी हो जाए, तो मुझे और कुछ नहीं चाहिए होगा।"

कुछ दिनों बाद श्री बिंगले ने श्री बेनेट से दोबारा मुलाकात की और उनके पुस्तकालय में लगभग दस मिनट तक उनके साथ बैठे। उन्हें उम्मीद थी कि उन्हें उन युवतियों को देखने का मौका मिलेगा, जिनकी सुंदरता के बारे में उन्होंने बहुत कुछ सुना था; लेकिन उन्हें केवल उनके पिता ही दिखाई दिए। युवतियाँ कुछ अधिक भाग्यशाली थीं, क्योंकि उन्हें ऊपर की खिड़की से यह पता चल गया था कि उन्होंने नीले रंग का कोट पहना हुआ था और वे काले घोड़े पर सवार थे।

कुछ ही समय बाद रात्रिभोज का निमंत्रण भेजा गया; श्रीमती बेनेट ने अपने घर की साज-सज्जा को निखारने वाले व्यंजनों की योजना भी बना ली थी, तभी एक जवाब आया जिसने सब कुछ टाल दिया। श्री बिंगले को अगले दिन शहर में होना था, इसलिए वे निमंत्रण स्वीकार नहीं कर सके। श्रीमती बेनेट काफी परेशान हो गईं। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि हर्टफोर्डशायर पहुँचने के तुरंत बाद ही उन्हें शहर में क्या काम होगा; और उन्हें डर लगने लगा कि कहीं वे एक जगह से दूसरी जगह भागते ही न रह जाएँ और नेदरफील्ड में स्थायी रूप से बस न पाएँ, जैसा कि उन्हें होना चाहिए था। लेडी लुकास ने यह कहकर श्रीमती बेनेट की चिंता कुछ हद तक कम की कि वे शायद लंदन सिर्फ़ पार्टी के लिए एक बड़ा दल लाने गए हैं; और जल्द ही यह खबर फैल गई कि श्री बिंगले अपने साथ बारह महिलाओं और सात पुरुषों को लेकर आ रहे हैं। लड़कियों को इतनी कम महिलाओं को देखकर दुख हुआ, लेकिन पार्टी से एक दिन पहले उन्हें यह जानकर तसल्ली मिली कि बारह के बजाय वे लंदन से सिर्फ़ छह महिलाओं को लेकर आए हैं—उनकी पाँच बहनें और एक चचेरी बहन। और जब दल सभा कक्ष में दाखिल हुआ तो उसमें कुल मिलाकर केवल पाँच लोग ही थे—श्री बिंगले, उनकी दो बहनें, सबसे बड़ी बहन का पति और एक अन्य युवक।

श्री बिंगले आकर्षक और सज्जन व्यक्ति थे; उनका चेहरा सौम्य था और व्यवहार सहज और स्वाभाविक था। उनकी बहनें सुंदर और फैशनेबल थीं। उनके बहनोई, श्री हर्स्ट, देखने में भले ही सज्जन लगें, लेकिन उनके मित्र श्री डार्सी ने अपने लंबे कद, सुंदर चेहरे, नेक स्वभाव और प्रवेश के पाँच मिनट के भीतर ही फैली इस खबर से सबका ध्यान आकर्षित कर लिया कि उनकी सालाना आय दस हजार है। सज्जनों ने उन्हें एक शानदार व्यक्तित्व वाला व्यक्ति बताया, महिलाओं ने कहा कि वे श्री बिंगले से कहीं अधिक सुंदर हैं, और लगभग आधी शाम तक लोग उन्हें बड़ी प्रशंसा से देखते रहे, जब तक कि उनके व्यवहार ने उनकी लोकप्रियता को उलट नहीं दिया; क्योंकि वे अभिमानी निकले; वे अपने साथियों से ऊपर थे और किसी की कृपा के पात्र नहीं थे; और डर्बीशायर में उनकी विशाल संपत्ति भी उन्हें अपने मित्र के साथ तुलना करने से नहीं बचा सकी।

श्री बिंगले ने जल्द ही कमरे में मौजूद सभी प्रमुख लोगों से जान-पहचान कर ली थी; वे हंसमुख और खुले दिल के थे, हर नृत्य में भाग लिया, इस बात से नाराज़ थे कि बॉल इतनी जल्दी समाप्त हो गई, और नेदरफील्ड में खुद एक बॉल आयोजित करने की बात कर रहे थे। उनके ये मिलनसार गुण अपने आप में ही काफी थे। उनमें और उनके मित्र में कितना अंतर था! श्री डार्सी ने श्रीमती हर्स्ट और मिस बिंगले के साथ केवल एक-एक बार नृत्य किया, किसी अन्य महिला से परिचय कराने से इनकार कर दिया, और बाकी शाम कमरे में घूमते-फिरते, कभी-कभार अपने साथियों से बात करते हुए बिताई। उनका चरित्र स्पष्ट था। वे दुनिया के सबसे घमंडी और अप्रिय व्यक्ति थे, और हर कोई यही उम्मीद करता था कि वे फिर कभी यहाँ न आएं। उनके सबसे कट्टर विरोधियों में श्रीमती बेनेट थीं, जिनका उनके सामान्य व्यवहार के प्रति नापसंदगी उनकी एक बेटी का अपमान करने के कारण विशेष आक्रोश में बदल गई थी।

पुरुषों की कमी के कारण एलिजाबेथ बेनेट को दो नृत्यों के लिए बैठना पड़ा; और उस दौरान कुछ समय के लिए, मिस्टर डार्सी उनके और मिस्टर बिंगले के बीच की बातचीत सुनने के लिए काफी करीब खड़े थे, जो अपने दोस्त को नृत्य में शामिल होने के लिए मनाने के लिए कुछ मिनटों के लिए नृत्य स्थल से आए थे।

"आओ, डार्सी," उसने कहा, "मुझे तुम्हें नचाना ही होगा। मुझे तुम्हें इस मूर्खतापूर्ण तरीके से अकेले खड़े देखना अच्छा नहीं लगता। तुम्हारे लिए नचाना कहीं बेहतर होगा।"

"मैं ऐसा बिल्कुल नहीं करूंगी। आप जानती हैं कि मुझे यह कितना नापसंद है, जब तक कि मैं अपने साथी से अच्छी तरह परिचित न हो जाऊं। इस तरह की सभा में तो यह असहनीय होगा। आपकी बहनें व्यस्त हैं, और कमरे में कोई दूसरी महिला नहीं है जिसके साथ खड़े होना मेरे लिए सजा के समान हो।"

"मैं तुम्हारी तरह इतना नखरेबाज़ नहीं हो सकता," श्री बिंगले चिल्लाए, "सौदा के बदले भी नहीं! कसम से, मैंने अपने जीवन में आज शाम जितनी सुंदर लड़कियाँ देखी हैं, उतनी कभी नहीं देखीं; और तुम देख रहे हो कि उनमें से कई तो असाधारण रूप से सुंदर हैं।"

"तुम इस कमरे में मौजूद इकलौती खूबसूरत लड़की के साथ नाच रहे हो," मिस्टर डार्सी ने सबसे बड़ी मिस बेनेट की ओर देखते हुए कहा।

"ओह! वह अब तक देखी गई सबसे खूबसूरत महिला है! लेकिन उसकी एक बहन आपके ठीक पीछे बैठी है, जो बहुत सुंदर है, और मुझे यकीन है कि बहुत ही मिलनसार भी है। कृपया मुझे अपने साथी से कहें कि वह आपका परिचय करा दे।"
"तुम्हारा मतलब क्या है?" और मुड़कर उसने एक पल के लिए एलिज़ाबेथ को देखा, फिर उसकी नज़रें मिलते ही उसने अपनी नज़रें हटा लीं और ठंडे लहजे में कहा: "वह ठीक-ठाक है, पर इतनी खूबसूरत नहीं कि मुझे आकर्षित कर सके; फिलहाल मेरा मन नहीं है कि मैं उन युवतियों को अहमियत दूं जिन्हें दूसरे मर्द नज़रअंदाज़ करते हैं। बेहतर होगा कि तुम अपनी साथी के पास लौट जाओ और उसकी मुस्कान का आनंद लो, क्योंकि मेरे साथ समय बर्बाद कर रही हो।"
श्री बिंगले ने उनकी सलाह मान ली। श्री डार्सी चले गए; और एलिजाबेथ के मन में उनके प्रति कोई खास सौहार्दपूर्ण भावना नहीं रही। हालाँकि, उन्होंने अपने दोस्तों के बीच यह कहानी बड़े उत्साह से सुनाई; क्योंकि उनका स्वभाव चंचल और हंसमुख था, और उन्हें हर हास्यास्पद बात में आनंद आता था।
पूरी शाम परिवार के लिए सुखद गुज़री। श्रीमती बेनेट ने अपनी सबसे बड़ी बेटी को नेदरफील्ड के लोगों के बीच खूब सराहा। श्री बिंगले ने उसके साथ दो बार नृत्य किया था और उनकी बहनों ने भी उसकी प्रशंसा की थी। जेन भी अपनी माँ की तरह ही इससे प्रसन्न थी, हालाँकि उसका भाव थोड़ा शांत था। एलिज़ाबेथ ने जेन की खुशी को महसूस किया। मैरी ने मिस बिंगले से अपने बारे में सुना था कि वह मोहल्ले की सबसे प्रतिभाशाली लड़की है; और कैथरीन और लिडिया इतनी भाग्यशाली थीं कि उन्हें हमेशा साथी मिले, यही एकमात्र चीज़ थी जिसकी उन्होंने अब तक किसी बॉल पार्टी में परवाह करना सीखा था। इसलिए वे अच्छे मूड में लॉन्गबोर्न गाँव लौट आईं, जहाँ वे रहती थीं और जिसकी वे मुख्य निवासी थीं। उन्होंने श्री बेनेट को अभी भी जागते हुए पाया। किताब में मग्न होने के कारण उन्हें समय का कोई ध्यान नहीं रहता था; और इस अवसर पर उन्हें उस शाम की घटनाओं के बारे में जानने की बहुत उत्सुकता थी जिसने इतनी शानदार उम्मीदें जगाई थीं। उन्हें उम्मीद थी कि अजनबी के बारे में उनकी पत्नी की राय गलत साबित होगी; लेकिन उन्हें जल्द ही पता चला कि उन्हें कुछ और ही कहानी सुननी थी।
"ओह! मेरे प्यारे श्रीमान बेनेट," कमरे में प्रवेश करते हुए उन्होंने कहा, "हमारी शाम बहुत ही आनंददायक रही, एक शानदार नृत्य नृत्य। काश आप भी वहाँ होते। जेन की इतनी प्रशंसा हुई, मानो कोई और ही हो। हर कोई कह रहा था कि वह कितनी सुंदर लग रही थी; और श्रीमान बिंगले को वह बेहद खूबसूरत लगी और उन्होंने उसके साथ दो बार नृत्य किया! ज़रा सोचिए, मेरे प्रिय; उन्होंने सचमुच उसके साथ दो बार नृत्य किया! और वह कमरे में अकेली ऐसी महिला थी जिसे उन्होंने दोबारा पूछा। सबसे पहले, उन्होंने मिस लुकास को पूछा। मुझे उन्हें उसके साथ खड़े देखकर बहुत गुस्सा आया! लेकिन, उन्होंने उसकी बिल्कुल भी प्रशंसा नहीं की; वास्तव में, कोई भी नहीं कर सकता, आप जानते हैं; और जेन को नृत्य करते हुए देखकर वह पूरी तरह से मोहित हो गए। इसलिए उन्होंने पूछा कि वह कौन है, परिचय प्राप्त किया और अगले दो नृत्यों के लिए उसे पूछा। फिर तीसरे दो नृत्यों के लिए उन्होंने मिस किंग के साथ, चौथे दो नृत्यों के लिए मारिया लुकास के साथ,

पाँचवें दो नृत्यों के लिए फिर से जेन के साथ, छठे दो नृत्यों के लिए लिज़ी के साथ और फिर बोलेंजर के साथ नृत्य किया—"

"अगर उसे मुझ पर ज़रा भी दया आती," उसके पति ने अधीरता से चिल्लाते हुए कहा, "तो वह इतना नाचता ही नहीं! भगवान के लिए, उसकी साथी नर्तकियों के बारे में और कुछ मत कहो। काश, पहले ही नृत्य में उसका टखना मुड़ जाता!"

ओह! मेरी प्यारी, मैं उससे बहुत खुश हूँ। वह बेहद सुंदर है! और उसकी बहनें भी मनमोहक हैं। मैंने अपने जीवन में उनके कपड़ों से अधिक सुरुचिपूर्ण कुछ नहीं देखा। मैं कह सकती हूँ कि श्रीमती हर्स्ट के गाउन पर लगी लेस—"

यहाँ फिर उनकी बात काट दी गई। श्री बेनेट ने किसी भी प्रकार के अलंकरण के वर्णन का विरोध किया। इसलिए उन्हें विषय का दूसरा पहलू तलाशना पड़ा और उन्होंने बड़े ही कटु भाव और कुछ अतिशयोक्ति के साथ श्री डार्सी के घोर असभ्य व्यवहार का वर्णन किया।

"लेकिन मैं आपको यकीन दिला सकती हूँ," उसने आगे कहा, "कि लिज़ी को उसके मनपसंद न होने से कोई खास नुकसान नहीं होगा; क्योंकि वह बेहद अप्रिय, घिनौना आदमी है, जिसे खुश करना नामुमकिन है। इतना घमंडी और अहंकारी कि उसे बर्दाश्त करना नामुमकिन था! वह इधर-उधर घूमता रहता था, खुद को बहुत बड़ा समझता था! नाचने लायक भी नहीं था! काश तुम वहाँ होतीं, मेरी प्यारी, और उसे करारा जवाब देतीं। मुझे उस आदमी से सख्त नफरत है।"

अध्याय 4

जब जेन और एलिजाबेथ अकेले थीं, तो जेन, जो पहले मिस्टर बिंगले की प्रशंसा करने में सतर्क रहती थीं, ने अपनी बहन को बताया कि वह उनकी कितनी प्रशंसा करती हैं।

"वह बिलकुल वैसा ही युवक है जैसा उसे होना चाहिए," उसने कहा, "समझदार, हंसमुख, जीवंत; और मैंने कभी ऐसे खुशमिजाज व्यवहार नहीं देखे!—इतना सहज, इतनी उत्तम परवरिश के साथ!"

"वह सुंदर भी है," एलिजाबेथ ने उत्तर दिया, "जो कि एक युवक को होना ही चाहिए, यदि संभव हो तो। इससे उसका चरित्र पूर्ण हो जाता है।"

"मुझे बहुत खुशी हुई जब उन्होंने मुझे दूसरी बार नृत्य करने के लिए कहा। मुझे ऐसी प्रशंसा की उम्मीद नहीं थी।"

"है ना? मैंने तुम्हारे लिए किया। लेकिन यही तो हम दोनों में एक बड़ा अंतर है। तारीफें हमेशा चौंका देती हैं, चाहे कुछ भी हो जाए। उसका दोबारा पूछना इससे ज़्यादा स्वाभाविक क्या हो सकता है? वह इस बात से खुद को रोक नहीं पाया कि तुम कमरे में मौजूद बाकी सभी महिलाओं से लगभग पाँच गुना ज़्यादा खूबसूरत थीं। इसमें उसकी शिष्टता का कोई योगदान नहीं है। खैर, वह वाकई बहुत मिलनसार है, और मैं तुम्हें उसे पसंद करने की इजाज़त देती हूँ। तुमने कई बेवकूफ लोगों को भी पसंद किया है।"

"प्रिय लिज़ी!"

"अरे! आप तो आम तौर पर लोगों को पसंद करने में बहुत माहिर हैं। आपको किसी में कोई कमी नहीं दिखती। आपकी नजर में पूरी दुनिया अच्छी और मनभावन है। मैंने आपको कभी किसी इंसान के बारे में बुरा बोलते नहीं सुना।"

मैं किसी की भी आलोचना करने में जल्दबाजी नहीं करना चाहता; लेकिन मैं हमेशा वही बोलता हूं जो मुझे लगता है।

मुझे पता है तुम ऐसा करते हो; और यही बात मुझे हैरान करती है। अपनी अच्छी समझ के साथ, दूसरों की मूर्खताओं और बेवकूफियों को इतनी ईमानदारी से अनदेखा करना! दिखावटी ईमानदारी तो आम बात है—हर जगह देखने को मिलती है। लेकिन बिना किसी आडंबर या धूर्तता के ईमानदार होना—हर किसी के चरित्र की अच्छाइयों को पहचानना और उन्हें और भी बेहतर बनाना, और बुराइयों की तो बात ही न करना—सिर्फ तुम्हारे पास है। तो क्या तुम्हें इस आदमी की बहनें भी पसंद हैं? उनके तौर-तरीके उसके बराबर नहीं हैं।

"बिल्कुल नहीं—शुरू में तो नहीं। लेकिन जब आप उनसे बात करते हैं तो वे बहुत ही मनमोहक महिलाएं होती हैं। मिस बिंगले अपने भाई के साथ रहेंगी और उनका घर संभालेंगी; और अगर हम उन्हें एक बहुत ही प्यारी पड़ोसी के रूप में न पाएं तो मैं बहुत गलत हूं।"

एलिज़ाबेथ चुपचाप सुनती रही, पर उसे यकीन नहीं हुआ; सभा में उनका व्यवहार आम तौर पर किसी को पसंद नहीं आया था; और अपनी बहन की तुलना में अधिक पैनी नज़र और कम लचीले स्वभाव की होने के कारण, और खुद पर किसी का ध्यान न जाने के कारण, वह उन्हें पसंद करने के लिए बिल्कुल भी तैयार नहीं थी। वे वास्तव में बहुत ही सभ्य महिलाएं थीं; प्रसन्न होने पर उनमें अच्छे स्वभाव की कोई कमी नहीं थी, और जब वे चाहती थीं तो खुद को दूसरों के अनुकूल बनाने की क्षमता भी उनमें थी, लेकिन वे अभिमानी और घमंडी थीं। वे दिखने में सुंदर थीं, शहर के प्रमुख निजी शिक्षण संस्थानों में से एक में शिक्षित थीं, उनके पास बीस हज़ार पाउंड की संपत्ति थी, वे ज़रूरत से ज़्यादा खर्च करने और उच्च वर्ग के लोगों के साथ मेलजोल रखने की आदी थीं, और इसलिए हर तरह से उन्हें खुद को ऊँचा और दूसरों को नीचा समझने का अधिकार था। वे उत्तरी इंग्लैंड के एक सम्मानित परिवार से थीं; यह बात उनकी यादों में इस तथ्य से कहीं अधिक गहराई से अंकित थी कि उनके भाई की संपत्ति और उनकी अपनी संपत्ति व्यापार से अर्जित की गई थी।
श्री बिंगले को अपने पिता से लगभग एक लाख पाउंड की संपत्ति विरासत में मिली थी। उनके पिता एक जागीर खरीदना चाहते थे, लेकिन अपनी मृत्यु से पहले ही इस इच्छा को पूरा नहीं कर पाए। श्री बिंगले भी यही चाहते थे और कई बार अपने काउंटी का चुनाव भी करते थे; लेकिन अब जब उनके पास एक अच्छा घर और जागीर की स्वतंत्रता थी, तो उनके स्वभाव को भलीभांति जानने वाले कई लोगों को संदेह था कि कहीं वे अपने शेष दिन नेदरफील्ड में ही न बिता लें और अगली पीढ़ी के लिए जागीर खरीदने का काम न छोड़ दें।
उनकी बहनें चाहती थीं कि उनका अपना एक घर हो; लेकिन, हालांकि अब वे केवल किराएदार ही थे, मिस बिंगले उनके घर में मेहमाननवाज़ी करने में ज़रा भी हिचकिचाती नहीं थीं—और न ही श्रीमती हर्स्ट, जिन्होंने धन से अधिक शान-शौकत वाले व्यक्ति से शादी की थी, जब उन्हें उचित लगता था, तो उनके घर को अपना घर मानने में हिचकिचाती थीं। श्री बिंगले की उम्र दो साल भी नहीं हुई थी कि एक आकस्मिक सिफारिश से प्रेरित होकर उन्होंने नेदरफील्ड हाउस को देखा। उन्होंने उसे देखा और आधे घंटे तक उसके अंदर रहे—उन्हें उसकी जगह और मुख्य कमरे पसंद आए, मालिक द्वारा उसकी प्रशंसा में कही गई बातों से वे संतुष्ट हुए और तुरंत उसे ले लिया।
स्वभाव में भारी भिन्नता के बावजूद, बिंगले और डार्सी के बीच एक अटूट मित्रता थी। बिंगले अपने सहज, खुले और लचीले स्वभाव के कारण डार्सी के प्रिय थे, हालाँकि उनका स्वभाव बिंगले के स्वभाव से बिल्कुल विपरीत था और वे अपने स्वभाव से कभी असंतुष्ट नहीं दिखे। डार्सी के स्नेह के बल पर बिंगले को उन पर पूरा भरोसा था और उनके निर्णयों पर उनका सर्वोच्च विश्वास था। समझदारी में डार्सी श्रेष्ठ थे। बिंगले में किसी भी प्रकार की कमी नहीं थी, लेकिन डार्सी चतुर थे। वे एक ही समय में अभिमानी, संकोची और नज़ाकत पसंद करने वाले थे, और उनके शिष्टाचार, भले ही सभ्य थे, आकर्षक नहीं थे। इस मामले में उनके मित्र को बहुत लाभ था। बिंगले को पूरा विश्वास था कि वे जहाँ भी जाएँगे, उन्हें पसंद किया जाएगा, जबकि डार्सी लगातार लोगों को नाराज़ करते रहते थे।

मेरिटन सभा के बारे में उनकी बातचीत का तरीका बिल्कुल उनके स्वभाव के अनुरूप था। बिंगले ने अपने जीवन में कभी इतने सुखद लोग या इतनी सुंदर लड़कियाँ नहीं देखी थीं; हर कोई उनके प्रति अत्यंत दयालु और ध्यान देने वाला था; वहाँ कोई औपचारिकता या अकड़ नहीं थी; वह जल्द ही पूरे कमरे से परिचित हो गए थे; और मिस बेनेट के बारे में तो वह कल्पना भी नहीं कर सकते थे कि कोई परी भी इतनी सुंदर हो सकती है। इसके विपरीत, डार्सी ने ऐसे लोगों का समूह देखा जिनमें न तो सुंदरता थी और न ही फैशन, उनमें से किसी में भी उन्हें जरा भी दिलचस्पी नहीं थी, और न ही किसी से उन्हें कोई ध्यान या प्रसन्नता मिली। उन्होंने माना कि मिस बेनेट सुंदर थीं, लेकिन वह बहुत ज्यादा मुस्कुराती थीं।

श्रीमती हर्स्ट और उनकी बहन ने इसे स्वीकार तो किया, लेकिन फिर भी वे मिस बेनेट की प्रशंसा करती थीं, उन्हें पसंद करती थीं और उन्हें एक प्यारी लड़की मानती थीं, जिसके बारे में वे और अधिक जानना चाहती थीं। इस प्रकार मिस बेनेट एक प्यारी लड़की के रूप में स्थापित हो गईं, और उनके भाई ने ऐसी प्रशंसा के आधार पर उनके बारे में जैसा चाहें वैसा सोचने का अधिकार महसूस किया।

अध्याय 5

लॉन्गबोर्न से कुछ ही दूरी पर एक ऐसा परिवार रहता था, जिसके साथ बेनेट परिवार के विशेष घनिष्ठ संबंध थे। सर विलियम लुकास पहले मेरिटन में व्यापार करते थे, जहाँ उन्होंने अच्छी खासी संपत्ति अर्जित की थी और मेयर रहते हुए राजा को संबोधित करने पर उन्हें नाइटहुड की उपाधि प्राप्त हुई थी। शायद इस सम्मान का उन्हें कुछ ज्यादा ही एहसास हो गया था। इससे उन्हें अपने व्यवसाय और एक छोटे से बाजार कस्बे में अपने निवास से घृणा होने लगी थी; और दोनों को छोड़कर, वे अपने परिवार के साथ मेरिटन से लगभग एक मील दूर एक घर में चले गए, जिसे उस समय से लुकास लॉज के नाम से जाना जाता था, जहाँ वे अपनी महत्ता पर प्रसन्नता से विचार कर सकते थे और व्यवसाय के बंधनों से मुक्त होकर, केवल सभी के प्रति विनम्र व्यवहार करने में ही अपना समय व्यतीत कर सकते थे। क्योंकि, यद्यपि वे अपने पद से उत्साहित थे, फिर भी उनमें अहंकार नहीं था; इसके विपरीत, वे सभी का बहुत ध्यान रखते थे। स्वभाव से सौम्य, मित्रवत और मददगार, सेंट जेम्स चर्च में उनकी नियुक्ति ने उन्हें और भी विनम्र बना दिया था।

लेडी लुकास बहुत ही नेक महिला थीं, इतनी चतुर नहीं थीं कि श्रीमती बेनेट की अच्छी पड़ोसी न बन सकें। उनके कई बच्चे थे। उनमें सबसे बड़ी, एक समझदार और बुद्धिमान युवती, लगभग सत्ताईस वर्ष की, एलिजाबेथ की घनिष्ठ मित्र थी।

मिस लुकास और मिस बेनेट का एक बॉल पार्टी के दौरान बातचीत के लिए मिलना बिल्कुल आवश्यक था; और सभा के अगले दिन सुबह लुकास को लॉन्गबोर्न में बातचीत सुनने और करने के लिए बुलाया गया।

"शार्लेट, तुमने शाम की शुरुआत बहुत अच्छी की," श्रीमती बेनेट ने शालीनता और संयम के साथ मिस लुकास से कहा। "तुम मिस्टर बिंगले की पहली पसंद थीं।"

"हां; लेकिन ऐसा लगता था कि उसे अपना दूसरा वाला ज्यादा पसंद था।"

"ओह! मेरा मानना है कि आपका मतलब जेन से है, क्योंकि उन्होंने उसके साथ दो बार नृत्य किया था। सच कहूँ तो, ऐसा लगता था मानो वह उसकी प्रशंसा करते थे—वास्तव में मुझे लगता है कि वह करते थे—मैंने इसके बारे में कुछ सुना था—पर मुझे ठीक से याद नहीं है कि क्या—मिस्टर रॉबिन्सन के बारे में कुछ।"

"शायद आपका मतलब उस बात से है जो मैंने उनके और मिस्टर रॉबिन्सन के बीच सुनी थी; क्या मैंने आपको इसके बारे में नहीं बताया था? मिस्टर रॉबिन्सन उनसे पूछ रहे थे कि उन्हें हमारी मेरिटन सभाएँ कैसी लगीं, और क्या उन्हें नहीं लगता कि वहाँ बहुत सारी खूबसूरत महिलाएँ थीं, और उनमें से सबसे खूबसूरत कौन थी? और उन्होंने आखिरी सवाल का तुरंत जवाब दिया: 'ओह! सबसे बड़ी मिस बेनेट, निःसंदेह; इस मामले में कोई दो राय नहीं हो सकती।'"

"अरे वाह! यह तो वाकई बहुत निर्णायक है—ऐसा लगता है—लेकिन, वैसे भी, यह सब व्यर्थ भी हो सकता है, आप जानते हैं।"

"मेरी सुनी हुई बातें तुम्हारी बातों से कहीं ज़्यादा काम की थीं, एलिज़ा," शार्लोट ने कहा। "मिस्टर डार्सी की बातें उनके दोस्त की तरह सुनने लायक नहीं हैं, है ना? बेचारी एलिज़ा! उनकी बातें तो बस किसी तरह बर्दाश्त करने लायक हैं।"

"मैं आपसे निवेदन करता हूँ कि लिज़ी को उसके दुर्व्यवहार से परेशान न होने दें, क्योंकि वह इतना अप्रिय व्यक्ति है कि उसका प्रिय होना उसके लिए बहुत बड़ा दुर्भाग्य होगा। श्रीमती लॉन्ग ने मुझे कल रात बताया कि वह आधे घंटे तक उनके पास बैठा रहा और एक बार भी कुछ नहीं बोला।"

"क्या आपको पूरा यकीन है, महोदया?—क्या कोई छोटी सी गलती तो नहीं है?" जेन ने कहा। "मैंने श्री डार्सी को उनसे बात करते हुए देखा था।"

"हाँ—क्योंकि अंत में उसने उससे पूछा कि उसे नेदरफील्ड कैसा लगा, और वह जवाब देने से खुद को रोक नहीं सका; लेकिन उसने कहा कि उससे बात किए जाने पर वह काफी नाराज लग रहा था।"

जेन ने कहा, "मिस बिंगले ने मुझे बताया था कि वह अपने करीबी लोगों के अलावा कहीं और ज्यादा नहीं बोलते। उनके साथ वह बेहद मिलनसार होते हैं।"

"मुझे इस पर ज़रा भी यकीन नहीं है, मेरी प्यारी। अगर वह इतना ही मिलनसार होता, तो श्रीमती लॉन्ग से बात ज़रूर करता। लेकिन मैं समझ सकती हूँ कि क्या हुआ होगा; सब कहते हैं कि वह घमंड से चूर है, और मुझे लगता है कि उसने कहीं न कहीं सुना होगा कि श्रीमती लॉन्ग के पास घोड़ागाड़ी नहीं है, और वह पार्टी में एक साधारण सी गाड़ी में आया था।"

"मुझे इस बात से कोई आपत्ति नहीं है कि उसने श्रीमती लॉन्ग से बात नहीं की," मिस लुकास ने कहा, "लेकिन मेरी इच्छा है कि वह एलिजा के साथ नाचा होता।"

"लिज़ी, अगली बार अगर मैं तुम्हारी जगह होती, तो मैं उसके साथ नृत्य नहीं करती," उसकी माँ ने कहा।

"मुझे विश्वास है, महोदया, मैं आपको विश्वासपूर्वक आश्वासन दे सकता हूँ कि मैं उसके साथ कभी नृत्य नहीं करूँगा।"

मिस लुकास ने कहा, "उसका घमंड मुझे उतना बुरा नहीं लगता जितना अक्सर लगता है, क्योंकि इसके पीछे एक वजह है। इसमें कोई हैरानी की बात नहीं कि इतना अच्छा नौजवान, जिसके पास परिवार, दौलत, सब कुछ है, खुद को बहुत बड़ा समझे। अगर मैं कहूँ तो, उसे घमंड करने का पूरा हक है।"

"यह बिल्कुल सच है," एलिजाबेथ ने उत्तर दिया, "और अगर उसने मेरे अहंकार को ठेस न पहुंचाई होती, तो मैं उसके अहंकार को आसानी से माफ कर देती।"

अपनी सोच की दृढ़ता पर गर्व करते हुए मैरी ने कहा, "अभिमान एक बहुत आम दुर्गुण है, मेरा मानना है। मैंने जो कुछ भी पढ़ा है, उससे मैं आश्वस्त हूँ कि यह वास्तव में बहुत आम है; मानव स्वभाव विशेष रूप से इसके प्रति प्रवृत्त होता है, और हममें से बहुत कम लोग ऐसे हैं जो किसी न किसी गुण, वास्तविक या काल्पनिक, के कारण आत्मसंतुष्टि की भावना न रखते हों। अहंकार और घमंड अलग-अलग चीजें हैं, हालाँकि इन शब्दों का प्रयोग अक्सर पर्यायवाची के रूप में किया जाता है। कोई व्यक्ति अभिमानी हो सकता है, लेकिन अहंकारी

नहीं। अभिमान का संबंध हमारे स्वयं के बारे में हमारी राय से है, जबकि अहंकार का संबंध इस बात से है कि हम दूसरों को अपने बारे में क्या सोचने देना चाहते हैं।"

अपनी बहनों के साथ आए युवा लुकास ने रोते हुए कहा, "अगर मैं मिस्टर डार्सी जितना अमीर होता, तो मुझे इस बात की परवाह नहीं होती कि मैं कितना घमंडी हूँ। मैं शिकारी कुत्तों का एक झुंड पालता और हर दिन एक बोतल शराब पीता।"

"तब तुम जरूरत से कहीं ज्यादा शराब पियोगे," श्रीमती बेनेट ने कहा; "और अगर मैंने तुम्हें ऐसा करते हुए देखा, तो मैं तुम्हारी बोतल तुरंत छीन लूंगी।"

लड़के ने विरोध किया कि उसे ऐसा नहीं करना चाहिए; वह लगातार कहती रही कि वह ऐसा करेगी, और बहस का अंत केवल मुलाकात के साथ ही हुआ।

अध्याय 6

लॉन्गबोर्न की महिलाएं जल्द ही नेदरफील्ड की महिलाओं से मिलने पहुंचीं। मुलाकात का जवाब भी उचित तरीके से दिया गया। मिस बेनेट के मनमोहक व्यवहार ने श्रीमती हर्स्ट और मिस बिंगले का दिल जीत लिया; और हालांकि मां असहनीय थीं और छोटी बहनें बात करने लायक नहीं थीं, फिर भी दोनों बड़ी बहनों से बेहतर जान-पहचान करने की इच्छा व्यक्त की गई। जेन ने इस ध्यान को अत्यंत प्रसन्नता के साथ स्वीकार किया, लेकिन एलिजाबेथ को अभी भी उनके व्यवहार में, यहां तक कि अपनी बहन के प्रति भी, घमंड दिखाई देता था और वह उन्हें पसंद नहीं करती थी; हालांकि जेन के प्रति उनकी दयालुता, जैसी भी थी, का महत्व था क्योंकि यह संभवतः उनके भाई की प्रशंसा के प्रभाव से उत्पन्न हुई थी। जब भी वे मिलतीं, यह आमतौर पर स्पष्ट होता था कि वह जेन की प्रशंसा करता था और यह भी उतना ही स्पष्ट था कि जेन उसके प्रति अपने मन में शुरू से ही जो स्नेह रखती थी, उसके आगे झुक रही थी और एक तरह से उससे बहुत प्यार करने लगी थी। लेकिन उसे इस बात पर खुशी थी कि यह बात आम दुनिया को पता नहीं चलेगी, क्योंकि जेन में प्रबल भावना, संयम और हमेशा हंसमुख स्वभाव का अनूठा मेल था, जो उसे उद्दंड लोगों के संदेह से बचाएगा। उसने यह बात अपनी सहेली मिस लुकास को बताई।

"ऐसे मामले में जनता को प्रभावित कर पाना शायद सुखद हो; लेकिन इतना सतर्क रहना कभी-कभी नुकसानदायक भी होता है। अगर कोई स्त्री अपने प्रेम को उसी कुशलता से अपने प्रिय से छुपाती है, तो वह उसे अपना बनाने का अवसर खो सकती है; और तब यह मानना कि दुनिया को भी इस बारे में कुछ पता नहीं है, कोई सांत्वना नहीं होगी। लगभग हर रिश्ते में इतनी कृतज्ञता या घमंड होता है कि उसे अपने हाल पर छोड़ना सुरक्षित नहीं है। हम सभी स्वेच्छा से शुरुआत कर सकते हैं—थोड़ी सी पसंद होना स्वाभाविक है; लेकिन हममें से बहुत कम लोग ऐसे हैं जिनमें बिना प्रोत्साहन के सच्चे प्रेम को निभाने का साहस होता है। दस में से नौ मामलों में एक स्त्री के लिए बेहतर है कि वह अपने वास्तविक प्रेम से अधिक स्नेह दिखाए। बिंगले को तुम्हारी बहन बेशक पसंद है; लेकिन अगर वह उसका साथ नहीं देगी, तो वह शायद उसे पसंद करने से आगे कभी नहीं बढ़ पाएगा।"

"लेकिन वह अपनी प्रकृति के अनुसार उसकी मदद करती है। अगर मैं उसके प्रति उसके स्नेह को महसूस कर सकता हूँ, तो वह वास्तव में मूर्ख ही होगा जो इसे न समझ पाए।"

"याद रखना, एलिजा, कि वह जेन के स्वभाव को उतना नहीं जानता जितना तुम जानती हो।"

लेकिन अगर कोई महिला किसी पुरुष के प्रति आकर्षित है और इसे छिपाने की कोशिश नहीं करती है, तो उसे इसका पता जरूर चल जाएगा।

"शायद उसे ऐसा करना ही पड़ेगा, अगर वह उससे काफी मिलता रहे। लेकिन, हालांकि बिंगले और जेन अक्सर मिलते हैं, फिर भी वे कई घंटों तक साथ नहीं रहते; और, चूंकि वे हमेशा बड़े मिले-जुले समारोहों में

मिलते हैं, इसलिए हर पल बातचीत में बिताना असंभव है। इसलिए जेन को हर उस आधे घंटे का भरपूर फायदा उठाना चाहिए जिसमें वह उसका ध्यान आकर्षित कर सके। जब उसे बिंगले पर भरोसा हो जाएगा, तो उसके पास अपनी इच्छा अनुसार प्यार करने के लिए अधिक समय होगा।"

“तुम्हारी योजना अच्छी है,” एलिज़ाबेथ ने उत्तर दिया, “जिसमें केवल अच्छी शादी की इच्छा ही मायने रखती है, और अगर मैं एक अमीर पति या कोई भी पति पाने के लिए दृढ़ संकल्पित होती, तो मैं निश्चित रूप से इसे अपना लेती। लेकिन जेन की भावनाएँ ऐसी नहीं हैं; वह जानबूझकर ऐसा नहीं कर रही है। अभी तक, वह अपने प्रति अपने लगाव की मात्रा और उसकी तर्कसंगतता के बारे में भी निश्चित नहीं है। वह उसे केवल दो सप्ताह से जानती है। उसने मेरिटन में उसके साथ चार नृत्य किए; उसने उसे एक सुबह उसके घर पर देखा, और तब से चार बार उसके साथ भोजन किया है। यह उसके चरित्र को समझने के लिए पर्याप्त नहीं है।”

"जैसा आप बता रहे हैं वैसा नहीं है। अगर उसने सिर्फ उसके साथ खाना खाया होता, तो उसे शायद सिर्फ यह पता चलता कि उसे भूख अच्छी लगती है या नहीं; लेकिन आपको यह याद रखना होगा कि चार शामें भी साथ बिताई गई हैं—और चार शामें बहुत कुछ बता सकती हैं।"

"हाँ; इन चार शामों ने उन्हें यह पता लगाने में सक्षम बनाया है कि वे दोनों कॉमर्स की तुलना में विंग्ट-उन को अधिक पसंद करते हैं; लेकिन किसी अन्य प्रमुख विशेषता के संबंध में, मुझे नहीं लगता कि बहुत कुछ सामने आया है।"

“खैर,” शार्लेट ने कहा, “मैं जेन की सफलता की तहे दिल से कामना करती हूँ; और अगर कल ही उसकी उससे शादी हो जाए, तो मुझे लगता है कि उसके खुश रहने की उतनी ही संभावना है जितनी कि बारह महीने तक उसके चरित्र का अध्ययन करने की। वैवाहिक सुख पूरी तरह से संयोग की बात है। चाहे पति-पत्नी के स्वभाव एक-दूसरे को कितने भी अच्छे से जानते हों या पहले से कितने भी मिलते-जुलते हों, इससे उनके सुख में जरा भी वृद्धि नहीं होती। वे हमेशा बाद में इतने अलग होते जाते हैं कि उन्हें कष्ट सहना पड़ता है; और बेहतर यही है कि आप उस व्यक्ति की कमियों के बारे में जितना कम जान सकें, जिसके साथ आप अपना जीवन व्यतीत करने वाले हैं।”

"तुम मुझे हंसाती हो, शार्लोट; लेकिन यह ठीक नहीं है। तुम जानती हो कि यह ठीक नहीं है, और तुम खुद कभी इस तरह से व्यवहार नहीं करोगी।"

अपनी बहन पर मिस्टर बिंगले के ध्यान को देखते हुए एलिज़ाबेथ को ज़रा भी शक नहीं था कि वह खुद उनके दोस्त की नज़रों में आकर्षण का केंद्र बन रही है। मिस्टर डार्सी ने पहले तो उसे खूबसूरती का नामोनिशान भी नहीं दिया था; उन्होंने बॉल में उसे बिना किसी प्रशंसा के देखा था; और जब वे अगली बार मिले, तो उन्होंने उसे केवल आलोचना करने के लिए देखा। लेकिन जैसे ही उन्होंने खुद को और अपने दोस्तों को यह स्पष्ट कर दिया कि उसके चेहरे पर शायद ही कोई अच्छी विशेषता है, वैसे ही उन्हें उसकी गहरी आँखों की सुंदर अभिव्यक्ति से उसका चेहरा असाधारण रूप से बुद्धिमान लगने लगा। इस खोज के बाद कुछ और ऐसी ही अपमानजनक बातें सामने आईं। हालाँकि उन्होंने अपनी पैनी नज़र से उसके शरीर की बनावट में कई

खामियों को देखा था, फिर भी उन्हें उसकी आकृति को हल्का और आकर्षक मानना पड़ा; और यह कहने के बावजूद कि उसके तौर-तरीके फैशनेबल दुनिया के नहीं थे, वे उसकी सहज चंचलता से मोहित हो गए। इस बात से वह पूरी तरह अनजान थी; उसके लिए वह केवल वही आदमी था जो कहीं भी अच्छा व्यवहार नहीं करता था, और जिसने उसे इतना सुंदर नहीं समझा था कि उसके साथ नृत्य कर सके।

वह उसके बारे में और अधिक जानने की इच्छा रखने लगा, और उससे स्वयं बातचीत करने की दिशा में एक कदम के रूप में, उसने दूसरों के साथ उसकी बातचीत पर ध्यान देना शुरू कर दिया। ऐसा करने से उसका ध्यान उसकी ओर आकर्षित हुआ। यह सर विलियम लुकास के घर पर हुआ, जहाँ एक बड़ा समूह एकत्रित था।

"मिस्टर डार्सी का क्या मतलब है," उसने शार्लोट से कहा, "मेरी कर्नल फोर्स्टर के साथ हुई बातचीत सुनने से?"

"इस सवाल का जवाब सिर्फ मिस्टर डार्सी ही दे सकते हैं।"

"लेकिन अगर वह ऐसा दोबारा करता रहा तो मैं उसे ज़रूर बता दूँगा कि मुझे उसकी मंशा समझ आ गई है। उसकी नज़र बहुत ही व्यंग्यात्मक है, और अगर मैंने खुद ही बेअदबी से जवाब देना शुरू नहीं किया तो जल्द ही मुझे उससे डर लगने लगेगा।"

कुछ ही देर बाद जब वह उनके पास आया, तो बोलने का कोई इरादा न दिखाते हुए भी, मिस लुकास ने अपनी सहेली को चुनौती दी कि वह उससे इस विषय पर बात करे; जिससे एलिजाबेथ तुरंत भड़क उठी और उसकी ओर मुड़कर बोली:

"क्या आपको नहीं लगता, मिस्टर डार्सी, कि मैंने अभी-अभी कर्नल फोर्स्टर को मेरिटन में हमारे लिए एक बॉल आयोजित करने के लिए चिढ़ाते हुए असाधारण रूप से अच्छी तरह से अपनी बात रखी?"

"अत्यंत ऊर्जावान होकर; लेकिन यह हमेशा एक ऐसा विषय होता है जो एक महिला को ऊर्जावान बनाता है।"

"आप हमारे प्रति बहुत सख्त हैं।"

"जल्द ही उसकी बारी आएगी चिढ़ाने की," मिस लुकास ने कहा। "मैं यंत्र खोलने जा रही हूँ, एलिज़ा, और तुम जानती हो कि इसके बाद क्या होगा।"

"तुम तो बड़े अजीब दोस्त हो! हमेशा चाहते हो कि मैं सबके सामने गाऊं-बजाऊं! अगर मेरा घमंड संगीत की तरफ होता, तो तुम मेरे लिए अनमोल होते; लेकिन अभी तो मैं उन लोगों के सामने बैठना नहीं चाहती जो बेहतरीन कलाकारों को सुनने के आदी हैं।" मिस लुकास के लगातार प्रयास पर उन्होंने आगे कहा, "ठीक है, अगर ऐसा होना ही है तो ठीक है।" और मिस्टर डार्सी की तरफ गंभीरता से देखते हुए उन्होंने कहा, "एक पुरानी कहावत है, जिससे यहां मौजूद हर कोई वाकिफ है: 'अपनी सांस बचाकर रखो ताकि दलिया ठंडा रहे'; और मैं अपनी सांस बचाकर रखूंगी ताकि मेरा गाना और भी मधुर हो जाए।"

उसका प्रदर्शन संतोषजनक था, हालांकि उतना शानदार नहीं था। एक-दो गाने के बाद, और इससे पहले कि वह कई लोगों के दोबारा गाने के अनुरोध का जवाब दे पाती, उसकी बहन मैरी ने उत्सुकतापूर्वक वाद्य यंत्र पर उसकी जगह ले ली। मैरी, परिवार में अकेली सादी दिखने वाली होने के कारण, ज्ञान और कौशल हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करती थी और हमेशा प्रदर्शन के लिए उत्सुक रहती थी।

मैरी में न तो प्रतिभा थी और न ही कलात्मक समझ; और यद्यपि घमंड ने उसे लगन दी थी, इसने उसे पांडित्यपूर्ण और अभिमानी स्वभाव भी दे दिया था, जो उसकी अब तक की उत्कृष्टता से कहीं अधिक ऊँचा स्थान प्राप्त करने में बाधा उत्पन्न करता। एलिजाबेथ, सहज और स्वाभाविक, को कहीं अधिक आनंद से सुना जाता था, हालाँकि वह मैरी की तरह अच्छा नहीं बजाती थी; और मैरी, एक लंबे संगीत कार्यक्रम के अंत में, अपनी छोटी बहनों के अनुरोध पर स्कॉटिश और आयरिश धुनें बजाकर प्रशंसा और आभार प्राप्त करने में प्रसन्न होती थी, जो कुछ लुकास सदस्यों और दो-तीन अधिकारियों के साथ कमरे के एक कोने में उत्साहपूर्वक नृत्य करने में शामिल हो गईं।

श्री डार्सी शाम को इस तरह से बिताने के तरीके पर चुपचाप नाराज़ होकर उनके पास खड़े थे, जहाँ कोई बातचीत नहीं हो रही थी, और वे अपने विचारों में इतने डूबे हुए थे कि उन्हें यह एहसास ही नहीं हुआ कि सर विलियम लुकास उनके पड़ोसी हैं, जब तक कि सर विलियम ने इस तरह बोलना शुरू नहीं किया:

"युवाओं के लिए यह कितना मनमोहक मनोरंजन है, श्री डार्सी! आखिर नृत्य जैसा कुछ और नहीं है। मैं इसे सभ्य समाज की प्रमुख विशेषताओं में से एक मानता हूँ।"

"बिल्कुल, महोदय; और इसका एक फायदा यह भी है कि यह दुनिया के कम सभ्य समाजों में भी प्रचलित है। हर जंगली आदमी नाच सकता है।"

सर विलियम ने सिर्फ मुस्कुरा दिया। बिंगले को समूह में शामिल होते देख, थोड़ी देर रुकने के बाद उन्होंने कहा, "आपका दोस्त बहुत ही शानदार प्रदर्शन करता है; और मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि आप स्वयं भी इस कला में निपुण हैं, मिस्टर डार्सी।"

"मुझे लगता है कि आपने मुझे मेरिटन में नाचते हुए देखा था, महोदय।"

"जी हां, बिल्कुल, और मुझे यह दृश्य देखकर काफी आनंद मिला। क्या आप अक्सर सेंट जेम्स में नृत्य करते हैं?"

"कभी नहीं, महोदय।"

"क्या आपको नहीं लगता कि यह इस जगह के लिए एक उचित प्रशंसा होगी?"

"यह एक ऐसी प्रशंसा है जिसे मैं किसी भी स्थान को कभी नहीं देता, अगर मैं इससे बच सकता हूँ।"

"मेरा अनुमान है कि आपका शहर में एक घर है?"

श्री डार्सी ने सिर झुकाया।

"मैंने एक बार खुद शहर में बसने के बारे में सोचा था - क्योंकि मुझे उच्च समाज पसंद है; लेकिन मुझे पूरी तरह से यकीन नहीं था कि लंदन का माहौल लेडी लुकास को रास आएगा।"

वह उत्तर की उम्मीद में रुका; लेकिन उसकी साथी कोई जवाब देने को तैयार नहीं थी; और उसी क्षण एलिजाबेथ उनकी ओर बढ़ी, तो उसे एक बहुत ही साहसी कार्य करने का विचार आया और उसने उसे पुकारा:

"मेरी प्यारी मिस एलिज़ा, आप नाच क्यों नहीं रही हैं? मिस्टर डार्सी, आपको मुझे इस युवती को आपके सामने एक बेहद आकर्षक साथी के रूप में पेश करने की अनुमति देनी होगी। मुझे यकीन है कि इतनी सुंदरता आपके सामने होने पर आप नाचने से इनकार नहीं कर सकते।" और, उनका हाथ पकड़कर, वह मिस्टर डार्सी को देने ही वाले थे, जो बेहद आश्चर्यचकित होने के बावजूद, हाथ लेने के लिए अनिच्छुक नहीं थे, तभी एलिज़ा ने तुरंत अपना हाथ पीछे खींच लिया और कुछ झिझक के साथ सर विलियम से कहा:

"जी हाँ, महोदय, मेरा नाचने का ज़रा भी इरादा नहीं है। आपसे निवेदन है कि यह न समझें कि मैं किसी साथी की भीख मांगने के लिए इस तरह से हिली-डुली।"

श्री डार्सी ने अत्यंत शालीनता से एलिजाबेथ से विवाह का प्रस्ताव रखा, लेकिन व्यर्थ। एलिजाबेथ दृढ़ निश्चयी थीं; और सर विलियम के समझाने-बुझाने के प्रयास से भी उनका इरादा ज़रा भी नहीं डिगा।

"मिस एलिजा, आप नृत्य में इतनी निपुण हैं कि मुझे आपको देखने के सौभाग्य से वंचित करना अन्याय होगा; और यद्यपि इस सज्जन को आम तौर पर मनोरंजन पसंद नहीं है, मुझे यकीन है कि उन्हें आधे घंटे के लिए हमें यह अवसर देने में कोई आपत्ति नहीं होगी।"

"मिस्टर डार्सी तो पूरी तरह से विनम्र हैं," एलिजाबेथ ने मुस्कुराते हुए कहा।

"हाँ, बिल्कुल; लेकिन, मेरी प्यारी मिस एलिजा, प्रोत्साहन को देखते हुए, हमें उनकी विनम्रता पर आश्चर्य नहीं हो सकता - क्योंकि ऐसे साथी पर कौन आपत्ति करेगा?"

एलिजाबेथ ने तिरछी नज़र से देखा और मुँह फेर लिया। उसके विरोध से उस सज्जन पर कोई बुरा असर नहीं पड़ा था, और वह कुछ संतुष्टि के साथ उसके बारे में सोच रहा था, तभी मिस बिंगले ने उससे इस तरह बात की:

मैं तुम्हारी कल्पना का विषय समझ सकता हूँ।

मुझे ऐसा नहीं लगता।

"आप सोच रहे होंगे कि इस तरह से कई शामें गुजारना कितना असहनीय होगा—ऐसे लोगों के बीच; और सच में मैं आपकी बात से पूरी तरह सहमत हूँ। मुझे इतना गुस्सा कभी नहीं आया! नीरसता, फिर भी शोर—उन सभी लोगों का खालीपन, फिर भी उनका अहंकार! काश मैं उन पर आपकी तीखी आलोचना सुन पाता!"

"आपका अनुमान बिल्कुल गलत है, मैं आपको विश्वास दिलाता हूं। मेरा मन कहीं अधिक सुखद रूप से व्यस्त था। मैं इस बात पर विचार कर रहा था कि एक सुंदर स्त्री के चेहरे पर सुंदर आंखों का एक जोड़ा कितना बड़ा आनंद प्रदान कर सकता है।"

मिस बिंगले ने तुरंत उनकी ओर देखा और उनसे पूछा कि किस महिला के कारण उनके मन में ऐसे विचार आए। श्री डार्सी ने बड़े साहस से उत्तर दिया:

"मिस एलिजाबेथ बेनेट।"
"मिस एलिजाबेथ बेनेट!" मिस बिंगले ने दोहराया। "मैं पूरी तरह से आश्चर्यचकित हूँ। वह कब से इतनी प्रिय रही हैं? और कृपया बताइए, मैं आपको कब बधाई दूँगी?"
"यही वह सवाल है जिसकी मुझे आपसे उम्मीद थी। एक महिला की कल्पना बहुत तीव्र होती है; यह पल भर में प्रशंसा से प्रेम और प्रेम से विवाह तक पहुँच जाती है। मुझे पता था कि आप मुझे खुशी की शुभकामनाएं देंगे।"
"नहीं, अगर आप इस बारे में गंभीर हैं, तो मैं इस मामले को पूरी तरह से सुलझा हुआ मानूंगा। आपको वाकई एक प्यारी सास मिलेगी; और, बेशक, वह हमेशा आपके साथ पेम्बर्ली में ही रहेंगी।"
जब वह इस तरह से अपना मनोरंजन करना चाहती थी, तो वह पूरी उदासीनता से उसकी बातें सुनता रहा; और जैसे ही उसके शांत स्वभाव ने उसे आश्वस्त किया कि सब कुछ सुरक्षित है, उसकी हाजिरजवाबी लगातार चलती रही।

अध्याय 7

श्री बेनेट की संपत्ति लगभग पूरी तरह से दो हजार पाउंड वार्षिक की जागीर थी, जो दुर्भाग्यवश उनकी बेटियों के लिए, पुरुष उत्तराधिकारियों के अभाव में, एक दूर के रिश्तेदार को विरासत में मिली थी; और उनकी मां की संपत्ति, हालांकि उनकी सामाजिक स्थिति के लिए पर्याप्त थी, उनके पिता की कमी को पूरा करने में मुश्किल से ही सक्षम थी। उनके पिता मेरिटन में एक वकील थे और उन्होंने उनके लिए चार हजार पाउंड छोड़े थे।

उनकी एक बहन की शादी मिस्टर फिलिप्स से हुई थी, जो उनके पिता के क्लर्क थे और बाद में उन्होंने व्यवसाय संभाला, और उनका एक भाई लंदन में एक प्रतिष्ठित व्यापारिक क्षेत्र में बस गया था।

लॉन्गबोर्न गाँव मेरिटन से मात्र एक मील दूर था; युवतियों के लिए यह बहुत सुविधाजनक दूरी थी, जो आमतौर पर सप्ताह में तीन या चार बार अपनी चाची को अपनी भेंट देने और सामने ही स्थित एक टोपी की दुकान पर जाने के लिए वहाँ जाती थीं। परिवार की सबसे छोटी दो बेटियाँ, कैथरीन और लिडिया, विशेष रूप से अक्सर वहाँ जाती थीं; उनका मन अपनी बहनों की तुलना में अधिक खाली रहता था, और जब कुछ और करने को नहीं होता था, तो मेरिटन की सैर उनके लिए सुबह के समय को बिताने और शाम के लिए बातचीत का साधन बनने के लिए आवश्यक थी; और भले ही देश में आम तौर पर खबरों की कमी हो, वे हमेशा अपनी चाची से कुछ न कुछ जानने का प्रबंध कर लेती थीं। वास्तव में, हाल ही में पड़ोस में एक मिलिशिया रेजिमेंट के आगमन से उन्हें खबरों और खुशियों का भरपूर भंडार मिला हुआ था; यह पूरी सर्दी भर वहीं रहने वाली थी, और मेरिटन उसका मुख्यालय था।

श्रीमती फिलिप्स से उनकी मुलाक़ातें अब बेहद दिलचस्प जानकारियाँ जुटाने लगी थीं। हर दिन अधिकारियों के नाम और उनके संबंधों के बारे में उनकी जानकारी बढ़ती जा रही थी। उनका ठिकाना जल्द ही गुप्त हो गया और अंततः वे स्वयं अधिकारियों को जानने लगीं। श्री फिलिप्स उन सभी से मिलने जाते थे, और इससे उनकी भतीजियों को अपार प्रसन्नता प्राप्त हुई। वे केवल अधिकारियों के बारे में ही बात करती थीं; और श्री बिंगले की अपार संपत्ति, जिसका ज़िक्र उनकी माँ को उत्साहित कर देता था, उनकी नज़रों में एक उच्च अधिकारी के पदचिह्नों के सामने नगण्य थी।

एक सुबह इस विषय पर उनकी भावुक बातों को सुनने के बाद, श्री बेनेट ने शांत भाव से टिप्पणी की:

"तुम्हारे बात करने के तरीके से मुझे जो समझ में आया है, उससे यही लगता है कि तुम दोनों देश की सबसे बेवकूफ लड़कियां हो। मुझे कुछ समय से इस बात का शक था, लेकिन अब मुझे पूरा यकीन हो गया है।"

कैथरीन परेशान हो गई और उसने कोई जवाब नहीं दिया; लेकिन लिडिया ने पूर्ण उदासीनता के साथ कैप्टन कार्टर के प्रति अपनी प्रशंसा व्यक्त करना जारी रखा और दिन के दौरान उनसे मिलने की अपनी आशा जताई, क्योंकि वह अगली सुबह लंदन जा रहे थे।

श्रीमती बेनेट ने कहा, "मुझे आश्चर्य है, मेरे प्रिय, कि तुम अपने बच्चों को इतनी आसानी से मूर्ख समझ लेते हो। अगर मैं किसी के बच्चों को कमतर आंकना चाहूँ, तो वह मेरे अपने बच्चे नहीं होंगे।"
"अगर मेरे बच्चे नादान हैं, तो मुझे उम्मीद करनी चाहिए कि मैं हमेशा इस बात से अवगत रहूँगी।"
"हां—लेकिन संयोगवश, वे सभी बहुत ही चतुर हैं।"
"मुझे लगता है कि यही एक मुद्दा है जिस पर हम सहमत नहीं हैं। मुझे उम्मीद थी कि हमारे विचार हर मामले में एक जैसे होंगे, लेकिन मुझे आपसे इस मामले में इतना मतभेद है कि मैं हमारी दोनों सबसे छोटी बेटियों को असाधारण रूप से मूर्ख मानती हूँ।"
"मेरे प्रिय श्री बेनेट, आपको ऐसी लड़कियों से उनके माता-पिता जैसी समझ की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। जब वे हमारी उम्र की हो जाएंगी, तो मुझे पूरा यकीन है कि वे अधिकारियों के बारे में उतना ही सोचेंगी जितना हम सोचते हैं। मुझे वह समय याद है जब मुझे खुद लाल कोट बहुत पसंद था—और वास्तव में, आज भी मुझे दिल से वही पसंद है; और अगर कोई होशियार युवा कर्नल, जिसकी सालाना आय पाँच-छह हज़ार हो, मेरी किसी लड़की को चाहे तो मैं उसे मना नहीं करूँगी; और मुझे लगा कि कर्नल फोर्स्टर पिछली रात सर विलियम के यहाँ अपनी रेजिमेंटल वर्दी में बहुत अच्छे लग रहे थे।"
"मम्मा," लिडिया रोते हुए बोली, "मेरी चाची कहती हैं कि कर्नल फोर्स्टर और कैप्टन कार्टर अब मिस वॉटसन के यहाँ उतनी बार नहीं जाते जितनी बार वे शुरू में आते थे; अब वह उन्हें अक्सर क्लार्क की लाइब्रेरी में खड़े देखती हैं।"
श्रीमती बेनेट जवाब देने से पहले ही एक नौकर के आने से रुक गईं, जो मिस बेनेट के लिए एक संदेश लेकर आया था; यह संदेश नेदरफील्ड से आया था, और नौकर जवाब की प्रतीक्षा करने लगा। श्रीमती बेनेट की आँखें खुशी से चमक उठीं, और वह उत्सुकता से पुकार रही थीं, जबकि उनकी बेटी पढ़ रही थी।
"अच्छा, जेन, यह किससे है? यह किस बारे में है? वह क्या कहता है? अच्छा, जेन, जल्दी बताओ; जल्दी करो, मेरी जान।"
"यह मिस बिंगले की ओर से है," जेन ने कहा और फिर उसे जोर से पढ़ा।
"मेरा प्रिय मित्र,-
यदि आप आज मुझ पर और लुइसा पर दया करके भोजन नहीं करेंगे, तो हम जीवन भर एक-दूसरे से नफरत करते रहेंगे, क्योंकि दो महिलाओं के बीच पूरे दिन की बातचीत बिना झगड़े के कभी समाप्त नहीं हो सकती। इसे प्राप्त होते ही जितनी जल्दी हो सके आ जाइए। मेरे भाई और अन्य सज्जन अधिकारियों के साथ भोजन करेंगे।—आपका सदा,
"कैरोलिन बिंगले"
"अधिकारियों के साथ!" लिडिया चिल्लाई। "मुझे आश्चर्य है कि मेरी चाची ने हमें इसके बारे में क्यों नहीं बताया।"
श्रीमती बेनेट ने कहा, "बाहर खाना खाना बहुत अशुभ माना जाता है।"

"क्या मुझे गाड़ी मिल सकती है?" जेन ने कहा।
"नहीं, मेरी प्यारी, बेहतर होगा कि तुम घोड़े पर सवार होकर जाओ, क्योंकि बारिश होने की संभावना है; और फिर तुम्हें पूरी रात वहीं रुकना पड़ेगा।"
एलिजाबेथ ने कहा, "यह एक अच्छी योजना होगी, अगर आपको यकीन हो कि वे उसे घर भेजने की पेशकश नहीं करेंगे।"
"अरे! लेकिन सज्जनों को मेरिटन जाने के लिए मिस्टर बिंगले की गाड़ी चाहिए, और हर्स्ट परिवार के पास अपनी गाड़ी के लिए घोड़े नहीं हैं।"
"मैं कोच में जाना ज्यादा पसंद करूंगा।"
"लेकिन, मेरी प्यारी, मुझे यकीन है कि तुम्हारे पिता घोड़ों को नहीं छोड़ सकते। श्री बेनेट, खेत में उनकी जरूरत है, है ना?"
"खेत में उनकी जरूरत मुझसे कहीं ज्यादा होती है, जितनी बार मैं उन्हें ला पाता हूं।"
"लेकिन अगर आपको वे आज मिल गए," एलिजाबेथ ने कहा, "तो मेरी माँ का उद्देश्य पूरा हो जाएगा।"
अंततः उसने अपने पिता से यह स्वीकार करवा ही लिया कि घोड़े पहले से ही किसी काम में लगे हुए हैं। इसलिए जेन को घोड़े पर सवार होकर जाना पड़ा, और उसकी माँ ने उसे दरवाजे तक छोड़ने के साथ-साथ आज के बुरे दिन की कई खुशनुमा भविष्यवाणियाँ भी कीं। उसकी उम्मीदें पूरी हुईं; जेन के जाते ही ज़ोरदार बारिश शुरू हो गई। उसकी बहनें उसके लिए चिंतित थीं, लेकिन उसकी माँ बहुत खुश थी। पूरी शाम बारिश बिना रुके होती रही; जेन का वापस आना नामुमकिन था।
"यह तो सचमुच मेरा एक शानदार विचार था!" श्रीमती बेनेट ने एक से अधिक बार कहा, मानो बारिश करवाने का सारा श्रेय उन्हीं को जाता हो। हालांकि, अगली सुबह तक उन्हें अपनी इस तरकीब की सफलता का एहसास नहीं हुआ था। नाश्ता अभी खत्म ही हुआ था कि नेदरफील्ड से एक नौकरानी एलिजाबेथ के लिए यह नोट लेकर आई:
मेरी प्यारी लिज़ी,—
आज सुबह मेरी तबीयत बहुत खराब है, जिसका कारण शायद कल का दिन मेरे भीगने की वजह से है। मेरे प्यारे दोस्त मेरी वापसी की खबर तब तक नहीं सुनना चाहते जब तक मैं ठीक न हो जाऊं। वे चाहते हैं कि मैं मिस्टर जोन्स से मिलूं—इसलिए अगर आपको पता चले कि वे मुझसे मिलने आए थे तो चिंता न करें—और गले में खराश और सिरदर्द के अलावा मुझे और कुछ खास नहीं है।—आपका, इत्यादि।
"खैर, मेरी प्यारी," एलिजाबेथ द्वारा नोट को जोर से पढ़ने के बाद मिस्टर बेनेट ने कहा, "अगर आपकी बेटी को कोई गंभीर बीमारी हो जाए - अगर उसकी मृत्यु हो जाए, तो यह जानकर आपको तसल्ली होगी कि यह सब मिस्टर बिंगले का पीछा करने के दौरान और आपके आदेश पर हुआ था।"
"ओह! मुझे उसके मरने का डर नहीं है। मामूली सर्दी-जुकाम से लोग नहीं मरते। उसकी अच्छी देखभाल की जाएगी। जब तक वह वहाँ है, सब ठीक है। अगर मुझे गाड़ी मिल जाए तो मैं उससे मिलने ज़रूर जाऊँगा।"

एलिजाबेथ बेहद चिंतित थी और उसने ठान लिया था कि वह उसके पास जाएगी, भले ही गाड़ी उपलब्ध न हो; और चूंकि वह घुड़सवारी में माहिर नहीं थी, इसलिए पैदल चलना ही उसका एकमात्र विकल्प था। उसने अपना दृढ़ निश्चय व्यक्त किया।

"तुम इतनी बेवकूफ कैसे हो सकती हो," उसकी माँ चिल्लाई, "इतनी गंदगी में ऐसी बात सोचने की! जब तुम वहाँ पहुँचोगी तो तुम्हें देखने लायक भी नहीं समझा जाएगा।"

"मैं जेन से मिलने के लिए पूरी तरह से तैयार रहूंगा—और यही मेरी एकमात्र इच्छा है।"

"क्या यह मेरे लिए कोई संकेत है, लिज़ी," उसके पिता ने कहा, "कि मैं घोड़ों को बुलवा लूँ?"

"नहीं, बिल्कुल नहीं, मैं पैदल चलने से बचना नहीं चाहता। जब कोई मकसद हो तो दूरी कुछ भी नहीं होती; सिर्फ तीन मील। मैं रात के खाने तक वापस आ जाऊंगा।"

"मैं आपकी परोपकारिता की सक्रियता की प्रशंसा करती हूं," मैरी ने कहा, "लेकिन भावना की हर प्रेरणा को तर्क द्वारा निर्देशित किया जाना चाहिए; और, मेरी राय में, प्रयास हमेशा आवश्यकता के अनुपात में होना चाहिए।"

"हम आपके साथ मेरिटन तक चलेंगी," कैथरीन और लिडिया ने कहा। एलिजाबेथ ने उनका साथ स्वीकार कर लिया और तीनों युवतियाँ एक साथ चल पड़ीं।

चलते-चलते लिडिया ने कहा, "अगर हम जल्दी करें, तो शायद हमें कैप्टन कार्टर के जाने से पहले उनकी एक झलक देखने को मिल जाए।"

मेरिटन में वे अलग हो गए; दोनों सबसे छोटे बच्चे एक अधिकारी की पत्नी के आवास पर चले गए, और एलिजाबेथ अकेले ही अपनी सैर जारी रखती रही, एक के बाद एक खेत को तेज गति से पार करती हुई, बाड़ पर से कूदती हुई और अधीरता से पानी के गड्ढों को पार करती हुई, और अंत में थके हुए टखनों, गंदे मोजों और व्यायाम की गर्मी से दमकते चेहरे के साथ घर के नजारे के सामने पहुँच गई।

उन्हें नाश्ते के कमरे में ले जाया गया, जहाँ जेन को छोड़कर बाकी सभी लोग मौजूद थे, और जहाँ उनकी उपस्थिति ने सभी को आश्चर्यचकित कर दिया। श्रीमती हर्स्ट और मिस बिंगले के लिए यह लगभग अविश्वसनीय था कि वह दिन के इतने शुरुआती समय में, इतने खराब मौसम में, अकेले तीन मील पैदल चलकर आई थीं; और एलिजाबेथ को यकीन था कि वे इसके लिए उनसे घृणा करती थीं। फिर भी, उनका बहुत ही विनम्रता से स्वागत किया गया; और उनके भाई के व्यवहार में विनम्रता से कहीं बढ़कर कुछ था; हास्य और दयालुता। श्री डार्सी ने बहुत कम कहा, और श्री हर्स्ट ने तो बिल्कुल भी नहीं। श्री डार्सी उनकी त्वचा की चमक की प्रशंसा कर रहे थे, जो व्यायाम से निखर आई थी, और साथ ही इस बात पर संदेह भी कर रहे थे कि क्या इस अवसर पर उनका इतनी दूर अकेले आना उचित था। श्री हर्स्ट केवल अपने नाश्ते के बारे में सोच रहे थे।

अपनी बहन के बारे में पूछे गए सवालों के जवाब संतोषजनक नहीं थे। मिस बेनेट रात भर बीमार रहीं और जागने के बावजूद उन्हें तेज़ बुखार था, और वे कमरे से बाहर निकलने की हालत में नहीं थीं। एलिज़ाबेथ को

तुरंत उनके पास ले जाए जाने की बहुत खुशी हुई; और जेन, जो केवल चिंता या असुविधा के डर से अपने नोट में यह बताने से हिचक रही थी कि वह इस मुलाकात के लिए कितनी तरस रही थी, एलिज़ाबेथ के आने पर बहुत प्रसन्न हुई। हालाँकि, वह ज़्यादा बातचीत करने में सक्षम नहीं थी, और जब मिस बिंगले उन्हें छोड़कर चली गईं, तो वह उनके साथ किए गए असाधारण स्नेह के लिए आभार व्यक्त करने के अलावा कुछ खास नहीं कर सकीं। एलिज़ाबेथ चुपचाप उनकी सेवा करती रही।

नाश्ता खत्म होने पर बहनें भी उनके साथ आ गईं; और जब एलिज़ाबेथ ने देखा कि वे जेन के प्रति कितना स्नेह और चिंता दिखा रही हैं, तो उसे भी वे अच्छी लगने लगीं। वैद्य आया और मरीज़ की जाँच करने के बाद, जैसा कि अनुमान लगाया जा सकता था, उसने कहा कि उसे ज़ुकाम हो गया है और उन्हें इसे ठीक करने की कोशिश करनी चाहिए; उसने उसे बिस्तर पर वापस जाने की सलाह दी और कुछ दवाइयाँ देने का वादा किया। सलाह का तुरंत पालन किया गया, क्योंकि बुखार के लक्षण बढ़ गए थे और उसके सिर में तेज़ दर्द हो रहा था। एलिज़ाबेथ एक पल के लिए भी अपने कमरे से बाहर नहीं निकली; और न ही दूसरी महिलाएँ अक्सर बाहर जाती थीं; क्योंकि पुरुष बाहर गए हुए थे, इसलिए वास्तव में उनके पास कहीं और करने को कुछ नहीं था।

जब घड़ी में तीन बजे, एलिज़ाबेथ को लगा कि उसे जाना ही होगा, और उसने बड़ी अनिच्छा से यह बात कही। मिस बिंगले ने उसे गाड़ी की पेशकश की, और एलिज़ाबेथ को इसे स्वीकार करने के लिए बस थोड़ा सा आग्रह करना था, तभी जेन ने उससे विदा होने पर इतनी चिंता व्यक्त की कि मिस बिंगले को गाड़ी की पेशकश को नेदरफ़ील्ड में कुछ समय के लिए रुकने के निमंत्रण में बदलना पड़ा। एलिज़ाबेथ ने अत्यंत कृतज्ञतापूर्वक सहमति दी, और एक नौकर को लॉन्गबोर्न भेजा गया ताकि परिवार को उसके ठहरने की सूचना दी जा सके और उसके लिए कपड़े लाए जा सकें।

अध्याय 8

पांच बजे दोनों महिलाएं कपड़े बदलने चली गईं, और साढ़े छह बजे एलिजाबेथ को खाने के लिए बुलाया गया। जब उनसे शिष्टाचारवश कई सवाल पूछे गए, जिनमें श्री बिंगले की असाधारण चिंता भी झलक रही थी, तो एलिजाबेथ उनका कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सकीं। जेन की हालत में कोई सुधार नहीं हुआ था। यह सुनकर बहनों ने तीन-चार बार दोहराया कि उन्हें कितना दुख हुआ है, जुकाम होना कितना बुरा है, और उन्हें खुद बीमार होना कितना नापसंद है; और फिर उन्होंने इस बारे में और नहीं सोचा: और जेन के प्रति उनकी उदासीनता ने, जब वह उनके सामने नहीं थी, एलिजाबेथ को फिर से जेन के प्रति अपनी पुरानी नापसंदगी का एहसास करा दिया।

दरअसल, उनके भाई ही उस समूह में इकलौते व्यक्ति थे जिन पर वह कुछ हद तक भरोसा कर सकती थीं। जेन के प्रति उनकी चिंता स्पष्ट थी, और उनका ध्यान जेन की ओर आकर्षित करना उन्हें बेहद सुखद लगा, और इसी वजह से जेन को ऐसा महसूस नहीं हुआ जैसा कि उन्हें दूसरों द्वारा समझा जा रहा था। उनके अलावा किसी ने भी उन पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया। मिस बिंगले मिस्टर डार्सी में मग्न थीं, उनकी बहन भी कुछ कम नहीं थीं; और जहाँ तक मिस्टर हर्स्ट की बात है, जिनके पास एलिजाबेथ बैठी थीं, वे एक आलसी व्यक्ति थे, जो केवल खाने-पीने और ताश खेलने में ही मग्न रहते थे; और जब उन्हें पता चला कि जेन को रगुट के बजाय सादा खाना पसंद है, तो उन्होंने उनसे कुछ नहीं कहा।

खाना खत्म होने के बाद, वह सीधे जेन के पास लौट आई, और जैसे ही वह कमरे से बाहर निकली, मिस बिंगले ने उसे बुरा-भला कहना शुरू कर दिया। उसके तौर-तरीकों को बेहद खराब बताया गया, जो घमंड और धृष्टता का मिश्रण थे; उसमें न तो बातचीत करने का हुनर था, न ही कोई शैली, न ही कोई सुंदरता। श्रीमती हर्स्ट भी यही सोचती थीं, और उन्होंने आगे कहा:

संक्षेप में कहें तो, उसमें एक उत्कृष्ट पैदल यात्री होने के अलावा और कुछ भी ऐसा नहीं है जो उसकी प्रशंसा करने लायक हो। मैं आज सुबह उसकी शक्ल कभी नहीं भूलूंगा। वह सचमुच लगभग जंगली लग रही थी।

"हाँ, लुइसा! मैं तो अपनी हंसी रोक ही नहीं पाई। आना ही कितना बेतुका था! अपनी बहन को सर्दी लगने पर उसे इधर-उधर क्यों भागना पड़ा? उसके बाल कितने बिखरे और बेतरतीब थे!"

"हां, और उसका पेटीकोट; मुझे उम्मीद है कि आपने उसका पेटीकोट देखा होगा, जो छह इंच कीचड़ में डूबा हुआ था, मुझे पूरा यकीन है; और वह गाउन जिसे उसे छिपाने के लिए नीचे गिराया गया था, वह अपना काम नहीं कर रहा था।"

"लुईसा, तुम्हारी तस्वीर शायद बिल्कुल सटीक है," बिंगले ने कहा; "लेकिन यह सब मेरी नज़र से ओझल हो गया। मुझे लगा कि मिस एलिजाबेथ बेनेट आज सुबह जब कमरे में आईं तो वह बेहद स्वस्थ लग रही थीं। उनकी गंदी पेटीकोट मेरी नज़र से बिल्कुल छूट गई।"

"मुझे यकीन है कि आपने इसे देखा होगा, मिस्टर डार्सी," मिस बिंगले ने कहा; "और मुझे लगता है कि आप अपनी बहन को इस तरह का प्रदर्शन करते हुए देखना नहीं चाहेंगे।"
"हरगिज नहीं।"
"तीन मील, चार मील, पांच मील, या जितनी भी दूरी हो, टखनों तक कीचड़ में अकेले, बिलकुल अकेले चलना! इसका उसका क्या मतलब हो सकता है? मुझे तो यह एक घिनौनी किस्म की अभिमानी स्वतंत्रता, शिष्टाचार के प्रति घोर लापरवाही का प्रदर्शन लगता है।"
बिंगले ने कहा, "यह अपनी बहन के प्रति उसका स्नेह दर्शाता है जो बहुत ही सुखद है।"
"मुझे खेद है, मिस्टर डार्सी," मिस बिंगले ने लगभग फुसफुसाते हुए कहा, "कि इस घटना ने उनकी सुंदर आंखों के प्रति आपकी प्रशंसा को कुछ हद तक प्रभावित किया है।"
“बिल्कुल नहीं,” उन्होंने उत्तर दिया; “वे व्यायाम से प्रसन्न हो गए थे।” इस भाषण के बाद थोड़ी देर का विराम आया और श्रीमती हर्स्ट ने फिर बोलना शुरू किया:
"मुझे मिस जेन बेनेट के लिए बहुत सम्मान है, वह वास्तव में बहुत प्यारी लड़की है, और मैं दिल से चाहता हूँ कि उसका अच्छा घर हो जाए। लेकिन ऐसे माता-पिता और ऐसे निम्न संबंध के साथ, मुझे डर है कि इसकी कोई संभावना नहीं है।"
"मुझे लगता है मैंने आपको यह कहते हुए सुना है कि उनके चाचा मेरिटन में एक वकील हैं।"
"हां; और उनका एक और रिश्तेदार है, जो चीपसाइड के पास कहीं रहता है।"
"वाह, यह तो बहुत बढ़िया है," उसकी बहन ने कहा और दोनों दिल खोलकर हंस पड़ीं।
"अगर उनके पास इतने चाचा होते कि पूरा चीपसाइड भर जाए," बिंगले चिल्लाया, "तो भी वे जरा भी कम आकर्षक नहीं होते।"
"लेकिन इससे दुनिया के किसी भी प्रतिष्ठित पुरुष से शादी करने की उनकी संभावना काफी हद तक कम हो जाएगी," डार्सी ने उत्तर दिया।
इस भाषण पर बिंगले ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी; लेकिन उसकी बहनों ने इसे अपनी हार्दिक सहमति दी और कुछ समय तक अपने प्रिय मित्र के अशिष्ट रिश्तेदारों का मजाक उड़ाते हुए हंसी-मजाक में लिप्त रहीं। लेकिन नए स्नेह के साथ, भोजन कक्ष से निकलते ही वे उसके कमरे में लौट आए और कॉफी के लिए बुलाए जाने तक उसके साथ बैठे रहे। वह अभी भी बहुत बीमार थी, और एलिजाबेथ देर शाम तक उससे दूर नहीं जाना चाहती थी, जब उसे उसे सोते हुए देखकर थोड़ी राहत मिली, और तब उसे लगा कि नीचे जाना सुखद से अधिक उचित है। ड्राइंग रूम में प्रवेश करते ही उसने सभी को शौचालय में पाया, और उसे तुरंत उनके साथ जाने का निमंत्रण मिला; लेकिन उन्हें कुछ गड़बड़ लग रही थी, इसलिए उसने मना कर दिया और अपनी बहन का बहाना बनाकर कहा कि वह नीचे थोड़े समय के लिए रुककर एक किताब पढ़कर अपना मनोरंजन करेगी। श्री हर्स्ट ने उसे आश्चर्य से देखा।
"क्या आपको ताश खेलने की बजाय पढ़ना पसंद है?" उसने कहा; "यह तो काफी अनोखी बात है।"

मिस बिंगले ने कहा, "मिस एलिजा बेनेट को ताश खेलना बिल्कुल पसंद नहीं है। वह पढ़ने की बहुत शौकीन हैं और उन्हें किसी और चीज में आनंद नहीं आता।"
"मैं न तो ऐसी प्रशंसा की हकदार हूं और न ही ऐसी निंदा की," एलिजाबेथ चिल्लाई; "मैं कोई बड़ी पाठक नहीं हूं, और मुझे कई चीजों में आनंद मिलता है।"
"मुझे यकीन है कि अपनी बहन की देखभाल करने में आपको आनंद मिलता है," बिंगले ने कहा; "और मुझे आशा है कि उसे पूरी तरह स्वस्थ देखकर आपका यह आनंद जल्द ही और बढ़ जाएगा।"
एलिजाबेथ ने दिल से उनका शुक्रिया अदा किया और फिर उस मेज की ओर चली गईं जहाँ कुछ किताबें रखी थीं। उन्होंने तुरंत उन्हें बाकी किताबें लाने की पेशकश की—जितनी भी उनकी लाइब्रेरी में उपलब्ध थीं।
"और मैं चाहता हूँ कि आपके लाभ और मेरी अपनी प्रतिष्ठा के लिए मेरा संग्रह और बड़ा होता; लेकिन मैं एक आलसी व्यक्ति हूँ, और यद्यपि मेरे पास बहुत कुछ नहीं है, फिर भी मेरे पास जितना मैंने कभी देखा है उससे कहीं अधिक है।"
एलिजाबेथ ने उसे आश्वस्त किया कि वह कमरे में मौजूद लोगों के साथ पूरी तरह से घुलमिल जाएगी।
मिस बिंगले ने कहा, "मुझे आश्चर्य है कि मेरे पिता ने किताबों का इतना छोटा संग्रह छोड़ा है। मिस्टर डार्सी, आपके पास पेम्बर्ली में कितना शानदार पुस्तकालय है!"
उन्होंने जवाब दिया, "यह अच्छा ही होना चाहिए, क्योंकि यह कई पीढ़ियों की मेहनत का नतीजा है।"
और फिर आपने खुद भी इसमें बहुत कुछ जोड़ा है, आप हमेशा किताबें खरीदते रहते हैं।
"आज के समय में पारिवारिक पुस्तकालय की उपेक्षा करना मेरी समझ से परे है।"
"लापरवाही! मुझे यकीन है कि आप उस महान स्थान की सुंदरता बढ़ाने वाली किसी भी चीज की उपेक्षा नहीं करते। चार्ल्स, जब आप अपना घर बनवाएं, तो मेरी कामना है कि वह पेम्बर्ली जितना ही रमणीय हो।"
"काश ऐसा हो जाए।"
"लेकिन मैं आपको यही सलाह दूंगा कि आप उसी इलाके में अपनी खरीदारी करें और पेम्बर्ली को एक आदर्श उदाहरण के रूप में लें। इंग्लैंड में डर्बीशायर से बेहतर कोई काउंटी नहीं है।"
मैं पूरे दिल से पेम्बर्ली को खरीद लूंगा अगर डार्सी इसे बेचने को तैयार हो।
"मैं संभावनाओं की बात कर रहा हूँ, चार्ल्स।"
"मेरी बात मानो, कैरोलिन, मुझे लगता है कि पेम्बर्ले को नकल करके खरीदने की तुलना में हासिल करना कहीं अधिक संभव है।"
एलिजाबेथ आस-पास की घटनाओं में इतनी मग्न थी कि उसका ध्यान अपनी किताब पर बिल्कुल नहीं था; और जल्द ही उसने किताब को एक तरफ रख दिया और ताश की मेज के पास जाकर मिस्टर बिंगले और उनकी सबसे बड़ी बहन के बीच में खड़ी होकर खेल को देखने लगी।
"क्या मिस डार्सी वसंत ऋतु के बाद से काफी लंबी हो गई हैं?" मिस बिंगले ने पूछा; "क्या वह मेरी जितनी लंबी हो गई हैं?"

"मुझे लगता है कि वह ऐसा कर पाएगी। अब उसकी लंबाई मिस एलिजाबेथ बेनेट के बराबर है, या यूं कहें कि उससे भी ज्यादा है।"
"मैं उसे फिर से देखने के लिए कितना तरस रहा हूँ! मैंने कभी किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात नहीं की जिसने मुझे इतना प्रसन्न किया हो। उसका चेहरा कितना सुंदर था, उसके शिष्टाचार कितने लाजवाब थे! और अपनी उम्र के हिसाब से वह कितनी निपुण थी! पियानो पर उसका प्रदर्शन तो लाजवाब था।"
बिंगले ने कहा, "यह मेरे लिए आश्चर्यजनक है कि युवा महिलाएं इतनी अधिक निपुण होने के लिए कितना धैर्य रख सकती हैं।"
"सभी युवतियाँ निपुण हैं! मेरे प्यारे चार्ल्स, आपका क्या मतलब है?"
"हाँ, मुझे लगता है कि वे सभी। वे सभी टेबल पेंट करती हैं, स्क्रीन कवर करती हैं और पर्स पर जाली लगाती हैं। मैं शायद ही किसी ऐसे व्यक्ति को जानती हूँ जो यह सब न कर सके, और मुझे यकीन है कि मैंने कभी किसी युवती के बारे में पहली बार बात करते हुए नहीं सुना, बिना यह बताए कि वह बहुत कुशल है।"
डार्सी ने कहा, "आपकी उपलब्धियों की सामान्य सूची में कुछ ज़्यादा ही सच्चाई है। यह शब्द कई ऐसी महिलाओं के लिए इस्तेमाल किया जाता है जो सिर्फ़ पैसे कमाने या पर्दे के पीछे काम करने जैसी छोटी-मोटी बातों के अलावा इसके लायक नहीं होतीं। लेकिन महिलाओं के बारे में आपके इस आकलन से मैं बिल्कुल सहमत नहीं हूँ। मैं अपने पूरे जान-पहचान में आधी दर्जन से ज़्यादा ऐसी महिलाओं को नहीं जानता जो सचमुच में काबिल हों।"
"मुझे यकीन है कि मुझे भी नहीं," मिस बिंगले ने कहा।
"तो फिर," एलिजाबेथ ने कहा, "आपको एक निपुण महिला की अपनी अवधारणा में बहुत कुछ समझना होगा।"
"हां, मुझे इसमें काफी कुछ समझ आता है।"
"ओह! बिलकुल," उनके वफादार सहायक ने कहा, "वास्तव में किसी को भी तब तक निपुण नहीं माना जा सकता जब तक वह सामान्य स्तर से कहीं अधिक उत्कृष्ट न हो। किसी महिला को संगीत, गायन, चित्रकला, नृत्य और आधुनिक भाषाओं का पूर्ण ज्ञान होना चाहिए, तभी वह इस शब्द की पात्र हो सकती है; और इन सबके अलावा, उसके हाव-भाव, चाल-ढाल, बोलने का लहजा, अभिव्यक्ति और भावों में एक विशेष आकर्षण होना चाहिए, अन्यथा यह शब्द आधा ही सार्थक होगा।"
डार्सी ने आगे कहा, "उसके पास ये सब होना चाहिए, और इन सब के अलावा उसे व्यापक पठन के माध्यम से अपने दिमाग को बेहतर बनाकर कुछ और भी ठोस चीज जोड़नी चाहिए।"
"अब मुझे इस बात पर आश्चर्य नहीं होता कि आप केवल छह सफल महिलाओं को जानते हैं। बल्कि अब मुझे इस बात पर आश्चर्य होता है कि आप किसी को भी जानते हैं या नहीं।"
क्या आप अपनी ही जाति के प्रति इतनी कठोर हैं कि इन सब की संभावना पर संदेह करती हैं?

"मैंने ऐसी महिला कभी नहीं देखी। मैंने ऐसी क्षमता, रुचि, लगन और शालीनता का ऐसा संयोजन कभी नहीं देखा, जैसा आपने वर्णित किया है।"
श्रीमती हर्स्ट और मिस बिंगले दोनों ने उनके संदेह के अन्याय का विरोध किया और कहा कि वे ऐसी कई महिलाओं को जानती हैं जो इस विवरण से मेल खाती हैं। तभी श्री हर्स्ट ने उन्हें शांत रहने का आदेश दिया और चल रही बातों पर उनकी लापरवाही की कड़ी शिकायत की। इस तरह सारी बातचीत समाप्त हो गई और एलिजाबेथ थोड़ी देर बाद कमरे से चली गई।
जब दरवाजा बंद हो गया, तो मिस बिंगले ने कहा, "एलिजाबेथ बेनेट उन युवतियों में से एक है जो खुद को कम आंककर दूसरे लिंग के लोगों को प्रभावित करने की कोशिश करती हैं; और मुझे यकीन है कि कई पुरुषों पर इसका असर भी होता है। लेकिन मेरी राय में, यह एक घटिया हथकंडा है, एक बेहद नीच कला है।"
"निस्संदेह," डार्सी ने उत्तर दिया, जिसे मुख्य रूप से यह टिप्पणी संबोधित थी, "महिलाओं द्वारा वशीकरण के लिए अपनाई जाने वाली सभी कलाओं में एक नीचता होती है। जो भी धूर्तता से मिलता-जुलता हो, वह घृणित है।"
मिस बिंगले इस जवाब से पूरी तरह संतुष्ट नहीं थीं कि वे इस विषय को आगे बढ़ाएं।
एलिज़ाबेथ उनके पास फिर से आई और बोली कि उसकी बहन की हालत और बिगड़ गई है और वह उसे छोड़कर नहीं जा सकती। बिंगले ने तुरंत मिस्टर जोन्स को बुलवाने का आग्रह किया; जबकि उसकी बहनों को यकीन था कि गाँव की सलाह से कोई फायदा नहीं होगा, इसलिए उन्होंने शहर से किसी प्रतिष्ठित चिकित्सक को बुलाने के लिए एक संदेशवाहक भेजने की सलाह दी। एलिज़ाबेथ ने यह बात नहीं मानी; लेकिन वह अपने भाई के प्रस्ताव को मानने के लिए उतनी अनिच्छुक नहीं थी; और यह तय हो गया कि अगर मिस बेनेट की हालत में निश्चित रूप से सुधार नहीं हुआ तो मिस्टर जोन्स को सुबह जल्दी बुलवाया जाएगा।
बिंगले काफी बेचैन था; उसकी बहनों ने कहा कि वे बहुत दुखी हैं। हालाँकि, उन्होंने रात के खाने के बाद युगल गीत गाकर अपने दुख को कुछ हद तक कम किया, जबकि बिंगले को अपने घर की नौकरानी को यह निर्देश देने से बेहतर कोई राहत नहीं मिली कि बीमार महिला और उसकी बहन का पूरा ध्यान रखा जाए।

अध्याय 9

एलिज़ाबेथ ने रात का अधिकांश समय अपनी बहन के कमरे में बिताया और सुबह उसे श्री बिंगले द्वारा एक नौकरानी के माध्यम से भेजे गए प्रश्नों का संतोषजनक उत्तर भेजने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, और कुछ समय बाद उनकी बहनों की सेवा करने वाली दो सभ्य महिलाओं के प्रश्नों का भी उत्तर मिला। इस सुधार के बावजूद, उसने लॉन्गबोर्न को एक पत्र भेजने का अनुरोध किया, जिसमें उसने अपनी माँ से जेन से मिलने और उसकी स्थिति का स्वयं आकलन करने का आग्रह किया। पत्र तुरंत भेज दिया गया और उसकी सामग्री का शीघ्र ही पालन किया गया। श्रीमती बेनेट, अपनी दो सबसे छोटी बेटियों के साथ, पारिवारिक नाश्ते के तुरंत बाद नेदरफील्ड पहुँच गईं।

यदि श्रीमती बेनेट को जेन किसी भी तरह के खतरे में दिखाई देती, तो वे बहुत दुखी होतीं; लेकिन जेन को देखकर संतुष्ट होने पर कि उसकी बीमारी चिंताजनक नहीं है, उन्होंने उसके तुरंत ठीक होने की इच्छा नहीं जताई, क्योंकि स्वस्थ होने पर शायद उन्हें नेदरफील्ड से दूर जाना पड़ता। इसलिए उन्होंने अपनी बेटी के घर ले जाने के प्रस्ताव को नहीं माना; लगभग उसी समय आए वैद्य को भी यह उचित नहीं लगा। जेन के साथ थोड़ी देर बैठने के बाद, मिस बिंगले के आने और निमंत्रण पर, माँ और तीनों बेटियाँ नाश्ते के कमरे में उनके साथ गईं। बिंगले ने उनसे इस उम्मीद के साथ मुलाकात की कि श्रीमती बेनेट ने मिस बेनेट को उनकी अपेक्षा से अधिक बीमार नहीं पाया होगा।

"जी हां, श्रीमान," उसने जवाब दिया। "वह इतनी बीमार है कि उसे कहीं ले जाना संभव नहीं है। श्रीमान जोन्स का कहना है कि हमें उसे ले जाने के बारे में सोचना भी नहीं चाहिए। हमें कुछ और समय तक आपकी कृपा का लाभ उठाना चाहिए।"

"हटा दिया जाए!" बिंगले चिल्लाया। "इसके बारे में सोचना भी नहीं चाहिए। मुझे पूरा यकीन है कि मेरी बहन को उसके हटाए जाने की खबर बिल्कुल भी पसंद नहीं आएगी।"

"आप इस बात पर भरोसा रख सकती हैं, मैडम," मिस बिंगले ने ठंडे लहजे में विनम्रता से कहा, "कि जब तक मिस बेनेट हमारे साथ रहेंगी, उन्हें हर संभव देखभाल मिलेगी।"

श्रीमती बेनेट ने आभार व्यक्त करने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

उन्होंने आगे कहा, "मुझे पूरा यकीन है कि अगर ऐसे अच्छे दोस्त न होते तो मुझे नहीं पता कि उसका क्या होता, क्योंकि वह वाकई बहुत बीमार है और बहुत कष्ट सह रही है, हालांकि वह दुनिया के सबसे बड़े धैर्य के साथ जी रही है, जो कि उसका स्वभाव हमेशा से रहा है, क्योंकि मैंने आज तक जितने भी लोगों से मुलाकात की है, उनमें वह सबसे मधुर स्वभाव की है। मैं अक्सर अपनी दूसरी लड़कियों से कहती हूं कि वे उसके सामने कुछ भी नहीं हैं। श्रीमान बिंगले, आपका कमरा बहुत प्यारा है और बजरी वाली पगडंडी से दिखने

वाला नज़ारा भी मनमोहक है। मुझे पूरे देश में ऐसी कोई जगह नहीं पता जो नेदरफील्ड के बराबर हो। मुझे उम्मीद है कि आप इसे जल्दी छोड़ने के बारे में नहीं सोचेंगे, भले ही आपका किरायानामा छोटा ही हो।"
"मैं जो भी करता हूँ, जल्दी में करता हूँ," उसने उत्तर दिया; "इसलिए अगर मैं नेदरफील्ड छोड़ने का फैसला कर लूँ, तो शायद पाँच मिनट में ही निकल जाऊँगा। लेकिन फिलहाल, मैं खुद को यहीं पूरी तरह से स्थिर मानता हूँ।"
"मुझे आपसे यही उम्मीद थी," एलिजाबेथ ने कहा।
"अब तुम मुझे समझने लगी हो, है ना?" वह उसकी ओर मुड़ते हुए चिल्लाया।
"ओह! हाँ—मैं आपको पूरी तरह समझ गया।"
"काश मैं इसे तारीफ समझ पाता; लेकिन इतनी आसानी से पहचाना जाना वाकई दयनीय है।"
"ऐसा ही होता है। इसका यह मतलब नहीं है कि एक गहन, पेचीदा चरित्र आपके जैसे चरित्र से कम या ज्यादा प्रशंसनीय है।"
"लिज़ी," उसकी माँ चिल्लाई, "याद रखो कि तुम कहाँ हो, और उस बेकाबू तरीके से मत भागो जैसा तुम्हें घर पर करने की अनुमति है।"
बिंगले ने तुरंत आगे कहा, "मुझे पहले नहीं पता था कि आप चरित्र का अध्ययन करते हैं। यह एक मनोरंजक अध्ययन होगा।"
"हां, लेकिन जटिल चरित्र सबसे मनोरंजक होते हैं। कम से कम उन्हें यह लाभ तो प्राप्त होता ही है।"
डार्सी ने कहा, "ग्रामीण इलाकों में आम तौर पर इस तरह के अध्ययन के लिए कुछ ही विषय उपलब्ध होते हैं। ग्रामीण परिवेश में आप एक बहुत ही सीमित और अपरिवर्तनीय समाज में रहते हैं।"
लेकिन लोग खुद इतना बदल जाते हैं कि उनमें हमेशा कुछ नया देखने को मिलता है।
"जी हां, बिल्कुल," श्रीमती बेनेट ने ग्रामीण इलाके का जिक्र करने के उनके तरीके से नाराज होकर कहा। "मैं आपको यकीन दिलाती हूं कि शहर की तरह ही ग्रामीण इलाकों में भी ऐसा ही होता है।"
सभी लोग आश्चर्यचकित रह गए, और डार्सी ने एक पल के लिए उसे देखने के बाद चुपचाप मुंह फेर लिया। श्रीमती बेनेट, जिन्हें लगा कि उन्होंने उस पर पूरी तरह से विजय प्राप्त कर ली है, अपनी जीत का जश्न मनाती रहीं।
"मेरी नज़र में, दुकानों और सार्वजनिक स्थानों को छोड़कर, लंदन में ग्रामीण इलाकों की तुलना में कोई खास लाभ नहीं दिखता। ग्रामीण इलाका कहीं अधिक सुखद है, है ना, श्रीमान बिंगले?"
उन्होंने जवाब दिया, "जब मैं ग्रामीण इलाके में होता हूँ, तो मेरा उसे छोड़ने का मन ही नहीं करता; और जब मैं शहर में होता हूँ, तो लगभग यही हाल होता है। दोनों के अपने-अपने फायदे हैं, और मैं दोनों में समान रूप से खुश रह सकता हूँ।"
"जी हां—ऐसा इसलिए है क्योंकि आपका स्वभाव सही है। लेकिन वह सज्जन," डार्सी की ओर देखते हुए, "ऐसा लग रहा था जैसे वह देश को कुछ भी नहीं समझते थे।"

"जी हां, मां, आप गलत हैं," एलिजाबेथ ने अपनी मां के लिए शरमाते हुए कहा। "आपने मिस्टर डार्सी को पूरी तरह गलत समझा। उनका मतलब सिर्फ इतना था कि गांव में शहर की तरह इतने तरह के लोग नहीं मिलते, जिसे आपको स्वीकार करना ही होगा।"
"बिल्कुल, मेरी प्यारी, किसी ने ऐसा नहीं कहा था; लेकिन इस मोहल्ले में बहुत से लोगों से मुलाकात न होने की बात करें तो, मेरा मानना है कि इससे बड़े मोहल्ले बहुत कम हैं। मुझे पता है कि हम चौबीस परिवारों के साथ भोजन करते हैं।"
एलिज़ाबेथ की चिंता के सिवा बिंगले अपने चेहरे पर भावहीनता बनाए नहीं रख सका। उसकी बहन इतनी कोमल नहीं थी और उसने एक भावपूर्ण मुस्कान के साथ मिस्टर डार्सी की ओर देखा। एलिज़ाबेथ ने अपनी माँ के विचारों को बदलने के उद्देश्य से उनसे पूछा कि क्या शार्लेट लुकास उनके जाने के बाद से लॉन्गबोर्न में थीं।
"हाँ, वो कल अपने पिता के साथ आई थी। सर विलियम कितने मिलनसार व्यक्ति हैं, मिस्टर बिंगले, है ना? कितने फैशनेबल! कितने सभ्य और सहज! वो हमेशा सबसे कुछ न कुछ कहते रहते थे। यही मेरी नज़र में अच्छे संस्कार हैं; और जो लोग खुद को बहुत महत्वपूर्ण समझते हैं और कभी मुंह नहीं खोलते, वे सरासर गलतफहमी में हैं।"
"क्या शार्लेट ने आपके साथ भोजन किया?"
नहीं, वह घर चली जाएगी। मुझे लगता है कि उसे मिन्स-पाई बनाने में मदद की ज़रूरत थी। जहाँ तक मेरी बात है, मिस्टर बिंगले, मैं हमेशा ऐसे नौकर रखती हूँ जो अपना काम खुद कर सकें; मेरी बेटियों की परवरिश बहुत अलग तरीके से हुई है। लेकिन हर किसी को खुद ही फैसला करना होता है, और मैं आपको यकीन दिलाती हूँ कि लुकास की बेटियाँ बहुत अच्छी हैं। ये अफ़सोस की बात है कि वे सुंदर नहीं हैं! ऐसा नहीं है कि मुझे शार्लोट बिल्कुल साधारण लगती है—लेकिन वो हमारी खास दोस्त है।
"वह बहुत ही मिलनसार युवती लगती है।"
"ओह! हाँ, बिल्कुल; लेकिन आपको मानना पड़ेगा कि वह बहुत सादी है। लेडी लुकास ने खुद भी कई बार ऐसा कहा है और जेन की खूबसूरती पर मुझसे ईर्ष्या की है। मुझे अपनी बेटी की तारीफ करना पसंद नहीं है, लेकिन सच कहूँ तो, जेन—उससे खूबसूरत कोई और शायद ही देखने को मिले। यही तो सब कहते हैं। मुझे अपने इस पूर्वाग्रह पर भरोसा नहीं है। जब वह सिर्फ पंद्रह साल की थी, तब शहर में मेरे भाई गार्डिनर के यहाँ एक आदमी उससे इतना प्यार करता था कि मेरी भाभी को पूरा यकीन था कि हमारे जाने से पहले वह उसे शादी का प्रस्ताव दे देगा। लेकिन, उसने ऐसा नहीं किया। शायद उसने उसे बहुत छोटी समझा हो। खैर, उसने उस पर कुछ कविताएँ लिखीं, और वे बहुत सुंदर थीं।"
“और इस तरह उसका प्यार खत्म हो गया,” एलिजाबेथ ने अधीरता से कहा। “मुझे लगता है कि कई लोग इसी तरह हार मान चुके होंगे। मुझे आश्चर्य है कि कविता को प्रेम को दूर भगाने में कारगर किसने खोजा होगा!”
"मैं कविता को प्रेम का भोजन मानने का आदी रहा हूँ," डार्सी ने कहा।

"यह एक उत्तम, मजबूत और स्वस्थ प्रेम के लिए संभव है। हर चीज पहले से मजबूत चीज को और पोषित करती है। लेकिन अगर यह केवल एक हल्की, कमजोर सी प्रवृत्ति हो, तो मुझे विश्वास है कि एक अच्छी कविता इसे पूरी तरह से खत्म कर देगी।"

डार्सी ने बस मुस्कुरा दिया; और उसके बाद जो सन्नाटा छा गया, उससे एलिज़ाबेथ को डर लगने लगा कि कहीं उसकी माँ फिर से अपनी आपबीती उजागर न कर दे। वह बोलना चाहती थी, पर कुछ कह नहीं पा रही थी; और थोड़ी देर की चुप्पी के बाद श्रीमती बेनेट ने जेन के प्रति श्री बिंगले की दयालुता के लिए उन्हें धन्यवाद देना शुरू किया, साथ ही लिज़ी के कारण उन्हें परेशान करने के लिए क्षमा भी माँगी। श्री बिंगले ने सहजता से विनम्रतापूर्वक उत्तर दिया, और अपनी छोटी बहन को भी विनम्रता से पेश आने और स्थिति के अनुसार बोलने के लिए मजबूर किया। उसने अपनी भूमिका बिना किसी शिष्टाचार के निभाई, लेकिन श्रीमती बेनेट संतुष्ट थीं, और थोड़ी देर बाद उन्होंने अपनी गाड़ी मंगवाई। इस संकेत पर, उनकी सबसे छोटी बेटी आगे आई। दोनों लड़कियाँ पूरी यात्रा के दौरान आपस में फुसफुसा रही थीं, और इसका नतीजा यह हुआ कि सबसे छोटी ने श्री बिंगले पर यह आरोप लगाया कि उन्होंने देश में पहली बार आने पर नेदरफील्ड में एक बॉल पार्टी देने का वादा किया था।

लिडिया पंद्रह साल की एक हष्ट-पुष्ट, सुगठित लड़की थी, जिसका रंग गोरा और चेहरा हंसमुख था; वह अपनी माँ की लाडली थी, जिनके स्नेह ने उसे कम उम्र में ही सार्वजनिक जीवन में ला दिया था। उसमें भरपूर उत्साह था और एक तरह का स्वाभाविक आत्मविश्वास था, जिसे अधिकारियों के ध्यान ने और बढ़ा दिया था। उसके चाचा के स्वादिष्ट भोजन और उसके सरल व्यवहार ने अधिकारियों के बीच उसकी छवि को और मजबूत कर दिया था। इसलिए, वह बॉल के विषय में मिस्टर बिंगले से बात करने में बहुत संकोच नहीं करती थी और उसने उन्हें अचानक उनके वादे की याद दिला दी; साथ ही कहा कि अगर उन्होंने अपना वादा नहीं निभाया तो यह दुनिया की सबसे शर्मनाक बात होगी। इस अचानक हमले पर उनका जवाब उनकी माँ को बहुत अच्छा लगा। मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि मैं अपना वादा निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हूँ; और जब आपकी बहन ठीक हो जाएँगी, तो आप चाहें तो नृत्य समारोह की तारीख तय कर सकते हैं। लेकिन आप नहीं चाहेंगे कि जब वह बीमार हों तब आप नृत्य करें।

लिडिया ने अपनी संतुष्टि व्यक्त की। "ओह! हाँ—जेन के ठीक होने तक इंतज़ार करना कहीं बेहतर होगा, और तब तक संभवतः कैप्टन कार्टर फिर से मेरिटन में होंगे। और जब आप अपना बॉल आयोजित कर लेंगे," उसने आगे कहा, "मैं उनसे भी एक बॉल आयोजित करने पर ज़ोर दूंगी। मैं कर्नल फोर्स्टर को बता दूंगी कि अगर उन्होंने ऐसा नहीं किया तो यह बहुत शर्मनाक होगा।"

श्रीमती बेनेट और उनकी बेटियाँ तब चली गईं, और एलिजाबेथ तुरंत जेन के पास लौट आई, अपने और अपने रिश्तेदारों के व्यवहार को उन दोनों महिलाओं और श्री डार्सी की टिप्पणियों पर छोड़ते हुए; हालाँकि, मिस बिंगले की सुंदर आँखों पर की गई तमाम चुटकुलों के बावजूद, श्री डार्सी को एलिजाबेथ की आलोचना में शामिल होने के लिए राजी नहीं किया जा सका।

अध्याय 10

दिन भी पिछले दिन की तरह ही बीता। श्रीमती हर्स्ट और मिस बिंगले ने सुबह के कुछ घंटे बीमार व्यक्ति के साथ बिताए, जो धीरे-धीरे ठीक हो रहा था; और शाम को एलिजाबेथ भी ड्राइंग रूम में उनके साथ शामिल हो गईं। हालाँकि, शौचालय की मेज दिखाई नहीं दी। श्री डार्सी लिख रहे थे, और उनके पास बैठी मिस बिंगले उनके पत्र की प्रगति पर नज़र रख रही थीं और बार-बार उनकी बहन को संदेश भेजकर उनका ध्यान भटका रही थीं। श्री हर्स्ट और श्री बिंगले पिकेट खेल रहे थे, और श्रीमती हर्स्ट उनका खेल देख रही थीं।
एलिज़ाबेथ ने कुछ कढ़ाई का काम शुरू किया और डार्सी और उसकी साथी के बीच की बातचीत को ध्यान से सुनकर उसे काफी आनंद आया। डार्सी की लिखावट, पंक्तियों की समरूपता या पत्र की लंबाई की लगातार प्रशंसा और जिस सहजता से वह अपनी प्रशंसाओं को स्वीकार करती थी, वह एक विचित्र संवाद का रूप ले रही थी और दोनों के बारे में उसकी राय से पूरी तरह मेल खाती थी।
"मिस डार्सी को ऐसा पत्र पाकर कितनी खुशी होगी!"
उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया।
"आप असाधारण रूप से तेज़ लिखते हैं।"
"आप गलत हैं। मैं काफी धीरे लिखता हूँ।"
"आपको साल भर में कितने पत्र लिखने पड़ते होंगे! वो भी व्यापारिक पत्र! मुझे तो वे कितने घृणित लगते होंगे!"
"यह सौभाग्य की बात है कि ये चीजें आपके बजाय मेरे हिस्से में आई हैं।"
"कृपया अपनी बहन को बता देना कि मैं उससे मिलने के लिए तरस रहा हूँ।"
"मैंने आपकी इच्छा से उसे पहले ही एक बार यह बात बता दी है।"
मुझे खेद है कि आपको अपना पेन पसंद नहीं आया। मैं इसे आपके लिए ठीक कर देता हूँ। मैं पेन बहुत अच्छे से ठीक कर लेता हूँ।
"धन्यवाद—लेकिन मैं हमेशा अपनी मरम्मत खुद ही कर लेता हूँ।"
"आप इतनी समरूप लेखन शैली कैसे अपना सकते हैं?"
वह चुप था।
"अपनी बहन को बताना कि मुझे यह सुनकर बहुत खुशी हुई कि उसने वीणा बजाने में सुधार किया है; और कृपया उसे यह भी बता देना कि मैं उसकी मेज के लिए बनाई गई सुंदर छोटी सी डिजाइन से बहुत प्रभावित हूं, और मुझे लगता है कि यह मिस ग्रांटली की डिजाइन से कहीं बेहतर है।"
"क्या आप मुझे अगली बार लिखने तक अपनी भावनाओं को व्यक्त करने की अनुमति देंगे? फिलहाल मेरे पास उन्हें ठीक से व्यक्त करने के लिए जगह नहीं है।"

"अरे! इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं उससे जनवरी में मिलूंगी। लेकिन क्या आप हमेशा उसे इतने प्यारे लंबे पत्र लिखते हैं, मिस्टर डार्सी?"
"वे आम तौर पर लंबे होते हैं; लेकिन क्या वे हमेशा आकर्षक होते हैं, यह तय करना मेरा काम नहीं है।"
"मेरा यह नियम है कि जो व्यक्ति आसानी से लंबा पत्र लिख सकता है, वह कभी खराब नहीं लिख सकता।"
"डार्सी की तारीफ के लिए ये ठीक नहीं है, कैरोलीन," उसके भाई ने चिल्लाते हुए कहा, "क्योंकि वो आसानी से नहीं लिखता। चार अक्षरों वाले शब्दों के लिए उसे बहुत ज़्यादा पढ़ाई करनी पड़ती है। क्या तुम नहीं, डार्सी?"
"मेरी लेखन शैली आपकी शैली से बहुत अलग है।"
"ओह!" मिस बिंगले चिल्लाईं, "चार्ल्स बेहद लापरवाही से लिखते हैं। वे आधे शब्द छोड़ देते हैं और बाकी को मिटा देते हैं।"
"मेरे विचार इतनी तेजी से आते हैं कि मेरे पास उन्हें व्यक्त करने का समय ही नहीं होता—जिसके कारण मेरे पत्रों में कभी-कभी मेरे पत्र-व्यवहार करने वालों तक कोई विचार ही नहीं पहुंच पाता।"
एलिजाबेथ ने कहा, "श्रीमान बिंगले, आपकी विनम्रता निंदा को बेअसर कर देगी।"
डार्सी ने कहा, "विनम्रता का दिखावा सबसे बड़ा छल होता है। यह अक्सर राय की लापरवाही मात्र होती है, और कभी-कभी अप्रत्यक्ष रूप से घमंड भी।"
"और आप मेरी हाल ही की थोड़ी-सी विनम्रता को इन दोनों में से किसे कहेंगे?"
"यह अप्रत्यक्ष गर्व है; क्योंकि वास्तव में आपको अपनी लेखन संबंधी कमियों पर गर्व है, क्योंकि आप उन्हें विचारों की शीघ्रता और निष्पादन की लापरवाही का परिणाम मानते हैं, जो यदि प्रशंसनीय नहीं तो कम से कम बेहद रोचक तो हैं ही। किसी भी कार्य को शीघ्रता से करने की क्षमता को हमेशा ही बहुत महत्व दिया जाता है, और अक्सर प्रदर्शन की अपूर्णता पर ध्यान दिए बिना। जब आपने आज सुबह श्रीमती बेनेट से कहा कि यदि आपने कभी नेदरफील्ड छोड़ने का फैसला किया तो आप पाँच मिनट में चली जाएँगी, तो आपका मतलब एक प्रकार की प्रशंसा, स्वयं की प्रशंसा करना था—लेकिन उस जल्दबाजी में ऐसी क्या प्रशंसनीय बात है जिससे बहुत आवश्यक काम अधूरे रह जाएँ, और जिससे न तो आपको और न ही किसी और को कोई वास्तविक लाभ हो सकता है?"
"नहीं," बिंगले चिल्लाया, "रात को उन सभी मूर्खतापूर्ण बातों को याद करना बहुत मुश्किल है जो सुबह कही गई थीं। फिर भी, मैं अपनी ईमानदारी की कसम खाकर कहता हूँ कि मैंने अपने बारे में जो कहा वह सच है, और इस समय भी मुझे यही विश्वास है। कम से कम इसलिए, मैंने महिलाओं के सामने दिखावा करने के लिए अनावश्यक जल्दबाजी का नाटक नहीं किया।"
"मुझे पूरा यकीन है कि आपने इस पर विश्वास किया होगा; लेकिन मुझे इस बात का ज़रा भी यकीन नहीं है कि आप इतनी जल्दी चले जाएंगे। आपका आचरण उतना ही संयोग पर निर्भर होगा जितना कि मेरे जानने वाले किसी भी व्यक्ति का; और अगर, जब आप घोड़े पर चढ़ रहे हों, कोई दोस्त आपसे कहे, 'बिंगले, बेहतर होगा

कि आप अगले हफ्ते तक रुक जाएं,' तो आप शायद मान जाएंगे, शायद नहीं जाएंगे—और हो सकता है कि आप एक महीना रुक जाएं।"
"इससे तो तुमने बस यही साबित कर दिया है," एलिजाबेथ चिल्लाई, "कि मिस्टर बिंगले ने अपने स्वभाव के साथ न्याय नहीं किया। तुमने अब उन्हें उनसे कहीं ज़्यादा मशहूर कर दिया है जितना उन्होंने खुद को किया था।"
बिंगले ने कहा, "मुझे बेहद खुशी हुई कि आपने मेरे दोस्त की बात को मेरे स्वभाव की मधुरता की प्रशंसा में बदल दिया। लेकिन मुझे डर है कि आप इसे वह अर्थ दे रहे हैं जो उस सज्जन का बिल्कुल भी इरादा नहीं था; क्योंकि अगर मैं ऐसी परिस्थिति में साफ इनकार कर देता और जितनी जल्दी हो सके घोड़े पर सवार होकर चला जाता, तो वह निश्चित रूप से मेरे बारे में बेहतर सोचते।"
"क्या श्री डार्सी आपके मूल इरादों की जल्दबाजी को उस पर अडिग रहने की आपकी हठधर्मिता से प्रायश्चित मानेंगे?"
"मैं कसम खाकर कहता हूं, मैं इस मामले को ठीक से समझा नहीं सकता; डार्सी को खुद ही बोलना होगा।"
"आप मुझसे उन विचारों का हिसाब मांगना चाहती हैं जिन्हें आप मेरे विचार कहती हैं, लेकिन जिन्हें मैंने कभी स्वीकार नहीं किया। हालांकि, अगर मामले को आपके बयान के अनुसार ही मान लें, तो आपको याद रखना चाहिए, मिस बेनेट, कि जिस मित्र के बारे में यह माना जा रहा है कि वह घर लौटने और अपनी योजना में देरी करने की इच्छा रखता है, उसने केवल यही इच्छा जताई है, बिना इसके औचित्य के पक्ष में कोई तर्क दिए।"
"किसी मित्र के बहकावे में आसानी से आ जाना तुम्हारे लिए कोई पुण्य का काम नहीं है।"
"बिना दृढ़ विश्वास के हार मान लेना, दोनों में से किसी की भी समझ का सम्मान नहीं करता।"
"श्री डार्सी, मुझे लगता है कि आप मित्रता और स्नेह के प्रभाव को बिल्कुल भी महत्व नहीं देते। अनुरोधकर्ता के प्रति सम्मान अक्सर तर्क-वितर्क का इंतजार किए बिना ही अनुरोध मान लेता है। मैं श्री बिंगले के बारे में आपके द्वारा बताए गए मामले की बात नहीं कर रहा हूँ। शायद बेहतर होगा कि हम घटना घटित होने तक उनके व्यवहार की उपयुक्तता पर चर्चा न करें। लेकिन सामान्य तौर पर, मित्र-मित्र के बीच, जब एक मित्र दूसरे से किसी मामूली बात पर अपना निर्णय बदलने का अनुरोध करता है, तो क्या आपको उस व्यक्ति के अनुरोध को बिना तर्क-वितर्क का इंतजार किए मान लेने पर बुरा मानना चाहिए?"
"क्या इस विषय पर आगे बढ़ने से पहले, इस अनुरोध को दी जाने वाली महत्ता की मात्रा और साथ ही पक्षों के बीच मौजूद घनिष्ठता की मात्रा को अधिक सटीक रूप से निर्धारित करना उचित नहीं होगा?"
"ज़रूर," बिंगले चिल्लाया; "हमें सारी बातें सुननी हैं, उनकी तुलनात्मक ऊँचाई और कद को भी मत भूलिएगा; क्योंकि मिस बेनेट, बहस में इसका जितना महत्व होगा, शायद आप सोच भी नहीं सकतीं। मैं आपको यकीन दिलाता हूँ कि अगर डार्सी मुझसे इतना लंबा-चौड़ा न होता, तो मैं उसे इतना सम्मान न देता। मैं कसम खाता हूँ कि मुझे डार्सी से ज़्यादा डरावना कोई और नहीं लगता, खासकर जब वह अपने घर में होता है और रविवार शाम को उसके पास करने को कुछ नहीं होता।"

मिस्टर डार्सी मुस्कुराए; लेकिन एलिजाबेथ को लगा कि वह थोड़ा नाराज़ हैं, इसलिए उन्होंने अपनी हंसी रोक ली। मिस बिंगले को अपने भाई के साथ हुए इस अपमान पर बहुत गुस्सा आया और उन्होंने ऐसी बेतुकी बातें करने पर उसे फटकार लगाई।

"मैं तुम्हारी योजना समझ गया, बिंगले," उसके दोस्त ने कहा। "तुम्हें बहस पसंद नहीं है, और तुम इसे चुप कराना चाहते हो।"

"शायद मैं ऐसा करता हूँ। बहसें झगड़ों जैसी लगती हैं। अगर आप और मिस बेनेट मेरे कमरे से बाहर जाने तक अपनी बहस स्थगित कर दें, तो मैं आपका बहुत आभारी रहूँगा; और फिर आप मेरे बारे में जो चाहें कह सकते हैं।"

"तुम जो पूछ रही हो," एलिजाबेथ ने कहा, "वह मेरी तरफ से कोई त्याग नहीं है; और मिस्टर डार्सी के लिए बेहतर होगा कि वह अपना पत्र पूरा कर लें।"

मिस्टर डार्सी ने उनकी सलाह मानी और अपना पत्र पूरा किया।

जब वह काम समाप्त हो गया, तो उन्होंने मिस बिंगले और एलिजाबेथ से कुछ संगीत सुनने की अनुमति मांगी। मिस बिंगले बड़ी तत्परता से पियानो की ओर बढ़ीं; और एलिजाबेथ से विनम्रतापूर्वक अनुरोध करने के बाद कि वह पियानो बजाना शुरू करें, जिसे एलिजाबेथ ने विनम्रता और गंभीरता से अस्वीकार कर दिया, वे बैठ गईं।

श्रीमती हर्स्ट अपनी बहन के साथ गा रही थीं, और जब वे गा रही थीं, एलिज़ाबेथ ने वाद्य यंत्र पर रखी कुछ संगीत की किताबों को पलटते हुए देखा कि श्री डार्सी की निगाहें बार-बार उन पर टिकी हुई थीं। वह यह सोच भी नहीं सकती थी कि वह इतने महान व्यक्ति की प्रशंसा का पात्र हो सकती हैं; और फिर भी, उनका उसे नापसंद करने के कारण देखना और भी अजीब था। हालाँकि, अंत में वह केवल यही कल्पना कर सकती थी कि उन्होंने उसे इसलिए देखा होगा क्योंकि उनके अनुसार, सही-गलत की उनकी धारणा में, वहाँ मौजूद किसी भी अन्य व्यक्ति की तुलना में कुछ अधिक गलत और निंदनीय था। इस अनुमान से उसे कोई दुख नहीं हुआ। वह उन्हें इतना कम पसंद करती थी कि उनकी प्रशंसा की उसे परवाह ही नहीं थी।

कुछ इतालवी गाने बजाने के बाद, मिस बिंगले ने एक जीवंत स्कॉटिश धुन गाकर माहौल को और भी खुशनुमा बना दिया; और कुछ ही देर बाद, मिस्टर डार्सी एलिजाबेथ के पास आकर उससे बोले:

"मिस बेनेट, क्या आपको रील डांस करने के ऐसे अवसर का लाभ उठाने की तीव्र इच्छा नहीं हो रही है?"

वह मुस्कुराई, लेकिन कोई जवाब नहीं दिया। उसने उसकी चुप्पी पर कुछ हैरानी जताते हुए सवाल दोहराया।

"ओह!" उसने कहा, "मैंने आपको पहले सुना था, लेकिन मैं तुरंत तय नहीं कर पाई कि जवाब में क्या कहूँ। मुझे पता है कि आप चाहते थे कि मैं 'हाँ' कहूँ, ताकि आपको मेरी पसंद का मज़ाक उड़ाने का मौका मिले; लेकिन मुझे हमेशा इस तरह की योजनाओं को नाकाम करने और किसी के सोचे-समझे अपमान को नाकाम करने में आनंद आता है। इसलिए मैंने आपको यह बताने का फैसला किया है कि मैं बिल्कुल भी रील डांस नहीं करना चाहती—और अब अगर हिम्मत है तो मेरा मज़ाक उड़ाओ।"

"सचमुच मैं ऐसा करने की हिम्मत नहीं करता।"
एलिज़ाबेथ, जिसने उसे अपमानित करने की उम्मीद की थी, उसकी शिष्टता देखकर चकित रह गई; लेकिन उसके व्यवहार में मधुरता और चंचलता का ऐसा मिश्रण था कि उसके लिए किसी को अपमानित करना मुश्किल था; और डार्सी किसी भी स्त्री से इतना मोहित नहीं हुआ था जितना कि एलिज़ाबेथ से। उसे सचमुच विश्वास था कि यदि उसके रिश्तेदार इतने कमज़ोर न होते, तो वह किसी खतरे में पड़ सकता था।
मिस बिंगले ने देखा, या उन्हें इतना संदेह हुआ कि उन्हें ईर्ष्या होने लगी; और अपनी प्रिय मित्र जेन के ठीक होने के लिए उनकी अत्यधिक चिंता को एलिजाबेथ से छुटकारा पाने की उनकी इच्छा से कुछ हद तक बल मिला।
वह अक्सर डार्सी को अपने मेहमान से नफरत करवाने की कोशिश करती थी, उनके बीच होने वाली कथित शादी की बात करके और ऐसे गठबंधन में उसकी खुशी की योजना बनाकर।
अगले दिन झाड़ियों में साथ चलते हुए उसने कहा, "मुझे उम्मीद है कि जब यह शुभ अवसर आएगा, तो तुम अपनी सास को चुप रहने के फायदे के बारे में कुछ संकेत दोगे; और अगर हो सके तो छोटी लड़कियों को अधिकारियों के पीछे भागने से रोको। और, अगर मैं इतने संवेदनशील विषय का जिक्र करूँ, तो अपनी सास के उस थोड़े से अहंकार और धृष्टता को रोकने का प्रयास करो जो उनमें झलकती है।"
"क्या आपके पास मेरे घरेलू सुख के लिए कुछ और सुझाव हैं?"
"ओह! हाँ। अपने चाचा और चाची फिलिप्स के चित्र पेम्बर्ली की गैलरी में लगवा दीजिए। उन्हें अपने परदादा, जो न्यायाधीश हैं, के चित्र के बगल में रख दीजिए। आप जानते हैं, वे दोनों एक ही पेशे में हैं, बस अलग-अलग क्षेत्रों में। जहाँ तक आपकी एलिजाबेथ की तस्वीर की बात है, उसे मत खिंचवाइए, क्योंकि भला कौन सा चित्रकार उन खूबसूरत आँखों के साथ न्याय कर पाएगा?"
"उनके चेहरे के भावों को हूबहू पकड़ना आसान नहीं होगा, लेकिन उनके रंग, आकार और पलकों की, जो कि असाधारण रूप से महीन हैं, नकल की जा सकती है।"
उसी समय दूसरी सैर से लौट रही श्रीमती हर्स्ट और एलिजाबेथ स्वयं उनसे मिलीं।
"मुझे नहीं पता था कि आप पैदल जाने का इरादा रखते हैं," मिस बिंगले ने कुछ झिझक के साथ कहा, कहीं किसी ने उनकी बातें सुन न ली हों।
"आपने हमारे साथ बहुत बुरा बर्ताव किया," श्रीमती हर्स्ट ने उत्तर दिया, "हमें बिना बताए भाग गए कि आप बाहर आ रहे थे।"
फिर मिस्टर डार्सी का हाथ छोड़कर, वह एलिजाबेथ को अकेले चलने के लिए छोड़कर चली गई। रास्ते में केवल तीन ही लोग जा सकते थे। मिस्टर डार्सी को उनकी असभ्यता का एहसास हुआ और उन्होंने तुरंत कहा:
"यह रास्ता हमारे दल के लिए पर्याप्त चौड़ा नहीं है। हमें मुख्य सड़क पर जाना चाहिए।"
लेकिन एलिजाबेथ, जिसे उनके साथ रहने की जरा भी इच्छा नहीं थी, ने हंसते हुए उत्तर दिया:

नहीं, नहीं; यहीं रहो। तुम लोग एक साथ बहुत अच्छे लग रहे हो और बेहद खूबसूरत दिख रहे हो। चौथे व्यक्ति के आने से यह दृश्य बिगड़ जाएगा। अलविदा।
फिर वह खुशी से झूमती हुई इधर-उधर भागने लगी, इस उम्मीद में कि एक-दो दिन में वह फिर से घर पहुँच जाएगी। जेन अब इतनी ठीक हो चुकी थी कि उस शाम कुछ घंटों के लिए अपने कमरे से बाहर निकलने का इरादा रखती थी।

अध्याय 11

जब महिलाएं भोजन के बाद चली गईं, तो एलिजाबेथ दौड़कर अपनी बहन के पास गई और उसे ठंड से बचा हुआ देखकर उसे ड्राइंग रूम में ले गई, जहाँ उसकी दोनों सहेलियों ने बड़े हर्षोल्लास से उसका स्वागत किया। एलिजाबेथ ने उन्हें इतना खुशमिजाज पहले कभी नहीं देखा था जितना वे सज्जनों के आने से पहले बीते एक घंटे में थीं। उनकी बातचीत करने की कला अद्भुत थी। वे किसी भी कार्यक्रम का सटीक वर्णन कर सकती थीं, किसी किस्से को हास्य के साथ सुना सकती थीं और अपने परिचितों पर खुलकर हंस सकती थीं। लेकिन जब सज्जन अंदर आए, तो जेन अब पहली प्राथमिकता नहीं रही; मिस बिंगले की निगाहें तुरंत डार्सी की ओर मुड़ गईं, और डार्सी के कुछ कदम आगे बढ़ने से पहले ही उन्हें उनसे कुछ कहना था। डार्सी ने मिस बेनेट को विनम्रतापूर्वक बधाई दी; श्री हर्स्ट ने भी उन्हें हल्का सा प्रणाम किया और कहा कि उन्हें "बहुत खुशी" हुई; लेकिन बिंगले के अभिवादन में अभी भी स्नेह और आत्मीयता झलक रही थी। वह आनंद और ध्यान से भरे हुए थे। पहला आधा घंटा आग जलाने में बीता, ताकि जेन को कमरे में बदलाव से कोई परेशानी न हो; और उनकी इच्छा पर जेन चिमनी के दूसरी ओर चली गईं, ताकि वह दरवाजे से दूर रह सकें। फिर डार्सी उनके पास बैठ गए और किसी और से ज्यादा बात नहीं की। सामने वाले कोने में काम कर रही एलिजाबेथ ने यह सब बड़े आनंद से देखा।

चाय खत्म होने पर, श्री हर्स्ट ने अपनी भाभी को ताश खेलने की याद दिलाई—पर व्यर्थ। उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि श्री डार्सी ताश नहीं खेलना चाहते; और श्री हर्स्ट का खुला अनुरोध भी जल्द ही अस्वीकार कर दिया गया। उन्होंने उन्हें आश्वासन दिया कि कोई भी खेलने का इरादा नहीं रखता, और इस विषय पर सभी की चुप्पी ने उनके आश्वासन को सही साबित कर दिया। इसलिए श्री हर्स्ट के पास करने को कुछ नहीं था, सिवाय इसके कि वे सोफे पर लेटकर सो जाएं। डार्सी ने एक किताब उठा ली; मिस बिंगले ने भी ऐसा ही किया; और श्रीमती हर्स्ट, जो मुख्य रूप से अपने कंगन और अंगूठियों से खेल रही थीं, बीच-बीच में अपने भाई और मिस बेनेट की बातचीत में शामिल हो गईं।

मिस बिंगले का ध्यान जितना अपनी किताब पढ़ने में था, उतना ही मिस्टर डार्सी को उनकी किताब पढ़ते देखने में भी था; वह लगातार या तो कुछ पूछती रहती थीं, या उनके पन्ने को देखती रहती थीं। फिर भी, वह उन्हें बातचीत में शामिल नहीं कर पाईं; उन्होंने बस उनके सवाल का जवाब दिया और पढ़ते रहे।

आखिरकार, अपनी किताब से मनोरंजन करने की कोशिश में पूरी तरह थककर, जिसे उन्होंने सिर्फ इसलिए चुना था क्योंकि वह उनकी किताब का दूसरा भाग था, उन्होंने एक बड़ी जम्हाई ली और कहा, "इस तरह शाम बिताना कितना सुखद है! मैं सच में कहती हूँ कि पढ़ने जैसा आनंद और कोई नहीं! किताब से तो इंसान बहुत जल्दी ऊब जाता है! जब मेरा अपना घर होगा, तो अगर मेरे पास एक बेहतरीन पुस्तकालय नहीं होगा तो मैं बहुत दुखी हो जाऊंगी।"

किसी ने कोई जवाब नहीं दिया। फिर उसने दोबारा जम्हाई ली, अपनी किताब एक तरफ फेंक दी और मनोरंजन की तलाश में कमरे में इधर-उधर देखने लगी; तभी उसने अपने भाई को मिस बेनेट से किसी बॉल पार्टी का जिक्र करते सुना, तो वह अचानक उसकी ओर मुड़ी और बोली:

"वैसे, चार्ल्स, क्या आप वाकई नेदरफील्ड में नृत्य कार्यक्रम आयोजित करने के बारे में गंभीरता से सोच रहे हैं? मैं आपको सलाह दूंगा कि इस पर निर्णय लेने से पहले, उपस्थित लोगों की इच्छा जान लें; अगर मैं गलत नहीं हूं, तो हममें से कुछ ऐसे भी हैं जिनके लिए नृत्य कार्यक्रम आनंद से अधिक एक सजा होगी।"

"अगर तुम्हारा मतलब डार्सी से है," उसके भाई ने चिल्लाकर कहा, "वह चाहे तो शुरू होने से पहले ही सो सकता है—लेकिन जहाँ तक बॉल की बात है, वह तो पूरी तरह तय है; और जैसे ही निकोल्स पर्याप्त सफेद सूप बना लेगा, मैं अपने कार्ड सबको भेज दूंगा।"

"अगर इन पार्टियों का आयोजन अलग तरीके से किया जाता तो मुझे ये कहीं ज़्यादा पसंद आतीं; लेकिन इस तरह की पार्टियों की सामान्य प्रक्रिया बेहद उबाऊ होती है। अगर नाच-गाने की जगह बातचीत को प्राथमिकता दी जाए तो यह कहीं ज़्यादा तर्कसंगत होगा।"

"मेरी प्यारी कैरोलिन, मैं कह सकता हूँ कि यह कहीं अधिक तर्कसंगत होगा, लेकिन यह गेंद जैसा बिल्कुल भी नहीं होगा।"

मिस बिंगले ने कोई जवाब नहीं दिया, और थोड़ी देर बाद वह उठकर कमरे में इधर-उधर घूमने लगीं। उनका कद-काठी आकर्षक था और उनकी चाल भी सधी हुई थी; लेकिन डार्सी, जिस पर यह सब लक्षित था, अब भी पूरी तरह से पढ़ाई में मग्न था। अपनी भावनाओं की हताशा में, उन्होंने एक और प्रयास करने का निश्चय किया, और एलिजाबेथ की ओर मुड़कर कहा:

"मिस एलिजा बेनेट, मैं आपको मेरा उदाहरण अपनाने और कमरे में एक चक्कर लगाने के लिए मनाना चाहूंगी। मैं आपको विश्वास दिलाती हूं कि इतने लंबे समय तक एक ही मुद्रा में बैठने के बाद ऐसा करना बहुत ताजगी भरा होगा।"

एलिज़ाबेथ हैरान थी, लेकिन तुरंत मान गई। मिस बिंगले अपनी विनम्रता के असली उद्देश्य में पूरी तरह सफल रहीं; मिस्टर डार्सी ने ऊपर देखा। उन्हें भी उस तरफ मिल रहे नए ध्यान का उतना ही एहसास था जितना एलिज़ाबेथ को हो सकता था, और उन्होंने अनजाने में अपनी किताब बंद कर दी। उन्हें सीधे उनके समूह में शामिल होने का न्योता दिया गया, लेकिन उन्होंने मना कर दिया, यह कहते हुए कि उनके साथ कमरे में इधर-उधर घूमने के दो ही कारण हो सकते हैं, और उनके साथ शामिल होने से दोनों में से किसी भी कारण में बाधा आएगी। "उसका क्या मतलब हो सकता है? वह यह जानने के लिए बेताब थी कि उसका क्या मतलब है?" - और उन्होंने एलिज़ाबेथ से पूछा कि क्या वह उसे समझ पा रही है?

"बिल्कुल नहीं," उसने जवाब दिया; "लेकिन यकीन मानिए, वह हम पर सख्ती बरतने वाला है, और उसे निराश करने का हमारा सबसे पक्का तरीका यही होगा कि हम इस बारे में कुछ भी न पूछें।"

हालांकि, मिस बिंगले किसी भी मामले में मिस्टर डार्सी को निराश करने में असमर्थ थीं, और इसलिए उन्होंने उनके दोनों इरादों के बारे में स्पष्टीकरण मांगने में दृढ़ता दिखाई।
जैसे ही उसने उसे बोलने की अनुमति दी, उसने कहा, "मुझे इन्हें समझाने में ज़रा भी आपत्ति नहीं है। या तो आप शाम बिताने का यह तरीका इसलिए चुनती हैं क्योंकि आप दोनों एक-दूसरे पर पूरी तरह भरोसा करती हैं और कुछ गुप्त बातें करनी हैं, या फिर इसलिए कि आपको पता है कि चलते समय आपकी आकृति सबसे आकर्षक लगती है; यदि पहला कारण है, तो मैं आपके रास्ते में आने को तैयार हूँ, और यदि दूसरा कारण है, तो मैं आग के पास बैठकर आपकी सुंदरता का और भी अधिक आनंद ले सकता हूँ।"
"अरे! यह तो बहुत ही घिनौना है!" मिस बिंगले चिल्लाईं। "मैंने इससे पहले कभी इतनी घिनौनी बात नहीं सुनी। ऐसे भाषण के लिए हम उसे कैसे दंडित करें?"
"अगर तुम्हारी इच्छा हो तो यह इतना आसान नहीं है," एलिजाबेथ ने कहा। "हम सब एक-दूसरे को परेशान और दंडित कर सकते हैं। उसे चिढ़ाओ—उस पर हँसो। तुम दोनों इतने करीबी हो, तो तुम्हें पता होना चाहिए कि यह कैसे किया जाता है।"
"लेकिन कसम से, मैं ऐसा नहीं करूँगा। मैं आपको यकीन दिलाता हूँ कि घनिष्ठता ने मुझे अभी तक यह नहीं सिखाया है। शांत स्वभाव और सूझबूझ की बात मत करो! नहीं, नहीं—मुझे लगता है कि वह इस मामले में हमारी बात नहीं मानेंगे। और जहाँ तक हँसी की बात है, हम बिना किसी विषय के हँसने की कोशिश करके खुद को खतरे में नहीं डालेंगे। मिस्टर डार्सी चाहे तो खुद को कोस लें।"
“मिस्टर डार्सी पर हंसा नहीं जा सकता!” एलिजाबेथ चिल्लाई। “यह एक असाधारण गुण है, और मुझे उम्मीद है कि यह ऐसा ही बना रहेगा, क्योंकि ऐसे कई परिचितों का होना मेरे लिए बहुत बड़ा नुकसान होगा। मुझे हंसी बहुत पसंद है।”
उन्होंने कहा, "मिस बिंगले ने मुझे ज़रूरत से ज़्यादा श्रेय दिया है। सबसे बुद्धिमान और बेहतरीन इंसान—बल्कि, उनके सबसे बुद्धिमान और बेहतरीन कार्य—भी उस व्यक्ति के सामने हास्यास्पद हो सकते हैं जिसका जीवन का पहला उद्देश्य मज़ाक करना हो।"
“बिल्कुल,” एलिज़ाबेथ ने उत्तर दिया—“ऐसे लोग होते हैं, लेकिन मुझे उम्मीद है कि मैं उनमें से एक नहीं हूँ। मुझे उम्मीद है कि मैं कभी भी समझदारी और अच्छाई का उपहास नहीं उड़ाती। मूर्खताएँ और बेतुकी बातें, सनक और विरोधाभास मुझे आनंदित करते हैं, मैं यह स्वीकार करती हूँ, और जब भी मौका मिलता है मैं उन पर हँसती हूँ। लेकिन मुझे लगता है कि ये सब चीजें आपमें नहीं हैं।”
"शायद यह सबके लिए संभव न हो। लेकिन मैंने अपने जीवन भर यही अध्ययन किया है कि उन कमजोरियों से कैसे बचा जाए जो अक्सर एक मजबूत समझ को उपहास का पात्र बना देती हैं।"
"जैसे कि घमंड और अभिमान।"
"हाँ, घमंड वास्तव में एक कमजोरी है। लेकिन अभिमान—जहाँ वास्तव में बौद्धिक श्रेष्ठता होती है, वहाँ अभिमान हमेशा अच्छे नियंत्रण में रहता है।"

एलिजाबेथ ने अपनी मुस्कान छिपाने के लिए मुंह फेर लिया।
"मुझे लगता है कि मिस्टर डार्सी की आपकी जांच पूरी हो गई है," मिस बिंगले ने कहा; "और कृपया बताएं कि इसका परिणाम क्या है?"
मुझे इस बात का पूरा यकीन है कि मिस्टर डार्सी में कोई कमी नहीं है। वे खुद बिना किसी लाग-लपेट के इस बात को स्वीकार करते हैं।
“नहीं,” डार्सी ने कहा, “मैंने ऐसा कोई दावा नहीं किया है। मुझमें काफी कमियाँ हैं, लेकिन मुझे उम्मीद है कि वे समझदारी से जुड़ी नहीं हैं। मैं अपने स्वभाव के बारे में कुछ नहीं कह सकता। मेरा मानना है कि यह बहुत कम लचीला है—निश्चित रूप से दुनिया की सुविधा के लिए बहुत कम। मैं दूसरों की मूर्खताओं और बुराइयों को उतनी जल्दी नहीं भूल पाता जितनी जल्दी मुझे भूल जाना चाहिए, न ही उनके द्वारा मेरे प्रति किए गए अपराधों को। मेरी भावनाएँ उन्हें जगाने के हर प्रयास से प्रभावित नहीं होतीं। मेरे स्वभाव को शायद नाराज़ कहा जा सकता है। एक बार खोई हुई मेरी अच्छी राय हमेशा के लिए खो जाती है।”
"यह तो वाकई एक कमी है!" एलिजाबेथ चिल्लाई। "अदम्य आक्रोश चरित्र का एक धब्बा है। लेकिन तुमने अपनी गलती सही चुनी है। मैं इस पर हंस नहीं सकती। तुम मुझसे सुरक्षित हो।"
"मेरा मानना है कि हर स्वभाव में किसी न किसी विशेष बुराई की प्रवृत्ति होती है—एक प्राकृतिक दोष, जिसे सर्वोत्तम शिक्षा भी दूर नहीं कर सकती।"
और तुम्हारी कमी यह है कि तुम हर किसी से नफरत करते हो।
"और आपकी गलती," उन्होंने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, "जानबूझकर उन्हें गलत समझना है।"
“चलिए थोड़ा संगीत सुन लेते हैं,” मिस बिंगले ने कहा, जो उस बातचीत से ऊब चुकी थीं जिसमें उनकी कोई भागीदारी नहीं थी। “लुईसा, क्या आपको बुरा नहीं लगेगा अगर मैं मिस्टर हर्स्ट को जगा दूं?”
उसकी बहन को ज़रा भी आपत्ति नहीं थी, और पियानो बजाना शुरू हो गया; और डार्सी को कुछ क्षणों के चिंतन के बाद इसका कोई अफसोस नहीं हुआ। उसे एहसास होने लगा था कि वह एलिज़ाबेथ पर ज़रूरत से ज़्यादा ध्यान दे रहा है।

अध्याय 12

बहनों के बीच हुए समझौते के परिणामस्वरूप, एलिज़ाबेथ ने अगली सुबह अपनी माँ को पत्र लिखकर अनुरोध किया कि उनके लिए दिन के दौरान गाड़ी भेजी जाए। लेकिन श्रीमती बेनेट, जिन्होंने अपनी बेटियों के अगले मंगलवार तक नेदरफ़ील्ड में रहने की योजना बनाई थी, जो जेन का सप्ताह पूरा होने वाला था, उन्हें उससे पहले सहर्ष स्वीकार नहीं कर सकीं। इसलिए उनका जवाब संतोषजनक नहीं था, कम से कम एलिज़ाबेथ की इच्छा के अनुरूप तो बिल्कुल नहीं, क्योंकि वह घर जाने के लिए बेचैन थी। श्रीमती बेनेट ने उन्हें संदेश भेजा कि मंगलवार से पहले उन्हें गाड़ी मिलना संभव नहीं है; और अपने पत्र के अंत में उन्होंने लिखा कि यदि श्री बिंगले और उनकी बहन उन्हें अधिक समय तक रुकने के लिए ज़ोर दें, तो वे उन्हें खुशी-खुशी भेज सकती हैं। हालाँकि, एलिज़ाबेथ ने अधिक समय तक रुकने का दृढ़ निश्चय कर लिया था—और उन्हें यह उम्मीद भी नहीं थी कि ऐसा करने के लिए कहा जाएगा; और इसके विपरीत, उन्हें डर था कि कहीं उन्हें अनावश्यक रूप से अधिक समय तक वहाँ रहने वाला न समझा जाए, इसलिए उन्होंने जेन से आग्रह किया कि वह तुरंत श्री बिंगले की गाड़ी उधार ले लें, और अंततः यह तय हुआ कि उस सुबह नेदरफ़ील्ड से निकलने की उनकी मूल योजना का उल्लेख किया जाए और अनुरोध किया जाए।

इस खबर से कई लोगों ने चिंता व्यक्त की; और जेन पर काम करने के लिए उन्हें कम से कम अगले दिन तक रुकने की इच्छा जताई गई; और अंततः उनका जाना अगले दिन तक के लिए टाल दिया गया। मिस बिंगले को बाद में इस देरी का प्रस्ताव रखने पर खेद हुआ, क्योंकि एक बहन के प्रति उनकी ईर्ष्या और नापसंदगी दूसरी बहन के प्रति उनके स्नेह से कहीं अधिक थी।

घर के मुखिया को यह सुनकर बहुत दुख हुआ कि उन्हें इतनी जल्दी जाना पड़ेगा, और उन्होंने बार-बार मिस बेनेट को समझाने की कोशिश की कि उनके लिए जाना सुरक्षित नहीं होगा—कि वह अभी पूरी तरह से ठीक नहीं हुई हैं; लेकिन जेन अपनी बात पर अड़ी रहीं कि वह सही हैं।

मिस्टर डार्सी के लिए यह खुशखबरी थी—एलिज़ाबेथ काफी समय से नेदरफील्ड में थी। वह उन्हें ज़रूरत से ज़्यादा आकर्षित कर रही थी—और मिस बिंगले उसके साथ असभ्य व्यवहार कर रही थीं और हमेशा की तरह उन्हें चिढ़ा रही थीं। उन्होंने समझदारी से तय किया कि अब वे विशेष रूप से सावधान रहेंगे कि उनकी प्रशंसा का कोई भी संकेत उनसे न छूटे, ऐसा कुछ भी न हो जिससे एलिज़ाबेथ को उनकी खुशी पर असर पड़ने की उम्मीद हो; वे जानते थे कि अगर ऐसा कोई विचार मन में आया भी, तो आखिरी दिन उनका व्यवहार इसे पुष्ट या ध्वस्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। अपने इरादे पर अडिग रहते हुए, उन्होंने पूरे शनिवार को एलिज़ाबेथ से मुश्किल से दस शब्द ही बोले, और यद्यपि एक बार वे आधे घंटे के लिए अकेले रह गए, तब भी वे पूरी ईमानदारी से अपनी किताब में लगे रहे और उनकी तरफ देखा तक नहीं।

रविवार को सुबह की प्रार्थना के बाद, लगभग सभी को सुखद लगने वाला विदा समारोह संपन्न हुआ। अंत में, एलिज़ाबेथ के प्रति मिस बिंगले का सौहार्द और जेन के प्रति उनका स्नेह दोनों ही तेज़ी से बढ़ गए; और जब वे विदा हुईं, तो उन्होंने जेन को आश्वासन दिया कि लॉन्गबोर्न या नेदरफ़ील्ड में उनसे मिलना उन्हें हमेशा प्रसन्न करेगा, और उन्हें अत्यंत स्नेह से गले लगाया, यहाँ तक कि उन्होंने एलिज़ाबेथ से हाथ भी मिलाया। एलिज़ाबेथ अत्यंत प्रसन्न मन से सभी से विदा हुईं।

घर लौटने पर उनकी माँ ने उनका गर्मजोशी से स्वागत नहीं किया। श्रीमती बेनेट को उनके आने पर आश्चर्य हुआ और उन्हें लगा कि इतना कष्ट देना उनकी बहुत बड़ी गलती थी, और उन्हें पूरा यकीन था कि जेन को फिर से सर्दी लग गई होगी। लेकिन उनके पिता, हालांकि अपनी खुशी को कम शब्दों में व्यक्त करते हुए, वास्तव में उन्हें देखकर बहुत खुश थे; उन्होंने परिवार में उनके महत्व को महसूस किया था। शाम की बातचीत, जब वे सब इकट्ठा हुए थे, जेन और एलिजाबेथ की अनुपस्थिति के कारण काफी नीरस और अर्थहीन हो गई थी।

उन्होंने मैरी को हमेशा की तरह थोरोबास और मानव स्वभाव के गहन अध्ययन में डूबा हुआ पाया; उन्हें कुछ सराहनीय अंश और घिसी-पिटी नैतिकता पर कुछ नए विचार सुनने को मिले। कैथरीन और लिडिया के पास उनके लिए एक अलग तरह की जानकारी थी। पिछले बुधवार से रेजिमेंट में बहुत कुछ हुआ था और बहुत कुछ कहा गया था; कई अधिकारियों ने हाल ही में अपने चाचा के साथ भोजन किया था, एक सिपाही को कोड़े मारे गए थे, और यहाँ तक कि यह भी संकेत दिया गया था कि कर्नल फोर्स्टर शादी करने वाले हैं।

अध्याय 13

अगली सुबह नाश्ते के दौरान मिस्टर बेनेट ने अपनी पत्नी से कहा, "मुझे उम्मीद है, मेरी प्यारी, कि तुमने आज अच्छा खाना ऑर्डर किया होगा, क्योंकि मुझे हमारे परिवार में एक और सदस्य के आने की उम्मीद है।"
"तुम्हारा मतलब किससे है, मेरी प्यारी? मुझे यकीन है कि कोई आने वाला नहीं है, सिवाय इसके कि शार्लोट लुकास आ जाए—और मुझे उम्मीद है कि मेरा खाना उसके लिए काफी अच्छा होगा। मुझे नहीं लगता कि वह घर पर अक्सर ऐसा खाना खाती है।"
"जिस व्यक्ति की मैं बात कर रहा हूँ, वह एक सज्जन व्यक्ति है, और एक अजनबी है।"
श्रीमती बेनेट की आँखें चमक उठीं। "एक सज्जन और एक अजनबी! मुझे पूरा यकीन है कि ये मिस्टर बिंगले हैं! मुझे पूरा यकीन है कि मिस्टर बिंगले को देखकर मुझे बहुत खुशी होगी। लेकिन—हे भगवान! कितनी बदकिस्मती है! आज तो मछली का एक टुकड़ा भी नहीं मिल रहा। लिडिया, मेरी प्यारी, घंटी बजाओ—मुझे अभी हिल से बात करनी है।"
"यह मिस्टर बिंगले नहीं हैं," उनके पति ने कहा; "यह वह व्यक्ति है जिसे मैंने अपने पूरे जीवन में कभी नहीं देखा।"
इससे सर्वत्र आश्चर्य की स्थिति उत्पन्न हो गई; और उन्हें अपनी पत्नी और अपनी पांचों बेटियों द्वारा एक साथ उत्सुकतापूर्वक पूछताछ किए जाने का सुख प्राप्त हुआ।
कुछ देर तक उनकी जिज्ञासा को शांत करने के बाद, उन्होंने इस प्रकार समझाया:
"लगभग एक महीने पहले मुझे यह पत्र मिला था; और लगभग दो सप्ताह पहले मैंने इसका जवाब दिया, क्योंकि मुझे लगा कि यह कुछ संवेदनशील मामला है और इस पर जल्द ध्यान देने की आवश्यकता है। यह मेरे चचेरे भाई, श्री कॉलिन्स का पत्र है, जो मेरी मृत्यु के बाद जब चाहे आप सभी को इस घर से निकाल सकते हैं।"
"ओह! मेरे प्रिय," उसकी पत्नी ने रोते हुए कहा, "मैं उस बात को सुनना बर्दाश्त नहीं कर सकती। कृपया उस घृणित व्यक्ति के बारे में बात न करें। मुझे लगता है कि यह दुनिया की सबसे कठिन बात है कि आपकी संपत्ति आपके अपने बच्चों से छीन ली जाए; और मुझे यकीन है, अगर मैं आपकी जगह होती, तो मैंने बहुत पहले ही इसके बारे में कुछ न कुछ करने की कोशिश की होती।"
जेन और एलिजाबेथ ने उन्हें उत्तराधिकार के बारे में समझाने की कोशिश की। उन्होंने पहले भी कई बार ऐसा करने का प्रयास किया था, लेकिन श्रीमती बेनेट की समझ से परे यह विषय था, और वह पांच बेटियों के परिवार से संपत्ति छीनकर एक ऐसे व्यक्ति को सौंपने की क्रूरता के खिलाफ लगातार तीखे स्वर में बोलती रहीं, जिसकी किसी को परवाह नहीं थी।

श्री बेनेट ने कहा, "यह निःसंदेह एक अत्यंत अन्यायपूर्ण मामला है, और लॉन्गबोर्न की विरासत पाने के अपराध से श्री कॉलिन्स को कोई भी बरी नहीं कर सकता। लेकिन यदि आप उनका पत्र सुनेंगे, तो शायद उनके बोलने के तरीके से आपका मन थोड़ा नरम पड़ जाए।"

नहीं, मुझे पूरा यकीन है कि मैं ऐसा नहीं करूँगा; और मुझे लगता है कि उसका आपको पत्र लिखना बहुत ही गुस्ताखी भरा और पाखंडी काम है। मुझे ऐसे झूठे दोस्त बिल्कुल पसंद नहीं। वह अपने पिता की तरह आपसे झगड़ा क्यों नहीं करता?

"जी हां, बिल्कुल; जैसा कि आप सुनेंगे, इस मामले में उनके मन में कुछ पारिवारिक संशय जरूर थे।"

"हंसफोर्ड, वेस्टरहैम के पास, केंट, 15 अक्टूबर।"

"प्रिय महोदय,-

"आपके और मेरे दिवंगत आदरणीय पिता के बीच व्याप्त मतभेद ने मुझे हमेशा बहुत बेचैन किया, और उनके निधन के बाद से, मैंने अक्सर इस दरार को भरने की इच्छा की है; लेकिन कुछ समय तक मैं अपने ही संशय के कारण रुका रहा, इस डर से कि कहीं ऐसा न लगे कि उनके स्मृति का अनादर होगा यदि मैं किसी ऐसे व्यक्ति के साथ अच्छे संबंध रखूं जिससे वे हमेशा मतभेद रखना पसंद करते थे।—'देखो, श्रीमती बेनेट।'—हालाँकि, अब मैंने इस विषय पर अपना मन बना लिया है, क्योंकि ईस्टर पर दीक्षा प्राप्त करने के बाद, मैं इतना सौभाग्यशाली रहा हूँ कि मुझे सर लुईस डी बोर्ग की विधवा, माननीय लेडी कैथरीन डी बोर्ग का संरक्षण प्राप्त हुआ है, जिनकी उदारता और परोपकार ने मुझे इस पल्ली के मूल्यवान रेक्टरी पद पर नियुक्त किया है, जहाँ मेरा यह दृढ़ प्रयास रहेगा कि मैं उनके प्रति कृतज्ञतापूर्वक सम्मान व्यक्त करूं, और इंग्लैंड के चर्च द्वारा स्थापित सभी रीति-रिवाजों और समारोहों को निभाने के लिए हमेशा तत्पर रहूं। इसके अलावा, एक पादरी के रूप में, मैं इसे अपना कर्तव्य मानता हूँ कि मैं प्रचार करूं और मेरे प्रभाव क्षेत्र में आने वाले सभी परिवारों में शांति का आशीर्वाद स्थापित करना; और इसी आधार पर मुझे आशा है कि मेरी वर्तमान पहल अत्यंत प्रशंसनीय है, और लॉन्गबोर्न एस्टेट के उत्तराधिकार में मेरा अगला स्थान होने की बात को आप कृपापूर्वक अनदेखा कर देंगे, और मेरे द्वारा दी गई सुलह की पेशकश को अस्वीकार नहीं करेंगे। आपकी प्यारी बेटियों को आहत करने का कारण बनने से मैं निश्चित रूप से चिंतित हूँ, और इसके लिए क्षमा चाहता हूँ, साथ ही आपको आश्वस्त करता हूँ कि मैं उन्हें हर संभव क्षतिपूर्ति देने के लिए तत्पर हूँ—लेकिन इस बारे में बाद में बात करेंगे। यदि आपको मुझे अपने घर में स्वीकार करने में कोई आपत्ति नहीं है, तो मैं सोमवार, 18 नवंबर को शाम चार बजे आपके और आपके परिवार से मिलने का प्रस्ताव रखता हूँ, और संभवतः अगले शनिवार तक आपके आतिथ्य का लाभ उठाऊँगा, जो मैं बिना किसी असुविधा के कर सकता हूँ, क्योंकि लेडी कैथरीन को रविवार को मेरी अनुपस्थिति से कोई आपत्ति नहीं है, बशर्ते कि उस दिन का कार्य करने के लिए कोई अन्य पादरी नियुक्त किया गया हो।—प्रिय महोदय, सादर प्रणाम के साथ, आपकी पत्नी और बेटियाँ, आपके शुभचिंतक और मित्र,

विलियम कॉलिन्स

"इसलिए, हम चार बजे इस शांतिदूत के आने की उम्मीद कर सकते हैं," श्री बेनेट ने पत्र को मोड़ते हुए कहा।
"मेरी कसम, वह एक बहुत ही कर्तव्यनिष्ठ और विनम्र युवक प्रतीत होता है, और मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह एक मूल्यवान परिचित साबित होगा, खासकर अगर लेडी कैथरीन इतनी उदार हों कि उन्हें फिर से हमारे पास आने दें।"
"लड़कियों के बारे में उसने जो कहा है उसमें कुछ सच्चाई तो है, और अगर वह उनसे माफी मांगने को तैयार है, तो मैं उसे हतोत्साहित करने वाला व्यक्ति नहीं बनूंगा।"
जेन ने कहा, "हालांकि यह अनुमान लगाना मुश्किल है कि वह किस तरह से हमें वह प्रायश्चित करवाना चाहता है जो उसे लगता है कि हमारा हक है, लेकिन उसकी यह इच्छा निश्चित रूप से सराहनीय है।"
एलिजाबेथ मुख्य रूप से लेडी कैथरीन के प्रति उनके असाधारण सम्मान और जब भी आवश्यकता हो, अपने पैरिशवासियों का बपतिस्मा करने, विवाह कराने और अंतिम संस्कार करने के उनके नेक इरादे से प्रभावित हुई थीं।
"मुझे लगता है कि वह कोई अजीब आदमी है," उसने कहा। "मैं उसे समझ नहीं पा रही हूँ। उसके हाव-भाव में कुछ ज़्यादा ही आडंबर है। और उत्तराधिकार में अगला होने के लिए माफ़ी माँगने का उसका क्या मतलब है? अगर वह ऐसा कर भी सकता, तो हम यह नहीं मान सकते कि वह ऐसा नहीं करता। क्या वह समझदार आदमी हो सकता है, महोदय?"
नहीं, मेरी प्रिय, मुझे ऐसा नहीं लगता। मुझे पूरी उम्मीद है कि वह बिल्कुल विपरीत होगा। उसके पत्र में चापलूसी और आत्म-महत्व का मिश्रण है, जो अच्छे संकेत देता है। मैं उससे मिलने के लिए बेताब हूँ।
"रचना की दृष्टि से, पत्र में कोई खामी नहीं दिखती। शायद शांति का प्रतीक पूरी तरह से नया नहीं है, फिर भी मुझे लगता है कि इसे अच्छी तरह से व्यक्त किया गया है।"
कैथरीन और लिडिया के लिए, न तो पत्र और न ही उसका लेखक किसी भी तरह से दिलचस्प था। उनके चचेरे भाई का लाल कोट पहनकर आना लगभग असंभव था, और अब कुछ सप्ताह बीत चुके थे जब उन्होंने किसी अन्य रंग के पुरुष की संगति से आनंद लिया था। जहाँ तक उनकी माँ की बात है, श्री कॉलिन्स के पत्र ने उनकी काफी हद तक नाराजगी दूर कर दी थी, और वह उनसे मिलने की तैयारी इतने शांत भाव से कर रही थीं कि उनके पति और बेटियाँ आश्चर्यचकित रह गईं।
श्री कॉलिन्स समय के पाबंद थे और पूरे परिवार ने उनका बड़े ही विनम्रतापूर्वक स्वागत किया। श्री बेनेट ने सचमुच कम ही बोला; लेकिन महिलाएं बातचीत करने के लिए उत्सुक थीं और श्री कॉलिन्स को न तो प्रोत्साहन की आवश्यकता थी और न ही वे स्वयं चुप रहना चाहते थे। वे पच्चीस वर्ष के लंबे, भारी-भरकम दिखने वाले युवक थे। उनका हावभाव गंभीर और गरिमामय था और उनका व्यवहार अत्यंत औपचारिक था। बैठते ही उन्होंने श्रीमती बेनेट की इतनी सुंदर बेटियों के परिवार के लिए उनकी प्रशंसा की; कहा कि उन्होंने उनकी सुंदरता के बारे में बहुत सुना है, लेकिन इस मामले में उनकी सुंदरता उतनी अच्छी नहीं है; और आगे कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि समय आने पर उनकी सभी बेटियों का विवाह हो जाएगा। उनकी यह प्रशंसा

कुछ श्रोताओं को पसंद नहीं आई; लेकिन श्रीमती बेनेट, जो किसी भी प्रशंसा से नाराज़ नहीं होती थीं, ने बड़ी सहजता से जवाब दिया।

"आप बहुत दयालु हैं, मुझे पूरा विश्वास है; और मैं तहे दिल से कामना करता हूँ कि ऐसा ही हो, अन्यथा वे बहुत ही दरिद्र हो जाएँगे। हालात बहुत ही अजीब हैं।"

"शायद आप इस संपत्ति के उत्तराधिकार की ओर इशारा कर रहे हैं।"

"आह! महोदय, जी हाँ, बिल्कुल। मेरी प्यारी बेटियों के लिए यह बहुत दुखद मामला है, आपको यह स्वीकार करना ही होगा। मेरा इरादा आप पर दोष लगाने का नहीं है, क्योंकि मैं जानती हूँ कि इस दुनिया में ऐसी चीजें संयोग पर निर्भर करती हैं। एक बार संपत्ति उत्तराधिकार में मिल जाए तो उसका क्या होगा, यह कोई नहीं जानता।"

"महोदया, मैं अपनी प्यारी चचेरी बहनों की कठिनाइयों को भलीभांति समझता/समझती हूँ, और इस विषय पर बहुत कुछ कह सकता/सकती हूँ, लेकिन मैं जल्दबाजी और उग्रता दिखाने से बचना चाहता/चाहती हूँ। लेकिन मैं युवतियों को आश्वस्त कर सकता/सकती हूँ कि मैं उनकी प्रशंसा करने के लिए तैयार होकर आया/आई हूँ। फिलहाल मैं और कुछ नहीं कहूँगा/कहूँगी; लेकिन शायद, जब हम एक-दूसरे को बेहतर तरीके से जान लेंगे—"

उन्हें भोजन के लिए बुलावा आया और उनकी बातचीत बीच में ही रुक गई; लड़कियाँ एक-दूसरे को देखकर मुस्कुराईं। श्री कॉलिन्स की प्रशंसा का पात्र केवल वे ही नहीं थीं। उन्होंने हॉल, भोजन कक्ष और उसके सभी फर्नीचर का निरीक्षण किया और उनकी प्रशंसा की; और उनकी हर चीज़ की प्रशंसा श्रीमती बेनेट के दिल को छू जाती, लेकिन इस बात से उन्हें ठेस पहुँची कि वे इसे अपनी भावी संपत्ति मान रहे थे। भोजन की भी उन्होंने बहुत प्रशंसा की; और उन्होंने पूछा कि उनकी सुंदर चचेरी बहनों में से किसकी बदौलत इतना बढ़िया खाना बना था। लेकिन श्रीमती बेनेट ने उन्हें तुरंत रोक दिया और कुछ सख्ती से उन्हें आश्वस्त किया कि उनके पास एक अच्छा रसोइया रखने की पर्याप्त क्षमता है, और उनकी बेटियों का रसोई में कोई काम नहीं है। उन्होंने उन्हें नाराज़ करने के लिए क्षमा मांगी। उन्होंने नरम स्वर में कहा कि उन्हें बिल्कुल भी बुरा नहीं लगा; लेकिन वे लगभग पंद्रह मिनट तक माफी मांगते रहे।

अध्याय 14

खाने के दौरान, मिस्टर बेनेट लगभग चुप ही रहे; लेकिन जब नौकर चले गए, तो उन्होंने अपने मेहमान से बातचीत शुरू करने का सोचा और इसलिए एक ऐसा विषय उठाया जिसमें उन्हें उम्मीद थी कि मेहमान अपनी प्रतिभा दिखाएंगे। उन्होंने कहा कि वे अपनी संरक्षिका के मामले में बहुत भाग्यशाली प्रतीत होते हैं। लेडी कैथरीन डी बोर्ग द्वारा उनकी इच्छाओं का ध्यान रखना और उनके आराम का ख्याल रखना वाकई सराहनीय था। मिस्टर बेनेट इससे बेहतर चुनाव नहीं कर सकते थे। मिस्टर कॉलिन्स ने उनकी प्रशंसा में बड़े दिल से शब्द कहे। इस विषय ने उनके व्यवहार को सामान्य से अधिक गंभीर बना दिया, और उन्होंने अत्यंत महत्वपूर्ण भाव से कहा कि "उन्होंने अपने जीवन में किसी उच्च पदस्थ व्यक्ति में ऐसा व्यवहार, ऐसी सौहार्दपूर्णता और विनम्रता कभी नहीं देखी, जैसा उन्होंने स्वयं लेडी कैथरीन में अनुभव किया था। उन्होंने उन दोनों प्रवचनों को सहर्ष स्वीकार किया था, जिन्हें उन्होंने पहले ही उनके समक्ष प्रस्तुत करने का सम्मान प्राप्त किया था। उन्होंने उन्हें दो बार रोज़िंग्स में भोजन के लिए आमंत्रित किया था, और पिछले शनिवार को ही उन्हें शाम को अपने क्वाड्रिल खेल में शामिल होने के लिए बुलाया था। उनके परिचित कई लोग लेडी कैथरीन को अभिमानी मानते थे, लेकिन उन्होंने उनमें हमेशा सौहार्द ही देखा था। वह हमेशा उनसे वैसे ही बात करती थीं जैसे किसी अन्य सज्जन से करती हैं; उन्होंने पड़ोस के लोगों के साथ मेलजोल करने या कभी-कभी एक-दो सप्ताह के लिए अपने रिश्तेदारों से मिलने के लिए पैरिश छोड़ने पर जरा भी आपत्ति नहीं जताई। उन्होंने तो उन्हें समझदारी से शादी करने की सलाह भी दी थी; और एक बार उनके साधारण से पादरी निवास में उनसे मिलने भी गई थीं, जहाँ उन्होंने उनके द्वारा किए गए सभी परिवर्तनों को पूर्ण रूप से अनुमोदित किया था। वह खुद भी कुछ चीजें बना रही थी, और उसने खुद भी कुछ सुझाव देने की पेशकश की थी—ऊपर वाले कमरे की अलमारी में कुछ अलमारियां।

"मुझे पूरा यकीन है कि यह सब बहुत ही उचित और सभ्य है," श्रीमती बेनेट ने कहा, "और मुझे पूरा विश्वास है कि वह बहुत ही मिलनसार महिला हैं। यह दुख की बात है कि आम तौर पर बड़ी महिलाएं उनके जैसी नहीं होतीं। क्या वह आपके आस-पास रहती हैं, महोदय?"

"जिस बगीचे में मेरा साधारण सा निवास स्थित है, वह महारानी के निवास स्थान, रोज़िंग्स पार्क से केवल एक गली द्वारा अलग किया गया है।"

"मुझे लगता है आपने कहा था कि वह विधवा हैं, महोदय? क्या उनका कोई परिवार है?"

"उनकी केवल एक ही बेटी है, जो रोसिंग की उत्तराधिकारी है और बहुत बड़ी संपत्ति की मालकिन है।"

"आह!" श्रीमती बेनेट ने सिर हिलाते हुए कहा, "तो वह कई लड़कियों से बेहतर स्थिति में है। और वह कैसी युवती है? क्या वह सुंदर है?"

"वह सचमुच एक बेहद आकर्षक युवती हैं। स्वयं लेडी कैथरीन कहती हैं कि सच्ची सुंदरता के मामले में मिस डी बोर्ग अपनी स्त्रियों में सबसे सुंदर युवतियों से कहीं श्रेष्ठ हैं, क्योंकि उनके चेहरे की बनावट में वह बात झलकती है जो एक प्रतिष्ठित परिवार की युवती की पहचान है। दुर्भाग्य से उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं है, जिसके कारण वे कई कौशलों में उतनी प्रगति नहीं कर पाईं जितनी वे अन्यथा कर सकती थीं, जैसा कि मुझे उनकी शिक्षा की देखरेख करने वाली महिला से पता चला है, जो अभी भी उनके साथ रहती हैं। लेकिन वे अत्यंत मिलनसार हैं और अक्सर अपनी छोटी सी गाड़ी और टट्टुओं में मेरे साधारण से घर के पास से गुजरने की कृपा करती हैं।"

"क्या उन्हें पेश किया गया है? मुझे दरबार में उपस्थित महिलाओं में उनका नाम याद नहीं आ रहा है।"

"दुर्भाग्यवश, उनकी खराब सेहत उन्हें शहर में आने से रोकती है; और इस वजह से, जैसा कि मैंने एक दिन लेडी कैथरीन से कहा था, ब्रिटिश दरबार अपने सबसे उज्ज्वल आभूषणों से वंचित हो गया है। उनकी लेडीशिप को यह विचार अच्छा लगा; और आप कल्पना कर सकते हैं कि मैं हर अवसर पर उन छोटी-छोटी, कोमल प्रशंसाओं को अर्पित करने में प्रसन्न होता हूँ जो हमेशा महिलाओं को स्वीकार्य होती हैं। मैंने लेडी कैथरीन से एक से अधिक बार कहा है कि उनकी आकर्षक बेटी डचेस बनने के लिए ही जन्मी लगती हैं, और सर्वोच्च पद, उन्हें महत्व देने के बजाय, उनके द्वारा सुशोभित किया जाएगा। ये वे छोटी-छोटी बातें हैं जो उनकी लेडीशिप को प्रसन्न करती हैं, और इस प्रकार का ध्यान रखना मेरा कर्तव्य है।"

श्री बेनेट ने कहा, "आपका निर्णय बिल्कुल सही है, और यह आपके लिए सौभाग्य की बात है कि आप बड़ी ही नज़ाकत से चापलूसी करने की प्रतिभा रखते हैं। क्या मैं पूछ सकता हूँ कि ये सुखद व्यवहार क्षणिक आवेग से उत्पन्न होते हैं, या पूर्व अध्ययन का परिणाम हैं?"

"ये मुख्य रूप से उस समय घटित हो रही घटनाओं से उत्पन्न होते हैं, और यद्यपि मैं कभी-कभी सामान्य अवसरों के अनुकूल छोटे-छोटे सुरुचिपूर्ण अभिवादन सुझाने और व्यवस्थित करने में खुद को आनंदित करता हूं, मैं हमेशा उन्हें यथासंभव सहज रूप देने की कोशिश करता हूं।"

श्री बेनेट की उम्मीदें पूरी तरह से साकार हुईं। उनका चचेरा भाई उतना ही हास्यास्पद था जितना उन्होंने सोचा था, और उन्होंने उसे बड़े चाव से सुना, साथ ही चेहरे पर दृढ़ भाव बनाए रखा, और एलिजाबेथ की ओर कभी-कभार नज़र डालने के अलावा, अपने आनंद में किसी साथी की आवश्यकता महसूस नहीं की।

लेकिन चाय के समय तक, खुराक काफी हो चुकी थी, और मिस्टर बेनेट अपने मेहमान को फिर से ड्राइंग रूम में ले जाने के लिए खुश थे, और चाय खत्म होने के बाद, उन्हें महिलाओं को जोर से पढ़कर सुनाने के लिए आमंत्रित करने में भी उन्हें खुशी हुई। मिस्टर कॉलिन्स तुरंत मान गए, और एक किताब निकाली गई; लेकिन, उसे देखते ही (क्योंकि हर चीज से लग रहा था कि यह किसी लाइब्रेरी की किताब है), वे चौंक गए, और माफी मांगते हुए कहा कि वे कभी उपन्यास नहीं पढ़ते। किटी उन्हें घूरती रही, और लिडिया चौंक उठी। दूसरी किताबें निकाली गईं, और कुछ सोच-विचार के बाद उन्होंने फोर्डाइस के 'सर्मन्स' को चुना। जैसे ही

उन्होंने किताब खोली, लिडिया हैरान रह गई, और इससे पहले कि वे बड़ी नीरस गंभीरता से तीन पन्ने पढ़ पाते, उसने उन्हें बीच में ही रोकते हुए कहा:
"क्या आपको पता है, माँ, कि मेरे चाचा फिलिप्स रिचर्ड को नौकरी से निकालने की बात कर रहे हैं; और अगर उन्होंने ऐसा किया, तो कर्नल फोर्स्टर उसे काम पर रख लेंगे। मेरी चाची ने मुझे शनिवार को खुद बताया था। मैं कल मेरिटन पैदल जाऊँगा ताकि इसके बारे में और जानकारी ले सकूँ, और यह भी पूछ सकूँ कि श्री डेनी शहर से कब लौटते हैं।"
लिडिया को उसकी दो बड़ी बहनों ने चुप रहने के लिए कहा; लेकिन श्री कॉलिन्स बहुत नाराज हो गए, उन्होंने अपनी किताब एक तरफ रख दी और कहा:
मैंने अक्सर देखा है कि युवा लड़कियां गंभीर विषयों पर लिखी गई किताबों में कितनी कम रुचि रखती हैं, भले ही वे किताबें सिर्फ उनके फायदे के लिए ही लिखी गई हों। यह बात मुझे आश्चर्यचकित करती है, मैं स्वीकार करता हूँ; क्योंकि निश्चित रूप से उनके लिए शिक्षा से बढ़कर कोई लाभ नहीं हो सकता। लेकिन मैं अब अपनी युवा चचेरी बहन को और परेशान नहीं करूँगा।
फिर श्री बेनेट की ओर मुड़कर, उन्होंने बैकगैमोन के खेल में खुद को उनके प्रतिद्वंद्वी के रूप में पेश किया। श्री बेनेट ने चुनौती स्वीकार कर ली और कहा कि लड़कियों को उनके तुच्छ मनोरंजन में व्यस्त छोड़कर उन्होंने बहुत बुद्धिमानी का काम किया है। श्रीमती बेनेट और उनकी बेटियों ने लिडिया के व्यवधान के लिए अत्यंत विनम्रतापूर्वक क्षमा मांगी और वादा किया कि यदि वह अपनी पुस्तक फिर से पढ़ना शुरू कर दें तो ऐसा दोबारा नहीं होगा; लेकिन श्री कॉलिन्स ने उन्हें आश्वस्त किया कि उनके मन में अपनी युवा चचेरी बहन के प्रति कोई दुर्भावना नहीं है और वह उसके व्यवहार को कभी भी अपमान नहीं मानेंगे। इसके बाद वह श्री बेनेट के साथ दूसरी मेज पर बैठ गए और बैकगैमोन खेलने की तैयारी करने लगे।

अध्याय 15

श्री कॉलिन्स एक समझदार व्यक्ति नहीं थे, और उनकी प्राकृतिक कमियों को शिक्षा या सामाजिक संगति से कोई खास सहायता नहीं मिली थी; उनका अधिकांश जीवन एक अनपढ़ और कंजूस पिता के मार्गदर्शन में बीता था; और यद्यपि वे एक विश्वविद्यालय के सदस्य थे, उन्होंने केवल औपचारिकताएँ पूरी कीं, वहाँ कोई उपयोगी ज्ञान प्राप्त नहीं किया। उनके पिता द्वारा उनके पालन-पोषण में जो अधीनता थी, उसने उन्हें शुरू में बहुत विनम्रता प्रदान की थी; लेकिन अब एकांत में रहने वाले एक कमजोर दिमाग के अहंकार और परिणामस्वरूप शुरुआती और अप्रत्याशित समृद्धि की भावनाओं ने इसे काफी हद तक कम कर दिया था। एक सौभाग्यशाली संयोग से उन्हें हन्सफोर्ड के पद के रिक्त होने पर लेडी कैथरीन डी बोर्ग से मिलने का अवसर मिला; और उनके उच्च पद के प्रति उनके सम्मान और उन्हें अपनी संरक्षिका के रूप में मानने की श्रद्धा, स्वयं के बारे में, एक पादरी के रूप में अपने अधिकार और एक रेक्टर के रूप में अपने अधिकार के बारे में उनकी अच्छी राय के साथ मिलकर, उन्हें अहंकार और चापलूसी, आत्म-महत्व और विनम्रता का मिश्रण बना दिया था।

अब उनके पास एक अच्छा घर और पर्याप्त आमदनी थी, इसलिए उन्होंने शादी करने का इरादा किया; और लॉन्गबोर्न परिवार से सुलह करने के लिए उन्होंने एक पत्नी का चयन किया, क्योंकि उनका इरादा था कि अगर उनकी बेटियाँ उतनी ही सुंदर और मिलनसार हों जितनी कि आम धारणा थी, तो वे उनमें से किसी एक को चुनेंगे। यह उनके पिता की संपत्ति विरासत में पाने के लिए उनके प्रायश्चित की योजना थी; और उन्हें यह एक उत्कृष्ट योजना लगी, जो योग्यता और उपयुक्तता से भरपूर थी, और उनकी ओर से अत्यधिक उदार और निस्वार्थ थी।

उन्हें देखकर भी उनकी योजना में कोई बदलाव नहीं आया। मिस बेनेट के सुंदर चेहरे ने उनके विचारों की पुष्टि कर दी और वरिष्ठता के प्रति उनके सभी कड़े सिद्धांतों को पुख्ता कर दिया; और पहली शाम के लिए वही उनकी अंतिम पसंद थीं। हालाँकि, अगली सुबह स्थिति बदल गई; नाश्ते से पहले श्रीमती बेनेट के साथ पंद्रह मिनट की बातचीत में, जो उनके पादरी के घर से शुरू हुई और स्वाभाविक रूप से इस उम्मीद की ओर बढ़ी कि लॉन्गबोर्न में उसके लिए एक रखैल मिल जाए, श्रीमती बेनेट ने बड़ी विनम्रता से मुस्कुराते हुए और सामान्य प्रोत्साहन देते हुए, उसी जेन के प्रति सावधानी बरतने की चेतावनी दी, जिस पर उन्होंने अपना मन बना लिया था। "जहाँ तक उनकी छोटी बेटियों का सवाल है, वह कुछ कह नहीं सकती थीं—वह निश्चित रूप से जवाब नहीं दे सकती थीं—लेकिन उन्हें किसी पूर्वाग्रह की जानकारी नहीं थी; उनकी सबसे बड़ी बेटी का ज़िक्र करना ज़रूरी था—उन्होंने संकेत देना अपना कर्तव्य समझा—कि उसकी सगाई बहुत जल्द होने वाली थी।"

मिस्टर कॉलिन्स को केवल जेन से एलिजाबेथ में नाम बदलना था—और यह काम झटपट हो गया—यह तब हुआ जब मिसेज बेनेट आग को हवा दे रही थीं। एलिजाबेथ, जो जन्म और सुंदरता में जेन के बराबर ही थी, ने स्वाभाविक रूप से जेन का स्थान लिया।

श्रीमती बेनेट ने उस संकेत को संजो कर रखा और उन्हें उम्मीद थी कि जल्द ही उनकी दोनों बेटियों की शादी हो जाएगी; और जिस व्यक्ति के बारे में वह एक दिन पहले बात करने से भी कतराती थीं, वह अब उनकी कृपा का पात्र बन चुका था।

लिडिया का मेरिटन तक पैदल जाने का इरादा भुलाया नहीं गया था; मैरी को छोड़कर सभी बहनें उसके साथ जाने को तैयार हो गईं; और श्री बेनेट के अनुरोध पर श्री कॉलिन्स को भी उनके साथ जाना था, क्योंकि श्री बेनेट उनसे छुटकारा पाना चाहते थे और अपनी लाइब्रेरी में अकेले समय बिताना चाहते थे। नाश्ते के बाद श्री कॉलिन्स उनके पीछे-पीछे वहाँ आ गए थे; और वहाँ वे नाममात्र के लिए संग्रह की सबसे बड़ी किताबों में से एक को पढ़ने में व्यस्त रहते, लेकिन वास्तव में श्री बेनेट से लगातार हन्सफोर्ड स्थित उनके घर और बगीचे के बारे में बातें करते रहते। ऐसी बातों से श्री बेनेट बेहद असहज हो गए। अपनी लाइब्रेरी में उन्हें हमेशा आराम और शांति का अनुभव होता था; और जैसा कि उन्होंने एलिजाबेथ को बताया था, घर के हर दूसरे कमरे में मूर्खता और अहंकार का सामना करने के लिए तैयार रहने के बावजूद, वे वहाँ उनसे मुक्त रहने के आदी थे; इसलिए, उनकी विनम्रता ने श्री कॉलिन्स को अपनी बेटियों के साथ सैर पर चलने के लिए तुरंत आमंत्रित किया; और श्री कॉलिन्स, वास्तव में एक पाठक की तुलना में एक पैदल यात्री के रूप में कहीं अधिक उपयुक्त थे, इसलिए वे अपनी बड़ी किताब बंद करके जाने से बेहद प्रसन्न हुए।

अपनी ओर से आडंबरपूर्ण बातों और अपने चचेरे भाइयों की विनम्र सहमति में उनका समय बीतता गया जब तक कि वे मेरिटन में नहीं पहुँच गए। अब छोटों का ध्यान आकर्षित करना उनके लिए असंभव हो गया था। उनकी निगाहें तुरंत अधिकारियों की तलाश में सड़क पर भटकने लगीं, और उन्हें वापस लाने के लिए एक बहुत ही आकर्षक टोपी या दुकान की खिड़की में सजी एक बिल्कुल नई मलमल की पोशाक के अलावा और कुछ भी कारगर नहीं था।

लेकिन सभी महिलाओं का ध्यान जल्द ही एक युवक पर गया, जिसे उन्होंने पहले कभी नहीं देखा था। वह अत्यंत सज्जन दिखने वाला व्यक्ति था, जो सड़क के दूसरी ओर एक अन्य अधिकारी के साथ चल रहा था। वह अधिकारी वही श्री डेनी थे, जिनके लंदन से लौटने के बारे में लिडिया पूछताछ करने आई थी, और उन्होंने गुजरते समय उन्हें झुककर अभिवादन किया। सभी उस अजनबी के हावभाव से प्रभावित थे, सभी सोच रहे थे कि वह कौन हो सकता है; और किटी और लिडिया, यह पता लगाने के लिए दृढ़ संकल्पित थीं कि क्या संभव है, और सामने वाली दुकान में कुछ लेने का बहाना बनाकर सड़क पार कर गईं। सौभाग्य से, वे जैसे ही फुटपाथ पर पहुँचीं, दोनों सज्जन मुड़कर उसी स्थान पर पहुँच गए। श्री डेनी ने सीधे उनसे बात की और अपने मित्र श्री विकहम से परिचय कराने की अनुमति मांगी, जो एक दिन पहले उनके साथ शहर से लौटे थे, और उन्होंने खुशी से बताया कि उन्होंने उनकी कोर में कमीशन स्वीकार कर लिया है। यह बिल्कुल वैसा ही था

जैसा होना चाहिए था; क्योंकि उस युवक को पूरी तरह से आकर्षक बनाने के लिए केवल रेजिमेंटल वर्दी की आवश्यकता थी। उनका रूप-रंग उनके पक्ष में बहुत अधिक था; उसमें सुंदरता के सारे गुण थे - सुंदर चेहरा, सुडौल कद-काठी और बेहद आकर्षक वाक्पटुता। परिचय के बाद, उसकी ओर से बातचीत में बड़ी सहजता दिखाई दी - एक ऐसी सहजता जो बिल्कुल सही और सरल थी; और सभी लोग अभी भी बड़ी खुशी से खड़े होकर बातें कर रहे थे, तभी घोड़ों की आवाज ने उनका ध्यान खींचा और डार्सी और बिंगले को सड़क पर घोड़े पर सवार होकर आते देखा गया। समूह की महिलाओं को पहचानते ही, दोनों सज्जन सीधे उनकी ओर बढ़े और सामान्य शिष्टाचार का पालन करने लगे। बिंगले मुख्य वक्ता थे और मिस बेनेट मुख्य विषय थीं। उन्होंने कहा कि वे उनसे पूछताछ करने के उद्देश्य से लॉन्गबोर्न जा रहे हैं। श्री डार्सी ने झुककर इसकी पुष्टि की और एलिजाबेथ पर अपनी नजरें न टिकाने का निश्चय करने लगे, तभी अचानक उनकी नजर उस अजनबी पर पड़ी और एलिजाबेथ ने जब दोनों को एक-दूसरे को देखते हुए देखा, तो वह इस मुलाकात के प्रभाव को देखकर पूरी तरह से आश्चर्यचकित रह गईं। दोनों का रंग बदल गया, एक का चेहरा सफेद पड़ गया, दूसरे का लाल। कुछ क्षणों बाद, श्री विकहम ने अपनी टोपी को छुआ—यह अभिवादन श्री डार्सी ने बड़ी विनम्रता से दोहराया। इसका क्या अर्थ हो सकता है? इसकी कल्पना करना असंभव था; इसे जानने की तीव्र इच्छा होना स्वाभाविक था।

एक मिनट बाद, श्री बिंगले ने, मानो उन्हें इस बात का एहसास ही न हुआ हो कि क्या हुआ, विदा ली और अपने मित्र के साथ घोड़े पर सवार होकर आगे बढ़ गए।

श्री डेनी और श्री विकहम युवतियों के साथ श्री फिलिप के घर के दरवाजे तक गए और फिर झुककर अभिवादन किया, हालांकि मिस लिडिया ने उनसे अंदर आने के लिए बार-बार विनती की थी और श्रीमती फिलिप्स ने बैठक की खिड़की खोलकर जोर-जोर से निमंत्रण का समर्थन किया था।

श्रीमती फिलिप्स अपनी भतीजियों को देखकर हमेशा प्रसन्न होती थीं; और हाल ही में अनुपस्थिति के बाद, सबसे बड़ी दो भतीजियों का आना विशेष रूप से सुखद था। वह उनके अचानक घर लौटने पर अपनी हैरानी व्यक्त कर रही थीं, क्योंकि वे अपनी गाड़ी से नहीं आई थीं, इसलिए उन्हें इस बारे में कुछ भी पता नहीं चलता, अगर उनकी मुलाकात सड़क पर श्री जोन्स के दुकानवाले से न हुई होती, जिसने उन्हें बताया था कि मिस बेनेट के चले जाने के कारण अब नेदरफील्ड में और शराब नहीं भेजी जाएगी। तभी जेन द्वारा श्री कॉलिन्स का परिचय कराने पर श्रीमती फिलिप्स ने उनसे विनम्रतापूर्वक मुलाकात की। उन्होंने उनका अत्यंत विनम्रता से स्वागत किया, जिसका उन्होंने भी उतनी ही विनम्रता से जवाब दिया और बिना किसी पूर्व परिचय के अचानक आने के लिए क्षमा मांगी। हालांकि, उन्हें यह सोचकर थोड़ी तसल्ली थी कि शायद उन युवतियों से उनके संबंध के कारण यह उचित हो सकता है जिन्होंने उनका परिचय श्रीमती कॉलिन्स से कराया था। श्रीमती फिलिप्स इतनी उच्च शिष्टाचार देखकर काफी प्रभावित हुईं; लेकिन एक अजनबी के बारे में उनका चिंतन जल्द ही दूसरे के बारे में आश्चर्य और पूछताछ में तब्दील हो गया। हालांकि, वह अपनी भतीजियों को केवल वही बता सकीं जो वे पहले से जानती थीं, कि श्री डेनी उन्हें लंदन से लाए थे, और उन्हें ——शायर में लेफ्टिनेंट

का पद मिलने वाला था। उन्होंने कहा कि वह पिछले एक घंटे से उन्हें गली में इधर-उधर घूमते हुए देख रही थीं, और अगर श्री विकहम दिखाई देते, तो किटी और लिडिया निश्चित रूप से अपना काम जारी रखतीं, लेकिन दुर्भाग्य से अब खिड़कियों से कुछ अधिकारियों के अलावा कोई नहीं गुजरता था, जो अजनबी की तुलना में "मूर्ख, अप्रिय लोग" बन गए थे। उनमें से कुछ अगले दिन फिलिप्स परिवार के साथ भोजन करने वाले थे, और उनकी चाची ने वादा किया कि अगर लॉन्गबोर्न से परिवार शाम को आएगा, तो वह अपने पति से श्री विकहम से मिलने और उन्हें भी निमंत्रण देने के लिए कहेंगी। इस पर सहमति बन गई, और श्रीमती फिलिप्स ने कहा कि वे लॉटरी टिकटों का एक अच्छा, आरामदायक, शोरगुल भरा खेल खेलेंगी, और उसके बाद थोड़ा गर्म खाना खाएंगी। ऐसे सुखों की संभावना बहुत उत्साहवर्धक थी, और वे आपसी अच्छे मूड में विदा हुईं। कमरे से निकलते समय श्री कॉलिन्स ने अपनी माफी दोहराई, और उन्हें अत्यंत विनम्रता के साथ आश्वस्त किया गया कि उनकी माफी बिल्कुल अनावश्यक थी।

घर लौटते समय एलिजाबेथ ने जेन को बताया कि उसने दोनों सज्जनों के बीच क्या-क्या होते देखा था; लेकिन जेन दोनों में से किसी एक या दोनों का बचाव करती, अगर वे गलत साबित होते, फिर भी वह अपनी बहन की तरह ऐसे व्यवहार की व्याख्या नहीं कर सकती थी।

श्री कॉलिन्स ने लौटकर श्रीमती फिलिप्स के शिष्टाचार और विनम्रता की प्रशंसा करके श्रीमती बेनेट को अत्यंत प्रसन्न किया। उन्होंने कहा कि लेडी कैथरीन और उनकी बेटी को छोड़कर उन्होंने इतनी शालीन महिला कभी नहीं देखी थी; क्योंकि श्रीमती फिलिप्स ने न केवल उनका अत्यंत विनम्रता से स्वागत किया, बल्कि अगले दिन शाम के निमंत्रण में उन्हें विशेष रूप से शामिल किया, जबकि वे पहले उन्हें जानती भी नहीं थीं। उन्होंने अनुमान लगाया कि शायद उनके साथ उनके संबंध का इसमें कुछ योगदान था, लेकिन फिर भी उन्होंने अपने पूरे जीवन में कभी इतना ध्यान नहीं पाया था।

अध्याय 16

चूंकि युवाओं के अपनी चाची से मिलने पर कोई आपत्ति नहीं जताई गई, और श्री कॉलिन्स ने अपनी यात्रा के दौरान एक शाम के लिए श्री और श्रीमती बेनेट को छोड़ने के अपने सभी संकोचों का दृढ़ता से विरोध किया, इसलिए गाड़ी उन्हें और उनके पांच चचेरे भाइयों को उचित समय पर मेरिटन ले गई; और लड़कियों को ड्राइंग रूम में प्रवेश करते ही यह सुनकर खुशी हुई कि श्री विकहम ने उनके चाचा का निमंत्रण स्वीकार कर लिया था और अब वे घर में मौजूद थे।

जब यह जानकारी दी गई और सभी अपनी-अपनी सीटों पर बैठ गए, तो श्री कॉलिन्स को अपने चारों ओर देखने और प्रशंसा करने का समय मिला। वे अपार्टमेंट के आकार और साज-सज्जा से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने कहा कि उन्हें लगभग ऐसा लगा जैसे वे रोज़िंग्स के छोटे ग्रीष्मकालीन नाश्ते के कमरे में बैठे हों; यह तुलना शुरू में उन्हें ज्यादा पसंद नहीं आई; लेकिन जब श्रीमती फिलिप्स को उनसे पता चला कि रोज़िंग्स क्या है और उसके मालिक कौन हैं—जब उन्होंने लेडी कैथरीन के केवल एक ड्राइंग रूम का वर्णन सुना और पाया कि केवल चिमनी की कीमत ही आठ सौ पाउंड थी, तो उन्हें प्रशंसा का पूरा महत्व समझ में आया और वे हाउसकीपर के कमरे से तुलना करने पर शायद ही आपत्ति करतीं।

लेडी कैथरीन और उनके महल की सारी शान-शौकत का वर्णन करते हुए, बीच-बीच में अपने साधारण से घर और उसमें हो रहे सुधारों की प्रशंसा करते हुए, वह तब तक प्रसन्नतापूर्वक व्यस्त रहे जब तक कि सज्जन लोग उनके पास नहीं आ गए; और उन्हें श्रीमती फिलिप्स में एक बहुत ही ध्यान से सुनने वाली श्रोता मिलीं, जिनकी उनके महत्व के बारे में राय सुनकर और भी बढ़ गई, और जिन्होंने जल्द से जल्द अपने पड़ोसियों को इसके बारे में बताने का निश्चय कर लिया। लड़कियों के लिए, जो अपने चचेरे भाई की बात नहीं सुन सकती थीं, और जिनके पास करने के लिए कुछ नहीं था सिवाय किसी वाद्य यंत्र की कामना करने और मेंटलपीस पर रखे अपने साधारण चीनी मिट्टी के बर्तनों की नकल देखने के, प्रतीक्षा का समय बहुत लंबा लगा। हालाँकि, अंततः यह समाप्त हो गया। सज्जन लोग आ गए, और जब श्री विकहम कमरे में दाखिल हुए, तो एलिजाबेथ को लगा कि उसने उन्हें न तो पहले देखा था और न ही उसके बाद उनके बारे में थोड़ी सी भी अनुचित प्रशंसा के साथ सोचा था। ——शायर के अधिकारी आम तौर पर बहुत ही सम्मानित, सज्जन व्यक्ति थे, और उनमें से सर्वश्रेष्ठ उपस्थित लोग थे; लेकिन श्री विकहम व्यक्तित्व, चेहरे, हावभाव और चाल-ढाल में उन सभी से उतने ही श्रेष्ठ थे, जितना कि वे चौड़े चेहरे वाले, संभले हुए अंकल फिलिप्स से श्रेष्ठ थे, जो पोर्ट वाइन की गंध लिए उनके पीछे कमरे में आए थे।

मिस्टर विकहम वह खुशनसीब शख्स थे जिनकी ओर लगभग हर महिला की निगाहें टिकी थीं, और एलिजाबेथ वह खुशनसीब महिला थीं जिनके पास अंततः वह बैठे; और जिस सुखद ढंग से उन्होंने तुरंत बातचीत शुरू कर दी, हालांकि यह केवल एक बरसाती रात थी, उससे एलिजाबेथ को यह एहसास हुआ कि

वक्ता की कुशलता से सबसे सामान्य, सबसे नीरस, सबसे घिसे-पिटे विषय को भी रोचक बनाया जा सकता है।

मेले में श्री विकहम और अधिकारियों जैसे प्रतिद्वंद्वियों के बीच, श्री कॉलिन्स मानो महत्वहीन हो गए थे; युवतियों के लिए तो वे कुछ भी नहीं थे; फिर भी, श्रीमती फिलिप्स समय-समय पर उनकी बातें ध्यान से सुनती थीं और उनकी सतर्कता के कारण उन्हें भरपूर मात्रा में कॉफी और मफिन मिलते रहते थे। जब ताश की मेजें लग जाती थीं, तो उन्हें भी श्रीमती फिलिप्स के साथ बैठकर व्हिस्ट खेलने का मौका मिल जाता था।

"फिलहाल मुझे इस खेल के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है," उसने कहा, "लेकिन मैं खुद को सुधारने में खुशी महसूस करूंगा, क्योंकि मेरी मौजूदा स्थिति को देखते हुए..." श्रीमती फिलिप्स उसकी इस सहमति से बहुत खुश थीं, लेकिन उसके तर्क का इंतजार नहीं कर सकीं।

श्री विकहम व्हिस्ट नहीं खेलते थे, और एलिज़ाबेथ और लिडिया के बीच दूसरी मेज पर उनका बड़े ही सौहार्दपूर्ण ढंग से स्वागत किया गया। पहले तो ऐसा लगा कि लिडिया उन्हें पूरी तरह से अपने में मग्न कर लेगी, क्योंकि वह बहुत ही बातूनी थी; लेकिन लॉटरी टिकटों की भी उसे बहुत ही लत थी, इसलिए वह जल्द ही खेल में इतनी मग्न हो गई, दांव लगाने और इनामों के लिए इतनी उत्सुक हो गई कि किसी एक पर ध्यान ही नहीं दे पाई। खेल की सामान्य ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए, श्री विकहम को एलिज़ाबेथ से बात करने का समय मिल गया, और वह भी उन्हें सुनने के लिए बहुत उत्सुक थी, हालाँकि वह जो सुनना चाहती थी, वह उसे बताया नहीं जा सका—श्री डार्सी के साथ उनकी जान-पहचान की कहानी। वह उस सज्जन का ज़िक्र करने की हिम्मत तक नहीं कर रही थी। लेकिन उसकी जिज्ञासा अप्रत्याशित रूप से शांत हो गई। श्री विकहम ने खुद ही विषय शुरू किया। उन्होंने पूछा कि नेदरफील्ड मेरिटन से कितनी दूर है; और उनका जवाब मिलने के बाद, उन्होंने झिझकते हुए पूछा कि श्री डार्सी वहाँ कितने समय से रह रहे हैं।

"लगभग एक महीना," एलिजाबेथ ने कहा; और फिर, विषय को यहीं खत्म न करते हुए, आगे कहा, "मुझे पता चला है कि वह डर्बीशायर में बहुत बड़ी संपत्ति के मालिक हैं।"

"जी हां," श्री विकहम ने उत्तर दिया; "उनकी संपत्ति बहुत ही शानदार है। सालाना दस हजार डॉलर की आय होती है। इस विषय पर मुझसे अधिक सटीक जानकारी देने वाला कोई और व्यक्ति नहीं हो सकता, क्योंकि मैं बचपन से ही उनके परिवार से विशेष रूप से जुड़ा हुआ हूं।"

एलिजाबेथ आश्चर्यचकित हुए बिना नहीं रह सकी।

"मिस बेनेट, आपको शायद इस तरह के कथन पर आश्चर्य होगा, खासकर कल हमारी मुलाकात के बेहद ठंडे माहौल को देखते हुए। क्या आप मिस्टर डार्सी से अच्छी तरह परिचित हैं?"

"मैं जितना भी उसके साथ रहना चाहूँ," एलिजाबेथ ने बड़े जोश से कहा। "मैंने उसके साथ चार दिन एक ही घर में बिताए हैं, और मुझे वह बहुत अप्रिय लगता है।"

"मुझे इस बारे में अपनी राय देने का कोई अधिकार नहीं है," विकहम ने कहा, "कि वह मिलनसार है या नहीं। मैं इस बारे में राय देने के योग्य नहीं हूँ। मैं उसे बहुत लंबे समय से जानता हूँ और इतनी अच्छी तरह जानता हूँ

कि निष्पक्ष निर्णय लेना मेरे लिए असंभव है। मेरे लिए निष्पक्ष रहना नामुमकिन है। लेकिन मुझे लगता है कि उसके बारे में आपकी राय आपको चौंका देगी—और शायद आप कहीं और इतनी दृढ़ता से अपनी राय व्यक्त नहीं करेंगे। यहाँ आप अपने ही परिवार में हैं।"

"मैं कसम खाकर कहता हूँ, मैं यहाँ उतना ही कहूँगा जितना मैं आस-पड़ोस के किसी भी घर में कह सकता हूँ, सिवाय नेदरफील्ड के। हर्टफोर्डशायर में उसे कोई पसंद नहीं करता। हर कोई उसके घमंड से तंग आ चुका है। आपको उसके बारे में इससे बेहतर बातें करते हुए कोई नहीं मिलेगा।"

कुछ देर रुकने के बाद विकहम ने कहा, "मैं इस बात का अफसोस जताने का दिखावा नहीं कर सकता कि उसे या किसी भी व्यक्ति को उसकी योग्यता से अधिक महत्व दिया जाता है; लेकिन मुझे लगता है कि उसके साथ ऐसा अक्सर नहीं होता। दुनिया उसकी दौलत और रुतबे से चकाचौंध हो गई है, या उसके ऊंचे और प्रभावशाली तौर-तरीकों से भयभीत हो गई है, और उसे केवल उसी रूप में देखती है जैसा वह खुद को दिखाना चाहता है।"

"मेरी थोड़ी-बहुत जान-पहचान के आधार पर भी, मुझे लगता है कि वह एक चिड़चिड़े स्वभाव का आदमी है।" विकहम ने केवल अपना सिर हिलाया।

बोलने का अगला मौका मिलते ही उन्होंने कहा, "मुझे आश्चर्य होता है कि क्या वह इस देश में ज्यादा समय तक रहने वाले हैं।"

मुझे बिल्कुल भी पता नहीं है; लेकिन जब मैं नेदरफील्ड में था, तब मैंने उसके जाने के बारे में कुछ नहीं सुना था। मुझे उम्मीद है कि उसके आस-पास होने से ——शायर के पक्ष में आपकी योजनाओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

"ओह! नहीं—मिस्टर डार्सी मुझे भगा नहीं सकते। अगर वो मुझसे मिलना नहीं चाहते, तो उन्हें जाना होगा। हमारे बीच अच्छे संबंध नहीं हैं, और उनसे मिलना हमेशा मुझे तकलीफ देता है, लेकिन उनसे बचने का मेरे पास कोई कारण नहीं है सिवाय उस बात के जिसे मैं पूरी दुनिया के सामने ज़ाहिर कर सकती हूँ, यानी मेरे साथ हुए घोर दुर्व्यवहार और उनके इस व्यवहार पर मुझे बेहद अफ़सोस है। उनके पिता, मिस बेनेट, स्वर्गीय मिस्टर डार्सी, अब तक के सबसे नेक इंसानों में से एक थे, और मेरे सबसे सच्चे दोस्त थे; और मैं इस मिस्टर डार्सी के साथ रहते हुए हज़ारों कोमल यादों से दुखी हुए बिना नहीं रह सकती। उनका मेरे प्रति व्यवहार शर्मनाक रहा है; लेकिन मुझे पूरा विश्वास है कि मैं उन्हें सब कुछ माफ़ कर सकती हूँ, सिवाय इसके कि उन्होंने अपने पिता की उम्मीदों को तोड़ दिया और उनकी स्मृति को कलंकित किया।"

एलिजाबेथ को इस विषय में रुचि बढ़ती हुई महसूस हुई और उसने पूरे मन से सुना; लेकिन इसकी संवेदनशीलता के कारण वह आगे पूछताछ नहीं कर सकी।

श्री विकहम ने मेरिटन, आस-पड़ोस और समाज जैसे अधिक सामान्य विषयों पर बोलना शुरू किया, वे अब तक जो कुछ भी देख चुके थे उससे बेहद प्रसन्न प्रतीत हो रहे थे, और समाज के बारे में वे सौम्य लेकिन बहुत ही बोधगम्य शिष्टाचार के साथ बोल रहे थे।

उन्होंने आगे कहा, “लगातार समाज में रहने और अच्छे समाज का लाभ उठाने की संभावना ही मुझे मुख्य रूप से उस क्षेत्र में शामिल होने के लिए प्रेरित करती थी। मैं जानता था कि वह एक बहुत ही सम्मानित और सुखद सैन्य बल है, और मेरे मित्र डेनी ने उनके वर्तमान आवास और मेरिटन द्वारा उनके लिए प्राप्त किए गए उत्कृष्ट संपर्कों और ध्यान के बारे में बताकर मुझे और भी प्रोत्साहित किया। मैं मानता हूँ कि समाज मेरे लिए आवश्यक है। मैं एक निराश व्यक्ति रहा हूँ, और मेरा मन एकांत सहन नहीं कर सकता। मुझे काम और समाज चाहिए। सैन्य जीवन मेरे लिए नहीं बना था, लेकिन अब परिस्थितियाँ इसे अपनाने योग्य बना रही हैं। चर्च मेरा पेशा होना चाहिए था—मुझे चर्च के लिए पाला-पोसा गया था, और अगर अभी हम जिस सज्जन की बात कर रहे हैं, वह सहमत होते, तो इस समय मेरे पास एक बहुत ही मूल्यवान पद होता।”
"वास्तव में!"
"जी हां—दिवंगत श्री डार्सी ने मुझे अपने अधिकार क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ पद का अगला उत्तरदायित्व दिया था। वे मेरे धर्मपिता थे और मुझसे बेहद लगाव रखते थे। मैं उनकी दयालुता का सटीक वर्णन नहीं कर सकती। उनका इरादा मुझे भरपूर सहारा देने का था और उन्हें लगा था कि उन्होंने ऐसा कर दिया है; लेकिन जब पद समाप्त हुआ, तो वह किसी और को दे दिया गया।"
"हे भगवान!" एलिजाबेथ चिल्लाई; "लेकिन ऐसा कैसे हो सकता है? उनकी इच्छा की अवहेलना कैसे हो सकती है? आपने कानूनी कार्रवाई क्यों नहीं की?"
वसीयत की शर्तों में इतनी अनौपचारिकता थी कि मुझे कानून से कोई उम्मीद नहीं थी। एक ईमानदार व्यक्ति इरादे पर शक नहीं कर सकता था, लेकिन मिस्टर डार्सी ने इस पर शक करना चुना—या इसे महज एक सशर्त सिफारिश मानकर यह दावा किया कि मैंने फिजूलखर्ची, नासमझी—संक्षेप में, कुछ भी या कुछ भी नहीं—के कारण इस पर अपना सारा दावा खो दिया है। यह निश्चित है कि दो साल पहले, ठीक उसी समय जब मैं इसे संभालने की उम्र का हो गया था, यह पद खाली हो गया था और इसे किसी और को दे दिया गया था; और यह भी उतना ही निश्चित है कि मैं खुद को ऐसा कुछ भी करने का दोषी नहीं ठहरा सकता जिसके कारण मुझे इसे खोना पड़े। मेरा स्वभाव थोड़ा उग्र और बेबाक है, और हो सकता है कि मैंने उनके बारे में और उनसे अपनी राय कुछ ज्यादा ही खुलकर कह दी हो। मुझे इससे बुरा कुछ याद नहीं है। लेकिन सच्चाई यह है कि हम दोनों बहुत अलग तरह के इंसान हैं, और वह मुझसे नफरत करते हैं।
"यह तो बेहद चौंकाने वाली बात है! वह सार्वजनिक रूप से अपमानित होने का हकदार है।"
"कभी न कभी तो वो ऐसा करेगा ही—पर वो मेरे हाथों नहीं होगा। जब तक मैं उसके पिता को नहीं भूल जाती, तब तक मैं कभी उसका विरोध या पर्दाफाश नहीं कर सकती।"
एलिजाबेथ ने उनकी ऐसी भावनाओं के लिए उनका सम्मान किया और उन्हें व्यक्त करते समय उन्हें पहले से कहीं अधिक आकर्षक समझा।
"लेकिन," उसने कुछ देर रुककर कहा, "उसका मकसद क्या हो सकता है? किस बात ने उसे इतना क्रूर व्यवहार करने के लिए उकसाया होगा?"

"मुझसे घोर, दृढ़ घृणा—एक ऐसी घृणा जिसका कुछ अंश ईर्ष्या से प्रेरित था। अगर स्वर्गीय श्री डार्सी मुझे कम पसंद करते, तो शायद उनका बेटा मुझे बेहतर ढंग से सहन कर पाता; लेकिन मुझे लगता है कि मेरे प्रति उनके पिता के इस असामान्य लगाव ने उन्हें बचपन से ही चिढ़ा दिया था। उनमें उस तरह की प्रतिस्पर्धा को सहन करने का स्वभाव नहीं था, जिस तरह की तरजीह अक्सर मुझे दी जाती थी।"
"मैंने मिस्टर डार्सी को इतना बुरा नहीं समझा था—हालांकि मैंने उन्हें कभी पसंद नहीं किया। मैंने उनके बारे में इतना बुरा नहीं सोचा था। मैंने सोचा था कि वे आम तौर पर अपने साथी मनुष्यों से घृणा करते हैं, लेकिन मुझे उन पर इस तरह के द्वेषपूर्ण प्रतिशोध, इस तरह के अन्याय, इस तरह की अमानवीयता पर उतरने का संदेह नहीं था।"
कुछ मिनट सोचने के बाद, उसने आगे कहा, "मुझे याद है कि एक दिन नेदरफील्ड में उसने अपने गुस्से की प्रबलता और क्षमा न करने वाले स्वभाव के बारे में शेखी बघारी थी। उसका स्वभाव तो भयानक ही होगा।"
"मैं इस विषय पर खुद पर भरोसा नहीं कर सकता," विकहम ने उत्तर दिया; "मैं उसके साथ न्याय नहीं कर सकता।"
एलिज़ाबेथ एक बार फिर गहरी सोच में डूब गई और कुछ देर बाद बोली, "अपने पिता के धर्मपुत्र, मित्र और प्रियतम के साथ ऐसा व्यवहार करना!" वह आगे कह सकती थी, "एक नौजवान, बिल्कुल आप जैसा, जिसका चेहरा ही आपके मिलनसार स्वभाव का प्रमाण है"—लेकिन उसने इतना कहकर संतोष कर लिया, "और वह भी, जो शायद बचपन से ही उसका साथी रहा हो, जैसा कि आपने कहा, दोनों का आपस में गहरा रिश्ता रहा हो!"
हम एक ही पल्ली में, एक ही पार्क में पैदा हुए थे; हमारी जवानी का अधिकांश समय साथ-साथ बीता; एक ही घर में रहते हुए, एक ही तरह के मनोरंजन में हिस्सा लेते हुए, एक ही तरह के माता-पिता की देखरेख में। मेरे पिता ने उस पेशे से जीवन की शुरुआत की, जिसकी आपके चाचा, श्री फिलिप्स, इतनी प्रशंसा करते प्रतीत होते हैं—लेकिन उन्होंने स्वर्गीय श्री डार्सी की सेवा करने के लिए सब कुछ त्याग दिया और अपना सारा समय पेम्बर्ली संपत्ति की देखभाल में लगा दिया। श्री डार्सी उन्हें बहुत सम्मान देते थे, वे उनके सबसे घनिष्ठ और भरोसेमंद मित्र थे। श्री डार्सी अक्सर स्वीकार करते थे कि वे मेरे पिता की सक्रिय देखरेख के प्रति अत्यंत ऋणी हैं, और जब मेरे पिता की मृत्यु से ठीक पहले, श्री डार्सी ने स्वेच्छा से मेरी देखभाल करने का वादा किया, तो मुझे विश्वास है कि उन्होंने इसे मेरे प्रति अपने स्नेह के साथ-साथ उनके प्रति कृतज्ञता का ऋण भी माना।
"कितना अजीब है!" एलिजाबेथ चिल्लाई। "कितना घिनौना! मुझे आश्चर्य है कि मिस्टर डार्सी के इस घमंड ने उन्हें आपके प्रति न्यायसंगत क्यों नहीं बनाया! कम से कम इसलिए कि वे बेईमान होने से खुद को रोक नहीं पाए—क्योंकि इसे बेईमानी ही कहना पड़ेगा।"
"यह आश्चर्यजनक है," विकहम ने उत्तर दिया, "क्योंकि उसके लगभग सभी कार्यों की जड़ अहंकार में देखी जा सकती है; और अहंकार अक्सर उसका सबसे अच्छा मित्र रहा है। इसने उसे किसी भी अन्य भावना की

तुलना में सद्गुण के अधिक करीब ला दिया है। लेकिन हममें से कोई भी सुसंगत नहीं है, और उसके व्यवहार में मुझे अहंकार से भी अधिक प्रबल आवेग दिखाई दिए।"
"क्या उसके जैसे घृणित अहंकार ने कभी उसका भला किया है?"
"हाँ। अक्सर इसी वजह से वह उदार और दानशील होते हैं, खुलकर धन देते हैं, आतिथ्य सत्कार करते हैं, अपने किरायेदारों की सहायता करते हैं और गरीबों की मदद करते हैं। पारिवारिक गौरव और पुत्र-पुत्री का गौरव—क्योंकि उन्हें अपने पिता पर बहुत गर्व है—ने उन्हें ऐसा करने के लिए प्रेरित किया है। अपने परिवार को कलंकित न करना, लोकप्रिय गुणों से विमुख न होना या पेम्बर्ली हाउस के प्रभाव को न खोना, एक प्रबल प्रेरणा है। उनमें भाई का गौरव भी है, जो कुछ भाईचारे के स्नेह के साथ मिलकर उन्हें अपनी बहन का बहुत दयालु और सतर्क संरक्षक बनाता है, और आप उन्हें आमतौर पर सबसे ध्यान देने वाले और सर्वश्रेष्ठ भाई के रूप में सराहे जाते हुए सुनेंगे।"
"मिस डार्सी किस तरह की लड़की हैं?"
उसने सिर हिलाया। "काश मैं उसे मिलनसार कह पाता। डार्सी के बारे में बुरा बोलना मुझे दुख देता है। लेकिन वह अपने भाई जैसी ही है—बेहद घमंडी। बचपन में वह स्नेही और प्यारी थी, और मुझसे बहुत प्यार करती थी; मैंने उसके मनोरंजन में घंटों बिताए हैं। लेकिन अब वह मेरे लिए कुछ भी नहीं है। वह एक खूबसूरत लड़की है, लगभग पंद्रह या सोलह साल की, और मुझे पता चला है कि वह बहुत होशियार है। अपने पिता की मृत्यु के बाद से, वह लंदन में रहती है, जहाँ एक महिला उसके साथ रहती है और उसकी शिक्षा की देखरेख करती है।"
कई विरामों और अन्य विषयों पर कई प्रयासों के बाद, एलिजाबेथ स्वयं को पहले विषय पर लौटने से रोक नहीं सकी और बोली:
"मैं श्री बिंगले के साथ उनकी घनिष्ठता देखकर चकित हूँ! श्री बिंगले, जो स्वयं हंसमुख और वास्तव में मिलनसार प्रतीत होते हैं, ऐसे व्यक्ति के साथ मित्रता कैसे कर सकते हैं? वे एक-दूसरे के अनुकूल कैसे हो सकते हैं? क्या आप श्री बिंगले को जानते हैं?"
"बिल्कुल नहीं।"
"वह एक मधुर स्वभाव वाला, मिलनसार और आकर्षक व्यक्ति है। वह यह नहीं जान सकता कि मिस्टर डार्सी क्या हैं।"
"शायद नहीं; लेकिन मिस्टर डार्सी जहां चाहें वहां खुश कर सकते हैं। उन्हें प्रतिभा की आवश्यकता नहीं होती। अगर उन्हें लगता है कि यह उनके लिए फायदेमंद है, तो वे एक मिलनसार साथी बन सकते हैं। अपने समकक्षों के बीच, वे कम समृद्ध लोगों की तुलना में बिल्कुल अलग व्यक्ति होते हैं। उनका स्वाभिमान कभी उनका साथ नहीं छोड़ता; लेकिन अमीरों के साथ वे उदार, न्यायप्रिय, ईमानदार, तर्कसंगत, सम्माननीय और शायद मिलनसार भी होते हैं - धन और कद-काठी को ध्यान में रखते हुए।"

व्हिस्ट पार्टी जल्द ही समाप्त हो गई, खिलाड़ी दूसरी मेज के चारों ओर इकट्ठा हो गए और श्री कॉलिन्स अपनी चचेरी बहन एलिजाबेथ और श्रीमती फिलिप्स के बीच बैठ गए। श्रीमती फिलिप्स ने उनसे उनकी जीत के बारे में सामान्य पूछताछ की। उनकी जीत बहुत अच्छी नहीं रही थी; वे हर अंक हार गए थे; लेकिन जब श्रीमती फिलिप्स ने इस पर अपनी चिंता व्यक्त करना शुरू किया, तो उन्होंने बड़ी गंभीरता से उन्हें आश्वस्त किया कि यह जरा भी महत्वपूर्ण नहीं है, कि वे पैसे को मामूली बात मानते हैं, और उनसे निवेदन किया कि वे परेशान न हों।

"मैं अच्छी तरह जानता हूँ, महोदया, कि जब लोग ताश खेलने बैठते हैं, तो उन्हें इन सब बातों का जोखिम उठाना ही पड़ता है, और सौभाग्य से मेरी परिस्थिति ऐसी नहीं है कि मुझे पाँच शिलिंग की कोई परवाह हो। निस्संदेह ऐसे कई लोग होंगे जो ऐसा नहीं कह सकते, लेकिन लेडी कैथरीन डी बोर्ग की कृपा से, मैं छोटी-मोटी बातों की परवाह करने की आवश्यकता से बहुत ऊपर उठ चुका हूँ।"

श्री विकम का ध्यान आकर्षित हुआ; और कुछ क्षणों तक श्री कॉलिन्स को देखने के बाद, उन्होंने एलिजाबेथ से धीमी आवाज में पूछा कि क्या उनका रिश्तेदार डी बोर्ग परिवार से बहुत अच्छी तरह परिचित था।

"लेडी कैथरीन डी बोर्ग ने हाल ही में उन्हें जीविका दी है," उसने उत्तर दिया। "मुझे ठीक से नहीं पता कि मिस्टर कॉलिन्स का उनसे पहली बार परिचय कैसे हुआ, लेकिन यह निश्चित है कि वह उन्हें लंबे समय से नहीं जानते हैं।"

"आप तो जानते ही होंगे कि लेडी कैथरीन डी बोर्ग और लेडी ऐनी डार्सी बहनें थीं; इसलिए वह वर्तमान मिस्टर डार्सी की चाची हैं।"

"नहीं, बिलकुल नहीं। मुझे लेडी कैथरीन के संबंधों के बारे में ज़रा भी जानकारी नहीं थी। मैंने परसों तक उनके अस्तित्व के बारे में कभी सुना भी नहीं था।"

"उनकी बेटी, मिस डी बोर्ग, के पास बहुत बड़ी संपत्ति होगी, और ऐसा माना जाता है कि वह और उनकी चचेरी बहन दोनों संपत्तियों को एक साथ मिला देंगी।"

यह जानकारी सुनकर एलिजाबेथ के चेहरे पर मुस्कान आ गई, क्योंकि उसे बेचारी मिस बिंगले की याद आ गई। अगर वह पहले से ही किसी और के लिए तय था, तो उसकी सारी कोशिशें, उसकी बहन के प्रति उसका स्नेह और उसकी खुद की तारीफ करना सब व्यर्थ ही होगा।

"श्रीमान कॉलिन्स," उसने कहा, "लेडी कैथरीन और उनकी बेटी दोनों की बहुत प्रशंसा करते हैं; लेकिन उनके द्वारा लेडी कैथरीन के बारे में बताई गई कुछ बातों से मुझे संदेह है कि उनकी कृतज्ञता उन्हें गुमराह कर रही है, और यह कि उनकी संरक्षिका होने के बावजूद, वह एक अभिमानी और घमंडी महिला हैं।"

"मेरा मानना है कि वह दोनों ही गुण काफी हद तक रखती है," विकहम ने उत्तर दिया; "मैंने उसे कई वर्षों से नहीं देखा है, लेकिन मुझे अच्छी तरह याद है कि मैं उसे कभी पसंद नहीं करता था, और उसका व्यवहार तानाशाही और उद्दंड था। उसकी प्रतिष्ठा असाधारण रूप से समझदार और चतुर होने की है; लेकिन मेरा मानना है कि उसकी कुछ क्षमताएं उसके पद और धन से, कुछ उसके अधिकारपूर्ण व्यवहार से, और शेष

उसके भतीजे के प्रति उसके गर्व से आती हैं, जो चाहता है कि उससे जुड़े हर व्यक्ति में उच्च कोटि की समझ हो।"

एलिज़ाबेथ ने माना कि उन्होंने इसका बहुत ही तर्कसंगत विवरण दिया था, और वे दोनों आपसी संतुष्टि के साथ बातचीत करते रहे, जब तक कि रात के खाने के साथ ताश का खेल समाप्त नहीं हो गया और बाकी महिलाओं को भी मिस्टर विकहम का ध्यान प्राप्त करने का मौका मिल गया। श्रीमती फिलिप्स की रात्रिभोज पार्टी के शोर में बातचीत संभव नहीं थी, लेकिन उनके शिष्टाचार ने उन्हें सभी के लिए प्रशंसनीय बना दिया। उन्होंने जो कुछ भी कहा, अच्छे से कहा; और उन्होंने जो कुछ भी किया, शालीनता से किया। एलिज़ाबेथ उनके बारे में सोचते हुए चली गई। घर वापस आते समय वह पूरे रास्ते मिस्टर विकहम और उन्होंने उसे जो बताया था, उसके अलावा किसी और चीज़ के बारे में नहीं सोच पा रही थी; लेकिन रास्ते में उनके पास उनका नाम लेने का भी समय नहीं था, क्योंकि लिडिया और मिस्टर कॉलिन्स दोनों ही एक पल के लिए भी चुप नहीं रहे। लिडिया लगातार लॉटरी टिकटों, अपनी हारी हुई मछली और जीती हुई मछली के बारे में बात करती रही; और श्री कॉलिन्स ने श्री और श्रीमती फिलिप्स के शिष्ट व्यवहार का वर्णन करते हुए, यह कहते हुए कि उन्हें व्हिस्ट में हुए अपने नुकसान की जरा भी परवाह नहीं है, रात के खाने में परोसे गए सभी व्यंजनों को गिनाते हुए, और बार-बार यह आशंका जताते हुए कि उन्होंने अपने चचेरे भाइयों को परेशान कर दिया है, इतना कुछ कह दिया कि लॉन्गबोर्न हाउस में गाड़ी रुकने से पहले वह उसे ठीक से संभाल नहीं पाए।

अध्याय 17

अगले दिन एलिज़ाबेथ ने जेन को मिस्टर विकहम और अपने बीच हुई सारी बातें बताईं। जेन ने आश्चर्य और चिंता के साथ सुना; उसे समझ नहीं आ रहा था कि मिस्टर डार्सी, मिस्टर बिंगले के स्नेह के इतने अयोग्य कैसे हो सकते हैं; फिर भी, विकहम जैसे सौम्य दिखने वाले युवक की बातों पर संदेह करना उसके स्वभाव में नहीं था। उसके साथ हुए इस दुर्व्यवहार की संभावना ही उसके कोमल मन को झकझोर देने के लिए काफी थी; इसलिए अब उसके पास उन दोनों के बारे में अच्छा सोचने, एक-दूसरे के आचरण का बचाव करने और जो कुछ भी अस्पष्ट था उसे संयोग या गलती मानकर टालने के अलावा कोई चारा नहीं था।

उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि वे दोनों किसी न किसी तरह से धोखे में आ गए हैं, जिसका हमें कोई अंदाजा नहीं है। शायद स्वार्थी लोगों ने एक-दूसरे के बारे में गलत जानकारी फैलाई हो। संक्षेप में, दोनों पक्षों में से किसी एक को दोषी ठहराए बिना, उनके बीच दूरियों के कारणों या परिस्थितियों का अनुमान लगाना हमारे लिए असंभव है।"

"बिल्कुल सही; और अब, मेरी प्यारी जेन, इस मामले में शामिल लोगों के बारे में आपको क्या कहना है? कृपया उन्हें भी बेगुनाह साबित करें, वरना हमें किसी के बारे में बुरा सोचना पड़ेगा।"

"जितना चाहो हंस लो, लेकिन हंसने से मेरा विचार नहीं बदलेगा। मेरी प्यारी लिज़ी, ज़रा सोचो कि मिस्टर डार्सी अपने पिता की लाडली बेटी के साथ ऐसा बर्ताव करके कितनी शर्मनाक छवि बना रहे हैं, जबकि उनके पिता ने ही उनकी देखभाल करने का वादा किया था। यह नामुमकिन है। कोई भी सामान्य इंसान, कोई भी ऐसा इंसान जो अपने चरित्र की कदर करता हो, ऐसा नहीं कर सकता। क्या उनके सबसे करीबी दोस्त भी उन पर इतना भरोसा कर सकते हैं? बिलकुल नहीं।"

"मिस्टर बिंगले के साथ धोखा होने की बात पर मुझे आसानी से यकीन हो जाता है, बजाय इसके कि मिस्टर विकहम ने कल रात मुझे अपने बारे में जो भी झूठी कहानी सुनाई, वो मनगढ़ंत हो; नाम, तथ्य, सब कुछ बिना किसी औपचारिकता के बताया। अगर ऐसा नहीं है, तो मिस्टर डार्सी इसका खंडन कर दें। इसके अलावा, उनके हाव-भाव में सच्चाई थी।"

"यह वाकई मुश्किल है—यह दुखद है। समझ नहीं आता कि क्या सोचें।"

"माफ़ कीजिएगा; मुझे पता है कि क्या सोचना है।"

लेकिन जेन केवल एक बात पर ही निश्चित रूप से सोच सकती थी - कि अगर मिस्टर बिंगले को धोखा दिया गया था, तो मामला सार्वजनिक होने पर उन्हें बहुत कुछ भुगतना पड़ेगा।

झाड़ियों में, जहाँ दोनों युवतियाँ बातचीत कर रही थीं, उन्हीं के आने से उनकी आवाज़ सुनाई दी। श्री बिंगले और उनकी बहनें नेदरफील्ड में होने वाले बहुप्रतीक्षित भोज के लिए व्यक्तिगत निमंत्रण देने आए थे, जो अगले मंगलवार को निर्धारित था। दोनों युवतियाँ अपनी प्रिय मित्र को फिर से देखकर बहुत प्रसन्न हुईं, उन्होंने

कहा कि मिले हुए सदियाँ बीत गईं और बार-बार पूछती रहीं कि जुदाई के बाद से वह क्या कर रही थीं। परिवार के बाकी सदस्यों पर उन्होंने ज़्यादा ध्यान नहीं दिया; श्रीमती बेनेट से यथासंभव बचती रहीं, एलिज़ाबेथ से ज़्यादा बात नहीं की और बाकी लोगों से तो बिलकुल भी नहीं बोलीं। वे जल्दी ही फिर से चली गईं, अपने भाई को आश्चर्यचकित करते हुए तेज़ी से अपनी सीटों से उठीं और श्रीमती बेनेट के शिष्टाचार से बचने के लिए बेताब होकर भाग गईं।

नेदरफील्ड बॉल की संभावना परिवार की हर महिला के लिए बेहद सुखद थी। श्रीमती बेनेट ने इसे अपनी सबसे बड़ी बेटी के लिए एक उपहार के रूप में समझा और उन्हें यह जानकर विशेष रूप से खुशी हुई कि निमंत्रण पत्र के बजाय स्वयं श्री बिंगले से आया था। जेन ने अपने दो दोस्तों के साथ एक खुशनुमा शाम की कल्पना की और अपने भाई के स्नेह का आनंद लिया; और एलिजाबेथ ने श्री विकहम के साथ खूब नाचने और श्री डार्सी के हावभाव और व्यवहार में अपनी हर बात की पुष्टि देखने की खुशी से कल्पना की। कैथरीन और लिडिया की अपेक्षित खुशी किसी एक घटना या किसी विशेष व्यक्ति पर निर्भर नहीं थी, क्योंकि हालांकि वे दोनों, एलिजाबेथ की तरह, श्री विकहम के साथ आधी शाम नाचने का इरादा रखती थीं, लेकिन वे एकमात्र साथी नहीं थे जो उन्हें संतुष्ट कर सकते थे, और बॉल तो आखिर बॉल ही होती है। और यहां तक कि मैरी भी अपने परिवार को आश्वस्त कर सकती थी कि उसे इसमें कोई अरुचि नहीं थी।

उन्होंने कहा, "जब तक मुझे अपनी सुबह का समय अपने लिए मिल जाता है, तब तक यह काफी है—मुझे लगता है कि कभी-कभार शाम के कार्यक्रमों में शामिल होना कोई त्याग नहीं है। समाज हम सभी को कुछ न कुछ जिम्मेदारी देता है; और मैं खुद को उन लोगों में से मानती हूं जो मानते हैं कि हर किसी के लिए मनोरंजन और आराम के पल जरूरी हैं।"

इस अवसर पर एलिजाबेथ इतनी उत्साहित थीं कि हालांकि वह मिस्टर कॉलिन्स से अनावश्यक रूप से ज्यादा बात नहीं करती थीं, फिर भी उन्होंने उनसे यह पूछे बिना नहीं रह सकीं कि क्या वह मिस्टर बिंगले का निमंत्रण स्वीकार करने का इरादा रखते हैं, और यदि हाँ, तो क्या वह शाम के मनोरंजन में शामिल होना उचित समझेंगे; और उन्हें यह जानकर आश्चर्य हुआ कि इस मामले में उन्हें जरा भी संकोच नहीं था, और उन्हें आर्कबिशप या लेडी कैथरीन डी बोर्ग से नृत्य करने का साहस करने पर किसी भी तरह की फटकार का डर नहीं था।

उन्होंने कहा, "मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि मेरा यह मत बिल्कुल नहीं है कि एक चरित्रवान युवक द्वारा सम्मानित लोगों के लिए आयोजित इस प्रकार के नृत्य समारोह का कोई नकारात्मक प्रभाव हो सकता है; और मुझे स्वयं नृत्य करने में कोई आपत्ति नहीं है; बल्कि मुझे आशा है कि शाम के दौरान मेरी सभी सुंदर चचेरी बहनों का हाथ थामने का सौभाग्य मुझे प्राप्त होगा; और मैं इस अवसर पर आपसे, मिस एलिजाबेथ, विशेष रूप से पहले दो नृत्यों के लिए निवेदन करता हूँ; मुझे विश्वास है कि मेरी चचेरी बहन जेन इस वरीयता को उचित कारण समझेगी, न कि उसके प्रति किसी अनादर के रूप में।"

एलिज़ाबेथ पूरी तरह से मोहित हो गई थी। उसने तो मिस्टर विकहम से उन्हीं नृत्यों के लिए सगाई का प्रस्ताव रखा था; और उनकी जगह मिस्टर कॉलिन्स मिल गए! उसकी यह खुशी इससे बुरे समय पर कभी नहीं आई थी। लेकिन अब कुछ नहीं किया जा सकता था। मिस्टर विकहम की खुशी और उसकी अपनी खुशी मजबूरी में थोड़ी देर के लिए टल गई, और उसने मिस्टर कॉलिन्स के प्रस्ताव को यथासंभव शालीनता से स्वीकार कर लिया। उसकी इस विनम्रता से उसे और भी ज़्यादा खुशी हुई क्योंकि इससे कुछ और होने का आभास हुआ। अब उसे पहली बार यह एहसास हुआ कि हन्सफोर्ड पार्सनेज की मालकिन बनने और रोज़िंग्स में क्वाड्रिल टेबल सजाने में मदद करने के लिए उसे अपनी बहनों में से चुना गया है, क्योंकि वहाँ कोई और योग्य अतिथि नहीं थे। यह विचार जल्द ही उसके विश्वास में बदल गया, क्योंकि उसने देखा कि मिस्टर कॉलिन्स उसके प्रति अधिक विनम्र होते जा रहे हैं, और वह बार-बार उसकी बुद्धि और जीवंतता की प्रशंसा करने की कोशिश करते हैं; और यद्यपि वह अपने आकर्षण के इस प्रभाव से प्रसन्न होने के बजाय आश्चर्यचकित अधिक थी, लेकिन जल्द ही उसकी माँ ने उसे समझाया कि उनकी शादी की संभावना उसे बेहद सुखद लग रही है। लेकिन एलिजाबेथ ने इस संकेत को समझना उचित नहीं समझा, क्योंकि वह भली-भांति जानती थी कि किसी भी जवाब का परिणाम एक गंभीर विवाद होगा। श्री कॉलिन्स शायद कभी प्रस्ताव न दें, और जब तक वे ऐसा न करें, तब तक उनके बारे में बहस करना व्यर्थ था।

अगर नीदरफील्ड में होने वाले बॉल डांस की तैयारी और चर्चा न होती, तो छोटी मिस बेनेट की हालत इस समय बहुत दयनीय होती, क्योंकि निमंत्रण के दिन से लेकर बॉल डांस के दिन तक लगातार इतनी बारिश हुई कि वे एक बार भी मेरिटन तक पैदल नहीं जा सकीं। न कोई चाची, न कोई अधिकारी, न ही कोई खबर मिल पाई—नीदरफील्ड के लिए तो शू-रोज़ भी किसी और के ज़रिए मंगवाए गए थे। यहाँ तक कि एलिज़ाबेथ का धैर्य भी इस खराब मौसम में टूट सकता था, जिसने मिस्टर विकहम से उसकी जान-पहचान को पूरी तरह से रोक दिया था; और किटी और लिडिया के लिए शुक्रवार, शनिवार, रविवार और सोमवार को सहने लायक बनाने के लिए मंगलवार को एक डांस के अलावा और कुछ नहीं हो सकता था।

अध्याय 18

जब तक एलिजाबेथ ने नेदरफील्ड के ड्राइंग रूम में प्रवेश नहीं किया और वहाँ एकत्रित लाल कोट पहने पुलिसकर्मियों के समूह में मिस्टर विकहम को व्यर्थ में नहीं ढूँढा, तब तक उसके मन में उनके उपस्थित होने का कोई संदेह नहीं था। उनसे मिलने की निश्चितता उन यादों में से किसी से भी नहीं डगमगाई थी जो उसे अनुचित रूप से चिंतित कर सकती थीं। उसने सामान्य से अधिक सावधानी से कपड़े पहने थे और पूरे उत्साह के साथ उनके दिल के उस हिस्से को जीतने की तैयारी की थी जो अभी तक जीता नहीं जा सका था, इस विश्वास के साथ कि शाम के दौरान इसे जीता जा सकता है। लेकिन एक पल में ही यह भयानक संदेह उत्पन्न हो गया कि मिस्टर डार्सी की खुशी के लिए बिंगलीज़ द्वारा अधिकारियों को दिए गए निमंत्रण में उन्हें जानबूझकर अनुपस्थित रखा गया था; और यद्यपि यह पूरी तरह से सच नहीं था, उनकी अनुपस्थिति की पुष्टि उनके मित्र डेनी ने की, जिसके पास लिडिया उत्सुकता से गई थी, और जिसने उन्हें बताया कि विकहम को एक दिन पहले व्यापार के सिलसिले में शहर जाना पड़ा था और वह अभी तक नहीं लौटे हैं; उन्होंने एक बड़ी मुस्कान के साथ कहा, "मुझे नहीं लगता कि अगर वह यहां मौजूद एक खास सज्जन से बचना नहीं चाहते तो उनका काम उन्हें अभी यहां से बुलाता।"

हालांकि लिडिया को डार्सी की इस जानकारी का पता नहीं चला, लेकिन एलिजाबेथ ने इसे समझ लिया। इससे एलिजाबेथ को यकीन हो गया कि विकहम की अनुपस्थिति के लिए डार्सी उतना ही जिम्मेदार था जितना कि उसका पहला अनुमान सही होता। इस निराशा ने डार्सी के प्रति उसकी नाराजगी को इतना बढ़ा दिया कि बाद में डार्सी द्वारा पूछे गए विनम्र प्रश्नों का वह मुश्किल से ही शालीनता से जवाब दे पाई। डार्सी के प्रति धैर्य और सहनशीलता विकहम के लिए अपमानजनक थी। उसने विकहम से किसी भी तरह की बातचीत न करने का निश्चय कर लिया और इतने चिड़चिड़ेपन से मुँह फेर लिया कि मिस्टर बिंगले से बात करते समय भी वह उस चिड़चिड़ेपन को पूरी तरह से दूर नहीं कर पाई, क्योंकि मिस्टर बिंगले का अंधा पक्षपात उसे और भी भड़का रहा था।

लेकिन एलिजाबेथ का स्वभाव चिड़चिड़ा नहीं था; और यद्यपि उस शाम उसकी सारी उम्मीदें टूट चुकी थीं, फिर भी यह उदासी उस पर ज्यादा देर तक नहीं टिकी। एक हफ्ते से न मिली शार्लेट लुकास को अपने सारे दुख बताने के बाद, वह जल्दी ही अपने चचेरे भाई की अजीबोगरीब आदतों पर ध्यान देने लगी और उसे खास तौर पर अपनी ओर खींचने लगी। हालांकि, पहले दो नृत्यों ने फिर से उसकी परेशानी बढ़ा दी; वे बेहद कष्टदायक नृत्य थे। मिस्टर कॉलिन्स, जो अनाड़ी और गंभीर थे, ध्यान देने के बजाय माफी मांगते रहते थे और अक्सर अनजाने में गलत तरीके से नाचते थे, उन्होंने एलिजाबेथ को वह सारी शर्म और दुख दिया जो एक अप्रिय साथी दो नृत्यों के लिए दे सकता है। उनसे मुक्ति का क्षण उसके लिए परमानंद जैसा था।

इसके बाद उन्होंने एक अधिकारी के साथ नृत्य किया और विकहम के बारे में बातचीत करने और यह सुनकर ताज़गी महसूस की कि वह सर्वत्र लोकप्रिय थे। नृत्य समाप्त होने के बाद, वह शार्लोट लुकास के पास लौट आईं और उनसे बातचीत कर रही थीं, तभी अचानक मिस्टर डार्सी ने उन्हें संबोधित किया और उनके हाथ मांगने के प्रस्ताव से वह इतनी आश्चर्यचकित हो गईं कि अनजाने में ही उन्होंने उनका हाथ स्वीकार कर लिया। वह तुरंत वापस चले गए और वह अपनी सूझबूझ की कमी पर पछताने लगीं; शार्लोट ने उन्हें सांत्वना देने की कोशिश की।

मुझे पूरा यकीन है कि आपको वह बहुत पसंद आएगा।

"भगवान न करे! यह तो सबसे बड़ा दुर्भाग्य होगा! किसी ऐसे व्यक्ति को पसंद करना जिसे आप नफरत करने के लिए दृढ़ संकल्पित हों! मेरे साथ ऐसा बुरा न हो।"

जब नृत्य फिर से शुरू हुआ और डार्सी उसका हाथ मांगने के लिए आगे बढ़ा, तो शार्लोट ने फुसफुसाते हुए उसे आगाह किया कि वह भोली न बने और विकहम के प्रति अपने आकर्षण को उस व्यक्ति की नज़रों में अप्रिय न बनने दे जो उससे दस गुना अधिक प्रतिष्ठित है। एलिज़ाबेथ ने कोई जवाब नहीं दिया और समूह में अपनी जगह ले ली, मिस्टर डार्सी के सामने खड़े होने की अनुमति मिलने की गरिमा को देखकर वह चकित थी और अपने पड़ोसियों के चेहरों पर भी उतनी ही हैरानी देख रही थी। वे कुछ देर तक बिना कुछ बोले खड़े रहे; और एलिज़ाबेथ को लगने लगा कि उनकी चुप्पी दोनों नृत्यों के दौरान बनी रहेगी, और पहले तो उसने इसे न तोड़ने का निश्चय किया; लेकिन अचानक उसे लगा कि अपने साथी को बोलने के लिए मजबूर करना उसके लिए ज़्यादा बड़ी सज़ा होगी, इसलिए उसने नृत्य पर कुछ हल्की सी टिप्पणी की। उसने जवाब दिया और फिर चुप हो गया। कुछ मिनटों के विराम के बाद, उसने दूसरी बार उससे कहा: "अब आपकी बारी है कुछ कहने की, मिस्टर डार्सी। मैंने नृत्य के बारे में बात की, और आपको कमरे के आकार या जोड़ों की संख्या पर कुछ टिप्पणी करनी चाहिए।"

वह मुस्कुराया और उसे आश्वासन दिया कि वह जो कुछ भी कहना चाहेगी, वह कह दिया जाएगा।

"बहुत खूब। फिलहाल इतना जवाब काफी है। शायद आगे चलकर मुझे यह एहसास हो कि निजी समारोह सार्वजनिक समारोहों से कहीं ज्यादा सुखद होते हैं। लेकिन अभी हम चुप रह सकते हैं।"

"तो क्या आप नाचते समय नियमों का पालन करते हुए बात करते हैं?"

"कभी-कभी। थोड़ा बोलना तो पड़ता ही है, आप जानते हैं। आधे घंटे तक पूरी तरह चुप रहना अजीब लगेगा; फिर भी कुछ लोगों के फायदे के लिए, बातचीत को इस तरह व्यवस्थित किया जाना चाहिए कि उन्हें कम से कम बोलने की परेशानी हो।"

"क्या आप इस मामले में अपनी भावनाओं से परामर्श कर रहे हैं, या आपको लगता है कि आप मेरी भावनाओं को संतुष्ट कर रहे हैं?"

"दोनों," एलिजाबेथ ने नखरे से जवाब दिया; "क्योंकि मैंने हमेशा हमारे स्वभाव में बहुत समानता देखी है। हम दोनों ही असामाजिक और कम बोलने वाले स्वभाव के हैं, बोलने के इच्छुक नहीं हैं, जब तक कि हमें कुछ

ऐसा कहने की उम्मीद न हो जो पूरे कमरे को चकित कर दे और कहावत की तरह प्रसिद्धि के साथ आने वाली पीढ़ियों तक याद रखा जाए।"
"मुझे यकीन है कि यह आपके अपने चरित्र से बहुत मिलता-जुलता नहीं है," उन्होंने कहा। "यह मेरे चरित्र से कितना मिलता-जुलता है, यह मैं निश्चित रूप से नहीं कह सकता। आप इसे एक सटीक चित्र मानते हैं, इसमें कोई संदेह नहीं।"
मुझे अपने प्रदर्शन के बारे में खुद निर्णय नहीं लेना चाहिए।
उसने कोई जवाब नहीं दिया, और वे फिर चुप रहे जब तक कि वे डांस फ्लोर पर नहीं चले गए। फिर उसने उससे पूछा कि क्या वह और उसकी बहनें अक्सर मेरिटन पैदल नहीं जातीं। उसने हाँ में जवाब दिया, और प्रलोभन का विरोध न कर पाने के कारण बोली, "जब आप उस दिन हमसे वहाँ मिले थे, तब हमारी नई जान-पहचान बन रही थी।"
इसका असर तुरंत हुआ। उनके चेहरे पर घमंड की एक गहरी छाया छा गई, लेकिन उन्होंने एक शब्द भी नहीं कहा, और एलिजाबेथ, हालांकि अपनी कमजोरी के लिए खुद को दोषी ठहरा रही थी, आगे बात नहीं कर सकी। आखिरकार डार्सी बोले, और संयमित स्वर में कहा, "श्री विकहम को ऐसे सुखद शिष्टाचार का आशीर्वाद प्राप्त है जिससे उनके मित्र अवश्य बनेंगे - लेकिन क्या वे उन्हें बनाए रखने में भी उतने ही सक्षम होंगे, यह कहना मुश्किल है।"
"वह इतना बदनसीब रहा है कि उसने तुम्हारी दोस्ती खो दी," एलिजाबेथ ने जोर देकर जवाब दिया, "और इस तरह से कि उसे शायद जीवन भर इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा।"
डार्सी ने कोई जवाब नहीं दिया और ऐसा लग रहा था कि वह विषय बदलना चाहते हैं। उसी क्षण, सर विलियम लुकास उनके पास प्रकट हुए, मानो कमरे के दूसरी ओर जाने के लिए उनके बीच से गुजर रहे हों; लेकिन श्री डार्सी को देखते ही वे रुक गए और अत्यंत विनम्रतापूर्वक झुककर उनके नृत्य और उनकी साथी की प्रशंसा की।
"मुझे सचमुच बहुत प्रसन्नता हुई है, मेरे प्रिय महोदय। ऐसा उत्कृष्ट नृत्य अक्सर देखने को नहीं मिलता। यह स्पष्ट है कि आप उच्च वर्ग से हैं। हालांकि, मुझे यह कहने की अनुमति दें कि आपकी सुंदर साथी आपको बिल्कुल भी शर्मिंदा नहीं करती, और मुझे आशा है कि यह आनंद बार-बार मिलेगा, खासकर जब कोई शुभ अवसर आएगा, मेरी प्रिय एलिजा (अपनी बहन और बिंगले की ओर देखते हुए)। तब कितनी बधाइयाँ मिलेंगी! मैं श्री डार्सी से निवेदन करती हूँ:—लेकिन कृपया मुझे आपको बाधित न करने दें, महोदय। आप मुझे उस युवती की मनमोहक बातचीत से विचलित करने के लिए धन्यवाद नहीं देंगे, जिसकी चमकदार आँखें मुझे भी धिक्कार रही हैं।"
डार्सी ने अपने भाषण का उत्तरार्ध मुश्किल से ही सुना; लेकिन सर विलियम द्वारा अपने मित्र का उल्लेख उन पर गहरा प्रभाव डाल गया, और उनकी निगाहें गंभीर भाव से बिंगले और जेन की ओर मुड़ गईं, जो एक साथ

नृत्य कर रहे थे। हालांकि, कुछ ही क्षण में संभलकर, उन्होंने अपनी साथी की ओर मुड़कर कहा, "सर विलियम के बीच में टोकने से मैं भूल गया कि हम किस बारे में बात कर रहे थे।"
"मुझे नहीं लगता कि हम आपस में बात कर रहे थे। सर विलियम कमरे में बैठे उन दो लोगों की बात नहीं काट सकते थे जिनके पास कहने के लिए कुछ खास नहीं था। हम पहले ही दो-तीन विषयों पर बात करने की कोशिश कर चुके हैं, लेकिन सफलता नहीं मिली, और अब हम आगे किस विषय पर बात करेंगे, यह मैं सोच भी नहीं सकता।"
"किताबों के बारे में आपकी क्या राय है?" उसने मुस्कुराते हुए कहा।
"किताबें—अरे नहीं! मुझे यकीन है कि हम कभी भी एक ही तरह से नहीं पढ़ते, या एक ही भावनाओं के साथ नहीं पढ़ते।"
"मुझे खेद है कि आप ऐसा सोचते हैं; लेकिन अगर ऐसा है, तो कम से कम विषय की कमी तो नहीं होगी। हम अपने अलग-अलग विचारों की तुलना कर सकते हैं।"
"नहीं—मैं किसी बॉलरूम में किताबों के बारे में बात नहीं कर सकता; मेरा दिमाग हमेशा किसी और चीज से भरा रहता है।"
"क्या ऐसे दृश्यों में हमेशा वर्तमान ही आपका ध्यान खींचता है?" उसने संदेह भरी नज़र से पूछा।
"हाँ, हमेशा," उसने जवाब दिया, बिना यह जाने कि उसने क्या कहा, क्योंकि उसके विचार विषय से बहुत दूर भटक गए थे, जैसा कि थोड़ी देर बाद उसके अचानक बोले जाने से स्पष्ट हुआ, "मुझे याद है मैंने आपको एक बार यह कहते सुना था, मिस्टर डार्सी, कि आप शायद ही कभी माफ करते हैं, कि एक बार आपके मन में पैदा हुई नाराजगी कभी शांत नहीं होती। मुझे लगता है कि आप इसे पैदा होने से रोकने के लिए बहुत सतर्क रहते हैं।"
"मैं हूँ," उसने दृढ़ स्वर में कहा।
और अपने आप को कभी भी पूर्वाग्रह से अंधा न होने दें?
"मुझे आशा नहीं है।"
"जो लोग कभी अपनी राय नहीं बदलते, उनके लिए यह विशेष रूप से जरूरी है कि वे पहले सही ढंग से निर्णय लेने के प्रति आश्वस्त हों।"
"क्या मैं पूछ सकता हूँ कि ये प्रश्न किस ओर इशारा करते हैं?"
"महज आपके चरित्र को दर्शाने के लिए," उसने अपनी गंभीरता को दूर करने की कोशिश करते हुए कहा।
"मैं इसे समझाने की कोशिश कर रही हूँ।"
और आपकी सफलता क्या है?
उसने सिर हिलाया। "मेरी आपसे बिल्कुल भी नहीं बनती। मैंने आपके बारे में इतनी अलग-अलग बातें सुनी हैं कि मैं बेहद हैरान हो जाती हूँ।"

उन्होंने गंभीरता से उत्तर दिया, "मुझे पूरा विश्वास है कि मेरे बारे में रिपोर्टों में बहुत भिन्नता हो सकती है; और मैं चाहूँगा, मिस बेनेट, कि आप इस समय मेरे चरित्र का चित्रण न करें, क्योंकि यह आशंका है कि ऐसा करने से हम दोनों में से किसी को भी श्रेय नहीं मिलेगा।"
"लेकिन अगर मैं अभी आपकी तस्वीर नहीं लेता, तो शायद मुझे फिर कभी मौका न मिले।"
"मैं किसी भी कीमत पर तुम्हारी किसी भी खुशी को ठेस नहीं पहुँचाऊँगा," उसने ठंडे स्वर में उत्तर दिया।
उसने और कुछ नहीं कहा, और वे दूसरे डांस फ्लोर पर चले गए और चुपचाप अलग हो गए; और दोनों ही असंतुष्ट थे, हालाँकि बराबर मात्रा में नहीं, क्योंकि डार्सी के मन में उसके लिए काफी प्रबल भावना थी, जिसने जल्द ही उसे क्षमा कर दिया, और उसका सारा गुस्सा किसी और पर निकल गया।
उनके अलग हुए अभी कुछ ही समय हुआ था कि मिस बिंगले उनकी ओर आईं और बड़े ही विनम्र भाव से उन्हें संबोधित किया।
"तो, मिस एलिज़ा, मैंने सुना है कि आप जॉर्ज विकहम से बहुत खुश हैं! आपकी बहन मुझसे उनके बारे में बात कर रही थी और मुझसे हज़ार सवाल पूछ रही थी; और मुझे पता चला कि उस नौजवान ने अपनी अन्य बातचीत के बीच आपको यह बताना बिल्कुल भूल गया कि वह स्वर्गीय श्री डार्सी के प्रबंधक, बूढ़े विकहम का बेटा है। हालाँकि, एक मित्र के रूप में, मैं आपको सलाह देना चाहूँगा कि आप उसकी सभी बातों पर आँख बंद करके विश्वास न करें; क्योंकि श्री डार्सी द्वारा उसके साथ दुर्व्यवहार करने की बात पूरी तरह से झूठी है; इसके विपरीत, वे हमेशा उसके प्रति बहुत दयालु रहे हैं, हालाँकि जॉर्ज विकहम ने श्री डार्सी के साथ बेहद अपमानजनक व्यवहार किया है। मुझे पूरी जानकारी नहीं है, लेकिन मैं अच्छी तरह जानता हूँ कि श्री डार्सी का ज़रा भी दोष नहीं है, कि वे जॉर्ज विकहम का नाम सुनते ही बर्दाश्त नहीं कर पाते, और हालाँकि मेरे भाई को लगा था कि अधिकारियों को दिए गए निमंत्रण में उसे शामिल करने से बचना संभव नहीं है, फिर भी उसे यह जानकर बहुत खुशी हुई कि उसने खुद को इस सूची से हटा लिया है। उसका देश में आना ही वास्तव में एक बहुत ही गुस्ताखी भरा काम है, और मुझे आश्चर्य है कि उसने ऐसा करने की हिम्मत कैसे की। मिस एलिज़ा, आपके प्रिय के अपराध का पता चलने पर मुझे आप पर दया आती है; लेकिन वास्तव में, उसके खानदान को देखते हुए, इससे बेहतर की उम्मीद नहीं की जा सकती थी।
"आपके हिसाब से तो उसका अपराध और उसका वंश एक ही प्रतीत होता है," एलिजाबेथ ने क्रोधित होकर कहा; "क्योंकि मैंने आपको उस पर मिस्टर डार्सी के प्रबंधक का बेटा होने के अलावा और कुछ भी आरोप लगाते हुए नहीं सुना है, और मैं आपको विश्वास दिला सकती हूं कि उसने खुद मुझे इस बारे में बताया था।"
"माफ़ कीजिएगा," मिस बिंगले ने तिरस्कार भरी मुस्कान के साथ मुँह फेरते हुए जवाब दिया। "मेरे हस्तक्षेप के लिए क्षमा करें—मेरा इरादा अच्छा था।"
“बेशर्म लड़की!” एलिज़ाबेथ ने मन ही मन कहा। “अगर तुम इस तुच्छ हमले से मुझे प्रभावित करने की उम्मीद करती हो, तो तुम बहुत बड़ी गलती कर रही हो। मुझे इसमें तुम्हारी जानबूझकर की गई अज्ञानता और मिस्टर डार्सी की दुर्भावना के सिवा कुछ नहीं दिखता।” फिर वह अपनी बड़ी बहन के पास गई, जिसने

बिंगले के बारे में पूछताछ करने का जिम्मा लिया था। जेन ने उससे एक मीठी मुस्कान और एक ऐसी प्रसन्नता भरी मुस्कान के साथ मुलाकात की, जिससे साफ पता चल रहा था कि वह शाम की घटनाओं से कितनी संतुष्ट थी। एलिज़ाबेथ ने तुरंत उसके भावों को समझ लिया, और उस क्षण विकहम के लिए चिंता, उसके दुश्मनों के प्रति आक्रोश और बाकी सब कुछ, जेन के सुख के सर्वोत्तम मार्ग पर होने की आशा के आगे फीका पड़ गया।
"मैं जानना चाहती हूँ," उसने अपनी बहन की तरह ही मुस्कुराते हुए चेहरे से कहा, "कि आपने मिस्टर विकहम के बारे में क्या पता लगाया है। लेकिन शायद आप किसी तीसरे व्यक्ति के बारे में सोचने के बजाय किसी और बात में इतने मशगूल थे; ऐसे में आप मेरी क्षमा को निश्चिंत रख सकते हैं।"
"नहीं," जेन ने उत्तर दिया, "मैं उसे भूली नहीं हूँ; लेकिन मेरे पास आपको बताने के लिए कुछ संतोषजनक नहीं है। श्री बिंगले को उसके पूरे इतिहास की जानकारी नहीं है, और उन्हें उन परिस्थितियों की बिल्कुल भी जानकारी नहीं है जिनसे श्री डार्सी मुख्य रूप से नाराज हुए हैं; लेकिन वे अपने मित्र के अच्छे आचरण, ईमानदारी और सम्मान की गवाही देंगे, और उन्हें पूरा विश्वास है कि श्री विकहम को श्री डार्सी से जितना ध्यान मिला है, उससे कहीं कम ध्यान मिलना चाहिए था; और मुझे यह कहते हुए दुख हो रहा है कि उनके और उनकी बहन के अनुसार, श्री विकहम किसी भी तरह से एक सभ्य युवक नहीं हैं। मुझे डर है कि वे बहुत ही नासमझ रहे हैं, और श्री डार्सी का स्नेह खोने के पात्र हैं।"
"क्या श्री बिंगले स्वयं श्री विकहम को नहीं जानते?"
"नहीं; उसने उसे अगली सुबह मेरिटन में ही देखा था।"
"तो यह विवरण उन्हें मिस्टर डार्सी से मिला है। मैं इससे संतुष्ट हूँ। लेकिन जीवित लोगों के बारे में उनका क्या कहना है?"
"उसे परिस्थितियाँ ठीक से याद नहीं हैं, हालाँकि उसने उन्हें मिस्टर डार्सी से एक से अधिक बार सुना है, लेकिन उसका मानना है कि यह उसे केवल सशर्त रूप से सौंपा गया था।"
"मुझे श्री बिंगले की ईमानदारी पर कोई संदेह नहीं है," एलिजाबेथ ने उत्साहपूर्वक कहा; "लेकिन केवल आश्वासनों से संतुष्ट न होने के लिए कृपया मुझे क्षमा करें। मुझे विश्वास है कि श्री बिंगले ने अपने मित्र का बहुत ही प्रभावी ढंग से बचाव किया; लेकिन चूंकि उन्हें कहानी के कई हिस्सों की जानकारी नहीं है और बाकी बातें उन्होंने स्वयं उस मित्र से सुनी हैं, इसलिए मैं दोनों सज्जनों के बारे में पहले की तरह ही सोचूंगी।"
फिर उसने बातचीत का रुख बदलकर एक ऐसी बात पर कर दिया जो दोनों को ज़्यादा पसंद आई और जिस पर विचारों में कोई मतभेद नहीं हो सकता था। एलिज़ाबेथ ने जेन की श्री बिंगले के प्रति प्रेम की सुखद, हालांकि विनम्र, आशाओं को बड़े चाव से सुना और जेन के विश्वास को और मज़बूत करने के लिए हर संभव प्रयास किया। श्री बिंगले के आने पर एलिज़ाबेथ मिस लुकास के पास चली गई; उनके पिछले साथी के बारे में मिस लुकास के पूछे जाने पर उसने अभी जवाब ही दिया था कि श्री कॉलिन्स उनके पास आए और बड़े उत्साह से बताया कि उन्हें अभी-अभी एक बहुत ही महत्वपूर्ण खोज करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

उन्होंने कहा, “मुझे एक अनोखे संयोग से पता चला है कि इस कमरे में मेरी संरक्षिका का एक करीबी रिश्तेदार मौजूद है। मैंने संयोगवश उस सज्जन को घर की सेवा करने वाली युवती से अपनी चचेरी बहन मिस डी बोर्ग और उनकी माता लेडी कैथरीन का नाम लेते हुए सुना। कितनी आश्चर्यजनक रूप से ऐसी बातें घटित होती हैं! किसने सोचा होगा कि इस सभा में मेरी मुलाकात लेडी कैथरीन डी बोर्ग के भतीजे से होगी! मैं बहुत आभारी हूं कि मुझे समय रहते यह जानकारी मिल गई, जिससे मैं उन्हें प्रणाम कर सकूं, जो मैं अब करने जा रहा हूं, और मुझे उम्मीद है कि वे मुझे पहले ऐसा न करने के लिए क्षमा करेंगे। इस रिश्ते के बारे में मेरी पूरी अज्ञानता ही मेरी क्षमा का कारण है।”

"आप मिस्टर डार्सी से अपना परिचय नहीं देने जा रही हैं!"

"जी हां, मैं हूं। मैं उनसे पहले ऐसा न करने के लिए क्षमा मांगूंगा। मेरा मानना है कि वे लेडी कैथरीन के भतीजे हैं। मैं उन्हें आश्वस्त कर पाऊंगा कि पिछले सप्ताह उनकी पत्नी बिल्कुल स्वस्थ थीं।"

एलिज़ाबेथ ने उन्हें इस योजना से रोकने की पूरी कोशिश की, और उन्हें आश्वस्त किया कि श्री डार्सी बिना परिचय के उनसे बात करने को अपनी चाची के प्रति सम्मान की बजाय एक अनुचित स्वतंत्रता समझेंगे; कि दोनों तरफ से किसी भी तरह की कोई सूचना देना बिल्कुल भी आवश्यक नहीं है; और यदि ऐसा करना भी आवश्यक हो, तो श्री डार्सी को ही, जो इस लिहाज़ से श्रेष्ठ हैं, परिचय की शुरुआत करनी चाहिए। श्री कॉलिन्स ने अपनी इच्छा का पालन करने के दृढ़ भाव से उनकी बात सुनी, और जब उन्होंने बोलना बंद किया, तो उन्होंने इस प्रकार उत्तर दिया:

"मेरी प्रिय मिस एलिजाबेथ, मैं आपकी समझ के दायरे में आने वाले सभी मामलों में आपके उत्कृष्ट निर्णय की विश्व में सर्वोच्च प्रशंसा करता हूँ; लेकिन मुझे यह कहने की अनुमति दें कि आम लोगों और पादरियों के बीच प्रचलित रीति-रिवाजों में बहुत अंतर होता है; क्योंकि, मुझे यह कहने की अनुमति दें कि मैं पादरी पद को राज्य के सर्वोच्च पद के समान गरिमापूर्ण मानता हूँ—बशर्ते कि उचित विनम्रता का पालन किया जाए। इसलिए, इस अवसर पर मुझे अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनने की अनुमति दें, जो मुझे वह करने के लिए प्रेरित करती है जिसे मैं अपना कर्तव्य मानता हूँ। मुझे क्षमा करें कि मैंने आपकी सलाह का पालन नहीं किया, जो हर दूसरे विषय पर मेरी मार्गदर्शक रहेगी, हालाँकि इस मामले में मैं खुद को शिक्षा और नियमित अध्ययन के कारण आप जैसी युवती की तुलना में सही निर्णय लेने के लिए अधिक योग्य मानता हूँ।" और झुककर प्रणाम करते हुए वह मिस्टर डार्सी पर हमला करने के लिए उन्हें छोड़कर चले गए, जिनके उनके प्रस्तावों को स्वीकार करने का वह उत्सुकता से इंतजार कर रही थीं, और इस तरह संबोधित किए जाने पर उनकी हैरानी स्पष्ट थी। उसके चचेरे भाई ने गंभीर भाव से झुककर अपना भाषण शुरू किया और यद्यपि वह उसका एक शब्द भी नहीं सुन सकी, फिर भी उसे ऐसा लगा जैसे उसने सब कुछ सुन लिया हो, और उसके होठों की हरकत में उसे "क्षमा", "हंसफोर्ड" और "लेडी कैथरीन डी बोर्ग" शब्द दिखाई दिए। उसे यह देखकर बहुत गुस्सा आया कि वह ऐसे व्यक्ति के सामने खुद को इस तरह उजागर कर रहा है। श्री डार्सी उसे असीम आश्चर्य से देख रहे थे, और जब अंततः श्री कॉलिन्स ने उन्हें बोलने का समय दिया, तो उन्होंने एक दूरी भरी विनम्रता के

साथ उत्तर दिया। हालाँकि, श्री कॉलिन्स फिर से बोलने से नहीं हिचके, और श्री डार्सी का तिरस्कार उनके दूसरे भाषण की लंबाई के साथ बढ़ता ही गया, और अंत में उन्होंने केवल हल्का सा झुककर अभिवादन किया और दूसरी ओर चले गए। फिर श्री कॉलिन्स एलिजाबेथ के पास लौट गए।

"मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ, मुझे अपने स्वागत से असंतुष्ट होने का कोई कारण नहीं है। श्री डार्सी को मेरा ध्यान पाकर बहुत प्रसन्नता हुई। उन्होंने अत्यंत विनम्रता से मुझसे बातचीत की और यहाँ तक कि उन्होंने यह कहकर मेरी प्रशंसा भी की कि उन्हें लेडी कैथरीन की बुद्धिमत्ता पर इतना भरोसा है कि वे कभी भी अनुचित रूप से कोई उपकार नहीं करेंगी। यह वास्तव में एक बहुत ही सुखद विचार था। कुल मिलाकर, मैं उनसे बहुत प्रसन्न हूँ।"

चूंकि एलिजाबेथ की अपनी कोई रुचि नहीं रह गई थी, इसलिए उसने अपना सारा ध्यान अपनी बहन और मिस्टर बिंगले पर केंद्रित कर लिया; और इन विचारों से उत्पन्न सुखद चिंतन ने उसे शायद जेन के समान ही प्रसन्न कर दिया। उसने कल्पना में जेन को उसी घर में बसा हुआ, सच्चे प्रेम के विवाह से मिलने वाले सुखों से परिपूर्ण देखा; और ऐसी परिस्थितियों में, वह बिंगले की दोनों बहनों को भी पसंद करने का प्रयास करने में सक्षम महसूस कर रही थी। उसने स्पष्ट रूप से देखा कि उसकी माँ के विचार भी उसी दिशा में थे, और उसने उनके पास न जाने का निश्चय किया, कहीं वह बहुत कुछ सुन न ले। इसलिए जब वे रात के भोजन के लिए बैठे, तो उसने इसे एक अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण संयोग समझा कि वे एक-दूसरे के इतने करीब बैठे थे; और उसे यह देखकर गहरा दुख हुआ कि उसकी माँ उस एक व्यक्ति (लेडी लुकास) से खुलकर, बेझिझक और केवल इस बात पर चर्चा कर रही थी कि जेन की शादी जल्द ही मिस्टर बिंगले से हो जाएगी। यह एक उत्साहवर्धक विषय था, और श्रीमती बेनेट इस विवाह के लाभों को गिनाते हुए ज़रा भी नहीं थक रही थीं। उनका आकर्षक युवक होना, धनी होना और उनसे मात्र तीन मील दूर रहना, आत्म-संतुष्टि का पहला कारण था; फिर यह सोचकर कितना सुकून मिलता था कि दोनों बहनें जेन को कितना प्यार करती थीं, और यह जानकर कि वे भी इस रिश्ते को उतना ही चाहती होंगी जितना कि वह चाहती थीं। इसके अलावा, यह उनकी छोटी बेटियों के लिए भी बहुत आशाजनक था, क्योंकि जेन की इतनी बड़ी शादी से उनके लिए अन्य धनी पुरुषों से मिलने का अवसर मिलेगा; और अंत में, जीवन के इस पड़ाव पर अपनी अविवाहित बेटियों को उनकी बहन की देखभाल में सौंपना कितना सुखद था, ताकि उन्हें अपनी इच्छा से अधिक बाहर न जाना पड़े। इस बात को खुशी का विषय बनाना आवश्यक था, क्योंकि ऐसे अवसरों पर यही शिष्टाचार है; लेकिन श्रीमती बेनेट से कम सुकून पाने वाली कोई और नहीं थी, चाहे जीवन का कोई भी दौर हो। उन्होंने लेडी लुकास के लिए ढेर सारी शुभकामनाओं के साथ अपनी बात समाप्त की कि उन्हें भी जल्द ही उतना ही सौभाग्य प्राप्त हो, हालांकि स्पष्ट रूप से और विजयी भाव से उनका मानना था कि इसकी कोई संभावना नहीं थी।

एलिज़ाबेथ ने अपनी माँ के शब्दों की तेज़ी को रोकने या उन्हें अपनी खुशी को धीमी आवाज़ में बताने के लिए मनाने की व्यर्थ कोशिश की; क्योंकि उसे बेहद झुंझलाहट हो रही थी कि उनकी बातों का ज़्यादातर हिस्सा सामने बैठे मिस्टर डार्सी ने सुन लिया था। उसकी माँ ने उसे केवल बेतुकी बातें करने के लिए डांटा।

"मिस्टर डार्सी मेरे लिए क्या हैं, भला मैं उनसे डरूँ? मुझे यकीन है कि हमें उनके प्रति ऐसी कोई विशेष शिष्टता नहीं दिखानी चाहिए कि हमें कुछ भी ऐसा कहना पड़े जो उन्हें सुनना पसंद न हो।"
"भगवान के लिए, महोदया, धीरे बोलिए। श्री डार्सी को नाराज़ करने से आपको क्या लाभ होगा? ऐसा करके आप उनके मित्र के बीच अपनी छवि कभी बेहतर नहीं बना पाएंगी!"
हालांकि, उसकी कही कोई भी बात असरदार नहीं थी। उसकी माँ उसी सहज लहजे में अपने विचार व्यक्त करती रहती थी। एलिज़ाबेथ शर्म और झुंझलाहट से बार-बार लाल हो रही थी। वह बार-बार मिस्टर डार्सी की ओर देखने से खुद को रोक नहीं पा रही थी, हालाँकि हर नज़र उसे उस बात का एहसास दिला रही थी जिसका उसे डर था; क्योंकि भले ही वह हमेशा उसकी माँ को नहीं देख रहे थे, लेकिन उसे यकीन था कि उनकी नज़रें हमेशा उसकी माँ पर ही टिकी रहती थीं। उनके चेहरे का भाव धीरे-धीरे गुस्से और तिरस्कार से शांत और गंभीर हो गया।
अंततः, श्रीमती बेनेट के पास कहने के लिए कुछ नहीं बचा था; और लेडी लुकास, जो उन सुखों की पुनरावृत्ति से ऊब चुकी थीं जिन्हें वह शायद ही कभी साझा कर पाएंगी, ठंडे हैम और चिकन के आराम से संतुष्ट हो गईं। एलिजाबेथ अब थोड़ा तरोताज़ा होने लगी। लेकिन शांति का यह अंतराल ज़्यादा देर तक नहीं रहा; क्योंकि, जैसे ही रात का खाना समाप्त हुआ, गाने की बात होने लगी, और उसे यह देखकर बहुत शर्मिंदगी हुई कि मैरी, थोड़ी सी विनती के बाद, सभी को खुश करने की तैयारी कर रही थी। उसने कई इशारे करके और मौन विनतियों से इस तरह की विनम्रता को रोकने की कोशिश की, लेकिन व्यर्थ; मैरी उन्हें समझ नहीं पाई; उसे प्रदर्शन करने का ऐसा अवसर बहुत अच्छा लगा, और उसने अपना गाना शुरू कर दिया। एलिजाबेथ की आँखें अत्यंत पीड़ादायक संवेदनाओं के साथ उस पर टिकी हुई थीं, और उसने विभिन्न छंदों को बड़ी बेसब्री से गाते हुए देखा, जिसका अंत में उसे बहुत बुरा परिणाम भुगतना पड़ा; मेज पर धन्यवाद के बीच, मैरी को यह उम्मीद मिली कि शायद वह फिर से उनकी कृपा करने के लिए राजी हो जाएगी। आधे मिनट के विराम के बाद, मैरी ने फिर से गाना शुरू कर दिया। मैरी की क्षमताएँ इस तरह के प्रदर्शन के लिए बिल्कुल भी उपयुक्त नहीं थीं; उसकी आवाज़ कमज़ोर थी और उसका व्यवहार बनावटी था। एलिज़ाबेथ बहुत परेशान थी। उसने जेन की ओर देखा कि वह इसे कैसे सहन कर रही है; लेकिन जेन बिंगले से बहुत शांत भाव से बात कर रही थी। उसने उसकी दोनों बहनों को देखा और पाया कि वे एक-दूसरे का और डार्सी का मज़ाक उड़ा रही थीं, जो फिर भी शांत और गंभीर बना हुआ था। उसने अपने पिता की ओर देखा और उनसे हस्तक्षेप करने की विनती की, कहीं ऐसा न हो कि मैरी पूरी रात गाती रहे। उन्होंने इशारा समझ लिया और जब मैरी ने अपना दूसरा गाना खत्म किया, तो उन्होंने ज़ोर से कहा, "बस इतना ही काफी है, बच्ची। तुमने हमें काफी देर तक खुश कर दिया है। बाकी युवतियों को भी अपनी प्रतिभा दिखाने का समय दो।"
मैरी, हालांकि अनसुना करने का नाटक कर रही थी, फिर भी कुछ हद तक परेशान थी; और एलिजाबेथ, उसके लिए और अपने पिता के भाषण के लिए दुखी होकर, इस बात से चिंतित थी कि उसकी चिंता का कोई फायदा नहीं हुआ। अब दल के अन्य सदस्यों से संपर्क किया गया।

श्री कॉलिन्स ने कहा, "अगर मैं इतना भाग्यशाली होता कि गा सकता, तो मुझे यकीन है कि मैं सभा को संगीत सुनाकर प्रसन्नता व्यक्त करता; क्योंकि मैं संगीत को एक बहुत ही सरल मनोरंजन मानता हूँ, और यह पादरी के पेशे के साथ पूरी तरह से मेल खाता है। हालाँकि, मेरा यह कहने का इरादा नहीं है कि संगीत को बहुत अधिक समय देना उचित है, क्योंकि निश्चित रूप से अन्य कार्य भी हैं जिन पर ध्यान देना आवश्यक है। एक पैरिश के रेक्टर के पास बहुत काम होता है। सबसे पहले, उन्हें दशमांश के लिए ऐसा समझौता करना होता है जो उनके स्वयं के लिए लाभकारी हो और उनके संरक्षक को अप्रिय न लगे। उन्हें अपने उपदेश स्वयं लिखने होते हैं; और जो समय बचता है वह उनके पैरिश के कर्तव्यों और अपने निवास की देखभाल और सुधार के लिए पर्याप्त होता है, जिसे यथासंभव आरामदायक बनाने से उन्हें छूट नहीं दी जा सकती। और मैं इसे कम महत्वपूर्ण नहीं मानता कि उनका सभी के प्रति, विशेष रूप से उन लोगों के प्रति जिनके कारण उन्हें यह पदोन्नति मिली है, ध्यानपूर्वक और सौहार्दपूर्ण व्यवहार हो। मैं उन्हें इस कर्तव्य से मुक्त नहीं कर सकता; और न ही मैं उस व्यक्ति के बारे में अच्छा सोच सकता हूँ जो परिवार से जुड़े किसी भी व्यक्ति के प्रति अपना सम्मान प्रकट करने का अवसर उन्हें नहीं छोड़ना चाहिए।" और श्री डार्सी को झुककर प्रणाम करते हुए उन्होंने अपना भाषण समाप्त किया, जो इतनी ऊँची आवाज़ में बोला गया था कि आधे कमरे में सभी को सुनाई दिया। कई लोग घूर रहे थे—कई मुस्कुरा रहे थे; लेकिन श्री बेनेट से ज़्यादा खुश कोई नहीं था, जबकि उनकी पत्नी ने श्री कॉलिन्स की इतनी समझदारी से बोलने के लिए उनकी गंभीरता से प्रशंसा की और लेडी लुकास से दबी आवाज़ में कहा कि वह एक असाधारण रूप से चतुर और अच्छे स्वभाव के युवक हैं।

एलिज़ाबेथ को ऐसा लगा कि अगर उसके परिवार ने शाम के दौरान जितना हो सके खुद को नंगा करने का समझौता कर लिया होता, तो भी वे अपने किरदार को इतने जोश और सफलता के साथ निभा नहीं पाते; और उसे बिंगले और उसकी बहन के लिए इस बात की खुशी थी कि कुछ प्रदर्शन उसकी नज़र से बच गया था, और उसकी भावनाएँ इतनी संवेदनशील नहीं थीं कि वह उस मूर्खता को देखकर बहुत दुखी हो। हालाँकि, उसकी दोनों बहनों और मिस्टर डार्सी को उसके रिश्तेदारों का मज़ाक उड़ाने का ऐसा मौका मिलना ही काफी बुरा था, और वह तय नहीं कर पा रही थी कि सज्जन की मौन अवहेलना या महिलाओं की उद्दंड मुस्कान, इनमें से कौन सी बात ज़्यादा असहनीय थी।

बाकी की शाम उसके लिए कुछ खास मनोरंजक नहीं रही। मिस्टर कॉलिन्स लगातार उसके साथ बैठे रहे और उसे चिढ़ाते रहे। हालांकि वे उसे दोबारा नाचने के लिए राजी नहीं कर सके, लेकिन उन्होंने उसे दूसरों के साथ नाचने से रोक दिया। उसने उनसे किसी और के साथ खड़े होने की विनती की और कमरे में मौजूद किसी भी युवती से उनका परिचय कराने का प्रस्ताव भी रखा, लेकिन सब व्यर्थ रहा। उन्होंने उसे आश्वासन दिया कि नाचने में उनकी कोई रुचि नहीं है; उनका मुख्य उद्देश्य तो विनम्रता से उसका दिल जीतना है और इसलिए वे पूरी शाम उसके करीब ही रहेंगे। इस बात पर बहस संभव नहीं थी। उसे सबसे ज्यादा राहत अपनी सहेली मिस लुकास से मिली, जो अक्सर उनके साथ शामिल हो जाती थी और बड़े ही अच्छे स्वभाव से मिस्टर कॉलिन्स की बातों में दखल देती थी।

कम से कम वह मिस्टर डार्सी की नज़र में आने की परेशानी से तो बच गई थी; हालाँकि वह अक्सर उसके बहुत करीब, बिल्कुल बेपरवाह खड़े रहते थे, लेकिन कभी भी इतनी नज़दीक नहीं आए कि बात कर सकें। उसे लगा कि यह मिस्टर विकहम के बारे में उसके इशारों का संभावित परिणाम था, और उसे इस बात पर खुशी हुई।

लॉन्गबोर्न परिवार सबसे आखिर में रवाना हुआ, और श्रीमती बेनेट की एक चाल के चलते उन्हें बाकी सभी के जाने के पंद्रह मिनट बाद तक अपनी गाड़ी का इंतज़ार करना पड़ा, जिससे उन्हें यह देखने का समय मिल गया कि परिवार के कुछ सदस्य उन्हें कितनी शिद्दत से विदा कर रहे थे। श्रीमती हर्स्ट और उनकी बहन ने थकान की शिकायत के अलावा शायद ही कुछ बोला, और वे स्पष्ट रूप से घर में अकेले रहने के लिए बेचैन थीं। उन्होंने श्रीमती बेनेट के बातचीत के हर प्रयास को ठुकरा दिया, और ऐसा करके उन्होंने पूरे समूह में उदासी का माहौल बना दिया, जिसे श्री कॉलिन्स के लंबे भाषणों से भी कुछ खास राहत नहीं मिली, जो श्री बिंगले और उनकी बहनों की भव्य दावत और मेहमानों के प्रति उनके आतिथ्य सत्कार और शिष्टाचार की प्रशंसा कर रहे थे। डार्सी ने कुछ नहीं कहा। श्री बेनेट भी उतनी ही खामोशी से इस दृश्य का आनंद ले रहे थे। श्री बिंगले और जेन बाकी लोगों से थोड़ा अलग खड़े थे और केवल आपस में ही बात कर रहे थे। एलिजाबेथ ने श्रीमती हर्स्ट या मिस बिंगले की तरह ही स्थिर चुप्पी बनाए रखी; और यहां तक कि लिडिया भी इतनी थकी हुई थी कि वह कभी-कभार "हे भगवान, मैं कितनी थक गई हूँ!" के उद्गार के अलावा कुछ और नहीं बोल पा रही थी, जिसके साथ उसे एक ज़ोरदार जम्हाई आती थी।

जब आखिरकार वे विदा लेने के लिए उठे, तो श्रीमती बेनेट ने बड़े ही विनम्रतापूर्वक लॉन्गबोर्न में पूरे परिवार से जल्द मिलने की आशा व्यक्त की और विशेष रूप से श्री बिंगले से कहा कि वे बिना किसी औपचारिक निमंत्रण के भी उनके साथ पारिवारिक रात्रिभोज करके उन्हें कितना प्रसन्न करेंगे। बिंगले अत्यंत प्रसन्न हुए और उन्होंने लंदन से लौटने के बाद जल्द से जल्द श्रीमती बेनेट से मिलने का वादा किया, क्योंकि उन्हें अगले दिन थोड़े समय के लिए लंदन जाना था।

श्रीमती बेनेट पूरी तरह संतुष्ट थीं और इस सुखद विश्वास के साथ घर से निकलीं कि बसने-बनाने, नई गाड़ियों और शादी के कपड़ों की ज़रूरी तैयारियों में समय लगने पर, उनकी बेटी तीन-चार महीनों में निःसंदेह नेदरफील्ड में बस जाएगी। अपनी दूसरी बेटी की शादी मिस्टर कॉलिन्स से होने के बारे में भी उन्होंने उतनी ही निश्चितता और काफी खुशी के साथ सोचा, हालांकि खुशी उतनी नहीं थी। एलिजाबेथ उन्हें अपने सभी बच्चों में सबसे कम प्रिय थी; और यद्यपि वर और रिश्ता उनके लिए काफी अच्छा था, फिर भी मिस्टर बिंगले और नेदरफील्ड के सामने दोनों ही फीके पड़ गए।

अध्याय 19

अगले दिन लॉन्गबोर्न में एक नया दृश्य सामने आया। श्री कॉलिन्स ने औपचारिक रूप से अपना बयान दर्ज कराया। उन्होंने बिना समय गंवाए ऐसा करने का निश्चय किया था, क्योंकि उनकी छुट्टी केवल अगले शनिवार तक ही थी, और इस समय भी उनके मन में कोई संकोच नहीं था जिससे उन्हें परेशानी हो। उन्होंने इसे बहुत ही व्यवस्थित ढंग से, उन सभी औपचारिकताओं का पालन करते हुए शुरू किया, जिन्हें वे इस कार्य का नियमित हिस्सा मानते थे। नाश्ते के तुरंत बाद, श्रीमती बेनेट, एलिजाबेथ और एक छोटी लड़की को एक साथ देखकर, उन्होंने माँ से इन शब्दों में बात की:

"क्या मैं आशा कर सकता हूँ, महोदया, कि आप अपनी सुंदर पुत्री एलिजाबेथ के प्रति रुचि दिखाएँगी, जब मैं आज सुबह उनसे निजी मुलाकात का सम्मान चाहता हूँ?"

इससे पहले कि एलिज़ाबेथ आश्चर्य से शरमा जाती, श्रीमती बेनेट ने तुरंत जवाब दिया, "अरे वाह!—हाँ—ज़रूर। मुझे यकीन है कि लिज़ी बहुत खुश होगी—मुझे पूरा यकीन है कि उसे कोई आपत्ति नहीं होगी। आओ, किटी, मैं तुम्हें ऊपर बुला रही हूँ।" और अपना काम समेटते हुए, वह जल्दी से जाने लगीं, तभी एलिज़ाबेथ ने पुकारा:

"प्रिय महोदया, आप मत जाइए। मैं आपसे विनती करता हूँ कि आप न जाएँ। श्री कॉलिन्स को मुझे क्षमा करना होगा। उन्हें मुझसे कुछ भी ऐसा नहीं कहना है जो किसी और को सुनने की ज़रूरत न हो। मैं स्वयं जा रहा हूँ।"

"नहीं, नहीं, बकवास है, लिज़ी। मैं चाहती हूँ कि तुम यहीं रहो।" और जब एलिज़ाबेथ ने झुंझलाहट और शर्मिंदगी भरे चेहरे के साथ भागने की कोशिश की, तो उसने आगे कहा: "लिज़ी, मैं चाहती हूँ कि तुम यहीं रहो और श्री कॉलिन्स की बात सुनो।"

एलिज़ाबेथ ऐसे किसी आदेश का विरोध नहीं करतीं—और एक पल सोचने के बाद उन्हें यह भी समझ आ गया कि इसे जल्द से जल्द और चुपचाप निपटा लेना ही सबसे बुद्धिमानी होगी, इसलिए वह फिर से बैठ गईं और लगातार काम में व्यस्त रहकर अपनी उस भावना को छिपाने की कोशिश की जो दुख और मनोरंजन के बीच बंटी हुई थी। श्रीमती बेनेट और किटी चली गईं, और उनके जाते ही श्री कॉलिन्स ने बोलना शुरू कर दिया।

"मेरी प्रिय मिस एलिजाबेथ, यकीन मानिए, आपकी विनम्रता आपको कोई नुकसान नहीं पहुंचाती, बल्कि आपके अन्य गुणों को और निखारती है। अगर आपमें यह थोड़ी सी झिझक न होती, तो शायद आप मेरी नजरों में इतनी प्यारी न होतीं; लेकिन मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि इस संबोधन के लिए मुझे आपकी आदरणीय माताजी की अनुमति प्राप्त है। आप मेरे भाषण के अर्थ पर शायद ही संदेह कर सकती हैं, चाहे आपकी स्वाभाविक कोमलता आपको कितना भी छल करने के लिए प्रेरित करे; मेरा इरादा इतना स्पष्ट

था कि उसे गलत समझना असंभव था। घर में प्रवेश करते ही मैंने आपको अपने भावी जीवन साथी के रूप में चुन लिया था। लेकिन इससे पहले कि मैं इस विषय पर अपनी भावनाओं में बह जाऊं, शायद मेरे लिए शादी करने के कारणों को बताना उचित होगा—और इसके अलावा, पत्नी चुनने के इरादे से हर्टफोर्डशायर आने के कारणों को भी बताना उचित होगा, जैसा कि मैंने निश्चित रूप से किया था।"

मिस्टर कॉलिन्स के, अपनी पूरी गंभीरता और संयम के बावजूद, भावनाओं में बह जाने के विचार से एलिजाबेथ को इतनी हंसी आ गई कि वह उनके द्वारा दिए गए थोड़े से विराम का उपयोग उन्हें और रोकने के किसी भी प्रयास में नहीं कर सकी, और वे बोलते रहे:

मेरी शादी करने के दो कारण हैं: पहला, मेरा मानना है कि मेरे जैसे संपन्न पादरी के लिए अपने क्षेत्र में वैवाहिक जीवन का उदाहरण प्रस्तुत करना उचित है; दूसरा, मुझे पूरा विश्वास है कि इससे मेरी खुशी में बहुत वृद्धि होगी; और तीसरा—जिसका शायद मुझे पहले उल्लेख करना चाहिए था—यह उस अत्यंत प्रतिष्ठित महिला की विशेष सलाह और अनुशंसा है जिन्हें मैं संरक्षिका कहने का सम्मान रखता हूँ। उन्होंने दो बार इस विषय पर अपनी राय देने की कृपा की है (बिना पूछे ही!); और यह हन्सफोर्ड छोड़ने से ठीक पहले शनिवार की रात की बात है—क्वाड्रिल खेलते हुए हमारे पूल के बीच, जब श्रीमती जेनकिंसन मिस डी बोर्ग के लिए पायदान सजा रही थीं, तब उन्होंने कहा, 'श्रीमान कॉलिन्स, आपको शादी करनी ही चाहिए। आप जैसे पादरी को शादी करनी ही चाहिए। सही चुनाव करें, मेरे लिए एक सभ्य महिला चुनें; और अपने लिए, वह एक सक्रिय, उपयोगी महिला हो, उच्च वर्ग में पली-बढ़ी न हो, लेकिन कम आय से अच्छा जीवन यापन कर सके। यही मेरी सलाह है। जितनी जल्दी हो सके ऐसी महिला ढूंढें, उसे शादी के लिए तैयार करें। मैं उसे हन्सफोर्ड ले जाऊंगी और मैं उससे मिलने जाऊंगी।' वैसे, मेरी प्यारी चचेरी बहन, मुझे यह कहने की अनुमति दें कि मैं लेडी कैथरीन डी बोर्ग की कृपा और स्नेह को अपने द्वारा दिए जा सकने वाले लाभों में से एक नहीं मानता। आप उनके व्यवहार को शब्दों में बयान नहीं कर पाएंगे; और मुझे लगता है कि आपकी बुद्धि और जीवंतता उन्हें अवश्य पसंद आएगी, खासकर जब आप उनके पद के कारण उत्पन्न होने वाली मौन और सम्मान की भावना से युक्त हों। विवाह के प्रति मेरे सामान्य इरादे के बारे में इतना ही; अब यह बताना बाकी है कि मैंने अपने पड़ोस के बजाय लॉन्गबोर्न की ओर क्यों ध्यान दिया, जहाँ मैं आपको विश्वास दिला सकता हूँ कि कई मिलनसार युवतियाँ हैं। लेकिन तथ्य यह है कि आपके आदरणीय पिता की मृत्यु के बाद (जो शायद कई वर्ष और जीवित रहें) मुझे यह संपत्ति विरासत में मिलनी है, इसलिए मैं उनकी बेटियों में से एक को पत्नी के रूप में चुनने का संकल्प लिए बिना संतुष्ट नहीं हो सका, ताकि जब यह दुखद घटना घटे - जो कि, जैसा कि मैंने पहले ही कहा है, शायद कई वर्षों तक न घटे - तो उन्हें कम से कम हानि हो। यही मेरा उद्देश्य रहा है, मेरी प्यारी चचेरी बहन, और मुझे पूरा भरोसा है कि इससे आपकी नज़र में मेरी इज़्ज़त कम नहीं होगी। अब मेरे पास बस यही बचा है कि मैं अपने गहरे प्यार को पूरी शिद्दत से ज़ाहिर करूँ। दौलत से मुझे कोई मतलब नहीं है, और मैं आपके पिता से ऐसी कोई माँग नहीं करूँगा, क्योंकि मुझे पता है कि वो पूरी नहीं हो सकती; और वो एक हज़ार पाउंड, चार प्रतिशत के हिसाब से, जो आपको आपकी माँ के गुज़र जाने के बाद ही मिलेंगे, बस उतना

ही है जितना आपको कभी मिलेगा। इसलिए इस मामले में मैं पूरी तरह चुप रहूँगा; और आप यकीन मानिए कि शादी के बाद मेरे मुँह से कभी कोई बुरी बात नहीं निकलेगी।

अब उसे रोकना बिलकुल जरूरी था।

“आप बहुत जल्दबाजी कर रहे हैं, महोदय,” वह चिल्लाई। “आप भूल रहे हैं कि मैंने अभी तक कोई जवाब नहीं दिया है। मुझे बिना और समय बर्बाद किए जवाब देने दीजिए। आपकी प्रशंसा के लिए धन्यवाद स्वीकार कीजिए। मैं आपके प्रस्तावों के सम्मान को भलीभांति समझती हूँ, लेकिन मेरे लिए उन्हें अस्वीकार करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।”

श्री कॉलिन्स ने हाथ हिलाते हुए औपचारिक अंदाज़ में जवाब दिया, "मुझे अभी यह नहीं पता कि युवतियों में यह आम बात है कि वे उस पुरुष के प्रस्ताव को ठुकरा देती हैं जिसे वे मन ही मन स्वीकार करना चाहती हैं, जब वह पहली बार उनसे प्रेम का प्रस्ताव रखता है; और कभी-कभी तो यह इनकार दूसरी या तीसरी बार भी दोहराया जाता है। इसलिए, आपने जो कहा उससे मैं ज़रा भी निराश नहीं हूँ और आशा करता हूँ कि जल्द ही मैं आपको विवाह के बंधन में बाँध दूँगा।"

"सच कहूँ तो, महोदय," एलिज़ाबेथ चिल्लाई, "मेरी बात सुनने के बाद आपकी यह उम्मीद कुछ ज़्यादा ही बेतुकी है। मैं आपको यकीन दिलाती हूँ कि मैं उन युवतियों में से नहीं हूँ (अगर ऐसी युवतियाँ होती भी हैं) जो दोबारा पूछे जाने की उम्मीद में अपनी खुशी को दांव पर लगाने की हिम्मत करती हैं। मैं अपने इनकार में पूरी तरह गंभीर हूँ। आप मुझे खुश नहीं कर सकते, और मुझे पूरा यकीन है कि मैं दुनिया की आखिरी औरत हूँ जो आपको खुश कर सकती है। बल्कि, अगर आपकी सहेली लेडी कैथरीन मुझे जानतीं, तो मुझे पूरा विश्वास है कि वह मुझे हर तरह से इस पद के लिए अयोग्य पातीं।"

श्री कॉलिन्स ने अत्यंत गंभीरता से कहा, "यदि यह निश्चित होता कि लेडी कैथरीन ऐसा सोचेंगी—लेकिन मुझे नहीं लगता कि उनकी लेडीशिप आपसे बिल्कुल भी असहमत होंगी। और आप निश्चिंत रहें, जब मुझे उनसे दोबारा मिलने का सौभाग्य प्राप्त होगा, तो मैं आपकी विनम्रता, मितव्ययिता और अन्य मनमोहक गुणों की बहुत प्रशंसा करूंगा।"

"सचमुच, श्रीमान कॉलिन्स, मेरी प्रशंसा करना व्यर्थ होगा। आपको मुझे स्वयं निर्णय लेने की अनुमति देनी होगी और मेरी बातों पर विश्वास करके मुझे सम्मान देना होगा। मैं आपके लिए बहुत सुख और समृद्धि की कामना करती हूँ और आपका प्रस्ताव ठुकराकर, मैं अपनी पूरी कोशिश कर रही हूँ कि ऐसा न हो। मुझे प्रस्ताव देकर, आपने मेरे परिवार के प्रति अपनी भावनाओं का ध्यान रखा है और जब भी लॉन्गबोर्न एस्टेट का अधिकार मिले, आप बिना किसी आत्म-निंदा के उस पर अधिकार कर सकते हैं। इसलिए, इस मामले को अंतिम रूप से सुलझा हुआ माना जा सकता है।" इतना कहते हुए वह उठ खड़ी हुई और कमरे से बाहर जाने ही वाली थी कि श्रीमान कॉलिन्स ने उसे इस प्रकार संबोधित किया:

"जब अगली बार मुझे इस विषय पर आपसे बात करने का सौभाग्य प्राप्त होगा, तो मुझे आशा है कि मुझे आपके द्वारा अभी दिए गए उत्तर से अधिक अनुकूल उत्तर प्राप्त होगा; हालाँकि मैं इस समय आप पर क्रूरता

का आरोप नहीं लगा रहा हूँ, क्योंकि मैं जानता हूँ कि आपके स्त्रीत्व में पहले ही प्रयास में पुरुष को अस्वीकार करने की स्थापित प्रथा है, और शायद आपने अभी भी मेरे प्रस्ताव को प्रोत्साहित करने के लिए उतना ही कहा है जितना स्त्री स्वभाव की सच्ची कोमलता के अनुरूप होगा।"

"सचमुच, मिस्टर कॉलिन्स," एलिजाबेथ ने कुछ जोश के साथ कहा, "आप मुझे बेहद उलझन में डाल रहे हैं। अगर मैंने अब तक जो कहा है वह आपको प्रोत्साहन जैसा लग रहा है, तो मुझे नहीं पता कि मैं अपने इनकार को इस तरह कैसे व्यक्त करूं कि आप इसे प्रोत्साहन ही मानें।"

"मेरी प्यारी चचेरी बहन, मुझे यह तसल्ली देने की इजाज़त दीजिए कि मेरे प्रस्ताव को ठुकराना महज़ कहने की बात है। इसके पीछे मेरे कुछ कारण हैं: मुझे नहीं लगता कि मेरा प्रस्ताव आपके लिए अनुचित है, या मैं जो रिश्ता आपको दे सकता हूँ वह बेहद आकर्षक है। मेरी सामाजिक स्थिति, डी बोर्ग परिवार से मेरा संबंध और आपके परिवार से मेरा रिश्ता, ये सभी बातें मेरे पक्ष में हैं; और आपको इस बात पर भी गौर करना चाहिए कि आपकी तमाम खूबियों के बावजूद, यह बिल्कुल भी निश्चित नहीं है कि आपको कभी दूसरा विवाह प्रस्ताव मिलेगा। दुर्भाग्य से, आपका हिस्सा इतना छोटा है कि इससे आपकी सुंदरता और सौम्य गुणों का असर खत्म हो जाएगा। इसलिए, चूंकि मुझे यह मानना पड़ेगा कि आप मुझे ठुकराने में गंभीर नहीं हैं, तो मैं इसे आपके प्यार को सस्पेंस में रखने की इच्छा मानूंगा, जैसा कि शिष्ट महिलाओं की आम प्रथा होती है।"

"मैं आपको विश्वास दिलाती हूँ, महोदय, कि मुझमें उस तरह की शिष्टता का कोई दावा नहीं है जो एक सम्मानित व्यक्ति को सताने में निहित हो। मैं तो बस यही चाहती हूँ कि मुझे सच्चा माना जाए। आपके प्रस्तावों के लिए मैं आपका बार-बार धन्यवाद करती हूँ, लेकिन उन्हें स्वीकार करना बिलकुल असंभव है। मेरी भावनाएँ हर तरह से इसकी अनुमति नहीं देतीं। क्या मैं और स्पष्ट शब्दों में कह सकती हूँ? कृपया मुझे एक ऐसी शिष्ट स्त्री न समझें जो आपको परेशान करने का इरादा रखती हो, बल्कि एक समझदार प्राणी समझें जो अपने दिल से सच बोल रही है।"

"तुम हर तरह से आकर्षक हो!" उसने बनावटी शिष्टाचार के साथ कहा; "और मुझे पूरा विश्वास है कि जब तुम्हारे दोनों उत्तम माता-पिता की स्पष्ट अनुमति से मेरे प्रस्ताव स्वीकार कर लिए जाएंगे, तो वे निश्चित रूप से स्वीकार्य होंगे।"

जानबूझकर किए गए इस तरह के आत्म-धोखे के प्रति एलिजाबेथ ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी और तुरंत चुपचाप चली गई; उसने ठान लिया था कि अगर वह उसके बार-बार इनकार को चापलूसी भरी प्रोत्साहन समझकर जारी रखता है, तो वह अपने पिता से संपर्क करेगी, जिनका इनकार निर्णायक ढंग से कहा जा सकता है, और जिनका व्यवहार कम से कम एक सुरुचिपूर्ण महिला के दिखावे और नखरे के रूप में नहीं देखा जा सकता।

अध्याय 20

श्री कॉलिन्स को अपने सफल प्रेम प्रसंग पर मौन चिंतन करने का अधिक समय नहीं मिला; श्रीमती बेनेट, जो बैठक समाप्त होने का इंतजार करते हुए बरामदे में इधर-उधर घूम रही थीं, जैसे ही उन्होंने एलिजाबेथ को दरवाजा खोलते और तेजी से सीढ़ियों की ओर बढ़ते देखा, नाश्ते के कमरे में प्रवेश कर गईं और उन्हें और खुद को उनके निकट संबंध की सुखद संभावना पर हार्दिक बधाई दी। श्री कॉलिन्स ने भी उतनी ही प्रसन्नता से इन बधाईयों को स्वीकार किया और उनका जवाब दिया, और फिर उन्होंने अपनी मुलाकात का विवरण देना शुरू किया, जिसके परिणाम से उन्हें पूरा विश्वास था कि वे संतुष्ट होंगे, क्योंकि उनकी चचेरी बहन द्वारा दृढ़ता से मना करना स्वाभाविक रूप से उनकी शर्मीली विनम्रता और उनके स्वभाव की सच्ची कोमलता के कारण था।

हालांकि, इस जानकारी ने श्रीमती बेनेट को चौंका दिया; वह इस बात से भी संतुष्ट हो जातीं कि उनकी बेटी ने उनके प्रस्तावों का विरोध करके उन्हें प्रोत्साहित करने का इरादा किया था, लेकिन उन्हें इस पर विश्वास करने की हिम्मत नहीं हुई और वे ऐसा कहने से खुद को रोक नहीं सकीं।

"लेकिन यकीन मानिए, मिस्टर कॉलिन्स," उसने आगे कहा, "लिज़ी को अक्ल आ जाएगी। मैं उससे सीधे इस बारे में बात करूंगी। वह बहुत जिद्दी और नासमझ लड़की है, और उसे अपने हित की समझ नहीं है, लेकिन मैं उसे समझा दूंगी।"

"माफ़ कीजिए, महोदया, मैं आपको बीच में टोकने के लिए क्षमा चाहता हूँ," श्री कॉलिन्स ने कहा; "लेकिन अगर वह सचमुच जिद्दी और नासमझ है, तो मुझे नहीं पता कि वह मेरे जैसे व्यक्ति के लिए एक अच्छी पत्नी साबित होगी या नहीं, जो स्वाभाविक रूप से वैवाहिक जीवन में सुख की तलाश करता है। इसलिए, अगर वह मेरे प्रस्ताव को ठुकराती रहती है, तो शायद उसे ज़बरदस्ती स्वीकार करने के लिए मजबूर न करना ही बेहतर होगा, क्योंकि अगर उसमें ऐसे स्वभावगत दोष हैं, तो वह मेरे सुख में कोई खास योगदान नहीं दे पाएगी।"

"महोदय, आप मुझे बिल्कुल गलत समझ रहे हैं," श्रीमती बेनेट ने घबराते हुए कहा। "लिज़ी केवल ऐसे मामलों में ही जिद्दी है। बाकी सभी मामलों में वह बहुत ही नेक और मिलनसार लड़की है। मैं सीधे श्री बेनेट के पास जाऊंगी, और मुझे पूरा विश्वास है कि हम जल्द ही उससे इस मामले को सुलझा लेंगे।"

उसने उसे जवाब देने का समय नहीं दिया, बल्कि तुरंत अपने पति के पास दौड़कर पुस्तकालय में प्रवेश करते हुए चिल्लाई, "ओह! श्रीमान बेनेट, आपकी तत्काल आवश्यकता है; हम सब बहुत परेशान हैं। आपको आकर लिज़ी की शादी श्रीमान कॉलिन्स से करानी होगी, क्योंकि उसने कसम खाई है कि वह उससे शादी नहीं करेगी, और यदि आप जल्दी नहीं करेंगे तो वह अपना मन बदल लेगा और उससे शादी नहीं करेगा।"

जैसे ही वह अंदर आई, मिस्टर बेनेट ने अपनी किताब से नजरें उठाईं और शांत भाव से उसके चेहरे पर अपनी निगाहें जमा लीं, जो उसकी बातों से जरा भी नहीं बदला था।

जब उसने अपना भाषण समाप्त किया, तो उसने कहा, "मुझे आपकी बात समझने का सौभाग्य नहीं मिला। आप किस बारे में बात कर रही हैं?"
"मिस्टर कॉलिन्स और लिज़ी की कहानी। लिज़ी कहती है कि वह मिस्टर कॉलिन्स को स्वीकार नहीं करेगी, और मिस्टर कॉलिन्स भी यही कहना शुरू कर देते हैं कि वह लिज़ी को स्वीकार नहीं करेंगे।"
"और ऐसे मौके पर मैं क्या करूँ? यह तो एक निराशाजनक मामला लगता है।"
"लिज़ी से खुद इस बारे में बात करो। उसे बताओ कि तुम चाहते हो कि वह उससे ही शादी करे।"
"उसे नीचे बुलाया जाए। वह मेरी राय सुनेगी।"
श्रीमती बेनेट ने घंटी बजाई, और मिस एलिजाबेथ को पुस्तकालय में बुलाया गया।
"इधर आओ, बच्ची," उसके पिता ने उसके आते ही पुकारा। "मैंने तुम्हें एक ज़रूरी काम से बुलवाया है। मुझे पता चला है कि मिस्टर कॉलिन्स ने तुम्हें शादी का प्रस्ताव दिया है। क्या यह सच है?" एलिज़ाबेथ ने जवाब दिया कि यह सच है। "बहुत अच्छा—और तुमने यह शादी का प्रस्ताव ठुकरा दिया?"
"जी हां, श्रीमान।"
"बहुत खूब। अब हम मुद्दे पर आते हैं। आपकी माँ चाहती हैं कि आप इसे स्वीकार करें। है ना, श्रीमती बेनेट?"
"हां, वरना मैं उसे फिर कभी नहीं देख पाऊंगा।"
"एलिजाबेथ, तुम्हारे सामने एक दुखद विकल्प है। आज से तुम्हें अपने माता-पिता में से किसी एक से अलग होना पड़ेगा। अगर तुम मिस्टर कॉलिन्स से शादी नहीं करती हो, तो तुम्हारी माँ तुम्हें फिर कभी नहीं देख पाएगी, और अगर तुम शादी करती हो, तो मैं तुम्हें फिर कभी नहीं देख पाऊँगी।"
ऐसी शुरुआत के ऐसे निष्कर्ष पर एलिजाबेथ मुस्कुराए बिना नहीं रह सकी, लेकिन श्रीमती बेनेट, जिन्होंने खुद को यह विश्वास दिला रखा था कि उनके पति इस मामले को उनकी इच्छा के अनुरूप देखते हैं, अत्यधिक निराश हुईं।
"श्रीमान बेनेट, इस तरह बात करने का आपका क्या मतलब है? आपने मुझसे वादा किया था कि आप उससे उसकी शादी करवाने पर जोर देंगे।"
"मेरी प्रिय," उसके पति ने उत्तर दिया, "मुझे आपसे दो छोटी-छोटी विनती करनी हैं। पहली, इस अवसर पर मुझे अपनी बुद्धि का पूर्ण उपयोग करने की अनुमति दें; और दूसरी, मेरे कमरे की। मैं जितनी जल्दी हो सके पुस्तकालय को अपने लिए उपयोग में लेना चाहूंगा।"
अपने पति से निराश होने के बावजूद, श्रीमती बेनेट ने हार नहीं मानी। उन्होंने एलिज़ाबेथ से बार-बार बात की; कभी उसे फुसलाया तो कभी धमकाया। उन्होंने जेन को अपने पक्ष में करने की कोशिश की; लेकिन जेन ने अत्यंत विनम्रता से हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया; और एलिज़ाबेथ ने कभी सच्ची गंभीरता से तो कभी चंचल उत्साह से उनके हमलों का जवाब दिया। हालाँकि उनका व्यवहार बदलता रहा, लेकिन उनका दृढ़ संकल्प कभी नहीं बदला।

इस बीच, श्री कॉलिन्स एकांत में बीते हुए घटनाक्रम पर चिंतन कर रहे थे। वे स्वयं को इतना श्रेष्ठ समझते थे कि उन्हें समझ ही नहीं आ रहा था कि उनकी चचेरी बहन किस कारण से उन्हें मना कर सकती है; और यद्यपि उनका स्वाभिमान आहत हुआ था, उन्हें इसके अलावा कोई और कष्ट नहीं हुआ। उनके मन में उसके लिए स्नेह मात्र काल्पनिक था; और इस आशंका से कि कहीं वह अपनी माँ की फटकार की पात्र न बन जाए, उन्हें कोई पछतावा नहीं हुआ।

जब परिवार इस उलझन में था, शार्लेट लुकास उनके साथ दिन बिताने आई। प्रवेश द्वार पर लिडिया ने उसका स्वागत किया और दौड़ते हुए उसके पास आकर धीमी आवाज़ में बोली, "मुझे खुशी है कि तुम आ गई हो, यहाँ तो बहुत मज़ा आ रहा है! तुम्हें क्या लगता है आज सुबह क्या हुआ? मिस्टर कॉलिन्स ने लिज़ी को शादी का प्रस्ताव दिया है, लेकिन वह उसे स्वीकार नहीं कर रही है।"

शार्लेट के जवाब देने का समय भी नहीं मिला था कि किट्टी भी वहाँ आ गई, जो वही खबर सुनाने आई थी; और जैसे ही वे नाश्ते के कमरे में पहुँचीं, जहाँ श्रीमती बेनेट अकेली थीं, उन्होंने भी इस विषय पर बोलना शुरू कर दिया, मिस लुकास से सहानुभूति की गुहार लगाई और उनसे विनती की कि वे अपनी सहेली लिज़ी को उसके पूरे परिवार की इच्छा का पालन करने के लिए मना लें। "कृपा कीजिए, मेरी प्यारी मिस लुकास," उन्होंने उदास स्वर में कहा, "क्योंकि कोई भी मेरे साथ नहीं है, कोई भी मेरा साथ नहीं दे रहा है। मेरे साथ क्रूरता से व्यवहार किया जा रहा है, कोई भी मेरी दुर्बलता को नहीं समझता।"

जेन और एलिजाबेथ के प्रवेश के कारण शार्लोट को जवाब देने का मौका नहीं मिला।

"हाँ, वो आ रही है," श्रीमती बेनेट ने आगे कहा, "बिल्कुल बेपरवाह दिख रही है, और हमारी उतनी ही परवाह कर रही है जितनी यॉर्क में, बशर्ते उसकी मर्ज़ी चलती रहे। लेकिन मैं तुमसे कहती हूँ, मिस लिज़ी—अगर तुम इस तरह हर शादी के प्रस्ताव को ठुकराती रहोगी, तो तुम्हें कभी पति नहीं मिलेगा—और मुझे यकीन है कि तुम्हारे पिता की मृत्यु के बाद तुम्हारा भरण-पोषण कौन करेगा, ये भी मुझे नहीं पता। मैं तुम्हारा भरण-पोषण नहीं कर पाऊँगी—इसलिए मैं तुम्हें चेतावनी दे रही हूँ। आज से मेरा तुमसे कोई वास्ता नहीं है। तुम्हें याद है, मैंने तुम्हें पुस्तकालय में कहा था कि मैं तुमसे फिर कभी बात नहीं करूँगी, और तुम मुझे अपने वचन की पक्की पाओगी। मुझे आज्ञा न मानने वाले बच्चों से बात करने में कोई आनंद नहीं आता। वैसे भी, मुझे किसी से भी बात करने में कोई खास आनंद नहीं आता। जो लोग मेरी तरह मानसिक बीमारियों से पीड़ित होते हैं, उन्हें बात करने की ज़्यादा इच्छा नहीं होती। कोई नहीं बता सकता कि मैं क्या झेल रही हूँ! लेकिन ऐसा ही होता है। जो शिकायत नहीं करते, उन पर कभी दया नहीं आती।"

उनकी बेटियाँ चुपचाप उनकी बातें सुनती रहीं, क्योंकि उन्हें पता था कि उनसे तर्क करने या उन्हें शांत करने का कोई भी प्रयास उनकी झुंझलाहट को और बढ़ा देगा। इसलिए, वह बिना किसी रुकावट के बोलती रहीं, जब तक कि मिस्टर कॉलिन्स कमरे में नहीं आ गए, जो हमेशा की तरह अधिक गरिमापूर्ण अंदाज में दाखिल हुए। उन्हें देखते ही उन्होंने बेटियों से कहा, "अब मैं आपसे निवेदन करती हूँ कि आप सब चुप रहें और मुझे और मिस्टर कॉलिन्स को थोड़ी देर बात करने दें।"

एलिज़ाबेथ चुपचाप कमरे से बाहर निकल गई, जेन और किटी भी उसके पीछे-पीछे चली गईं, लेकिन लिडिया वहीं डटी रही, सब कुछ सुनने के लिए दृढ़ संकल्पित थी; और शार्लोट, पहले तो मिस्टर कॉलिन्स के विनम्र व्यवहार से, जिन्होंने उसके और उसके पूरे परिवार के बारे में बहुत बारीकी से पूछताछ की, और फिर थोड़ी जिज्ञासा से, खिड़की के पास जाकर अनसुना करने का नाटक करके संतुष्ट हो गई। श्रीमती बेनेट ने उदास स्वर में अपनी बातचीत शुरू की: "ओह! मिस्टर कॉलिन्स!"

“मेरी प्रिय महोदया,” उसने उत्तर दिया, “आइए इस विषय पर हमेशा के लिए मौन रहें। मैं आपकी पुत्री के व्यवहार से बिल्कुल भी नाराज़ नहीं हूँ,” उसने तुरंत अपनी नाराज़गी ज़ाहिर करते हुए कहा। “अपरिहार्य बुराइयों के प्रति समर्पण हम सभी का कर्तव्य है; यह विशेष रूप से उस नौजवान का कर्तव्य है जिसे मेरी तरह शुरुआती दौर में इतनी तरक्की मिली है; और मुझे विश्वास है कि मैंने समर्पण कर लिया है। शायद इसलिए भी कि मुझे अपनी प्रिय चचेरी बहन के विवाह से सम्मानित होने पर भी अपनी निश्चित खुशी पर संदेह था; क्योंकि मैंने अक्सर देखा है कि समर्पण तब सबसे पूर्ण होता है जब जिस आशीर्वाद से हमें वंचित किया गया है, वह हमारी नज़र में अपना महत्व खोने लगता है। मुझे आशा है कि आप मुझे अपने परिवार का अनादर करने वाला नहीं समझेंगी, मेरी प्रिय महोदया, क्योंकि मैंने आपकी पुत्री का पक्ष पाने की अपनी इच्छा को आपसे और श्री बेनेट से मेरे पक्ष में हस्तक्षेप करने का अनुरोध किए बिना ही वापस ले लिया है। मुझे डर है कि आपके मुख से नहीं बल्कि आपकी पुत्री के मुख से अपनी अस्वीकृति स्वीकार करना शायद आपत्तिजनक हो सकता है। लेकिन हम सभी इसके लिए उत्तरदायी हैं। गलती के लिए माफी चाहता हूं। इस पूरे मामले में मेरा इरादा निश्चित रूप से अच्छा ही रहा है। मेरा उद्देश्य आपके पूरे परिवार के हित का ध्यान रखते हुए अपने लिए एक अच्छा साथी ढूंढना था, और अगर मेरा व्यवहार किसी भी तरह से निंदनीय रहा हो, तो मैं यहां माफी मांगता हूं।

अध्याय 21

मिस्टर कॉलिन्स के प्रस्ताव पर चर्चा अब लगभग समाप्त हो चुकी थी, और एलिज़ाबेथ को केवल इससे उत्पन्न होने वाली असहज भावनाओं और कभी-कभार अपनी माँ के बारे में की गई कुछ चिड़चिड़ी टिप्पणियों से ही जूझना पड़ रहा था। जहाँ तक स्वयं उस सज्जन की बात है, उनकी भावनाएँ मुख्य रूप से शर्मिंदगी या निराशा से, या उससे बचने की कोशिश से नहीं, बल्कि कठोर व्यवहार और नाराज़गी भरी चुप्पी से व्यक्त हो रही थीं। वह उससे शायद ही कभी बात करते थे, और जिस लगन से वह स्वयं का ध्यान रख रहे थे, वह दिन भर मिस लुकास पर केंद्रित रही, जिनकी विनम्रतापूर्वक उनकी बातें सुनना उन सभी के लिए, और विशेष रूप से उनकी सहेली के लिए, एक सुखद अनुभव था।

अगले दिन भी श्रीमती बेनेट के चिड़चिड़ेपन और खराब स्वास्थ्य में कोई कमी नहीं आई। श्री कॉलिन्स भी उसी क्रोधित और अभिमानी अवस्था में थे। एलिजाबेथ को उम्मीद थी कि उनकी नाराजगी से उनका प्रवास छोटा हो जाएगा, लेकिन उनकी योजना पर इसका जरा भी असर नहीं पड़ा। उन्हें शनिवार को ही जाना था, और वे शनिवार तक रुकने का इरादा रखते थे।

नाश्ते के बाद, लड़कियाँ मेरिटन गईं यह पता लगाने के लिए कि क्या मिस्टर विकहम वापस आ गए हैं, और नेदरफील्ड बॉल में उनकी अनुपस्थिति पर शोक व्यक्त करने के लिए। शहर में प्रवेश करते ही वह उनसे मिल गए और उन्हें उनकी चाची के घर तक ले गए, जहाँ उन्होंने अपने खेद और झुंझलाहट के साथ-साथ सभी की चिंता पर भी विस्तार से चर्चा की। हालाँकि, एलिज़ाबेथ के सामने उन्होंने स्वेच्छा से स्वीकार किया कि उनकी अनुपस्थिति उनकी अपनी मर्ज़ी से थी।

उन्होंने कहा, "जैसे-जैसे समय नजदीक आता गया, मुझे एहसास हुआ कि मिस्टर डार्सी से न मिलना ही बेहतर होगा; उनके साथ इतने घंटों तक एक ही कमरे में, एक ही समूह में रहना मेरे लिए असहनीय हो सकता है, और ऐसे दृश्य उत्पन्न हो सकते हैं जो न केवल मुझे बल्कि दूसरों को भी अप्रिय लग सकते हैं।" उन्होंने उनके धैर्य की बहुत सराहना की, और उन्हें इस विषय पर विस्तार से चर्चा करने और एक-दूसरे की प्रशंसा करने का पर्याप्त समय मिला। विकहम और एक अन्य अधिकारी उनके साथ लॉन्गबोर्न वापस जा रहे थे, और इस दौरान विकहम ने विशेष रूप से उनका ध्यान रखा। उनका साथ होना उनके लिए दोहरा लाभ था; उन्हें लगा कि यह उनके लिए सम्मान की बात है, और यह उनके माता-पिता से उनका परिचय कराने का भी एक बेहतरीन अवसर था।

उनके लौटने के तुरंत बाद, मिस बेनेट को एक पत्र मिला; यह नेदरफील्ड से आया था। लिफाफे में एक सुंदर, छोटा, गर्म-प्रेस किया हुआ कागज था, जिस पर एक सुंदर महिला की सुरीली लिखावट थी; और एलिजाबेथ ने देखा कि जैसे ही उसकी बहन ने इसे पढ़ा, उसके चेहरे के भाव बदल गए, और वह कुछ विशेष अंशों पर ध्यान केंद्रित कर रही थी। जेन ने जल्द ही खुद को संभाला, और पत्र को एक तरफ रखकर, अपनी सामान्य

प्रसन्नता के साथ आम बातचीत में शामिल होने की कोशिश की; लेकिन एलिजाबेथ को उस विषय पर चिंता महसूस हुई जिसने उसका ध्यान विकहम से भी हटा दिया; और जैसे ही वह और उसका साथी चले गए, जेन की एक नज़र ने उसे ऊपर आने का इशारा किया। जब वे अपने कमरे में पहुँचे, तो जेन ने पत्र निकालते हुए कहा:

"यह कैरोलिन बिंगले की ओर से है; इसमें जो लिखा है उसने मुझे बहुत आश्चर्यचकित किया है। इस समय तक पूरा दल नेदरफील्ड से निकल चुका है और शहर की ओर जा रहा है—और उनका वापस लौटने का कोई इरादा नहीं है। आप सुनेंगे कि वह क्या कहती है।"

फिर उसने पहला वाक्य ज़ोर से पढ़ा, जिसमें यह जानकारी थी कि उन्होंने अभी-अभी अपने भाई के पीछे सीधे शहर जाने का फैसला किया है और ग्रोसवेनर स्ट्रीट में भोजन करने का इरादा रखते हैं, जहाँ श्री हर्स्ट का घर था। अगला वाक्य इन शब्दों में था: "हर्टफोर्डशायर में जो कुछ भी मैं छोड़ रही हूँ, उसका मुझे कोई अफ़सोस नहीं है, सिवाय तुम्हारी संगति के, मेरी प्यारी सहेली; लेकिन हम आशा करते हैं कि भविष्य में हम उस सुखद मेलजोल का बार-बार आनंद उठाएँगे जो हमने अब तक किया है, और इस बीच हम नियमित और खुले दिल से पत्र व्यवहार करके जुदाई के दर्द को कम कर सकते हैं। इसके लिए मैं तुम पर निर्भर हूँ।" इन भावुक शब्दों को एलिजाबेथ ने अविश्वास की भावना से सुना; और यद्यपि उनके अचानक चले जाने से वह हैरान थी, उसे इसमें शोक करने जैसा कुछ भी नहीं दिखा; यह नहीं माना जा सकता था कि नेदरफील्ड से उनकी अनुपस्थिति श्री बिंगले के वहाँ आने में बाधा बनेगी; और जहाँ तक उनकी संगति के नुकसान की बात है, उसे यकीन था कि जेन को उनकी संगति का आनंद लेते हुए इस पर ध्यान देना बंद कर देना चाहिए।

कुछ देर रुकने के बाद उसने कहा, "यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आप अपने दोस्तों से उनके देश छोड़ने से पहले नहीं मिल पा रहे हैं। लेकिन क्या हम यह आशा नहीं कर सकते कि मिस बिंगले जिस भविष्य की खुशियों का इंतज़ार कर रही हैं, वह उनकी अपेक्षा से पहले ही आ जाए, और दोस्तों के रूप में आपके बीच जो सुखद संबंध रहे हैं, वे बहनों के रूप में और भी अधिक संतुष्टि के साथ फिर से जीवंत हो उठें? श्री बिंगले उनके कारण लंदन में नहीं रुकेंगे।"

कैरोलिन ने स्पष्ट रूप से कहा है कि पार्टी का कोई भी सदस्य इस सर्दी में हर्टफोर्डशायर वापस नहीं लौटेगा। मैं इसे आपको पढ़कर सुनाता हूँ:

"कल जब मेरे भाई ने हमें छोड़ा, तो उसने सोचा था कि जिस काम के लिए वह लंदन गया है, वह तीन-चार दिनों में पूरा हो जाएगा; लेकिन हमें पूरा यकीन है कि ऐसा नहीं हो सकता, और साथ ही हमें यह भी पूरा भरोसा है कि चार्ल्स जब शहर पहुँचेगा तो उसे वापस जाने की कोई जल्दी नहीं होगी, इसलिए हमने उसके पीछे-पीछे वहाँ जाने का फैसला किया है, ताकि उसे अपना खाली समय किसी असुविधाजनक होटल में न बिताना पड़े। मेरे कई परिचित पहले से ही सर्दियों के लिए वहाँ जा चुके हैं; काश, मेरी प्यारी दोस्त, तुम भी वहाँ जाने का इरादा रखती हो—पर इसकी कोई उम्मीद नहीं है। मैं दिल से आशा करती हूँ कि हर्टफोर्डशायर

में तुम्हारा क्रिसमस उस मौसम की खुशियों से भरपूर हो, और तुम्हारे प्रेमी इतने हों कि तुम्हें उन तीन लोगों की कमी महसूस न हो, जिनसे हम तुम्हें वंचित कर रहे हैं।"
जेन ने आगे कहा, "इससे स्पष्ट है कि वह इस सर्दी में अब वापस नहीं आएगा।"
"यह तो स्पष्ट है कि मिस बिंगले का यह मतलब नहीं है कि उसे ऐसा करना चाहिए।"
"तुम ऐसा क्यों सोचते हो? ये तो उसी की गलती होगी। वो खुद अपना मालिक है। लेकिन तुम सब कुछ नहीं जानते। मैं तुम्हें वो अंश पढ़कर सुनाता हूँ जिससे मुझे विशेष रूप से दुख होता है। मैं तुमसे कुछ भी नहीं छिपाऊँगा।"
श्री डार्सी अपनी बहन से मिलने के लिए बहुत बेचैन हैं; और सच कहूँ तो, हम भी उनसे दोबारा मिलने के लिए उतने ही उत्सुक हैं। मुझे सचमुच नहीं लगता कि जॉर्जियाना डार्सी सुंदरता, शालीनता और गुणों में बेजोड़ हैं; और उनके प्रति मेरा और लुईसा का स्नेह इस आशा से और भी गहरा हो गया है कि भविष्य में वह हमारी बहन बनेंगी। मुझे नहीं पता कि मैंने इस विषय पर अपने विचार आपसे पहले कभी साझा किए हैं या नहीं; लेकिन मैं इन्हें बताए बिना देश नहीं छोड़ूँगी, और मुझे विश्वास है कि आप इन्हें अनुचित नहीं समझेंगी। मेरे भाई को वह पहले से ही बहुत पसंद हैं; अब उन्हें उनसे बहुत करीब से मिलने का मौका मिलेगा; उनके सभी रिश्तेदार भी उनसे उतना ही रिश्ता चाहते हैं जितना कि मेरे भाई; और मुझे लगता है कि एक बहन का स्नेह मुझे गुमराह नहीं कर रहा है जब मैं चार्ल्स को किसी भी स्त्री का दिल जीतने में सबसे सक्षम मानती हूँ। इन सभी परिस्थितियों के साथ, जो इस रिश्ते को बढ़ावा देती हैं, और इसे रोकने वाली कोई बाधा नहीं है, क्या मैं गलत हूँ, मेरी प्यारी जेन, उस घटना की आशा में डूबी हुई हूँ जो इतने सारे लोगों की खुशी सुनिश्चित करेगी?
"मेरी प्यारी लिज़ी, इस वाक्य के बारे में तुम्हारा क्या विचार है?" जेन ने वाक्य पूरा करते हुए कहा। "क्या यह स्पष्ट नहीं है? क्या यह साफ तौर पर नहीं बताता कि कैरोलीन न तो मुझसे बहन बनने की उम्मीद करती है और न ही चाहती है; कि वह अपने भाई की उदासीनता से पूरी तरह आश्वस्त है; और अगर उसे मेरे उसके प्रति भावनाओं के बारे में कुछ शक है, तो वह (बहुत ही विनम्रता से!) मुझे सावधान करना चाहती है? क्या इस विषय पर कोई और राय हो सकती है?"
"हाँ, हो सकता है; क्योंकि मेरा वाला बिल्कुल अलग है। क्या आप इसे सुनेंगे?"
"पूरी खुशी से।"
संक्षेप में, बात ये है। मिस बिंगले को पता है कि उनका भाई आपसे प्यार करता है और वो चाहती हैं कि वो मिस डार्सी से शादी कर ले। वो उसे रोकने की उम्मीद में उसके पीछे शहर तक जाती हैं और आपको ये समझाने की कोशिश करती हैं कि उसे आपकी कोई परवाह नहीं है।
जेन ने अपना सिर हिलाया।
"जीन, सच में, तुम्हें मेरी बात माननी चाहिए। जिसने भी तुम दोनों को साथ देखा है, उसे उसके प्यार पर शक नहीं हो सकता। मुझे पूरा यकीन है कि मिस बिंगले को भी नहीं होगा। वो इतनी भोली नहीं हैं। अगर उन्हें मिस्टर डार्सी में अपने लिए आधा भी प्यार दिखता, तो वो अपनी शादी के कपड़े ऑर्डर कर देतीं। लेकिन बात

ये है: हम इतने अमीर या रईस नहीं हैं कि शादी कर सकें; और वो अपने भाई के लिए मिस डार्सी को पाने के लिए इसलिए ज़्यादा उत्सुक हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि एक शादी हो जाने के बाद दूसरी शादी करवाने में उन्हें कम परेशानी होगी; इसमें उनकी कुछ चालाकी ज़रूर है, और मुझे यकीन है कि अगर मिस डी बोर्ग बीच में न आतीं, तो वो कामयाब भी हो जातीं। लेकिन, मेरी प्यारी जेन, तुम ये सोच भी मत लेना कि मिस बिंगले के ये कहने से कि उनके भाई मिस डार्सी की बहुत तारीफ़ करते हैं, मंगलवार को तुमसे विदा लेते समय तुम्हारी खूबियों के प्रति उनका नज़रिया ज़रा भी कम हो गया है, या ये कि वो उन्हें ये यकीन दिला पाएंगी कि वो तुमसे प्यार नहीं करते, बल्कि उनकी दोस्त से प्यार करते हैं।"

"अगर हम दोनों मिस बिंगले के बारे में एक जैसी सोच रखते," जेन ने जवाब दिया, "तो इस सब के बारे में आपका वर्णन मुझे काफी सुकून दे सकता था। लेकिन मैं जानती हूँ कि यह आधार निराधार है। कैरोलीन जानबूझकर किसी को धोखा देने में असमर्थ है; और इस मामले में मैं बस यही उम्मीद कर सकती हूँ कि वह खुद को धोखा दे रही है।"

"बिल्कुल सही। इससे बेहतर शुरुआत आप कर ही नहीं सकते थे, क्योंकि आप मेरी बात से संतुष्ट नहीं होंगे। आप उसे धोखे में मानिए, इसमें कोई शक नहीं।" आपने उसके प्रति अपना कर्तव्य पूरा कर दिया है, और अब आपको चिंता करने की कोई ज़रूरत नहीं है।

लेकिन, मेरी प्यारी बहन, क्या मैं खुश रह सकती हूँ, भले ही सब कुछ ठीक हो जाए, ऐसे आदमी को स्वीकार करके जिसकी बहनें और दोस्त सभी चाहती हैं कि वह कहीं और शादी करे?

"आपको खुद फैसला करना होगा," एलिजाबेथ ने कहा; "और अगर गहन विचार-विमर्श के बाद आपको लगे कि उसकी दोनों बहनों को नाराज करने का दुख उसकी पत्नी बनने की खुशी से कहीं अधिक है, तो मैं आपको सलाह देती हूं कि आप हर हाल में उसे अस्वीकार कर दें।"

"तुम इस तरह कैसे बोल सकती हो?" जेन ने हल्की मुस्कान के साथ कहा। "तुम्हें पता होना चाहिए कि हालांकि मुझे उनकी अस्वीकृति से बहुत दुख होगा, मैं संकोच नहीं कर सकती।"

मुझे नहीं लगा था कि आप ऐसा करेंगे; और ऐसी स्थिति में, मैं आपकी स्थिति पर ज्यादा सहानुभूति नहीं दिखा सकता।

"लेकिन अगर वह इस सर्दी में फिर कभी वापस नहीं आता है, तो मुझे कभी चुनाव करने की आवश्यकता नहीं होगी। छह महीनों में हज़ारो बातें हो सकती हैं!"

एलिज़ाबेथ ने उसके वापस न लौटने के विचार को घोर तिरस्कार के साथ लिया। उसे यह महज़ कैरोलीन की स्वार्थी इच्छाओं का संकेत मात्र लगा, और वह एक पल के लिए भी यह कल्पना नहीं कर सकती थी कि ये इच्छाएँ, चाहे कितनी भी खुलकर या चतुराई से व्यक्त की गई हों, एक ऐसे युवक को प्रभावित कर सकती हैं जो हर किसी से इतना स्वतंत्र है।

उसने अपनी बहन को इस विषय पर अपने विचार यथासंभव दृढ़ता से व्यक्त किए और जल्द ही उसे इसका सुखद परिणाम देखने को मिला। जेन का स्वभाव निराशावादी नहीं था और धीरे-धीरे उसमें आशा जागृत होने

लगी, यद्यपि स्नेह की झिझक कभी-कभी आशा पर हावी हो जाती थी, कि बिंगले नेदरफील्ड लौट आएगा और उसके दिल की हर इच्छा पूरी करेगा।

उन्होंने सहमति जताई कि श्रीमती बेनेट को परिवार के जाने की सूचना मात्र दी जाए, और सज्जन के व्यवहार को लेकर उन्हें चिंतित नहीं होना चाहिए; लेकिन इस अधूरी सूचना ने भी उन्हें बहुत चिंतित कर दिया, और उन्होंने इसे अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण बताया कि महिलाएं ठीक उसी समय चली गईं जब वे सभी एक-दूसरे के साथ इतनी घनिष्ठ हो रही थीं। हालांकि, कुछ देर तक शोक व्यक्त करने के बाद, उन्हें यह तसल्ली मिली कि श्री बिंगले जल्द ही वापस आ जाएंगे और लॉन्गबोर्न में भोजन करेंगे, और अंत में उन्होंने यह सुखद घोषणा की कि यद्यपि उन्हें केवल पारिवारिक रात्रिभोज में आमंत्रित किया गया था, फिर भी वे दो पूरे व्यंजन परोसने का प्रबंध करेंगी।

अध्याय 22

बेनेट परिवार का लुकासेस परिवार के साथ भोजन करने का कार्यक्रम तय था और दिन के मुख्य समय में मिस लुकास ने श्री कॉलिन्स की बातें सुनने की कृपा की। एलिजाबेथ ने इस अवसर का लाभ उठाकर उन्हें धन्यवाद दिया। उसने कहा, "इससे उनका मूड अच्छा रहता है, और मैं आपकी जितनी आभारी हूँ, शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकती।" शार्लोट ने अपनी सहेली को आश्वस्त किया कि उपयोगी होने से उसे संतुष्टि मिली है और समय के इस छोटे से बलिदान का उसे भरपूर प्रतिफल मिला है। यह बहुत ही स्नेहपूर्ण था, लेकिन शार्लोट की दयालुता एलिजाबेथ की कल्पना से कहीं अधिक थी; इसका उद्देश्य श्री कॉलिन्स के प्रस्तावों को ठुकराकर उसे अपनी ओर आकर्षित करना था। यही मिस लुकास की योजना थी; और परिस्थितियाँ इतनी अनुकूल थीं कि जब वे रात को विदा हुईं, तो एलिजाबेथ को लगभग अपनी सफलता का पूरा भरोसा था, अगर श्री कॉलिन्स को हर्टफोर्डशायर इतनी जल्दी छोड़कर न जाना होता। लेकिन यहाँ उसने उसके चरित्र की जोशीली और स्वतंत्र भावना के साथ अन्याय किया, क्योंकि इसी के चलते वह अगली सुबह बड़ी चतुराई से लॉन्गबोर्न हाउस से निकल गया और ल्यूकस लॉज पहुँचकर उसके चरणों में गिर पड़ा। वह अपने चचेरे भाइयों की नज़र से बचना चाहता था, क्योंकि उसे यकीन था कि अगर वे उसे जाते हुए देख लेंगे, तो वे उसके इरादे का अंदाज़ा ज़रूर लगा लेंगे, और वह नहीं चाहता था कि उसकी कोशिश तब तक सबको पता चले जब तक उसकी सफलता का पता न चल जाए; क्योंकि शार्लोट के प्रोत्साहन के कारण वह लगभग सुरक्षित महसूस कर रहा था, और यह उचित भी था, फिर भी बुधवार की घटना के बाद से वह अपेक्षाकृत संकोची हो गया था। हालाँकि, उसका स्वागत बेहद सुखद था। मिस ल्यूकस ने उसे घर की ओर आते हुए ऊपरी खिड़की से देखा और तुरंत गली में उससे मिलने के लिए निकल पड़ी। लेकिन उसने यह कल्पना भी नहीं की थी कि वहाँ उसका इतना प्यार और स्नेह भरा स्वागत होगा।

श्री कॉलिन्स के लंबे भाषणों के बाद, कम समय में ही दोनों के बीच सब कुछ संतोषजनक ढंग से सुलझ गया; और घर में प्रवेश करते ही उन्होंने उनसे उस दिन का नाम बताने की विनती की जो उन्हें सबसे खुशहाल इंसान बना देगा; और यद्यपि इस समय इस अनुरोध को टालना उचित था, फिर भी महिला को उनकी खुशी में कोई दखल देने की इच्छा नहीं थी। प्रकृति द्वारा प्रदत्त उनकी मूर्खता उनके प्रेम प्रसंग को किसी भी ऐसे आकर्षण से बचाएगी जो किसी महिला को इसे जारी रखने की इच्छा जगा सके; और मिस लुकास, जिन्होंने उन्हें केवल एक स्थायी रिश्ते की शुद्ध और निस्वार्थ इच्छा से स्वीकार किया था, इस बात की परवाह नहीं करती थीं कि वह रिश्ता कितनी जल्दी हासिल हो।

सर विलियम और लेडी लुकास से तुरंत उनकी सहमति मांगी गई; और उन्होंने बड़ी खुशी से तुरंत अपनी सहमति दे दी। श्री कॉलिन्स की वर्तमान परिस्थितियाँ उनकी बेटी के लिए एक उपयुक्त रिश्ता थीं, जिसे वे बहुत कम संपत्ति दे सकते थे; और भविष्य में उनकी समृद्धि की संभावनाएं भी बहुत उज्ज्वल थीं। लेडी

लुकास ने पहले से कहीं अधिक रुचि के साथ यह हिसाब लगाना शुरू कर दिया कि श्री बेनेट कितने साल और जीवित रह सकते हैं; और सर विलियम ने अपना दृढ़ मत व्यक्त किया कि जब भी श्री कॉलिन्स लॉन्गबोर्न एस्टेट के मालिक बनेंगे, तो यह अत्यंत उचित होगा कि वे और उनकी पत्नी दोनों सेंट जेम्स चर्च में उपस्थित हों। संक्षेप में, पूरा परिवार इस अवसर पर अत्यंत प्रसन्न था। छोटी बच्चियों को उम्मीद थी कि वे शायद एक-दो साल पहले चर्च से बाहर आ जाएंगी; और लड़कों को इस बात का डर नहीं रहा कि शार्लोट कुंवारी ही मर जाएगी। शार्लोट स्वयं काफी शांत थी। उसने अपनी बात मनवा ली थी, और उसे इस पर विचार करने का समय मिल गया था। उसके विचार कुल मिलाकर संतोषजनक थे। श्री कॉलिन्स, सच कहें तो, न तो समझदार थे और न ही मिलनसार; उनकी संगति कष्टदायक थी, और उनके प्रति उनका लगाव शायद काल्पनिक ही था। फिर भी, वह उनके पति बनने को तैयार थे। पुरुषों या विवाह को महत्व न देते हुए भी, विवाह हमेशा से उनका लक्ष्य रहा था; यह कम धन-संपत्ति वाली सुशिक्षित युवतियों के लिए एकमात्र सहारा था, और भले ही इससे सुख मिलने की गारंटी न हो, फिर भी अभाव से बचने का यह सबसे सुखद उपाय था। यह सहारा अब उन्हें मिल गया था; और सत्ताईस वर्ष की आयु में, सुंदर न होते हुए भी, वह इसे अपना सौभाग्य मान रही थीं। इस मामले में सबसे अप्रिय बात यह थी कि इससे एलिजाबेथ बेनेट को आश्चर्य होगा, जिनकी मित्रता को वह किसी भी अन्य व्यक्ति से अधिक महत्व देती थीं। एलिजाबेथ आश्चर्यचकित होंगी, और शायद उन्हें दोषी भी ठहराएंगी; और यद्यपि उनका संकल्प अडिग था, फिर भी ऐसी अस्वीकृति से उनकी भावनाएं आहत होंगी। उन्होंने स्वयं उन्हें यह जानकारी देने का निश्चय किया, और इसलिए श्री कॉलिन्स को निर्देश दिया कि जब वे लॉन्गबोर्न में भोजन के लिए लौटें, तो परिवार के किसी भी सदस्य के सामने इस बारे में कोई संकेत न दें। गोपनीयता का वादा तो उन्होंने पूरी निष्ठा से किया, लेकिन इसे निभाना आसान नहीं था; क्योंकि उनकी लंबी अनुपस्थिति से उत्पन्न जिज्ञासा उनके लौटने पर इतने सीधे सवालों के रूप में सामने आई कि उनसे बचने के लिए उन्हें काफी चतुराई दिखानी पड़ी, और साथ ही वे बहुत आत्मसंयम भी बरत रहे थे, क्योंकि वे अपने सफल प्रेम प्रसंग को सार्वजनिक करने के लिए उत्सुक थे।

चूंकि उन्हें कल सुबह बहुत जल्दी अपनी यात्रा शुरू करनी थी और परिवार के किसी भी सदस्य से मिलने का समय नहीं था, इसलिए विदाई समारोह तब संपन्न हुआ जब महिलाएं रात के लिए सोने चली गईं; और श्रीमती बेनेट ने अत्यंत विनम्रता और आत्मीयता के साथ कहा कि जब भी उनकी व्यस्तताएं उन्हें आने की अनुमति देंगी, वे उन्हें लॉन्गबोर्न में फिर से देखकर कितनी प्रसन्न होंगी।

"मेरी प्रिय महोदया," उन्होंने उत्तर दिया, "यह निमंत्रण विशेष रूप से संतोषजनक है, क्योंकि यही वह निमंत्रण है जिसकी मुझे प्रतीक्षा थी; और आप निश्चिंत रह सकती हैं कि मैं इसका यथाशीघ्र लाभ उठाऊंगा।" वे सभी चकित रह गए; और श्री बेनेट, जो इतनी जल्दी वापसी की कामना बिल्कुल नहीं कर सकते थे, ने तुरंत कहा:

"लेकिन क्या यहाँ लेडी कैथरीन की नाराज़गी का खतरा नहीं है, मेरे सज्जन? अपनी संरक्षिका को नाराज़ करने का जोखिम उठाने की बजाय अपने रिश्तेदारों की उपेक्षा करना आपके लिए बेहतर होगा।"

श्री कॉलिन्स ने उत्तर दिया, "मेरे प्रिय महोदय, इस मैत्रीपूर्ण सावधानी के लिए मैं आपका विशेष रूप से आभारी हूं, और आप इस बात पर भरोसा रख सकते हैं कि मैं महारानी की सहमति के बिना इतना महत्वपूर्ण कदम नहीं उठाऊंगा।"

"आपको बहुत सतर्क रहना चाहिए। उसकी नाराज़गी झेलने के बजाय कोई भी जोखिम उठा लें; और अगर आपको लगता है कि आपके दोबारा हमारे पास आने से उसकी नाराज़गी बढ़ सकती है, जो मुझे बहुत संभव लगता है, तो चुपचाप घर पर ही रहें और निश्चिंत रहें कि हमें कोई आपत्ति नहीं होगी।"

"मान लीजिए, मेरे प्रिय महोदय, आपके इस स्नेहपूर्ण ध्यान से मैं अत्यंत आभारी हूँ; और निश्चिंत रहिए, हर्टफोर्डशायर में मेरे प्रवास के दौरान आपके द्वारा दिखाए गए हर तरह के स्नेह के लिए मैं आपको शीघ्र ही धन्यवाद पत्र भेजूँगा। जहाँ तक मेरी प्यारी चचेरी बहनों की बात है, यद्यपि मेरी अनुपस्थिति इतनी लंबी नहीं है कि ऐसा करना आवश्यक हो, फिर भी मैं उन्हें, विशेष रूप से मेरी चचेरी बहन एलिजाबेथ को, स्वास्थ्य और सुख की शुभकामनाएँ देना चाहता हूँ।"

शिष्टाचार का पालन करते हुए वे महिलाएं चली गईं; सभी इस बात से समान रूप से आश्चर्यचकित थीं कि वह जल्दी लौटने का विचार कर रहा था। श्रीमती बेनेट यह समझना चाहती थीं कि वह उनकी किसी छोटी बेटी से प्रेम निवेदन कर रहा था, और शायद मैरी उसे स्वीकार करने के लिए राजी हो जाती। वह उसकी क्षमताओं को अन्य सभी से कहीं अधिक मानती थीं; उसके विचारों में एक दृढ़ता थी जो अक्सर उन्हें प्रभावित करती थी, और यद्यपि वह स्वयं जितना बुद्धिमान नहीं था, फिर भी उन्हें लगता था कि यदि उसे उनके जैसे उदाहरण से पढ़ने और स्वयं को सुधारने के लिए प्रोत्साहन मिले, तो वह एक बहुत ही सुखद साथी बन सकता है। लेकिन अगली सुबह, इस तरह की सारी उम्मीदें टूट गईं। नाश्ते के तुरंत बाद मिस लुकास आईं और एलिजाबेथ के साथ निजी बातचीत में उन्होंने पिछले दिन की घटना बताई।

पिछले एक-दो दिनों में एलिजाबेथ के मन में एक बार यह ख्याल आया था कि मिस्टर कॉलिन्स शायद उसकी सहेली से प्यार करते हों; लेकिन शार्लोट द्वारा उन्हें प्रोत्साहित करना लगभग उतना ही असंभव लग रहा था जितना कि खुद एलिजाबेथ का उन्हें प्रोत्साहित करना, और इसलिए उसका आश्चर्य इतना तीव्र था कि उसने पहले तो शालीनता की सीमाओं को पार कर दिया, और वह चीखने से खुद को रोक नहीं पाई।

"मिस्टर कॉलिन्स से सगाई हो गई! मेरी प्यारी शार्लोट—असंभव!"

अपनी कहानी सुनाते समय मिस लुकास के चेहरे पर जो स्थिरता थी, वह इस तरह की सीधी फटकार मिलने पर क्षण भर के लिए भ्रम में बदल गई; हालाँकि, जैसा कि उन्हें उम्मीद थी, उन्होंने जल्द ही खुद को संभाल लिया और शांत भाव से जवाब दिया:

"मेरी प्यारी एलिजा, तुम्हें आश्चर्य क्यों होना चाहिए? क्या तुम्हें यह अविश्वसनीय लगता है कि मिस्टर कॉलिन्स किसी भी महिला की अच्छी राय हासिल कर सकते हैं, क्योंकि वह तुम्हारे साथ सफल होने जितने भाग्यशाली नहीं रहे?"

लेकिन एलिजाबेथ ने अब खुद को संभाल लिया था, और काफी कोशिश करने के बाद, वह काफी दृढ़ता से यह आश्वस्त करने में सक्षम थी कि उनके रिश्ते की संभावना उसे बेहद सुखद लग रही है, और वह उसके लिए हर संभव खुशी की कामना करती है।

"मैं समझती हूँ कि तुम क्या महसूस कर रही हो," शार्लेट ने उत्तर दिया। "तुम्हें आश्चर्य हुआ होगा, बहुत आश्चर्य हुआ होगा - क्योंकि हाल ही में श्री कॉलिन्स ने तुमसे शादी करने की इच्छा जताई थी। लेकिन जब तुम्हें इस पर विचार करने का समय मिल जाएगा, तो मुझे आशा है कि तुम मेरे द्वारा किए गए कार्य से संतुष्ट हो जाओगी। मैं रोमांटिक नहीं हूँ, तुम जानती हो; मैं कभी नहीं थी। मैं केवल एक सुखमय घर चाहती हूँ; और श्री कॉलिन्स के चरित्र, संबंध और जीवन में उनकी स्थिति को देखते हुए, मुझे विश्वास है कि उनके साथ मेरी खुशी की संभावना उतनी ही अच्छी है जितनी कि शादी के बंधन में बंधने वाले अधिकांश लोगों की होती है।"

एलिज़ाबेथ ने चुपचाप उत्तर दिया, "निस्संदेह;" और कुछ देर की असहज चुप्पी के बाद, वे परिवार के बाकी सदस्यों के पास लौट गए। शार्लेट ज़्यादा देर नहीं रुकी, और एलिज़ाबेथ को सुनी हुई बातों पर विचार करने के लिए अकेला छोड़ दिया गया। इतने अनुपयुक्त विवाह के विचार को स्वीकार करने में उसे काफी समय लगा। मिस्टर कॉलिन्स द्वारा तीन दिनों के भीतर दो बार विवाह का प्रस्ताव देना, उनके अब स्वीकार किए जाने की तुलना में कुछ भी नहीं था। उसने हमेशा महसूस किया था कि विवाह के बारे में शार्लेट की राय उसकी अपनी राय से बिल्कुल अलग है, लेकिन उसने यह नहीं सोचा था कि जब उसे यह ज़िम्मेदारी उठानी पड़ी, तो वह सांसारिक लाभ के लिए अपनी हर अच्छी भावना का त्याग कर देगी। मिस्टर कॉलिन्स की पत्नी के रूप में शार्लेट की छवि एक अत्यंत अपमानजनक तस्वीर थी! और अपनी सहेली के अपमानित होने और सम्मान में गिर जाने के दर्द के साथ-साथ, यह दुखद विश्वास भी जुड़ गया कि उस सहेली के लिए अपने चुने हुए भाग्य में सुखी रहना असंभव था।

अध्याय 23

एलिज़ाबेथ अपनी माँ और बहनों के साथ बैठी, सुनी हुई बातों पर विचार कर रही थी और इस बात पर संदेह कर रही थी कि क्या उसे इसका ज़िक्र करने का अधिकार है, तभी सर विलियम लुकास स्वयं अपनी बेटी के भेजे हुए, परिवार को उसकी सगाई की घोषणा करने के लिए प्रकट हुए। उन्होंने परिवार की बहुत प्रशंसा की और दोनों परिवारों के बीच संबंध स्थापित होने की संभावना पर बहुत गर्व व्यक्त करते हुए, सारी बात एक ऐसे श्रोताओं के सामने रखी जो न केवल आश्चर्यचकित थे, बल्कि अविश्वास से भरे हुए थे; श्रीमती बेनेट ने विनम्रता से अधिक दृढ़ता से विरोध किया कि उन्हें पूरी तरह से गलतफहमी हुई होगी; और लिडिया, जो हमेशा बेपरवाह और अक्सर असभ्य रहती थी, ने शोर मचाते हुए कहा:
"हे भगवान! सर विलियम, आप ऐसी कहानी कैसे सुना सकते हैं? क्या आपको नहीं पता कि मिस्टर कॉलिन्स लिज़ी से शादी करना चाहते हैं?"
एक दरबारी की विनम्रता के अलावा और कोई भी इस तरह के व्यवहार को बिना क्रोध के सहन नहीं कर सकता था; लेकिन सर विलियम के अच्छे संस्कार ने उन्हें इस सब से बचा लिया; और यद्यपि उन्होंने अपनी जानकारी की सत्यता के बारे में निश्चित होने की अनुमति मांगी, फिर भी उन्होंने उनकी सारी धृष्टता को अत्यंत सहनशीलता और शिष्टाचार के साथ सुना।
एलिजाबेथ ने उन्हें इस अप्रिय स्थिति से राहत दिलाने को अपना कर्तव्य समझते हुए, शार्लोट से मिली पूर्व जानकारी का हवाला देते हुए उनके कथन की पुष्टि करने का प्रयास किया; और सर विलियम को हार्दिक बधाई देकर अपनी माँ और बहनों के आश्चर्यों को शांत करने की कोशिश की, जिसमें जेन ने भी उनका साथ दिया, और इस विवाह से मिलने वाली संभावित खुशियों, मिस्टर कॉलिन्स के उत्कृष्ट चरित्र और लंदन से हन्सफोर्ड की सुविधाजनक दूरी पर विभिन्न टिप्पणियाँ कीं।
श्रीमती बेनेट सर विलियम के रहते हुए इतनी व्यथित थीं कि वे ज्यादा कुछ कह नहीं पाईं; लेकिन उनके जाते ही उनके मन में उमड़-घुमड़ कर गुस्सा फूट पड़ा। पहली बात तो यह कि उन्हें पूरी बात पर यकीन नहीं हो रहा था; दूसरी बात, उन्हें पूरा यकीन था कि मिस्टर कॉलिन्स को बहकाया गया है; तीसरी बात, उन्हें विश्वास था कि वे दोनों कभी साथ खुश नहीं रह पाएंगे; और चौथी बात, कि शायद यह रिश्ता टूट जाए। हालांकि, इस पूरी बात से दो निष्कर्ष साफ तौर पर निकले: एक, कि एलिजाबेथ ही सारी गड़बड़ की असली वजह थी; और दूसरा, कि उन सभी ने उनके साथ बहुत बुरा बर्ताव किया था; और दिन भर वे मुख्य रूप से इन्हीं दो बातों पर विचार करती रहीं। कोई भी बात उन्हें दिलासा नहीं दे पा रही थी और न ही उन्हें शांत कर पा रही थी। उस दिन भी उनका गुस्सा कम नहीं हुआ। एक हफ्ता बीत गया जब तक वे एलिजाबेथ को डांटे बिना देख नहीं पाईं, एक महीना बीत गया जब तक वे सर विलियम या लेडी लुकास से बिना बदतमीजी किए बात नहीं कर पाईं, और कई महीने बीत गए जब तक वे उनकी बेटी को माफ नहीं कर पाईं।

इस अवसर पर श्री बेनेट की भावनाएँ कहीं अधिक शांत थीं, और उन्होंने जो भी अनुभव किया उसे उन्होंने अत्यंत सुखद बताया; क्योंकि उन्होंने कहा कि उन्हें यह जानकर प्रसन्नता हुई कि शार्लोट लुकास, जिसे वे काफी समझदार समझते थे, उनकी पत्नी जितनी ही मूर्ख थी, और उनकी बेटी से भी अधिक मूर्ख थी!
जेन ने इस रिश्ते को लेकर थोड़ी हैरानी जताई; लेकिन उसने अपनी हैरानी से ज़्यादा उनकी खुशी की दिली इच्छा ज़ाहिर की; और एलिज़ाबेथ भी उसे यह मानने के लिए राज़ी नहीं कर पाई कि यह रिश्ता नामुमकिन है। किटी और लिडिया को मिस लुकास से ज़रा भी ईर्ष्या नहीं थी, क्योंकि मिस्टर कॉलिन्स तो सिर्फ़ एक पादरी थे; और इस बात का उन पर बस इतना ही असर हुआ कि यह खबर मेरिटन में फैल गई।
लेडी लुकास को इस बात की खुशी जरूर हुई होगी कि वह मिसेज बेनेट को यह बता सकीं कि उनकी बेटी की शादी अच्छे घर में हुई है; और वह अपनी खुशी जाहिर करने के लिए पहले से कहीं ज्यादा बार लॉन्गबोर्न आती थीं, हालांकि मिसेज बेनेट के चिड़चिड़े चेहरे और बुरे स्वभाव की टिप्पणियां उनकी खुशी को भी छीन सकती थीं।
एलिज़ाबेथ और शार्लोट के बीच एक तरह का संयम था जिसने उन्हें इस विषय पर एक-दूसरे के प्रति मौन बनाए रखा; और एलिज़ाबेथ को पूरा विश्वास हो गया था कि उनके बीच फिर कभी सच्चा विश्वास कायम नहीं हो पाएगा। शार्लोट से मिली निराशा ने उन्हें अपनी बहन के प्रति अधिक स्नेहपूर्ण बना दिया, जिसकी सत्यनिष्ठा और शालीनता के बारे में उनका विश्वास अटूट था, और जिसकी खुशी के लिए वे दिन-प्रतिदिन चिंतित होती जा रही थीं, क्योंकि बिंगले को गए एक सप्ताह हो गया था और उसके लौटने के बारे में कोई खबर नहीं मिली थी।
जेन ने कैरोलिन को उसके पत्र का शीघ्र उत्तर भेज दिया था और वह उत्तर की प्रतीक्षा कर रही थी। श्री कॉलिन्स का वादा किया गया धन्यवाद पत्र मंगलवार को उनके पिता के नाम से आया, और उसमें परिवार में बारह महीने रहने के बाद उत्पन्न हुई कृतज्ञता की पूरी गंभीरता झलक रही थी। इस विषय पर अपने अंतरात्मा को शांत करने के बाद, उन्होंने बड़ी खुशी से उन्हें बताया कि उन्हें अपनी मिलनसार पड़ोसी, मिस लुकास का स्नेह प्राप्त करके कितनी प्रसन्नता हुई है, और फिर समझाया कि केवल उनकी संगति का आनंद लेने के उद्देश्य से ही उन्होंने लॉन्गबोर्न में उनसे दोबारा मिलने की उनकी हार्दिक इच्छा का इतनी जल्दी जवाब दिया था, जहाँ उन्हें आशा थी कि वे पखवाड़े के सोमवार को लौट सकेंगे; उन्होंने आगे कहा कि लेडी कैथरीन उनके विवाह को इतनी हार्दिक स्वीकृति देती हैं कि वे चाहती हैं कि यह जल्द से जल्द हो जाए, और उन्हें विश्वास था कि यह उनकी प्यारी शार्लोट को उन्हें सबसे खुशहाल इंसान बनाने के लिए जल्द से जल्द शादी करने के लिए राजी करने का एक अचूक तर्क होगा।
मिस्टर कॉलिन्स का हर्टफोर्डशायर लौटना अब श्रीमती बेनेट के लिए खुशी की बात नहीं थी। इसके विपरीत, वह अपने पति की तरह ही शिकायत करने को तैयार थीं। यह बहुत अजीब था कि वह लुकास लॉज के बजाय लॉन्गबोर्न आ रहे थे; यह बहुत असुविधाजनक और बेहद परेशानी भरा भी था। जब उनका स्वास्थ्य इतना खराब था, तब उन्हें घर में मेहमानों का आना बिल्कुल पसंद नहीं था, और खासकर प्रेमी तो सबसे ज्यादा

अप्रिय थे। श्रीमती बेनेट की ये हल्की-हल्की बड़बड़ाहटें थीं, जो मिस्टर बिंगले की लगातार अनुपस्थिति के कारण उत्पन्न हुई गहरी पीड़ा के आगे फीकी पड़ गईं।

जेन और एलिजाबेथ दोनों ही इस विषय पर सहज महसूस नहीं कर रही थीं। दिन-ब-दिन बीतते गए और उनके बारे में कोई नई खबर नहीं मिली, सिवाय उस अफवाह के जो जल्द ही मेरिटन में फैल गई कि वह पूरी सर्दी नेदरफील्ड नहीं आएंगे; इस अफवाह ने श्रीमती बेनेट को बेहद क्रोधित कर दिया और उन्होंने इसे घोर झूठ बताकर हमेशा खंडन किया।

एलिज़ाबेथ को भी डर लगने लगा था—यह डर नहीं था कि बिंगले उदासीन था—बल्कि यह डर था कि उसकी बहनें उसे जेन से दूर रखने में कामयाब हो जाएँगी। हालाँकि वह इस विचार को स्वीकार करने को तैयार नहीं थी जो जेन की खुशी के लिए इतना विनाशकारी और उसके प्रेमी के रिश्ते के लिए इतना अपमानजनक था, फिर भी वह इसे बार-बार होने से नहीं रोक पा रही थी। उसे डर था कि उसकी दो निर्दयी बहनों और उसके दबंग दोस्त के संयुक्त प्रयास, मिस डार्सी के आकर्षण और लंदन के मनोरंजन के सहारे, बिंगले के लगाव को तोड़ देंगे।

जेन की बात करें तो, इस अनिश्चितता के कारण उसकी चिंता निश्चित रूप से एलिजाबेथ से कहीं अधिक थी, लेकिन वह अपने मन की बात छुपाना चाहती थी, और इसीलिए उसने और एलिजाबेथ के बीच इस विषय पर कभी बात नहीं की। लेकिन चूंकि उसकी माँ में ऐसी कोई झिझक नहीं थी, इसलिए शायद ही कोई घंटा ऐसा बीतता था जब वह बिंगले के बारे में बात न करती, उसके आने की बेसब्री न जताती, या जेन से यह स्वीकार न करवाती कि अगर वह वापस नहीं आया तो जेन खुद को बहुत अपमानित महसूस करेगी। जेन को इन हमलों को सहन करने के लिए अपनी सारी दृढ़ता और कोमलता की आवश्यकता थी।

श्री कॉलिन्स पखवाड़े भर चलने वाले सोमवार को बिल्कुल समय पर लौट आए, लेकिन लॉन्गबोर्न में उनका स्वागत उतना सौहार्दपूर्ण नहीं था जितना पहली बार हुआ था। हालांकि, वे इतने खुश थे कि उन्हें ज्यादा ध्यान देने की जरूरत नहीं थी; और सौभाग्य से बाकी लोगों के लिए, प्रेम-प्रसंग में व्यस्त रहने से उन्हें उनकी संगति से काफी हद तक राहत मिल गई। वे दिन का अधिकांश समय लुकास लॉज में बिताते थे, और कभी-कभी वे लॉन्गबोर्न केवल परिवार के सोने से पहले अपनी अनुपस्थिति के लिए माफी मांगने के लिए ही लौटते थे।

श्रीमती बेनेट की हालत वाकई बेहद दयनीय थी। शादी के बारे में ज़रा सी भी बात होते ही उनका मूड खराब हो जाता था, और जहाँ भी जातीं, उन्हें इस बारे में चर्चा सुनने को मिलती थी। मिस लुकास को देखना भी उन्हें घृणास्पद लगता था। घर में अपनी उत्तराधिकारी होने के नाते, वह उनसे ईर्ष्या और घृणा की दृष्टि से देखती थीं। जब भी शार्लोट उनसे मिलने आतीं, तो उन्हें लगता कि वह संपत्ति पर कब्ज़ा करने की प्रतीक्षा कर रही हैं; और जब भी वह श्री कॉलिन्स से धीमी आवाज़ में बात करतीं, तो उन्हें यकीन हो जाता कि वे लॉन्गबोर्न एस्टेट के बारे में बात कर रही हैं, और श्री बेनेट की मृत्यु होते ही खुद को और अपनी बेटियों को घर से निकालने का फैसला कर रही हैं। वह अपने पति से इन सब बातों की कड़वी शिकायत करती थीं।

"सचमुच, श्रीमान बेनेट," उसने कहा, "यह सोचना बहुत कठिन है कि शार्लेट लुकास कभी इस घर की मालकिन बनेगी, कि मुझे उसके लिए रास्ता बनाना पड़ेगा, और उसे इसमें अपना स्थान ग्रहण करते हुए देखना पड़ेगा!"
"मेरे प्रिय, ऐसे निराशावादी विचारों में मत डूबो। चलो बेहतर चीजों की उम्मीद करें। चलो खुद को यह दिलासा दें कि शायद मैं ही जीवित बचूँ।"
यह बात श्रीमती बेनेट को ज्यादा तसल्ली नहीं दे पाई, और इसलिए, कोई जवाब देने के बजाय, उन्होंने पहले की तरह ही अपना काम जारी रखा।
"मैं यह सोच भी नहीं सकता कि उन्हें यह सारी संपत्ति मिल जाए। अगर उत्तराधिकार का नियम न होता, तो मुझे कोई आपत्ति न होती।"
आपको किस बात की परवाह नहीं होनी चाहिए?
मुझे किसी भी बात की परवाह नहीं होगी।
"हमें शुक्रगुजार होना चाहिए कि आप ऐसी संवेदनहीनता की स्थिति से बचे हुए हैं।"
"श्रीमान बेनेट, मैं उत्तराधिकार के बारे में किसी भी बात के लिए कभी आभारी नहीं हो सकती। कोई व्यक्ति अपनी ही बेटियों से संपत्ति छीनकर उत्तराधिकार में देने की हिम्मत कैसे कर सकता है, यह मेरी समझ से परे है; और वह भी श्री कॉलिन्स के लिए! आखिर यह संपत्ति उन्हें किसी और से ज्यादा क्यों मिलनी चाहिए?"
श्री बेनेट ने कहा, "यह निर्णय आप पर छोड़ता हूं।"

भाग 2

अध्याय 1

मिस बिंगले का पत्र आया और सभी संदेह दूर हो गए। पहले ही वाक्य में इस बात का आश्वासन दिया गया था कि वे सभी सर्दियों के लिए लंदन में व्यवस्थित हो गए हैं, और अंत में उनके भाई ने देश छोड़ने से पहले हर्टफोर्डशायर में अपने दोस्तों से मिलने का समय न मिलने पर खेद व्यक्त किया था।

आशा पूरी तरह से समाप्त हो चुकी थी; और जब जेन ने पत्र का शेष भाग पढ़ा, तो उसे लेखिका के स्नेह के व्यक्त अंशों के अलावा कोई सांत्वना नहीं मिली। मिस डार्सी की प्रशंसा ही मुख्य विषय थी। उनके अनेक आकर्षणों का फिर से उल्लेख किया गया था, और कैरोलिन ने उनके बढ़ते घनिष्ठ संबंधों पर प्रसन्नतापूर्वक गर्व किया और अपने पिछले पत्र में व्यक्त की गई इच्छाओं की पूर्ति की भविष्यवाणी करने का साहस किया। उन्होंने अपने भाई के मिस्टर डार्सी के घर में रहने पर भी बड़ी प्रसन्नता व्यक्त की और नए फर्नीचर के संबंध में मिस्टर डार्सी की कुछ योजनाओं का उत्साहपूर्वक उल्लेख किया।

एलिज़ाबेथ, जिसे जेन ने जल्द ही इस सब का सार बताया, ने इसे मौन आक्रोश के साथ सुना। उसका हृदय अपनी बहन के लिए चिंता और दूसरों के प्रति आक्रोश के बीच बँटा हुआ था। कैरोलिन के इस दावे पर कि उसका भाई मिस डार्सी के प्रति पक्षपाती था, उसने विश्वास नहीं किया। उसे इस बात पर कोई संदेह नहीं था कि वह वास्तव में जेन को पसंद करता था; और यद्यपि वह हमेशा से उसे पसंद करती रही थी, फिर भी वह उस सहज स्वभाव, उस दृढ़ निश्चय की कमी पर क्रोध और तिरस्कार किए बिना नहीं रह सकती थी, जिसने अब उसे अपने चालाक दोस्तों का गुलाम बना दिया था और उसे अपनी खुशी को उनकी इच्छाओं के आगे कुर्बान करने पर मजबूर कर दिया था। यदि केवल उसकी अपनी खुशी ही कुर्बान होती, तो उसे अपनी इच्छानुसार उससे खेलने की अनुमति दी जा सकती थी, लेकिन उसकी बहन की खुशी भी इसमें शामिल थी, जैसा कि उसे लगता था कि वह स्वयं भी इस बात को समझता होगा। संक्षेप में, यह एक ऐसा विषय था जिस पर लंबे समय तक विचार करने से कोई लाभ नहीं होगा। वह इसके अलावा और कुछ नहीं सोच सकती थी; और फिर भी, चाहे बिंगले का स्नेह वास्तव में समाप्त हो गया हो, या उसके दोस्तों के हस्तक्षेप से दब गया हो; चाहे वह जेन के लगाव से अवगत था, या यह उसकी नजर से बच गया हो; मामला जो भी हो, हालांकि उसके प्रति जेन की राय इस अंतर से काफी प्रभावित हुई होगी, उसकी बहन की स्थिति वही रही, उसकी शांति उतनी ही भंग रही।

एक-दो दिन बीत गए, जेन को एलिजाबेथ से अपने दिल की बात कहने की हिम्मत नहीं हुई; लेकिन आखिरकार, जब मिसेज बेनेट ने नेदरफील्ड और उसके मालिक के बारे में सामान्य से अधिक झुंझलाहट दिखाने के बाद उन्हें अकेला छोड़ दिया, तो जेन खुद को यह कहने से रोक नहीं पाई:

"काश, मेरी प्यारी माँ में थोड़ा और संयम होता! उन्हें इस बात का ज़रा भी अंदाज़ा नहीं है कि उनके लगातार उसके बारे में सोचने से मुझे कितना दुख होता है। लेकिन मैं शिकायत नहीं करूँगी। यह ज़्यादा देर तक नहीं चलेगा। उसे भुला दिया जाएगा, और हम सब पहले जैसे हो जाएँगे।"
एलिजाबेथ ने अविश्वास और चिंता भरी निगाहों से अपनी बहन की ओर देखा, लेकिन कुछ नहीं कहा।
"तुम्हें मुझ पर शक है," जेन थोड़ा शर्मिंदगी भरे स्वर में बोली; "सचमुच, तुम्हारे पास कोई कारण नहीं है। वह मेरी यादों में मेरे सबसे मिलनसार व्यक्ति के रूप में बसा हो सकता है, बस इतना ही। मुझे न तो कोई उम्मीद है, न ही कोई डर, और न ही उसे कोई दोष देने की वजह है। भगवान का शुक्र है! मुझे वह दर्द नहीं है। इसलिए थोड़ा समय दीजिए—मैं निश्चित रूप से बेहतर होने की कोशिश करूंगी।"
कुछ देर बाद उसने और भी बुलंद आवाज में कहा, "मुझे इस बात से तुरंत तसल्ली मिल गई कि यह मेरी ओर से सिर्फ एक भ्रम था, और इससे मेरे अलावा किसी और को कोई नुकसान नहीं हुआ है।"
"मेरी प्यारी जेन!" एलिजाबेथ ने कहा, "तुम बहुत अच्छी हो। तुम्हारी मधुरता और निस्वार्थता सचमुच देवदूत जैसी है; मुझे समझ नहीं आ रहा कि मैं तुमसे क्या कहूँ। मुझे ऐसा लगता है मानो मैंने कभी तुम्हारे साथ न्याय नहीं किया, या तुम्हें उतना प्यार नहीं दिया जितना तुम हकदार हो।"
मिस बेनेट ने बड़ी उत्सुकता से अपनी किसी भी असाधारण योग्यता से इनकार किया और सारी प्रशंसा अपनी बहन के स्नेहपूर्ण व्यवहार पर डाल दी।
"नहीं," एलिज़ाबेथ ने कहा, "यह उचित नहीं है। आप पूरी दुनिया को सम्माननीय समझना चाहती हैं, और अगर मैं किसी के बारे में बुरा बोलूँ तो आपको बुरा लगता है। मैं तो बस आपको परिपूर्ण समझना चाहती हूँ, और आप इसके खिलाफ़ खड़ी हैं। मेरे किसी अतिवाद से, या आपके सर्वव्यापी सद्भावना के विशेषाधिकार में दखल देने से मत डरिए। आपको डरने की ज़रूरत नहीं है। ऐसे बहुत कम लोग हैं जिनसे मैं सचमुच प्यार करती हूँ, और उससे भी कम लोग हैं जिनके बारे में मैं अच्छा सोचती हूँ। जितना ज़्यादा मैं दुनिया को देखती हूँ, उतना ही ज़्यादा मैं इससे असंतुष्ट होती जाती हूँ; और हर दिन मेरा यह विश्वास और पुख्ता होता जाता है कि सभी मनुष्यों का स्वभाव असंगत होता है, और योग्यता या समझदारी के दिखावे पर भरोसा नहीं किया जा सकता। हाल ही में मुझे दो उदाहरण मिले हैं, जिनमें से एक का मैं ज़िक्र नहीं करूँगी; दूसरा शार्लेट की शादी है। यह समझ से परे है! हर लिहाज़ से यह समझ से परे है!"
मेरी प्यारी लिज़ी, ऐसी भावनाओं के आगे मत झुको। ये तुम्हारी खुशियाँ बर्बाद कर देंगी। तुम हालात और स्वभाव के अंतर को नज़रअंदाज़ कर रही हो। श्री कॉलिन्स की प्रतिष्ठा और शार्लेट के स्थिर, विवेकपूर्ण स्वभाव पर विचार करो। याद रखो कि वह एक बड़े परिवार की सदस्य है; कि धन के लिहाज़ से यह एक बहुत ही उपयुक्त रिश्ता है; और सबके भले के लिए, यह मानने को तैयार रहो कि वह हमारे चचेरे भाई के लिए कुछ सम्मान और आदर रखती होगी।
"तुम्हें खुश करने के लिए, मैं लगभग हर बात पर यकीन करने की कोशिश करूँगा, लेकिन इस तरह के यकीन से किसी और को फायदा नहीं होगा; क्योंकि अगर मुझे यकीन हो जाता कि शार्लेट के मन में उसके

लिए कोई भावना है, तो मैं उसकी समझ के बारे में उसके दिल के बारे में अभी जितना सोचता हूँ, उससे भी बुरा सोचता। मेरी प्यारी जेन, मिस्टर कॉलिन्स एक घमंडी, अभिमानी, संकीर्ण सोच वाला, मूर्ख आदमी है; तुम भी जानती हो, और मैं भी; और तुम्हें भी मेरी तरह यह महसूस करना चाहिए कि जिस औरत ने उससे शादी की है, उसकी सोच सही नहीं हो सकती। तुम उसका बचाव नहीं करोगी, चाहे वह शार्लेट लुकास ही क्यों न हो। तुम एक व्यक्ति के लिए सिद्धांत और ईमानदारी का अर्थ नहीं बदलोगी, और न ही खुद को या मुझे यह समझाने की कोशिश करोगी कि स्वार्थ ही समझदारी है, और खतरे के प्रति असंवेदनशीलता ही सुख की सुरक्षा है।"

"मुझे लगता है कि आप दोनों के बारे में कुछ ज़्यादा ही कड़े शब्दों का इस्तेमाल कर रही हैं," जेन ने जवाब दिया; "और मुझे उम्मीद है कि उन्हें साथ में खुश देखकर आप भी इस बात से सहमत हो जाएँगी। लेकिन बस, अब इस बारे में और बात नहीं करते। आपने किसी और बात का ज़िक्र किया था। आपने दो उदाहरण दिए। मैं आपको गलत नहीं समझ सकती, लेकिन प्रिय लिज़ी, मैं आपसे विनती करती हूँ कि उस व्यक्ति को दोषी मानकर और यह कहकर मुझे दुख न पहुँचाएँ कि आपके मन में उसके लिए कोई राय नहीं है। हमें इतनी जल्दी यह नहीं मान लेना चाहिए कि हमें जानबूझकर चोट पहुँचाई गई है। हमें किसी भी चंचल युवक से हमेशा इतना सतर्क और सावधान रहने की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। अक्सर यह हमारा अपना घमंड ही होता है जो हमें धोखा देता है। औरतें प्रशंसा को ज़रूरत से ज़्यादा महत्व देती हैं।"

और पुरुष इस बात का ध्यान रखते हैं कि वे ऐसा करें।

"यदि यह जानबूझकर किया गया है, तो इसे उचित नहीं ठहराया जा सकता; लेकिन मुझे इस बात का कोई अंदाजा नहीं है कि दुनिया में इतनी ज्यादा योजनाएँ होती हैं जितना कुछ लोग सोचते हैं।"

"मैं श्री बिंगले के आचरण के किसी भी हिस्से को जानबूझकर की गई साजिश नहीं मानती," एलिजाबेथ ने कहा; "लेकिन गलत काम करने या दूसरों को दुखी करने की योजना के बिना भी गलती हो सकती है और दुख हो सकता है। लापरवाही, दूसरों की भावनाओं पर ध्यान न देना और दृढ़ संकल्प की कमी ही इसका कारण बन सकती है।"

"और क्या आप इसका दोष इनमें से किसी एक पर डालते हैं?"

"हाँ; अंत तक। लेकिन अगर मैं बोलता रहा, तो मैं उन लोगों के बारे में अपने विचार बताकर आपको नाराज़ कर दूँगा जिनका आप सम्मान करते हैं। इसलिए मुझे अभी रोक लीजिए।"

"तो क्या आप अभी भी यही मानते हैं कि उसकी बहनें उसे प्रभावित करती हैं?"

"हां, अपने दोस्त के साथ मिलकर।"

"मुझे इस पर विश्वास नहीं हो रहा। वे उसे प्रभावित करने की कोशिश क्यों करेंगे? वे केवल उसकी खुशी की कामना कर सकते हैं; और अगर वह मुझसे जुड़ा हुआ है, तो कोई दूसरी महिला उसे सुनिश्चित नहीं कर सकती।"

"आपका पहला कथन गलत है। वे उसकी खुशी के अलावा और भी बहुत कुछ चाह सकते हैं; वे उसकी धन-संपत्ति और प्रतिष्ठा में वृद्धि चाह सकते हैं; वे चाह सकते हैं कि वह किसी ऐसी लड़की से शादी करे जिसके पास धन, अच्छे संबंध और स्वाभिमान जैसी सभी खूबियां हों।"
"निस्संदेह, वे चाहते हैं कि वह मिस डार्सी को चुने," जेन ने उत्तर दिया; "लेकिन यह आपकी सोच से कहीं बेहतर भावना से प्रेरित हो सकता है। वे उसे मुझसे कहीं अधिक समय से जानते हैं; इसलिए अगर वे उसे मुझसे ज़्यादा प्यार करते हैं तो इसमें कोई आश्चर्य नहीं। लेकिन, उनकी अपनी इच्छाएँ जो भी हों, यह बहुत ही असंभव है कि वे अपने भाई का विरोध करें। कोई बहन ऐसा करने के लिए खुद को स्वतंत्र कैसे समझ सकती है, जब तक कि कोई बहुत ही आपत्तिजनक बात न हो? अगर उन्हें विश्वास होता कि वह मुझसे प्रेम करता है, तो वे हमें अलग करने की कोशिश नहीं करते; अगर वह सच में ऐसा होता, तो वे सफल नहीं हो सकते थे। इस तरह के स्नेह की कल्पना करके, आप सबको अस्वाभाविक और गलत ठहरा रहे हैं, और मुझे बहुत दुखी कर रहे हैं। इस विचार से मुझे परेशान मत कीजिए। मुझे अपनी गलती पर शर्म नहीं है—या कम से कम, यह मामूली है, यह उस पीड़ा के मुकाबले कुछ भी नहीं है जो मुझे उसके या उसकी बहनों के बारे में बुरा सोचने पर होगी। मुझे इसे सकारात्मक रूप से लेने दीजिए, जिस रूप में इसे समझा जा सकता है।"
एलिजाबेथ ऐसी इच्छा का विरोध नहीं कर सकीं; और इस समय से मिस्टर बिंगले का नाम उन दोनों के बीच शायद ही कभी लिया गया।
श्रीमती बेनेट अब भी उनके न लौटने पर आश्चर्यचकित और दुखी थीं, और यद्यपि शायद ही कोई दिन ऐसा बीतता था जब एलिजाबेथ इस बात का स्पष्ट कारण न समझ पाती, फिर भी इस बात की संभावना कम ही थी कि वह कभी इस उलझन से उबर पाएंगी। उनकी बेटी उन्हें यह समझाने की कोशिश करती रही कि जेन के प्रति उनका स्नेह महज़ एक सामान्य और क्षणिक पसंद का परिणाम था, जो जेन से दोबारा न मिलने पर समाप्त हो गया; यद्यपि उस समय इस कथन की संभावना को स्वीकार किया गया था, फिर भी उन्हें हर दिन यही कहानी दोहरानी पड़ती थी। श्रीमती बेनेट को सबसे बड़ा सुकून इस बात से मिलता था कि श्री बिंगले गर्मियों में फिर से आएंगे।
मिस्टर बेनेट ने इस मामले को अलग नज़रिए से देखा। एक दिन उन्होंने कहा, "लिज़ी, मुझे पता चला है कि तुम्हारी बहन को प्यार में धोखा मिला है। मैं उसे बधाई देता हूँ। शादी के बाद, लड़कियों को कभी-कभार प्यार में धोखा मिलना अच्छा लगता है। यह सोचने लायक बात है और इससे उसे अपनी सहेलियों के बीच एक अलग पहचान मिलती है। तुम्हारी बारी कब आएगी? जेन से लंबे समय तक पीछे रहना तुम्हें शायद ही बर्दाश्त होगा। अब तुम्हारा समय है। मेरिटन में इतने सारे अधिकारी हैं कि पूरे देश की युवतियों को निराश कर सकते हैं। विकहम को अपना जीवनसाथी बना लो। वह एक अच्छा इंसान है और तुम्हें सम्मानपूर्वक धोखा देगा।"
"धन्यवाद महोदय, लेकिन एक कम मनभावन व्यक्ति भी मुझे संतुष्ट कर सकता है। हम सभी को जेन के सौभाग्य की उम्मीद नहीं करनी चाहिए।"

"सच है," श्री बेनेट ने कहा, "लेकिन यह सोचकर तसल्ली मिलती है कि चाहे आपके साथ कुछ भी हो जाए, आपके पास एक स्नेही माँ है जो इसका भरपूर फायदा उठाएगी।"

मिस्टर विकहम की संगति ने हाल की अप्रिय घटनाओं से लॉन्गबोर्न परिवार के कई सदस्यों पर छाए निराशा के बादल को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे उनसे अक्सर मिलते थे, और उनकी अन्य खूबियों के साथ-साथ अब उनका बेबाक स्वभाव भी जुड़ गया था। एलिजाबेथ ने जो कुछ भी सुना था, मिस्टर डार्सी पर उनके दावे और उनसे झेली गई सारी पीड़ा, अब खुलकर स्वीकार की गई और सार्वजनिक रूप से चर्चा का विषय बनी; और सभी को यह जानकर खुशी हुई कि वे मिस्टर डार्सी को कितना नापसंद करते थे, इससे पहले कि उन्हें इस मामले के बारे में कुछ भी पता चले।

मिस बेनेट ही एकमात्र ऐसी शख्सियत थीं जो यह मान सकती थीं कि हर्टफोर्डशायर के समाज से अनजान इस मामले में कुछ ऐसे परिस्थितिजन्य कारण हो सकते हैं जो मामले को नरम कर दें; उनकी सौम्य और स्थिर स्पष्टवादिता हमेशा रियायतों की वकालत करती थी और गलतियों की संभावना पर जोर देती थी—लेकिन बाकी सभी लोगों द्वारा मिस्टर डार्सी को सबसे बुरे आदमी के रूप में निंदा की जाती थी।

अध्याय दो

प्रेम के इज़हार और सुख-सुविधाओं की योजनाओं में एक सप्ताह बिताने के बाद, शनिवार के आगमन पर श्री कॉलिन्स को अपनी प्रिय शार्लेट से विदा होना पड़ा। हालाँकि, विरह का दर्द उनकी ओर से कुछ हद तक कम हो सकता था, क्योंकि उन्हें आशा थी कि हर्टफोर्डशायर लौटने के कुछ ही समय बाद वह दिन तय हो जाएगा जो उन्हें सबसे अधिक प्रसन्न करेगा। उन्होंने लॉन्गबोर्न में अपने रिश्तेदारों से पहले की तरह ही गरिमापूर्ण ढंग से विदा ली; अपनी सुंदर चचेरी बहनों के अच्छे स्वास्थ्य और सुख की कामना की और उनके पिता को धन्यवाद का एक और पत्र लिखने का वादा किया।

अगले सोमवार को श्रीमती बेनेट को अपने भाई और उनकी पत्नी का स्वागत करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, जो हमेशा की तरह क्रिसमस मनाने के लिए लॉन्गबोर्न आए थे। श्री गार्डिनर एक समझदार, सज्जन व्यक्ति थे, जो स्वभाव और शिक्षा दोनों ही दृष्टि से अपनी बहन से कहीं श्रेष्ठ थे। नेदरफील्ड की महिलाओं को यह विश्वास करना मुश्किल होता कि व्यापार से जीवन यापन करने वाला और अपने गोदामों के पास रहने वाला व्यक्ति इतना सुसंस्कृत और मिलनसार हो सकता है। श्रीमती गार्डिनर, जो श्रीमती बेनेट और श्रीमती फिलिप्स से कई वर्ष छोटी थीं, एक मिलनसार, बुद्धिमान और शालीन महिला थीं, और लॉन्गबोर्न में रहने वाली अपनी सभी भतीजियों की प्रिय थीं। विशेष रूप से अपनी दो सबसे बड़ी भतीजियों और उनके बीच विशेष स्नेह था। वे अक्सर शहर में उनके साथ ठहरती थीं।

श्रीमती गार्डिनर के आगमन पर उनका पहला काम उपहार बांटना और नवीनतम फैशन के बारे में बताना था। यह काम पूरा होने के बाद, उनका काम थोड़ा कम सक्रिय था। अब उनकी बारी थी सुनने की। श्रीमती बेनेट को कई शिकायतें और दुख व्यक्त करने थे। अपनी बहन से आखिरी बार मिलने के बाद से उन सभी के साथ बहुत बुरा बर्ताव हुआ था। उनकी दो बेटियाँ शादी के कगार पर थीं, लेकिन आखिरकार उनमें कोई दम नहीं था।

"मैं जेन को दोष नहीं देती," उसने आगे कहा, "क्योंकि अगर जेन को मौका मिलता तो वह मिस्टर बिंगले को पा लेती। लेकिन लिज़ी! ओह, बहन! यह सोचना बहुत मुश्किल है कि अगर उसकी अपनी ज़िद्दीपन न होती तो वह अब तक मिस्टर कॉलिन्स की पत्नी बन चुकी होती। उन्होंने इसी कमरे में उसे शादी का प्रस्ताव दिया था, और उसने ठुकरा दिया। इसका नतीजा यह हुआ कि लेडी लुकास की बेटी की शादी मुझसे पहले हो जाएगी, और लॉन्गबोर्न एस्टेट पहले की तरह ही वसीयत में है। लुकास परिवार वाकई बहुत चालाक लोग हैं, बहन। वे सिर्फ अपने फायदे के लिए काम करते हैं। मुझे उनके बारे में यह कहते हुए दुख हो रहा है, लेकिन यही सच है। अपने ही परिवार में इस तरह निराश होना और ऐसे पड़ोसियों का होना जो दूसरों से पहले सिर्फ अपने बारे में सोचते हैं, मुझे बहुत परेशान और दुखी कर देता है। हालांकि, तुम्हारा इस समय आना मेरे लिए बहुत राहत की बात है, और लंबी आस्तीनों के बारे में तुमने जो बताया, उसे सुनकर मुझे बहुत खुशी हुई।"

श्रीमती गार्डिनर, जिन्हें जेन और एलिजाबेथ के साथ पत्राचार के दौरान इस समाचार का मुख्य अंश पहले ही दिया जा चुका था, ने अपनी बहन को संक्षिप्त उत्तर दिया और अपनी भतीजियों के प्रति सहानुभूति दिखाते हुए बातचीत का रुख मोड़ दिया।

बाद में जब एलिज़ाबेथ के साथ वह अकेली थीं, तो उन्होंने इस विषय पर और बात की। उन्होंने कहा, "जेन के लिए यह एक अच्छा रिश्ता साबित हो सकता था। मुझे अफ़सोस है कि यह रिश्ता टूट गया। लेकिन ऐसी बातें अक्सर होती रहती हैं! श्री बिंगले, जैसा कि आपने बताया, एक नौजवान कुछ हफ़्तों के लिए किसी खूबसूरत लड़की के प्यार में पड़ जाता है, और जब संयोगवश वे अलग हो जाते हैं, तो वह उसे आसानी से भूल जाता है, इसलिए इस तरह की विसंगतियाँ बहुत आम हैं।"

"एक तरह से यह बहुत अच्छी सांत्वना है," एलिजाबेथ ने कहा, "लेकिन इससे हमारा काम नहीं चलेगा। हम संयोग से पीड़ित नहीं हैं। ऐसा अक्सर नहीं होता कि दोस्तों के हस्तक्षेप से एक स्वतंत्र धनवान युवक उस लड़की के बारे में सोचना बंद कर दे जिससे वह कुछ ही दिन पहले बेतहाशा प्यार करता था।"

लेकिन 'बेहद प्यार में' वाली अभिव्यक्ति इतनी घिसी-पिटी, इतनी संदिग्ध और इतनी अस्पष्ट है कि इससे मुझे कुछ खास अंदाजा नहीं होता। इसका प्रयोग अक्सर आधे घंटे की जान-पहचान से पैदा होने वाली भावनाओं के लिए किया जाता है, न कि किसी वास्तविक, मजबूत लगाव के लिए। बताइए, मिस्टर बिंगले का प्यार कितना बेतहाशा था?

"मैंने इससे पहले कभी इतना आशाजनक रुझान नहीं देखा था; वह दूसरे लोगों की परवाह करना बिल्कुल छोड़ चुका था और पूरी तरह से उसी में मग्न रहता था। हर बार जब वे मिलते, तो यह और भी स्पष्ट और उल्लेखनीय होता जाता। अपने ही बॉल में उसने दो-तीन युवतियों को नाचने के लिए न पूछकर नाराज़ कर दिया; और मैंने खुद उससे दो बार बात की, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। क्या इससे बेहतर लक्षण हो सकते हैं? क्या सामान्य असभ्यता ही प्रेम का सार नहीं है?"

"ओह, हाँ!—उस तरह के प्यार की बात कर रही हूँ जो मुझे लगता है कि उसने महसूस किया होगा। बेचारी जेन! मुझे उसके लिए बहुत दुख हो रहा है, क्योंकि उसके स्वभाव के कारण वह शायद इससे जल्दी उबर न पाए। लिज़ी, अच्छा होता अगर यह तुम्हारे साथ हुआ होता; तुम हँसते-हँसते इससे जल्दी बाहर आ जातीं। लेकिन क्या तुम्हें लगता है कि वह हमारे साथ वापस चलने के लिए मान जाएगी? जगह बदलने से शायद उसे फ़ायदा हो—और शायद घर से थोड़ी राहत किसी भी चीज़ से ज़्यादा उपयोगी हो।"

एलिजाबेथ इस प्रस्ताव से बेहद प्रसन्न हुई और उसे अपनी बहन की सहज सहमति का पूरा भरोसा हो गया।

श्रीमती गार्डिनर ने आगे कहा, "मुझे उम्मीद है कि इस युवक के बारे में कोई भी विचार उसे प्रभावित नहीं करेगा। हम शहर के इतने अलग हिस्से में रहते हैं, हमारे सभी रिश्तेदार इतने अलग हैं, और जैसा कि आप अच्छी तरह जानते हैं, हम बहुत कम बाहर जाते हैं, इसलिए उनके मिलने की संभावना बहुत कम है, जब तक कि वह वास्तव में उससे मिलने न आए।"

"और यह बिल्कुल असंभव है; क्योंकि वह अब अपने दोस्त की हिरासत में है, और मिस्टर डार्सी उसे लंदन के ऐसे हिस्से में जेन से मिलने की इजाज़त नहीं देंगे! मेरी प्यारी चाची, आप ऐसा सोच भी कैसे सकती हैं? मिस्टर डार्सी ने शायद ग्रेसचर्च स्ट्रीट जैसी जगह के बारे में सुना होगा, लेकिन अगर वह एक बार वहाँ चले गए, तो उन्हें नहीं लगता कि एक महीने का स्नान भी उन्हें उसकी अशुद्धियों से मुक्त करने के लिए काफी होगा; और यकीन मानिए, मिस्टर बिंगले उनके बिना कभी बाहर नहीं निकलते।"
"यह तो और भी अच्छा है। मुझे उम्मीद है कि वे बिल्कुल भी नहीं मिलेंगे। लेकिन क्या जेन उसकी बहन से पत्र व्यवहार नहीं करती? वह उसे फोन करने से खुद को रोक नहीं पाएगी।"
वह उस जान-पहचान को पूरी तरह से खत्म कर देगी।
लेकिन एलिज़ाबेथ ने इस बात को लेकर जो आत्मविश्वास दिखाया, साथ ही बिंगले को जेन से मिलने से रोके जाने की और भी दिलचस्प बात को लेकर, उसके मन में एक चिंता थी जिसने उसे सोचने पर यह विश्वास दिलाया कि यह मामला पूरी तरह से निराशाजनक नहीं है। यह संभव था, और कभी-कभी उसे लगता था कि यह संभव है, कि उसका स्नेह फिर से जागृत हो जाए, और उसके दोस्तों के प्रभाव को जेन के आकर्षण के स्वाभाविक प्रभाव से सफलतापूर्वक कम किया जा सके।
मिस बेनेट ने अपनी चाची का निमंत्रण सहर्ष स्वीकार कर लिया; और उसी समय उनके मन में बिंगलेज़ का भी ख्याल था, क्योंकि उन्हें उम्मीद थी कि कैरोलीन अपने भाई के साथ एक ही घर में नहीं रहती, इसलिए वह कभी-कभी उसके साथ बिना किसी खतरे के सुबह बिता सकेंगी और उसे देखने का जोखिम भी नहीं होगा।
गार्डिनर परिवार लॉन्गबोर्न में एक सप्ताह रुका; और फिलिप्स, ल्यूकेस और अधिकारियों की मौजूदगी के कारण, वहाँ एक भी दिन व्यस्त नहीं बीता। श्रीमती बेनेट ने अपने भाई-बहन के मनोरंजन की इतनी सावधानीपूर्वक व्यवस्था की थी कि उन्होंने एक बार भी पारिवारिक भोजन नहीं किया। जब भी घर जाने का कार्यक्रम होता, कुछ अधिकारी हमेशा उसमें शामिल होते थे—जिनमें श्री विकहम भी अवश्य शामिल होते थे; और ऐसे अवसरों पर, एलिजाबेथ की गर्मजोशी भरी प्रशंसा से आशंकित श्रीमती गार्डिनर उन दोनों को ध्यान से देखती रहीं। हालाँकि उन्होंने जो देखा उससे उन्हें गंभीर प्रेम में नहीं माना, फिर भी एक-दूसरे के प्रति उनका लगाव इतना स्पष्ट था कि उन्हें थोड़ी बेचैनी हुई; और उन्होंने हर्टफोर्डशायर छोड़ने से पहले एलिजाबेथ से इस विषय पर बात करने और उसे इस तरह के प्रेम-संबंध को बढ़ावा देने की नासमझी समझाने का निश्चय किया।
श्रीमती गार्डिनर के लिए, विकहम के पास आनंद प्रदान करने का एक ऐसा साधन था, जिसका उनकी सामान्य क्षमताओं से कोई संबंध नहीं था। लगभग दस या बारह वर्ष पहले, उनकी शादी से पहले, उन्होंने डर्बीशायर के उसी हिस्से में काफी समय बिताया था जहाँ से विकहम संबंधित थे। इसलिए, उनके कई परिचित एक जैसे थे; और यद्यपि डार्सी के पिता की मृत्यु के बाद से विकहम वहाँ कम ही आते थे, फिर भी उनके पास अपने पुराने दोस्तों के बारे में उन्हें ताज़ा जानकारी देने की क्षमता थी, जो वह स्वयं प्राप्त करने में असमर्थ थीं।

श्रीमती गार्डिनर ने पेम्बर्ली देखी थी और स्वर्गीय श्री डार्सी को उनके स्वभाव से भली-भांति जानती थीं। इसलिए यहाँ चर्चा का एक अंतहीन विषय था। पेम्बर्ली के बारे में अपनी यादों की तुलना विकहम द्वारा दिए गए विस्तृत विवरण से करते हुए और उसके स्वर्गीय स्वामी के चरित्र की प्रशंसा करते हुए, वह विकहम और स्वयं दोनों को प्रसन्न कर रही थीं। वर्तमान श्री डार्सी द्वारा उनके साथ किए गए व्यवहार से अवगत होने पर, उन्होंने उस सज्जन के बचपन के कुछ ऐसे स्वभाव को याद करने का प्रयास किया जो इससे मेल खाता हो, और अंत में उन्हें विश्वास हो गया कि उन्होंने श्री फिट्ज़विलियम डार्सी के बारे में पहले एक बहुत ही अभिमानी और चिड़चिड़े स्वभाव के लड़के के रूप में सुना था।

अध्याय 3

श्रीमती गार्डिनर ने एलिजाबेथ को अपनी चेतावनी ठीक समय पर और विनम्रतापूर्वक दी, जैसे ही उन्हें अकेले में बात करने का पहला अनुकूल अवसर मिला; ईमानदारी से अपने विचार बताने के बाद, उन्होंने आगे कहा: "लिज़ी, तुम बहुत समझदार लड़की हो, सिर्फ़ चेतावनी मिलने पर प्यार में नहीं पड़ोगी; इसलिए मुझे खुलकर बोलने में कोई झिझक नहीं है। सच कहूँ तो, मैं चाहती हूँ कि तुम सावधान रहो। न तो खुद को और न ही उसे ऐसे प्यार में उलझाओ जो धन की कमी के कारण बहुत ही नासमझी भरा होगा। मुझे उसके बारे में कुछ भी बुरा नहीं कहना है; वह बहुत ही दिलचस्प नौजवान है; और अगर उसके पास उतना धन होता जितना होना चाहिए, तो मुझे लगता है कि तुम्हें उससे बेहतर कोई नहीं मिल सकता था। लेकिन अभी, तुम्हें अपनी भावनाओं को बहकने नहीं देना चाहिए। तुम समझदार हो, और हम सभी तुमसे यही उम्मीद करते हैं कि तुम इसका इस्तेमाल करो। मुझे पूरा यकीन है कि तुम्हारे पिता तुम्हारे दृढ़ संकल्प और अच्छे व्यवहार पर निर्भर हैं। तुम्हें अपने पिता को निराश नहीं करना चाहिए।"

"मेरी प्यारी चाची, यह वाकई गंभीर मामला है।"

"हां, और मुझे उम्मीद है कि मैं आपको भी इसी तरह गंभीरता से सोचने के लिए प्रेरित कर पाऊंगा।"

"तो फिर आपको घबराने की कोई ज़रूरत नहीं है। मैं अपना और मिस्टर विकहम का ख्याल रखूंगी। अगर मैं रोक सकी तो वो मुझसे प्यार नहीं करेंगे।"

"एलिजाबेथ, तुम अब गंभीर नहीं हो।"

क्षमा करें, मैं फिर से कोशिश करूंगी। फिलहाल मैं मिस्टर विकहम से प्यार नहीं करती; जी नहीं, बिल्कुल नहीं। लेकिन वो मेरी नज़र में अब तक के सबसे मनमोहक पुरुष हैं—और अगर वो मुझसे सचमुच प्यार करने लगें—तो मुझे लगता है कि बेहतर यही होगा कि वो ऐसा न करें। मुझे इसमें नासमझी दिखती है। ओह! वो घिनौने मिस्टर डार्सी! मेरे पिता की मेरे बारे में राय मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है, और मैं इसे खोना नहीं चाहूंगी। हालांकि, मेरे पिता मिस्टर विकहम के प्रति पक्षपाती हैं। संक्षेप में, मेरी प्यारी चाची, मुझे बहुत दुख होगा अगर मैं आप में से किसी को भी दुखी करने का कारण बनूं; लेकिन चूंकि हम हर दिन देखते हैं कि जहां स्नेह होता है, वहां युवा लोग धन की कमी के कारण एक-दूसरे से सगाई करने से नहीं रुकते, तो अगर मैं प्रलोभित हो जाऊं तो मैं अपने साथियों से अधिक समझदार होने का वादा कैसे कर सकती हूं, या मुझे यह भी कैसे पता चलेगा कि इसका विरोध करना बुद्धिमानी होगी? इसलिए मैं आपको केवल यही आश्वासन दे सकती हूं कि मैं किसी भी तरह के रिश्ते में नहीं पड़ूंगी। जल्दी मत करो। मैं खुद को उसकी पहली पसंद मानने में जल्दबाजी नहीं करूंगी। जब मैं उसके साथ रहूंगी, तो मैं कोई इच्छा नहीं रखूंगी। संक्षेप में, मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करूंगी।

"शायद बेहतर होगा कि आप उसे यहाँ बार-बार आने से हतोत्साहित करें। कम से कम, आपको अपनी माँ को उसे आमंत्रित करने की याद नहीं दिलानी चाहिए।"
"जैसा मैंने परसों कहा था," एलिज़ाबेथ ने थोड़ी झिझक भरी मुस्कान के साथ कहा: "बिल्कुल सही, मेरे लिए ऐसा न करना ही समझदारी होगी। लेकिन यह मत सोचिए कि वह हमेशा इतनी बार यहाँ आता है। इस हफ्ते उसे इतनी बार आमंत्रित करने का कारण आप ही हैं। आप मेरी माँ के इस विचार को जानती हैं कि उनके मित्रों के लिए निरंतर संगति कितनी ज़रूरी है। लेकिन सच में, और मैं अपनी ईमानदारी से कहूँ तो, मैं वही करने की कोशिश करूँगी जो मुझे सबसे समझदारी भरा लगता है; और अब मुझे उम्मीद है कि आप संतुष्ट हैं।"
उसकी चाची ने उसे आश्वस्त किया कि वह ठीक है, और एलिजाबेथ ने उनके सुझावों के लिए धन्यवाद देते हुए, वे अलग हो गईं; इस तरह के मुद्दे पर बिना किसी नाराजगी के सलाह दिए जाने का यह एक अद्भुत उदाहरण था।
गार्डिनर और जेन के जाने के कुछ ही समय बाद श्री कॉलिन्स हर्टफोर्डशायर लौट आए; लेकिन चूंकि उन्होंने लुकास परिवार के साथ रहना शुरू कर दिया था, इसलिए श्रीमती बेनेट को उनके आने से कोई खास असुविधा नहीं हुई। उनकी शादी अब नजदीक आ रही थी, और वह अंततः इसे अपरिहार्य मानने लगी थीं, और यहां तक कि बार-बार चिड़चिड़े स्वर में कहती थीं कि "काश वे सुखी हों।" गुरुवार को शादी का दिन था, और बुधवार को मिस लुकास उनसे मिलने आईं; और जब वह जाने के लिए उठीं, तो एलिजाबेथ, अपनी माँ की अभद्र और अनिच्छुक शुभकामनाओं से शर्मिंदा होकर, और स्वयं भी भावुक होकर, उनके साथ कमरे से बाहर गईं। जब वे साथ में सीढ़ियों से नीचे जा रही थीं, तो शार्लोट ने कहा:
"मुझे आपसे अक्सर संपर्क की उम्मीद रहेगी, एलिजा।"
"तुम निश्चित रूप से ऐसा करोगे।"
और मुझे आपसे एक और मदद मांगनी है। क्या आप मुझसे मिलने आएंगे?
"मुझे उम्मीद है कि हम हर्टफोर्डशायर में अक्सर मिलेंगे।"
"मैं कुछ समय तक केंट छोड़ने वाला नहीं हूँ। इसलिए, मुझसे वादा करो कि तुम हन्सफोर्ड आओगे।"
एलिजाबेथ मना नहीं कर सकी, हालाँकि उसे इस यात्रा में कोई खास आनंद नहीं दिख रहा था।
"मेरे पिता और मारिया मार्च में मुझसे मिलने आ रहे हैं," शार्लोट ने आगे कहा, "और मुझे उम्मीद है कि आप भी उनके साथ आने के लिए राज़ी होंगी। वास्तव में, एलिज़ा, आपका भी उतना ही स्वागत होगा जितना उन दोनों का।"
शादी संपन्न हुई; दूल्हा-दुल्हन चर्च के द्वार से केंट के लिए रवाना हुए, और हमेशा की तरह हर कोई इस विषय पर बहुत कुछ कह रहा था या सुन रहा था। एलिज़ाबेथ को जल्द ही अपनी सहेली से पत्र मिले; और उनका पत्राचार पहले की तरह नियमित और लगातार जारी रहा; इतना खुलकर होना असंभव था। एलिज़ाबेथ जब भी उससे बात करती, उसे लगता कि आत्मीयता का सारा सुकून खत्म हो गया है, और हालांकि उसने पत्र-

व्यवहार में ढिलाई न बरतने का निश्चय किया था, यह बीते हुए समय के लिए था, न कि वर्तमान के लिए। शार्लोट के पहले पत्रों का बेसब्री से इंतज़ार किया जाता था; यह जानने की उत्सुकता होना स्वाभाविक था कि वह अपने नए घर के बारे में क्या कहेगी, उसे लेडी कैथरीन कैसी लगेंगी, और वह खुद को कितना खुश बताएगी; हालांकि, जब पत्र पढ़े गए, तो एलिज़ाबेथ को लगा कि शार्लोट ने हर बात को ठीक वैसे ही व्यक्त किया है जैसा उसने अनुमान लगाया होगा। उसने प्रसन्नतापूर्वक लिखा, सुख-सुविधाओं से घिरी हुई प्रतीत हुई, और उसने किसी भी ऐसी बात का ज़िक्र नहीं किया जिसकी वह प्रशंसा न कर सके। घर, फर्नीचर, आस-पड़ोस और सड़कें, सब कुछ एलिज़ाबेथ को पसंद आया, और लेडी कैथरीन का व्यवहार अत्यंत मैत्रीपूर्ण और मददगार था। यह मिस्टर कॉलिन्स द्वारा हन्सफोर्ड और रोज़िंग्स के बारे में दिए गए वर्णन का तर्कसंगत रूप से नरम संस्करण था; और एलिज़ाबेथ समझ गई कि बाकी सब जानने के लिए उसे वहाँ स्वयं जाना होगा। जेन ने लंदन में उनके सुरक्षित आगमन की सूचना देने के लिए अपनी बहन को पहले ही कुछ पंक्तियाँ लिख दी थीं; और जब उसने दोबारा लिखा, तो एलिजाबेथ को उम्मीद थी कि वह बिंगलेज़ के बारे में कुछ कह पाएगी।

इस दूसरे पत्र के लिए जेन की बेसब्री का वैसा ही फल मिला जैसा कि आमतौर पर बेसब्री का मिलता है। जेन एक हफ्ते से शहर में थी और कैरोलीन से न तो उसकी मुलाकात हुई थी और न ही उससे कोई खबर मिली थी। हालांकि, उसने इसका कारण यह बताया कि लॉन्गबोर्न से अपनी सहेली को लिखा उसका आखिरी पत्र किसी दुर्घटना में खो गया था।

उसने आगे कहा, "मेरी चाची कल शहर के उस हिस्से में जा रही हैं, और मैं इस अवसर का लाभ उठाकर ग्रोसवेनर स्ट्रीट में उनसे मिलने जाऊंगी।"

जब उनसे मुलाकात हुई और उन्होंने मिस बिंगले को देखा, तो उन्होंने फिर से पत्र लिखा। उन्होंने लिखा, "मुझे नहीं लगा था कि कैरोलीन खुश होंगी, लेकिन वह मुझे देखकर बहुत खुश हुईं और मुझे लंदन आने की सूचना न देने के लिए डांट लगाई। इसलिए मैं सही थी, मेरा आखिरी पत्र उन तक नहीं पहुंचा था। मैंने उनके भाई का हालचाल पूछा। वह ठीक थे, लेकिन मिस्टर डार्सी के साथ इतने व्यस्त थे कि वे उनसे मुश्किल से ही मिल पाते थे। मुझे पता चला कि मिस डार्सी को रात के खाने पर बुलाया गया है। काश मैं उनसे मिल पाती। मेरी मुलाकात ज्यादा देर तक नहीं चली, क्योंकि कैरोलीन और मिसेज हर्स्ट बाहर जा रही थीं। मुझे लगता है कि मैं उनसे जल्द ही यहां मिल लूंगी।"

इस पत्र को पढ़कर एलिजाबेथ ने अपना सिर हिलाया। इससे उसे यकीन हो गया कि मिस्टर बिंगले को उसकी बहन के शहर में होने का पता संयोग से ही चल सकता है।

चार सप्ताह बीत गए, और जेन ने उसे नहीं देखा। उसने खुद को समझाने की कोशिश की कि उसे इसका कोई अफसोस नहीं है; लेकिन वह मिस बिंगले की लापरवाही को अब और अनदेखा नहीं कर सकती थी। दो सप्ताह तक हर सुबह घर पर उसका इंतज़ार करने और हर शाम उसके लिए कोई नया बहाना बनाने के बाद, आखिरकार वह आगंतुक आ ही गई; लेकिन उसके थोड़े समय के लिए रुकने और उससे भी बढ़कर,

उसके व्यवहार में आए बदलाव ने जेन को खुद को धोखा देने से रोक दिया। इस अवसर पर उसने अपनी बहन को जो पत्र लिखा, वह उसके मन की बात साबित करता है।

मुझे पूरा यकीन है कि मेरी प्यारी लिज़ी, मेरे कारण अपनी बेहतर समझ पर विजय पाने में असमर्थ होगी, जब मैं यह स्वीकार करती हूँ कि मिस बिंगले के मेरे प्रति स्नेह के बारे में मैं पूरी तरह से भ्रमित थी। लेकिन, मेरी प्यारी बहन, भले ही घटना ने तुम्हें सही साबित कर दिया हो, मुझे हठी मत समझना अगर मैं अब भी यह कहती हूँ कि उसके व्यवहार को देखते हुए, मेरा विश्वास उतना ही स्वाभाविक था जितना तुम्हारा संदेह। मुझे उसकी मेरे साथ घनिष्ठ संबंध बनाने की इच्छा का कारण बिल्कुल समझ नहीं आता; लेकिन अगर वही परिस्थितियाँ दोबारा घटित हुईं, तो मुझे यकीन है कि मैं फिर से भ्रमित हो जाऊँगी। कैरोलीन कल तक मेरे घर नहीं आई; और इस बीच मुझे एक भी संदेश नहीं मिला। जब वह आई, तो यह स्पष्ट था कि उसे इसमें कोई खुशी नहीं थी; उसने पहले न आने के लिए एक हल्की-फुल्की औपचारिक माफी मांगी, मुझसे दोबारा मिलने की इच्छा का एक शब्द भी नहीं कहा, और हर तरह से इतनी बदली हुई थी कि जब वह चली गई तो मैंने उससे आगे कोई जान-पहचान न रखने का पक्का इरादा कर लिया। मुझे उस पर दया आती है, हालाँकि मैं उसे दोष देने से खुद को रोक नहीं सकती। वह बहुत गलत थी। जिस तरह से उसने मुझे निशाना बनाया, उससे मैं यकीनन कह सकती हूँ कि अंतरंगता की हर पहल उसकी तरफ से ही शुरू हुई। लेकिन मुझे उस पर तरस आता है, क्योंकि उसे जरूर लग रहा होगा कि वह गलत कर रही है, और मुझे पूरा यकीन है कि इसके पीछे उसके भाई के लिए चिंता ही वजह है। मुझे और कुछ समझाने की जरूरत नहीं है; और हालांकि हम जानते हैं कि यह चिंता बिल्कुल बेवजह है, फिर भी अगर वह ऐसा महसूस करती है, तो उसके व्यवहार का कारण मुझे आसानी से समझ आ जाएगा; और वह अपनी बहन के लिए इतना प्यारा है कि उसके लिए उसकी जो भी चिंता हो, वह स्वाभाविक और प्यारी है। फिर भी, मुझे आश्चर्य होता है कि अब उसे इस तरह का डर क्यों है, क्योंकि अगर उसे मेरी जरा भी परवाह होती, तो हम बहुत पहले मिल चुके होते। मुझे यकीन है कि उसे मेरे शहर में होने की जानकारी है, क्योंकि उसने खुद कुछ कहा था; और फिर भी, उसकी बातों से ऐसा लगता है जैसे वह खुद को यकीन दिलाना चाहती है कि वह वास्तव में मिस डार्सी को पसंद करता है। मैं इसे समझ नहीं पा रही हूँ। अगर मुझे कठोर निर्णय लेने से डर न लगता, तो मैं लगभग यह कहने को मजबूर हो जाती कि इसमें छल का प्रबल संकेत है। लेकिन मैं हर दुखदायी विचार को मन से मिटाने की कोशिश करूँगी और सिर्फ़ उन्हीं बातों पर ध्यान दूँगी जिनसे मुझे खुशी मिलेगी—आपका स्नेह और मेरे प्यारे चाचा-चाची की असीम दयालुता। आपसे जल्द ही संपर्क करना। मिस बिंगले ने उनके नेदरफ़ील्ड वापस न लौटने और घर छोड़ने के बारे में कुछ कहा था, लेकिन निश्चित रूप से नहीं। बेहतर होगा कि हम इस बारे में बात न करें। मुझे बहुत खुशी है कि आपको हन्सफ़ोर्ड में हमारे दोस्तों से इतनी अच्छी बातें सुनने को मिलीं। कृपया सर विलियम और मारिया के साथ उनसे मिलने जाइए। मुझे यकीन है कि आपको वहाँ बहुत अच्छा लगेगा।—आपका, इत्यादि।

इस पत्र से एलिज़ाबेथ को कुछ तकलीफ़ हुई; लेकिन जैसे ही उसने सोचा कि जेन अब कम से कम बहन के हाथों धोखा नहीं खाएगी, उसका मनोबल फिर से बढ़ गया। भाई से अब सारी उम्मीदें पूरी तरह खत्म हो चुकी थीं। वह अब उसकी ओर से दोबारा ध्यान देने की कामना भी नहीं करती थी। उसके चरित्र की हर बार समीक्षा करने पर वह और भी गिरता जा रहा था; और उसे सज़ा देने के साथ-साथ जेन के लिए एक संभावित लाभ के रूप में, वह दिल से उम्मीद करती थी कि वह जल्द ही मिस्टर डार्सी की बहन से शादी कर ले, क्योंकि विकहम के अनुसार, वह उसे अपने खोए हुए जीवन पर बहुत पछतावा करवाएगी।

इसी समय श्रीमती गार्डिनर ने एलिज़ाबेथ को उस सज्जन के बारे में किए गए अपने वादे की याद दिलाई और जानकारी मांगी; और एलिज़ाबेथ के पास ऐसी जानकारी थी जो उसकी चाची को उससे ज़्यादा संतुष्टि दे सकती थी जितनी उसे खुद। उसका दिखावटी पक्षपात कम हो गया था, उसका ध्यान अब उस ओर नहीं था, वह किसी और का प्रशंसक था। एलिज़ाबेथ इतनी सतर्क थी कि वह सब कुछ देख सकती थी, लेकिन वह बिना किसी खास तकलीफ के इसे देख और लिख सकती थी। उसका दिल बस थोड़ा सा ही छू पाया था, और उसका घमंड इस बात से संतुष्ट था कि अगर किस्मत ने साथ दिया होता तो वह उसकी एकमात्र पसंद होती। दस हज़ार पाउंड का अचानक हासिल होना उस युवती का सबसे उल्लेखनीय आकर्षण था जिसके प्रति वह अब अपना आकर्षण दिखा रहा था; लेकिन एलिज़ाबेथ, शायद इस मामले में शार्लोट की तुलना में कम दूरदर्शी थी, उसने उसकी स्वतंत्रता की इच्छा पर उससे झगड़ा नहीं किया। इसके विपरीत, इससे ज़्यादा स्वाभाविक कुछ नहीं हो सकता था; और हालांकि वह यह मान सकती थी कि उसे उसे छोड़ने में कुछ संघर्ष करना पड़ा होगा, वह इसे दोनों के लिए एक समझदारी भरा और वांछनीय कदम मानने को तैयार थी, और पूरी ईमानदारी से उसकी खुशी की कामना कर सकती थी।

यह सब श्रीमती गार्डिनर को बताया गया; और सारी बातें बताने के बाद उन्होंने आगे कहा: "अब मुझे यकीन हो गया है, मेरी प्यारी चाची, कि मैंने कभी किसी से सच्चा प्यार नहीं किया; क्योंकि अगर मैंने सचमुच उस शुद्ध और उदात्त प्रेम का अनुभव किया होता, तो मैं इस समय उसके नाम से ही नफरत करती और उसका बुरा चाहती। लेकिन उसके प्रति मेरी भावनाएँ न केवल सौहार्दपूर्ण हैं, बल्कि मिस किंग के प्रति भी निष्पक्ष हैं। मुझे ऐसा कुछ नहीं दिखता कि मैं उससे नफरत करती हूँ, या उसे एक अच्छी लड़की मानने में ज़रा भी हिचकिचाती हूँ। इसमें प्यार का कोई नामोनिशान नहीं है। मेरी सतर्कता कारगर साबित हुई है; और यद्यपि अगर मैं उससे बेइंतहा प्यार करती, तो मैं अपने सभी परिचितों के लिए निश्चित रूप से अधिक दिलचस्प होती, फिर भी मैं अपनी तुलनात्मक तुच्छता पर अफसोस नहीं जता सकती। महत्व कभी-कभी बहुत महंगा पड़ता है। किटी और लिडिया को उसके इस व्यवहार से मुझसे कहीं ज़्यादा दुख हुआ है। वे दुनियादारी में अभी अनुभवहीन हैं, और इस कड़वी सच्चाई को अभी तक स्वीकार नहीं कर पाई हैं कि सुंदर युवकों को भी आम लोगों की तरह जीने के लिए कुछ न कुछ चाहिए होता है।"

अध्याय 4

लॉन्गबोर्न परिवार में इन घटनाओं के अलावा कोई बड़ी बात नहीं हुई, और मेरिटन की सैर के अलावा, जो कभी गंदी तो कभी ठंडी होती थी, जनवरी और फरवरी के महीने इसी तरह बीत गए। मार्च में एलिज़ाबेथ को हन्सफोर्ड जाना था। उसने पहले तो वहाँ जाने के बारे में गंभीरता से नहीं सोचा था; लेकिन उसे जल्द ही पता चला कि शार्लोट इस योजना पर निर्भर थी और धीरे-धीरे उसने खुद भी इस पर अधिक खुशी और निश्चितता के साथ विचार करना शुरू कर दिया। अनुपस्थिति ने शार्लोट को फिर से देखने की उसकी इच्छा को बढ़ा दिया था और मिस्टर कॉलिन्स के प्रति उसकी घृणा को कम कर दिया था। योजना में कुछ नयापन था, और ऐसी माँ और ऐसी असामंजस्यपूर्ण बहनों के साथ घर दोषरहित नहीं हो सकता था, इसलिए थोड़ा बदलाव अपने आप में बुरा नहीं था। यात्रा से उसे जेन की एक झलक भी मिल जाएगी; और संक्षेप में, जैसे-जैसे समय नजदीक आता, उसे किसी भी देरी का बहुत अफसोस होता। हालाँकि, सब कुछ सुचारू रूप से चलता रहा, और अंततः शार्लोट की पहली योजना के अनुसार तय हो गया। उसे सर विलियम और उनकी दूसरी बेटी के साथ जाना था। समय रहते लंदन में एक रात बिताने का विचार जोड़ा गया, और योजना पूरी तरह से सफल हो गई।

उसे बस अपने पिता को छोड़कर जाने का दुख था, जो निश्चित रूप से उसे याद करेंगे, और जो, जब जाने का समय आया, तो उसे इतना नापसंद करते थे कि उन्होंने उसे पत्र लिखने के लिए कहा, और लगभग उसके पत्र का जवाब देने का वादा भी किया।

एलिजाबेथ और मिस्टर विकहम के बीच विदाई पूरी तरह से सौहार्दपूर्ण थी; मिस्टर विकहम की ओर से तो और भी अधिक। उनकी वर्तमान व्यस्तता उन्हें यह भुला नहीं पा रही थी कि एलिजाबेथ ही वह पहली थीं जिन्होंने उनका ध्यान आकर्षित किया और उनकी नज़रों में जगह बनाई, पहली जिन्होंने उनकी बात सुनी और उन पर दया दिखाई, पहली जिन्होंने उनकी प्रशंसा की; और जिस तरह से उन्होंने एलिजाबेथ को विदाई दी, उन्हें हर सुख की कामना की, उन्हें लेडी कैथरीन डी बोर्ग से मिलने वाली उम्मीदों की याद दिलाई, और भरोसा जताया कि उनके बारे में उनकी राय - हर किसी के बारे में उनकी राय - हमेशा एक जैसी रहेगी, उसमें एक चिंता और एक रुचि थी जिसने एलिजाबेथ को यह विश्वास दिलाया कि वह हमेशा के लिए उनसे अत्यंत सच्चे भाव से जुड़ी रहेंगी; और एलिजाबेथ इस विश्वास के साथ उनसे विदा हुईं कि चाहे विवाहित हों या अविवाहित, वह हमेशा उनके लिए एक आदर्श और मनभावन व्यक्ति रहेंगे।

अगले दिन उसके सहयात्री ऐसे नहीं थे कि एलिज़ाबेथ को सर विलियम लुकास कम आकर्षक लगे। सर विलियम लुकास और उनकी बेटी मारिया, जो हंसमुख तो थी, लेकिन सर विलियम की ही तरह नासमझ थी, के पास सुनने लायक कुछ भी नहीं था और उन्हें सुनना उतना ही नीरस था जितना गाड़ी की खड़खड़ाहट। एलिज़ाबेथ को बेतुकी बातें पसंद थीं, लेकिन सर विलियम की बेतुकी बातों से वह बहुत परिचित थी। वह उसे

अपनी शान-शौकत और शूरवीरता के बारे में कुछ भी नया नहीं बता सकते थे; और उनकी शिष्टता भी उनकी जानकारी की तरह घिसी-पिटी हो चुकी थी।
यह मात्र चौबीस मील की यात्रा थी, और उन्होंने इतनी जल्दी यात्रा शुरू की कि दोपहर तक वे ग्रेसचर्च स्ट्रीट पहुँच गए। जब वे मिस्टर गार्डिनर के घर के दरवाजे की ओर जा रहे थे, तो जेन ड्राइंग रूम की खिड़की पर उनके आने का इंतज़ार कर रही थी; जब वे गलियारे में दाखिल हुए तो वह उनका स्वागत करने के लिए वहीं मौजूद थी, और एलिज़ाबेथ ने उत्सुकता से उसके चेहरे को देखा और उसे हमेशा की तरह स्वस्थ और सुंदर देखकर प्रसन्न हुई। सीढ़ियों पर छोटे-छोटे लड़के-लड़कियों का एक समूह था, जो अपनी चचेरी बहन के आने की उत्सुकता में ड्राइंग रूम में इंतज़ार नहीं कर पा रहे थे, और बारह महीने से उसे न देखने के कारण शर्म से नीचे नहीं आ पा रहे थे। चारों ओर खुशी और स्नेह का माहौल था। दिन बहुत सुखद ढंग से बीता; सुबह चहल-पहल और खरीदारी में बीती, और शाम किसी थिएटर में गुज़री।
एलिज़ाबेथ किसी तरह अपनी चाची के पास बैठ गई। उनका पहला उद्देश्य अपनी बहन से बात करना था; और अपनी छोटी-छोटी पूछताछ के जवाब में यह सुनकर उसे आश्चर्य से ज़्यादा दुख हुआ कि जेन हमेशा अपने मनोबल को बनाए रखने की कोशिश करती है, फिर भी कभी-कभी वह उदास हो जाती है। हालाँकि, यह उम्मीद करना स्वाभाविक था कि यह उदासी ज़्यादा देर तक नहीं रहेगी। श्रीमती गार्डिनर ने उसे ग्रेसचर्च स्ट्रीट में मिस बिंगले की मुलाक़ात का विवरण भी दिया, और जेन और खुद के बीच अलग-अलग समय पर हुई बातचीत को दोहराया, जिससे यह साबित हुआ कि जेन ने दिल से उनसे जान-पहचान तोड़ ली थी।
इसके बाद श्रीमती गार्डिनर ने विकहम के भाग जाने पर अपनी भतीजी को सांत्वना दी और इस स्थिति को इतनी अच्छी तरह से सहन करने के लिए उसकी प्रशंसा की।
"लेकिन मेरी प्यारी एलिजाबेथ," उसने आगे कहा, "मिस किंग किस तरह की लड़की है? मुझे यह सोचकर दुख होगा कि हमारी दोस्त लालची है।"
"मेरी प्यारी चाची, वैवाहिक मामलों में स्वार्थ और विवेकपूर्ण इरादे में क्या अंतर होता है? विवेक कहाँ समाप्त होता है और लालच कहाँ से शुरू होता है? पिछले क्रिसमस पर आप उसकी मुझसे शादी करने से डर रही थीं, क्योंकि यह नासमझी होगी; और अब, क्योंकि वह केवल दस हजार पाउंड में एक लड़की को पटाने की कोशिश कर रहा है, आप यह पता लगाना चाहती हैं कि वह स्वार्थी है।"
"अगर आप मुझे सिर्फ इतना बता दें कि मिस किंग किस तरह की लड़की हैं, तो मुझे पता चल जाएगा कि मुझे क्या सोचना चाहिए।"
"मुझे लगता है कि वह बहुत अच्छी लड़की है। मुझे उसके बारे में कोई बुरी बात नहीं पता।"
"लेकिन उसने उसके दादा की मृत्यु तक उस पर जरा भी ध्यान नहीं दिया, जिसके बाद वह इस संपत्ति की मालकिन बन गई।"

"नहीं—उसे क्या करना चाहिए? अगर मेरे पास पैसे न होने के कारण उसे मेरा स्नेह प्राप्त करना जायज़ नहीं था, तो फिर उस लड़की के साथ प्रेम करने का क्या कारण हो सकता है जिसकी उसे परवाह ही नहीं है और जो उतनी ही गरीब है?"
"लेकिन इस घटना के तुरंत बाद उसकी ओर ध्यान देना कुछ अशोभनीय प्रतीत होता है।"
"मुश्किल हालात में फंसे व्यक्ति के पास उन सभी शिष्टाचारों के लिए समय नहीं होता जिनका पालन दूसरे लोग करते हैं। अगर उसे इस पर कोई आपत्ति नहीं है, तो हमें क्यों होनी चाहिए?"
"उसका विरोध न करना उसे सही नहीं ठहराता। यह केवल यह दर्शाता है कि उसमें स्वयं किसी चीज की कमी है—समझ या भावना की कमी।"
"ठीक है," एलिजाबेथ चिल्लाई, "जैसा तुम चाहो वैसा करो। वह लालची होगा और वह मूर्ख होगी।"
"नहीं, लिज़ी, मैं ऐसा नहीं चुनता। मुझे अफ़सोस होगा, अगर मैं उस नौजवान के बारे में बुरा सोचूँ जो इतने लंबे समय से डर्बीशायर में रह रहा है।"
ओह! अगर बस इतना ही है, तो डर्बीशायर में रहने वाले नौजवानों के बारे में मेरी राय बहुत खराब है; और हर्टफोर्डशायर में रहने वाले उनके करीबी दोस्त भी कुछ खास अच्छे नहीं हैं। मैं उन सबसे तंग आ चुकी हूँ। भगवान का शुक्र है! मैं कल जा रही हूँ जहाँ मुझे एक ऐसा आदमी मिलेगा जिसमें एक भी अच्छी बात नहीं है, जिसमें न तो शिष्टाचार है और न ही अक्ल। आखिर बेवकूफ लोग ही जानने लायक होते हैं।
"ध्यान रखना, लिज़ी; उस भाषण में निराशा की झलक साफ झलकती है।"
नाटक के समापन से पहले जब वे अलग हुए, उससे पहले ही उसे अपने चाचा और चाची द्वारा गर्मियों में प्रस्तावित एक मनोरंजक यात्रा पर साथ जाने का अप्रत्याशित निमंत्रण मिला, जिससे उसे अप्रत्याशित खुशी मिली।
श्रीमती गार्डिनर ने कहा, "हमने अभी तक यह निर्धारित नहीं किया है कि यह हमें कितनी दूर तक ले जाएगा, लेकिन शायद झीलों तक।"
एलिज़ाबेथ को इससे बेहतर कोई योजना नहीं मिल सकती थी, और उसने निमंत्रण को बड़ी खुशी और कृतज्ञता के साथ स्वीकार किया। "ओह, मेरी प्यारी चाची," वह उत्साह से बोली, "कितना आनंद! कितनी खुशी! आपने मुझे नया जीवन और स्फूर्ति दी है। निराशा और उदासी को अलविदा। चट्टानों और पहाड़ों के सामने नौजवान क्या हैं? ओह! हम कितने आनंदमय घंटे बिताएंगे! और जब हम लौटेंगे, तो दूसरे यात्रियों की तरह नहीं होंगे, जो किसी भी चीज़ का सटीक वर्णन नहीं कर पाते। हम जानेंगे कि हम कहाँ गए थे - हमें याद रहेगा कि हमने क्या देखा। झीलें, पहाड़ और नदियाँ हमारी कल्पनाओं में आपस में नहीं मिलेंगी; और जब हम किसी विशेष दृश्य का वर्णन करने का प्रयास करेंगे, तो हम उसकी सापेक्ष स्थिति पर झगड़ा नहीं करेंगे। हमारी पहली अभिव्यक्तियाँ आम यात्रियों की तुलना में कम असहनीय हों।"

अध्याय 5

अगले दिन की यात्रा में हर वस्तु एलिजाबेथ के लिए नई और रोचक थी; और उसका मन आनंद से भरा हुआ था; क्योंकि उसने अपनी बहन को इतना स्वस्थ देखा था कि उसके स्वास्थ्य को लेकर कोई भी डर दूर हो गया था, और उसकी उत्तरी यात्रा की संभावना उसके लिए निरंतर खुशी का स्रोत थी।

जब वे मुख्य सड़क छोड़कर हन्सफोर्ड जाने वाली गली में मुड़े, तो सबकी निगाहें पादरी के घर पर टिकी थीं, और हर मोड़ पर उसे देखने की उम्मीद थी। एक तरफ़ रोज़िंग्स पार्क की बाड़ उनकी सीमा थी। एलिज़ाबेथ को वहाँ के निवासियों के बारे में सुनी हुई सारी बातें याद करके मुस्कान आ गई।

अंततः पादरी का घर दिखाई देने लगा। सड़क की ओर ढलान वाला बगीचा, उसमें बना घर, हरी बाड़ और लॉरेल की झाड़ी, सब कुछ बता रहा था कि वे पहुँच गए हैं। श्री कॉलिन्स और शार्लोट दरवाजे पर आए और गाड़ी छोटे से गेट पर रुक गई, जो एक छोटी सी बजरी वाली पगडंडी से होते हुए घर तक जाता था। सभी ने सिर हिलाकर और मुस्कुराकर उनका स्वागत किया। पल भर में वे सभी गाड़ी से बाहर आ गए और एक-दूसरे को देखकर प्रसन्न हो उठे। श्रीमती कॉलिन्स ने अपने मित्र का अत्यंत हर्षोल्लास से स्वागत किया और एलिजाबेथ को इतना स्नेहपूर्ण स्वागत देखकर और भी संतुष्टि हुई। उसने तुरंत देखा कि उसके चचेरे भाई के व्यवहार में विवाह के बाद कोई बदलाव नहीं आया था; उनका औपचारिक शिष्टाचार पहले जैसा ही था, और उन्होंने उसके परिवार के बारे में पूछताछ करने और अपनी शंकाओं को दूर करने के लिए उसे कुछ मिनटों तक गेट पर रोक लिया। फिर, प्रवेश द्वार की सुंदरता की ओर इशारा करने के अलावा, उन्हें बिना किसी और देरी के घर के भीतर ले जाया गया; और जैसे ही वे बैठक कक्ष में पहुंचे, उन्होंने दिखावटी औपचारिकता के साथ अपने साधारण से घर में उनका दूसरी बार स्वागत किया और अपनी पत्नी द्वारा जलपान के लिए दिए गए सभी प्रस्तावों को ठीक समय पर दोहराया।

एलिज़ाबेथ उन्हें उनकी पूरी शान में देखने के लिए तैयार थी; और वह यह सोचे बिना नहीं रह सकी कि कमरे के अच्छे अनुपात, उसकी बनावट और उसके फर्नीचर को दिखाते हुए, वह विशेष रूप से उसे संबोधित कर रहे थे, मानो उसे यह एहसास दिलाना चाहते हों कि उन्हें मना करके उन्होंने क्या खोया है। लेकिन यद्यपि सब कुछ साफ-सुथरा और आरामदायक लग रहा था, फिर भी वह पश्चाताप की कोई आह भरकर उन्हें संतुष्ट नहीं कर सकीं, बल्कि अपनी सहेली को आश्चर्य से देखती रहीं कि ऐसे साथी के साथ वह इतनी खुशमिजाज कैसे रह सकती हैं। जब मिस्टर कॉलिन्स कुछ ऐसा कहते जिससे उनकी पत्नी को शर्मिंदगी महसूस हो सकती थी, जो अक्सर होता था, तो वह अनजाने में ही शार्लोट की ओर देख लेती थीं। एक-दो बार उन्हें उनके चेहरे पर हल्की सी शर्मिंदगी दिखाई दी; लेकिन आमतौर पर शार्लोट ने समझदारी से ध्यान नहीं दिया। कमरे में रखे हर फर्नीचर, साइडबोर्ड से लेकर फेंडर तक, की प्रशंसा करने के लिए काफी देर बैठने के बाद, अपनी यात्रा और लंदन में हुई सभी घटनाओं का ब्यौरा देने के बाद, मिस्टर कॉलिन्स ने उन्हें बगीचे में टहलने के लिए

आमंत्रित किया, जो बड़ा और सुव्यवस्थित था, और जिसकी देखभाल वह स्वयं करते थे। इस बगीचे में काम करना उनके सबसे प्रिय सुखों में से एक था; और एलिजाबेथ उस आत्मविश्वास से भरे चेहरे की प्रशंसा करती थीं जिससे शार्लोट इस व्यायाम के स्वास्थ्यवर्धक होने के बारे में बात करती थीं, और स्वीकार करती थीं कि वह इसे यथासंभव प्रोत्साहित करती थीं। यहाँ, हर रास्ते और चौराहों से आगे-आगे चलते हुए, और उन्हें प्रशंसा करने का शायद ही कोई समय देते हुए, हर दृश्य को इतनी बारीकी से दर्शाते थे कि सुंदरता का कोई महत्व ही नहीं रह जाता था। वह हर दिशा में खेतों की गिनती कर सकते थे, और बता सकते थे कि सबसे दूर के पेड़ों के झुंड में कितने पेड़ हैं। लेकिन उनके बगीचे या देश या राज्य के जितने भी दृश्य थे, उनमें से कोई भी उनके घर के ठीक सामने पार्क की सीमा से लगे पेड़ों के बीच से दिखने वाले रोज़िंग्स के दृश्य की तुलना में नहीं था। यह एक सुंदर आधुनिक इमारत थी, जो ऊँची ज़मीन पर अच्छी तरह से स्थित थी।

श्री कॉलिन्स अपने बगीचे से उन्हें अपने दोनों मैदानों का भ्रमण कराने ले जाना चाहते थे; लेकिन महिलाओं के पास बर्फीली ठंड से बचने के लिए जूते न होने के कारण वे वापस लौट आईं; और जब सर विलियम उनके साथ गए, तो शार्लोट अपनी बहन और सहेली को घर दिखाने ले गईं, शायद अपने पति की मदद के बिना घर दिखाने का अवसर पाकर वे बेहद प्रसन्न थीं। घर छोटा था, लेकिन अच्छी तरह से बना हुआ और सुविधाजनक था; और हर चीज़ को इतनी सफ़ाई और व्यवस्थित ढंग से सजाया गया था कि एलिज़ाबेथ ने इसका पूरा श्रेय शार्लोट को दिया। जब श्री कॉलिन्स को भुला दिया जाता था, तो वास्तव में पूरे घर में एक बड़ा सुकून का माहौल होता था, और शार्लोट की इस सुख-सुविधा को देखकर एलिज़ाबेथ को लगा कि उन्हें अक्सर भुला दिया जाता होगा।

उन्हें पहले ही पता चल चुका था कि लेडी कैथरीन अभी भी गांव में हैं। खाने के दौरान इस बात पर फिर चर्चा हुई, तभी मिस्टर कॉलिन्स ने भी बातचीत में शामिल होते हुए कहा:

जी हां, मिस एलिजाबेथ, आपको आगामी रविवार को चर्च में लेडी कैथरीन डी बोर्ग से मिलने का सौभाग्य प्राप्त होगा, और मुझे यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि आप उनसे मिलकर प्रसन्न होंगी। वे अत्यंत मिलनसार और विनम्र स्वभाव की हैं, और मुझे पूरा विश्वास है कि प्रार्थना समाप्त होने के बाद वे आपको भी विशेष रूप से आमंत्रित करेंगी। मुझे यह कहने में कोई संकोच नहीं है कि आपके यहां रहने के दौरान वे हमें जो भी निमंत्रण देंगी, उनमें आपको और मेरी बहन मारिया को अवश्य शामिल करेंगी। मेरी प्यारी शार्लोट के प्रति उनका व्यवहार अत्यंत सुखद है। हम हर हफ्ते दो बार रोज़िंग्स में भोजन करते हैं, और हमें कभी भी पैदल घर जाने की अनुमति नहीं है। उनके द्वारा हमारे लिए नियमित रूप से उनकी गाड़ी मंगवाई जाती है। बल्कि, मुझे कहना चाहिए कि उनकी अपनी गाड़ियों में से एक, क्योंकि उनके पास कई गाड़ियां हैं।

"लेडी कैथरीन वास्तव में एक बहुत ही सम्मानित और समझदार महिला हैं," शार्लोट ने आगे कहा, "और एक बहुत ही ध्यान रखने वाली पड़ोसी हैं।"

"बिल्कुल सही कहा, मेरी प्यारी, मैं भी यही कहती हूँ। वह उस तरह की महिला है जिसके प्रति बहुत अधिक सम्मान का भाव नहीं रखना चाहिए।"

शाम का अधिकांश समय हर्टफोर्डशायर की खबरों पर चर्चा करने और पहले से लिखी गई बातों को दोहराने में बीता; और जब यह समाप्त हुई, तो एलिजाबेथ ने अपने कमरे की एकांत में शार्लोट की संतुष्टि के स्तर पर विचार किया, उनके मार्गदर्शन में उनकी कुशलता और पति के साथ उनके व्यवहार में उनकी सहजता को समझा, और स्वीकार किया कि यह सब बहुत अच्छे से हुआ था। उन्हें यह भी अनुमान लगाना था कि उनकी यात्रा कैसी रहेगी, उनके सामान्य कामों का शांत माहौल, मिस्टर कॉलिन्स की परेशान करने वाली रुकावटें, और रोज़िंग्स के साथ उनकी बातचीत की खुशियाँ। एक जीवंत कल्पना ने जल्द ही इन सभी बातों को स्पष्ट कर दिया।

अगले दिन दोपहर के आसपास, जब वह अपने कमरे में टहलने जाने की तैयारी कर रही थी, तभी नीचे से अचानक एक शोर आया जिससे पूरा घर व्याकुल हो उठा; और एक पल सुनने के बाद, उसने किसी को बहुत तेज़ी से ऊपर भागते हुए और ज़ोर-ज़ोर से उसे पुकारते हुए सुना। उसने दरवाज़ा खोला और सीढ़ियों पर मारिया से मिली, जो घबराहट से हांफते हुए चिल्लाई—

"ओह, मेरी प्यारी एलिज़ा! जल्दी करो और भोजन कक्ष में आओ, क्योंकि यहाँ एक अद्भुत दृश्य देखने को मिलेगा! मैं तुम्हें यह नहीं बताऊँगी कि वह क्या है। जल्दी करो और इसी क्षण नीचे आओ।"

एलिजाबेथ ने व्यर्थ ही सवाल पूछे; मारिया ने उसे और कुछ नहीं बताया, और वे इस रहस्य की तलाश में दौड़कर भोजन कक्ष में गईं, जो गली के सामने था; वहाँ बगीचे के द्वार पर एक छोटी सी गाड़ी में दो महिलाएं रुकी हुई थीं।

"बस इतना ही?" एलिजाबेथ चिल्लाई। "मुझे कम से कम यह उम्मीद थी कि सूअरों को बगीचे में ले जाया गया होगा, और यहाँ तो लेडी कैथरीन और उनकी बेटी के अलावा कुछ भी नहीं है।"

"अरे! मेरी प्यारी," मारिया ने गलती पर चौंकते हुए कहा, "यह लेडी कैथरीन नहीं हैं। ये बुढ़िया मिसेज जेनकिंसन हैं, जो उनके साथ रहती हैं; दूसरी मिस डी बोर्ग हैं। ज़रा इन्हें देखिए। ये तो बिल्कुल छोटी सी हैं। किसने सोचा होगा कि ये इतनी पतली और छोटी हो सकती हैं?"

"शार्लेट को इतनी तेज हवा में बाहर रखना उसकी घोर बदतमीजी है। वह अंदर क्यों नहीं आ जाती?"

"ओह, शार्लोट कहती है कि वह ऐसा शायद ही कभी करती है। मिस डी बोर्ग का आना हमारे लिए बहुत बड़ा उपकार होता है।"

"मुझे उसका रूप-रंग पसंद है," एलिज़ाबेथ ने कुछ और ही सोचते हुए कहा। "वह बीमार और चिड़चिड़ी लग रही है। हाँ, वह उसके लिए बहुत अच्छी रहेगी। वह उसकी एक बहुत ही अच्छी पत्नी बनेगी।"

मिस्टर कॉलिन्स और शार्लोट दोनों द्वार पर महिलाओं से बातचीत कर रहे थे; और एलिजाबेथ के मनोरंजन के लिए, सर विलियम द्वार पर खड़े होकर अपने सामने की महानता का गंभीरता से चिंतन कर रहे थे, और जब भी मिस डी बोर्ग उस तरफ देखतीं तो लगातार झुकते थे।

अंत में कहने के लिए कुछ नहीं बचा; महिलाएं आगे बढ़ गईं और बाकी लोग घर लौट गए। श्री कॉलिन्स ने दोनों लड़कियों को देखते ही उन्हें उनकी अच्छी किस्मत पर बधाई देना शुरू कर दिया, जिसका स्पष्टीकरण शार्लोट ने यह बताकर दिया कि अगले दिन सभी को रोज़िंग्स में रात्रिभोज के लिए आमंत्रित किया गया है।

अध्याय 6

इस निमंत्रण के फलस्वरूप श्री कॉलिन्स की विजय पूर्ण हो गई। अपने आश्चर्यचकित आगंतुकों के समक्ष अपनी संरक्षिका की भव्यता का प्रदर्शन करना और उन्हें अपने और अपनी पत्नी के प्रति उनकी विनम्रता दिखाना, ठीक वही था जो वे चाहते थे; और ऐसा अवसर इतनी जल्दी मिल जाना, लेडी कैथरीन की ऐसी उदारता का उदाहरण था जिसकी वे पर्याप्त प्रशंसा नहीं कर सकते थे।

उन्होंने कहा, "मैं स्वीकार करता हूँ कि रविवार को महारानी द्वारा हमें रोज़िंग्स में चाय पीने और शाम बिताने के लिए आमंत्रित करने पर मुझे ज़रा भी आश्चर्य नहीं हुआ। उनकी मिलनसारिता के बारे में मेरी जानकारी के कारण मुझे इसकी उम्मीद थी। लेकिन भला कौन इतनी मेहमाननवाज़ी की कल्पना कर सकता था? किसने सोचा होगा कि आपके आगमन के तुरंत बाद हमें वहाँ रात्रिभोज का निमंत्रण मिलेगा (वह भी पूरे दल के लिए)!"

सर विलियम ने उत्तर दिया, "जो कुछ हुआ है, उस पर मुझे कम आश्चर्य हुआ है, क्योंकि मुझे अपने जीवन की स्थिति के कारण उच्च वर्ग के शिष्टाचार का वास्तविक ज्ञान प्राप्त हो चुका है। दरबार में इस तरह के सुरुचिपूर्ण व्यवहार के उदाहरण असामान्य नहीं हैं।"

पूरे दिन और अगली सुबह भी रोज़िंग्स की यात्रा के अलावा शायद ही किसी और बात की चर्चा हुई। श्री कॉलिन्स उन्हें सावधानीपूर्वक समझा रहे थे कि उन्हें क्या उम्मीद करनी चाहिए, ताकि इतने बड़े कमरे, इतने सारे नौकर और इतना शानदार भोजन देखकर वे पूरी तरह से अभिभूत न हो जाएं।

जब महिलाएं श्रृंगार के लिए अलग हो रही थीं, तब उसने एलिजाबेथ से कहा—

"मेरी प्यारी चचेरी बहन, अपने पहनावे को लेकर परेशान मत हो। लेडी कैथरीन हमसे उस तरह की शालीन पोशाक की अपेक्षा नहीं करतीं जो उन्हें और उनकी बेटी को शोभा देती है। मेरी सलाह है कि आप अपने कपड़ों में से जो भी सबसे अच्छा लगे, वही पहन लें—इससे अधिक की कोई आवश्यकता नहीं है। लेडी कैथरीन आपको साधारण कपड़े पहनने के लिए बुरा नहीं मानेंगी। उन्हें सामाजिक प्रतिष्ठा बनाए रखना पसंद है।"

जब वे कपड़े पहन रही थीं, तो वह दो-तीन बार उनके अलग-अलग दरवाजों पर आया और उन्हें जल्दी करने की सलाह दी, क्योंकि लेडी कैथरीन को अपने भोजन के लिए इंतज़ार करना बिल्कुल पसंद नहीं था। लेडी कैथरीन और उनके रहन-सहन के बारे में ऐसी डरावनी बातें सुनकर मारिया लुकास, जिसे लोगों के बीच रहने की ज़्यादा आदत नहीं थी, बहुत डर गई और वह रोज़िंग्स में अपने परिचय को लेकर उतनी ही चिंतित थी जितनी उसके पिता सेंट जेम्स में अपने परिचय को लेकर थे।

मौसम सुहावना था, इसलिए उन्होंने पार्क में लगभग आधा मील की सुखद सैर की। हर पार्क की अपनी सुंदरता और नज़ारे होते हैं; और एलिज़ाबेथ को भी बहुत कुछ पसंद आया, हालाँकि वह उतनी प्रसन्न नहीं हो

सकीं जितनी श्री कॉलिन्स को उस दृश्य से होने की उम्मीद थी, और घर के सामने की खिड़कियों की उनकी गिनती और सर लुईस डी बोर्ग द्वारा उन पर लगाए गए शीशों की कुल लागत के बारे में सुनकर वह थोड़ी ही प्रभावित हुईं।

जब वे हॉल की सीढ़ियों पर चढ़े, तो मारिया की घबराहट पल-पल बढ़ती जा रही थी, और सर विलियम भी पूरी तरह शांत नहीं दिख रहे थे। एलिजाबेथ का साहस कम नहीं हुआ। उसने लेडी कैथरीन के बारे में ऐसा कुछ नहीं सुना था जिससे पता चले कि उनमें कोई असाधारण प्रतिभा या चमत्कारी गुण हैं, और उसे लगा कि वह केवल धन या पद की भव्यता को बिना किसी भय के देख सकती है।

प्रवेश कक्ष से, जिसकी खूबसूरती और अलंकरण की श्री कॉलिन्स ने बड़े उत्साह से प्रशंसा की, वे नौकरों के पीछे-पीछे एक छोटे से कमरे से होते हुए उस कमरे में पहुँचे जहाँ लेडी कैथरीन, उनकी बेटी और श्रीमती जेनकिंसन बैठी थीं। लेडी कैथरीन ने बड़े ही विनम्रता से उनका स्वागत करने के लिए उठ खड़ी हुईं; और चूंकि श्रीमती कॉलिन्स ने अपने पति से परिचय कराने का कार्य उन्हीं के द्वारा तय किया था, इसलिए उन्होंने इसे उचित ढंग से निभाया, बिना किसी माफी या धन्यवाद के, जैसा कि उनके पति को आवश्यक लगता।

सेंट जेम्स में मौजूद होने के बावजूद, सर विलियम अपने चारों ओर की भव्यता से इतने अभिभूत थे कि उन्होंने बड़ी मुश्किल से झुककर प्रणाम किया और बिना कुछ कहे अपनी सीट पर बैठ गए; और उनकी बेटी, लगभग बेसुध होकर, अपनी कुर्सी के किनारे पर बैठी रही, उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह किधर देखे।

एलिजाबेथ ने खुद को इस दृश्य के अनुकूल पाया और अपने सामने बैठी तीनों महिलाओं को शांत भाव से देखा। लेडी कैथरीन एक लंबी, भारी-भरकम महिला थीं, जिनके चेहरे की बनावट स्पष्ट थी, जो शायद कभी सुंदर रही होंगी। उनका व्यवहार सौहार्दपूर्ण नहीं था, और न ही उनका स्वागत करने का तरीका ऐसा था जिससे उनके आगंतुक अपनी निम्न स्थिति को भूल जाएं। उनकी चुप्पी से वे भयभीत नहीं हुईं; लेकिन उन्होंने जो कुछ भी कहा, वह इतने अधिकारपूर्ण लहजे में बोला कि उनका अहंकार स्पष्ट हो गया और एलिजाबेथ को तुरंत मिस्टर विकहम की याद आ गई; और पूरे दिन के अवलोकन से, एलिजाबेथ को लगा कि लेडी कैथरीन बिल्कुल वैसी ही थीं जैसा विकहम ने उन्हें बताया था।

जब माँ को ध्यान से देखने के बाद, जिनके चेहरे और हाव-भाव में उन्हें श्री डार्सी की कुछ झलक दिखाई दी, उन्होंने बेटी की ओर देखा, तो वह लगभग मारिया की तरह ही उसकी इतनी पतली और छोटी काया को देखकर आश्चर्यचकित रह गईं। दोनों महिलाओं के कद-काठी और चेहरे में कोई समानता नहीं थी। मिस डी बोर्ग पीली और बीमार लग रही थीं; उनके चेहरे के हाव-भाव सादे तो नहीं थे, लेकिन महत्वहीन थे; और वह बहुत कम बोलती थीं, सिवाय धीमी आवाज़ में श्रीमती जेनकिंसन से बात करने के, जिनके रूप-रंग में कुछ भी खास नहीं था, और जो उनकी बातें ध्यान से सुन रही थीं और अपनी आँखों के सामने एक पर्दा लगा रही थीं।

कुछ मिनट बैठने के बाद, उन सभी को नज़ारे की प्रशंसा करने के लिए खिड़कियों में से एक के पास भेज दिया गया, श्री कॉलिन्स ने उनकी सुंदरता को दर्शाते हुए उनका ध्यान रखा, और लेडी कैथरीन ने उन्हें विनम्रतापूर्वक बताया कि गर्मियों में इसे देखना कहीं अधिक बेहतर होता है।

भोज बेहद भव्य था, और श्री कॉलिन्स द्वारा वादा किए गए सभी नौकर और खाने-पीने की सभी सामग्रियाँ मौजूद थीं; और जैसा कि उन्होंने पहले ही बताया था, वे महारानी की इच्छा के अनुसार मेज के सबसे निचले पायदान पर बैठ गए, और ऐसा लग रहा था मानो उन्हें जीवन में इससे अधिक कुछ नहीं मिल सकता। उन्होंने भोजन काटा, खाया और बड़े उत्साह से उसकी प्रशंसा की; और हर व्यंजन की पहले उन्होंने और फिर सर विलियम ने प्रशंसा की, जो अब इतने स्वस्थ हो गए थे कि अपने दामाद की हर बात को दोहरा रहे थे, जिस तरह से एलिजाबेथ को आश्चर्य हुआ कि लेडी कैथरीन इसे कैसे सहन कर सकती हैं। लेकिन लेडी कैथरीन उनकी अत्यधिक प्रशंसा से प्रसन्न प्रतीत हुईं और उन्होंने बड़ी ही प्यारी मुस्कान दी, खासकर जब मेज पर कोई व्यंजन उनके लिए नया साबित हुआ। भोज में ज्यादा बातचीत नहीं हुई। एलिजाबेथ बोलने का मौका मिलते ही बोलने के लिए तैयार थीं, लेकिन वे शार्लोट और मिस डी बोर्ग के बीच बैठी थीं - जिनमें से शार्लोट लेडी कैथरीन की बातें सुनने में मग्न थीं, और मिस डी बोर्ग ने पूरे भोजन के दौरान उनसे एक शब्द भी नहीं कहा। श्रीमती जेनकिंसन मुख्य रूप से इस बात पर नज़र रख रही थीं कि मिस डी बोर्ग कितना कम खा रही हैं, उन्हें कोई और व्यंजन आज़माने के लिए कह रही थीं और उन्हें आशंका थी कि कहीं उनकी तबीयत ठीक न हो। मारिया को लगा कि बोलना तो सवाल ही नहीं उठता, और बाकी सज्जन खाने और प्रशंसा करने के अलावा कुछ नहीं कर रहे थे।

जब महिलाएं ड्राइंग रूम में लौटीं, तो उनके पास करने को कुछ नहीं था सिवाय लेडी कैथरीन की बातें सुनने के। उन्होंने कॉफी आने तक बिना रुके अपनी राय रखी और हर विषय पर इतने दृढ़ ढंग से अपनी राय रखी कि यह साबित हो गया कि उन्हें अपने निर्णयों पर विवाद सहने की आदत नहीं थी। उन्होंने शार्लोट के घरेलू मामलों के बारे में विस्तार से और आत्मीयता से पूछताछ की, उन्हें उन सभी के प्रबंधन के बारे में बहुत सारी सलाह दी; उन्हें बताया कि उनके जैसे छोटे परिवार में सब कुछ कैसे व्यवस्थित होना चाहिए, और उन्हें अपनी गायों और मुर्गियों की देखभाल के बारे में निर्देश दिए। एलिजाबेथ ने पाया कि इस महान महिला के लिए कोई भी बात छोटी नहीं थी, जिससे उन्हें दूसरों को सलाह देने का मौका मिल सके। श्रीमती कॉलिन्स के साथ अपनी बातचीत के बीच-बीच में, उन्होंने मारिया और एलिजाबेथ से, विशेष रूप से एलिजाबेथ से, कई सवाल पूछे, जिनके संबंध के बारे में उन्हें सबसे कम जानकारी थी, और जिनके बारे में उन्होंने श्रीमती कॉलिन्स से कहा था कि वह बहुत ही सभ्य और प्यारी लड़की हैं। उसने बारी-बारी से उससे पूछा कि उसकी कितनी बहनें हैं, क्या वे उससे बड़ी हैं या छोटी, क्या उनमें से किसी की शादी होने की संभावना है, क्या वे सुंदर हैं, उनकी शिक्षा कहाँ से हुई है, उसके पिता कौन सी गाड़ी रखते हैं, और उसकी माँ का मायके का नाम क्या था? एलिजाबेथ को उसके सवालों की धृष्टता का एहसास हुआ, लेकिन उसने बहुत संयम से उनका जवाब दिया। फिर लेडी कैथरीन ने टिप्पणी की,

"मुझे लगता है कि आपके पिता की संपत्ति श्री कॉलिन्स के नाम पर है। आपके भले के लिए," शार्लोट की ओर मुड़ते हुए, "मुझे इस बात की खुशी है; लेकिन इसके अलावा मुझे महिला वंश से संपत्ति विरासत में देने का

कोई कारण नहीं दिखता। सर लुईस डी बोर्ग के परिवार में इसे आवश्यक नहीं समझा गया था। क्या आप गाती-बजाती हैं, मिस बेनेट?"
"थोड़ा।"
"ओह! तो—कभी न कभी हमें आपको सुनने की खुशी होगी। हमारा वाद्य यंत्र उत्कृष्ट है, शायद सबसे श्रेष्ठ ——आप इसे कभी जरूर आजमाएं। क्या आपकी बहनें भी वाद्य यंत्र बजाती और गाती हैं?"
"उनमें से एक करता है।"
"तुम सबने क्यों नहीं सीखा? तुम सबको सीखना चाहिए था। मिस वेब्स की सभी बेटियाँ खेलती हैं, और उनके पिता की आमदनी तुम्हारे पिता जितनी अच्छी नहीं है। क्या तुम चित्रकारी करते हो?"
"नहीं बिलकुल नहीं।"
"क्या, आप में से कोई नहीं?"
एक भी नहीं।
"यह तो बहुत अजीब बात है। लेकिन मुझे लगता है कि आपको मौका ही नहीं मिला। आपकी माँ को हर वसंत ऋतु में आपको शहर ले जाना चाहिए था ताकि आप वहां के कारीगरों से मिल सकें।"
"मेरी मां को कोई आपत्ति नहीं होती, लेकिन मेरे पिता को लंदन से नफरत है।"
"क्या आपकी देखभाल करने वाली आपको छोड़कर चली गई है?"
"हमारे यहाँ कभी कोई शिक्षिका नहीं थी।"
"कोई गवर्नेस नहीं! यह कैसे संभव था? पाँच बेटियाँ बिना गवर्नेस के घर पर पली-बढ़ीं! मैंने ऐसा कभी नहीं सुना। तुम्हारी माँ तुम्हारी शिक्षा के लिए सचमुच बहुत मेहनत करती रही होगी।"
एलिजाबेथ मुस्कुराए बिना नहीं रह सकीं जब उन्होंने उन्हें आश्वस्त किया कि ऐसा नहीं था।
"तो फिर तुम्हें किसने पढ़ाया? तुम्हारी देखभाल किसने की? बिना किसी शिक्षिका के, तुम्हारी उपेक्षा अवश्य हुई होगी।"
"कुछ परिवारों की तुलना में, मेरा मानना है कि हम थोड़े कम पढ़े-लिखे थे; लेकिन हममें से जो सीखने की इच्छा रखते थे, उन्हें कभी साधनों की कमी नहीं हुई। हमें हमेशा पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाता था, और हमारे पास सभी आवश्यक शिक्षक थे। जो आलसी रहना चाहते थे, वे निश्चित रूप से रह सकते थे।"
"हाँ, बिल्कुल; लेकिन एक गवर्नेस यही तो रोकती है, और अगर मैं आपकी माँ को जानती, तो मैं उन्हें एक गवर्नेस रखने की पुरज़ोर सलाह देती। मैं हमेशा कहती हूँ कि शिक्षा में निरंतर और नियमित मार्गदर्शन के बिना कुछ नहीं किया जा सकता, और यह मार्गदर्शन केवल एक गवर्नेस ही दे सकती है। यह आश्चर्य की बात है कि मैंने कितने परिवारों को इस तरह से मदद की है। मुझे हमेशा किसी युवा को अच्छी नौकरी दिलवाकर खुशी होती है। श्रीमती जेनकिंसन की चार भतीजियाँ मेरी मदद से बहुत अच्छी स्थिति में हैं; और अभी कुछ ही दिन पहले मैंने एक और युवा लड़की की सिफारिश की, जिसका ज़िक्र मुझे संयोग से हुआ था, और परिवार उससे बहुत खुश है। श्रीमती कॉलिन्स, क्या मैंने आपको बताया था कि लेडी मेटकाफ कल मुझे धन्यवाद देने

आई थीं? उन्हें मिस पोप बहुत अच्छी लगीं। उन्होंने कहा, 'लेडी कैथरीन, आपने मुझे एक अनमोल रत्न दिया है।' क्या आपकी कोई छोटी बहन नौकरी कर रही है, मिस बेनेट?"
"जी मैडम, सब ठीक है।"
"सब! क्या, पांचों एक साथ बाहर? बहुत अजीब! और तुम तो दूसरे नंबर पर। बड़ों की शादी से पहले ही छोटे बाहर! तुम्हारी छोटी बहनें तो बहुत छोटी होंगी?"
"जी हां, मेरी सबसे छोटी बहन सोलह साल की नहीं है। शायद वो अभी इतनी छोटी है कि ज्यादा लोगों के साथ समय नहीं बिता सकती। लेकिन सच में, महोदया, मुझे लगता है कि छोटी बहनों के लिए ये बहुत बुरा होगा कि उन्हें समाज और मनोरंजन का हिस्सा न मिले, सिर्फ इसलिए कि बड़ी बहन के पास जल्दी शादी करने के लिए साधन या इच्छा न हो। सबसे छोटी बहन को भी जवानी के सुखों का उतना ही हक है जितना कि सबसे छोटी बहन को। और इस वजह से उसे रोकना! मुझे लगता है कि इससे बहनों के बीच प्यार या समझदारी को बढ़ावा नहीं मिलेगा।"
"सच कहूँ तो, इतनी कम उम्र में आप बहुत ही दृढ़ता से अपनी राय दे रही हैं। कृपया बताइए, आपकी उम्र क्या है?"
"तीन छोटी बहनें बड़ी हो चुकी हैं," एलिजाबेथ ने मुस्कुराते हुए उत्तर दिया, "महामहिम, आप मुझसे यह उम्मीद नहीं कर सकतीं कि मैं इसे स्वीकार करूँगी।"
लेडी कैथरीन को सीधा जवाब न मिलने पर काफी आश्चर्य हुआ; और एलिजाबेथ को संदेह हुआ कि वह पहली ऐसी शख्सियत थी जिसने इतनी गरिमापूर्ण धृष्टता के साथ खिलवाड़ करने का साहस किया था।
"मुझे पूरा यकीन है कि आपकी उम्र बीस साल से अधिक नहीं हो सकती, इसलिए आपको अपनी उम्र छिपाने की जरूरत नहीं है।"
मैं इक्कीस साल का नहीं हूँ।
जब सभी सज्जन उनके साथ शामिल हो गए और चाय समाप्त हो गई, तो ताश की मेजें लगाई गईं। लेडी कैथरीन, सर विलियम और श्रीमान एवं श्रीमती कॉलिन्स क्वाड्रिल खेलने बैठ गए; और चूंकि मिस डी बोर्ग ने कैसिनो खेलना चुना, इसलिए दोनों लड़कियों को श्रीमती जेनकिंसन की टीम बनाने में मदद करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उनकी मेज पर बैठे लोग बेहद ही मूर्खतापूर्ण बातें कर रहे थे। शायद ही कोई शब्द ऐसा बोला गया हो जो खेल से संबंधित न हो, सिवाय इसके कि श्रीमती जेनकिंसन ने मिस डी बोर्ग के बहुत ज़्यादा गर्मी या ठंड लगने, या बहुत ज़्यादा या बहुत कम रोशनी होने की आशंका व्यक्त की। दूसरी मेज पर बहुत कुछ चल रहा था। लेडी कैथरीन आम बोलचाल में व्यस्त थीं—अन्य तीन लोगों की गलतियाँ बता रही थीं, या अपने बारे में कोई किस्सा सुना रही थीं। श्रीमान कॉलिन्स उनकी हर बात से सहमत हो रहे थे, हर जीती हुई मछली के लिए उन्हें धन्यवाद दे रहे थे, और अगर उन्हें लगता था कि उन्होंने बहुत ज़्यादा जीत ली है तो माफ़ी मांग रहे थे। सर विलियम ज़्यादा कुछ नहीं बोले। वे किस्से और प्रतिष्ठित नामों को याद कर रहे थे।

जब लेडी कैथरीन और उनकी बेटी ने अपनी इच्छानुसार खेल लिया, तो मेजें हटा दी गईं और श्रीमती कॉलिन्स को गाड़ी दी गई, जिसे उन्होंने कृतज्ञतापूर्वक स्वीकार कर लिया और तुरंत मंगवा लिया। फिर सभी लोग आग के चारों ओर इकट्ठा हो गए ताकि लेडी कैथरीन अगले दिन के मौसम के बारे में बता सकें। इन निर्देशों के बाद, गाड़ी के आने की सूचना मिली; और श्री कॉलिन्स की ओर से धन्यवाद के कई भाषणों और सर विलियम की ओर से उतने ही प्रणाम के साथ वे रवाना हो गए। जैसे ही गाड़ी दरवाजे से निकली, एलिजाबेथ को उनकी चचेरी बहन ने रोज़िंग्स में देखी गई हर चीज़ के बारे में अपनी राय देने के लिए बुलाया, जिसे उन्होंने शार्लोट के लिए वास्तविकता से कहीं अधिक अच्छा बताया। लेकिन उनकी प्रशंसा, हालांकि इसमें उन्हें कुछ परेशानी हुई, श्री कॉलिन्स को किसी भी तरह से संतुष्ट नहीं कर सकी, और उन्हें जल्द ही स्वयं उनकी प्रशंसा करनी पड़ी।

अध्याय 7

सर विलियम हन्सफोर्ड में केवल एक सप्ताह ही रुके, लेकिन उनका यह दौरा उनकी बेटी के आराम से बस जाने और ऐसे पति और पड़ोसी मिलने के बारे में आश्वस्त होने के लिए पर्याप्त था, जो अक्सर देखने को नहीं मिलते। जब सर विलियम उनके साथ थे, तो मिस्टर कॉलिन्स ने अपनी सुबह उन्हें अपनी गाड़ी में घुमाने और आसपास का इलाका दिखाने में बिताई; लेकिन उनके जाने के बाद, पूरा परिवार अपने-अपने कामों में लौट गया, और एलिजाबेथ को यह देखकर खुशी हुई कि इस बदलाव से उन्हें अपने चचेरे भाई से ज्यादा मिलने का मौका नहीं मिला, क्योंकि नाश्ते और दोपहर के भोजन के बीच का अधिकांश समय अब या तो बगीचे में काम करते हुए या पढ़ने-लिखने में और सड़क के सामने वाले अपने किताबों के कमरे की खिड़की से बाहर देखते हुए बीतता था। जिस कमरे में महिलाएं बैठती थीं, वह उल्टा था। एलिजाबेथ को पहले तो आश्चर्य हुआ कि शार्लोट आम इस्तेमाल के लिए भोजन कक्ष को क्यों नहीं चुनती; वह एक बड़ा कमरा था और देखने में भी ज्यादा अच्छा था; लेकिन जल्द ही उसे समझ आ गया कि उसकी सहेली के ऐसा करने का एक अच्छा कारण था, क्योंकि अगर वे दोनों एक ही जीवंत कमरे में बैठी होतीं, तो मिस्टर कॉलिन्स निस्संदेह अपने कमरे में कम समय बिताते। और उसने इस व्यवस्था का श्रेय शार्लोट को दिया।

ड्राइंग रूम से उन्हें गली में कुछ भी दिखाई नहीं देता था, और वे मिस्टर कॉलिन्स के आभारी थे कि उन्हें पता होता था कि कौन सी गाड़ियाँ आती-जाती हैं, और खासकर मिस डी बोर्ग कितनी बार अपनी छोटी गाड़ी में वहाँ से गुज़रती थीं, जिसकी जानकारी वे उन्हें लगभग हर दिन देते थे। वह अक्सर पादरी के घर पर रुकती थीं और शार्लोट से कुछ मिनट बात करती थीं, लेकिन उन्हें गाड़ी से उतरने के लिए मनाना बहुत मुश्किल था। बहुत कम दिन ऐसे बीतते थे जब श्री कॉलिन्स रोज़िंग्स पैदल न जाते हों, और बहुत कम दिन ऐसे होते थे जब उनकी पत्नी भी जाना ज़रूरी न समझती हों; और जब तक एलिज़ाबेथ को याद नहीं आया कि परिवार की और भी संपत्तियाँ हो सकती हैं जिनका निपटारा करना हो, तब तक वह इतने घंटे के इस त्याग को समझ नहीं पाईं। कभी-कभार उन्हें श्रीमती कॉलिन्स के आने का सौभाग्य प्राप्त होता था, और इन मुलाकातों के दौरान कमरे में होने वाली हर बात उनकी नज़र से नहीं बचती थी। वह उनके कामों की जाँच करतीं, उनके काम को देखतीं और उन्हें अलग तरीके से करने की सलाह देतीं; फर्नीचर की व्यवस्था में कमियाँ निकालतीं; या नौकरानी की लापरवाही पकड़ लेतीं; और अगर वह कोई जलपान स्वीकार करतीं, तो ऐसा लगता था कि वह केवल यह पता लगाने के लिए करती थीं कि श्रीमती कॉलिन्स के मांस के टुकड़े उनके परिवार के लिए बहुत बड़े तो नहीं हैं।

एलिजाबेथ ने जल्द ही महसूस किया कि यद्यपि यह महान महिला काउंटी की शांति समिति में नहीं थी, फिर भी वह अपने पल्ली में एक अत्यंत सक्रिय मजिस्ट्रेट थी, जिसके छोटे से छोटे मामले श्री कॉलिन्स द्वारा उन तक पहुंचाए जाते थे; और जब भी कोई भी झोपड़ीवासी झगड़ालू, असंतुष्ट या बहुत गरीब होता था, तो वह

उनके मतभेदों को सुलझाने, उनकी शिकायतों को शांत करने और उन्हें डांट-फटकार कर सद्भाव और समृद्धि की ओर ले जाने के लिए गांव में निकल पड़ती थी।
रोज़िंग्स में भोजन करने का सिलसिला सप्ताह में लगभग दो बार दोहराया जाता था; और सर विलियम के चले जाने और शाम को केवल एक ही कार्ड टेबल होने के कारण, हर बार का भोजन पहले वाले जैसा ही होता था। उनके अन्य कार्यक्रम बहुत कम थे, क्योंकि आस-पड़ोस में जीवन स्तर आम तौर पर श्री कॉलिन्स की पहुँच से बाहर था। हालाँकि, इससे एलिज़ाबेथ को कोई परेशानी नहीं हुई, और कुल मिलाकर उन्होंने अपना समय आराम से बिताया; शार्लोट के साथ आधे घंटे की सुखद बातचीत होती थी, और मौसम साल के उस समय के हिसाब से इतना सुहावना था कि उन्हें अक्सर बाहर घूमने का भरपूर आनंद मिलता था। उनकी पसंदीदा सैरगाह, जहाँ वे अक्सर तब जाती थीं जब बाकी लोग लेडी कैथरीन से मिलने जाते थे, पार्क के उस किनारे पर स्थित खुला बाग था, जहाँ एक सुंदर छायादार रास्ता था, जिसकी कद्र उनके अलावा शायद ही कोई करता था, और जहाँ उन्हें लेडी कैथरीन की जिज्ञासा से दूर रहने का एहसास होता था।
इस शांत तरीके से, उनकी यात्रा के पहले दो सप्ताह जल्दी ही बीत गए। ईस्टर नजदीक आ रहा था, और उससे पहले वाले सप्ताह में रोज़िंग्स परिवार में एक नए सदस्य का आगमन होने वाला था, जो इतने छोटे समूह में निश्चित रूप से महत्वपूर्ण होगा। एलिज़ाबेथ ने अपने आगमन के तुरंत बाद सुना था कि मिस्टर डार्सी कुछ ही हफ्तों में वहाँ आने वाले हैं, और यद्यपि उनके कई परिचित ऐसे नहीं थे जिन्हें वह नापसंद करती थीं, उनके आने से रोज़िंग्स की पार्टियों में एक अपेक्षाकृत नया चेहरा देखने को मिलेगा, और वह यह देखकर आनंदित हो सकती थीं कि मिस बिंगले की उन पर क्या बुरी नज़र थी, उनके अपने चचेरे भाई के प्रति व्यवहार से, जिसके लिए उन्हें लेडी कैथरीन द्वारा स्पष्ट रूप से चुना गया था, जिन्होंने उनके आगमन के बारे में अत्यंत संतुष्टि के साथ बात की, उनकी अत्यधिक प्रशंसा की, और यह जानकर लगभग क्रोधित हुईं कि उन्हें मिस लुकास और उन्होंने पहले ही कई बार देखा था।
उनके आगमन की खबर जल्द ही पार्सनेज में फैल गई; क्योंकि श्री कॉलिन्स सुबह से ही हन्सफोर्ड लेन की ओर खुलने वाले लॉजों के नज़ारे के बीच टहल रहे थे, ताकि उन्हें जल्द से जल्द इसकी पुष्टि हो सके, और जैसे ही गाड़ी पार्क में मुड़ी, उन्होंने अभिवादन किया और बड़ी खुशखबरी लेकर जल्दी से घर चले गए। अगली सुबह वे सम्मान व्यक्त करने के लिए जल्दी से रोज़िंग्स गए। लेडी कैथरीन के दो भतीजे उनसे मिलने आए थे, क्योंकि श्री डार्सी अपने साथ कर्नल फिट्ज़विलियम को लाए थे, जो उनके चाचा लॉर्ड —— के छोटे बेटे थे, और सभी लोगों के लिए बड़े आश्चर्य की बात यह थी कि जब श्री कॉलिन्स लौटे, तो वे दोनों सज्जन उनके साथ थे। शार्लोट ने उन्हें अपने पति के कमरे से सड़क पार करते हुए देखा था, और तुरंत दूसरे भतीजे से मिलकर उसने लड़कियों को बताया कि उन्हें कितना बड़ा सम्मान मिलने वाला है, और आगे कहा:
"एलिज़ा, आपकी इस विनम्रता के लिए मैं आपका धन्यवाद करती हूँ। श्री डार्सी मुझसे मिलने इतनी जल्दी कभी नहीं आते।"

एलिज़ाबेथ को तारीफ पर अपना अधिकार जताने का भी समय नहीं मिला था कि दरवाज़े की घंटी बजने से उनके आने की सूचना मिल गई और कुछ ही देर बाद तीनों सज्जन कमरे में दाखिल हुए। कर्नल फिट्ज़विलियम, जो आगे-आगे चल रहे थे, लगभग तीस वर्ष के थे, दिखने में सुंदर नहीं थे, लेकिन व्यक्तित्व और व्यवहार में पूरी तरह से सज्जन थे। श्री डार्सी हर्टफोर्डशायर में जैसे दिखते थे, वैसे ही दिख रहे थे— उन्होंने अपनी आदत के अनुसार संयमित भाव से श्रीमती कॉलिन्स को अभिवादन किया और उनकी सहेली के प्रति उनके जो भी भाव रहे हों, उन्होंने उनसे अत्यंत संयमित भाव से मुलाकात की। एलिज़ाबेथ ने बिना कुछ कहे केवल झुककर उन्हें प्रणाम किया।

कर्नल फिट्ज़विलियम ने एक सभ्य व्यक्ति की तत्परता और सहजता से सीधे बातचीत शुरू की और बहुत ही सुखद ढंग से बातें कीं; लेकिन उनके चचेरे भाई ने श्रीमती कॉलिन्स से घर और बगीचे के बारे में थोड़ी सी टिप्पणी करने के बाद, कुछ देर तक बिना किसी से बात किए बैठे रहे। आखिरकार, उनकी शिष्टता इतनी जागी कि उन्होंने एलिज़ाबेथ से उनके परिवार के हालचाल पूछे। उन्होंने हमेशा की तरह जवाब दिया और कुछ क्षण रुकने के बाद कहा:

"मेरी सबसे बड़ी बहन पिछले तीन महीनों से शहर में है। क्या आपने उसे वहाँ कभी देखा है?"

उन्हें भली-भांति पता था कि ऐसा कभी नहीं हुआ था; लेकिन वे यह देखना चाहती थीं कि क्या उन्हें बिंगलेज़ और जेन के बीच हुई बातचीत का कोई आभास है, और उन्होंने देखा कि जब उन्होंने जवाब दिया कि उन्हें मिस बेनेट से मिलने का सौभाग्य कभी नहीं मिला, तो वे थोड़े उलझन में दिखे। इस विषय पर आगे चर्चा नहीं हुई और कुछ ही देर बाद वे सज्जन चले गए।

अध्याय 8

कर्नल फिट्ज़विलियम के शिष्टाचार की पार्सनेज में बहुत प्रशंसा हुई, और सभी महिलाओं को लगा कि वे रोज़िंग्स में उनके कार्यक्रमों का आनंद और भी बढ़ा देंगे। हालाँकि, उन्हें वहाँ से कोई निमंत्रण मिलने में कुछ दिन लग गए—क्योंकि घर में मेहमान होने पर उनकी आवश्यकता नहीं हो सकती थी; और सज्जनों के आगमन के लगभग एक सप्ताह बाद, ईस्टर के दिन ही उन्हें ऐसा सम्मान प्राप्त हुआ, और तब भी चर्च से निकलते समय उनसे केवल शाम को वहाँ आने का अनुरोध किया गया। पिछले एक सप्ताह से उन्होंने लेडी कैथरीन या उनकी बेटी को बहुत कम देखा था। कर्नल फिट्ज़विलियम इस दौरान एक से अधिक बार पार्सनेज आए थे, लेकिन श्री डार्सी को उन्होंने केवल चर्च में ही देखा था।

निमंत्रण स्वीकार कर लिया गया और उचित समय पर वे लेडी कैथरीन के ड्राइंग रूम में पार्टी में शामिल हुए। लेडी कैथरीन ने उनका विनम्रतापूर्वक स्वागत किया, लेकिन यह स्पष्ट था कि उनकी उपस्थिति उतनी स्वीकार्य नहीं थी जितनी तब होती थी जब उनके पास कोई और नहीं होता था; और वास्तव में, वह अपने भतीजों में लगभग मग्न थीं, उनसे, विशेष रूप से डार्सी से, कमरे में मौजूद किसी भी अन्य व्यक्ति की तुलना में कहीं अधिक बात कर रही थीं।

कर्नल फिट्ज़विलियम उन्हें देखकर सचमुच बहुत खुश लग रहे थे; रोज़िंग्स में उनके लिए कोई भी चीज़ राहत भरी होती थी; और श्रीमती कॉलिन्स की सुंदर सहेली ने तो उनका ध्यान भी अपनी ओर खींच लिया था। अब वे उनके पास बैठ गए और केंट और हर्टफोर्डशायर, यात्रा और घर पर रहने, नई किताबों और संगीत के बारे में इतनी सुखद बातें करने लगे कि एलिज़ाबेथ को उस कमरे में पहले कभी इतना अच्छा मनोरंजन नहीं मिला था; और उनकी बातचीत इतनी जीवंत और प्रवाहमयी थी कि लेडी कैथरीन के साथ-साथ मिस्टर डार्सी का भी ध्यान उनकी ओर आकर्षित हो गया। उनकी निगाहें जल्द ही बार-बार जिज्ञासा से उनकी ओर मुड़ गईं; और कुछ देर बाद यह बात खुलकर सामने आ गई कि लेडी कैथरीन भी यही महसूस कर रही थीं, क्योंकि उन्होंने बिना किसी झिझक के उन्हें पुकारा:

"फिट्ज़विलियम, तुम क्या कह रहे हो? तुम किस बारे में बात कर रहे हो? तुम मिस बेनेट को क्या बता रहे हो? मुझे बताओ क्या है।"

जब जवाब देने से बचना उनके लिए असंभव हो गया, तो उन्होंने कहा, "हम संगीत की बात कर रहे हैं, महोदया।"

संगीत की बात करें तो! कृपया ज़ोर से बोलिए। यह मेरा सबसे पसंदीदा विषय है। अगर आप संगीत की बात कर रहे हैं तो मुझे भी चर्चा में शामिल होना चाहिए। मुझे लगता है कि इंग्लैंड में शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा जिसे मुझसे ज़्यादा संगीत का सच्चा आनंद हो या जिसकी संगीत की समझ मुझसे बेहतर हो। अगर मैंने कभी संगीत सीखा होता, तो मैं एक महान कलाकार होता। और ऐनी भी होती, अगर उसका स्वास्थ्य उसे

सीखने की अनुमति देता। मुझे पूरा विश्वास है कि वह बहुत ही शानदार प्रदर्शन करती। जॉर्जियाना कैसी है, डार्सी?
श्री डार्सी ने अपनी बहन की दक्षता की स्नेहपूर्ण प्रशंसा की।
"मुझे उसके बारे में इतनी अच्छी बातें सुनकर बहुत खुशी हुई," लेडी कैथरीन ने कहा; "और कृपया मेरी तरफ से उसे बता देना कि अगर वह खूब अभ्यास नहीं करेगी तो वह सफलता की उम्मीद नहीं कर सकती।"
"मैं आपको आश्वस्त करता हूँ, महोदया, कि उन्हें ऐसी सलाह की आवश्यकता नहीं है। वह बहुत नियमित रूप से अभ्यास करती हैं," उन्होंने उत्तर दिया।
"यह तो और भी अच्छा है। इसे जितना किया जाए उतना अच्छा है; और जब मैं अगली बार उसे लिखूँगी, तो मैं उससे कहूँगी कि वह किसी भी हालत में इसकी उपेक्षा न करे। मैं अक्सर युवतियों से कहती हूँ कि निरंतर अभ्यास के बिना संगीत में कोई भी निपुणता हासिल नहीं की जा सकती। मैंने मिस बेनेट को कई बार कहा है कि जब तक वह अधिक अभ्यास नहीं करेंगी, तब तक वह कभी भी वास्तव में अच्छा नहीं बजा पाएंगी; और हालाँकि श्रीमती कॉलिन्स के पास कोई वाद्य यंत्र नहीं है, फिर भी, जैसा कि मैंने उनसे कई बार कहा है, उनका रोज़ रोज़ रोज़िंग आने और श्रीमती जेनकिंसन के कमरे में पियानो बजाने के लिए हार्दिक स्वागत है। आप जानते हैं, घर के उस हिस्से में वह किसी के रास्ते में नहीं आएंगी।"
मिस्टर डार्सी अपनी चाची के असभ्य व्यवहार पर थोड़ा शर्मिंदा दिखे और उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया।
कॉफी खत्म होने के बाद, कर्नल फिट्ज़विलियम ने एलिज़ाबेथ को याद दिलाया कि उन्होंने उनसे पियानो बजाने का वादा किया था; और वह तुरंत वाद्य यंत्र के पास बैठ गईं। उन्होंने उनके पास एक कुर्सी खींच ली। लेडी कैथरीन ने आधा गाना सुना, और फिर पहले की तरह अपने दूसरे भतीजे से बातें करने लगीं; तभी वह उनसे दूर चला गया, और अपनी आदत के अनुसार धीरे-धीरे पियानो की ओर बढ़ते हुए इस तरह बैठ गया कि उसे सुंदर कलाकार का पूरा चेहरा दिखाई दे। एलिज़ाबेथ ने देखा कि वह क्या कर रहा है, और जैसे ही उसे थोड़ा समय मिला, उसने एक शरारती मुस्कान के साथ उसकी ओर मुड़कर कहा:
"क्या आप मुझे डराना चाहते हैं, मिस्टर डार्सी, इस शान-शौकत में आकर मुझे सुनने के लिए? मैं डरने वाली नहीं हूँ, भले ही आपकी बहन कितना भी अच्छा बजाती हो। मुझमें एक ज़िद्दीपन है जो दूसरों की मर्ज़ी से कभी डर नहीं सकता। मुझे डराने की हर कोशिश पर मेरा साहस और बढ़ जाता है।"
"मैं यह नहीं कहूंगा कि आप गलत हैं," उन्होंने उत्तर दिया, "क्योंकि आप वास्तव में यह नहीं मान सकते कि मेरा इरादा आपको डराने का है; और मुझे आपसे इतने लंबे समय से परिचित होने का सौभाग्य प्राप्त है कि मैं जानता हूं कि आपको कभी-कभी ऐसे विचार व्यक्त करने में बहुत आनंद आता है जो वास्तव में आपके अपने नहीं होते।"
एलिज़ाबेथ अपनी इस छवि पर दिल खोलकर हंसी और कर्नल फिट्ज़विलियम से बोली, "आपकी चचेरी बहन आपको मेरे बारे में एक बहुत ही अच्छी धारणा देगी और आपको सिखाएगी कि मेरी किसी बात पर विश्वास न करें। मैं बेहद बदकिस्मत हूं कि मुझे एक ऐसा व्यक्ति मिल गया जो मेरे असली चरित्र को उजागर

करने में इतना सक्षम है, दुनिया के उस हिस्से में जहां मैंने कुछ हद तक अपनी साख बनाए रखने की उम्मीद की थी। वास्तव में, मिस्टर डार्सी, हर्टफोर्डशायर में मेरे नुकसान के बारे में आपको जो कुछ भी पता था, उसका ज़िक्र करना आपकी बहुत ही अनुचित बात है—और, मुझे कहने की अनुमति दें, यह बहुत ही अव्यावहारिक भी है—क्योंकि यह मुझे प्रतिशोध लेने के लिए उकसा रहा है, और ऐसी बातें सामने आ सकती हैं जिन्हें सुनकर आपके रिश्तेदार चौंक जाएंगे।"

"मैं तुमसे नहीं डरता," उसने मुस्कुराते हुए कहा।

"कृपया मुझे बताएं कि आप उस पर क्या आरोप लगाना चाहते हैं," कर्नल फिट्ज़विलियम चिल्लाए। "मैं जानना चाहता हूँ कि वह अजनबियों के बीच कैसा व्यवहार करता है।"

"तो आप सुनेंगे—लेकिन किसी बेहद भयानक बात के लिए तैयार हो जाइए। आपको पता ही होगा कि मैंने उसे हर्टफोर्डशायर में पहली बार एक बॉल डांस में देखा था—और उस बॉल डांस में उसने क्या किया? उसने सिर्फ चार डांस किए, जबकि वहां सज्जन लोग बहुत कम थे; और मेरी जानकारी के अनुसार, एक से अधिक युवतियां साथी की तलाश में बैठी थीं। मिस्टर डार्सी, आप इस तथ्य से इनकार नहीं कर सकते।"

"उस समय मुझे अपने दल के अलावा सभा में किसी भी महिला को जानने का सौभाग्य प्राप्त नहीं था।"

"सच है; और किसी को भी बॉल रूम में परिचय नहीं कराया जा सकता। अच्छा, कर्नल फिट्ज़विलियम, अब मैं आगे क्या बजाऊं? मेरी उंगलियां आपके आदेश का इंतजार कर रही हैं।"

डार्सी ने कहा, "शायद, अगर मैंने परिचय मांगा होता तो मैं बेहतर निर्णय ले पाता; लेकिन मैं अजनबियों के सामने खुद को प्रस्तुत करने के लिए योग्य नहीं हूं।"

"क्या हम आपके चचेरे भाई से इसका कारण पूछें?" एलिजाबेथ ने कर्नल फिट्ज़विलियम से बात करते हुए कहा। "क्या हम उनसे पूछें कि एक समझदार, शिक्षित और दुनियादारी जानने वाला व्यक्ति अजनबियों के सामने खुद को प्रस्तुत करने के लिए अयोग्य क्यों है?"

"मैं आपके प्रश्न का उत्तर दे सकता हूँ," फिट्ज़विलियम ने कहा, "बिना उससे पूछे। क्योंकि वह स्वयं को इस झंझट में नहीं डालना चाहता।"

डार्सी ने कहा, "मुझमें वह प्रतिभा बिल्कुल नहीं है जो कुछ लोगों में होती है, यानी कि मैं उन लोगों से आसानी से बातचीत कर सकूँ जिन्हें मैंने पहले कभी नहीं देखा। मैं उनकी बातचीत का लहजा नहीं समझ पाता, न ही उनकी बातों में दिलचस्पी दिखा पाता हूँ, जैसा कि मैं अक्सर देखता हूँ।"

एलिज़ाबेथ ने कहा, "मेरी उंगलियां इस वाद्ययंत्र पर उस निपुणता से नहीं चलतीं, जिस निपुणता से मैं कई महिलाओं को इसे बजाते हुए देखती हूं। उनमें वह बल या गति नहीं है, और न ही वे वैसा भाव प्रकट कर पाती हैं। लेकिन मैंने हमेशा यही माना है कि यह मेरी अपनी गलती है—क्योंकि मैं अभ्यास करने की जहमत ही नहीं उठाती। ऐसा नहीं है कि मैं अपनी उंगलियों को किसी अन्य महिला की उंगलियों की तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन करने में सक्षम नहीं मानती।"

डार्सी मुस्कुराया और बोला, "आप बिलकुल सही हैं। आपने अपने समय का बेहतर उपयोग किया है। आपको सुनने का सौभाग्य प्राप्त करने वाले किसी भी व्यक्ति को कोई कमी नहीं लग सकती। हम दोनों अजनबियों के सामने प्रदर्शन नहीं करते।"

तभी लेडी कैथरीन ने आकर उनकी बात काट दी और पूछा कि वे किस बारे में बात कर रहे हैं। एलिजाबेथ तुरंत फिर से खेलने लगी। लेडी कैथरीन पास आईं और कुछ मिनट सुनने के बाद डार्सी से बोलीं:

"अगर मिस बेनेट थोड़ा और अभ्यास करतीं और उन्हें लंदन के किसी उस्ताद से सीखने का मौका मिलता, तो उनका प्रदर्शन बिलकुल भी खराब नहीं होता। उन्हें उंगलियों की अच्छी समझ है, हालांकि उनकी रुचि ऐनी के बराबर नहीं है। अगर ऐनी का स्वास्थ्य उन्हें सीखने की अनुमति देता, तो वह एक बेहतरीन कलाकार साबित होतीं।"

एलिजाबेथ ने डार्सी की ओर देखा कि वह अपनी चचेरी बहन की प्रशंसा पर कितनी सहृदयता से सहमति जता रहा था; लेकिन न तो उस क्षण और न ही किसी अन्य क्षण में वह प्रेम का कोई लक्षण देख सकी; और मिस डी बोर्ग के प्रति उसके पूरे व्यवहार से उसे मिस बिंगले के लिए यह तसल्ली मिली कि अगर वह उसकी रिश्तेदार होती तो शायद वह उससे भी शादी कर लेता।

लेडी कैथरीन ने एलिजाबेथ के प्रदर्शन पर अपनी टिप्पणी जारी रखी, जिसमें उन्होंने प्रस्तुति और शिष्टाचार संबंधी कई निर्देश भी दिए। एलिजाबेथ ने उन्हें अत्यंत धैर्य और शिष्टता से सुना, और सज्जनों के अनुरोध पर, तब तक वाद्य यंत्र के पास बैठी रहीं जब तक कि उन्हें घर ले जाने के लिए उनकी गाड़ी तैयार नहीं हो गई।

अध्याय 9

अगली सुबह एलिजाबेथ अकेली बैठी जेन को पत्र लिख रही थी, जबकि श्रीमती कॉलिन्स और मारिया गाँव में किसी काम से गई हुई थीं। तभी दरवाजे की घंटी बजने से वह चौंक गई, जो किसी आगंतुक के आने का निश्चित संकेत था। चूंकि उसे किसी गाड़ी की आवाज सुनाई नहीं दी, इसलिए उसने सोचा कि शायद लेडी कैथरीन ही होंगी। इसी आशंका में वह अपना आधा लिखा पत्र एक तरफ रख रही थी ताकि वह किसी भी अनुचित प्रश्न से बच सके। तभी दरवाजा खुला और उसे बहुत आश्चर्य हुआ, जब कमरे में केवल मिस्टर डार्सी ही दाखिल हुए।

उसे भी उसे अकेले पाकर आश्चर्य हुआ और उसने अपने दखल के लिए माफी मांगते हुए उसे बताया कि उसे लगा था कि सभी महिलाएं अंदर ही होंगी।

फिर वे बैठ गए, और जब उसने रोज़िंग्स के बारे में पूछताछ की, तो ऐसा लगा कि वे पूरी तरह से चुप हो जाएंगे। इसलिए कुछ सोचना बेहद ज़रूरी था, और इसी दौरान उसे याद आया कि उसने उसे आखिरी बार हर्टफोर्डशायर में कब देखा था, और यह जानने की उत्सुकता थी कि उनकी जल्दबाजी में हुई विदाई के बारे में वह क्या कहेगा, उसने कहा:

"श्री डार्सी, आप सबने पिछले नवंबर में नेदरफील्ड को कितनी अचानक छोड़ दिया! श्री बिंगले के लिए आप सबको इतनी जल्दी देखकर बहुत सुखद आश्चर्य हुआ होगा; क्योंकि, अगर मुझे सही याद है, तो वे एक दिन पहले ही गए थे। आशा है, जब आप लंदन से निकले थे, तब वे और उनकी बहनें ठीक होंगे।"

"बिल्कुल सही, धन्यवाद।"

उसे पता चला कि उसे कोई और जवाब नहीं मिलेगा, और थोड़ी देर रुकने के बाद उसने कहा:

"मुझे लगता है कि मैंने यह समझ लिया है कि मिस्टर बिंगले का नेदरफील्ड में दोबारा लौटने का कोई इरादा नहीं है?"

"मैंने उन्हें ऐसा कहते कभी नहीं सुना; लेकिन संभव है कि भविष्य में वे वहां बहुत कम समय बिताएंगे। उनके कई दोस्त हैं, और वे जीवन के ऐसे पड़ाव पर हैं जब दोस्तों और व्यस्तताओं की संख्या लगातार बढ़ रही है।"

"अगर उनका इरादा नेदरफील्ड में बस कुछ समय के लिए ही रहने का है, तो पड़ोस के लिए बेहतर होगा कि वे उस जगह को पूरी तरह से छोड़ दें, क्योंकि तब शायद हमें वहां एक स्थायी परिवार मिल सके। लेकिन, शायद श्री बिंगले ने पड़ोस की सुविधा के लिए नहीं बल्कि अपनी खुद की सुविधा के लिए वह घर लिया था, और हमें उनसे यही उम्मीद करनी चाहिए कि वे या तो इसे रखें या फिर इसी सिद्धांत पर इसे छोड़ दें।"

डार्सी ने कहा, "अगर कोई योग्य खरीदार मिलते ही वह इसे छोड़ दे तो मुझे आश्चर्य नहीं होगा।"

एलिजाबेथ ने कोई जवाब नहीं दिया। वह अपने दोस्त के बारे में और अधिक बात करने से डर रही थी; और कहने के लिए कुछ और न होने के कारण, उसने अब विषय ढूंढने का काम उसी पर छोड़ने का निश्चय कर लिया था।

उन्होंने इशारा समझ लिया और जल्द ही कहना शुरू किया, "यह घर बहुत आरामदायक लगता है। मेरा मानना है कि जब मिस्टर कॉलिन्स पहली बार हन्सफोर्ड आए थे, तब लेडी कैथरीन ने इसमें बहुत कुछ करवाया था।"

"मेरा मानना है कि उसने ऐसा किया होगा—और मुझे यकीन है कि वह अपनी दयालुता किसी और अधिक आभारी व्यक्ति पर नहीं बरसा सकती थी।"

"श्री कॉलिन्स ने पत्नी का चुनाव बहुत ही सौभाग्यपूर्ण तरीके से किया है।"

जी हाँ, उनके दोस्त इस बात पर ज़रूर खुश होंगे कि उन्हें उन गिने-चुने समझदार महिलाओं में से एक मिल गई हैं जो उन्हें स्वीकार करतीं या अगर स्वीकार कर लेतीं तो उन्हें खुश रखतीं। मेरी सहेली बहुत समझदार है—हालाँकि मुझे यकीन नहीं है कि मिस्टर कॉलिन्स से शादी करना उसका सबसे समझदारी भरा फैसला था। फिर भी वह बेहद खुश दिखती है, और समझदारी से देखा जाए तो यह रिश्ता उसके लिए बिल्कुल सही है।

"अपने परिवार और दोस्तों से इतनी कम दूरी पर बस जाना उसके लिए बहुत सुखद होगा।"

"क्या आप इसे आसान दूरी कहते हैं? यह लगभग पचास मील है।"

"और पचास मील की अच्छी सड़क कितनी होती है? आधे दिन की यात्रा से थोड़ा ही अधिक। हाँ, मैं इसे बहुत आसान दूरी कहता हूँ।"

"मैंने दूरी को शादी के फायदों में से एक नहीं माना होता," एलिजाबेथ रोते हुए बोली। "मैंने कभी नहीं कहा होता कि श्रीमती कॉलिन्स अपने परिवार के पास बस गई हैं।"

"यह हर्टफोर्डशायर के प्रति आपके लगाव का प्रमाण है। लॉन्गबोर्न के आस-पास के इलाके से परे कुछ भी, मुझे लगता है, बहुत दूर प्रतीत होगा।"

जब वह बोल रहा था तो उसके चेहरे पर एक तरह की मुस्कान थी जिसे एलिजाबेथ ने समझने की कोशिश की; वह शायद सोच रहा होगा कि वह जेन और नेदरफील्ड के बारे में सोच रही है, और जवाब देते समय वह शरमा गई।

"मेरा यह कहने का मतलब नहीं है कि किसी महिला का अपने परिवार के बहुत पास बसना गलत है। दूर और पास होना सापेक्षिक होता है और कई बदलती परिस्थितियों पर निर्भर करता है। जहाँ भाग्य साथ देता है और यात्रा का खर्च मायने नहीं रखता, वहाँ दूरी कोई बुराई नहीं होती। लेकिन यहाँ ऐसा नहीं है। श्रीमान और श्रीमती कॉलिन्स की आमदनी अच्छी-खासी है, लेकिन इतनी नहीं कि वे बार-बार यात्रा कर सकें—और मुझे पूरा विश्वास है कि मेरी सहेली अपने परिवार के पास वर्तमान दूरी के आधे से भी कम दूरी पर रहना पसंद नहीं करेगी।"

मिस्टर डार्सी ने अपनी कुर्सी थोड़ी सी उसकी ओर खींची और कहा, "तुम्हें इस तरह का स्थानीय लगाव रखने का कोई अधिकार नहीं हो सकता। तुम हमेशा लॉन्गबोर्न में नहीं रही हो सकती हो।"
एलिजाबेथ आश्चर्यचकित दिखीं। उस सज्जन के भावों में कुछ परिवर्तन आया; उन्होंने अपनी कुर्सी पीछे खींची, मेज से एक अखबार उठाया और उस पर सरसरी नजर डालते हुए ठंडे स्वर में कहा:
"क्या आप केंट से संतुष्ट हैं?"
देश के विषय पर एक संक्षिप्त बातचीत हुई, दोनों ओर से शांत और संक्षिप्त बातचीत हुई—और जल्द ही शार्लोट और उसकी बहन के आने से बातचीत समाप्त हो गई, जो अभी-अभी सैर से लौटी थीं। उनकी अचानक हुई बातचीत ने उन्हें चौंका दिया। श्री डार्सी ने उस गलती के बारे में बताया जिसके कारण उन्होंने मिस बेनेट के कमरे में दखल दिया था, और कुछ मिनट तक बिना किसी से ज्यादा कुछ कहे बैठे रहने के बाद चले गए।
उसके जाते ही शार्लेट ने कहा, "इसका क्या मतलब हो सकता है? मेरी प्यारी एलिज़ा, वह तुमसे प्यार करता होगा, वरना वह हमें इस तरह से अंतरंगता से कभी नहीं बुलाता।"
लेकिन जब एलिजाबेथ ने उनकी चुप्पी के बारे में बताया, तो शार्लोट की इच्छा के विरुद्ध भी यह बात सच नहीं लग रही थी; और कई अटकलों के बाद, वे अंततः केवल यही अनुमान लगा सके कि उनका आना कुछ करने को न मिलने की वजह से था, जो साल के उस समय को देखते हुए और भी अधिक संभावित था। सभी खेल-कूद बंद हो चुके थे। घर के अंदर लेडी कैथरीन, किताबें और एक बिलियर्ड टेबल थी, लेकिन सज्जन हमेशा घर के अंदर नहीं रह सकते; और पादरी के घर की निकटता, या वहाँ तक पैदल जाने का सुखद रास्ता, या वहाँ रहने वाले लोगों के कारण, दोनों चचेरी बहनों को इस दौरान लगभग हर दिन वहाँ पैदल जाने का प्रलोभन मिला। वे सुबह अलग-अलग समय पर उनसे मिलने जातीं, कभी अलग-अलग, कभी साथ में, और कभी-कभी अपनी चाची के साथ। उन सभी को यह स्पष्ट था कि कर्नल फिट्ज़विलियम इसलिए आते थे क्योंकि उन्हें उनकी संगति में आनंद आता था, एक ऐसा विश्वास जिसने निश्चित रूप से उनकी प्रशंसा को और भी बढ़ा दिया; और एलिजाबेथ को उनके साथ रहने की अपनी संतुष्टि के साथ-साथ उनके द्वारा उसकी स्पष्ट प्रशंसा को देखकर अपने पूर्व पसंदीदा जॉर्ज विकहम की याद आ गई; और यद्यपि, उनकी तुलना करते हुए, उसने देखा कि कर्नल फिट्ज़विलियम के व्यवहार में कम आकर्षक कोमलता थी, फिर भी उसका मानना था कि शायद उनके पास सबसे अधिक ज्ञानवर्धक बुद्धि हो सकती है।
लेकिन मिस्टर डार्सी इतनी बार पादरी के घर क्यों आते थे, यह समझना मुश्किल था। यह सामाजिक मेलजोल के लिए तो नहीं हो सकता था, क्योंकि वे अक्सर दस मिनट तक बिना कुछ बोले बैठे रहते थे; और जब वे बोलते भी थे, तो ऐसा लगता था मानो मजबूरी हो, न कि अपनी इच्छा से—शिष्टाचार का पालन, न कि खुद की खुशी। वे शायद ही कभी सचमुच उत्साहित दिखाई देते थे। श्रीमती कॉलिन्स को समझ नहीं आ रहा था कि वे कैसे हैं। कर्नल फिट्ज़विलियम का कभी-कभार उनकी मूर्खता पर हंसना इस बात का प्रमाण था कि वे आम तौर पर बदल गए थे, जो उनके बारे में उनके अपने ज्ञान से उन्हें पता नहीं चल सकता था; और चूंकि वे इस

बदलाव को प्रेम का परिणाम और उस प्रेम का पात्र अपनी सहेली एलिज़ा को मानना चाहती थीं, इसलिए उन्होंने इसका पता लगाने के लिए गंभीरता से प्रयास करना शुरू कर दिया। जब भी वे रोज़िंग्स में होते थे, और जब भी वे हन्सफोर्ड आते थे, वे उन्हें देखती रहती थीं; लेकिन उन्हें ज्यादा सफलता नहीं मिली। वे निश्चित रूप से उनकी सहेली को बहुत देखते थे, लेकिन उनकी नज़र का भाव संदिग्ध था। यह एक गंभीर, स्थिर नज़र थी, लेकिन उन्हें अक्सर संदेह होता था कि क्या इसमें कोई प्रशंसा छिपी थी, और कभी-कभी तो यह केवल मन की अनुपस्थिति प्रतीत होती थी।

उसने एक-दो बार एलिजाबेथ से उसके प्रति उसके स्नेह की संभावना का सुझाव दिया था, लेकिन एलिजाबेथ हमेशा इस विचार पर हंसती थी; और श्रीमती कॉलिन्स को इस विषय पर जोर देना उचित नहीं लगा, क्योंकि इससे ऐसी उम्मीदें बढ़ सकती थीं जो अंततः निराशा में परिणत हो सकती थीं; क्योंकि उनकी राय में इसमें कोई संदेह नहीं था कि यदि वह उसे अपने वश में कर पाती तो उसके मित्र की सारी नापसंदगी गायब हो जाती।

एलिज़ाबेथ के लिए अपनी नेक योजनाओं में, वह कभी-कभी कर्नल फिट्ज़विलियम से उसकी शादी करवाने की योजना बनाती थी। वह निस्संदेह सबसे मिलनसार व्यक्ति थे; वह निश्चित रूप से एलिज़ाबेथ की प्रशंसा करते थे, और उनकी सामाजिक स्थिति भी बहुत उपयुक्त थी; लेकिन, इन लाभों को संतुलित करने के लिए, श्री डार्सी को चर्च में काफी संरक्षण प्राप्त था, जबकि उनकी चचेरी बहन को ऐसा कोई संरक्षण प्राप्त नहीं था।

अध्याय 10

पार्क में टहलते हुए एलिजाबेथ की कई बार मिस्टर डार्सी से अचानक मुलाकात हो गई। उसे इस बात का बहुत दुख हुआ कि संयोगवश वह उनसे ऐसी जगह मिल गए जहाँ कोई और नहीं मिलता था, और ऐसा दोबारा न हो, इसलिए उसने पहले ही उन्हें बता दिया कि यह उसकी पसंदीदा जगह है। इसलिए दूसरी बार ऐसा होना बहुत अजीब था! फिर भी ऐसा हुआ, और यहाँ तक कि तीसरी बार भी। यह जानबूझकर की गई दुर्भावना या स्वैच्छिक प्रायश्चित जैसा लग रहा था, क्योंकि इन मौकों पर यह केवल कुछ औपचारिक पूछताछ और एक अजीब सी चुप्पी और फिर चले जाने तक ही सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने वास्तव में वापस मुड़कर उसके साथ चलना आवश्यक समझा। उन्होंने कभी ज्यादा कुछ नहीं कहा, न ही एलिजाबेथ ने खुद को ज्यादा बोलने या सुनने की जहमत उठाई; लेकिन उनकी तीसरी मुलाकात के दौरान उसे यह बात समझ में आई कि वह कुछ अजीबोगरीब, बेमेल सवाल पूछ रहे थे—हंसफोर्ड में होने से उसे कितनी खुशी मिलती है, अकेले सैर करने का उसका शौक, और मिस्टर और मिसेज कॉलिन्स की खुशी के बारे में उसकी राय; और जब वह रोसिंग और उसके घर को पूरी तरह से न समझ पाने की बात कर रहा था, तो ऐसा लग रहा था कि वह उम्मीद कर रहा था कि जब भी वह दोबारा केंट आएगी, तो वहीं ठहरेगी। उसके शब्दों से यही संकेत मिल रहा था। क्या उसके मन में कर्नल फिट्ज़विलियम का ख्याल आ रहा था? उसने सोचा, अगर उसका कोई मतलब था, तो वह उस तरफ होने वाली किसी घटना की ओर इशारा कर रहा होगा। इससे उसे थोड़ी परेशानी हुई, और पादरी के घर के सामने बाड़ के गेट पर खुद को पाकर उसे बहुत खुशी हुई।

एक दिन टहलते हुए वह जेन का आखिरी पत्र पढ़ रही थी और कुछ ऐसे अंशों पर विचार कर रही थी जिनसे यह साबित होता था कि जेन ने भावनाओं में बहकर पत्र नहीं लिखा था। तभी, मिस्टर डार्सी से दोबारा मिलने के बजाय, उसने ऊपर देखा तो कर्नल फिट्ज़विलियम उससे मिलने आ रहे थे। उसने तुरंत पत्र एक तरफ रख दिया और मुस्कुराते हुए कहा:

मुझे पहले पता नहीं था कि तुम कभी इस रास्ते से गुज़रे थे।

उन्होंने जवाब दिया, "मैं पार्क का दौरा कर रहा हूँ, जैसा कि मैं हर साल करता हूँ, और मेरा इरादा पार्सनेज में जाकर इसे समाप्त करने का है। क्या आप इससे आगे जा रहे हैं?"

"नहीं, मुझे एक पल में ही मुड़ जाना चाहिए था।"

और उसने उसी के अनुसार मुड़कर वे दोनों साथ-साथ पादरी के आवास की ओर चल पड़े।

"क्या आप शनिवार को वाकई केंट से रवाना हो रहे हैं?" उसने पूछा।

"हाँ—अगर डार्सी इसे फिर से टाल न दे। लेकिन मैं उसकी सेवा में तत्पर हूँ। वह अपने मन मुताबिक ही सब कुछ तय करता है।"

और अगर वह इस व्यवस्था से खुद को संतुष्ट नहीं कर पाता, तो कम से कम उसे चुनाव की अपार शक्ति का आनंद तो मिलता ही है। मुझे नहीं लगता कि मिस्टर डार्सी से ज्यादा अपनी मनपसंद चीजें करने की शक्ति का आनंद लेने वाला कोई और होता है।

“उसे अपनी मनमानी करना बहुत पसंद है,” कर्नल फिट्ज़विलियम ने जवाब दिया। “लेकिन हम सभी को ऐसा ही पसंद है। फर्क सिर्फ इतना है कि उसके पास दूसरों से बेहतर साधन हैं, क्योंकि वह अमीर है और बाकी लोग गरीब हैं। मैं यह बात दिल से कह रहा हूँ। आप जानते हैं, छोटे बेटे को त्याग और निर्भरता का अभ्यास करना सीखना पड़ता है।”

"मेरी राय में, एक अर्ल का छोटा बेटा इन दोनों के बारे में बहुत कम जानता है। अब गंभीरता से, तुमने आत्म-त्याग और आत्मनिर्भरता के बारे में कभी जाना है क्या? क्या कभी पैसों की कमी ने तुम्हें अपनी मनचाही जगह जाने या अपनी पसंद की कोई चीज़ खरीदने से रोका है?"

"ये घरेलू सवाल हैं—और शायद मैं यह नहीं कह सकता कि मैंने इस तरह की कई कठिनाइयों का सामना किया है। लेकिन अधिक महत्वपूर्ण मामलों में, मुझे पैसों की कमी का सामना करना पड़ सकता है। छोटे बेटे अपनी मर्जी से शादी नहीं कर सकते।"

"सिवाय उन मामलों के जहां वे धनी महिलाओं को पसंद करते हैं, जो मुझे लगता है कि वे अक्सर करते हैं।"

"खर्च करने की हमारी आदतें हमें अत्यधिक निर्भर बना देती हैं, और मेरे जैसे सामाजिक स्तर के बहुत कम लोग ऐसे हैं जो पैसे पर ध्यान दिए बिना शादी कर सकते हैं।"

"क्या यह मेरे लिए है?" एलिजाबेथ ने सोचा और इस विचार से उसका चेहरा लाल हो गया; लेकिन खुद को संभालते हुए उसने उत्साह से कहा, "और कृपया बताइए, एक अर्ल के छोटे बेटे की सामान्य कीमत क्या होती है? अगर बड़ा भाई बहुत बीमार न हो, तो मुझे लगता है कि आप पचास हजार पाउंड से अधिक नहीं मांगेंगे।"

उसने भी उसी लहजे में जवाब दिया और बात वहीं खत्म हो गई। चुप्पी को तोड़ने के लिए, जिससे उसे यह लग सकता था कि वह जो कुछ हुआ उससे प्रभावित हुई है, उसने थोड़ी देर बाद कहा:

मुझे लगता है कि तुम्हारा चचेरा भाई तुम्हें अपने साथ इसलिए लाया है ताकि उसके पास हमेशा कोई न कोई मौजूद रहे। मुझे आश्चर्य है कि वह शादी क्यों नहीं कर लेता, ताकि उसे हमेशा के लिए यह सुविधा मिल सके। लेकिन शायद उसकी बहन भी फिलहाल ठीक है, और चूंकि वह पूरी तरह से उसकी देखरेख में है, इसलिए वह उसके साथ जो चाहे कर सकता है।

"नहीं," कर्नल फिट्ज़विलियम ने कहा, "यह एक ऐसा लाभ है जिसे उसे मेरे साथ साझा करना होगा। मिस डार्सी की देखरेख की जिम्मेदारी में मैं भी उसके साथ जुड़ा हुआ हूं।"

"क्या सच में? और आप किस तरह के अभिभावक हैं? क्या आपकी देखरेख में पल रही आपकी बेटी आपको बहुत परेशान करती है? उसकी उम्र की युवतियों को संभालना कभी-कभी थोड़ा मुश्किल होता है, और अगर उसमें डार्सी जैसी प्रवृत्ति है, तो वह अपनी मनमानी करना पसंद कर सकती है।"

जब वह बोल रही थी, तो उसने देखा कि वह उसे गंभीरता से देख रहा है; और जिस तरह से उसने तुरंत उससे पूछा कि उसे क्यों लगता है कि मिस डार्सी उन्हें किसी तरह की बेचैनी दे सकती हैं, उससे उसे यकीन हो गया कि वह किसी न किसी तरह सच्चाई के काफी करीब पहुंच गई है। उसने सीधे जवाब दिया:

"आपको डरने की ज़रूरत नहीं है। मैंने उसके बारे में कभी कोई बुरी बात नहीं सुनी; और मुझे पूरा यकीन है कि वह दुनिया की सबसे आज्ञाकारी महिलाओं में से एक है। वह मेरी कुछ परिचित महिलाओं, श्रीमती हर्स्ट और मिस बिंगले की बहुत चहेती है। मुझे लगता है मैंने आपको यह कहते सुना है कि आप उन्हें जानती हैं।"

मैं उन्हें थोड़ा-बहुत जानता हूँ। उनका भाई एक मिलनसार और सज्जन व्यक्ति है—वह डार्सी का बहुत अच्छा दोस्त है।

"ओह! हाँ," एलिजाबेथ ने रूखेपन से कहा; "श्री डार्सी, श्री बिंगले के प्रति असाधारण रूप से दयालु हैं और उनकी बहुत देखभाल करते हैं।"

"उसका ख्याल रखना! जी हां, मुझे सचमुच लगता है कि डार्सी उसका उन सभी मामलों में ख्याल रखता है जहां उसे सबसे ज्यादा देखभाल की जरूरत होती है। हमारी यात्रा के दौरान उसने मुझे जो कुछ बताया, उससे मुझे लगता है कि बिंगले उसका बहुत ऋणी है। लेकिन मुझे उससे माफी मांगनी चाहिए, क्योंकि मुझे यह मानने का कोई अधिकार नहीं है कि बिंगले का ही जिक्र था। यह सब सिर्फ मेरा अनुमान था।"

आपका मतलब क्या है?

"यह एक ऐसी बात है जिसे डार्सी सार्वजनिक रूप से जानना नहीं चाहता था, क्योंकि अगर यह बात महिला के परिवार तक पहुंच गई तो यह एक अप्रिय बात होगी।"

"आप इस बात पर भरोसा कर सकते हैं कि मैं इसका जिक्र नहीं करूंगा।"

और याद रखिए कि मेरे पास यह मानने का कोई खास कारण नहीं है कि यह बिंगले ही है। उसने मुझे बस इतना ही बताया था कि उसने हाल ही में एक दोस्त को एक बेहद नासमझी भरी शादी की परेशानियों से बचाया है, इस बात पर उसने खुद को बधाई दी, लेकिन उसने नाम या कोई और जानकारी नहीं दी। मुझे बिंगले पर शक सिर्फ इसलिए हुआ क्योंकि मुझे लगता था कि वह उस तरह का नौजवान है जो इस तरह की मुसीबत में पड़ सकता है, और क्योंकि मैं जानता था कि वे पिछली पूरी गर्मी साथ-साथ थे।

"क्या मिस्टर डार्सी ने आपको इस हस्तक्षेप के लिए कोई कारण बताया?"

"मुझे पता चला कि उस महिला के खिलाफ कुछ बहुत ही गंभीर आपत्तियां थीं।"

और उन्हें अलग करने के लिए उसने किन तकनीकों का इस्तेमाल किया?

"उन्होंने मुझसे अपनी कलाओं के बारे में बात नहीं की," फिट्ज़विलियम ने मुस्कुराते हुए कहा। "उन्होंने मुझे केवल वही बताया जो मैंने अब आपको बताया है।"

एलिजाबेथ ने कोई जवाब नहीं दिया और गुस्से से भरी हुई आगे बढ़ती रही। थोड़ी देर उसे देखने के बाद, फिट्ज़विलियम ने उससे पूछा कि वह इतनी सोच में क्यों डूबी हुई है।

"मैं उन बातों के बारे में सोच रही हूँ जो तुम मुझे बता रहे हो," उसने कहा। "तुम्हारे चचेरे भाई का व्यवहार मेरी भावनाओं के अनुरूप नहीं है। उसे न्यायाधीश क्यों बनाया जाना चाहिए था?"
"क्या आप उनके इस हस्तक्षेप को अनावश्यक दखलंदाजी कहना चाहेंगे?"
"मुझे समझ नहीं आता कि मिस्टर डार्सी को अपने दोस्त की इच्छा की उपयुक्तता पर फैसला करने का क्या अधिकार था, या क्यों उन्हें केवल अपने विवेक के आधार पर यह तय करना और निर्देशित करना चाहिए था कि उनका दोस्त किस तरह खुश रहेगा। लेकिन," उन्होंने खुद को संभालते हुए कहा, "चूंकि हमें कोई भी विवरण नहीं पता है, इसलिए उन्हें दोषी ठहराना उचित नहीं है। यह मानना गलत होगा कि इस मामले में कोई खास स्नेह था।"
"यह कोई अस्वाभाविक अनुमान नहीं है," फिट्ज़विलियम ने कहा, "लेकिन यह मेरे चचेरे भाई की जीत के सम्मान को बहुत दुखद रूप से कम कर देता है।"
यह बात मज़ाक में कही गई थी; लेकिन यह मिस्टर डार्सी की इतनी सटीक छवि थी कि वह इसका जवाब देने में खुद पर भरोसा नहीं कर सकी, और इसलिए अचानक बातचीत का विषय बदलकर, जब तक वे पादरी के घर नहीं पहुँच गए, तब तक वह बेमतलब की बातें करती रही। वहाँ, जैसे ही उनका मेहमान चला गया, वह अपने कमरे में बंद हो गई और बिना किसी रुकावट के उन सभी बातों के बारे में सोचती रही जो उसने सुनी थीं। यह मानना गलत था कि जिन लोगों से उसका संबंध था, उनके अलावा किसी और का जिक्र हो सकता था। दुनिया में दो ऐसे पुरुष नहीं हो सकते जिन पर मिस्टर डार्सी का इतना असीम प्रभाव हो। बिंगले और जेन को अलग करने के लिए उठाए गए कदमों में उनकी भूमिका थी, इस बात पर उसे कभी संदेह नहीं था; लेकिन उसने हमेशा मिस बिंगले को ही इन कदमों का मुख्य सूत्रधार और व्यवस्थाकर्ता माना था। हालाँकि, अगर उनके अपने अहंकार ने उन्हें गुमराह नहीं किया, तो वे ही कारण थे, उनका घमंड और सनक ही जेन के सभी कष्टों का कारण थे, और अभी भी वे कष्ट सह रहे हैं। उन्होंने दुनिया के सबसे स्नेही, उदार हृदय के लिए कुछ समय के लिए खुशी की हर उम्मीद को खत्म कर दिया था; और कोई नहीं कह सकता था कि उसने कितना बड़ा और स्थायी नुकसान पहुंचाया होगा।
"उस महिला के खिलाफ कुछ बहुत ही मजबूत आपत्तियां थीं," कर्नल फिट्जविलियम के शब्द थे; और वे मजबूत आपत्तियां संभवतः इस बात से संबंधित थीं कि उनका एक चाचा ग्रामीण वकील था, और दूसरा लंदन में व्यवसाय करता था।
"जैन के बारे में तो कोई आपत्ति हो ही नहीं सकती," उसने कहा। "वह तो पूरी तरह से प्यारी और अच्छी है! उसकी समझ उत्कृष्ट है, उसका दिमाग तेज है और उसका व्यवहार मनमोहक है। मेरे पिता के खिलाफ भी कुछ नहीं कहा जा सकता, जिनमें कुछ कमियां तो हैं, लेकिन उनमें ऐसी क्षमताएं हैं जिन्हें मिस्टर डार्सी को भी तुच्छ नहीं समझना चाहिए, और वह सम्मान जो शायद उन्हें कभी न मिले।" जब उसने अपनी माँ के बारे में सोचा, तो उसका आत्मविश्वास थोड़ा डगमगा गया; लेकिन वह यह मानने को तैयार नहीं थी कि मिस्टर डार्सी के लिए उनकी आपत्तियों का कोई महत्व होगा, क्योंकि उसे पूरा यकीन था कि उनके दोस्तों के रिश्तों में

महत्व की कमी से उनके अज्ञान से कहीं ज्यादा गहरा आघात लगेगा; और अंत में उसने यह पक्का कर लिया कि वह आंशिक रूप से इस सबसे बुरे प्रकार के अहंकार से और आंशिक रूप से मिस्टर बिंगले को अपनी बहन के लिए अपने पास रखने की इच्छा से प्रेरित थे।

इस विषय के कारण हुई बेचैनी और आँसुओं से उन्हें सिरदर्द होने लगा; और शाम होते-होते यह इतना बढ़ गया कि मिस्टर डार्सी से मिलने की अनिच्छा के साथ-साथ उन्होंने अपने चचेरे भाइयों के साथ रोज़िंग्स में चाय पीने जाने का कार्यक्रम भी रद्द कर दिया। श्रीमती कॉलिन्स ने देखा कि वह वास्तव में अस्वस्थ हैं, इसलिए उन्होंने उन पर जाने का दबाव नहीं डाला और जहाँ तक संभव हो, अपने पति को भी ऐसा करने से रोका; लेकिन मिस्टर कॉलिन्स इस बात से चिंतित थे कि लेडी कैथरीन उनके घर पर रहने से नाराज़ हो सकती हैं।

अध्याय 11

उनके जाने के बाद, एलिज़ाबेथ ने, मानो मिस्टर डार्सी के प्रति खुद को और भी ज़्यादा क्रोधित करने के इरादे से, जेन द्वारा केंट में रहने के बाद से लिखे गए सभी पत्रों की जाँच शुरू कर दी। उनमें कोई शिकायत नहीं थी, न ही अतीत की घटनाओं का ज़िक्र था, न ही वर्तमान पीड़ा का कोई वर्णन था। लेकिन सभी पत्रों में, और लगभग हर पंक्ति में, उस प्रसन्नता का अभाव था जो जेन की शैली की विशेषता हुआ करती थी, और जो उसके शांत मन और सबके प्रति दयालु स्वभाव से उत्पन्न होती थी और शायद ही कभी धूमिल हुई हो। एलिज़ाबेथ ने बेचैनी का भाव व्यक्त करने वाले हर वाक्य को उस ध्यान से देखा जो पहली बार पढ़ने पर शायद ही मिला था। मिस्टर डार्सी का अपनी बहन को पहुँचाई गई पीड़ाओं का शर्मनाक बखान, उसे अपनी बहन की पीड़ाओं का और भी गहरा एहसास दिलाता था। यह सोचकर कुछ राहत मिली कि रोसिंग की उनकी यात्रा अगले दिन के बाद समाप्त होने वाली थी - और उससे भी बड़ी राहत यह थी कि दो सप्ताह से भी कम समय में वह खुद जेन के साथ फिर से होंगी, और स्नेह के बल पर उसके मनोबल को सुधारने में योगदान दे सकेंगी।

डार्सी के केंट छोड़ने के बारे में सोचते ही उसे याद आ जाता था कि उसका चचेरा भाई भी उसके साथ जाने वाला था; लेकिन कर्नल फिट्ज़विलियम ने स्पष्ट कर दिया था कि उसका ऐसा कोई इरादा नहीं है, और हालांकि वह मिलनसार था, वह उसके जाने से दुखी नहीं होना चाहती थी।

इस बात पर विचार करते हुए, अचानक दरवाजे की घंटी की आवाज से वह जाग उठीं और इस विचार से थोड़ी घबरा गईं कि कहीं कर्नल फिट्ज़विलियम तो नहीं हैं, जो पहले भी देर शाम को आ चुके थे और शायद अब उनसे हालचाल पूछने आए हों। लेकिन यह विचार जल्द ही दूर हो गया और उनका मन बिल्कुल बदल गया, जब उन्होंने आश्चर्य से मिस्टर डार्सी को कमरे में आते देखा। उन्होंने तुरंत जल्दबाजी में उनका हालचाल पूछना शुरू कर दिया और कहा कि वे यह जानने आए हैं कि वह ठीक हैं। उन्होंने ठंडे लहजे में जवाब दिया। वे कुछ देर बैठे रहे और फिर उठकर कमरे में इधर-उधर घूमने लगे। एलिजाबेथ हैरान थीं, लेकिन उन्होंने एक शब्द भी नहीं कहा। कुछ मिनटों की चुप्पी के बाद, वे उत्तेजित होकर उनकी ओर आए और इस तरह बात शुरू की:

"मेरा संघर्ष व्यर्थ रहा है। इससे कुछ नहीं होगा। मेरी भावनाएं दबने वाली नहीं हैं। आपको मुझे यह बताने की अनुमति देनी होगी कि मैं आपकी कितनी शिद्दत से प्रशंसा और प्रेम करता हूँ।"

एलिज़ाबेथ का आश्चर्य शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता था। वह घूरती रही, उसका चेहरा लाल हो गया, वह संशय में पड़ गई और चुप रही। उसने इसे पर्याप्त प्रोत्साहन समझा; और तुरंत ही उसने अपने सारे दिल की बात कह दी, जो वह लंबे समय से उसके लिए महसूस करता आ रहा था। उसने अच्छी तरह से बात की; लेकिन दिल की भावनाओं के अलावा भी कई भावनाएँ थीं जिन्हें विस्तार से बताना ज़रूरी था; और वह

कोमलता के विषय पर उतना ही कमज़ोर था जितना कि गर्व के विषय पर। उसकी हीनता का एहसास—कि यह एक अपमान है—और परिवार की वे बाधाएँ जो हमेशा उसकी इच्छा के विरुद्ध रही थीं, उन सब पर उसने बड़े चाव से बात की, जो शायद उस परिणाम के लिए उचित थी जिसे वह ठेस पहुँचा रहा था, लेकिन इससे उसके प्रस्ताव को कोई खास समर्थन मिलने की संभावना नहीं थी।

अपनी गहरी नापसंदगी के बावजूद, वह ऐसे व्यक्ति के स्नेह की प्रशंसा से अनभिज्ञ नहीं हो सकी, और यद्यपि उसके इरादे एक पल के लिए भी नहीं बदले, उसे पहले तो उस व्यक्ति को होने वाले दर्द के लिए खेद हुआ; लेकिन बाद में उसकी बातों से उत्तेजित होकर, उसने सारी करुणा खोकर क्रोध में बदल दी। फिर भी, उसने खुद को शांत करने की कोशिश की ताकि जब वह अपनी बात समाप्त करे तो वह धैर्य से जवाब दे सके। उसने अपने अंत में उस लगाव की शक्ति का वर्णन किया जिसे वह अपने सभी प्रयासों के बावजूद जीत नहीं पाया था; और आशा व्यक्त की कि अब उसे उसका हाथ स्वीकार करके इसका प्रतिफल मिलेगा। जैसे ही उसने यह कहा, वह आसानी से समझ गई कि उसे अनुकूल उत्तर मिलने में कोई संदेह नहीं था। उसने आशंका और चिंता की बात की, लेकिन उसके चेहरे पर वास्तविक आत्मविश्वास झलक रहा था। ऐसी स्थिति केवल उसे और उत्तेजित कर सकती थी, और जब उसने बोलना बंद किया, तो उसके गाल लाल हो गए, और उसने कहा:

"ऐसे मामलों में, मेरा मानना है कि व्यक्त की गई भावनाओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना ही उचित तरीका है, चाहे बदले में कितनी भी असमान प्रतिक्रिया मिले। कृतज्ञता महसूस करना स्वाभाविक है, और अगर मैं कृतज्ञता व्यक्त कर पाता, तो आज ही आपको धन्यवाद देता। लेकिन मैं ऐसा नहीं कर सकता—मैंने कभी आपकी अच्छी राय की इच्छा नहीं की, और आपने निश्चित रूप से इसे बड़ी अनिच्छा से दिया है। मुझे खेद है कि मैंने किसी को दुख पहुँचाया। हालाँकि, यह पूरी तरह से अनजाने में हुआ है, और मुझे आशा है कि यह क्षणिक होगा। जिन भावनाओं के कारण, जैसा कि आपने मुझे बताया, लंबे समय से आपकी प्रशंसा स्वीकार करने में बाधा आ रही थी, इस स्पष्टीकरण के बाद उन्हें दूर करने में कोई कठिनाई नहीं होगी।"

मिस्टर डार्सी, जो शेल्फ से टेक लगाकर उसके चेहरे पर टकटकी लगाए खड़े थे, उसके शब्दों को आश्चर्य के साथ-साथ आक्रोश से भी कम नहीं समझ पाए। उनका चेहरा गुस्से से पीला पड़ गया और उनके मन की अशांति उनके हर भाव में झलक रही थी। वे संयम का दिखावा करने की कोशिश कर रहे थे और जब तक उन्हें यकीन नहीं हो गया कि उन्होंने संयम हासिल कर लिया है, तब तक उन्होंने अपने होंठ नहीं खोले। यह चुप्पी एलिजाबेथ के लिए असहनीय थी। अंत में, बनावटी शांति भरी आवाज़ में उन्होंने कहा:

"और यही एकमात्र जवाब है जिसकी मुझे उम्मीद है! मैं शायद यह जानना चाहूँ कि इतनी कम शिष्टता के साथ मुझे क्यों अस्वीकार किया गया। लेकिन यह कोई मायने नहीं रखता।"

“मैं पूछना ही बेहतर समझती हूँ,” उसने उत्तर दिया, “मुझे ठेस पहुँचाने और अपमानित करने की इतनी स्पष्ट इच्छा के साथ, आपने अपनी इच्छा, अपनी बुद्धि और यहाँ तक कि अपने चरित्र के विरुद्ध जाकर मुझसे यह क्यों कहा कि आप मुझे पसंद करते हैं? क्या यह मेरे असभ्य होने का कोई बहाना नहीं था? लेकिन मेरे पास

और भी कारण हैं। आप जानते हैं। यदि मेरी भावनाएँ आपके विरुद्ध न होतीं—यदि वे उदासीन होतीं, या यहाँ तक कि अनुकूल भी होतीं, तो क्या आपको लगता है कि कोई भी बात मुझे उस व्यक्ति को स्वीकार करने के लिए प्रेरित करती जिसने मेरी सबसे प्रिय बहन की खुशी को, शायद हमेशा के लिए, बर्बाद कर दिया है?"
जैसे ही उसने ये शब्द कहे, मिस्टर डार्सी का चेहरा बदल गया; लेकिन यह भाव क्षणिक था, और उन्होंने उसे बीच में टोकने की कोशिश किए बिना उसकी बात सुनी।
"मेरे पास आपके बारे में बुरा सोचने के सभी कारण हैं। आपने वहाँ जो अन्यायपूर्ण और अनुदार भूमिका निभाई, उसे कोई भी बहाना उचित नहीं ठहरा सकता। आप यह मानने से इनकार नहीं कर सकते, बल्कि इनकार कर ही नहीं सकते, कि आप ही मुख्य, बल्कि एकमात्र, कारण थे जिसने उन्हें एक-दूसरे से अलग किया—एक को मनमानी और अस्थिरता के लिए दुनिया की निंदा का पात्र बनाया, और दूसरे को निराश आशाओं के लिए उपहास का पात्र बनाया, और दोनों को घोर पीड़ा में धकेल दिया।"
वह रुकी और उसने बड़े गुस्से से देखा कि वह ऐसे भाव से सुन रहा था जिससे स्पष्ट था कि उसे ज़रा भी पछतावा नहीं था। उसने बनावटी अविश्वास भरी मुस्कान के साथ उसकी ओर देखा।
"क्या आप इस बात से इनकार कर सकते हैं कि आपने ऐसा किया है?" उसने दोहराया।
फिर उसने सहज भाव से उत्तर दिया: "मैं इस बात से इनकार नहीं करना चाहता कि मैंने अपने मित्र को तुम्हारी बहन से अलग करने के लिए अपनी पूरी कोशिश की, और न ही मैं अपनी सफलता से प्रसन्न हूँ। मैंने उसके प्रति अपने से अधिक दयालुता दिखाई है।"
एलिजाबेथ ने इस विनम्र टिप्पणी पर ध्यान देने के दिखावे को तुच्छ समझा, लेकिन इसका अर्थ उससे छिपा नहीं था, और न ही इससे उसे संतुष्ट होने की संभावना थी।
“लेकिन मेरी नापसंदगी सिर्फ इस मामले पर आधारित नहीं है,” उसने आगे कहा। “इसके घटित होने से बहुत पहले ही आपके बारे में मेरी राय बन चुकी थी। श्री विकहम से कई महीने पहले मुझे जो विवरण मिला था, उसमें आपके चरित्र का खुलासा हो चुका था। इस विषय पर आप क्या कहना चाहेंगे? किस काल्पनिक मित्रता के आधार पर आप यहाँ अपना बचाव कर सकते हैं? या किस धोखे से आप दूसरों को गुमराह कर सकते हैं?"
"आप उस सज्जन की चिंताओं में बड़ी उत्सुकता से रुचि लेते हैं," डार्सी ने कम शांत स्वर में और चेहरे पर बढ़े हुए भाव के साथ कहा।
"जो कोई भी उसके दुर्भाग्य के बारे में जानता है, वह उसके प्रति रुचि महसूस किए बिना कैसे रह सकता है?"
"उसकी बदकिस्मती!" डार्सी ने तिरस्कारपूर्वक दोहराया; "हाँ, उसकी बदकिस्मती वाकई बहुत बड़ी रही है।"
“और आपके इस अत्याचार के बारे में क्या कहूँ,” एलिज़ाबेथ ने जोश से कहा। “आपने उसे इस वर्तमान गरीबी की हालत में पहुँचा दिया है—तुलनात्मक गरीबी में। आपने उससे वे सुविधाएँ छीन ली हैं जो आप जानती हैं कि उसके लिए ही बनी थीं। आपने उसके जीवन के सबसे अच्छे वर्षों को उस स्वतंत्रता से वंचित कर दिया है जो उसका हक था। आपने यह सब किया है! और फिर भी आप उसकी बदकिस्मती का ज़िक्र होने पर उसे तिरस्कार और उपहास से देखती हैं।”

"और ये," डार्सी कमरे में तेज़ी से कदम बढ़ाते हुए चिल्लाया, "ये है मेरे बारे में तुम्हारी राय! ये है वो आकलन जिससे तुम मुझे देखती हो! इसे इतनी विस्तार से समझाने के लिए धन्यवाद। इस हिसाब से मेरी कमियाँ वाकई बहुत बड़ी हैं! लेकिन शायद," उसने चलते-चलते रुककर उसकी ओर मुड़ते हुए कहा, "इन गलतियों को नज़रअंदाज़ किया जा सकता था, अगर मेरे उन संकोचों को ईमानदारी से स्वीकार करने से तुम्हारा स्वाभिमान आहत न हुआ होता, जिन्होंने मुझे लंबे समय से कोई गंभीर योजना बनाने से रोक रखा था। ये कड़वे आरोप दबाए जा सकते थे, अगर मैंने और चतुराई से अपने संघर्षों को छिपाया होता, और तुम्हें यह विश्वास दिलाया होता कि मैं पूरी तरह से शुद्ध, निर्मल इच्छा से प्रेरित हूँ; तर्क से, चिंतन से, हर चीज़ से। लेकिन मुझे किसी भी तरह का छल-कपट नापसंद है। और न ही मुझे उन भावनाओं पर शर्म है जो मैंने बताईं। वे स्वाभाविक और उचित थीं। क्या तुम मुझसे उम्मीद कर सकती हो कि मैं तुम्हारे रिश्तेदारों की हीनता पर खुश होऊँ?—क्या मैं उन रिश्तेदारों की उम्मीद पर खुद को बधाई दूँ, जिनकी जीवन स्थिति मुझसे इतनी नीचे है?"
एलिजाबेथ को हर पल गुस्सा बढ़ता हुआ महसूस हो रहा था; फिर भी उसने संयम से बोलने की पूरी कोशिश की और कहा:
"आप गलत हैं, मिस्टर डार्सी, यदि आप यह मानते हैं कि आपके घोषणा करने के तरीके ने मुझे किसी और तरह से प्रभावित किया है, सिवाय इसके कि इसने मुझे उस चिंता से बचा लिया जो मुझे आपको मना करने में महसूस हो सकती थी, यदि आपने अधिक सज्जनतापूर्ण तरीके से व्यवहार किया होता।"
उसने देखा कि वह इस पर चौंक गया, लेकिन उसने कुछ नहीं कहा, और वह आगे बोलती रही:
"आप किसी भी तरह से अपना हाथ आगे नहीं बढ़ा सकते थे जिससे मुझे इसे स्वीकार करने का प्रलोभन होता।"
एक बार फिर उसका आश्चर्य स्पष्ट था; और उसने अविश्वास और अपमान के मिले-जुले भाव से उसकी ओर देखा। वह आगे बोली:
"शुरुआत से ही - लगभग पहले ही पल से, जब मेरी आपसे जान-पहचान हुई - आपके तौर-तरीकों ने मुझे आपके अहंकार, घमंड और दूसरों की भावनाओं के प्रति आपके स्वार्थी तिरस्कार का पूरा विश्वास दिला दिया था। ये तौर-तरीके ऐसे थे जिन्होंने मेरे मन में आपके प्रति अरुचि की नींव रखी, जिस पर बाद की घटनाओं ने इतनी अटूट नापसंदगी को जन्म दिया; और आपको जानने के एक महीने के भीतर ही मुझे यह एहसास हो गया था कि आप दुनिया के आखिरी आदमी हैं जिनसे मैं कभी शादी करने के लिए राजी हो सकती हूँ।"
आपने काफी कुछ कह दिया है, महोदया। मैं आपकी भावनाओं को भलीभांति समझता हूँ, और अब मुझे केवल अपनी भावनाओं पर शर्म आनी चाहिए। आपका इतना समय लेने के लिए क्षमा करें, और आपके अच्छे स्वास्थ्य और सुख के लिए मेरी शुभकामनाएँ स्वीकार करें।
और ये शब्द कहकर वह जल्दी से कमरे से निकल गया, और अगले ही पल एलिजाबेथ ने उसे सामने का दरवाजा खोलकर घर से बाहर जाते हुए सुना।

उसके मन में उथल-पुथल असहनीय रूप से बढ़ गई थी। वह खुद को संभाल नहीं पा रही थी और कमजोरी के मारे बैठ कर आधे घंटे तक रोती रही। बीते हुए घटनाक्रम पर विचार करते हुए उसका आश्चर्य बढ़ता ही जा रहा था। मिस्टर डार्सी से शादी का प्रस्ताव मिलना! इतने महीनों से उनका उससे प्रेम करना! इतना प्रेम करना कि अपने दोस्त की उसकी बहन से शादी रोकने वाली तमाम आपत्तियों के बावजूद उससे शादी करना चाहना, और ये आपत्तियां उसके अपने मामले में भी उतनी ही प्रबल होनी चाहिए थीं—यह लगभग अविश्वसनीय था! अनजाने में इतना गहरा स्नेह जगा पाना सुखद था। लेकिन उसका अहंकार, उसका घिनौना अहंकार—जेन के प्रति अपने किए का उसका निर्लज्ज स्वीकारोक्ति—उसकी अक्षम्य आत्मविश्वास से भरी स्वीकारोक्ति, हालांकि वह इसे उचित नहीं ठहरा सकता था, और जिस निर्दयी ढंग से उसने मिस्टर विकहम का ज़िक्र किया था, जिसके प्रति अपनी क्रूरता को उसने नकारने का प्रयास भी नहीं किया था, उसने जल्द ही उस दया को दबा दिया जो उसके लगाव के विचार ने क्षण भर के लिए जगाई थी। वह बहुत ही व्याकुल विचारों में डूबी रही, जब तक कि लेडी कैथरीन की गाड़ी की आवाज़ ने उसे यह एहसास नहीं दिलाया कि वह शार्लोट की नज़र का सामना करने में कितनी असमर्थ है, और वह जल्दी से अपने कमरे में चली गई।

अध्याय 12

अगली सुबह एलिजाबेथ उन्हीं विचारों और चिंतन में डूबी हुई जागी, जिनके कारण उसकी आँखें बंद हुई थीं। जो कुछ हुआ था, उसके आश्चर्य से वह अभी उबर नहीं पाई थी; किसी और चीज़ के बारे में सोचना असंभव था; और काम करने की बिल्कुल इच्छा न होने के कारण, उसने नाश्ते के तुरंत बाद ताज़ी हवा और सैर करने का फैसला किया। वह सीधे अपने पसंदीदा रास्ते पर जा रही थी, तभी मिस्टर डार्सी के कभी-कभार वहाँ आने की याद ने उसे रोक दिया, और पार्क में प्रवेश करने के बजाय, वह उस गली में मुड़ गई जो मुख्य सड़क से दूर जाती थी। पार्क की बाड़ अभी भी एक तरफ सीमा थी, और वह जल्द ही एक द्वार से होकर मैदान में प्रवेश कर गई।

उस गली के उस हिस्से पर दो-तीन चक्कर लगाने के बाद, सुबह की सुहावनी हवा ने उसे द्वार पर रुककर पार्क में झाँकने का मन कराया। केंट में बीते पाँच हफ़्तों ने उस ग्रामीण इलाके में बहुत बदलाव ला दिया था, और हर दिन सुबह के पेड़ों की हरियाली बढ़ती जा रही थी। वह अपनी सैर जारी रखने ही वाली थी कि पार्क के किनारे लगे पेड़ों के झुरमुट में उसकी नज़र एक सज्जन पर पड़ी; वह उस तरफ आ रहे थे; और उन्हें डर था कि कहीं वह मिस्टर डार्सी न हों, इसलिए वह तुरंत पीछे हट गईं। लेकिन आगे बढ़ने वाला व्यक्ति अब उनके काफ़ी करीब था, और उत्सुकता से आगे बढ़कर उनका नाम पुकारा। वह मुँह फेर लेतीं; लेकिन जब उन्होंने अपना नाम पुकारा हुआ सुना, हालाँकि आवाज़ से पता चल गया कि वह मिस्टर डार्सी ही थे, तो वह फिर से द्वार की ओर बढ़ गईं। तब तक वह भी वहाँ पहुँच चुका था, और एक पत्र उसे देते हुए, जिसे उसने सहज ही ले लिया, उसने बड़े ही गर्व भरे अंदाज़ में कहा, "मैं आपसे मिलने की उम्मीद में कुछ देर से इस बाग में घूम रहा था। क्या आप कृपया मेरा यह पत्र पढ़कर मुझे सम्मानित करेंगी?" फिर, थोड़ा झुककर, वह वापस बागान में मुड़ गया और जल्द ही आँखों से ओझल हो गया।

खुशी की कोई उम्मीद न रखते हुए, लेकिन बेहद उत्सुकता से एलिज़ाबेथ ने पत्र खोला और बढ़ते आश्चर्य के साथ देखा कि एक लिफाफा था जिसमें दो पन्ने थे, जो पूरी तरह से कटे हुए थे और बहुत घनी लिखावट में थे। लिफाफा भी भरा हुआ था। गली में आगे बढ़ते हुए उसने पत्र पढ़ना शुरू किया। यह रोज़िंग्स से सुबह आठ बजे का पत्र था और इस प्रकार था:—

महोदया, इस पत्र को पाकर भयभीत न हों, इस आशंका से कि इसमें उन भावनाओं की पुनरावृत्ति या उन प्रस्तावों का पुनरावर्तन होगा जो कल रात आपको इतने घृणित लगे थे। मैं आपको दुख पहुँचाने या स्वयं को नीचा दिखाने के किसी इरादे से नहीं लिख रहा हूँ, उन इच्छाओं पर ज़ोर देकर जिन्हें हम दोनों की खुशी के लिए जल्द भुलाया नहीं जा सकता; और इस पत्र को लिखने और पढ़ने में जो प्रयास लगेगा, वह बच जाता, यदि मेरे स्वभाव के कारण इसे लिखना और पढ़ना अनिवार्य न होता। इसलिए, कृपया मेरी उस स्वतंत्रता को क्षमा

करें जिसके साथ मैं आपका ध्यान चाहता हूँ; मुझे पता है कि आपकी भावनाएँ इसे अनिच्छा से देंगी, लेकिन मैं आपसे न्याय की अपेक्षा करता हूँ।

"आपने कल रात मुझ पर दो अत्यंत भिन्न प्रकृति के, और किसी भी प्रकार से समान गंभीरता के नहीं, दो अपराधों का आरोप लगाया। पहला यह था कि मैंने हम दोनों की भावनाओं की परवाह किए बिना, श्री बिंगले को आपकी बहन से अलग कर दिया था, और दूसरा यह कि मैंने विभिन्न दावों, मान-सम्मान और मानवता की अवहेलना करते हुए, श्री विकहम की तात्कालिक समृद्धि को नष्ट कर दिया और उनके भविष्य की संभावनाओं को चौपट कर दिया। जानबूझकर और लापरवाही से अपने बचपन के साथी, अपने पिता के प्रियतम, एक ऐसे युवक को त्याग देना, जिसकी हमारे संरक्षण के अलावा शायद ही कोई और निर्भरता थी, और जिसे हमारे संरक्षण की अपेक्षा करने के लिए पाला-पोसा गया था, एक ऐसा दुराचार है जिसकी तुलना दो युवा व्यक्तियों के अलगाव से नहीं की जा सकती, जिनका स्नेह केवल कुछ हफ्तों में ही पनपा हो। लेकिन कल रात प्रत्येक परिस्थिति के संबंध में मुझ पर लगाए गए उस गंभीर आरोप से, मुझे आशा है कि भविष्य में मुझे सुरक्षा मिलेगी, जब मेरे कार्यों और उनके उद्देश्यों का निम्नलिखित विवरण पढ़ा जाएगा। यदि, उनके स्पष्टीकरण में, जो कि..." मुझे अपनी भावनाओं को व्यक्त करने की मजबूरी है, जो शायद आपको ठेस पहुंचा सकती हैं। मैं केवल इतना ही कह सकता हूँ कि मुझे खेद है। मजबूरी का पालन करना ही होगा, और आगे माफी मांगना निरर्थक होगा।

हर्टफोर्डशायर में आए मुझे ज्यादा समय नहीं हुआ था कि मैंने, दूसरों की तरह, यह देख लिया कि बिंगले देश की किसी भी अन्य युवती की तुलना में आपकी बड़ी बहन को ज्यादा पसंद करता था। लेकिन नेदरफील्ड में नृत्य की शाम तक मुझे उसके गंभीर लगाव का कोई आभास नहीं हुआ था। मैंने उसे पहले भी कई बार प्रेम में देखा था। उस नृत्य समारोह में, जब मुझे आपके साथ नृत्य करने का सौभाग्य मिला, सर विलियम लुकास की आकस्मिक सूचना से मुझे पहली बार पता चला कि बिंगले का आपकी बहन के प्रति आकर्षण उनकी शादी की आम उम्मीद को जन्म दे रहा था। उन्होंने इसे एक निश्चित घटना के रूप में बताया, जिसका समय ही अनिश्चित था। उस क्षण से मैंने अपने मित्र के व्यवहार को ध्यान से देखा; और तब मुझे एहसास हुआ कि मिस बेनेट के प्रति उसका आकर्षण उससे कहीं अधिक था जितना मैंने उसे पहले कभी देखा था। मैंने आपकी बहन को भी देखा। उसकी नज़र और व्यवहार हमेशा की तरह खुले, हंसमुख और आकर्षक थे, लेकिन किसी विशेष लगाव के कोई लक्षण नहीं थे, और उस शाम के अवलोकन से मैं आश्वस्त हो गया कि यद्यपि वह उसके आकर्षण को खुशी से स्वीकार करती थी, उसने उसे आमंत्रित नहीं किया था। भावनाओं की कोई भागीदारी नहीं। यदि आप यहाँ गलत नहीं हैं, तो मुझसे ही गलती हुई होगी। आपकी बहन के बारे में आपके बेहतर ज्ञान से यह संभावना बढ़ जाती है। यदि ऐसा है, और यदि मैंने ऐसी गलती से उसे दुख पहुँचाया है, तो आपका आक्रोश अनुचित नहीं है। लेकिन मैं यह कहने में संकोच नहीं करूँगा कि आपकी बहन के चेहरे और हावभाव की शांति ऐसी थी कि किसी भी पारखी व्यक्ति को यह विश्वास हो जाता कि चाहे उसका स्वभाव कितना भी सौम्य क्यों न हो, उसका दिल आसानी से नहीं पिघलेगा। यह निश्चित है कि मैं उसे उदासीन मानना

चाहता था—लेकिन मैं यह कहने का साहस करूँगा कि मेरी जाँच और निर्णय आमतौर पर मेरी आशाओं या आशंकाओं से प्रभावित नहीं होते हैं। मैंने उसे उदासीन इसलिए नहीं माना क्योंकि मैं ऐसा चाहता था; मैंने यह निष्पक्ष विश्वास के आधार पर माना, ठीक उसी तरह जैसे मैं इसे तर्कसंगत रूप से चाहता था। विवाह के प्रति मेरी आपत्तियाँ केवल वे नहीं थीं जिन्हें मैंने कल रात अपने मामले में भावनाओं के बल पर दरकिनार करने की बात स्वीकार की थी; मेरे मित्र के लिए संबंध की कमी उतनी बड़ी बुराई नहीं हो सकती जितनी मेरे लिए। लेकिन इसके अन्य कारण भी थे। घृणा; ऐसे कारण जो अभी भी मौजूद हैं, और दोनों ही मामलों में समान रूप से मौजूद हैं, जिन्हें मैंने स्वयं भूलने का प्रयास किया था, क्योंकि वे मेरे सामने तुरंत नहीं थे। इन कारणों को संक्षेप में बताना आवश्यक है। आपकी माँ के परिवार की स्थिति, यद्यपि आपत्तिजनक थी, उस पूर्ण अभद्रता की तुलना में कुछ भी नहीं थी जो अक्सर, लगभग एकसमान रूप से, स्वयं आपकी माँ, आपकी तीन छोटी बहनों और कभी-कभी आपके पिता द्वारा भी प्रदर्शित की जाती थी। मुझे क्षमा करें। आपको ठेस पहुँचाने में मुझे दुख है। लेकिन अपने निकटतम रिश्तेदारों की कमियों के प्रति आपकी चिंता और उनके इस चित्रण पर आपकी नाराजगी के बीच, यह सोचकर आपको सांत्वना मिलनी चाहिए कि आपने इस प्रकार के निंदा से बचने के लिए जो आचरण किया है, वह आप और आपकी बड़ी बहन के लिए उतनी ही प्रशंसा का विषय है, जितना कि यह आप दोनों की समझ और स्वभाव के लिए सम्मानजनक है। मैं केवल इतना ही कहूँगा कि उस शाम जो कुछ हुआ, उससे सभी पक्षों के बारे में मेरी राय पुष्ट हो गई, और हर वह कारण और भी प्रबल हो गया जो मुझे पहले अपने मित्र को उस अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण संबंध से बचाने के लिए प्रेरित कर सकता था जिसे मैं एक अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण संबंध मानता था। वह नेदरफील्ड से चला गया। जैसा कि आपको यकीनन याद होगा, अगले दिन लंदन के लिए रवाना होना था, और जल्द ही वापस लौटने की योजना बनानी थी।

"मैंने जो भूमिका निभाई, अब उसे स्पष्ट करना होगा। उनकी बहनों की बेचैनी मेरी बेचैनी के बराबर ही थी; हमारी भावनाओं की समानता जल्द ही सामने आ गई, और हम दोनों को यह एहसास था कि अपने भाई को उनसे अलग करने में जरा भी देर नहीं करनी चाहिए, इसलिए हमने तुरंत लंदन में उनसे मिलने का फैसला किया। हम उसी के अनुसार गए—और वहाँ मैंने अपने मित्र को इस तरह के चुनाव के निश्चित नुकसानों के बारे में बताने का काम तुरंत शुरू कर दिया। मैंने उनका वर्णन किया और उन्हें पूरी गंभीरता से समझाया। लेकिन, चाहे इस विरोध ने उनके संकल्प को कितना भी डगमगाया हो या विलंबित किया हो, मुझे नहीं लगता कि इससे अंततः विवाह रुकता, अगर मैंने आपकी बहन की उदासीनता का आश्वासन देने में कोई संकोच न किया होता। इससे पहले उन्हें विश्वास था कि उनकी बहन भी उनके प्रति सच्ची, भले ही बराबर न हो, स्नेह रखती है। लेकिन बिंगले स्वभाव से बहुत विनम्र हैं, और वे अपने स्वयं के निर्णय की तुलना में मेरे निर्णय पर अधिक भरोसा करते हैं। इसलिए, उन्हें यह विश्वास दिलाना कि उन्होंने खुद को धोखा दिया है, कोई बहुत मुश्किल काम नहीं था। जब उन्हें यह विश्वास दिला दिया गया, तो उन्हें हर्टफोर्डशायर वापस न लौटने के लिए मनाना भी उतना ही कठिन था। यह क्षण भर का काम था। इतना करने के लिए मैं खुद को दोष नहीं दे सकता। इस पूरे मामले में मेरे आचरण का केवल एक ही पहलू ऐसा है जिस पर मुझे संतोष नहीं है; वह यह है

कि मैंने चालाकी से आपकी बहन के शहर में होने की बात उससे छुपाने का प्रयास किया। मुझे स्वयं यह पता था, जैसा कि मिस बिंगले को भी पता था; लेकिन उनके भाई को अभी तक इसकी जानकारी नहीं है। संभवतः वे बिना किसी अप्रिय परिणाम के मिल सकते थे; लेकिन मुझे ऐसा प्रतीत नहीं हुआ कि उनका स्नेह इतना कम हो गया था कि वे बिना किसी खतरे के उससे मिल पाते। शायद यह छुपाना, यह भेष बदलना मेरे लिए उचित नहीं था; लेकिन जो हुआ सो हुआ, और जो हुआ वह सर्वोत्तम था। इस विषय पर मुझे और कुछ नहीं कहना है, कोई और माफी नहीं मांगनी है। यदि मैंने आपकी बहन की भावनाओं को ठेस पहुँचाई है, तो यह अनजाने में हुआ है और यद्यपि मेरे इरादे आपको स्वाभाविक रूप से अपर्याप्त लग सकते हैं, मैंने अभी तक उन्हें नकारना नहीं सीखा है।

"श्री विकहम को चोट पहुंचाने के उस दूसरे, अधिक गंभीर आरोप के संबंध में, मैं केवल उनके मेरे परिवार के साथ पूरे संबंध को आपके सामने रखकर ही इसका खंडन कर सकता हूं। उन्होंने मुझ पर विशेष रूप से किस बात का आरोप लगाया है, इसकी मुझे जानकारी नहीं है; लेकिन जो मैं बताने जा रहा हूं उसकी सत्यता के लिए मैं एक से अधिक निर्विवाद गवाहों को प्रस्तुत कर सकता हूं।"

श्री विकहम एक बहुत ही सम्मानित व्यक्ति के पुत्र हैं, जिन्होंने कई वर्षों तक पेम्बर्ली की सभी जागीरों का प्रबंधन किया था, और अपने दायित्व के निर्वाह में उनके अच्छे आचरण ने स्वाभाविक रूप से मेरे पिता को उनकी सेवा करने के लिए प्रेरित किया; और जॉर्ज विकहम, जो उनके धर्मपुत्र थे, पर उन्होंने उदारतापूर्वक अपना स्नेह बरसाया। मेरे पिता ने स्कूल में और बाद में कैम्ब्रिज में उनकी पढ़ाई का खर्च उठाया—यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण सहायता थी, क्योंकि उनके अपने पिता, जो अपनी पत्नी की फिजूलखर्ची के कारण हमेशा गरीब थे, उन्हें एक सभ्य शिक्षा देने में असमर्थ होते। मेरे पिता न केवल इस युवक की संगति के शौकीन थे, जिसका व्यवहार हमेशा आकर्षक होता था; बल्कि उनके मन में उसके लिए उच्च सम्मान भी था, और यह आशा करते हुए कि वह चर्च को अपना पेशा बनाएगा, उन्होंने उसके लिए व्यवस्था करने का इरादा किया था। जहाँ तक मेरी बात है, कई वर्षों बाद मैंने पहली बार उनके बारे में एक अलग दृष्टिकोण से सोचना शुरू किया। उनकी दुष्ट प्रवृत्तियाँ—सिद्धांतों का अभाव, जिसे वह अपने सबसे अच्छे दोस्त से भी छुपाने के लिए सावधान रहते थे, लगभग उन्हीं की उम्र के एक युवक की नज़र से नहीं बच सका, जिसे उन्हें देखने के अवसर मिले थे। कुछ ऐसे अनगढ़ पल, जो मिस्टर डार्सी को कभी नहीं मिले होंगे। यहाँ मैं फिर से आपको पीड़ा दूँगा—किस हद तक, यह आप ही बता सकते हैं। लेकिन मिस्टर विकहम ने चाहे जो भी भावनाएँ पैदा की हों, उनकी प्रकृति पर संदेह मुझे उनके असली चरित्र को उजागर करने से नहीं रोकेगा—बल्कि इससे एक और प्रेरणा मिलती है।

मेरे उत्कृष्ट पिता का लगभग पाँच वर्ष पूर्व निधन हो गया; और श्री विकहम के प्रति उनका लगाव अंत तक इतना अटूट था कि उन्होंने अपनी वसीयत में विशेष रूप से मुझे उनकी उन्नति में उनके पेशे के अनुरूप सर्वोत्तम तरीके से योगदान देने की सलाह दी थी—और यदि वे पादरी बनते हैं, तो उन्होंने इच्छा व्यक्त की थी कि जैसे ही कोई मूल्यवान पारिवारिक संपत्ति रिक्त हो, वह मुझे मिल जाए। एक हजार पाउंड की वसीयत भी

थी। उनके अपने पिता का निधन मेरे पिता के निधन के कुछ ही समय बाद हो गया, और इन घटनाओं के छह महीने के भीतर ही श्री विकहम ने मुझे पत्र लिखकर सूचित किया कि पादरी बनने का विचार त्यागने के बाद, उन्हें आशा है कि मैं उनके द्वारा इस पदोन्नति के बदले में कुछ तत्काल आर्थिक लाभ की अपेक्षा को अनुचित नहीं समझूंगा, क्योंकि उन्हें इससे कोई लाभ नहीं मिल सकता था। उन्होंने आगे कहा कि उनका इरादा कानून की पढ़ाई करने का है, और मुझे यह समझना होगा कि एक हजार पाउंड का ब्याज इसमें बहुत अपर्याप्त होगा। मुझे उनकी ईमानदारी पर विश्वास तो नहीं था, लेकिन फिर भी मैं उनके प्रस्ताव को स्वीकार करने के लिए पूरी तरह तैयार था। मैं जानता था कि श्री विकहम को पादरी नहीं बनना चाहिए; इसलिए यह मामला जल्द ही मामला सुलझ गया—उन्होंने चर्च में सहायता के सभी दावों को त्याग दिया, यदि संभव हो भी तो वे इसे प्राप्त करने की स्थिति में होते, और बदले में तीन हजार पाउंड स्वीकार कर लिए। हमारे बीच अब सभी संबंध टूट चुके थे। मैं उनके बारे में इतना बुरा सोचता था कि उन्हें पेम्बर्ली आमंत्रित नहीं कर सका, न ही शहर में उनकी संगति स्वीकार कर सका। मेरा मानना है कि वे मुख्य रूप से शहर में ही रहते थे, लेकिन कानून की पढ़ाई करना उनका मात्र एक बहाना था, और अब सभी बंधनों से मुक्त होकर उनका जीवन आलस्य और अय्याशी से भरा था। लगभग तीन वर्षों तक मैंने उनके बारे में बहुत कम सुना; लेकिन उनके लिए निर्धारित पद के वर्तमान पादरी के निधन पर, उन्होंने मुझे फिर से पत्र लिखकर नियुक्ति के लिए आवेदन किया। उन्होंने मुझे आश्वासन दिया, और मुझे इस पर विश्वास करने में कोई कठिनाई नहीं हुई, कि उनकी परिस्थितियाँ अत्यंत दयनीय थीं। उन्हें कानून का अध्ययन अत्यंत निरर्थक लगा था, और अब वे पूरी तरह से पुरोहित बनने के लिए दृढ़ थे, यदि मैं उन्हें उस पद के लिए नियुक्त कर दूं—जिस पर उन्हें पूरा भरोसा था, क्योंकि उन्हें पूरा विश्वास था कि मेरे पास किसी और का भरण-पोषण करने की जिम्मेदारी नहीं है, और मैं अपने आदरणीय पादरी को नहीं भूल सकता था। पिता के इरादों के बारे में। इस विनती को मानने से इनकार करने या बार-बार दोहराए जाने पर इसका विरोध करने के लिए आप मुझे दोष नहीं देंगे। उनका गुस्सा उनकी परिस्थितियों की पीड़ा के अनुपात में था—और निस्संदेह वे दूसरों के सामने मेरी जितनी ही क्रूरता से निंदा करते थे, उतनी ही क्रूरता से मेरी भी निंदा करते थे। इस अवधि के बाद, उनसे जान-पहचान का कोई भी आसार नहीं रहा। वे कैसे रहते थे, यह मुझे नहीं पता। लेकिन पिछली गर्मियों में वे एक बार फिर बड़े कष्ट से मेरे ध्यान में आए।

"मुझे अब एक ऐसी घटना का ज़िक्र करना होगा जिसे मैं खुद भी भूलना चाहूँगा, और जिसे वर्तमान दायित्व के अलावा कोई और बात मुझे किसी के सामने ज़ाहिर करने के लिए विवश नहीं करेगी। इतना कहने के बाद, मुझे आपकी गोपनीयता पर कोई संदेह नहीं है। मेरी बहन, जो मुझसे दस साल से भी छोटी है, को मेरी माँ के भतीजे, कर्नल फिट्ज़विलियम और मेरे संरक्षण में छोड़ दिया गया था। लगभग एक साल पहले, उसे स्कूल से निकाल लिया गया और लंदन में उसके लिए एक संस्था स्थापित की गई; और पिछली गर्मियों में वह उस संस्था की प्रमुख महिला के साथ रैम्सगेट चली गई; और वहाँ मिस्टर विकहम भी गए, निस्संदेह किसी योजना के तहत; क्योंकि यह साबित हो चुका है कि उनके और श्रीमती यंग के बीच पहले से जान-पहचान थी, जिनके

चरित्र के बारे में हम बेहद दुर्भाग्यपूर्ण रूप से धोखा खा गए थे; और उनकी मिलीभगत और मदद से, उन्होंने जॉर्जियाना को इतना प्रभावित किया, जिसके स्नेही हृदय में बचपन में उनके प्रति दिखाई गई दयालुता की गहरी छाप थी, कि वह खुद को प्यार में समझने लगी और भाग जाने के लिए राज़ी हो गई। तब वह केवल पंद्रह वर्ष की थी, जो उसका बहाना होना चाहिए; और अपनी नासमझी बताने के बाद, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि मुझे इसकी जानकारी उन्हीं से मिली थी। मैं उनके साथ अचानक, उनके भागने की योजना से एक-दो दिन पहले ही शामिल हो गया, और फिर जॉर्जियाना, अपने उस भाई को दुखी और अपमानित करने का विचार सहन न कर पाने के कारण, जिसे वह लगभग पिता समान मानती थी, ने मुझे सब कुछ बता दिया। आप कल्पना कर सकते हैं कि मैंने क्या महसूस किया और कैसे व्यवहार किया। अपनी बहन की प्रतिष्ठा और भावनाओं का सम्मान करते हुए मैंने किसी भी सार्वजनिक खुलासे से परहेज किया; लेकिन मैंने मिस्टर विकहम को पत्र लिखा, जो तुरंत वहां से चले गए, और श्रीमती यंग को भी उनकी जिम्मेदारी से मुक्त कर दिया गया। मिस्टर विकहम का मुख्य उद्देश्य निस्संदेह मेरी बहन की तीस हजार पाउंड की संपत्ति थी; लेकिन मैं यह मानने से खुद को नहीं रोक सकता कि मुझसे बदला लेने की उम्मीद भी एक बड़ा कारण रही होगी। उनका बदला वाकई पूरा होता।

"महोदया, यह उन सभी घटनाओं का सटीक विवरण है जिनमें हम दोनों एक साथ शामिल रहे हैं; और यदि आप इसे पूरी तरह से झूठा मानकर अस्वीकार नहीं करती हैं, तो मुझे आशा है कि आप श्री विकहम के प्रति मेरे दुर्व्यवहार के आरोप से मुझे मुक्त कर देंगी। मुझे नहीं पता कि उसने किस तरह, किस झूठ के छल से आपको धोखा दिया; लेकिन उसकी सफलता पर शायद आश्चर्य नहीं होना चाहिए। आप दोनों के बारे में पहले कुछ भी नहीं जानती थीं, इसलिए उसे पकड़ना आपके बस में नहीं था, और संदेह करने की प्रवृत्ति तो बिल्कुल भी नहीं थी।"

आप शायद सोच रहे होंगे कि ये सब बातें आपको कल रात क्यों नहीं बताई गईं; लेकिन उस समय मैं इतना होश में नहीं था कि यह जान सकूँ कि क्या बताना चाहिए या क्या बताना उचित होगा। यहाँ बताई गई हर बात की सच्चाई के लिए, मैं कर्नल फिट्ज़विलियम की गवाही का विशेष रूप से हवाला दे सकता हूँ, जो हमारे घनिष्ठ संबंध और निरंतर संपर्क के कारण, और उससे भी बढ़कर, मेरे पिता की वसीयत के निष्पादकों में से एक होने के नाते, इन सभी घटनाओं की पूरी जानकारी रखते हैं। यदि मेरे प्रति आपकी घृणा मेरे कथनों को अर्थहीन बना देती है, तो भी आप मेरे चचेरे भाई पर भरोसा कर सकते हैं; और उनसे परामर्श करने की संभावना के लिए, मैं सुबह के समय यह पत्र आपको देने का प्रयास करूँगा। मैं बस इतना ही कहूँगा, ईश्वर आपका भला करे।

"फिट्ज़विलियम डार्सी"

अध्याय 13

जब श्री डार्सी ने एलिज़ाबेथ को पत्र दिया, तो अगर उन्हें उसमें उनके नए प्रस्तावों की उम्मीद नहीं थी, तो उन्होंने उसके विषयवस्तु के बारे में भी कोई अनुमान नहीं लगाया था। लेकिन जो भी विषयवस्तु थी, उससे यह अनुमान लगाया जा सकता है कि उन्होंने उसे कितनी उत्सुकता से पढ़ा और उससे उत्पन्न भावनाओं का कितना विरोधाभास पैदा हुआ। पढ़ते समय उनकी भावनाओं को शब्दों में बयां करना मुश्किल था। पहले तो उन्हें आश्चर्य हुआ कि उन्हें लगता है कि वे किसी भी तरह से माफी मांग सकते हैं; और उन्हें दृढ़ विश्वास हो गया कि उनके पास ऐसा कोई स्पष्टीकरण नहीं हो सकता जिसे शर्मिंदगी की भावना न छिपा सके। उनकी हर बात के प्रति गहरी आशंका के साथ, उन्होंने नेदरफील्ड में हुई घटनाओं का उनका विवरण पढ़ना शुरू किया। उन्होंने इतनी उत्सुकता से पढ़ा कि उनकी समझ लगभग खत्म ही हो गई थी, और अगले वाक्य में क्या आएगा यह जानने की बेचैनी के कारण, वे अपने सामने वाले वाक्य के अर्थ पर ध्यान नहीं दे पा रही थीं। उन्होंने तुरंत ही यह मान लिया कि उनकी बहन की संवेदनहीनता का उनका विश्वास गलत है; और विवाह के प्रति उनके वास्तविक, सबसे गंभीर आपत्तियों के विवरण ने उन्हें इतना क्रोधित कर दिया कि उनके साथ न्याय करने की उनकी कोई इच्छा ही नहीं रही। उसने अपने किए पर कोई पछतावा नहीं जताया, जिससे वह संतुष्ट हो गई; उसका लहजा पश्चातापपूर्ण नहीं, बल्कि घमंडी था। यह सब अहंकार और धृष्टता से भरा था। लेकिन जब इस विषय के बाद श्री विकहम के बारे में उनका विवरण आया—जब उन्होंने कुछ अधिक ध्यान से उन घटनाओं का वर्णन पढ़ा, जो यदि सच होतीं, तो उनकी योग्यता के बारे में उनकी हर प्रिय राय को उलट देतीं, और जो उनके स्वयं के आत्म-प्रवृत्तियों से इतनी भयावह समानता रखती थीं—तो उनकी भावनाएँ और भी तीव्र रूप से पीड़ादायक और परिभाषित करने में कठिन हो गईं। आश्चर्य, आशंका और यहाँ तक कि भय ने उन्हें जकड़ लिया। वह इसे पूरी तरह से नकारना चाहती थीं, बार-बार चिल्लाती रहीं, "यह झूठ होना चाहिए! ऐसा नहीं हो सकता! यह घोर झूठ होना चाहिए!"—और जब उन्होंने पूरा पत्र पढ़ लिया, हालाँकि अंतिम एक-दो पृष्ठों के बारे में उन्हें शायद ही कुछ पता था, तो उन्होंने उसे जल्दी से रख दिया, यह कहते हुए कि वह इसे नहीं देखेंगी, कि वह इसे फिर कभी नहीं देखेंगी।

मन की इस अशांत अवस्था में, अनसुलझे विचारों के साथ, वह चलती रही; लेकिन यह काफी नहीं था; आधे मिनट में ही उसने पत्र फिर से खोला, और जितना हो सके खुद को संभालते हुए, उसने फिर से विकहम से संबंधित सभी बातों को पढ़ना शुरू किया, और खुद को हर वाक्य का अर्थ समझने के लिए बाध्य किया। पेम्बर्ली परिवार से उसके संबंध का विवरण बिल्कुल वैसा ही था जैसा उसने खुद बताया था; और स्वर्गीय श्री डार्सी की दयालुता, हालांकि वह पहले इसकी सीमा नहीं जानती थी, उसके अपने शब्दों से पूरी तरह मेल खाती थी। अब तक दोनों बातें एक-दूसरे की पुष्टि कर रही थीं; लेकिन जब वह वसीयत पर पहुंची, तो अंतर स्पष्ट हो गया। विकहम ने जीवित लोगों के बारे में जो कहा था, वह उसकी स्मृति में ताजा था, और जैसे ही उसे

उसके शब्द याद आए, यह महसूस करना असंभव नहीं था कि किसी न किसी पक्ष की ओर से घोर छल है; और कुछ क्षणों के लिए, उसने खुद को यह कहकर दिलासा दिया कि उसकी इच्छाएं गलत नहीं थीं। लेकिन जब उसने विकहम द्वारा पद से इस्तीफा देने और उसके बदले में तीन हजार पाउंड जैसी बड़ी रकम मिलने के विवरण को अत्यंत ध्यान से बार-बार पढ़ा, तो वह फिर से संशय में पड़ गई। उसने पत्र नीचे रख दिया, हर परिस्थिति का निष्पक्षता से विश्लेषण किया—प्रत्येक कथन की संभावना पर विचार किया—पर कोई खास सफलता नहीं मिली। दोनों तरफ से केवल दावे ही थे। उसने फिर से पढ़ना शुरू किया; लेकिन हर पंक्ति से यह और भी स्पष्ट हो गया कि यह मामला, जिसे वह अब तक असंभव मानती थी कि किसी भी चाल से मिस्टर डार्सी के आचरण को बदनामी से बचाया जा सके, एक ऐसा मोड़ ले सकता था जिससे वह पूरी तरह निर्दोष साबित हो जाए।

उनकी फिजूलखर्ची और अय्याशी का आरोप उन्होंने श्री विकहम पर लगाने में जरा भी संकोच नहीं किया, जिससे वह बेहद आहत हुई; खासकर इसलिए क्योंकि वह इसके अन्याय का कोई सबूत पेश नहीं कर सकीं। उन्होंने श्री विकहम की मिलिशिया में शामिल होने से पहले उनके बारे में कभी नहीं सुना था, जिसमें वह उस युवक के कहने पर भर्ती हुए थे, जिसने शहर में उनसे आकस्मिक मुलाकात के बाद उनकी थोड़ी-बहुत जान-पहचान फिर से ताज़ा कर ली थी। हर्टफोर्डशायर में उनके पूर्व जीवन के बारे में केवल वही पता था जो उन्होंने खुद बताया था। उनके वास्तविक चरित्र के बारे में, यदि जानकारी उनके पास होती, तो उन्होंने कभी पूछताछ करने की इच्छा नहीं की होती। उनका चेहरा, आवाज और व्यवहार उन्हें हर सद्गुण से परिपूर्ण साबित करते थे। उन्होंने अच्छाई का कोई उदाहरण, ईमानदारी या परोपकार का कोई विशिष्ट गुण याद करने की कोशिश की, जो उन्हें श्री डार्सी के आरोपों से बचा सके; या कम से कम, सद्गुण की प्रधानता से, उन आकस्मिक गलतियों का प्रायश्चित कर सके जिनके अंतर्गत वह श्री डार्सी द्वारा वर्षों से चली आ रही निष्क्रियता और दुर्गुण के रूप में वर्णित बातों को रखने का प्रयास करती। परन्तु ऐसी कोई स्मृति उसके सहायक नहीं हुई। वह उसे अपने सामने, हर तरह के आकर्षण और व्यवहार के साथ देख सकती थी; परन्तु उसे पड़ोस की सामान्य स्वीकृति और भोजनालय में उसके सामाजिक प्रभाव से प्राप्त सम्मान के अलावा कोई ठोस अच्छाई याद नहीं आ रही थी। इस बिंदु पर कुछ देर रुकने के बाद, उसने फिर से पढ़ना शुरू किया। परन्तु, अफसोस! आगे जो कहानी आई, जिसमें मिस डार्सी पर उसके इरादों का जिक्र था, उसे कर्नल फिट्ज़विलियम और उसके बीच पिछली सुबह हुई बातचीत से कुछ पुष्टि मिली; और अंत में उसे हर बात की सच्चाई जानने के लिए स्वयं कर्नल फिट्ज़विलियम के पास भेजा गया—जिनसे उसे पहले ही अपने चचेरे भाई के सभी मामलों में उनकी गहरी रुचि की जानकारी मिली थी, और जिनके चरित्र पर संदेह करने का उसके पास कोई कारण नहीं था। एक समय तो उसने लगभग उससे शादी का प्रस्ताव रखने का फैसला कर ही लिया था, लेकिन आवेदन की प्रक्रिया की असुविधा के कारण यह विचार रुक गया, और अंततः इस दृढ़ विश्वास के कारण पूरी तरह से त्याग दिया गया कि यदि श्री डार्सी को अपनी चचेरी बहन की पुष्टि का पूरा भरोसा न होता तो वह कभी भी ऐसा प्रस्ताव रखने का जोखिम नहीं उठाते।

मिस्टर फिलिप्स के यहाँ पहली शाम को विकहम और उसके बीच हुई बातचीत उसे पूरी तरह याद थी। उसके कई भाव अभी भी उसकी स्मृति में ताज़ा थे। अब उसे एक अजनबी से इस तरह की बातचीत की अनुचितता का एहसास हुआ और उसे आश्चर्य हुआ कि यह बात पहले उसकी समझ से कैसे छूट गई। उसने देखा कि उसने जिस तरह से खुद को आगे बढ़ाया था वह कितना अशोभनीय था और उसके कथन और व्यवहार में कितना विरोधाभास था। उसे याद आया कि उसने शेखी मारी थी कि उसे मिस्टर डार्सी से मिलने का कोई डर नहीं है—कि मिस्टर डार्सी चाहे देश छोड़कर चले जाएँ, वह डटा रहेगा; फिर भी उसने अगले ही हफ्ते नेदरफील्ड बॉल में जाने से परहेज किया था। उसे यह भी याद आया कि नेदरफील्ड परिवार के देश छोड़ने तक उसने अपनी कहानी केवल उसे ही सुनाई थी; लेकिन उनके जाने के बाद यह हर जगह चर्चा का विषय बन गई थी; कि मिस्टर डार्सी की छवि खराब करने में उसे कोई संकोच नहीं था, हालाँकि उसने उसे आश्वासन दिया था कि पिता के प्रति सम्मान उसे बेटे का पर्दाफाश करने से हमेशा रोकेगा।

अब उसके लिए सब कुछ कितना अलग प्रतीत हो रहा था! मिस किंग के प्रति उसका ध्यान अब पूरी तरह से स्वार्थी और घृणित स्वार्थ पर आधारित था; और उसकी साधारण संपत्ति अब उसकी इच्छाओं का संयम नहीं, बल्कि किसी भी चीज़ को हथियाने की उसकी लालसा साबित हो रही थी। उसके प्रति उसका व्यवहार अब किसी भी स्वीकार्य कारण से नहीं हो सकता था; या तो उसे उसकी संपत्ति के बारे में गलत जानकारी मिली थी, या वह अपनी अभिमान को संतुष्ट करने के लिए उस पसंद को बढ़ावा दे रहा था जिसे उसने बड़ी लापरवाही से दिखाया था। उसके पक्ष में उसका हर प्रयास धीरे-धीरे कमजोर होता जा रहा था; और मिस्टर डार्सी के पक्ष में और अधिक समर्थन के रूप में, वह यह मानने के लिए बाध्य थी कि जेन द्वारा पूछे जाने पर मिस्टर बिंगले ने बहुत पहले ही इस मामले में अपनी निर्दोषता का दावा किया था। हालांकि उसका व्यवहार घमंडी और घृणित था, फिर भी अपनी पूरी जान-पहचान के दौरान—जिससे हाल ही में वे दोनों काफी करीब आ गए थे और उसे उसके तौर-तरीकों की एक तरह की अंतरंगता मिल गई थी—उसने कभी भी ऐसा कुछ नहीं देखा था जिससे यह पता चले कि वह सिद्धांतहीन या अन्यायपूर्ण था—ऐसा कुछ भी नहीं जिससे उसके अधार्मिक या अनैतिक स्वभाव का संकेत मिले; कि अपने परिचितों में उसका सम्मान और आदर था—कि यहां तक कि विकहम ने भी उसे भाई के रूप में सम्मान दिया था, और उसने अक्सर उसे अपनी बहन के बारे में इतने स्नेह से बात करते सुना था जिससे यह साबित होता था कि वह कुछ हद तक स्नेहपूर्ण भावना रखने में सक्षम था; कि यदि उसके कार्य वही होते जो मिस्टर विकहम ने बताए थे, तो नियमों के इतने घोर उल्लंघन को दुनिया से छिपाना मुश्किल होता; और कि ऐसे व्यक्ति और मिस्टर बिंगले जैसे इतने सौम्य व्यक्ति के बीच मित्रता समझ से परे थी।

उसे अपने आप पर बेहद शर्मिंदगी महसूस हुई। डार्सी और विकहम, दोनों के बारे में सोचते ही उसे लगने लगा कि वह अंधी, पक्षपाती, पूर्वाग्रही और मूर्ख थी।

"मैंने कितना घिनौना काम किया है!" वह रो पड़ी; "मैं, जिसने अपनी समझदारी पर गर्व किया! मैं, जिसने अपनी क्षमताओं को महत्व दिया! जिसने अक्सर अपनी बहन की उदारता और स्पष्टवादिता को ठुकराया और

व्यर्थ या निंदनीय अविश्वास में अपने अहंकार को संतुष्ट किया! यह खुलासा कितना अपमानजनक है! फिर भी, कितना न्यायसंगत अपमान है! अगर मैं प्यार में होती, तो इससे ज़्यादा अंधी नहीं हो सकती थी! लेकिन प्यार नहीं, अहंकार मेरी मूर्खता रही है। एक की पसंद से खुश और दूसरे की उपेक्षा से आहत होकर, हमारी जान-पहचान की शुरुआत से ही, मैंने पूर्वाग्रह और अज्ञानता को बढ़ावा दिया और जहाँ भी बात आई, तर्क को दूर भगा दिया। इस पल तक मैं खुद को नहीं जान पाई।"

खुद से जेन तक—जेन से बिंगले तक, उसके विचार एक सीधी रेखा में चल रहे थे जिससे उसे जल्द ही याद आ गया कि मिस्टर डार्सी का स्पष्टीकरण बहुत अपर्याप्त प्रतीत हुआ था, और उसने उसे फिर से पढ़ा। दूसरी बार पढ़ने का प्रभाव बिल्कुल अलग था। वह कैसे एक बार में उनके कथनों पर विश्वास करने से इनकार कर सकती थी, जबकि दूसरी बार उसे ऐसा करना पड़ा था? उन्होंने खुद को अपनी बहन के लगाव के बारे में बिल्कुल भी संदेह न होने की बात कही थी; और वह शार्लोट की हमेशा से रही राय को याद किए बिना नहीं रह सकी। न ही वह जेन के उनके वर्णन की सत्यता से इनकार कर सकती थी। उसने महसूस किया कि जेन की भावनाएँ, हालांकि तीव्र थीं, लेकिन कम ही प्रदर्शित होती थीं, और उसके हावभाव और व्यवहार में एक निरंतर आत्मसंतुष्टि झलकती थी जो अक्सर अत्यधिक संवेदनशीलता के साथ मेल नहीं खाती थी।

जब वह पत्र के उस हिस्से पर पहुँची जिसमें उसके परिवार का ज़िक्र इतने अपमानजनक, फिर भी उचित निंदा भरे शब्दों में किया गया था, तो उसे घोर शर्मिंदगी महसूस हुई। आरोप की सच्चाई ने उसे इतना झकझोर दिया कि वह उसे नकार नहीं सकी, और जिन परिस्थितियों का उसने विशेष रूप से उल्लेख किया था कि वे नेदरफील्ड बॉल में घटी थीं और उसकी पहली असहमति की पुष्टि करती थीं, उनका उसके मन पर उतना ही गहरा प्रभाव पड़ा होगा जितना उसके मन पर।

खुद और अपनी बहन की तारीफ सुनकर उसे बुरा नहीं लगा। इससे उसे कुछ राहत तो मिली, लेकिन परिवार के बाकी सदस्यों द्वारा खुद पर किए गए तिरस्कार से उसे सांत्वना नहीं मिली; और जब उसने सोचा कि जेन की निराशा वास्तव में उसके करीबी रिश्तेदारों की वजह से थी, और इस बात पर विचार किया कि इस तरह के अनुचित व्यवहार से दोनों की प्रतिष्ठा को कितना नुकसान पहुंचा होगा, तो वह पहले से कहीं अधिक उदास हो गई।

दो घंटे तक गली में भटकने के बाद, तरह-तरह के विचारों में उलझने के बाद—घटनाओं पर पुनर्विचार करने, संभावनाओं का आकलन करने और खुद को यथासंभव इस अचानक और महत्वपूर्ण बदलाव के लिए तैयार करने के बाद—थकान और अपनी लंबी अनुपस्थिति की याद ने अंततः उसे घर लौटने पर मजबूर कर दिया; और वह हमेशा की तरह खुशमिजाज दिखने की इच्छा और उन विचारों को दबाने के संकल्प के साथ घर में दाखिल हुई जो उसे बातचीत के लिए अनुपयुक्त बना सकते थे।

उसे तुरंत बताया गया कि रोज़िंग्स के दोनों सज्जन उसकी अनुपस्थिति में उससे मिलने आए थे; श्री डार्सी तो बस कुछ मिनटों के लिए विदा लेने आए थे—लेकिन कर्नल फिट्ज़विलियम कम से कम एक घंटे से उनके साथ बैठे थे, उसके लौटने की उम्मीद में, और लगभग यह तय कर चुके थे कि जब तक वह मिल न जाए, तब

तक उसके पीछे-पीछे चलते रहेंगे। एलिज़ाबेथ ने बड़ी मुश्किल से ही उसके न मिलने पर चिंता जताई; असल में वह इस बात से बहुत खुश थी। कर्नल फिट्ज़विलियम अब उसके लिए कोई मायने नहीं रखते थे; वह सिर्फ अपने पत्र के बारे में सोच रही थी।

अध्याय 14

अगली सुबह दोनों सज्जन रोसिंग से रवाना हो गए, और श्री कॉलिन्स लॉज के पास ही उनका इंतज़ार कर रहे थे ताकि उन्हें विदाई दे सकें। उन्हें यह सुखद समाचार मिला कि दोनों सज्जन बहुत स्वस्थ हैं और रोसिंग में हाल ही में हुई दुखद घटना के बाद भी उनका मनोबल काफी अच्छा है। इसके बाद वे लेडी कैथरीन और उनकी बेटी को सांत्वना देने के लिए रोसिंग के लिए रवाना हुए; और लौटकर वे लेडी कैथरीन का संदेश लेकर आए, जिसमें उन्होंने कहा था कि वे इतनी उदास हैं कि उन सभी के साथ भोजन करना चाहती हैं।

एलिजाबेथ को लेडी कैथरीन को देखते ही यह बात याद आ जाती थी कि अगर उसने ऐसा चुना होता, तो शायद अब तक उसे भावी भतीजी के रूप में उनसे मिलवाया जा चुका होता; और वह इस बात को सोचकर मुस्कुराए बिना नहीं रह पाती थी कि लेडी कैथरीन को कितना गुस्सा आता। "वह क्या कहतीं? उनका व्यवहार कैसा होता?" ये ऐसे सवाल थे जिनसे वह अपना मनोरंजन करती रहती थी।

उनका पहला विषय रोज़िंग्स पार्टी के सदस्यों की संख्या में कमी थी। लेडी कैथरीन ने कहा, "मैं आपको विश्वास दिलाती हूँ, मुझे इसका बहुत दुख है। मेरा मानना है कि दोस्तों के बिछड़ने का दर्द मुझसे ज़्यादा किसी को नहीं होता। लेकिन मैं इन नौजवानों से बहुत लगाव रखती हूँ और जानती हूँ कि वे भी मुझसे उतना ही लगाव रखते हैं! उन्हें जाने का बहुत दुख हुआ! पर वे हमेशा ऐसे ही होते हैं। प्यारे कर्नल ने अंत तक तो अपना मनोबल बनाए रखा; लेकिन डार्सी को इसका सबसे ज़्यादा दुख हुआ, मुझे लगता है कि पिछले साल से भी ज़्यादा। रोज़िंग्स के प्रति उनका लगाव निश्चित रूप से बढ़ गया है।"

श्री कॉलिन्स ने एक प्रशंसा और एक संकेत भी दिया, जिसे मां और बेटी ने विनम्रतापूर्वक स्वीकार कर लिया। लेडी कैथरीन ने भोजन के बाद देखा कि मिस बेनेट कुछ उदास लग रही थीं, और तुरंत खुद ही इसका कारण समझते हुए, यह मानकर कि वह इतनी जल्दी घर वापस जाना नहीं चाहती थीं, उन्होंने आगे कहा:

"लेकिन अगर ऐसा है, तो आपको अपनी माँ को पत्र लिखकर कुछ और समय रुकने की अनुमति माँगनी चाहिए। मुझे पूरा विश्वास है कि श्रीमती कॉलिन्स को आपकी संगति बहुत पसंद आएगी।"

"आपके निमंत्रण के लिए मैं आपकी बहुत आभारी हूं," एलिजाबेथ ने उत्तर दिया, "लेकिन मेरे लिए इसे स्वीकार करना संभव नहीं है। मुझे अगले शनिवार को शहर में होना होगा।"

"अरे, इस हिसाब से तो आप यहाँ सिर्फ छह हफ्ते ही रह पाएँगे। मुझे उम्मीद थी कि आप दो महीने रुकेंगे। मैंने आपके आने से पहले श्रीमती कॉलिन्स को यही बताया था। आपके इतनी जल्दी जाने की कोई ज़रूरत नहीं है। श्रीमती बेनेट आपको दो हफ्ते और रुकने की सुविधा दे सकती हैं।"

"लेकिन मेरे पिता नहीं आ सकते। उन्होंने पिछले हफ्ते मुझे जल्दी लौटने के लिए पत्र लिखा था।"

"ओह! अगर तुम्हारी माँ चाहे तो तुम्हारे पिता तुम्हें ज़रूर छोड़ देंगे। पिता के लिए बेटियाँ कभी इतनी महत्वपूर्ण नहीं होतीं। और अगर तुम एक और महीना रुकोगी, तो मेरे लिए तुममें से किसी एक को लंदन ले

जाना संभव होगा, क्योंकि मैं जून की शुरुआत में एक सप्ताह के लिए वहाँ जा रहा हूँ; और चूंकि डॉसन को बग्घी में कोई आपत्ति नहीं है, तो तुममें से किसी एक के लिए पर्याप्त जगह होगी—और वास्तव में, अगर मौसम ठंडा हुआ, तो मुझे तुम दोनों को ले जाने में कोई आपत्ति नहीं होगी, क्योंकि तुम दोनों में से कोई भी मोटी नहीं हो।"

"आप तो पूरी तरह से दयालु हैं, महोदया; लेकिन मेरा मानना है कि हमें अपनी मूल योजना का पालन करना चाहिए।"

लेडी कैथरीन ने मानो हार मान ली थी। "श्रीमती कॉलिन्स, आपको उनके साथ एक नौकर भेजना ही होगा। आप जानती हैं कि मैं हमेशा अपने मन की बात कहती हूँ, और दो युवतियों का अकेले डाक से यात्रा करना मुझे बिलकुल बर्दाश्त नहीं। यह बहुत ही अनुचित है। आपको किसी को भेजने का प्रबंध करना ही होगा। मुझे इस तरह की चीज़ें बिल्कुल पसंद नहीं हैं। युवतियों की उनकी स्थिति के अनुसार उचित सुरक्षा और देखभाल होनी चाहिए। पिछली गर्मियों में जब मेरी भतीजी जॉर्जियाना रैम्सगेट गई थी, तो मैंने विशेष रूप से उसके साथ दो नौकर भेजे थे। पेम्बर्ली के श्री डार्सी की बेटी मिस डार्सी और लेडी ऐनी भी इससे अलग व्यवहार नहीं कर सकती थीं। मैं इन सभी बातों का बहुत ध्यान रखती हूँ। श्रीमती कॉलिन्स, आपको जॉन को युवतियों के साथ भेजना ही होगा। मुझे खुशी है कि मुझे यह बात याद आई; क्योंकि उन्हें अकेले जाने देना आपके लिए सचमुच अपमानजनक होगा।"

"मेरे चाचा हमारे लिए एक नौकर भेजने वाले हैं।"

"अरे! आपके चाचा! क्या उन्होंने कोई नौकर रखा हुआ है? मुझे बहुत खुशी है कि आपके पास कोई ऐसा है जो इन बातों का ध्यान रखता है। आप घोड़े कहाँ बदलेंगे? अरे! ब्रोमली में, बिल्कुल। अगर आप बेल में मेरा नाम लेंगे, तो आपकी सेवा की जाएगी।"

लेडी कैथरीन के मन में अपनी यात्रा को लेकर कई और सवाल थे, और चूंकि वह उन सभी का जवाब खुद नहीं दे सकती थीं, इसलिए ध्यान देना आवश्यक था, जिसे एलिजाबेथ अपने लिए सौभाग्य मानती थीं; वरना, इतने व्यस्त मन से वह शायद भूल ही जातीं कि वह कहां हैं। चिंतन एकांत के लिए ही उपयुक्त होता है; जब भी वह अकेली होतीं, तो वह इसे सबसे बड़ा सुकून मानती थीं; और एक भी दिन ऐसा नहीं गुजरता था जब वह अकेले सैर पर न जातीं, जिसमें वह अप्रिय यादों के आनंद में डूब जातीं।

मिस्टर डार्सी का पत्र उसे लगभग कंठस्थ हो गया था। उसने हर वाक्य का अध्ययन किया; और उसके लेखक के प्रति उसकी भावनाएँ कभी-कभी बहुत बदलती रहती थीं। जब उसे उसकी लेखन शैली याद आती, तो वह अब भी आक्रोश से भरी होती; लेकिन जब वह सोचती कि उसने कितनी अनुचित रूप से उसकी निंदा और आलोचना की थी, तो उसका क्रोध स्वयं पर आ जाता; और उसकी निराश भावनाएँ उसके लिए दया का पात्र बन जातीं। उसका लगाव कृतज्ञता जगाता था, उसका सामान्य चरित्र सम्मान का पात्र था; लेकिन वह उसे स्वीकार नहीं कर सकती थी; न ही वह एक पल के लिए भी अपने इनकार पर पछतावा कर सकती थी, और न ही उसे फिर कभी उससे मिलने की कोई इच्छा होती। अपने स्वयं के अतीत के व्यवहार में निरंतर झुंझलाहट

और पछतावा बना रहता था; और अपने परिवार की दुर्भाग्यपूर्ण कमियों में और भी अधिक दुख होता था। उनका कोई समाधान नहीं था। उसके पिता, उन पर हँसने में ही संतुष्ट रहते थे, और अपनी सबसे छोटी बेटियों की बेकाबू चंचलता को रोकने के लिए कभी प्रयास नहीं करते थे; और उसकी माँ, जिसका व्यवहार स्वयं इतना अनुचित था, इस बुराई से पूरी तरह अनजान थी। एलिज़ाबेथ अक्सर जेन के साथ मिलकर कैथरीन और लिडिया की नासमझी को रोकने की कोशिश करती थीं; लेकिन जब तक उन्हें अपनी माँ का स्नेह मिलता रहेगा, तब तक उनके सुधरने की क्या उम्मीद हो सकती है? कमज़ोर दिल, चिड़चिड़ी और पूरी तरह से लिडिया के मार्गदर्शन में रहने वाली कैथरीन को उनकी सलाह हमेशा बुरी लगती थी; और मनमानी करने वाली और लापरवाह लिडिया उनकी बात सुनती ही नहीं थी। वे अज्ञानी, आलसी और घमंडी थीं। जब तक मेरिटन में कोई अधिकारी होता, वे उससे इश्कबाज़ी करतीं; और जब तक मेरिटन लॉन्गबोर्न से पैदल दूरी पर होता, वे हमेशा वहीं जाती रहतीं।

जेन के लिए चिंता भी एक प्रमुख मुद्दा था; और मिस्टर डार्सी द्वारा बिंगले को जेन की पहले जैसी अच्छी राय वापस दिलाकर दी गई व्याख्या ने जेन के नुकसान के एहसास को और भी गहरा कर दिया। उनका स्नेह सच्चा साबित हुआ और उनका आचरण हर तरह से दोषरहित था, सिवाय इसके कि उन्होंने अपने दोस्त पर पूरी तरह से भरोसा किया था। यह सोचकर कितना दुख होता था कि जेन को हर तरह से इतने वांछनीय, इतने लाभों से भरपूर और खुशियों से भरे अवसर से उसके अपने परिवार की मूर्खता और अभद्रता के कारण वंचित होना पड़ा!

जब इन यादों में विकहम के चरित्र के विकास को भी जोड़ दिया गया, तो यह आसानी से समझा जा सकता है कि जो प्रसन्नमिजाज स्वभाव पहले शायद ही कभी उदास होता था, वह अब इतना अधिक प्रभावित हो गया था कि उसके लिए सामान्य रूप से खुश दिखना लगभग असंभव हो गया था।

रोसिंग में उनके कार्यक्रम उनके प्रवास के अंतिम सप्ताह में भी उतने ही नियमित थे जितने कि शुरुआत में थे। आखिरी शाम भी उन्होंने वहीं बिताई; और महारानी ने एक बार फिर उनकी यात्रा के विवरण की बारीकी से जांच की, उन्हें सामान पैक करने के सर्वोत्तम तरीके के बारे में निर्देश दिए, और गाउन को सही ढंग से रखने की आवश्यकता पर इतना जोर दिया कि मारिया को लौटने पर सुबह की सारी मेहनत को उलट कर अपना सामान फिर से पैक करना पड़ा।

जब वे विदा हुए, तो लेडी कैथरीन ने बड़े ही विनम्रतापूर्वक उन्हें सुखद यात्रा की शुभकामनाएं दीं और अगले साल फिर से हन्सफोर्ड आने का निमंत्रण दिया; और मिस डी बोर्ग ने दोनों के सामने झुककर और हाथ मिलाकर अभिवादन किया।

अध्याय 15

शनिवार की सुबह एलिजाबेथ और मिस्टर कॉलिन्स बाकी लोगों के आने से कुछ मिनट पहले नाश्ते के लिए मिले; और उन्होंने विदाई की उन औपचारिकताओं को निभाने का अवसर लिया जिन्हें वे अत्यंत आवश्यक समझते थे।

“मुझे नहीं पता, मिस एलिजाबेथ,” उन्होंने कहा, “कि श्रीमती कॉलिन्स ने हमारे यहाँ आने के लिए आपकी दयालुता का आभार व्यक्त किया है या नहीं; लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि आप उनका धन्यवाद सुने बिना घर से नहीं जाएँगी। मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि आपकी उपस्थिति से हमें बहुत प्रसन्नता हुई है। हम जानते हैं कि हमारे साधारण से घर में किसी को आकर्षित करने के लिए कुछ खास नहीं है। हमारी सादगी भरी जीवनशैली, छोटे कमरे, कम नौकर-चाकर और दुनिया से हमारा कम परिचय, हन्सफोर्ड को आप जैसी युवती के लिए बेहद नीरस बना सकता है; लेकिन मुझे आशा है कि आप हमारी कृपा के लिए हमें आभारी समझेंगी और यह भी कि हमने आपका समय व्यर्थ न जाने देने के लिए हर संभव प्रयास किया है।”

एलिजाबेथ ने बड़ी उत्सुकता से धन्यवाद दिया और अपनी खुशी का आश्वासन दिया। उसने छह सप्ताह बड़े आनंद के साथ बिताए थे; और शार्लोट के साथ रहने का सुख और उसे मिले स्नेहपूर्ण व्यवहार ने उसे कृतज्ञता का भाव दिया होगा। श्री कॉलिन्स संतुष्ट हुए और मुस्कुराते हुए गंभीरता से उत्तर दिया:

यह जानकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हुई कि आपका समय सुखद बीता। हमने निश्चित रूप से अपना सर्वोत्तम प्रयास किया; और सौभाग्यवश, हम आपको उच्च कोटि के समाज से परिचित करा सके, और रोज़िंग्स से हमारे संबंध के कारण, हमें घर के साधारण माहौल में बार-बार बदलाव लाने का अवसर मिला, इसलिए मुझे लगता है कि हम यह आशा कर सकते हैं कि हन्सफोर्ड की आपकी यात्रा पूरी तरह से कष्टदायक नहीं रही होगी। लेडी कैथरीन के परिवार के साथ हमारी स्थिति वास्तव में एक असाधारण लाभ और आशीर्वाद है, जिसका दावा कुछ ही लोग कर सकते हैं। आप देख सकते हैं कि हमारी स्थिति कितनी मजबूत है। आप देख सकते हैं कि हम वहां कितने निरंतर व्यस्त रहते हैं। सच कहूं तो, इस साधारण से पादरी निवास की तमाम कमियों के बावजूद, मैं यह नहीं मानूंगा कि रोज़िंग्स में हमारे घनिष्ठ संबंधों में भागीदार रहते हुए इसमें रहने वाला कोई भी व्यक्ति दया का पात्र हो सकता है।

उनकी भावनाओं की ऊँचाई को व्यक्त करने के लिए शब्द अपर्याप्त थे; और उन्हें कमरे में इधर-उधर घूमना पड़ा, जबकि एलिजाबेथ ने कुछ संक्षिप्त वाक्यों में शिष्टता और सच्चाई को एक साथ जोड़ने का प्रयास किया।

"मेरी प्यारी चचेरी बहन, आप वास्तव में हर्टफोर्डशायर में हमारे बारे में बहुत अच्छी खबर लेकर जा सकती हैं। मुझे कम से कम इतना तो विश्वास है कि आप ऐसा कर पाएंगी। लेडी कैथरीन का श्रीमती कॉलिन्स के प्रति विशेष ध्यान आप प्रतिदिन देखती रही हैं; और कुल मिलाकर मुझे उम्मीद है कि ऐसा नहीं लगता कि आपकी सहेली को कोई दुर्भाग्यशाली व्यक्ति मिला है—लेकिन इस विषय पर चुप रहना ही बेहतर होगा। बस मैं

आपको आश्वस्त करना चाहती हूँ, मेरी प्यारी मिस एलिजाबेथ, कि मैं तहे दिल से आपको वैवाहिक जीवन में उतनी ही खुशियाँ प्रदान कर सकती हूँ। मेरी प्यारी शार्लोट और मैं एक ही सोच और एक ही विचार रखती हैं। हमारे चरित्र और विचारों में हर बात में असाधारण समानता है। ऐसा लगता है जैसे हम एक-दूसरे के लिए ही बने हैं।"

एलिज़ाबेथ पूरे विश्वास के साथ कह सकती थी कि यह एक बड़ी खुशी थी, और उतनी ही ईमानदारी से यह भी कह सकती थी कि वह उसके घरेलू सुख-सुविधाओं में पूरी तरह विश्वास करती थी और आनंदित होती थी। हालाँकि, उसे इस बात का ज़रा भी अफ़सोस नहीं था कि जिन महिलाओं से ये सुख-सुविधाएँ मिली थीं, उन्होंने ही उनका वर्णन बीच में रोक दिया। बेचारी शार्लेट! उसे ऐसे समाज में छोड़ना कितना दुखद था! लेकिन उसने यह चुनाव सोच-समझकर किया था; और यद्यपि वह अपने मेहमानों के जाने से स्पष्ट रूप से दुखी थी, फिर भी वह दया की भीख माँगती हुई प्रतीत नहीं हुई। उसका घर, उसका गृहस्थी, उसका चर्च, उसकी मुर्गी-पालन की व्यवस्था, और इनसे जुड़े सभी काम-काज अभी भी उतने ही आकर्षक थे।

अंततः गाड़ी आ गई, उस पर संदूक बांधे गए, पार्सल अंदर रखे गए, और गाड़ी तैयार घोषित कर दी गई। मित्रों के बीच स्नेहपूर्ण विदाई के बाद, श्री कॉलिन्स एलिजाबेथ को गाड़ी तक ले गए, और बगीचे से नीचे उतरते हुए उन्होंने एलिजाबेथ को उनके पूरे परिवार को हार्दिक प्रणाम कहा, साथ ही सर्दियों में लॉन्गबोर्न में मिली दयालुता के लिए धन्यवाद और श्री और श्रीमती गार्डिनर को भी शुभकामनाएं दीं, हालांकि वे उनसे परिचित नहीं थे। फिर उन्होंने एलिजाबेथ को गाड़ी में बिठाया, मारिया उनके पीछे-पीछे आई, और दरवाजा बंद होने ही वाला था कि उन्होंने अचानक कुछ घबराहट के साथ उन्हें याद दिलाया कि वे अब तक रोज़िंग्स की महिलाओं के लिए कोई संदेश छोड़ना भूल गए थे।

"लेकिन," उन्होंने आगे कहा, "आप निश्चित रूप से उनके प्रति अपनी विनम्र संवेदना व्यक्त करना चाहेंगे, और यहां रहने के दौरान आपके प्रति दिखाई गई उनकी दयालुता के लिए उन्हें धन्यवाद देना चाहेंगे।"

एलिजाबेथ ने कोई आपत्ति नहीं जताई; इसके बाद दरवाजा बंद करने की अनुमति दी गई और गाड़ी चल पड़ी।

कुछ मिनटों की चुप्पी के बाद मारिया चिल्लाई, "हे भगवान! ऐसा लगता है जैसे हमें आए हुए बस एक-दो दिन ही हुए हैं! और फिर भी कितनी सारी चीजें हो चुकी हैं!"

"वास्तव में बहुत सारे," उसकी सहेली ने आह भरते हुए कहा।

"हमने रोज़िंग्स में नौ बार भोजन किया है, इसके अलावा दो बार वहाँ चाय भी पी है! मुझे कितना कुछ बताना पड़ेगा!"

एलिजाबेथ ने मन ही मन कहा, "और मुझे कितना कुछ छिपाना पड़ेगा!"

उनकी यात्रा बिना ज्यादा बातचीत या किसी तरह की घबराहट के पूरी हुई; और हन्सफोर्ड से निकलने के चार घंटे के भीतर वे मिस्टर गार्डिनर के घर पहुँच गए, जहाँ उन्हें कुछ दिन रुकना था।

जेन स्वस्थ दिख रही थी, और एलिजाबेथ को उसकी मनोदशा का जायजा लेने का ज्यादा मौका नहीं मिला, क्योंकि उसकी चाची की कृपा से उनके कई कार्यक्रम तय थे। लेकिन जेन को उसके साथ घर जाना था, और लॉन्गबोर्न में उसे जेन को करीब से देखने का पर्याप्त समय मिल जाएगा।

इस बीच, मिस्टर डार्सी के प्रस्तावों के बारे में अपनी बहन को बताने से पहले लॉन्गबोर्न तक इंतजार करना भी उसके लिए आसान नहीं था। यह जानते हुए कि उसके पास वह बात बताने की शक्ति है जो जेन को बेहद आश्चर्यचकित कर देगी, और साथ ही साथ उसके अपने अहंकार को भी संतुष्ट करेगी जिसे वह अब तक तर्क से दूर नहीं कर पाई थी, उसे खुलकर बोलने का ऐसा प्रलोभन मिला जिसे केवल उसकी दुविधा ही दूर कर सकती थी कि उसे क्या बताना चाहिए; और उसे डर था कि अगर उसने एक बार इस विषय पर बात शुरू कर दी, तो उसे बिंगले के बारे में कुछ ऐसा दोहराना पड़ेगा जिससे उसकी बहन और भी दुखी हो जाएगी।

अध्याय 16

मई का दूसरा सप्ताह था, जब तीनों युवतियाँ ग्रेसचर्च स्ट्रीट से हर्टफोर्डशायर के कस्बे के लिए एक साथ निकलीं। जैसे ही वे उस सराय के पास पहुँचीं जहाँ श्री बेनेट की गाड़ी उनका इंतज़ार कर रही थी, उन्होंने कोचवान की समयबद्धता के प्रमाण स्वरूप किट्टी और लिडिया को ऊपर के भोजन कक्ष से बाहर झाँकते हुए देखा। ये दोनों लड़कियाँ एक घंटे से अधिक समय से वहाँ थीं, सामने की एक टोपी की दुकान पर जाकर, पहरे पर तैनात संतरी को देखकर और सलाद और खीरा पकाकर खुश थीं।

अपनी बहनों का स्वागत करने के बाद, उन्होंने विजयी भाव से एक मेज प्रदर्शित की जिस पर सराय के भंडार में आमतौर पर मिलने वाले ठंडे मांस के टुकड़े रखे हुए थे, और कहा, "क्या यह अच्छा नहीं है? क्या यह एक सुखद आश्चर्य नहीं है?"

"हम आप सबको दावत देना चाहते हैं," लिडिया ने आगे कहा, "लेकिन आपको हमें पैसे उधार देने होंगे, क्योंकि हमने अपने सारे पैसे बाहर की दुकान में खर्च कर दिए हैं।" फिर अपनी खरीदी हुई चीज़ें दिखाते हुए उसने कहा, "देखो, मैंने ये टोपी खरीदी है। मुझे ये ज़्यादा सुंदर तो नहीं लग रही; लेकिन मैंने सोचा कि खरीद ही लेती हूँ। घर पहुँचते ही मैं इसे खोलकर देखूँगी कि क्या मैं इसे ठीक कर सकती हूँ।"

और जब उसकी बहनों ने इसे बदसूरत कहकर बुरा-भला कहा, तो उसने बड़ी बेपरवाही से कहा, "अरे! लेकिन दुकान में दो-तीन और भी बदसूरत थे; और जब मैं इसे सजाने के लिए कुछ और सुंदर रंग का साटन खरीद लूँगी, तो मुझे लगता है कि यह काफी ठीक लगेगा। वैसे भी, इस गर्मी में कोई क्या पहनता है, इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा, क्योंकि ——शायर के लोग मेरिटन छोड़कर जा रहे हैं, और वे दो हफ्ते में जा रहे हैं।"

"क्या वे सचमुच में ऐसे ही हैं!" एलिजाबेथ ने अत्यंत संतुष्टि के साथ कहा।

"वे ब्राइटन के पास डेरा डालने वाले हैं; और मैं चाहती हूँ कि पापा हम सबको गर्मियों में वहाँ ले जाएँ! यह कितना मज़ेदार प्लान होगा; और मुझे पूरा यकीन है कि इसमें लगभग कुछ भी खर्च नहीं होगा। मम्मी भी जाना चाहती हैं! ज़रा सोचो, नहीं तो हमारी गर्मियाँ कितनी दुखद होंगी!"

"हाँ," एलिज़ाबेथ ने सोचा, "यह तो वाकई एक शानदार योजना होगी, और हमारे लिए एकदम सही भी। हे भगवान! ब्राइटन और सैनिकों से भरा पूरा शिविर, हमारे लिए, जो पहले से ही एक छोटी सी मिलिशिया रेजिमेंट और मेरिटन के मासिक समारोहों से परेशान हैं!"

"अब मेरे पास आपके लिए एक खबर है," लिडिया ने मेज पर बैठते हुए कहा। "आप क्या सोचते हैं? यह बहुत अच्छी खबर है—बेहतरीन खबर—और एक ऐसे व्यक्ति के बारे में है जिसे हम सभी पसंद करते हैं!"

जेन और एलिजाबेथ ने एक-दूसरे की ओर देखा, और वेटर को बताया गया कि उसे रुकने की ज़रूरत नहीं है। लिडिया हँसी और बोली:

"हाँ, ये तो तुम्हारी औपचारिकता और समझदारी है। तुमने सोचा कि वेटर को पता नहीं चलेगा, जैसे उसे परवाह ही हो! मुझे यकीन है कि वो मुझसे भी बुरी बातें सुनता होगा। पर वो बदसूरत आदमी है! अच्छा हुआ वो चला गया। मैंने अपनी ज़िंदगी में इतनी लंबी ठुड्डी कभी नहीं देखी। खैर, अब मेरी खबर सुनो; ये प्यारे विकहम के बारे में है; वेटर के लिए तो ये बहुत अच्छा है, है ना? विकहम की मैरी किंग से शादी का कोई खतरा नहीं है। ये लो तुम्हारे लिए! वो लिवरपूल में अपने चाचा के पास चली गई है: वहीं रहने के लिए। विकहम सुरक्षित है।"
"और मैरी किंग सुरक्षित है!" एलिजाबेथ ने आगे कहा; "भाग्य के मामले में अविवेकी संबंध से सुरक्षित।"
"अगर वह उसे पसंद करती थी, तो उसका वहां से चले जाना बहुत बड़ी मूर्खता है।"
"लेकिन मुझे उम्मीद है कि दोनों तरफ से कोई मजबूत लगाव नहीं होगा," जेन ने कहा।
"मुझे यकीन है कि उसके पास ऐसा कुछ नहीं है। मैं इसकी जिम्मेदारी लेता हूँ, उसने कभी उसकी परवाह नहीं की - भला ऐसी बदसूरत, धब्बेदार लड़की की परवाह कौन कर सकता है?"
एलिजाबेथ यह सोचकर हैरान रह गई कि, हालांकि वह स्वयं इस तरह की भद्दी अभिव्यक्ति में असमर्थ थी, लेकिन उस भावना की भद्दीपन उसके अपने ही हृदय में दबी हुई और उदार समझी गई भावना से बहुत अलग नहीं थी!
जैसे ही सभी ने खाना खा लिया और बड़ों ने बिल चुका दिया, गाड़ी मंगवाई गई; और कुछ जुगाड़ के बाद, पूरा समूह, अपने सभी बक्सों, काम के थैलों और पार्सलों के साथ, और किट्टी और लिडिया की खरीदी हुई चीज़ों के अवांछित अतिरिक्त सामान के साथ, उसमें बैठ गया।
"हम सब कितनी अच्छी तरह से ठूंस-ठूंस कर भरे हुए हैं," लिडिया चिल्लाई। मुझे खुशी है कि मैंने अपनी टोपी खरीद ली, भले ही सिर्फ एक और टोपी रखने के मजे के लिए ही सही! चलो अब आराम से बैठते हैं और घर तक रास्ते भर बातें करते और हंसते हैं। और सबसे पहले, चलो सुनते हैं कि तुम सबके जाने के बाद क्या हुआ। क्या तुमने किसी अच्छे आदमी को देखा? क्या किसी ने तुमसे फ्लर्ट किया? मुझे बहुत उम्मीद थी कि तुममें से किसी को वापस आने से पहले शादी मिल जाएगी। मैं कसम खाती हूँ, जेन जल्द ही कुंवारी हो जाएगी। वह लगभग तेईस साल की है! हे भगवान, मुझे कितना शर्म आएगी अगर मेरी शादी तेईस साल से पहले नहीं हुई! मेरी चाची फिलिप्स चाहती हैं कि तुम्हारी शादी हो जाए, सोच भी नहीं सकतीं। वह कहती हैं कि लिज़ी को मिस्टर कॉलिन्स से शादी कर लेनी चाहिए थी; लेकिन मुझे नहीं लगता कि इसमें कोई मजा आता। हे भगवान! काश मेरी शादी तुम सबसे पहले हो जाती; और फिर मैं तुम्हें सभी पार्टियों में ले जाती। अरे वाह! कर्नल फोर्स्टर के यहाँ पर हमने कितना मजा किया। किटी और मैं पूरा दिन वहीं बिताने वाले थे। वहाँ, श्रीमती फोर्स्टर ने शाम को एक छोटी सी पार्टी का वादा किया; (वैसे, श्रीमती फोर्स्टर और मैं बहुत अच्छी दोस्त हैं!) इसलिए उन्होंने दोनों हैरिंगटन को आने के लिए कहा, लेकिन हैरियट बीमार थी, इसलिए पेन को अकेले आना पड़ा; और फिर, आप सोचिए हमने क्या किया? हमने जानबूझकर चैंबरलेन को औरत के कपड़े पहनाए ताकि वह एक महिला लगे, सोचिए कितना मज़ा आया! कर्नल और श्रीमती फोर्स्टर, किटी और मेरे

अलावा किसी को भी इसके बारे में पता नहीं था, सिवाय मेरी चाची के, क्योंकि हमें उनका एक गाउन उधार लेना पड़ा था; और आप कल्पना नहीं कर सकते कि वह कितना अच्छा लग रहा था! जब डेनी, विकहम, प्रैट और दो-तीन और आदमी अंदर आए, तो वे उसे बिल्कुल भी नहीं पहचान पाए। हे भगवान! मैं कितना हँसी! और श्रीमती फोर्स्टर भी। मुझे लगा कि मैं मर ही जाऊँगी। और इससे उन आदमियों को शक हुआ, और फिर उन्हें जल्द ही पता चल गया कि मामला क्या था।

अपनी पार्टियों के किस्सों और मजेदार चुटकुलों के साथ, किटी के सुझावों और सुझावों की मदद से, लिडिया ने लॉन्गबोर्न तक अपने साथियों का मनोरंजन करने की पूरी कोशिश की। एलिजाबेथ ने जितना हो सके कम सुना, लेकिन विकहम के नाम का बार-बार जिक्र होना लाज़मी था।

घर पर उनका बहुत ही सौहार्दपूर्ण स्वागत हुआ। श्रीमती बेनेट जेन को उसकी पहले जैसी ही सुंदरता में देखकर बहुत प्रसन्न हुईं; और भोजन के दौरान श्री बेनेट ने कई बार स्वेच्छा से एलिजाबेथ से कहा:

"मुझे खुशी है कि तुम वापस आ गई हो, लिज़ी।"

भोजन कक्ष में उनकी सभा काफी बड़ी थी, क्योंकि लगभग सभी लुकास मारिया से मिलने और खबर सुनने आए थे; और उनके बीच कई विषयों पर चर्चा हो रही थी: लेडी लुकास मारिया से अपनी सबसे बड़ी बेटी के स्वास्थ्य और मुर्गीपालन के बारे में पूछ रही थीं; श्रीमती बेनेट दोहरी व्यस्तता में थीं, एक ओर तो वह अपने से कुछ दूरी पर बैठी जेन से वर्तमान फैशन के बारे में जानकारी ले रही थीं, और दूसरी ओर, वह उन सभी फैशन के बारे में छोटे लुकास बच्चों को बता रही थीं; और लिडिया, बाकी सभी से कहीं अधिक ऊँची आवाज़ में, सुबह के विभिन्न सुखों को सुनने वाले हर किसी को गिना रही थीं।

"ओह! मैरी," उसने कहा, "काश तुम भी हमारे साथ आई होती, हमें कितना मज़ा आया! रास्ते में किटी और मैंने पर्दे खींच लिए और ऐसा दिखाया जैसे कोच में कोई नहीं है; और अगर किटी बीमार न होती तो मैं पूरे रास्ते ऐसा ही करती; और जब हम जॉर्ज होटल पहुँचे, तो मुझे लगता है कि हमने बहुत अच्छा बर्ताव किया, क्योंकि हमने बाकी तीनों को दुनिया का सबसे बढ़िया ठंडा खाना खिलाया, और अगर तुम भी आतीं, तो हम तुम्हें भी खिलाते। और फिर जब हम वापस आए तो कितना मज़ा आया! मुझे लगा कि हम कोच में चढ़ ही नहीं पाएँगे। मैं हँसी से मर ही जाऊँगी। और फिर घर तक पूरे रास्ते हम खूब हँसे! हम इतनी ज़ोर से बातें और हँसे कि दस मील दूर से भी कोई हमारी आवाज़ सुन सकता था!"

इस पर मैरी ने अत्यंत गंभीरता से उत्तर दिया, "मेरी प्यारी बहन, मैं ऐसे सुखों को कमतर नहीं आंकना चाहती! ये निस्संदेह अधिकांश महिलाओं को भाएंगे। लेकिन मैं स्वीकार करती हूँ कि इनमें मुझे कोई आकर्षण नहीं है —मैं तो एक किताब को कहीं अधिक पसंद करूंगी।"

लेकिन लिडिया ने इस जवाब का एक शब्द भी नहीं सुना। वह शायद ही कभी किसी की बात आधे मिनट से ज्यादा सुनती थी, और मैरी की बातों पर तो वह कभी ध्यान ही नहीं देती थी।

दोपहर में लिडिया बाकी लड़कियों के साथ मेरिटन जाने और यह देखने के लिए उत्सुक थी कि सब लोग कैसे हैं; लेकिन एलिजाबेथ ने इस योजना का पुरजोर विरोध किया। यह कहना गलत नहीं होगा कि मिस बेनेट के

पास अधिकारियों का पीछा करने से पहले घर लौटने का आधा दिन भी नहीं था। उसके विरोध का एक और कारण भी था। वह मिस्टर विकहम को दोबारा देखने से डरती थी और यथासंभव इससे बचने का पक्का इरादा कर चुकी थी। रेजिमेंट के जल्द ही चले जाने से उसे जो राहत मिली थी, वह शब्दों में बयां नहीं की जा सकती थी। दो हफ्ते में उन्हें जाना था—और एक बार चले जाने के बाद, उसे उम्मीद थी कि विकहम की वजह से उसे और कोई परेशानी नहीं होगी।

घर पहुंचे अभी कुछ ही घंटे हुए थे कि एलिजाबेथ को पता चला कि ब्राइटन योजना, जिसके बारे में लिडिया ने सराय में उन्हें थोड़ा सा संकेत दिया था, उसके माता-पिता के बीच लगातार चर्चा का विषय बनी हुई थी। एलिजाबेथ ने स्पष्ट रूप से देखा कि उसके पिता का झुकने का जरा भी इरादा नहीं था; लेकिन उनके जवाब इतने अस्पष्ट और गोलमोल थे कि उसकी माँ, हालांकि अक्सर निराश हो जाती थी, फिर भी उसने अंततः सफल होने की उम्मीद कभी नहीं छोड़ी थी।

अध्याय 17

जेन को जो कुछ हुआ था, उसके बारे में बताने की एलिजाबेथ की बेचैनी पर काबू पाना अब असंभव था; और अंततः, अपनी बहन से संबंधित हर बात को छुपाने का फैसला करते हुए, और उसे आश्चर्यचकित होने के लिए तैयार करते हुए, उसने अगली सुबह उसे मिस्टर डार्सी और अपने बीच हुए मुख्य घटनाक्रम के बारे में बताया।

मिस बेनेट का आश्चर्य जल्द ही बहन के प्रबल स्नेह से कम हो गया, जिसके कारण एलिज़ाबेथ के प्रति उनकी प्रशंसा बिल्कुल स्वाभाविक प्रतीत हुई; और जल्द ही उनका आश्चर्य अन्य भावनाओं में विलीन हो गया। उन्हें इस बात का दुख था कि श्री डार्सी ने अपनी भावनाओं को इतने अनुचित तरीके से व्यक्त किया; लेकिन उससे भी अधिक उन्हें इस बात का दुख था कि उनकी बहन के इनकार से उन्हें कितना दुख हुआ होगा।

"उसका इतना आश्वस्त होना गलत था," उसने कहा, "और ऐसा बिल्कुल नहीं दिखना चाहिए था; लेकिन सोचो इससे उसकी निराशा कितनी बढ़ गई होगी!"

“हाँ, मुझे उसके लिए बहुत दुख है; लेकिन उसके मन में कुछ और भावनाएँ हैं, जो शायद जल्द ही मेरे प्रति उसके स्नेह को खत्म कर देंगी। फिर भी, क्या आप मुझे उसे मना करने के लिए दोषी ठहराएँगी?”

"तुम्हें दोष दूं! ओह, नहीं।"

"लेकिन आप मुझे विकहम के बारे में इतनी गर्मजोशी से बोलने के लिए दोषी ठहरा रहे हैं?"

"नहीं—मुझे नहीं लगता कि आपने जो कहा वह गलत था।"

"लेकिन जब मैं आपको अगले ही दिन जो हुआ वह बताऊँगा, तब आपको पता चल जाएगा।"

फिर उसने उस पत्र के बारे में बात की और जॉर्ज विकहम से संबंधित उसकी सारी बातें दोहराईं। बेचारी जेन के लिए यह कितना बड़ा झटका था! वह खुशी-खुशी इस दुनिया में रहना चाहती थी, यह माने बिना कि पूरी मानव जाति में इतनी बुराई मौजूद है, जितनी इस एक व्यक्ति में समाहित थी। डार्सी का बचाव, हालांकि उसके दिल को छू गया, लेकिन इस खुलासे से उसे कोई सांत्वना नहीं मिली। उसने पूरी लगन से गलती की संभावना को साबित करने और एक को दूसरे में उलझाए बिना दोषमुक्त करने का प्रयास किया।

“यह ठीक नहीं है,” एलिज़ाबेथ ने कहा; “तुम कभी भी दोनों को किसी काम का नहीं बना पाओगे। अपनी पसंद चुन लो, लेकिन तुम्हें केवल एक से ही संतुष्ट रहना होगा। उनमें गुणों की मात्रा इतनी ही है; बस एक अच्छे इंसान को बनाने के लिए पर्याप्त; और हाल ही में यह काफी बदलती रही है। जहाँ तक मेरा सवाल है, मुझे लगता है कि यह सब डार्सी की वजह से है; लेकिन तुम अपनी मर्ज़ी से करोगे।”

हालांकि, जेन के चेहरे पर मुस्कान लाने में कुछ समय लग गया।

"मुझे याद नहीं कि मैं इससे ज़्यादा सदमे में कब थी," उसने कहा। "विकहम कितना बुरा है! यकीन करना लगभग नामुमकिन है। और बेचारे मिस्टर डार्सी! प्यारी लिज़ी, ज़रा सोचो उन्हें कितना दुख हुआ होगा।

कितनी बड़ी निराशा! और ऊपर से तुम्हारी बुरी राय भी! और अपनी बहन के बारे में ऐसी बात बतानी पड़ रही है! यह सचमुच बहुत दुखद है। मुझे यकीन है कि तुम भी ऐसा ही महसूस करती होगी।"
"अरे नहीं! आपको इतना भावुक देखकर मेरा सारा दुख और दया दोनों ही खत्म हो गए हैं। मुझे पता है कि आप उसके साथ पूरा न्याय करेंगी, और मैं पल-पल और भी उदासीन और बेपरवाह होता जा रहा हूँ। आपकी भावुकता मुझे भी राहत दे रही है; और अगर आप उसके लिए और भी देर तक शोक मनाती रहीं, तो मेरा दिल पंख जितना हल्का हो जाएगा।"
"बेचारा विकहम! उसके चेहरे पर कितनी अच्छाई झलकती है! उसके व्यवहार में कितनी सहजता और कोमलता है!"
"उन दोनों युवकों की शिक्षा में निश्चित रूप से बहुत बड़ी गड़बड़ी हुई थी। एक में तो सारी अच्छाई है, और दूसरे में केवल अच्छाई का दिखावा।"
"मैंने कभी नहीं सोचा था कि मिस्टर डार्सी दिखने में इतने अपूर्ण होंगे जितना आप सोचते थे।"
"और फिर भी, बिना किसी कारण के उसके प्रति इतनी स्पष्ट नापसंदगी दिखाकर मैंने असाधारण चतुराई दिखाने की कोशिश की। इस तरह की नापसंदगी किसी की प्रतिभा को बहुत बढ़ावा देती है, हास्य-विनोद के लिए एक नया द्वार खोलती है। कोई बिना कुछ उचित कहे लगातार अपशब्द बोल सकता है; लेकिन किसी व्यक्ति पर हमेशा हंसते रहने से कभी-कभी कोई न कोई हास्यपूर्ण बात जरूर निकल ही जाती है।"
"लिज़ी, जब तुमने पहली बार वह पत्र पढ़ा था, तो मुझे यकीन है कि तुम इस मामले को वैसे नहीं देखती थी जैसे तुम अब देखती हो।"
"सचमुच, मैं नहीं कर सका। मैं बहुत असहज था, कहूँ तो दुखी था। और मेरे मन की बात कहने के लिए कोई नहीं था, जेन भी नहीं थी जो मुझे दिलासा दे और कहे कि मैं उतना कमज़ोर, घमंडी और बेवकूफ़ नहीं था जितना मैं जानता था! ओह! मुझे तुम्हारी कितनी ज़रूरत थी!"
"यह कितना दुर्भाग्यपूर्ण है कि आपने मिस्टर डार्सी से विकहम के बारे में बात करते समय इतने कड़े शब्दों का प्रयोग किया, क्योंकि अब वे पूरी तरह से अनुचित प्रतीत होते हैं।"
"बिल्कुल। लेकिन कड़वाहट से बोलने की बदकिस्मती उन पूर्वाग्रहों का स्वाभाविक परिणाम है जिन्हें मैं बढ़ावा दे रहा था। एक बात पर मुझे आपकी सलाह चाहिए। मैं जानना चाहता हूँ कि क्या मुझे अपने सभी परिचितों को विकहम के चरित्र के बारे में बताना चाहिए या नहीं।"
मिस बेनेट थोड़ी देर रुकीं और फिर बोलीं, "उसे इस तरह बुरी तरह बेनकाब करने का कोई कारण तो नहीं हो सकता। आपकी क्या राय है?"
"ऐसा करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। श्री डार्सी ने मुझे अपना संदेश सार्वजनिक करने की अनुमति नहीं दी है। इसके विपरीत, उनकी बहन से संबंधित हर बात को यथासंभव गुप्त रखने का इरादा था; और अगर मैं उनके बाकी आचरण के बारे में लोगों को गुमराह करने की कोशिश करूं, तो कौन मुझ पर विश्वास करेगा? श्री डार्सी के प्रति आम धारणा इतनी प्रबल है कि मेरिटन के आधे भले लोगों का उन्हें सौम्य रूप में

प्रस्तुत करने का प्रयास करना उनकी मृत्यु के समान होगा। मैं इसके काबिल नहीं हूं। विकहम जल्द ही चला जाएगा; और इसलिए यहां किसी को भी यह पता नहीं चलेगा कि वह वास्तव में क्या है। कुछ समय बाद सब कुछ सामने आ जाएगा, और तब हम उनकी मूर्खता पर हंसेंगे कि उन्हें पहले यह पता नहीं था। फिलहाल मैं इस बारे में कुछ नहीं कहूंगी।"

"आप बिलकुल सही कह रहे हैं। उनकी गलतियों का सार्वजनिक होना उन्हें हमेशा के लिए बर्बाद कर सकता है। शायद अब उन्हें अपने किए पर पछतावा हो रहा है और वे अपनी छवि सुधारने के लिए उत्सुक हैं। हमें उन्हें निराश नहीं करना चाहिए।"

इस बातचीत से एलिज़ाबेथ के मन की उथल-पुथल शांत हो गई। उसने उन दो रहस्यों से छुटकारा पा लिया था जो दो सप्ताह से उस पर बोझ बने हुए थे, और उसे पूरा भरोसा था कि जेन उसकी हर बात ध्यान से सुनेगी, जब भी वह उनमें से किसी के बारे में फिर से बात करना चाहेगी। लेकिन फिर भी कुछ ऐसा था जो छिपा हुआ था, जिसे ज़ाहिर करना विवेक की मर्यादा था। वह मिस्टर डार्सी के पत्र का दूसरा भाग बताने की हिम्मत नहीं कर पा रही थी, न ही अपनी बहन को यह समझा पा रही थी कि उसकी सहेली ने उसे कितनी अहमियत दी थी। यह एक ऐसा ज्ञान था जिसमें कोई भी भागीदार नहीं हो सकता था; और वह जानती थी कि दोनों पक्षों के बीच पूर्ण सामंजस्य के बिना इस रहस्य के आखिरी बंधन को तोड़ना उचित नहीं था। "और फिर," उसने कहा, "अगर वह बेहद असंभव घटना कभी घटित भी होती है, तो मैं केवल वही बता पाऊंगी जो बिंगले खुद कहीं अधिक सुखद तरीके से बता सकता है। संवाद करने की स्वतंत्रता तब तक मेरी नहीं हो सकती जब तक कि वह अपना सारा मूल्य खो न दे!"

घर में व्यवस्थित होने के बाद अब जेन को अपनी बहन के मन की वास्तविक स्थिति का अवलोकन करने का समय मिल गया था। जेन खुश नहीं थी। उसके मन में बिंगले के लिए अब भी गहरा स्नेह था। उसने पहले कभी प्रेम में पड़ने की कल्पना भी नहीं की थी, इसलिए उसके स्नेह में पहले प्रेम की सारी गर्माहट थी, और उसकी उम्र और स्वभाव के कारण, यह पहले प्रेम से कहीं अधिक स्थिर था; और वह उसकी याद को इतनी शिद्दत से संजोती थी और उसे हर दूसरे पुरुष से अधिक महत्व देती थी कि उसे अपने विवेक और अपने मित्रों की भावनाओं के प्रति पूरे ध्यान से उन पछतावों को रोकने के लिए दृढ़ रहना पड़ा जो उसके स्वयं के स्वास्थ्य और उनकी शांति के लिए हानिकारक हो सकते थे।

“अच्छा, लिज़ी,” श्रीमती बेनेट ने एक दिन कहा, “जेन के इस दुखद मामले के बारे में अब तुम्हारी क्या राय है? जहाँ तक मेरी बात है, मैंने ठान लिया है कि मैं इसके बारे में अब किसी से बात नहीं करूँगी। मैंने अपनी बहन फिलिप्स को भी यही बताया था। लेकिन मुझे पता नहीं चल पाया है कि जेन ने उसे लंदन में देखा भी है या नहीं। खैर, वह बहुत ही नालायक नौजवान है—और मुझे नहीं लगता कि अब जेन के उसे पाने की कोई उम्मीद है। गर्मियों में उसके फिर से नेदरफील्ड आने की भी कोई चर्चा नहीं है; और मैंने हर उस व्यक्ति से भी पूछताछ की है जिसे इसके बारे में पता हो सकता है।”

मुझे नहीं लगता कि वह अब कभी नेदरफील्ड में रहेगा।

"खैर! ये तो उसकी मर्जी है। कोई नहीं चाहता कि वो आए। हालांकि मैं हमेशा यही कहूंगी कि उसने मेरी बेटी के साथ बहुत बुरा बर्ताव किया; और अगर मैं उसकी जगह होती, तो मैं ये बर्दाश्त नहीं करती। खैर, मुझे तसल्ली इस बात से है कि मुझे यकीन है कि जेन दिल टूटने से मरेगी; और तब उसे अपने किए पर पछतावा होगा।"

लेकिन चूंकि एलिजाबेथ को ऐसी किसी भी उम्मीद से कोई सांत्वना नहीं मिल सकती थी, इसलिए उसने कोई जवाब नहीं दिया।

“अच्छा, लिज़ी,” उसकी माँ ने थोड़ी देर बाद कहा, “तो कॉलिन्स परिवार बहुत आराम से रहता है, है ना? वाह, वाह, मैं बस यही उम्मीद करती हूँ कि यह ऐसे ही चलता रहे। और वे खाने-पीने का कितना अच्छा इंतजाम रखते हैं? मुझे लगता है कि शार्लट बहुत अच्छी प्रबंधक है। अगर वह अपनी माँ की आधी भी समझदार है, तो वह काफी बचत कर रही होगी। मुझे लगता है कि उनके घर के खर्चे में कुछ भी फिजूलखर्ची नहीं है।”

"नहीं, बिलकुल कुछ नहीं।"

"बेहतरीन प्रबंधन की वजह से ही ऐसा हो रहा है, इस पर पूरा भरोसा है। जी हां, जी हां। वे अपनी आमदनी से ज़्यादा खर्च नहीं करेंगे। उन्हें कभी पैसों की कमी नहीं होगी। अच्छा, इससे उन्हें कितना फायदा होगा! और इसीलिए, मुझे लगता है, वे अक्सर आपके पिता की मृत्यु के बाद लॉन्गबोर्न को अपना बनाने की बात करते हैं। मुझे पूरा यकीन है कि जब भी ऐसा होगा, वे इसे पूरी तरह से अपना ही मानेंगे।"

"यह एक ऐसा विषय था जिसका जिक्र वे मेरे सामने नहीं कर सकते थे।"

नहीं; अगर ऐसा होता तो अजीब होता; लेकिन मुझे इसमें कोई शक नहीं कि वे अक्सर आपस में इस बारे में बात करते होंगे। खैर, अगर वे ऐसी संपत्ति से संतुष्ट रह सकते हैं जो कानूनी तौर पर उनकी नहीं है, तो और भी अच्छा। मुझे तो शर्म आती अगर मेरे पास ऐसी संपत्ति होती जो सिर्फ मेरे नाम विरासत में मिली होती।

अध्याय 18

उनकी वापसी का पहला सप्ताह जल्दी ही बीत गया। दूसरा सप्ताह शुरू हो गया। मेरिटन में रेजिमेंट का यह आखिरी हफ्ता था, और आस-पड़ोस की सभी युवतियाँ उदासी से व्याकुल थीं। निराशा लगभग सर्वत्र व्याप्त थी। केवल बड़ी बहन मिस बेनेट ही खाने-पीने और सोने में सक्षम थीं और अपने नियमित कामों को जारी रख पा रही थीं। किटी और लिडिया, जिनकी अपनी पीड़ा चरम पर थी और जो परिवार के किसी भी सदस्य में ऐसी कठोरता को समझ नहीं पा रही थीं, अक्सर उन्हें इस उदासीनता के लिए ताने मारती थीं।

"हे भगवान! अब हमारा क्या होगा? हम क्या करें?" वे अक्सर दुख से भरे स्वर में कहते थे। "लिज़ी, तुम इतनी मुस्कुरा कैसे सकती हो?"

उनकी स्नेहशील मां ने उनके सभी दुखों में उनका साथ दिया; उन्हें याद था कि पच्चीस साल पहले इसी तरह के एक अवसर पर उन्होंने स्वयं क्या सहा था।

"मुझे यकीन है," उसने कहा, "जब कर्नल मिलर की रेजिमेंट चली गई तो मैं लगातार दो दिन तक रोई थी। मुझे लगा था कि मेरा दिल टूट जाएगा।"

"मुझे पूरा यकीन है कि मैं अपना तोड़ दूंगी," लिडिया ने कहा।

"काश कोई ब्राइटन जा पाता!" श्रीमती बेनेट ने कहा।

"ओह, हाँ!—काश ब्राइटन जा पाते! लेकिन पापा तो बहुत ही अप्रिय हैं।"

"थोड़ा सा समुद्र में स्नान करने से मेरी जिंदगी हमेशा के लिए संभल जाएगी।"

"और मेरी चाची फिलिप्स को पूरा यकीन है कि इससे मुझे बहुत फायदा होगा," किट्टी ने आगे कहा।

लॉन्गबोर्न हाउस में लगातार इसी तरह के विलाप गूंज रहे थे। एलिजाबेथ ने उनसे ध्यान हटाने की कोशिश की; लेकिन शर्म के आगे सुख का सारा एहसास खो गया। उसे मिस्टर डार्सी की आपत्तियों का औचित्य फिर से महसूस हुआ; और अपने मित्र के विचारों में उनके हस्तक्षेप को माफ करने के लिए वह पहले कभी इतनी इच्छुक नहीं हुई थी।

लेकिन लिडिया के भविष्य पर छाए अंधकार के बादल जल्द ही छंट गए; क्योंकि रेजिमेंट के कर्नल की पत्नी श्रीमती फोर्स्टर ने उन्हें ब्राइटन चलने का निमंत्रण दिया। यह अनमोल मित्र एक युवा महिला थीं और हाल ही में उनकी शादी हुई थी। उनकी मिलनसारिता और हंसमुख स्वभाव ने लिडिया और श्रीमती फोर्स्टर को एक-दूसरे का मित्र बना दिया था, और तीन महीने की जान-पहचान में से दो महीने वे एक-दूसरे के बेहद करीब आ चुकी थीं।

इस अवसर पर लिडिया का उल्लास, श्रीमती फोर्स्टर के प्रति उसका स्नेह, श्रीमती बेनेट की प्रसन्नता और किटी की हताशा का वर्णन शब्दों में बयां करना मुश्किल है। अपनी बहन की भावनाओं से पूरी तरह बेखबर, लिडिया पूरे घर में बेचैनी से झूम रही थी, हर किसी से बधाई मांग रही थी और पहले से कहीं अधिक जोश से

हंसती-बोलती जा रही थी; वहीं अभागी किटी बैठक में बैठी अपने भाग्य पर ऐसे अतार्किक शब्दों में विलाप कर रही थी जैसे उसका लहजा चिड़चिड़ा था।
"मुझे समझ नहीं आता कि श्रीमती फोर्स्टर मुझसे और लिडिया से क्यों नहीं पूछ सकतीं," उसने कहा, "हालांकि मैं उनकी कोई खास दोस्त नहीं हूं। मुझे भी पूछे जाने का उतना ही अधिकार है जितना उन्हें है, बल्कि उससे भी ज्यादा, क्योंकि मैं उनसे दो साल बड़ी हूं।"
एलिज़ाबेथ ने उसे समझाने की व्यर्थ कोशिश की, और जेन ने उसे शांत करने की। जहाँ तक एलिज़ाबेथ की बात है, यह निमंत्रण उसके मन में उसकी माँ और लिडिया जैसी भावनाएँ जगाने से बहुत दूर था, बल्कि उसने इसे लिडिया के लिए सामान्य ज्ञान की सारी संभावनाओं का अंत मान लिया; और अगर यह बात सबको पता चल जाती तो उसे कितना भी बुरा लगता, फिर भी वह चुपके से अपने पिता को सलाह देने लगी कि उसे जाने न दें। उसने उन्हें लिडिया के सामान्य व्यवहार की सभी कमियों, श्रीमती फोर्स्टर जैसी महिला की दोस्ती से उसे मिलने वाले थोड़े से लाभ और ब्राइटन में ऐसी साथी के साथ उसके और भी लापरवाह होने की संभावना के बारे में बताया, जहाँ प्रलोभन घर से कहीं अधिक होंगे। उन्होंने ध्यान से उसकी बात सुनी, और फिर कहा:
"जब तक लिडिया किसी सार्वजनिक स्थान पर खुद को उजागर नहीं कर देती, तब तक उसके साथ सहजता से पेश आना संभव नहीं होगा, और हम उससे यह उम्मीद कभी नहीं कर सकते कि वह मौजूदा परिस्थितियों में अपने परिवार को कम से कम खर्च या असुविधा के साथ ऐसा करेगी।"
"अगर आपको इस बात का अंदाजा होता," एलिजाबेथ ने कहा, "कि लिडिया के लापरवाह और अविवेकी व्यवहार के सार्वजनिक होने से हम सभी को कितना बड़ा नुकसान उठाना पड़ेगा - बल्कि, जो नुकसान पहले ही हो चुका है, तो मुझे यकीन है कि आप इस मामले में अलग तरह से फैसला करतीं।"
“क्या वो पहले ही उठ खड़ी हुई?” श्री बेनेट ने दोहराया। “क्या उसने तुम्हारे कुछ प्रेमियों को डराकर भगा दिया? बेचारी लिज़ी! लेकिन निराश मत हो। ऐसे डरपोक नौजवान जो थोड़ी सी बेवकूफी से भी परेशान हो जाते हैं, उनके लिए पछताने की कोई ज़रूरत नहीं है। चलो, मुझे उन बेचारे लोगों की सूची दिखाओ जिन्हें लिडिया की नादानी ने उससे दूर कर दिया है।”
"सचमुच आप गलत हैं। मुझे ऐसी किसी बात का दुख नहीं है। मैं किसी विशेष बुराई की नहीं, बल्कि आम बुराइयों की शिकायत कर रही हूँ। लिडिया के बेकाबू स्वभाव, आत्मविश्वास और हर तरह के बंधन को नकारने की प्रवृत्ति से दुनिया में हमारी प्रतिष्ठा और सम्मान पर बुरा असर पड़ रहा है। मुझे माफ़ करना, मुझे साफ़-साफ़ बोलना पड़ रहा है। अगर आप, मेरे प्यारे पिता, उसकी इस उतावलेपन को रोकने और उसे यह सिखाने की जहमत नहीं उठाएंगे कि उसकी ये वर्तमान गतिविधियाँ ही उसके जीवन का लक्ष्य नहीं हैं, तो वह जल्द ही सुधरने की हद पार कर जाएगी। उसका चरित्र पक्का हो जाएगा और सोलह साल की उम्र में वह सबसे ज़्यादा नखरेबाज़ औरत बन जाएगी, जिसने खुद को या अपने परिवार को हंसी का पात्र बनाया होगा; वो भी सबसे घटिया किस्म की नखरेबाज़; जवानी और एक ठीक-ठाक व्यक्तित्व के अलावा उसमें कोई आकर्षण नहीं होगा; और अपनी अज्ञानता और खाली दिमाग की वजह से, वह उस सार्वभौमिक तिरस्कार को

बिल्कुल भी रोक नहीं पाएगी जो उसकी प्रशंसा पाने की लालसा से पैदा होगा। किट्टी भी इस खतरे में है। वह लिडिया जहाँ भी जाएगी, उसका पीछा करेगी।" अभिमानी, अज्ञानी, आलसी और बिल्कुल अनियंत्रित! ओह! मेरे प्यारे पिता, क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि जहाँ भी वे जाने जाएँगे, उनकी निंदा और तिरस्कार नहीं किया जाएगा, और उनकी बहनें भी अक्सर इस बदनामी में शामिल नहीं होंगी?

श्री बेनेट ने देखा कि उसका पूरा मन इस विषय में लगा हुआ था, और स्नेहपूर्वक उसका हाथ पकड़कर उन्होंने उत्तर में कहा:

"चिंता मत करो, मेरी प्रियतमा। जहाँ भी तुम और जेन को लोग जानते होंगे, तुम्हारा आदर और सम्मान होगा; और तुम्हारी दो-तीन नासमझ बहनों के होने से तुम्हारी छवि कम नहीं होगी। अगर लिडिया ब्राइटन नहीं गई तो लॉन्गबोर्न में हमें चैन नहीं मिलेगा। तो उसे जाने दो। कर्नल फोर्स्टर समझदार आदमी हैं और उसे किसी भी बड़ी मुसीबत से बचा लेंगे; और सौभाग्य से वह इतनी गरीब है कि किसी का शिकार नहीं बनेगी। ब्राइटन में एक आम आवारा के रूप में भी उसकी अहमियत यहाँ से कम होगी। अधिकारियों को वहाँ ज़्यादा ध्यान देने लायक औरतें मिलेंगी। इसलिए उम्मीद करते हैं कि वहाँ जाकर उसे अपनी अहमियत का एहसास हो जाएगा। वैसे भी, वह ज़्यादा बिगड़ नहीं सकती, वरना हमें उसे जीवन भर के लिए कैद करने का अधिकार मिल जाएगा।"

इस जवाब से एलिजाबेथ को संतुष्ट होना पड़ा; लेकिन उसकी अपनी राय वही रही और वह उसे निराश और दुखी छोड़कर चली गई। हालांकि, अपनी परेशानियों पर बार-बार सोचते रहना उसकी फितरत नहीं थी। उसे पूरा भरोसा था कि उसने अपना कर्तव्य निभा दिया है और अपरिहार्य बुराइयों पर परेशान होना या चिंता से उन्हें बढ़ाना उसके स्वभाव में नहीं था।

यदि लिडिया और उसकी माँ को उसके पिता के साथ हुई बातचीत का सार पता होता, तो शायद ही उनका आक्रोश उनकी संयुक्त मुखरता में प्रकट होता। लिडिया की कल्पना में, ब्राइटन की यात्रा सांसारिक सुख की हर संभावना समेटे हुए थी। उसने कल्पना की रचनात्मक दृष्टि से उस रंगीन स्नानागार की गलियों को अधिकारियों से भरा हुआ देखा। उसने खुद को उन दर्जनों और दर्जनों लोगों के ध्यान का केंद्र बनते देखा, जिन्हें वे अभी तक नहीं जानते थे। उसने शिविर की सारी भव्यता देखी—उसके तंबू सुंदर एकरूपता में फैले हुए थे, युवाओं और खुशमिजाज लोगों से भरे हुए थे, और लाल रंग से जगमगा रहे थे; और, इस दृश्य को पूरा करने के लिए, उसने खुद को एक तंबू के नीचे बैठे हुए, एक साथ कम से कम छह अधिकारियों के साथ कोमल भाव से छेड़छाड़ करते हुए देखा।

अगर उसे पता होता कि उसकी बहन उसे इन संभावनाओं और वास्तविकताओं से दूर करना चाहती है, तो उसकी भावनाएँ कैसी होतीं? ये भावनाएँ केवल उसकी माँ ही समझ सकती थी, जो शायद लगभग वैसा ही महसूस करती। लिडिया का ब्राइटन जाना ही उसके उस गहरे दुख को कम करने का एकमात्र ज़रिया था, जिसमें उसे लगता था कि उसका पति कभी वहाँ नहीं जाएगा।

लेकिन वे जो कुछ घटित हुआ था उससे पूरी तरह अनभिज्ञ थे; और उनका उल्लास, बिना किसी खास रुकावट के, लिडिया के घर छोड़ने के दिन तक जारी रहा।

अब एलिजाबेथ मिस्टर विकहम से आखिरी बार मिलने वाली थी। लौटने के बाद से उनके साथ अक्सर रहने के कारण उसकी बेचैनी काफी हद तक शांत हो चुकी थी; औपचारिक पक्षपात की बेचैनी तो पूरी तरह से खत्म हो गई थी। यहाँ तक कि जिस कोमलता ने उसे पहले प्रसन्न किया था, उसमें भी अब बनावटीपन और एकरूपता दिखाई देने लगी थी, जो उसे अरुचि और थकान का कारण बन रही थी। इसके अलावा, उसके प्रति उसके वर्तमान व्यवहार में उसे एक नई नाराजगी मिली, क्योंकि उसने जल्द ही उन इरादों को फिर से जगाने की इच्छा जाहिर की, जो उनकी जान-पहचान के शुरुआती दिनों में थे, और जो कुछ बीत चुका था, उसके बाद यह केवल उसे और भड़का सकता था। खुद को इस तरह के व्यर्थ और तुच्छ व्यवहार का पात्र पाकर उसने उसके प्रति सारी चिंता खो दी; और यद्यपि वह इसे दृढ़ता से दबा रही थी, फिर भी वह इस बात को महसूस किए बिना नहीं रह सकी कि उसे इस बात का अपमान महसूस हो रहा था कि चाहे कितने भी समय के लिए और किसी भी कारण से उसका ध्यान हट गया हो, उसकी आत्मसंतुष्टि होगी और उसका आकर्षण किसी भी समय फिर से जागृत हो जाएगा।

मेरिटन में रेजिमेंट के ठहरने के आखिरी दिन, उन्होंने अन्य अधिकारियों के साथ लॉन्गबोर्न में भोजन किया; और एलिजाबेथ उनसे अच्छे मूड में विदा होने के लिए बिल्कुल भी तैयार नहीं थीं, इसलिए जब उन्होंने हन्सफोर्ड में उनके समय के बारे में कुछ पूछताछ की, तो उन्होंने कर्नल फिट्ज़विलियम और मिस्टर डार्सी के रोज़िंग्स में तीन सप्ताह बिताने का जिक्र किया और उनसे पूछा कि क्या वे पहले वाले से परिचित थे।

वह हैरान, नाराज़ और घबराया हुआ लग रहा था; लेकिन एक पल की याद और मुस्कुराते हुए उसने जवाब दिया कि उसने उसे पहले अक्सर देखा था; और यह देखकर कि वह एक बहुत ही सज्जन व्यक्ति है, उसने उससे पूछा कि वह उसे कैसा लगा। उसका जवाब उसके पक्ष में था। थोड़ी देर बाद उसने उदासीनता भरे लहजे में कहा:

"आपने कहा था कि वह रोसिंग में कितने समय तक था?"

"लगभग तीन सप्ताह।"

"और आप उनसे अक्सर मिलते थे?"

"हां, लगभग हर दिन।"

"उसके तौर-तरीके उसके चचेरे भाई से बहुत अलग हैं।"

"हाँ, बहुत अलग हैं। लेकिन मुझे लगता है कि मिस्टर डार्सी से जान-पहचान होने पर उनमें सुधार आता है।"

“बिल्कुल!” श्री विकहम ने हैरानी से कहा, उनकी नज़रें उससे नहीं बच पाईं। “और क्या मैं पूछ सकता हूँ?—” लेकिन खुद को रोकते हुए, उन्होंने थोड़े खुशमिजाज लहजे में कहा, “क्या उनके व्यवहार में सुधार हुआ है? क्या उन्होंने अपने सामान्य अंदाज़ में थोड़ी सी भी शिष्टता लाने की कोशिश की है?—क्योंकि मुझे उम्मीद नहीं है,” उन्होंने धीमी और गंभीर आवाज़ में आगे कहा, “कि उनमें बुनियादी तौर पर सुधार हुआ है।”

"अरे नहीं!" एलिजाबेथ ने कहा। "मूल रूप से, मेरा मानना है कि वह काफी हद तक वही है जो वह पहले हुआ करता था।"
जब वह बोल रही थी, तो विकहम को ऐसा लग रहा था मानो वह तय नहीं कर पा रहा हो कि उसके शब्दों पर खुशी मनाए या उनके अर्थ पर संदेह करे। उसके चेहरे पर कुछ ऐसा भाव था जिसने उसे आशंकित और चिंतित होकर ध्यान से सुनने पर मजबूर कर दिया, और उसने आगे कहा:
"जब मैंने कहा कि जान-पहचान बढ़ने पर उसमें सुधार आया, तो मेरा मतलब यह नहीं था कि उसके दिमाग या उसके व्यवहार में सुधार हुआ, बल्कि यह कि उसे बेहतर तरीके से जानने से उसके स्वभाव को बेहतर ढंग से समझा जा सका।"
विकहम की घबराहट अब उसके चेहरे के बढ़े हुए रंग और उत्तेजित भाव में प्रकट हुई; कुछ मिनटों तक वह चुप रहा, फिर अपनी शर्मिंदगी को दूर करते हुए, वह उसकी ओर मुड़ा और अत्यंत कोमल स्वर में बोला: आप, जो मिस्टर डार्सी के प्रति मेरी भावनाओं को भलीभांति जानती हैं, यह आसानी से समझ सकती हैं कि मुझे कितनी हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि वह सही का दिखावा करने के लिए भी पर्याप्त बुद्धिमान हैं। इस दिशा में उनका गर्व, यदि स्वयं उनके लिए नहीं तो कई अन्य लोगों के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकता है, क्योंकि यह उन्हें उन घृणित दुराचारों से अवश्य ही रोकेगा जिनसे मुझे पीड़ा सहनी पड़ी है। मुझे केवल इस बात का भय है कि जिस प्रकार की सावधानी का आप जिक्र कर रही हैं, वह शायद केवल अपनी चाची से मिलने के दौरान ही बरतती हैं, जिनकी राय और निर्णय का वह बहुत सम्मान करते हैं। मुझे पता है कि जब वे साथ होते थे, तब भी उनका डर उन पर हावी रहता था; और इसका बहुत बड़ा कारण मिस डी बोर्ग के साथ उनकी शादी को आगे बढ़ाने की उनकी इच्छा है, जिसके बारे में मुझे पूरा विश्वास है कि वह इसे दिल से चाहते हैं।
इस पर एलिज़ाबेथ अपनी मुस्कान रोक नहीं पाई, लेकिन उसने सिर झुकाकर ही जवाब दिया। वह समझ गई थी कि वह अपनी शिकायतों के पुराने विषय पर उससे बात करना चाहता है, और उसका मूड उसे इसमें शामिल करने का नहीं था। बाकी की शाम उसकी तरफ से हमेशा की तरह खुशमिजाजी से गुज़री, लेकिन उसने एलिज़ाबेथ को कोई खास तवज्जो देने की कोशिश नहीं की; और अंत में वे आपसी शिष्टाचार के साथ अलग हो गए, और शायद फिर कभी न मिलने की इच्छा के साथ।
जब पार्टी समाप्त हुई, तो लिडिया श्रीमती फोर्स्टर के साथ मेरिटन लौट आई, जहाँ से उन्हें अगली सुबह जल्दी निकलना था। अपने परिवार से बिछड़ना दुखद से कहीं अधिक शोरगुल भरा था। किट्टी ही अकेली थी जिसने आँसू बहाए; लेकिन उसके आँसू झुंझलाहट और ईर्ष्या के कारण थे। श्रीमती बेनेट ने अपनी बेटी की खुशी के लिए दिल खोलकर शुभकामनाएँ दीं और उसे भरपूर आनंद उठाने का अवसर न चूकने की सलाह दी—यह सलाह इतनी प्रभावी थी कि लिडिया ने इसे गंभीरता से लिया होगा; और विदाई के समय लिडिया की उमंग भरी खुशी में उसकी बहनों की सौम्य विदाई सुनाई ही नहीं दी।

अध्याय 19

यदि एलिजाबेथ की राय पूरी तरह से उसके अपने परिवार पर आधारित होती, तो वैवाहिक सुख या घरेलू आराम के बारे में उसकी राय सुखद नहीं होती। उसके पिता, यौवन और सुंदरता तथा यौवन और सुंदरता से मिलने वाले अच्छे स्वभाव के आकर्षण में डूबे हुए, एक ऐसी महिला से विवाह कर बैठे थे जिसकी कमज़ोर समझ और संकीर्ण मानसिकता ने विवाह के शुरुआती दौर में ही उसके प्रति उनके सारे सच्चे स्नेह को समाप्त कर दिया था। आदर, सम्मान और विश्वास हमेशा के लिए खो गए थे; और घरेलू सुख के बारे में उनके सारे विचार धराशायी हो गए थे। लेकिन श्री बेनेट का स्वभाव ऐसा नहीं था कि वे अपनी नासमझी से हुई निराशा का सहारा उन सुखों में लें जो अक्सर दुर्भाग्यशाली लोगों को उनकी मूर्खता या दुर्गुण के लिए सांत्वना देते हैं। उन्हें ग्रामीण जीवन और पुस्तकों से प्रेम था; और इन्हीं रुचियों से उन्हें मुख्य आनंद मिलता था। अपनी पत्नी के प्रति उनका कोई ऋणी नहीं था, सिवाय इसके कि उसकी अज्ञानता और नादानी ने उनके मनोरंजन में योगदान दिया था। यह उस प्रकार का सुख नहीं है जो कोई पुरुष सामान्यतः अपनी पत्नी से पाना चाहेगा; लेकिन जहां मनोरंजन के अन्य साधन अनुपलब्ध हों, वहां सच्चा दार्शनिक उपलब्ध साधनों से लाभ प्राप्त करेगा।
हालांकि, एलिजाबेथ अपने पिता के पति के रूप में अनुचित व्यवहार से कभी अनजान नहीं रही थी। उसने हमेशा इसे दुख के साथ देखा था; लेकिन उनकी क्षमताओं का सम्मान करते हुए और अपने प्रति उनके स्नेहपूर्ण व्यवहार के लिए आभारी होते हुए, उसने उस बात को भुलाने का प्रयास किया जिसे वह अनदेखा नहीं कर सकती थी, और वैवाहिक दायित्वों और मर्यादाओं के उस निरंतर उल्लंघन को अपने विचारों से दूर करने की कोशिश की, जो उनकी पत्नी को उनके ही बच्चों के अपमान का पात्र बनाकर अत्यंत निंदनीय था। लेकिन उसने कभी भी इतने अनुपयुक्त विवाह से उत्पन्न होने वाले नुकसानों को इतना गहराई से महसूस नहीं किया था जितना अब किया था, और न ही प्रतिभाओं के इतने गलत उपयोग से उत्पन्न होने वाली बुराइयों के बारे में वह कभी इतनी पूरी तरह से अवगत थी; ऐसी प्रतिभाएं, जिनका सही उपयोग किया जाता, तो कम से कम उनकी बेटियों की प्रतिष्ठा को बनाए रख सकती थीं, भले ही उनकी पत्नी के दिमाग को विकसित करने में असमर्थ होतीं।
जब एलिजाबेथ ने विकहम के जाने पर खुशी मनाई, तो रेजिमेंट के नुकसान से उसे संतुष्टि का कोई और कारण नहीं मिला। विदेशों में उनके दल पहले की तुलना में कम विविध थे, और घर पर उसकी माँ और बहन थीं, जो अपने आसपास की हर चीज़ की नीरसता पर लगातार शिकायत करती रहती थीं, जिससे उनके घरेलू जीवन में उदासी छाई रहती थी; और, हालांकि किट्टी समय के साथ अपनी स्वाभाविक समझदारी वापस पा सकती थी, क्योंकि उसके दिमाग को परेशान करने वाले कारक दूर हो गए थे, उसकी दूसरी बहन, जिसके स्वभाव में और भी अधिक बुराई की आशंका थी, एक जल-स्थल और एक शिविर जैसी दोहरी खतरनाक स्थिति में अपनी सारी मूर्खता और आत्मविश्वास में और भी कठोर हो सकती थी। कुल मिलाकर, उसने पाया,

जैसा कि पहले भी कई बार हुआ है, कि जिस घटना का वह बेसब्री से इंतजार कर रही थी, वह घटित होकर उसे वह सारी संतुष्टि नहीं दे पाई जिसकी उसने खुद से उम्मीद की थी। इसलिए, वास्तविक खुशी की शुरुआत के लिए किसी और समय का चुनाव करना आवश्यक था—कोई और बिंदु जिस पर उसकी इच्छाएँ और आशाएँ टिकी हों, और प्रत्याशा के आनंद का फिर से अनुभव करके, वर्तमान के लिए खुद को सांत्वना देना और एक और निराशा के लिए तैयार होना। झीलों की यात्रा अब उसके सबसे सुखद विचारों का विषय थी; यह उसकी माँ और किट्टी की असंतुष्टि के कारण उत्पन्न हुए सभी असहज क्षणों के लिए उसका सबसे अच्छा सहारा था; और अगर वह जेन को भी इस योजना में शामिल कर लेती, तो इसका हर हिस्सा परिपूर्ण हो जाता। "पर यह सौभाग्य की बात है," उसने सोचा, "कि मेरे पास कुछ पाने की इच्छा है। अगर सारी व्यवस्था पूरी हो जाती, तो मेरी निराशा निश्चित होती। लेकिन यहाँ, अपनी बहन की अनुपस्थिति में लगातार पछतावे का कारण बने रहने से, मैं अपनी सभी सुख-सुविधाओं के पूरा होने की उम्मीद कर सकती हूँ। ऐसी योजना जिसमें हर पहलू आनंद का वादा करता हो, कभी सफल नहीं हो सकती; और आम निराशा को केवल किसी छोटी-मोटी विशेष परेशानी से ही टाला जा सकता है।"

जब लिडिया चली गई, तो उसने अपनी माँ और किट्टी को बहुत बार और बहुत विस्तार से पत्र लिखने का वादा किया था; लेकिन उसके पत्रों का हमेशा लंबे समय से इंतज़ार होता था और वे हमेशा बहुत संक्षिप्त होते थे। अपनी माँ को लिखे पत्रों में वह बस इतना ही लिखती थी कि वे अभी-अभी पुस्तकालय से लौटी हैं, जहाँ फलाँ-फलाँ अधिकारियों ने उनकी सेवा की थी और जहाँ उसने ऐसे सुंदर आभूषण देखे थे जिनसे वह बेहद प्रभावित हुई थी; कि उसके पास एक नया गाउन या एक नई छतरी है, जिसका वह और विस्तार से वर्णन करना चाहती थी, लेकिन श्रीमती फोर्स्टर के शब्दों में कहें तो, उसे जल्दबाजी में लिखना बंद करना पड़ा और वे शिविर के लिए रवाना हो रही थीं; और अपनी बहन के साथ उसके पत्राचार से तो और भी कम जानकारी मिली—क्योंकि किट्टी को लिखे उसके पत्र, हालांकि थोड़े लंबे थे, शब्दों के नीचे इतनी ज़्यादा पंक्तियाँ लिखी होती थीं कि उन्हें सार्वजनिक नहीं किया जा सकता था।

उनकी अनुपस्थिति के पहले दो सप्ताह या तीन सप्ताह बीतने के बाद, लॉन्गबोर्न में स्वास्थ्य, प्रसन्नता और उमंग फिर से लौटने लगी। हर चीज़ अधिक सुखद प्रतीत होने लगी। जो परिवार सर्दियों में शहर में थे, वे वापस आ गए, और गर्मियों के परिधान और कार्यक्रम शुरू हो गए। श्रीमती बेनेट अपनी सामान्य चिड़चिड़ी शांति में लौट आईं; और जून के मध्य तक, किट्टी इतनी स्वस्थ हो गई थीं कि बिना आँसू बहाए मेरिटन में प्रवेश कर सकती थीं; यह एक ऐसी सुखद घटना थी जिससे एलिजाबेथ को आशा थी कि अगले क्रिसमस तक वह इतनी समझदार हो जाएँगी कि किसी अधिकारी का ज़िक्र दिन में एक बार से ज़्यादा न करें, जब तक कि युद्ध कार्यालय की किसी क्रूर और दुर्भावनापूर्ण व्यवस्था के तहत मेरिटन में एक और रेजिमेंट तैनात न कर दी जाए।

उनकी उत्तरी यात्रा शुरू होने का निर्धारित समय अब तेज़ी से नज़दीक आ रहा था, और केवल दो सप्ताह शेष थे, तभी श्रीमती गार्डिनर का एक पत्र आया, जिसने यात्रा की शुरुआत में देरी कर दी और उसका दायरा

सीमित कर दिया। श्री गार्डिनर को व्यावसायिक कारणों से जुलाई में दो सप्ताह बाद तक यात्रा शुरू करने से रोका गया, और उन्हें एक महीने के भीतर लंदन वापस लौटना था। इस कारण उनके पास इतनी दूर जाने और उतना देखने के लिए पर्याप्त समय नहीं बचा था जितना उन्होंने योजना बनाई थी, या कम से कम उस आराम और सुविधा के साथ देखने के लिए जो उन्होंने उम्मीद की थी। इसलिए उन्हें झीलों की यात्रा छोड़नी पड़ी और एक छोटी यात्रा का विकल्प चुनना पड़ा, और वर्तमान योजना के अनुसार, वे डर्बीशायर से आगे उत्तर की ओर नहीं जा सकते थे। उस काउंटी में देखने के लिए इतना कुछ था कि उनके तीन सप्ताह का अधिकांश समय उसमें व्यतीत हो सकता था; और श्रीमती गार्डिनर के लिए यह विशेष रूप से आकर्षक था। वह शहर जहां उसने पहले अपने जीवन के कुछ वर्ष बिताए थे, और जहां अब उन्हें कुछ दिन बिताने थे, शायद उसकी जिज्ञासा का उतना ही बड़ा केंद्र था जितना कि मैटलॉक, चैटस्वर्थ, डोवेडेल या पीक की सभी प्रसिद्ध सुंदरताएं।

एलिजाबेथ बेहद निराश थी; उसने झीलों को देखने का मन बना लिया था और उसे अब भी लग रहा था कि शायद पर्याप्त समय था। लेकिन संतुष्ट रहना उसका कर्तव्य था—और निश्चित रूप से खुश रहना उसका स्वभाव था; और जल्द ही सब कुछ ठीक हो गया।

डर्बीशायर का नाम सुनते ही कई विचार मन में उमड़ आए। उसके लिए यह शब्द सुनते ही पेम्बर्ली और उसके मालिक का ख्याल आना लाज़मी था। "लेकिन यकीनन," उसने कहा, "मैं बिना किसी डर के उसके इलाके में घुस सकती हूँ और बिना उसकी नज़र में आए कुछ पत्थर के टुकड़े चुरा सकती हूँ।"

प्रतीक्षा का समय अब दुगना हो गया था। चाचा और चाची के आने में चार सप्ताह शेष थे। लेकिन वे आ गए और श्रीमान और श्रीमती गार्डिनर अपने चार बच्चों के साथ अंततः लॉन्गबोर्न पहुँचे। छह और आठ वर्ष की दो लड़कियाँ और दो छोटे लड़के, इन बच्चों को उनकी चचेरी बहन जेन की विशेष देखरेख में छोड़ा गया था, जो सबकी चहेती थी और जिसका शांत स्वभाव और मधुर व्यवहार उन्हें हर तरह से उनकी देखभाल करने के लिए उपयुक्त बनाता था—उन्हें पढ़ाना, उनके साथ खेलना और उन्हें प्यार करना।

गार्डिनर दंपति लॉन्गबोर्न में केवल एक रात रुके और अगली सुबह एलिजाबेथ के साथ कुछ नया और मनोरंजक खोज में निकल पड़े। एक आनंद निश्चित था - साथियों का उपयुक्त होना; ऐसा उपयुक्त होना जिसमें असुविधाओं को सहने की क्षमता और स्वभाव हो - हर आनंद को बढ़ाने वाली प्रसन्नता हो - और स्नेह और बुद्धिमत्ता हो, जो बाहर निराशा होने पर आपस में एक-दूसरे की कमी को पूरा कर सके।

इस लेख का उद्देश्य डर्बीशायर का वर्णन करना नहीं है, न ही उन उल्लेखनीय स्थानों का जिनसे होकर उनका मार्ग गुजरा; ऑक्सफोर्ड, ब्लेंहेम, वारविक, केनिलवर्थ, बर्मिंघम आदि तो सर्वविदित हैं। वर्तमान में केवल डर्बीशायर के एक छोटे से हिस्से पर ही ध्यान केंद्रित किया गया है। श्रीमती गार्डिनर के पूर्व निवास स्थान, लैम्बटन नामक छोटे से कस्बे में, जहाँ उन्हें हाल ही में पता चला था कि उनके कुछ परिचित अभी भी रहते हैं, देश के सभी प्रमुख दर्शनीय स्थलों को देखने के बाद वे वहाँ पहुँचे। लैम्बटन से पाँच मील की दूरी पर, एलिजाबेथ को अपनी चाची से पता चला कि पेम्बर्ली स्थित है। यह उनके सीधे रास्ते में नहीं था, बल्कि उससे

एक-दो मील की दूरी पर ही था। पिछली शाम अपने मार्ग पर चर्चा करते हुए, श्रीमती गार्डिनर ने उस स्थान को फिर से देखने की इच्छा व्यक्त की। श्री गार्डिनर ने भी अपनी सहमति दी, और एलिजाबेथ से भी इस बारे में पूछा गया।

"मेरी प्यारी, क्या तुम उस जगह को देखना नहीं चाहोगी जिसके बारे में तुमने इतना सुना है?" उसकी चाची ने कहा; "वह जगह जिससे तुम्हारे कई परिचित जुड़े हुए हैं। तुम्हें पता है, विकहम ने अपनी पूरी जवानी वहीं बिताई थी।"

एलिज़ाबेथ परेशान थी। उसे लगा कि पेम्बर्ली में उसका कोई काम नहीं है, और उसे वहाँ जाने की अनिच्छा जतानी पड़ी। उसे यह स्वीकार करना पड़ा कि वह बड़े-बड़े घर देखकर थक चुकी थी; इतने सारे घर देखने के बाद, उसे बढ़िया कालीनों या साटन के पर्दों में कोई आनंद नहीं आ रहा था।

श्रीमती गार्डिनर ने अपनी मूर्खता का बखान किया। उन्होंने कहा, "अगर यह महज़ एक शानदार, आलीशान घर होता, तो मुझे इसकी परवाह नहीं होती; लेकिन इसके आसपास का इलाका बेहद खूबसूरत है। यहाँ देश के कुछ सबसे बेहतरीन जंगल हैं।"

एलिज़ाबेथ ने और कुछ नहीं कहा—पर उसका मन इस बात को स्वीकार नहीं कर पा रहा था। जगह का मुआयना करते समय मिस्टर डार्सी से मुलाक़ात होने की संभावना उसके मन में तुरंत आ गई। यह कितना भयानक होगा! इस विचार मात्र से ही वह शर्म से लाल हो गई और सोचने लगी कि ऐसे जोखिम उठाने से बेहतर होगा कि वह अपनी चाची से खुलकर बात कर ले। लेकिन इस पर भी आपत्तियां थीं; और अंततः उसने निश्चय किया कि अगर परिवार की अनुपस्थिति के बारे में उसकी निजी पूछताछ के संतोषजनक उत्तर नहीं मिले, तो यही आखिरी उपाय होगा।

इसलिए, जब वह रात को सोने गई, तो उसने नौकरानी से पूछा कि क्या पेम्बर्ली एक बहुत ही सुंदर जगह नहीं है? उसके मालिक का नाम क्या है? और, थोड़ी घबराहट के साथ, क्या परिवार गर्मियों की छुट्टियों के लिए वहाँ आया है? आखिरी सवाल का जवाब बड़ी राहत के साथ 'ना' में मिला—और अब उसकी घबराहट दूर हो गई थी, इसलिए उसे खुद घर देखने की बहुत उत्सुकता हुई; और जब अगली सुबह यह विषय फिर से उठा और उससे दोबारा पूछा गया, तो उसने बड़ी सहजता से और बेपरवाही से जवाब दिया कि उसे इस योजना से कोई खास आपत्ति नहीं है। इसलिए, वे पेम्बर्ली जाने के लिए तैयार हो गए।

भाग 3

अध्याय 1

जैसे-जैसे वे आगे बढ़ते गए, एलिजाबेथ कुछ बेचैनी के साथ पेम्बर्ली वुड्स के पहले दर्शन की प्रतीक्षा करती रही; और जब अंततः वे लॉज में पहुंचे, तो उसका मनोबल बहुत बढ़ गया था।

पार्क बहुत विशाल था और उसमें विभिन्न प्रकार की भू-आकृतियाँ थीं। उन्होंने इसके सबसे निचले बिंदुओं में से एक से प्रवेश किया और कुछ देर तक एक विस्तृत क्षेत्र में फैले खूबसूरत जंगल से होकर गाड़ी चलाई। एलिज़ाबेथ का मन बातचीत के लिए बहुत व्यस्त था, लेकिन उसने हर अद्भुत जगह और नज़ारे को देखा और उसकी प्रशंसा की। वे धीरे-धीरे आधा मील ऊपर चढ़े और फिर एक ऊँची पहाड़ी की चोटी पर पहुँच गए, जहाँ जंगल खत्म हो गया था, और नज़र तुरंत पेम्बर्ली हाउस पर पड़ी, जो एक घाटी के दूसरी ओर स्थित था, जिसमें सड़क अचानक मुड़ जाती थी। यह एक विशाल, सुंदर पत्थर की इमारत थी, जो ऊँची ज़मीन पर अच्छी तरह से खड़ी थी, और जिसके पीछे ऊँची, जंगली पहाड़ियों की एक श्रृंखला थी; और सामने, एक प्राकृतिक रूप से महत्वपूर्ण धारा बहती हुई और भी बड़ी हो गई थी, लेकिन बिना किसी कृत्रिमता के। इसके किनारे न तो औपचारिक थे और न ही बनावटी ढंग से सजाए गए थे। एलिज़ाबेथ बहुत खुश थी। उसने ऐसी कोई जगह नहीं देखी थी जहाँ प्रकृति ने इतना कुछ किया हो, या जहाँ प्राकृतिक सुंदरता को किसी भद्दे स्वाद ने इतना कम बिगाड़ा हो। वे सभी प्रशंसा से भर उठे; और उस क्षण उसे लगा कि पेम्बर्ली की मालकिन बनना कितना अद्भुत हो सकता है!

वे पहाड़ी से नीचे उतरे, पुल पार किया और दरवाजे तक गाड़ी चलाकर गए; और घर के नज़दीकी दृश्य का निरीक्षण करते हुए, उसके मालिक से मिलने की आशंका उनके मन में फिर से जाग उठी। उन्हें डर था कि कहीं नौकरानी को कोई गलतफहमी न हो गई हो। घर देखने की अनुमति मिलने पर उन्हें हॉल में प्रवेश दिया गया; और जब वे नौकरानी का इंतज़ार कर रहे थे, तब एलिज़ाबेथ को यह सोचने का समय मिला कि वह वहाँ क्यों है।

नौकरानी आई; एक सम्मानित दिखने वाली बुजुर्ग महिला, जितनी उसने कल्पना भी नहीं की थी, उससे कहीं कम सलीकेदार और अधिक विनम्र। वे उसके पीछे-पीछे भोजन कक्ष में गए। यह एक बड़ा, सुव्यवस्थित और खूबसूरती से सजा हुआ कमरा था। एलिज़ाबेथ ने कमरे का संक्षिप्त अवलोकन करने के बाद, खिड़की के पास जाकर नज़ारे का आनंद लिया। जिस पहाड़ी से वे नीचे उतरे थे, वह घने जंगलों से ढकी हुई थी और दूरी से और भी खड़ी ढलान वाली होती जा रही थी, जो बेहद खूबसूरत लग रही थी। ज़मीन का हर हिस्सा सुंदर था; और वह नदी, उसके किनारों पर बिखरे पेड़ों और घाटी के घुमावों को, जहाँ तक उसकी नज़र जा सकती थी, बड़े आनंद से देख रही थी। जैसे-जैसे वे दूसरे कमरों में गए, ये दृश्य अलग-अलग रूप धारण करते गए; लेकिन हर खिड़की से सुंदरता दिखाई दे रही थी। कमरे ऊँचे और सुंदर थे, और उनका फर्नीचर मालिक की संपत्ति के अनुरूप था; लेकिन एलिज़ाबेथ ने उनके स्वाद की प्रशंसा करते हुए पाया कि यह न तो भड़कीला

था और न ही अनावश्यक रूप से शानदार; इसमें रोसिंग के फर्नीचर की तुलना में कम भव्यता और अधिक वास्तविक शालीनता थी।

“और इस जगह की,” उसने सोचा, “मैं मालकिन हो सकती थी! इन कमरों से मेरा कितना गहरा नाता हो सकता था! इन्हें अजनबी की तरह देखने के बजाय, मैं इन्हें अपना मानकर खुश हो सकती थी और अपने चाचा-चाची का इनमें मेहमान बनकर स्वागत कर सकती थी। लेकिन नहीं,”—खुद को याद करते हुए—“ऐसा कभी नहीं हो सकता था; मेरे चाचा-चाची मुझसे बिछड़ जाते; मुझे उन्हें आमंत्रित करने की अनुमति नहीं मिलती।”

यह एक सौभाग्यशाली स्मरण था—इसने उसे पछतावे जैसी किसी चीज़ से बचा लिया।

वह नौकरानी से यह पूछना चाहती थी कि क्या उसके मालिक सचमुच घर से बाहर गए हैं, लेकिन हिम्मत नहीं जुटा पाई। आखिरकार, उसके चाचा ने उससे यह सवाल पूछ ही लिया; और वह घबराकर मुँह फेर लिया, जबकि श्रीमती रेनॉल्ड्स ने जवाब दिया कि वे घर से बाहर गए हैं, और आगे कहा, "लेकिन हमें उम्मीद है कि वे कल अपने दोस्तों के एक बड़े दल के साथ आएंगे।" एलिजाबेथ कितनी खुश हुई कि उनकी अपनी यात्रा किसी भी कारण से एक दिन भी नहीं रुकी!

अब उसकी चाची ने उसे एक तस्वीर देखने के लिए बुलाया। वह पास गई और उसने देखा कि कई अन्य लघु चित्रों के बीच, शेल्फ के ऊपर मिस्टर विकहम की तस्वीर टंगी हुई थी। उसकी चाची ने मुस्कुराते हुए उससे पूछा कि उसे यह कैसी लगी। नौकरानी आगे आई और बताया कि यह एक नौजवान की तस्वीर है, जो उसके दिवंगत मालिक के प्रबंधक का बेटा था, जिसे उसके मालिक ने अपने खर्च पर पाला था। उसने आगे कहा, "वह अब सेना में भर्ती हो गया है; लेकिन मुझे लगता है कि वह बहुत बिगड़ैल निकला है।"

श्रीमती गार्डिनर ने अपनी भतीजी की ओर मुस्कुराते हुए देखा, लेकिन एलिजाबेथ मुस्कुराकर जवाब नहीं दे सकी।

"और यह," श्रीमती रेनॉल्ड्स ने एक और लघुचित्र की ओर इशारा करते हुए कहा, "मेरे गुरु की तस्वीर है - और बिल्कुल उन्हीं की तरह दिखती है। इसे भी बाकी चित्रों के साथ ही बनाया गया था - लगभग आठ साल पहले।"

"मैंने आपके मालिक के आकर्षक व्यक्तित्व के बारे में बहुत कुछ सुना है," श्रीमती गार्डिनर ने तस्वीर को देखते हुए कहा; "यह एक सुंदर चेहरा है। लेकिन, लिज़ी, क्या तुम हमें बता सकती हो कि यह तस्वीर असली है या नहीं।"

श्रीमती रेनॉल्ड्स का एलिजाबेथ के प्रति सम्मान इस बात की जानकारी मिलने पर और भी बढ़ गया कि वह उनके स्वामी को जानती थी।

क्या वह युवती मिस्टर डार्सी को जानती है?

एलिजाबेथ का चेहरा लाल हो गया और उसने कहा: "थोड़ा सा।"

"और क्या आपको नहीं लगता कि वह बहुत ही आकर्षक सज्जन हैं, महोदया?"

"हां, बहुत ही सुंदर।"
"मुझे यकीन है कि मैं इतना सुंदर किसी और को नहीं जानता; लेकिन ऊपर गैलरी में आपको उनकी इससे भी बेहतर और बड़ी तस्वीर देखने को मिलेगी। यह कमरा मेरे दिवंगत मालिक का पसंदीदा कमरा था, और ये लघुचित्र बिल्कुल वैसे ही हैं जैसे तब हुआ करते थे। उन्हें ये बहुत पसंद थे।"
इससे एलिजाबेथ को यह समझ में आया कि मिस्टर विकहम भी उनमें से एक क्यों थे।
इसके बाद श्रीमती रेनॉल्ड्स ने उनका ध्यान मिस डार्सी के एक चित्र की ओर दिलाया, जो तब बनाया गया था जब वह केवल आठ साल की थीं।
"और क्या मिस डार्सी अपने भाई जितनी ही सुंदर हैं?" श्रीमती गार्डिनर ने कहा।
"ओह! जी हाँ—अब तक देखी गई सबसे खूबसूरत युवती; और कितनी प्रतिभाशाली!—वह सारा दिन गाती-बजाती रहती है। बगल वाले कमरे में उसके लिए एक नया वाद्य यंत्र अभी-अभी भेजा गया है—मेरे मालिक का उपहार; वह कल उनके साथ यहाँ आएगी।"
श्री गार्डिनर, जिनका व्यवहार बहुत सहज और सुखद था, अपने प्रश्नों और टिप्पणियों से श्रीमती रेनॉल्ड्स को बातूनी बनने के लिए प्रोत्साहित करते थे; श्रीमती रेनॉल्ड्स को, चाहे गर्व के कारण हो या स्नेह के कारण, अपने स्वामी और उनकी बहन के बारे में बात करने में स्पष्ट रूप से बहुत आनंद आता था।
"क्या आपके मालिक साल भर में अक्सर पेम्बर्ली में रहते हैं?"
"जितना मैं चाहती थी उतना तो नहीं, महोदय; लेकिन मुझे लगता है कि वह अपना आधा समय यहीं बिताएंगे; और मिस डार्सी तो गर्मियों के महीनों में हमेशा यहाँ आती रहती हैं।"
"सिवाय इसके," एलिजाबेथ ने सोचा, "जब वह रैम्सगेट जाती है।"
"अगर तुम्हारा मालिक शादी कर ले, तो शायद तुम उसे और ज्यादा देख पाओगे।"
"जी हां, महोदय; लेकिन मुझे नहीं पता कि यह कब होगा। मुझे नहीं पता कि उनके लिए कौन उपयुक्त होगी।"
श्रीमान और श्रीमती गार्डिनर मुस्कुराए। एलिजाबेथ ने कहा, "मुझे पूरा यकीन है कि यह उनकी बहुत बड़ी उपलब्धि है कि आप ऐसा सोचते हैं।"
"मैं सच के सिवा कुछ नहीं कह रही, और जो भी उसे जानता है वो यही कहेगा," दूसरे ने जवाब दिया।
एलिज़ाबेथ को लगा कि बात हद से ज़्यादा बढ़ गई है; और वह बढ़ती हैरानी के साथ सुनती रही जब नौकरानी ने आगे कहा, "मैंने अपनी पूरी ज़िंदगी में उससे कभी कोई बुरी बात नहीं सुनी, और मैं उसे तब से जानती हूँ जब वह चार साल का था।"
यह प्रशंसा, बाकी सभी प्रशंसाओं में सबसे असाधारण और उसके विचारों के बिल्कुल विपरीत थी। उसका पक्का मानना था कि वह अच्छे स्वभाव का आदमी नहीं था। उसकी उत्सुकता जागृत हो गई; वह और अधिक सुनना चाहती थी और अपने चाचा के ये कहने पर आभारी थी:

"ऐसे बहुत कम लोग होते हैं जिनके बारे में इतना कुछ कहा जा सकता है। आप भाग्यशाली हैं कि आपको ऐसा गुरु मिला है।"
"जी हाँ, महोदय, मैं जानता हूँ कि मैं हूँ। अगर मुझे पूरी दुनिया में घूमना पड़े, तो मुझे इससे बेहतर कोई नहीं मिलेगा। लेकिन मैंने हमेशा देखा है कि जो बच्चे बचपन में अच्छे स्वभाव के होते हैं, वे बड़े होकर भी अच्छे स्वभाव के ही रहते हैं; और वह हमेशा से ही दुनिया का सबसे मधुर स्वभाव वाला और उदार हृदय वाला लड़का था।"
एलिजाबेथ लगभग उसे घूरने लगी। "क्या यह मिस्टर डार्सी हो सकते हैं?" उसने सोचा।
श्रीमती गार्डिनर ने कहा, "उनके पिता एक उत्कृष्ट व्यक्ति थे।"
"जी मैडम, वह सचमुच ऐसा ही था; और उसका बेटा भी बिल्कुल उसी की तरह होगा—गरीबों के प्रति उतना ही दयालु।"
एलिज़ाबेथ सुनती रही, आश्चर्य करती रही, संदेह करती रही और और अधिक जानने के लिए बेचैन थी। श्रीमती रेनॉल्ड्स उसे किसी और बात में दिलचस्पी नहीं दिला सकीं। उसने चित्रों के विषय, कमरों के आकार और फर्नीचर की कीमत के बारे में बताया, लेकिन सब व्यर्थ रहा। श्री गार्डिनर, एलिज़ाबेथ द्वारा अपने स्वामी की अत्यधिक प्रशंसा को पारिवारिक पूर्वाग्रह समझकर बहुत खुश हुए और जल्द ही विषय पर वापस आ गए; और एलिज़ाबेथ सीढ़ियों से ऊपर जाते हुए उनके अनेक गुणों का बड़े उत्साह से बखान करती रही।
“वह सबसे अच्छे मकान मालिक और सबसे अच्छे स्वामी हैं,” उसने कहा। “आजकल के उन उद्दंड नौजवानों की तरह नहीं, जो सिर्फ़ अपने बारे में सोचते हैं। उनके किराएदारों या नौकरों में से कोई भी उनकी तारीफ़ किए बिना नहीं रह सकता। कुछ लोग उन्हें घमंडी कहते हैं; लेकिन मुझे यकीन है कि मैंने कभी ऐसा कुछ नहीं देखा। मेरी राय में, ऐसा सिर्फ़ इसलिए है क्योंकि वह दूसरे नौजवानों की तरह शेखी नहीं बघारते।”
"इससे तो वह कितने सौम्य रूप में सामने आता है!" एलिजाबेथ ने सोचा।
चलते-चलते उसकी चाची ने फुसफुसाते हुए कहा, "उसके बारे में यह अच्छी-अच्छी बातें हमारे बेचारे दोस्त के प्रति उसके व्यवहार से पूरी तरह मेल नहीं खातीं।"
"हो सकता है कि हम धोखे में आ गए हों।"
"ऐसा होने की संभावना बहुत कम है; हमारा अधिकार बहुत अच्छा था।"
ऊपर स्थित विशाल लॉबी में पहुँचने पर उन्हें एक बहुत ही सुंदर बैठक कक्ष में ले जाया गया, जिसे हाल ही में नीचे के कमरों की तुलना में अधिक भव्यता और हल्केपन के साथ सजाया गया था; और उन्हें बताया गया कि यह विशेष रूप से मिस डार्सी को प्रसन्न करने के लिए किया गया था, जिन्हें पिछली बार पेम्बर्ली में रहने के दौरान यह कमरा बहुत पसंद आया था।
"वह वाकई एक अच्छा भाई है," एलिजाबेथ ने खिड़कियों में से एक की ओर चलते हुए कहा।

श्रीमती रेनॉल्ड्स को इस बात का अंदाज़ा था कि जब मिस डार्सी कमरे में आएंगी तो उन्हें कितनी खुशी होगी। उन्होंने आगे कहा, "और उनका यही स्वभाव है। अपनी बहन को जो भी खुशी दे सकता है, वो पल भर में कर देते हैं। उनके लिए वो कुछ भी करने को तैयार रहते हैं।"

चित्र-दीर्घा और दो-तीन मुख्य शयनकक्ष ही देखने बाकी थे। चित्र-दीर्घा में कई सुंदर चित्र थे; लेकिन एलिजाबेथ को कला की कोई जानकारी नहीं थी; और नीचे जो चित्र पहले ही देखे जा चुके थे, उन्हें छोड़कर उसने खुशी-खुशी मिस डार्सी के कुछ क्रेयॉन से बने चित्रों को देखना शुरू कर दिया, जिनके विषय आमतौर पर अधिक रोचक और समझने में आसान होते थे।

गैलरी में कई पारिवारिक चित्र थे, लेकिन उनमें किसी अजनबी का ध्यान आकर्षित करने की कोई खास क्षमता नहीं थी। एलिजाबेथ उस एकमात्र चेहरे की तलाश में आगे बढ़ी जिसके चेहरे-मोहरे उसे पहचान में आते। आखिरकार, उसकी नज़र उस पर पड़ी और उसने मिस्टर डार्सी से मिलती-जुलती शक्ल देखी, उनके चेहरे पर वैसी ही मुस्कान थी जैसी उसने कभी-कभी उन्हें अपनी ओर देखते हुए देखी थी। वह कुछ मिनटों तक उस चित्र के सामने खड़ी रही, गंभीर चिंतन में डूबी रही, और गैलरी से निकलने से पहले फिर से उसे देखने लगी। श्रीमती रेनॉल्ड्स ने उन्हें बताया कि यह चित्र उनके पिता के जीवनकाल में लिया गया था।

इस समय एलिज़ाबेथ के मन में मूल व्यक्ति के प्रति एक ऐसा कोमल भाव था जो उनके घनिष्ठ परिचय के चरम समय में भी उसके मन में नहीं था। श्रीमती रेनॉल्ड्स द्वारा दी गई प्रशंसा कोई मामूली बात नहीं थी। एक बुद्धिमान सेवक की प्रशंसा से बढ़कर और क्या मूल्यवान हो सकता है? एक भाई, एक ज़मींदार, एक स्वामी के रूप में, उसने सोचा कि कितने लोगों का सुख उसकी देखरेख में था!—कितने सुख-दुख वह दे सकता था! —उसके द्वारा कितना अच्छा या बुरा किया जाना चाहिए! गृहस्वामी द्वारा व्यक्त किया गया हर विचार उसके चरित्र के अनुकूल था, और जब वह उस चित्र के सामने खड़ी थी जिस पर उसका चित्रण था, और उसकी निगाहें खुद पर टिकी थीं, तो उसने उसके स्नेह के प्रति पहले से कहीं अधिक गहरी कृतज्ञता का भाव महसूस किया; उसे उसकी गर्माहट याद आई, और उसकी अभिव्यक्ति की अनुचितता को उसने नरम कर दिया।

जब घर का वह सारा हिस्सा जो आम निरीक्षण के लिए खुला था, देख लिया गया, तो वे नीचे लौट आए, और गृहस्वामी से विदा लेकर माली के हवाले कर दिए गए, जो उन्हें हॉल के दरवाजे पर मिला।

जैसे ही वे हॉल पार करके नदी की ओर बढ़े, एलिजाबेथ ने पीछे मुड़कर फिर से देखा; उसके चाचा और चाची भी रुक गए, और जब चाचा इमारत की तारीख के बारे में अनुमान लगा रहे थे, तभी अचानक इमारत का मालिक खुद सड़क से आगे आया, जो उसके पीछे अस्तबल की ओर जाती थी।

वे एक-दूसरे से बीस गज की दूरी पर थे, और उसका प्रकट होना इतना अचानक था कि उसकी नज़र से बचना नामुमकिन था। उनकी आँखें तुरंत मिलीं, और दोनों के गाल शर्म से लाल हो गए। वह एकदम चौंक गया, और एक पल के लिए आश्चर्य से अविचलित सा लग रहा था; लेकिन थोड़ी देर में संभलकर, वह समूह की ओर बढ़ा, और एलिज़ाबेथ से बात की, भले ही पूरी तरह शांत भाव से नहीं, लेकिन कम से कम पूरी विनम्रता से।

वह सहज ही मुँह फेर लिया था; लेकिन उसके पास आने पर रुककर, उसने उसकी तारीफें सुनीं और उसे इतनी शर्मिंदगी हुई कि वह इसे संभाल नहीं पाया। अगर उसकी पहली झलक, या जिस तस्वीर को वे अभी देख रहे थे उससे उसकी समानता, बाकी दोनों को यह यकीन दिलाने के लिए काफी नहीं थी कि वे अब मिस्टर डार्सी को देख रहे हैं, तो माली के अपने मालिक को देखकर आश्चर्य के भाव ने तुरंत यह बता दिया होगा। वे थोड़ा दूर खड़े रहे जबकि वह उनकी भतीजी से बात कर रहा था, जो हैरान और परेशान थी, मुश्किल से ही उसकी ओर देखने की हिम्मत कर पा रही थी, और उसे नहीं पता था कि उसने अपने परिवार के बारे में उसकी विनम्र पूछताछ का क्या जवाब दिया। पिछली बार अलग होने के बाद से उसके व्यवहार में आए बदलाव से चकित, उसके द्वारा बोला गया हर वाक्य उसकी शर्मिंदगी को बढ़ा रहा था; और वहाँ उसकी मौजूदगी की अनुचितता का विचार बार-बार उसके मन में आ रहा था, वे कुछ मिनट जो उन्होंने साथ बिताए, उसके जीवन के सबसे असहज क्षणों में से थे। और वह भी कुछ ज्यादा सहज नहीं लग रहा था; जब वह बोल रहा था, तो उसके लहजे में उसकी सामान्य गंभीरता नहीं थी; और उसने बार-बार और इतनी जल्दबाजी में यह सवाल दोहराया कि वह लॉन्गबोर्न से कब गई थी और डर्बीशायर में कब रुकी थी, जिससे स्पष्ट रूप से उसके विचारों की अशांत स्थिति का पता चलता था।

अंततः उसके सारे विचार विफल होते प्रतीत हुए; और कुछ क्षण बिना कुछ बोले खड़े रहने के बाद, अचानक उसे होश आया और वह विदा हो गया।

फिर बाकी लोग भी उसके पास आ गए और उसकी कद-काठी की तारीफ करने लगे; लेकिन एलिजाबेथ ने एक शब्द भी नहीं सुना और अपनी भावनाओं में पूरी तरह डूबी हुई चुपचाप उनके पीछे-पीछे चलती रही। वह शर्म और झुंझलाहट से व्याकुल थी। उसका वहाँ आना दुनिया की सबसे दुर्भाग्यपूर्ण, सबसे गलत बात थी! उसे यह कितना अजीब लग रहा होगा! इतने घमंडी आदमी के लिए यह कितना अपमानजनक रहा होगा! ऐसा लग रहा होगा जैसे उसने जानबूझकर खुद को फिर से उसके रास्ते में डाल दिया हो! ओह! वह क्यों आई? या, वह तय समय से एक दिन पहले क्यों आ गया? अगर वे सिर्फ दस मिनट पहले आ जाते, तो वे उसकी नज़र से बच जाते; क्योंकि यह साफ था कि वह उसी क्षण पहुँच गया था—उसी क्षण अपने घोड़े या गाड़ी से उतरा था। वह इस मुलाकात की विचित्रता पर बार-बार शर्म से लाल हो रही थी। और उसका व्यवहार, जो इतना बदल गया था—इसका क्या मतलब हो सकता है? उसका उससे बात करना भी आश्चर्यजनक था!—लेकिन इतनी विनम्रता से बात करना, उसके परिवार के बारे में पूछना! उसने अपने जीवन में कभी भी उसके व्यवहार को इतना अभद्र नहीं देखा था, न ही उसने कभी इतनी कोमलता से बात की थी जितनी इस अप्रत्याशित मुलाकात में की। यह उसके उस आखिरी भाषण से कितना अलग था, जब उसने रोज़िंग्स पार्क में अपना पत्र उसके हाथ में दिया था! वह समझ नहीं पा रही थी कि क्या सोचे या इसका कारण क्या हो।

अब वे पानी के किनारे बने एक सुंदर रास्ते पर चल रहे थे, और हर कदम के साथ ज़मीन की ढलान और ढलान बढ़ती जा रही थी, या जंगल का विस्तार और भी सुंदर होता जा रहा था जिसकी ओर वे बढ़ रहे थे;

लेकिन एलिज़ाबेथ को इसका एहसास होने में कुछ समय लगा; और, हालांकि उसने अपने चाचा और चाची की बार-बार की अपील का यंत्रवत जवाब दिया, और ऐसा लग रहा था कि वह उनकी ओर इशारा की गई चीज़ों पर अपनी नज़रें टिका रही है, फिर भी उसे दृश्य का कोई भी हिस्सा दिखाई नहीं दिया। उसके सारे विचार पेम्बर्ली हाउस के उस एक स्थान पर टिके हुए थे, चाहे वह कोई भी स्थान हो, जहाँ मिस्टर डार्सी उस समय थे। वह यह जानने के लिए तरस रही थी कि इस समय उनके मन में क्या चल रहा है—वे उसके बारे में क्या सोच रहे हैं, और क्या हर चीज़ के बावजूद, वह अब भी उनके लिए प्रिय है। शायद वह केवल इसलिए विनम्र थे क्योंकि वे सहज महसूस कर रहे थे; फिर भी उनकी आवाज़ में कुछ ऐसा था जो सहजता का संकेत नहीं था। उसे देखकर उन्हें कितना दर्द हुआ या कितना सुख, यह वह नहीं कह सकती थी, लेकिन निश्चित रूप से उन्होंने उसे शांत भाव से नहीं देखा था।

लेकिन अंततः, उसके साथियों द्वारा उसकी गैर-मौजूदगी पर की गई टिप्पणियों ने उसे जगा दिया, और उसने खुद के अधिक सामान्य रूप में दिखने की आवश्यकता महसूस की।

वे जंगल में दाखिल हुए और कुछ देर के लिए नदी को अलविदा कहकर ऊँची पहाड़ियों पर चढ़ गए; जहाँ पेड़ों के बीच से होकर आँखों को दूर-दूर तक घूमने का मौका मिलता था, वहाँ घाटी, सामने की पहाड़ियों और दूर तक फैले जंगलों के कई मनमोहक दृश्य दिखाई देते थे, जिनमें से कुछ पर नदी का एक हिस्सा भी दिखता था। श्री गार्डिनर ने पूरे पार्क का चक्कर लगाने की इच्छा जताई, लेकिन उन्हें डर था कि पैदल चलना शायद संभव न हो। विजयी मुस्कान के साथ उन्हें बताया गया कि पार्क दस मील लंबा है। इससे बात पक्की हो गई; और उन्होंने अपना तय रास्ता तय किया; जो उन्हें कुछ देर बाद फिर से घने जंगलों के बीच से नीचे उतरते हुए नदी के किनारे और उसके सबसे संकरे हिस्सों में से एक पर ले आया। उन्होंने एक साधारण पुल से नदी पार की, जो वहाँ के वातावरण के अनुरूप था; यह जगह उन सभी जगहों से कम सजी-धजी थी जहाँ वे अब तक गए थे; और घाटी, जो यहाँ एक संकरी घाटी में सिमट गई थी, में केवल नदी और उसके किनारे पर मौजूद घने जंगल के बीच एक संकरा रास्ता ही दिखाई देता था। एलिजाबेथ इसके घुमावों को देखने के लिए उत्सुक थी; लेकिन जब वे पुल पार कर चुके थे और घर से अपनी दूरी का अंदाज़ा लगा चुके थे, तो श्रीमती गार्डिनर, जो ज़्यादा पैदल नहीं चलती थीं, आगे नहीं जा सकीं और जितनी जल्दी हो सके गाड़ी में वापस लौटने के बारे में सोचने लगीं। इसलिए उनकी भतीजी को उनकी बात माननी पड़ी और वे नदी के दूसरी ओर, सबसे नज़दीकी दिशा में स्थित घर की ओर चल पड़ीं; लेकिन उनकी चाल धीमी थी, क्योंकि श्री गार्डिनर, हालांकि उन्हें मछली पकड़ने का शौक कम ही होता था, फिर भी उन्हें मछली पकड़ने का बहुत शौक था और वे पानी में कभी-कभार दिखने वाली ट्राउट मछलियों को देखने और उनके बारे में उस आदमी से बात करने में इतने मशगूल थे कि वे ज़्यादा आगे नहीं बढ़ पा रहे थे। इसी धीमी गति से चलते हुए, वे फिर से चौंक गईं और एलिज़ाबेथ का आश्चर्य पहले जैसा ही था, जब उन्होंने श्री डार्सी को अपनी ओर आते देखा, और वो भी ज़्यादा दूर नहीं। यहाँ का रास्ता दूसरी तरफ की तुलना में कम छायादार होने के कारण, उन्हें मिलने से पहले ही उन्हें देखने का मौका मिल गया। हालांकि एलिजाबेथ आश्चर्यचकित थी, लेकिन कम से कम पहले से अधिक तैयार थी और

उसने ठान लिया था कि अगर वह सचमुच उनसे मिलना चाहता है, तो वह शांत भाव से पेश आएगी और बात करेगी। कुछ क्षणों के लिए, वास्तव में, उसे लगा कि वह शायद किसी और रास्ते पर चला जाएगा। यह विचार तब तक बना रहा जब तक कि रास्ते के एक मोड़ ने उसे उनकी नज़रों से ओझल नहीं कर दिया; मोड़ पार करते ही वह तुरंत उनके सामने आ गया। एक नज़र में ही उसने देखा कि उसकी हाल की विनम्रता में कोई कमी नहीं आई थी; और उसकी विनम्रता का अनुकरण करते हुए, मिलते ही उसने उस जगह की सुंदरता की प्रशंसा करना शुरू कर दिया; लेकिन वह "मनमोहक" और "आकर्षक" शब्दों से आगे नहीं बढ़ पाई थी कि कुछ दुर्भाग्यपूर्ण यादें उसके मन में आ गईं और उसे लगा कि पेम्बर्ली की उसकी प्रशंसा को गलत तरीके से लिया जा सकता है। उसका चेहरा लाल हो गया और उसने आगे कुछ नहीं कहा।

श्रीमती गार्डिनर थोड़ा पीछे खड़ी थीं; उनके रुकने पर उन्होंने उनसे पूछा कि क्या वे उन्हें अपने दोस्तों से मिलवाकर उन्हें सम्मानित करेंगी। यह शिष्टाचार का ऐसा कदम था जिसके लिए वे बिल्कुल तैयार नहीं थीं; और उन्हें अपनी हंसी रोकना मुश्किल हो रहा था कि अब वे उन्हीं लोगों से जान-पहचान करना चाह रहे थे जिनके प्रति उनके अहंकार ने उन्हें यह प्रस्ताव देते समय विद्रोह कर दिया था। "जब उन्हें पता चलेगा कि वे कौन हैं तो उन्हें कितना आश्चर्य होगा? वे तो उन्हें अभी फैशनेबल लोग समझते हैं।"

परिचय तुरंत हो गया; और जैसे ही उसने अपने रिश्ते का ज़िक्र किया, उसने चुपके से उसकी ओर देखा, यह देखने के लिए कि वह इसे कैसे लेता है, और उसे यह उम्मीद भी थी कि वह ऐसे शर्मनाक साथियों से जितनी जल्दी हो सके भाग जाएगा। यह स्पष्ट था कि वह इस रिश्ते से हैरान था; फिर भी उसने धैर्य बनाए रखा, और जाने के बजाय, उसने उनसे मुंह मोड़ लिया और मिस्टर गार्डिनर से बातचीत करने लगा। एलिज़ाबेथ खुश हुए बिना नहीं रह सकी, उसे जीत का एहसास हुआ। यह जानकर उसे तसल्ली मिली कि उसके कुछ ऐसे रिश्तेदार भी हैं जिनके लिए उसे शर्मिंदा होने की ज़रूरत नहीं है। उसने उन दोनों के बीच हुई हर बात को बड़े ध्यान से सुना, और अपने चाचा के हर उस शब्द, हर उस वाक्य पर गर्व किया जो उनकी बुद्धिमत्ता, उनके अच्छे स्वाद या उनके शिष्टाचार को दर्शाता था।

बातचीत जल्द ही मछली पकड़ने की ओर मुड़ गई; और उसने सुना कि मिस्टर डार्सी ने उसे अत्यंत विनम्रता से आमंत्रित किया कि जब तक वह आस-पास रहे, तब तक जब चाहे वहाँ मछली पकड़ने आ सकता है, साथ ही उसे मछली पकड़ने का सामान देने की पेशकश भी की और नदी के उन हिस्सों की ओर इशारा किया जहाँ आमतौर पर सबसे अच्छी मछलियाँ मिलती थीं। श्रीमती गार्डिनर, जो एलिजाबेथ के साथ हाथ में हाथ डालकर चल रही थीं, ने उसे आश्चर्य भरी निगाहों से देखा। एलिजाबेथ ने कुछ नहीं कहा, लेकिन उसे बहुत खुशी हुई; यह प्रशंसा तो उसे अपने लिए ही मिली थी। हालाँकि, उसका आश्चर्य चरम पर था, और वह लगातार दोहरा रही थी, "वह इतना बदल क्यों गया है? आखिर यह किस कारण से हुआ? यह मेरे लिए तो नहीं हो सकता—यह मेरे लिए तो नहीं हो सकता कि उसका व्यवहार इतना नरम हो गया है। हन्सफोर्ड में मेरी डांट-फटकार भी ऐसा बदलाव नहीं ला सकती थी। यह असंभव है कि वह अब भी मुझसे प्यार करता हो।"

कुछ देर इस तरह चलने के बाद, आगे चल रही दोनों महिलाएं और पीछे चल रहे दोनों सज्जन, नदी के किनारे एक अनोखे जलीय पौधे का बेहतर निरीक्षण करने के लिए नीचे उतरे और अपनी-अपनी जगह पर वापस आ गए। तभी संयोगवश एक छोटा सा बदलाव हुआ। यह बदलाव श्रीमती गार्डिनर के कारण हुआ, जो सुबह की थकान से चूर थीं और एलिजाबेथ का सहारा उनके लिए पर्याप्त नहीं था, इसलिए उन्होंने अपने पति का सहारा लेना बेहतर समझा। श्री डार्सी अपनी भतीजी के पास उनकी जगह पर बैठ गए और वे साथ-साथ चलने लगे। थोड़ी देर की चुप्पी के बाद, श्रीमती गार्डिनर ने बोलना शुरू किया। उन्होंने श्री डार्सी को यह बताना चाहा कि उन्हें यहाँ आने से पहले ही उनकी अनुपस्थिति की सूचना मिल चुकी थी, और इसी के अनुसार उन्होंने यह कहते हुए अपनी बात शुरू की कि उनका आगमन बहुत अप्रत्याशित था—उन्होंने आगे कहा, "क्योंकि आपकी गृहणी ने हमें बताया था कि आप कल तक यहाँ नहीं आएँगे; और वास्तव में, बेकवेल से निकलने से पहले ही हमें पता चल गया था कि आपके आने की तुरंत उम्मीद नहीं है।" उन्होंने सारी बात स्वीकार की और कहा कि अपने प्रबंधक से कुछ काम के चलते वे अपने साथ यात्रा कर रहे बाकी लोगों से कुछ घंटे पहले आ गए थे। उन्होंने आगे कहा, "वे कल सुबह जल्दी मुझसे मिलेंगे और उनमें से कुछ ऐसे भी हैं जो आपसे जान-पहचान का दावा करेंगे - श्री बिंगले और उनकी बहनें।"

एलिज़ाबेथ ने केवल हल्के से झुककर जवाब दिया। उसके विचार तुरंत उस समय की ओर चले गए जब मिस्टर बिंगले का नाम उनके बीच आखिरी बार लिया गया था; और, अगर वह उनके चेहरे के भाव से अंदाजा लगा सकती, तो उनका मन भी कुछ इसी तरह व्यस्त था।

"इस समूह में एक और व्यक्ति भी है," उन्होंने कुछ देर रुककर कहा, "जो विशेष रूप से आपसे मिलना चाहता है। क्या आप मुझे अनुमति देंगे, या क्या मैं कुछ ज़्यादा ही माँग रहा हूँ, कि मैं लैम्बटन में आपके प्रवास के दौरान अपनी बहन का आपसे परिचय करा सकूँ?"

इस तरह के आवेदन से उसे बहुत आश्चर्य हुआ; इतना आश्चर्य हुआ कि वह समझ ही नहीं पा रही थी कि उसने किस तरह से इस पर सहमति दी। उसे तुरंत एहसास हुआ कि मिस डार्सी की उससे जान-पहचान करने की जो भी इच्छा हो, वह उसके भाई की ही देन होगी, और बिना और सोचे-समझे, उसे यह जानकर संतोष हुआ; यह जानकर खुशी हुई कि उसकी नाराजगी ने उसे सचमुच उसके बारे में बुरा नहीं सोचने पर मजबूर किया था।

अब वे चुपचाप आगे बढ़ने लगे, दोनों ही गहरी सोच में डूबे हुए थे। एलिजाबेथ सहज महसूस नहीं कर रही थी; यह असंभव था; लेकिन वह खुश और प्रसन्न थी। अपनी बहन से उसका परिचय कराने की उसकी इच्छा उसके लिए सबसे बड़ा सम्मान थी। वे जल्द ही दूसरों से आगे निकल गए, और जब वे गाड़ी तक पहुँचे, तो श्रीमान और श्रीमती गार्डिनर उनसे आधा चौथाई मील पीछे थे।

फिर उन्होंने उसे घर के अंदर चलने को कहा—लेकिन उसने कहा कि वह थकी नहीं है, और वे दोनों लॉन पर खड़े रहे। ऐसे समय में बहुत कुछ कहा जा सकता था, और चुप्पी बहुत असहज थी। वह बात करना चाहती थी, लेकिन ऐसा लग रहा था जैसे हर विषय पर रोक लगी हो। आखिरकार उसे याद आया कि वह यात्रा कर

रही थी, और उन्होंने बड़ी लगन से मैटलॉक और डोव डेल के बारे में बात की। फिर भी समय और उसकी चाची धीरे-धीरे चल रहे थे—और आमने-सामने की बातचीत खत्म होने से पहले ही उसका धैर्य और विचार लगभग खत्म हो चुके थे। श्रीमान और श्रीमती गार्डिनर के आने पर उन सभी पर घर के अंदर जाकर कुछ जलपान करने का दबाव डाला गया; लेकिन उन्होंने मना कर दिया, और वे अत्यंत विनम्रता से एक-दूसरे से विदा हुए। श्री डार्सी ने महिलाओं को गाड़ी में बिठाया; और जब गाड़ी चली गई, तो एलिजाबेथ ने उन्हें धीरे-धीरे घर की ओर चलते देखा।

अब उसके चाचा और चाची ने उसका अवलोकन शुरू किया; और दोनों ने ही उसे अपनी अपेक्षा से कहीं अधिक श्रेष्ठ बताया। उसके चाचा ने कहा, "वह पूरी तरह से अच्छे व्यवहार वाला, विनम्र और सरल स्वभाव का है।"

"उनमें थोड़ी-बहुत शान-शौकत तो ज़रूर है," उनकी चाची ने जवाब दिया, "लेकिन यह सिर्फ़ उनके हाव-भाव तक ही सीमित है और अनुचित नहीं है। मैं अब गृहणी से कह सकती हूँ कि भले ही कुछ लोग उन्हें घमंडी कहते हों, मैंने उनमें ऐसा कुछ नहीं देखा।"

"मुझे उनके हमारे प्रति व्यवहार से इतना आश्चर्य कभी नहीं हुआ। यह केवल शिष्टाचार से कहीं अधिक था; यह वास्तव में ध्यान देने वाला था; और ऐसे ध्यान की कोई आवश्यकता नहीं थी। एलिजाबेथ के साथ उनका परिचय बहुत मामूली था।"

"हाँ, लिज़ी," उसकी चाची ने कहा, "वह विकहम जितना सुंदर नहीं है; या यूँ कहें कि उसका चेहरा विकहम जैसा नहीं है, क्योंकि उसके चेहरे के भाव तो बिल्कुल अच्छे हैं। लेकिन तुमने मुझे यह कैसे बताया कि वह इतना अप्रिय है?"

एलिजाबेथ ने यथासंभव अच्छे से बहाना बनाया; उसने कहा कि जब वे केंट में मिले थे तब वह उसे पहले से ज्यादा पसंद करती थी, और उसने उसे आज सुबह जितना खुशमिजाज देखा है उतना पहले कभी नहीं देखा था।

"लेकिन शायद वह अपने शिष्टाचार में थोड़ा सनकी हो सकता है," उसके चाचा ने उत्तर दिया। "आपके बड़े लोग अक्सर ऐसे ही होते हैं; इसलिए मैं उसकी बात पर आसानी से विश्वास नहीं करूंगा, क्योंकि हो सकता है कि वह किसी दिन अपना विचार बदल दे और मुझे अपने क्षेत्र से बाहर कर दे।"

एलिजाबेथ को लगा कि उन्होंने उसके चरित्र को पूरी तरह से गलत समझा है, लेकिन उसने कुछ नहीं कहा।

श्रीमती गार्डिनर ने आगे कहा, "हमने उसे जितना देखा है, उससे तो मुझे बिल्कुल भी नहीं लगता था कि वह किसी के साथ इतना क्रूर व्यवहार कर सकता है जितना उसने बेचारे विकहम के साथ किया है। उसका चेहरा देखने में बिल्कुल भी दुर्भावनापूर्ण नहीं लगता। बल्कि, जब वह बोलता है तो उसके मुंह से एक मधुरता झलकती है। उसके चेहरे पर एक गरिमा है जिससे उसके हृदय के बारे में कोई नकारात्मक धारणा नहीं बन सकती। लेकिन, सच कहूँ तो, जिस महिला ने हमें उसका घर दिखाया था, उसने उसका बहुत ही उग्र स्वभाव

बताया था! मुझे कई बार ज़ोर से हँसी आ जाती थी। लेकिन मुझे लगता है कि वह एक उदार स्वामी है, और एक नौकर की नज़र में यही सबसे बड़ा गुण है।"

एलिज़ाबेथ को यहाँ लगा कि उसे विकहम के प्रति उसके व्यवहार का बचाव करना चाहिए; इसलिए उसने यथासंभव सावधानी से उन्हें समझाया कि केंट में उसके रिश्तेदारों से सुनी बातों के आधार पर उसके कार्यों का अर्थ बिल्कुल अलग हो सकता है; और उसका चरित्र उतना दोषपूर्ण नहीं था, न ही विकहम का चरित्र उतना सौम्य था, जितना हर्टफोर्डशायर में माना जाता था। इसकी पुष्टि में, उसने उन सभी वित्तीय लेन-देनों का विवरण दिया जिनमें वे शामिल थे, हालांकि उसने अपने स्रोत का उल्लेख नहीं किया, लेकिन यह बताया कि यह विश्वसनीय है।

श्रीमती गार्डिनर आश्चर्यचकित और चिंतित थीं; लेकिन जैसे-जैसे वे उनके पुराने सुखों के स्थल के करीब पहुँच रहे थे, स्मृतियों के आकर्षण ने उनके सारे विचारों को पीछे धकेल दिया; और वे अपने पति को आसपास के सभी रोचक स्थानों को बताने में इतनी मग्न हो गईं कि उन्हें किसी और बात का ख्याल ही नहीं आया। सुबह की सैर से थकी होने के बावजूद, भोजन करते ही वे अपने पुराने परिचित की तलाश में फिर से निकल पड़ीं, और शाम कई वर्षों के अंतराल के बाद फिर से शुरू हुए इस सुखद मिलन की संतुष्टि में बीती।

दिन भर की घटनाएं इतनी दिलचस्प थीं कि एलिजाबेथ का ध्यान इन नए दोस्तों में से किसी पर भी नहीं जा सका; और वह श्री डार्सी की शिष्टता के बारे में सोचने और आश्चर्य करने के अलावा कुछ नहीं कर सकी, और सबसे बढ़कर, उनकी इस इच्छा के बारे में कि वह अपनी बहन से परिचित हो।

अध्याय दो

एलिज़ाबेथ ने तय कर लिया था कि मिस्टर डार्सी उसके पेम्बर्ली पहुँचने के ठीक अगले दिन अपनी बहन को उससे मिलने लाएँगे; इसलिए उसने ठान लिया था कि वह उस पूरी सुबह सराय से दूर नहीं जाएगी। लेकिन उसका अनुमान गलत निकला; क्योंकि लैम्बटन पहुँचने के ठीक अगले दिन सुबह ही ये मेहमान आ गए। वे अपने कुछ नए दोस्तों के साथ इधर-उधर घूम रहे थे और उसी परिवार के साथ भोजन करने के लिए सराय में तैयार होने ही वाले थे कि एक गाड़ी की आवाज़ सुनकर वे खिड़की की ओर मुड़े और उन्होंने एक सज्जन और एक महिला को एक छोटी गाड़ी में सड़क पर आते देखा। एलिज़ाबेथ ने तुरंत उस पोशाक को पहचान लिया, समझ गई कि क्या होने वाला है, और अपने रिश्तेदारों को उस सम्मान के बारे में बताकर अपनी हैरानी ज़ाहिर की जिसकी वह उम्मीद कर रही थी। उसके चाचा और चाची दोनों अचंभित थे; और बोलते समय उसके हाव-भाव में आई झिझक, घटना और पिछले दिन की कई घटनाओं ने मिलकर उन्हें इस मामले के बारे में एक नया विचार दिया। इससे पहले तो ऐसा कभी नहीं लगा था, लेकिन उन्हें लगा कि इस तरह के व्यवहार का एकमात्र कारण यही हो सकता है कि उनकी भतीजी के प्रति उनका झुकाव हो। ये नए विचार उनके मन में पनप रहे थे, और एलिज़ाबेथ की बेचैनी लगातार बढ़ती जा रही थी। वह अपनी इस बेचैनी पर हैरान थी; लेकिन अन्य चिंताओं के साथ-साथ, उसे डर था कि कहीं भाई का झुकाव उसके पक्ष में कुछ ज़्यादा ही न हो जाए; और, हमेशा की तरह सबको खुश करने की चाहत में, उसे स्वाभाविक रूप से शक था कि उसे अब भी सब कुछ व्यर्थ लग रहा है।

वह खिड़की से पीछे हट गई, उसे डर था कि कोई उसे देख लेगा; और जब वह खुद को संभालने की कोशिश करते हुए कमरे में इधर-उधर घूम रही थी, तो उसने अपने चाचा और चाची के चेहरे पर जिज्ञासा भरी हैरानी के ऐसे भाव देखे जिससे स्थिति और भी खराब हो गई।

मिस डार्सी और उनके भाई आए, और यह औपचारिक परिचय हुआ। एलिज़ाबेथ ने आश्चर्य से देखा कि उसकी नई परिचित भी उतनी ही असहज थी जितनी वह स्वयं। लैम्बटन में रहने के दौरान उसने सुना था कि मिस डार्सी बेहद घमंडी हैं; लेकिन कुछ ही मिनटों के अवलोकन से उसे यकीन हो गया कि वह केवल बेहद शर्मीली थीं। उसे उनसे एक शब्द से ज़्यादा बोलना भी मुश्किल लग रहा था।

मिस डार्सी लंबी थीं और एलिज़ाबेथ से कद-काठी में बड़ी थीं; और सोलह साल से कुछ ही बड़ी होने के बावजूद, उनका शरीर सुडौल था और उनका रूप-रंग स्त्रीत्वपूर्ण और आकर्षक था। वह अपने भाई से कम सुंदर थीं; लेकिन उनके चेहरे पर समझदारी और हास्यबोध झलकता था, और उनका व्यवहार अत्यंत सरल और सौम्य था। एलिज़ाबेथ, जिसने उनसे मिस्टर डार्सी की तरह ही पैनी और सहज दृष्टि की उम्मीद की थी, उनके इतने अलग भावों को देखकर बहुत राहत महसूस की।

उनके साथ रहने के कुछ ही समय बाद, मिस्टर डार्सी ने एलिज़ाबेथ को बताया कि बिंगले भी उनसे मिलने आ रहे हैं। एलिज़ाबेथ को अपनी संतुष्टि व्यक्त करने और ऐसे मेहमान के स्वागत की तैयारी करने का ठीक समय भी नहीं मिला था कि सीढ़ियों पर बिंगले के तेज़ कदमों की आहट सुनाई दी और पल भर में वह कमरे में दाखिल हो गए। बिंगले के प्रति एलिज़ाबेथ का सारा गुस्सा तो कब का शांत हो चुका था; लेकिन अगर उनके मन में अभी भी कोई गुस्सा होता, तो बिंगले के दोबारा मिलने पर दिखाए गए सहज सौहार्द के आगे वह टिक नहीं पाता। उन्होंने दोस्ताना अंदाज़ में, हालांकि सामान्य तरीके से, उनके परिवार के बारे में पूछा और हमेशा की तरह उसी सहज और हंसमुख अंदाज़ में बात की।

श्रीमान और श्रीमती गार्डिनर के लिए वह व्यक्ति उनसे कम दिलचस्प नहीं था। वे उनसे मिलने की लंबे समय से इच्छा रखते थे। वास्तव में, उनके सामने उपस्थित सभी लोग उत्सुकता से उनका ध्यान आकर्षित कर रहे थे। श्रीमान डार्सी और उनकी भतीजी के प्रति जो संदेह अभी-अभी उत्पन्न हुआ था, उसने उनकी निगाहों को एक गंभीर लेकिन सतर्क जिज्ञासा से उनकी ओर मोड़ दिया; और जल्द ही उन्हें इस बात का पूर्ण विश्वास हो गया कि उनमें से कम से कम एक व्यक्ति प्रेम का अनुभव अवश्य करता है। महिला की भावनाओं के बारे में उन्हें थोड़ा संदेह बना रहा; लेकिन यह स्पष्ट था कि सज्जन व्यक्ति प्रशंसा से परिपूर्ण थे।

दूसरी ओर, एलिजाबेथ के पास बहुत काम था। वह अपने प्रत्येक आगंतुक की भावनाओं को जानना चाहती थी; वह स्वयं को शांत रखना चाहती थी और सभी को प्रसन्न करना चाहती थी; और इस दूसरे उद्देश्य में, जहाँ उसे सबसे अधिक असफलता का डर था, उसे सफलता का सबसे अधिक विश्वास था, क्योंकि जिन लोगों को वह प्रसन्न करने का प्रयास कर रही थी, वे पहले से ही उसके प्रति आकर्षित थे। बिंगले तैयार था, जॉर्जियाना उत्सुक थी, और डार्सी प्रसन्न होने के लिए दृढ़ संकल्पित था।

बिंगले को देखते ही उसके मन में स्वाभाविक रूप से अपनी बहन का ख्याल आया; और ओह! वह यह जानने के लिए कितनी उत्सुक थी कि क्या उसकी भी कोई भावनाएँ उसी तरह से उसके प्रति थीं। कभी-कभी उसे लगता था कि वह पहले की तुलना में कम बोलता है, और एक-दो बार उसने यह सोचकर खुद को तसल्ली दी कि जब वह उसे देखता है, तो वह उसमें कोई समानता ढूंढने की कोशिश कर रहा है। लेकिन, भले ही यह उसकी कल्पना हो, वह मिस डार्सी के प्रति उसके व्यवहार को लेकर भ्रमित नहीं हो सकती थी, जिसे जेन की प्रतिद्वंद्वी के रूप में खड़ा किया गया था। दोनों ओर से कोई भी ऐसी नज़र नहीं दिखाई दी जो विशेष सम्मान दर्शाती हो। उनके बीच ऐसा कुछ भी नहीं हुआ जिससे उसकी बहन की उम्मीदें सही साबित हो सकें। इस बात से वह जल्द ही संतुष्ट हो गई; और उनके विदा होने से पहले दो-तीन छोटी-छोटी घटनाएँ घटीं, जिन्हें उसकी चिंतित व्याख्या के अनुसार, जेन की यादों में कोमलता का भाव झलक रहा था, और अगर हिम्मत होती तो वह जेन का ज़िक्र करने के लिए और भी कुछ कहना चाहता था। जब बाकी लोग आपस में बात कर रहे थे, तब उसने उससे कहा, और उसके लहजे में कुछ हद तक वास्तविक खेद झलक रहा था, कि "उसे देखे हुए बहुत समय हो गया है;" और इससे पहले कि वह जवाब दे पाती, उसने आगे कहा, "आठ महीने से भी ज़्यादा हो गए हैं। हम 26 नवंबर के बाद से नहीं मिले हैं, जब हम सब नेदरफील्ड में एक साथ नाच रहे थे।"

एलिज़ाबेथ को उसकी याददाश्त इतनी सटीक देखकर प्रसन्नता हुई; और बाद में जब बाकी लोग मौजूद नहीं थे, तो उसने उससे पूछा कि क्या उसकी सभी बहनें लॉन्गबोर्न में हैं। प्रश्न में और उससे पहले कही गई बात में कोई खास अर्थ नहीं था; लेकिन उसकी नज़र और हावभाव ने उनमें अर्थ भर दिया।

ऐसा अक्सर नहीं होता था कि वह श्री डार्सी को सीधे देख पाती; लेकिन जब भी उसे उनकी एक झलक मिलती, तो वह उनके चेहरे पर एक सामान्य विनम्रता का भाव देखती, और उनकी हर बात में उन्हें अपने साथियों के प्रति घमंड या तिरस्कार का कोई भाव नहीं दिखता था, जिससे उन्हें यकीन हो जाता था कि कल उन्होंने जो शिष्टाचार में सुधार देखा था, चाहे वह कितना भी क्षणिक क्यों न हो, कम से कम एक दिन तो कायम रहा। जब उसने उन्हें इस तरह उन लोगों से जान-पहचान बनाने और उनकी अच्छी राय पाने की कोशिश करते देखा, जिनसे कुछ महीने पहले तक कोई भी मेलजोल शर्मनाक माना जाता था—जब उसने उन्हें न केवल अपने प्रति, बल्कि उन रिश्तेदारों के प्रति भी इतना विनम्र देखा, जिनका उन्होंने खुलेआम तिरस्कार किया था, और हन्सफोर्ड पार्सनेज में उनके आखिरी जीवंत दृश्य को याद किया—तो यह अंतर, यह बदलाव इतना बड़ा था, और उसके मन पर इतना गहरा प्रभाव डाला कि वह अपने आश्चर्य को छिपा नहीं पाई। यहां तक कि नेदरफील्ड में अपने प्रिय मित्रों या रोज़िंग्स में अपने प्रतिष्ठित रिश्तेदारों की संगति में भी, उसने उसे इतना प्रसन्न करने की इच्छा रखने वाला, आत्म-महत्व से इतना मुक्त या कठोर संकोच से इतना रहित कभी नहीं देखा था, जितना कि अब, जब उसके प्रयासों की सफलता से कोई महत्व नहीं निकल सकता था, और जब जिन लोगों की ओर उसका ध्यान केंद्रित था, उनसे परिचय भी नेदरफील्ड और रोज़िंग्स दोनों की महिलाओं के उपहास और निंदा को आमंत्रित करता था।

उनके मेहमान आधे घंटे से अधिक समय तक उनके साथ रहे; और जब वे जाने के लिए उठे, तो श्री डार्सी ने अपनी बहन को बुलाया और उनसे कहा कि वे श्री और श्रीमती गार्डिनर और मिस बेनेट के साथ पेम्बर्ली में रात्रिभोज पर जाना चाहते हैं, इससे पहले कि वे देश छोड़ दें। मिस डार्सी, हालांकि निमंत्रण देने की उनकी आदत के कारण थोड़ी संकोची थीं, फिर भी उन्होंने तुरंत सहमति दे दी। श्रीमती गार्डिनर ने अपनी भतीजी की ओर देखा, यह जानने की इच्छा से कि निमंत्रण किसे दिया जा रहा है, और वह इसे स्वीकार करने के बारे में क्या सोचती हैं, लेकिन एलिजाबेथ ने अपना सिर दूसरी ओर मोड़ लिया। हालांकि, यह मानते हुए कि यह जानबूझकर टालमटोल करना प्रस्ताव के प्रति किसी नापसंदगी के बजाय क्षणिक झिझक को दर्शाता है, और अपने पति में, जो सामाजिक परिवेश के शौकीन थे, इसे स्वीकार करने की पूर्ण इच्छा देखकर, उन्होंने एलिजाबेथ को आने के लिए राजी कर लिया, और अगले दिन का समय तय हो गया।

बिंगले ने एलिज़ाबेथ से दोबारा मिलने की निश्चितता पर अत्यंत प्रसन्नता व्यक्त की, क्योंकि उन्हें उससे अभी बहुत कुछ कहना था और हर्टफोर्डशायर के अपने सभी मित्रों के बारे में कई पूछताछ करनी थी। एलिज़ाबेथ ने इसे अपनी बहन के बारे में सुनने की इच्छा समझा और प्रसन्न हुई। इसी कारण, साथ ही कुछ अन्य कारणों से भी, जब उनके मेहमान चले गए, तो उसने बीते आधे घंटे को कुछ संतोष के साथ याद किया, हालाँकि बीतते समय उसे आनंद नहीं आया था। अकेले रहने की उत्सुकता और अपने चाचा-चाची के किसी भी प्रश्न या

संकेत से भयभीत होकर, वह उनके साथ केवल बिंगले के बारे में उनकी सकारात्मक राय सुनने के लिए रुकी और फिर जल्दी से कपड़े बदलने चली गई।

लेकिन उन्हें श्रीमान और श्रीमती गार्डिनर की जिज्ञासा से डरने का कोई कारण नहीं था; वे उन्हें कुछ भी बताने के लिए मजबूर नहीं करना चाहते थे। यह स्पष्ट था कि वह श्रीमान डार्सी को उनसे कहीं बेहतर जानती थीं; यह भी स्पष्ट था कि वह उनसे बहुत प्यार करते थे। उन्हें कई दिलचस्प बातें नज़र आईं, लेकिन पूछताछ करने लायक कुछ भी नहीं।

अब श्री डार्सी के बारे में अच्छी राय रखना चिंता का विषय था; और जहाँ तक उनकी जान-पहचान थी, उनमें कोई कमी नहीं थी। उनकी विनम्रता से वे प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकते थे; और यदि उन्होंने किसी अन्य जानकारी के आधार पर नहीं, बल्कि केवल अपनी भावनाओं और उनके नौकर की बात सुनकर ही उनके चरित्र का आकलन किया होता, तो हर्टफोर्डशायर के जिन लोगों में वे जाने जाते थे, वे उन्हें श्री डार्सी के रूप में पहचान ही नहीं पाते। हालाँकि, अब नौकरानी की बात पर विश्वास करना ज़रूरी हो गया था; और वे जल्द ही समझ गए कि एक ऐसे नौकर की बात को, जो उन्हें चार साल की उम्र से जानता था और जिसके अपने तौर-तरीके सम्माननीय थे, आसानी से नकारा नहीं जा सकता। उनके लैम्बटन के दोस्तों के बीच भी ऐसी कोई बात नहीं हुई थी जिससे उनकी बात का महत्व कम हो सके। उन पर आरोप लगाने के लिए उनके पास अहंकार के अलावा कुछ नहीं था; शायद उनमें अहंकार था, और अगर नहीं भी था, तो उस छोटे से कस्बे के निवासी, जहाँ परिवार कभी नहीं जाता था, उन पर यह आरोप ज़रूर लगाते। हालाँकि, यह माना जाता था कि वे उदार व्यक्ति थे और गरीबों के बीच बहुत भलाई का काम करते थे।

विकहम के बारे में यात्रियों को जल्द ही पता चल गया कि वहां उसे बहुत सम्मान की नजर से नहीं देखा जाता था; क्योंकि हालांकि उसके संरक्षक के बेटे के साथ उसके मुख्य संबंध पूरी तरह से समझ में नहीं आए थे, फिर भी यह एक सर्वविदित तथ्य था कि डर्बीशायर छोड़ते समय वह अपने पीछे कई कर्ज छोड़ गया था, जिसे बाद में मिस्टर डार्सी ने चुका दिया था।

एलिज़ाबेथ की बात करें तो, आज शाम उसके विचार पिछली शाम से कहीं अधिक पेम्बर्ली में ही थे; और शाम, यद्यपि बीतते-बीतते लंबी प्रतीत हुई, उस हवेली में रहने वाले व्यक्ति के प्रति उसकी भावनाओं को निर्धारित करने के लिए पर्याप्त नहीं थी; और वह दो घंटे तक जागती रही, उन्हें समझने का प्रयास करती रही। वह निश्चित रूप से उससे नफरत नहीं करती थी। नहीं; नफरत तो बहुत पहले ही लुप्त हो चुकी थी, और उसे लगभग उतने ही समय से उसके प्रति किसी भी प्रकार की नापसंदगी महसूस करने पर शर्म आती थी। उसके बहुमूल्य गुणों के प्रति दृढ़ विश्वास से उत्पन्न सम्मान, यद्यपि प्रारंभ में अनिच्छा से स्वीकार किया गया था, कुछ समय से उसकी भावनाओं के लिए अप्रिय नहीं रहा था; और अब यह कुछ हद तक मित्रतापूर्ण प्रकृति में परिवर्तित हो गया था, क्योंकि कल उसके पक्ष में इतनी उच्च प्रशंसा और उसके स्वभाव को इतने सौम्य रूप में प्रस्तुत किया गया था। लेकिन सबसे बढ़कर, सम्मान और आदर से भी ऊपर, उसके भीतर सद्भावना का एक ऐसा कारण था जिसे अनदेखा नहीं किया जा सकता था। वह कृतज्ञता थी; कृतज्ञता, न केवल इसलिए कि

उसने कभी उससे प्रेम किया था, बल्कि इसलिए भी कि वह अब भी उससे इतना प्रेम करता था कि उसे अस्वीकार करने में उसके सभी क्रोध और कटु व्यवहार को, और अस्वीकृति के साथ आए सभी अनुचित आरोपों को क्षमा कर दिया। जिसके बारे में उसे यकीन था कि वह उसे अपने सबसे बड़े दुश्मन की तरह टालेगा, इस आकस्मिक मुलाकात में, उससे जान-पहचान बनाए रखने के लिए अत्यंत उत्सुक प्रतीत हुआ, और बिना किसी दिखावे या विशेष व्यवहार के, केवल उन दोनों के बीच ही, उसके दोस्तों की अच्छी राय की कामना कर रहा था, और अपनी बहन से उसका परिचय कराने पर तुला हुआ था। इतने अभिमानी व्यक्ति में ऐसा परिवर्तन न केवल आश्चर्य बल्कि कृतज्ञता भी जगाता है—क्योंकि इसे प्रेम, सच्चे प्रेम का ही श्रेय दिया जाना चाहिए; और इस रूप में, उस पर इसका प्रभाव एक ऐसी चीज का था जिसे प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, क्योंकि यह किसी भी तरह से अप्रिय नहीं था, हालांकि इसे ठीक से परिभाषित नहीं किया जा सकता था। वह उसका सम्मान करती थी, उसे महत्व देती थी, उसके प्रति कृतज्ञ थी, और उसके कल्याण में उसकी वास्तविक रुचि थी; और वह केवल यह जानना चाहती थी कि वह उस कल्याण को किस हद तक स्वयं पर निर्भर रखना चाहती है, और दोनों की खुशी के लिए यह कितना उचित होगा कि वह उस शक्ति का उपयोग करे, जिसके बारे में उसकी कल्पना उसे बताती थी कि वह अभी भी उसके पास है, जिससे वह उसके प्रस्तावों को पुनः प्राप्त कर सके।

शाम को चाची और भतीजी के बीच यह तय हो गया था कि मिस डार्सी ने पेम्बर्ली पहुँचने के ठीक उसी दिन उनसे मिलने आकर जो असाधारण विनम्रता दिखाई, जबकि वह देर से नाश्ता करने पहुँची थीं, उसकी नकल अवश्य की जानी चाहिए, हालाँकि उनकी बराबरी करना तो संभव नहीं था, लेकिन उन्हें भी कुछ शिष्टाचार का प्रयोग करना चाहिए; और इसलिए, अगली सुबह पेम्बर्ली में उनसे मिलने जाना अत्यंत उचित होगा। अतः वे जाने के लिए तैयार थीं। एलिजाबेथ खुश थी; हालाँकि जब उसने स्वयं से इसका कारण पूछा, तो उसके पास जवाब में कहने के लिए बहुत कम था।

श्री गार्डिनर नाश्ते के तुरंत बाद वहां से चले गए। मछली पकड़ने की योजना को एक दिन पहले ही नवीनीकृत कर दिया गया था, और दोपहर से पहले पेम्बर्ली में कुछ सज्जनों से मिलने का उनका पक्का वादा किया गया था।

अध्याय 3

हालांकि एलिजाबेथ अब इस बात से आश्वस्त थी कि मिस बिंगले की नापसंदगी ईर्ष्या से उपजी थी, फिर भी वह इस बात को महसूस किए बिना नहीं रह सकी कि पेम्बर्ली में उसकी उपस्थिति मिस बिंगले के लिए कितनी अप्रिय रही होगी, और वह यह जानने के लिए उत्सुक थी कि उस महिला की ओर से अब यह जान-पहचान कितनी शालीनता से दोबारा शुरू होगी।

घर पहुँचने पर, उन्हें हॉल से होते हुए बैठक कक्ष में ले जाया गया, जिसका उत्तरी भाग गर्मियों के लिए बेहद सुखद था। ज़मीन की ओर खुलने वाली खिड़कियों से घर के पीछे स्थित ऊँची, वन्य पहाड़ियों और बीच में बने लॉन में बिखरे खूबसूरत ओक और स्पैनिश चेस्टनट के पेड़ों का मनमोहक दृश्य दिखाई देता था।

इस घर में उनका स्वागत मिस डार्सी ने किया, जो श्रीमती हर्स्ट और मिस बिंगले के साथ बैठी थीं, और उस महिला ने भी जिनके साथ वह लंदन में रहती थीं। जॉर्जियाना का स्वागत बहुत ही सौहार्दपूर्ण था, लेकिन उसमें वह झिझक भी झलक रही थी जो शर्म और कुछ गलत करने के डर से उपजी थी, लेकिन जो लोग खुद को हीन समझते हैं, उन्हें आसानी से यह लग सकता था कि वह घमंडी और संकोची हैं। हालांकि, श्रीमती गार्डिनर और उनकी भतीजी ने उनके साथ न्याय किया और उन पर दया दिखाई।

श्रीमती हर्स्ट और मिस बिंगले ने उन्हें केवल झुककर अभिवादन किया; और उनके बैठने पर कुछ क्षणों के लिए एक अजीब सी खामोशी छा गई, जैसा कि ऐसी खामोशी हमेशा ही होती है। इस खामोशी को सबसे पहले श्रीमती एनेस्ली ने तोड़ा, जो एक सभ्य और मनमोहक दिखने वाली महिला थीं। उन्होंने बातचीत शुरू करने की कोशिश की, जिससे साबित हुआ कि वे बाकी दोनों से कहीं अधिक सुसंस्कृत थीं; और उनके और श्रीमती गार्डिनर के बीच, एलिजाबेथ की कभी-कभार मदद से, बातचीत चलती रही। मिस डार्सी को देखकर ऐसा लग रहा था मानो वह बातचीत में शामिल होने का साहस जुटाना चाहती हों; और कभी-कभी जब सुनने का खतरा कम से कम होता था, तो वह एक छोटा सा वाक्य बोल भी देती थीं।

एलिज़ाबेथ ने जल्द ही महसूस किया कि मिस बिंगले उस पर कड़ी नज़र रख रही थीं, और वह एक शब्द भी नहीं बोल सकती थी, खासकर मिस डार्सी से, वरना उनका ध्यान उसकी ओर आकर्षित हो जाता। अगर वे असुविधाजनक दूरी पर न बैठी होतीं, तो यह बात उसे मिस डार्सी से बात करने की कोशिश करने से नहीं रोकती; लेकिन उसे ज़्यादा बोलने की ज़रूरत न होने का कोई अफ़सोस नहीं था। उसके अपने विचार उसे व्यस्त रखे हुए थे। वह हर पल उम्मीद कर रही थी कि कुछ सज्जन कमरे में आएँगे। वह चाहती थी, वह डरती थी कि घर का मालिक उनमें से एक हो सकता है; और वह तय नहीं कर पा रही थी कि उसे ज़्यादा इच्छा थी या डर। इस तरह पंद्रह मिनट तक मिस बिंगले की आवाज़ सुने बिना बैठे रहने के बाद, एलिज़ाबेथ की नींद तब खुली जब मिस बिंगले ने उसके परिवार के हालचाल के बारे में ठंडे लहजे में पूछा। उसने भी उतनी ही बेरुखी और संक्षिप्तता से जवाब दिया, और बाकी लोगों ने भी कुछ नहीं कहा।

उनकी यात्रा में अगला बदलाव तब आया जब नौकर ठंडे मांस, केक और मौसम के सभी बेहतरीन फलों की विभिन्न किस्मों के साथ आए; लेकिन यह तब तक नहीं हुआ जब तक श्रीमती ऐन्सली ने मिस डार्सी को उनकी भूमिका याद दिलाने के लिए कई बार इशारे और मुस्कान नहीं दीं। अब पूरे समूह के लिए काम था—क्योंकि भले ही वे सभी बात नहीं कर सकते थे, लेकिन वे सभी खा सकते थे; और अंगूर, नेक्टेरिन और आड़ू के सुंदर पिरामिडों ने जल्द ही सभी को मेज के चारों ओर इकट्ठा कर लिया।

इस दौरान एलिजाबेथ को यह तय करने का अच्छा मौका मिला कि वह मिस्टर डार्सी के आने से सबसे ज्यादा डरती है या चाहती है, क्योंकि उनके कमरे में प्रवेश करने पर उसके मन में अलग-अलग भावनाएँ उमड़ रही थीं; और फिर, हालांकि कुछ ही पल पहले उसे लग रहा था कि उसकी इच्छाएँ हावी हैं, उसे उनके आने का अफसोस होने लगा।

वह कुछ समय से मिस्टर गार्डिनर के साथ थे, जो घर के दो-तीन अन्य सज्जनों के साथ नदी किनारे व्यस्त थे, और उन्हें तभी छोड़कर गए जब उन्हें पता चला कि परिवार की महिलाएं उस सुबह जॉर्जियाना से मिलने जा रही हैं। उनके आते ही एलिजाबेथ ने समझदारी से खुद को बिल्कुल सहज और निश्चिंत दिखाने का फैसला किया; यह फैसला करना और भी ज़रूरी था, लेकिन शायद इसे निभाना उतना आसान नहीं था, क्योंकि उन्होंने देखा कि पूरे समूह को उन पर शक होने लगा था, और शायद ही कोई ऐसा था जिसकी निगाह उनके कमरे में आते ही उनके व्यवहार पर न पड़ी हो। मिस बिंगले के चेहरे पर सबसे ज़्यादा उत्सुकता झलक रही थी, भले ही जब भी वह किसी से बात करतीं तो उनके चेहरे पर मुस्कान आ जाती थी; क्योंकि ईर्ष्या ने अभी तक उन्हें बेताब नहीं किया था, और मिस्टर डार्सी के प्रति उनकी दिलचस्पी अभी खत्म नहीं हुई थी। अपने भाई के आने पर मिस डार्सी ने बात करने में और भी ज़्यादा ज़ोर लगाया, और एलिज़ाबेथ ने देखा कि वह अपनी बहन से जान-पहचान करवाना चाहता था, और उसने दोनों तरफ से बातचीत शुरू करने के हर संभव प्रयास को आगे बढ़ाया। मिस बिंगले ने भी यह सब देखा; और गुस्से में जल्दबाज़ी में उसने व्यंग्यपूर्ण विनम्रता से कहा:

"कृपया बताएं, मिस एलिजा, क्या ——शायर मिलिशिया को मेरिटन से हटा नहीं दिया गया है? वे आपके परिवार के लिए बहुत बड़ा नुकसान होंगे।"

डार्सी की उपस्थिति में वह विकहम का नाम लेने की हिम्मत नहीं कर पाई; लेकिन एलिज़ाबेथ तुरंत समझ गई कि वही उसके विचारों में सबसे ऊपर है; और उससे जुड़ी विभिन्न यादों ने उसे क्षण भर के लिए बेचैन कर दिया; लेकिन उस दुर्भावनापूर्ण हमले को रोकने के लिए खुद को पूरी तरह से तत्पर रखते हुए, उसने तुरंत ही काफी संयमित स्वर में प्रश्न का उत्तर दिया। जब वह बोल रही थी, तो उसकी एक अनपेक्षित नज़र ने उसे डार्सी को उत्तेजित चेहरे के साथ गंभीरता से देखते हुए दिखाया, और उसकी बहन उलझन में डूबी हुई थी, और अपनी आँखें ऊपर उठाने में असमर्थ थी। यदि मिस बिंगले को पता होता कि वह अपनी प्रिय मित्र को कितना दुख पहुँचा रही हैं, तो वह निस्संदेह इस संकेत से बच जातीं; लेकिन उनका इरादा केवल उस व्यक्ति का ज़िक्र करके एलिज़ाबेथ को परेशान करना था, जिसके प्रति उन्हें लगता था कि वह आकर्षित है, ताकि वह

अपनी ऐसी भावना प्रकट करे जो डार्सी की नज़र में उसे नुकसान पहुँचा सकती है, और शायद, डार्सी को उन सभी मूर्खताओं और बेतुकी बातों की याद दिला सके जिनसे उसके परिवार का कुछ हिस्सा उस गिरोह से जुड़ा हुआ था। मिस डार्सी के सोचे-समझे भाग जाने की बात एलिज़ाबेथ तक ज़रा भी नहीं पहुँची थी। जहाँ तक संभव था, गोपनीयता बनाए रखते हुए, एलिज़ाबेथ के अलावा किसी और को भी इस बारे में नहीं बताया गया था। बिंगले परिवार के सभी रिश्तेदारों में से उसका भाई इसे छुपाने के लिए विशेष रूप से उत्सुक था, क्योंकि एलिज़ाबेथ ने बहुत पहले ही उससे यह उम्मीद जताई थी कि वे दोनों उसके हो जाएँगे। उसने निश्चित रूप से ऐसी योजना बनाई थी, और हालाँकि इसका उद्देश्य उसे मिस बेनेट से अलग करना नहीं था, फिर भी संभव है कि इससे उसकी सहेली की भलाई के प्रति उसकी चिंता और बढ़ गई हो।

हालांकि, एलिजाबेथ के संयमित व्यवहार ने जल्द ही उसके गुस्से को शांत कर दिया; और चूंकि मिस बिंगले, परेशान और निराश होकर, विकहम के पास जाने की हिम्मत नहीं कर पा रही थीं, इसलिए जॉर्जियाना भी समय रहते संभल गई, हालांकि इतनी नहीं कि वह कुछ बोल सके। उसका भाई, जिससे वह नज़रें मिलाने से भी डरती थी, इस मामले में उसकी दिलचस्पी को मुश्किल से ही याद कर पा रहा था, और जिस परिस्थिति का मकसद उसके विचारों को एलिजाबेथ से हटाना था, ऐसा लग रहा था कि वही परिस्थिति उसके विचारों को और भी खुशी से जॉर्जियाना की ओर केंद्रित कर रही थी।

ऊपर बताए गए प्रश्न-उत्तर के बाद उनकी मुलाक़ात ज़्यादा देर तक नहीं चली; और जब मिस्टर डार्सी उन्हें गाड़ी तक छोड़ने जा रहे थे, तब मिस बिंगले एलिज़ाबेथ के व्यक्तित्व, व्यवहार और पहनावे पर अपनी आलोचनाएँ कर रही थीं। लेकिन जॉर्जियाना ने उनका साथ नहीं दिया। उसके भाई की सिफ़ारिश ही उसके पक्ष में होने के लिए काफ़ी थी; उसका निर्णय गलत नहीं हो सकता था। और उसने एलिज़ाबेथ के बारे में इस तरह से बात की थी कि जॉर्जियाना के लिए उसे सुंदर और मिलनसार के अलावा कुछ और समझना नामुमकिन था। जब डार्सी सैलून में लौटे, तो मिस बिंगले ने खुद को रोक नहीं पाईं और उन्हें भी वही बातें दोहराने लगीं जो उन्होंने उनकी बहन से कही थीं।

"श्रीमान डार्सी, आज सुबह मिस एलिज़ा बेनेट कितनी बीमार लग रही हैं," वह चिल्लाई; "मैंने अपने जीवन में कभी किसी को इतना बदला हुआ नहीं देखा जितना वह सर्दियों के बाद से बदल गई हैं। वह इतनी भूरी और बदसूरत हो गई हैं! लुईसा और मैं तो यही सोच रहे थे कि शायद हम उन्हें दोबारा पहचान ही न पाएं।"

मिस्टर डार्सी को भले ही इस तरह का संबोधन पसंद न आया हो, लेकिन उन्होंने शांत भाव से जवाब देकर संतोष कर लिया कि उन्हें उसमें केवल थोड़ी टैनिंग के अलावा कोई और बदलाव नजर नहीं आया, जो गर्मियों में यात्रा करने का कोई चमत्कारिक परिणाम नहीं था।

“जहाँ तक मेरी बात है,” उसने जवाब दिया, “मुझे यह स्वीकार करना होगा कि मुझे उसमें कभी कोई सुंदरता नहीं दिखी। उसका चेहरा बहुत पतला है; उसके रंग में कोई चमक नहीं है; और उसके चेहरे के हाव-भाव बिल्कुल भी आकर्षक नहीं हैं। उसकी नाक में कोई खास विशेषता नहीं है—उसकी रेखाओं में कोई तीखापन नहीं है। उसके दांत ठीक-ठाक हैं, लेकिन सामान्य से हटकर नहीं; और जहाँ तक उसकी आँखों की बात है,

जिन्हें कभी-कभी बहुत सुंदर कहा जाता है, मुझे उनमें कभी कोई असाधारणता नहीं दिखी। उनमें एक तीखी, कर्कश दृष्टि है, जो मुझे बिल्कुल पसंद नहीं है; और उसके पूरे हाव-भाव में एक ऐसी आत्मनिर्भरता झलकती है, जो फैशन से परे है, और यह असहनीय है।"

मिस बिंगले को पूरा यकीन था कि डार्सी एलिजाबेथ की प्रशंसा करता है, लेकिन यह खुद को प्रस्तुत करने का सबसे अच्छा तरीका नहीं था; पर गुस्से वाले लोग हमेशा समझदार नहीं होते; और जब उन्होंने देखा कि डार्सी आखिरकार थोड़ा चिढ़ गया है, तो उन्हें वह सारी सफलता मिल गई जिसकी उन्हें उम्मीद थी। हालाँकि, वह पूरी तरह चुप रहा, और उसे बुलवाने के दृढ़ निश्चय से, उन्होंने आगे कहा:

मुझे याद है, जब हम पहली बार हर्टफोर्डशायर में उनसे मिले थे, तो हम सभी यह जानकर कितने आश्चर्यचकित हुए थे कि वह एक प्रसिद्ध सुंदरी थीं; और मुझे विशेष रूप से याद है कि एक रात नेदरफील्ड में भोजन करने के बाद आपने कहा था, 'वह कितनी सुंदर हैं! - मैं तो उनकी माँ को बुद्धिमान कहना ज़्यादा पसंद करूँगा।' लेकिन बाद में वह आप पर बेहतर लगने लगीं, और मुझे लगता है कि एक समय आप उन्हें काफी सुंदर मानते थे।

"हां," डार्सी ने जवाब दिया, जो अब खुद को और रोक नहीं पा रहा था, "लेकिन यह केवल तब की बात है जब मैंने उसे पहली बार देखा था, क्योंकि कई महीने बीत चुके हैं जब मैंने उसे अपने परिचितों में सबसे खूबसूरत महिलाओं में से एक माना है।"

फिर वह चला गया, और मिस बिंगले को इस बात की पूरी संतुष्टि मिली कि उन्होंने उसे वह बात कहने पर मजबूर कर दिया जिससे किसी को कोई तकलीफ नहीं हुई, सिवाय खुद उन्हें।

श्रीमती गार्डिनर और एलिजाबेथ ने लौटते समय अपनी यात्रा के दौरान घटी सभी बातों पर चर्चा की, सिवाय उस बात के जिसमें उन दोनों की विशेष रुचि थी। उन्होंने जिन लोगों को देखा था, उन सभी के रूप-रंग और व्यवहार पर चर्चा की, सिवाय उस व्यक्ति के जिसने उनका ध्यान सबसे अधिक आकर्षित किया था। उन्होंने उसकी बहन, उसके दोस्तों, उसके घर, उसके फलों—हर चीज़ के बारे में बात की, सिवाय उसके खुद के; फिर भी एलिजाबेथ यह जानने के लिए उत्सुक थी कि श्रीमती गार्डिनर उसके बारे में क्या सोचती हैं, और श्रीमती गार्डिनर को अपनी भतीजी द्वारा इस विषय को शुरू करने पर बहुत प्रसन्नता होती।

अध्याय 4

लैम्बटन पहुँचने पर जेन का कोई पत्र न मिलने से एलिज़ाबेथ को बहुत निराशा हुई थी; और वहाँ बिताए हर सुबह उसकी यह निराशा बढ़ती ही गई थी; लेकिन तीसरी सुबह उसकी निराशा दूर हो गई और उसकी बहन की निराशा सही साबित हुई, क्योंकि उसे जेन के दो पत्र एक साथ मिले, जिनमें से एक पर लिखा था कि वह कहीं और गलत जगह भेज दिया गया था। एलिज़ाबेथ को इस पर आश्चर्य नहीं हुआ, क्योंकि जेन ने पता बहुत ही खराब तरीके से लिखा था।

वे लोग अभी चलने की तैयारी ही कर रहे थे कि चिट्ठियाँ आने लगीं; और उसके चाचा और चाची उसे शांति से चिट्ठियाँ पढ़ने के लिए छोड़कर खुद चल दिए। सबसे पहले उस एक गुमशुदा चिट्ठी पर ध्यान देना ज़रूरी था; वह पाँच दिन पहले लिखी गई थी। शुरुआत में उनकी छोटी-मोटी पार्टियों और कार्यक्रमों का ब्यौरा था, साथ ही देश की कुछ खबरें भी थीं; लेकिन बाद का आधा हिस्सा, जो एक दिन बाद की तारीख का था और स्पष्ट रूप से घबराहट में लिखा गया था, उसमें अधिक महत्वपूर्ण सूचना थी। वह इस प्रकार थी:

"ऊपर लिखने के बाद, प्यारी लिज़ी, एक बेहद अप्रत्याशित और गंभीर घटना घटित हुई है; लेकिन मैं तुम्हें डराना नहीं चाहती—निश्चिंत रहो, हम सब ठीक हैं। मुझे जो कहना है, वह बेचारी लिडिया के बारे में है। कल रात बारह बजे, जब हम सब सोने जा रहे थे, कर्नल फोर्स्टर का एक संदेश आया, जिसमें हमें बताया गया कि वह उनके एक अधिकारी के साथ स्कॉटलैंड चली गई है; सच कहूँ तो, विकहम के साथ! हमारी हैरानी का अंदाज़ा लगाओ। हालाँकि, किटी को यह पूरी तरह से अप्रत्याशित नहीं लगता। मुझे बहुत अफ़सोस है। दोनों तरफ से कितना नासमझ रिश्ता! लेकिन मैं अच्छे की उम्मीद कर रही हूँ, और यह कि उसके चरित्र को गलत समझा गया है। मैं उसे लापरवाह और अविवेकी मान सकती हूँ, लेकिन यह कदम (और हमें इस पर खुशी मनानी चाहिए) दिल में कुछ भी बुरा नहीं दर्शाता। कम से कम उसका चुनाव निस्वार्थ है, क्योंकि वह जानता होगा कि मेरे पिता उसे कुछ नहीं दे सकते। हमारी बेचारी माँ बहुत दुखी है। मेरे पिता इसे बेहतर ढंग से सहन कर रहे हैं। मैं कितनी आभारी हूँ कि हमने उन्हें कभी नहीं बताया कि उसके खिलाफ क्या कहा गया है; हमें हम इसे भूल ही गए। अनुमान है कि वे शनिवार रात करीब बारह बजे रवाना हुए थे, लेकिन कल सुबह आठ बजे तक उनका पता नहीं चला। संदेशवाहक तुरंत रवाना हो गया था। मेरी प्यारी लिज़ी, वे हमसे दस मील की दूरी से ही गुजरे होंगे। कर्नल फोर्स्टर ने हमें उम्मीद दी है कि वे जल्द ही यहाँ आ जाएँगे। लिडिया ने उनकी पत्नी के लिए कुछ पंक्तियाँ लिखकर उन्हें अपने इरादे के बारे में बताया। मुझे अब लिखना ही होगा, क्योंकि मैं अपनी बेचारी माँ से ज्यादा दूर नहीं रह सकती। मुझे डर है कि आप इसे समझ नहीं पाएँगी, लेकिन मुझे खुद भी ठीक से नहीं पता कि मैंने क्या लिखा है।

बिना विचार करने का समय लिए और अपनी भावनाओं को ठीक से जाने बिना, एलिजाबेथ ने इस पत्र को समाप्त करते ही तुरंत दूसरा पत्र उठाया और उसे अत्यंत अधीरता से खोलकर पढ़ा: यह पहले पत्र के समाप्त होने के एक दिन बाद लिखा गया था।

"मेरी प्यारी बहन, अब तक तुम्हें मेरा जल्दबाज़ी में लिखा पत्र मिल गया होगा; काश यह और अधिक समझने योग्य होता, लेकिन समय की कमी न होने के बावजूद मेरा दिमाग इतना उलझन में है कि मैं ठीक से लिख भी नहीं पा रही हूँ। प्यारी लिज़ी, मुझे ठीक से पता नहीं कि मैं क्या लिखूँ, लेकिन मेरे पास तुम्हारे लिए एक बुरी खबर है, और इसे टाला नहीं जा सकता। श्री विकम और हमारी बेचारी लिडिया की शादी नासमझी भरी होगी, फिर भी हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि यह शादी हो चुकी है, क्योंकि इस बात का बहुत डर है कि वे स्कॉटलैंड नहीं गए हैं। कर्नल फोर्स्टर कल आए थे, वे एक दिन पहले ही ब्राइटन से एक्सप्रेस के आने के कुछ ही घंटों बाद रवाना हुए थे। हालाँकि लिडिया के श्रीमती एफ. को लिखे संक्षिप्त पत्र से उन्हें यह समझ में आया कि वे ग्रेटना ग्रीन जा रहे हैं, लेकिन डेनी ने कुछ ऐसा कह दिया जिससे यह विश्वास ज़ाहिर हुआ कि डब्ल्यू. का वहाँ जाने या लिडिया से शादी करने का कोई इरादा ही नहीं था, और यह बात कर्नल एफ. को भी बताई गई, जिन्होंने तुरंत स्थिति को भांपते हुए, उनके रास्ते का पता लगाने के इरादे से ब्राइटन से प्रस्थान किया। उन्होंने उन्हें क्लैफम तक आसानी से ढूंढ लिया, लेकिन उससे आगे नहीं; उस जगह पहुँचते ही वे एक तांगा में बैठ गए और एप्सम से उन्हें लाने वाली गाड़ी को विदा कर दिया। इसके बाद बस इतना ही पता है कि उन्हें लंदन की ओर जाते देखा गया। मुझे समझ नहीं आ रहा कि क्या सोचूँ। लंदन के उस तरफ हर संभव पूछताछ करने के बाद, कर्नल एफ. हर्टफोर्डशायर आए और बार्नेट और हैटफील्ड के सभी राजमार्गों और सराय में उनसे बार-बार पूछताछ की, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली—ऐसा कोई भी व्यक्ति वहाँ से गुजरता हुआ नहीं देखा गया था। अत्यंत चिंता के साथ वे लॉन्गबोर्न आए और अपने दिल की बात बड़े ही सम्मानजनक ढंग से हमें बताई। मुझे उनके और श्रीमती एफ. के लिए बहुत दुख है, लेकिन कोई भी उन पर दोष नहीं लगा सकता। मेरी प्यारी लिज़ी, हमारा दुख बहुत बड़ा है। मेरे माता-पिता सबसे बुरा मान रहे हैं, लेकिन मैं उनके बारे में इतना बुरा नहीं सोच सकती। कई परिस्थितियाँ उनके लिए अपनी पहली योजना पर अमल करने के बजाय शहर में निजी तौर पर शादी करना अधिक उपयुक्त बनातीं; और अगर वह लिडिया के परिवार की एक युवती के खिलाफ ऐसी योजना बना भी सकता है, जो कि ऐसा संभव नहीं है, क्या मैं मान लूँ कि वह सब कुछ से इतनी विमुख हो गई है? असंभव! मुझे यह जानकर दुख हुआ कि कर्नल एफ. उनके विवाह पर भरोसा करने को तैयार नहीं हैं; जब मैंने अपनी आशा व्यक्त की तो उन्होंने सिर हिलाया और कहा कि उन्हें डर है कि डब्ल्यू. भरोसेमंद आदमी नहीं है। मेरी बेचारी माँ सचमुच बीमार है और अपने कमरे में ही रहती है। अगर वह थोड़ी सक्रिय हो पाती तो बेहतर होता; लेकिन इसकी उम्मीद नहीं की जा सकती। और मेरे पिता की बात करें तो मैंने उन्हें अपने जीवन में कभी इतना दुखी नहीं देखा। बेचारी किट्टी को उनके प्रेम को छिपाने पर गुस्सा है; लेकिन चूंकि यह विश्वास का मामला था, इसलिए आश्चर्य की बात नहीं है। प्रिय लिज़ी, मुझे सचमुच खुशी है कि तुम इन दुखद दृश्यों से कुछ हद तक बच गई; लेकिन अब, जब पहला सदमा बीत चुका है, तो क्या मैं यह

स्वीकार करूँ कि मैं तुम्हारे लौटने के लिए तरस रही हूँ? हालाँकि, मैं इतनी स्वार्थी नहीं हूँ कि असुविधा होने पर भी इसके लिए दबाव डालूँ। अलविदा! मैं फिर से कलम उठाती हूँ वह करने के लिए जो मैंने अभी तुमसे कहा था कि मैं नहीं करूँगी; लेकिन परिस्थितियाँ ऐसी हैं कि मैं तुम सभी से जल्द से जल्द यहाँ आने का आग्रह किए बिना नहीं रह सकती। मैं अपने प्यारे चाचा और चाची को बहुत अच्छी तरह जानता हूँ, इसलिए मुझे यह अनुरोध करने में कोई झिझक नहीं है, हालाँकि मुझे चाचा से कुछ और पूछना है। मेरे पिता कर्नल फोर्स्टर के साथ तुरंत लंदन जा रहे हैं, ताकि उसका पता लगा सकें। उनका इरादा क्या है, यह मुझे ठीक से नहीं पता; लेकिन उनकी अत्यधिक परेशानी उन्हें किसी भी उपाय को सबसे अच्छे और सुरक्षित तरीके से अपनाने की अनुमति नहीं दे रही है, और कर्नल फोर्स्टर को कल शाम ब्राइटन वापस जाना होगा। ऐसी आपात स्थिति में, मेरे चाचा की सलाह और सहायता मेरे लिए सर्वोपरि होगी; वे मेरी भावनाओं को तुरंत समझ जाएँगे, और मुझे उनकी दयालुता पर पूरा भरोसा है।

"अरे! मेरे चाचा कहाँ हैं?" एलिज़ाबेथ चिट्ठी खत्म करते ही अपनी सीट से उछल पड़ी, और कीमती समय का एक पल भी बर्बाद किए बिना उनके पीछे जाने के लिए बेताब हो गई; लेकिन जैसे ही वह दरवाजे पर पहुँची, एक नौकर ने दरवाजा खोल दिया और मिस्टर डार्सी सामने आ गए। उसका पीला चेहरा और उतावला व्यवहार देखकर वह चौंक गए, और इससे पहले कि वह संभलकर कुछ बोल पाते, लिडिया की स्थिति को लेकर हर विचार दब जाने वाली एलिज़ाबेथ ने जल्दी से कहा, "माफ़ कीजिए, लेकिन मुझे जाना होगा। मुझे अभी मिस्टर गार्डिनर से मिलना है, एक ज़रूरी काम है जिसे टाला नहीं जा सकता; मेरे पास एक पल भी बर्बाद करने का समय नहीं है।"

"हे भगवान! क्या बात है?" उसने विनम्रता से अधिक भावुक होकर कहा; फिर संभलकर बोला, "मैं आपको एक मिनट भी नहीं रोकूंगा; लेकिन मुझे या नौकर को श्रीमान और श्रीमती गार्डिनर के पास जाने दीजिए। आपकी तबीयत ठीक नहीं है; आप स्वयं नहीं जा सकते।"

एलिज़ाबेथ हिचकिचाई, लेकिन उसके घुटने कांप रहे थे और उसे एहसास हो रहा था कि उनका पीछा करने से उसे कोई लाभ नहीं होगा। इसलिए उसने नौकर को वापस बुलाया और इतनी धीमी आवाज़ में, जिससे उसकी बात लगभग समझ में नहीं आ रही थी, उसे आदेश दिया कि वह अपने मालिक और मालकिन को तुरंत घर ले आए।

उसके कमरे से बाहर जाते ही वह बैठ गई, खुद को संभाल पाने में असमर्थ थी और इतनी बुरी तरह बीमार लग रही थी कि डार्सी के लिए उसे वहीं छोड़ देना और कोमलता और सहानुभूति भरे स्वर में यह कहने से खुद को रोकना असंभव हो गया, "मैं आपकी नौकरानी को बुलाता हूँ। क्या कुछ ऐसा नहीं है जिससे आपको अभी आराम मिल सके? एक गिलास शराब; क्या मैं आपके लिए लाऊँ? आप बहुत बीमार हैं।"

"नहीं, धन्यवाद," उसने खुद को संभालते हुए जवाब दिया। "मुझे कुछ भी नहीं हुआ है। मैं बिल्कुल ठीक हूँ; मैं बस लॉन्गबोर्न से मिली एक भयानक खबर से परेशान हूँ।"

इसका जिक्र करते ही वह फूट-फूटकर रोने लगी और कुछ मिनटों तक एक शब्द भी नहीं बोल पाई। डार्सी गहरी चिंता में डूबा हुआ था, वह बस अस्पष्ट रूप से अपनी चिंता व्यक्त कर सका और सहानुभूति भरी चुप्पी से उसे देखता रहा। आखिरकार उसने फिर बोलना शुरू किया, "मुझे अभी-अभी जेन का एक पत्र मिला है, जिसमें बहुत ही भयानक खबर है। इसे किसी से छिपाया नहीं जा सकता। मेरी छोटी बहन ने अपने सभी दोस्तों को छोड़ दिया है—वह भाग गई है; उसने खुद को मिस्टर विकहम के वश में कर लिया है। वे दोनों ब्राइटन से एक साथ चले गए हैं। आप उसे इतना अच्छी तरह जानते हैं कि बाकी बातों पर शक नहीं कर सकते। उसके पास न पैसा है, न कोई जान-पहचान, न कुछ ऐसा जो उसे लुभा सके—वह हमेशा के लिए खो गई है।"

डार्सी अचंभित रह गई। "जब मैं सोचती हूँ," उसने और भी उत्तेजित स्वर में कहा, "कि मैं इसे रोक सकती थी! मैं, जो जानती थी कि वह कैसा इंसान है। काश मैंने अपने परिवार को भी इसके बारे में थोड़ा सा ही बता दिया होता—जो कुछ मैंने जाना था उसका थोड़ा सा हिस्सा! अगर उसके चरित्र का पता होता, तो ऐसा नहीं होता। लेकिन अब बहुत देर हो चुकी है।"

"मैं सचमुच दुखी हूँ," डार्सी चिल्लाया; "दुखी—स्तब्ध। लेकिन क्या यह निश्चित है—बिल्कुल निश्चित है?"

"ओह, हाँ! वे रविवार रात को ब्राइटन से एक साथ निकले थे, और उनका पता लगभग लंदन तक लगाया जा सका, लेकिन उससे आगे नहीं; वे निश्चित रूप से स्कॉटलैंड नहीं गए हैं।"

"और उसे वापस लाने के लिए क्या किया गया है, क्या प्रयास किए गए हैं?"

मेरे पिता लंदन चले गए हैं, और जेन ने मेरे चाचा से तुरंत मदद की गुहार लगाते हुए पत्र लिखा है; और मुझे उम्मीद है कि हम आधे घंटे में निकल जाएंगे। लेकिन कुछ नहीं किया जा सकता—मैं अच्छी तरह जानती हूँ कि कुछ नहीं किया जा सकता। ऐसे आदमी पर कैसे काबू पाया जाए? उनका पता कैसे लगाया जाए? मुझे ज़रा भी उम्मीद नहीं है। यह हर तरह से भयानक है!

डार्सी ने मौन सहमति में अपना सिर हिलाया।

"जब मुझे उसके असली चरित्र का पता चला—ओह! काश मुझे पता होता कि मुझे क्या करना चाहिए था, क्या करने की हिम्मत करनी चाहिए थी! लेकिन मुझे पता नहीं था—मैं कुछ ज्यादा करने से डरती थी। कितनी बड़ी, कितनी भयानक गलती!"

डार्सी ने कोई जवाब नहीं दिया। ऐसा लग रहा था मानो उसने उसकी बात सुनी ही न हो, और वह गंभीर चिंतन में डूबा हुआ कमरे में इधर-उधर घूम रहा था, उसका माथा सिकुड़ा हुआ था, उसका चेहरा उदास था। एलिजाबेथ ने जल्द ही यह देख लिया और तुरंत समझ गई। उसकी शक्ति कमज़ोर पड़ रही थी; परिवार की इस कमज़ोरी के प्रमाण, इस तरह की घोर बदनामी के सामने सब कुछ डूब जाना ही था। वह न तो आश्चर्य कर सकती थी और न ही निंदा कर सकती थी, लेकिन उसके आत्म-विजय के विश्वास ने उसके हृदय को कोई सांत्वना नहीं दी, उसके दुख को कम नहीं किया। इसके विपरीत, यह उसे अपनी ही इच्छाओं को समझने में

मदद कर रहा था; और उसने पहले कभी इतनी ईमानदारी से यह महसूस नहीं किया था कि वह उससे प्यार कर सकती थी, जितना अब, जब हर तरह का प्यार व्यर्थ प्रतीत होता है।

लेकिन स्वयं की चिंता, चाहे वह कितनी भी बार क्यों न हावी हो, उसे अपने वश में नहीं कर पाई। लिडिया—वह अपमान, वह दुख जो वह उन सभी पर ला रही थी—जल्द ही उसकी सारी निजी चिंताओं को निगल गया; और अपने चेहरे को रूमाल से ढककर, एलिजाबेथ जल्द ही सब कुछ भूल गई; और कुछ मिनटों के विराम के बाद, उसकी साथी की आवाज़ ने उसे अपनी स्थिति का एहसास दिलाया, जिसने करुणा और संयम दोनों भावों से कहा, "मुझे खेद है कि आप लंबे समय से मेरी अनुपस्थिति की कामना कर रही हैं, और मेरे पास अपने प्रवास के लिए कोई बहाना नहीं है सिवाय सच्ची, हालांकि व्यर्थ चिंता के। काश, मेरी ओर से कुछ ऐसा कहा या किया जा सकता जिससे इस पीड़ा में आपको सांत्वना मिल सके! लेकिन मैं आपको व्यर्थ की इच्छाओं से परेशान नहीं करूंगी, जो शायद जानबूझकर धन्यवाद मांगने जैसी लगें। मुझे डर है कि इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के कारण मेरी बहन आज पेम्बर्ली में आपसे मिलने का सौभाग्य प्राप्त नहीं कर पाएगी।"

"ओह, जी हाँ। कृपया मिस डार्सी से हमारी ओर से माफी मांग लें। कह दें कि हमें तुरंत घर लौटना पड़ रहा है। इस दुखद सच्चाई को जितना हो सके छुपा कर रखें, मुझे पता है कि यह ज्यादा देर तक नहीं टिकेगा।"

उसने तुरंत उसे अपने गुप्त रखने का आश्वासन दिया; उसकी पीड़ा के लिए फिर से अपना दुख व्यक्त किया, कामना की कि इसका अंत वर्तमान में आशा से कहीं अधिक सुखद हो, और उसके रिश्तेदारों को शुभकामनाएं देते हुए, केवल एक गंभीर विदाई भरी नजर के साथ चला गया।

जैसे ही वह कमरे से बाहर निकला, एलिजाबेथ को एहसास हुआ कि यह कितना असंभव था कि वे फिर कभी एक-दूसरे से उसी सौहार्दपूर्ण माहौल में मिल पाएंगे जैसा कि डर्बीशायर में उनकी कई मुलाकातों में देखने को मिला था; और जैसे ही उसने अपने पूरे परिचय पर एक नजर डाली, जो विरोधाभासों और विविधताओं से भरा था, उसने उन भावनाओं की कुटिलता पर आह भरी जो अब इसे जारी रखने को बढ़ावा देतीं और पहले इसके समाप्त होने पर खुशी मनातीं।

यदि कृतज्ञता और सम्मान स्नेह के अच्छे आधार हैं, तो एलिज़ाबेथ के भावों में परिवर्तन न तो असंभव है और न ही दोषपूर्ण। लेकिन यदि ऐसा नहीं है—यदि ऐसे स्रोतों से उत्पन्न स्नेह, उस स्नेह की तुलना में अनुचित या अस्वाभाविक है जो अक्सर किसी व्यक्ति से पहली मुलाकात में, यहाँ तक कि दो शब्द बोले जाने से पहले ही उत्पन्न हो जाता है—तो उसके बचाव में केवल यही कहा जा सकता है कि उसने विकहम के प्रति अपने लगाव में दूसरे तरीके को कुछ हद तक आजमाया था, और उसकी असफलता ने शायद उसे दूसरे, कम रुचिकर, लगाव के तरीके को अपनाने के लिए प्रेरित किया हो। चाहे जो भी हो, उसने उसे जाते हुए दुख के साथ देखा; और लिडिया की बदनामी से उत्पन्न होने वाले परिणामों के इस शुरुआती उदाहरण में, उस दुखद घटना पर विचार करते हुए उसे और अधिक पीड़ा हुई। जेन का दूसरा पत्र पढ़ने के बाद से, उसने कभी भी विकहम के उससे शादी करने के इरादे की उम्मीद नहीं की थी। उसने सोचा, जेन के अलावा कोई भी ऐसी उम्मीद नहीं कर सकता था। इस घटनाक्रम पर आश्चर्य तो उसके भावों में सबसे कम था। पहले पत्र की बातें उसके मन में

बसी हुई थीं, और वह पूरी तरह से हैरान थी—इस बात से अचंभित थी कि विकहम ऐसी लड़की से शादी कैसे कर सकता है जिससे वह पैसों के लिए शादी नहीं कर सकता था; और लिडिया उससे कैसे जुड़ सकती थी, यह बात उसकी समझ से परे थी। लेकिन अब यह सब स्वाभाविक लग रहा था। इस तरह के लगाव के लिए उसमें पर्याप्त आकर्षण हो सकता था; और हालांकि उसे यह नहीं लगता था कि लिडिया जानबूझकर शादी के इरादे के बिना भाग रही है, फिर भी उसे यह मानने में कोई कठिनाई नहीं थी कि न तो उसका सद्गुण और न ही उसकी समझदारी उसे आसानी से शिकार बनने से बचा पाएगी।

जब रेजिमेंट हर्टफोर्डशायर में थी, तब उसने कभी यह महसूस नहीं किया था कि लिडिया को उसके प्रति कोई विशेष लगाव है; लेकिन उसे पूरा यकीन था कि लिडिया को बस किसी से जुड़ने के लिए प्रोत्साहन चाहिए था। कभी कोई अधिकारी, कभी कोई दूसरा, उसका पसंदीदा बन जाता था, क्योंकि उनके स्नेह से उसकी नज़र में उनका महत्व बढ़ जाता था। उसका स्नेह हमेशा बदलता रहता था, लेकिन हमेशा किसी न किसी उद्देश्य के। ऐसी लड़की के प्रति उपेक्षा और अनुचित स्नेह का दुष्परिणाम—ओह! अब उसे यह कितना गहरा एहसास हो रहा था!

घर पर होना उसके लिए बहुत बेचैनी का कारण था—सुनना, देखना, और जेन के साथ उन सभी चिंताओं में शामिल होना जो अब पूरी तरह से उस पर आ पड़ी थीं, एक ऐसे परिवार में जो इतना अस्त-व्यस्त था, पिता अनुपस्थित थे, माँ शारीरिक श्रम करने में असमर्थ थीं और जिन्हें निरंतर देखभाल की आवश्यकता थी; और यद्यपि उसे लगभग यकीन हो गया था कि लिडिया के लिए कुछ नहीं किया जा सकता, फिर भी उसके चाचा का हस्तक्षेप अत्यंत महत्वपूर्ण लग रहा था, और जब तक वे कमरे में नहीं आए, उसकी बेचैनी चरम पर थी। श्रीमान और श्रीमती गार्डिनर नौकर के बताए अनुसार अपनी भतीजी के अचानक बीमार पड़ने की आशंका से घबराकर वापस आ गए थे; लेकिन उन्हें तुरंत आश्वस्त करने के बाद, उसने उत्सुकता से उनके बुलावे का कारण बताया, दोनों पत्र जोर से पढ़े, और अंतिम पत्र के परिशिष्ट पर कांपती हुई ऊर्जा के साथ ध्यान केंद्रित किया, यद्यपि लिडिया कभी भी उनकी प्रिय नहीं थी, श्रीमान और श्रीमती गार्डिनर गहरे दुखी हुए बिना नहीं रह सके। केवल लिडिया ही नहीं, बल्कि सभी इससे प्रभावित थे; और आश्चर्य और भय की पहली चीखों के बाद, श्रीमान गार्डिनर ने अपनी पूरी शक्ति से सहायता का वादा किया। एलिज़ाबेथ को भी ऐसी ही उम्मीद थी, फिर भी उसने कृतज्ञता के आँसुओं के साथ उसे धन्यवाद दिया; और तीनों एक ही भावना से प्रेरित होकर, उनकी यात्रा से संबंधित सभी बातें शीघ्र ही तय हो गईं। उन्हें जल्द से जल्द रवाना होना था। "लेकिन पेम्बर्ली का क्या होगा?" श्रीमती गार्डिनर चिल्लाईं। "जॉन ने हमें बताया था कि जब आपने हमें बुलवाया था तब श्री डार्सी यहाँ थे; क्या यह सच था?"

"हां; और मैंने उनसे कहा कि हम अपनी सगाई नहीं निभा पाएंगे। यह सब तय हो चुका है।"

“क्या सब कुछ तय हो गया है?” दूसरी ने तैयारी करने के लिए अपने कमरे में भागते हुए दोहराया। “और क्या उनकी शर्तें ऐसी हैं कि वह असली सच्चाई बता दे? काश, मुझे पता होता कि मामला क्या है!”

लेकिन इच्छाएँ व्यर्थ थीं, या कम से कम अगले घंटे की भागदौड़ और अफरा-तफरी में केवल उसका मनोरंजन ही कर सकती थीं। यदि एलिज़ाबेथ के पास खाली समय होता, तो वह निश्चित होती कि उस जैसी दुखी महिला के लिए कोई भी काम असंभव है; लेकिन उसके पास अपनी चाची की तरह ही काम था, और बाकी कामों में लैम्बटन में अपने सभी दोस्तों को पत्र लिखना भी शामिल था, जिसमें अचानक जाने के झूठे बहाने बनाने थे। हालाँकि, एक घंटे में ही सारा काम पूरा हो गया; और इस बीच मिस्टर गार्डिनर ने सराय में अपना हिसाब चुका दिया, अब जाने के अलावा और कुछ नहीं बचा था; और एलिज़ाबेथ, सुबह की सारी परेशानियों के बाद, अपनी कल्पना से भी कम समय में खुद को गाड़ी में बैठी और लॉन्गबोर्न के रास्ते पर पाई।

अध्याय 5

"मैंने इस बारे में फिर से सोचा है, एलिज़ाबेथ," शहर से निकलते हुए उसके चाचा ने कहा; "और सच में, गंभीरता से विचार करने पर, मैं इस मामले में तुम्हारी बड़ी बहन की राय से कहीं ज़्यादा सहमत हूँ। मुझे यह बहुत ही असंभव लगता है कि कोई युवक किसी ऐसी लड़की के खिलाफ़ ऐसी योजना बनाएगा जो किसी भी तरह से बेसहारा या अकेली नहीं है, और जो वास्तव में उसके कर्नल के परिवार में रह रही थी, इसलिए मैं अच्छे की ही कामना करता हूँ। क्या वह यह उम्मीद कर सकता है कि उसके दोस्त आगे नहीं आएंगे? क्या वह कर्नल फोर्स्टर का अपमान करने के बाद रेजिमेंट द्वारा फिर से ध्यान दिए जाने की उम्मीद कर सकता है? उसका लालच इस जोखिम के लायक नहीं है!"

"क्या आप सचमुच ऐसा सोचते हैं?" एलिजाबेथ ने एक पल के लिए खिलखिलाते हुए कहा।

श्रीमती गार्डिनर ने कहा, "सच कहूँ तो, मैं तुम्हारे चाचा की राय से सहमत होने लगी हूँ। यह वास्तव में मर्यादा, मान-सम्मान और हितों का बहुत बड़ा उल्लंघन है, जिसके लिए उन्हें दोषी ठहराया जाना चाहिए। मैं विकहम के बारे में इतना बुरा नहीं सोच सकती। क्या तुम खुद, लिज़ी, उसे पूरी तरह से नकार सकती हो कि उसे ऐसा करने में सक्षम मानती हो?"

"शायद अपने हितों की उपेक्षा करने का नहीं; बल्कि उन सभी अन्य उपेक्षाओं का जिनका वह सक्षम हो सकता है। अगर वास्तव में ऐसा हो! लेकिन मैं इसकी उम्मीद नहीं कर सकता। अगर ऐसा होता तो वे स्कॉटलैंड क्यों नहीं जाते?"

श्री गार्डिनर ने उत्तर दिया, "पहली बात तो यह है कि इस बात का कोई पुख्ता सबूत नहीं है कि वे स्कॉटलैंड नहीं गए हैं।"

"अरे! लेकिन उनका गाड़ी से उतरकर टैक्सी में बैठना तो सरासर धृष्टता है! और तो और, बार्नेट रोड पर उनका कोई निशान भी नहीं मिला।"

अच्छा, तो मान लीजिए कि वे लंदन में हैं। वे वहाँ हो सकते हैं, हालाँकि किसी असाधारण उद्देश्य से नहीं, बल्कि छिपने के उद्देश्य से। यह संभावना नहीं है कि दोनों पक्षों के पास बहुत अधिक धन हो; और उन्हें यह लग सकता है कि स्कॉटलैंड की तुलना में लंदन में शादी करना अधिक किफायती होगा, हालाँकि इसमें समय कम लगेगा।

लेकिन इतनी गोपनीयता क्यों? पकड़े जाने का डर क्यों? उनकी शादी गुप्त क्यों होनी चाहिए? ओह, नहीं, नहीं—ऐसा संभव नहीं है। जेन के अनुसार, उनके सबसे करीबी दोस्त को भी यकीन था कि उनका उससे शादी करने का कोई इरादा नहीं था। विकहम बिना पैसे के किसी महिला से शादी नहीं करेगा। वह इतना खर्च नहीं उठा सकता। और लिडिया में ऐसी क्या खूबियां हैं—युवावस्था, स्वास्थ्य और अच्छे स्वभाव के अलावा उसमें ऐसा क्या आकर्षण है कि वह उसके लिए अच्छी शादी करके खुद को फायदा पहुंचाने का हर मौका छोड़ दे?

जहां तक इस बात का सवाल है कि कोर में बदनामी के डर से उसके साथ बेइज्जती भरे तरीके से भाग जाने पर क्या रोक लगेगी, मैं इसका अंदाजा नहीं लगा सकता; क्योंकि मुझे ऐसे कदम के परिणामों के बारे में कुछ भी पता नहीं है। लेकिन आपकी दूसरी आपत्ति के बारे में, मुझे डर है कि वह शायद ही सही साबित होगी। लिडिया का कोई भाई आगे नहीं आएगा; और मेरे पिता के व्यवहार, उनकी सुस्ती और परिवार में चल रही बातों पर उनके कम ध्यान देने को देखते हुए, वह शायद यह सोचेगा कि वह भी उतना ही कम करेगा और उतना ही कम सोचेगा। मैंने ऐसा ही किया, जैसा कि कोई भी पिता ऐसे मामले में कर सकता है।"
"लेकिन क्या आपको लगता है कि लिडिया उसके प्रति प्रेम के अलावा हर चीज में इतनी खोई हुई है कि वह शादी के अलावा किसी और शर्त पर उसके साथ रहने के लिए सहमत हो जाएगी?"
“ऐसा लगता है, और यह वाकई बेहद चौंकाने वाली बात है,” एलिज़ाबेथ ने आँखों में आँसू लिए उत्तर दिया, “कि ऐसी स्थिति में एक बहन की शालीनता और सदाचार की भावना पर संदेह किया जा सकता है। लेकिन, सच कहूँ तो, मुझे नहीं पता कि क्या कहूँ। शायद मैं उसके साथ न्याय नहीं कर रही हूँ। लेकिन वह बहुत छोटी है; उसे कभी गंभीर विषयों पर सोचना नहीं सिखाया गया; और पिछले छह महीनों से, बल्कि पूरे बारह महीनों से—वह केवल मनोरंजन और दिखावे में डूबी रही है। उसे अपना समय पूरी तरह से बेकार और फिजूलखर्ची में बिताने की छूट दी गई है, और जो भी राय उसके सामने आती है, उसे अपनाने की छूट दी गई है। जब से ——शायर को पहली बार मेरिटन में बसाया गया है, तब से उसके दिमाग में केवल प्रेम, छेड़छाड़ और अधिकारियों के ही विचार छाए हुए हैं। वह इस विषय पर सोचकर और बात करके अपनी भावनाओं को और अधिक—मैं इसे क्या कहूँ?—प्रवेश देने की हर संभव कोशिश कर रही है; जो स्वभाव से ही काफी जीवंत हैं। और हम सब जानते हैं कि विकहम में व्यक्तित्व और व्यवहार का वह हर आकर्षण है जो किसी भी महिला को मोहित कर सकता है।”
"लेकिन आप देखिए कि जेन," उसकी चाची ने कहा, "विकहम के बारे में इतना बुरा नहीं सोचती कि उसे इस तरह के प्रयास में सक्षम मानती हो।"
जेन किसके बारे में बुरा सोचती है? और चाहे उनका पिछला आचरण कैसा भी रहा हो, ऐसा कौन है जिसके बारे में वह तब तक ऐसा प्रयास करने में सक्षम समझेगी जब तक कि यह उनके खिलाफ साबित न हो जाए? लेकिन जेन, मेरी तरह ही, जानती है कि विकहम वास्तव में कैसा है। हम दोनों जानते हैं कि वह हर मायने में दुराचारी रहा है; उसमें न तो ईमानदारी है और न ही सम्मान; वह जितना छल-कपट करता है, उतना ही झूठा और कपटी भी है।
"और क्या आप सचमुच यह सब जानती हैं?" श्रीमती गार्डिनर ने हैरानी से पूछा, जिनकी अपनी बुद्धि के स्रोत को लेकर जिज्ञासा चरम पर थी।
“जी हां,” एलिजाबेथ ने शर्म से लाल होते हुए जवाब दिया। “मैंने तुम्हें परसों मिस्टर डार्सी के प्रति उसके घिनौने व्यवहार के बारे में बताया था; और तुमने खुद, पिछली बार लॉन्गबोर्न में, सुना होगा कि उसने उस व्यक्ति के बारे में क्या कहा था जिसने उसके प्रति इतना धैर्य और उदारता दिखाई थी। और भी कई बातें हैं

जिन्हें बताने की मुझे इजाज़त नहीं है—और जिनका ज़िक्र करना उचित नहीं है; लेकिन पूरे पेम्बर्ली परिवार के बारे में उसके झूठ अंतहीन हैं। मिस डार्सी के बारे में उसने जो कहा था, उससे मुझे लगा था कि वह एक घमंडी, संकोची और चिड़चिड़ी लड़की होगी। लेकिन वह खुद इसके विपरीत जानता था। उसे पता होना चाहिए कि वह उतनी ही मिलनसार और सरल थी जितनी हमने उसे पाया।"
"लेकिन क्या लिडिया को इस बारे में कुछ भी पता नहीं है? क्या वह उस बात से अनजान हो सकती है जिसे आप और जेन इतनी अच्छी तरह समझते हैं?"
"ओह, हाँ!—यह तो सबसे बुरा है। जब तक मैं केंट में नहीं थी और मिस्टर डार्सी और उनके रिश्तेदार कर्नल फिट्ज़विलियम को इतना करीब से नहीं देखा था, तब तक मुझे खुद सच्चाई का पता नहीं था। और जब मैं घर लौटी, तो पता चला कि ——शायर एक या दो हफ्ते में मेरिटन छोड़ने वाला था। ऐसी स्थिति में, न तो जेन, जिसे मैंने सारी बात बताई, और न ही मैंने, अपनी जानकारी को सार्वजनिक करना ज़रूरी समझा; क्योंकि भला किसी को क्या फायदा होता अगर पड़ोस के सभी लोगों की उसके बारे में अच्छी राय फिर से खराब हो जाती? और जब यह तय हो गया कि लिडिया मिसेज़ फोर्स्टर के साथ जाएगी, तब भी मुझे उसके चरित्र के बारे में उसे बताने की ज़रूरत महसूस नहीं हुई। मुझे कभी यह ख्याल भी नहीं आया कि वह इस धोखे से किसी खतरे में पड़ सकती है। आप यकीन मानिए, इस तरह के परिणाम की बात तो मेरे दिमाग में दूर-दूर तक नहीं थी।"
"इसलिए, जब वे सभी ब्राइटन चले गए, तो मुझे लगता है कि आपके पास यह मानने का कोई कारण नहीं था कि वे एक-दूसरे को पसंद करते थे?"
"बिल्कुल भी नहीं। मुझे दोनों तरफ से स्नेह का कोई संकेत याद नहीं है; और अगर ऐसा कुछ भी महसूस हुआ होता, तो आप जानते ही होंगे कि हमारा परिवार ऐसा नहीं है जिस पर इसे यूं ही लुटाया जा सके। जब वह पहली बार सेना में शामिल हुआ, तो वह उसकी प्रशंसा करने के लिए तैयार थी; लेकिन हम सभी ऐसे ही थे। मेरिटन या उसके आस-पास की हर लड़की पहले दो महीनों तक उसके लिए दीवानी थी; लेकिन उसने कभी भी उस पर कोई विशेष ध्यान नहीं दिया; और, परिणामस्वरूप, कुछ समय तक अत्यधिक और बेतहाशा प्रशंसा के बाद, उसके प्रति उसका आकर्षण कम हो गया, और रेजिमेंट के अन्य लोग, जिन्होंने उसके साथ अधिक सम्मानपूर्वक व्यवहार किया, फिर से उसके पसंदीदा बन गए।"

यह आसानी से समझा जा सकता है कि इस रोचक विषय पर बार-बार चर्चा करने से उनके भय, आशाओं और अटकलों में भले ही कोई नई बात न आई हो, लेकिन पूरी यात्रा के दौरान कोई और बात उन्हें इससे लंबे समय तक विचलित नहीं कर सकी। एलिजाबेथ के विचारों से यह विषय कभी दूर नहीं हुआ। घोर पीड़ा और आत्म-निंदा से घिरी होने के कारण, उसे आराम या विस्मृति का कोई क्षण नहीं मिला।
उन्होंने यथासंभव शीघ्र यात्रा की और रास्ते में एक रात सोकर अगले दिन दोपहर के भोजन तक लॉन्गबोर्न पहुँच गए। एलिजाबेथ को यह सोचकर तसल्ली हुई कि जेन लंबे इंतजार से थकी नहीं होगी।

गाड़ी को देखकर आकर्षित हुए छोटे गार्डिनर बच्चे बाड़े में प्रवेश करते ही घर की सीढ़ियों पर खड़े हो गए; और जब गाड़ी दरवाजे के पास आकर रुकी, तो उनके चेहरों पर जो खुशी भरी हैरानी झलक रही थी, और जो उनके पूरे शरीर पर तरह-तरह की उछल-कूद और उछल-कूद के रूप में दिखाई दे रही थी, वह उनके स्वागत का पहला सुखद संकेत था।

एलिजाबेथ कूदकर बाहर निकली; और उनमें से प्रत्येक को जल्दी से चूमने के बाद, वह प्रवेश कक्ष में चली गई, जहाँ जेन, जो अपनी माँ के कमरे से दौड़ती हुई नीचे आई थी, तुरंत उससे मिली।

एलिजाबेथ ने उसे स्नेहपूर्वक गले लगाया, जबकि दोनों की आंखों में आंसू भर आए थे, और उसने एक पल भी गंवाए बिना पूछा कि क्या भगोड़ों के बारे में कुछ पता चला है।

"अभी नहीं," जेन ने जवाब दिया। "लेकिन अब जब मेरे प्यारे चाचा आ गए हैं, तो मुझे उम्मीद है कि सब ठीक हो जाएगा।"

"क्या मेरे पिता शहर में हैं?"

"हां, जब मैंने आपको पत्र लिखा था, उसी दिन मंगलवार को उनका निधन हो गया।"

"और क्या आपको उससे अक्सर सुनने को मिलता है?"

"हमें उनसे सिर्फ दो बार ही खबर मिली है। उन्होंने बुधवार को मुझे कुछ पंक्तियाँ लिखकर बताया कि वे सुरक्षित पहुँच गए हैं और मुझे अपना रास्ता बता दिया, जिसके लिए मैंने उनसे विशेष रूप से अनुरोध किया था। उन्होंने बस इतना ही कहा कि जब तक उन्हें कोई महत्वपूर्ण बात न बतानी हो, तब तक वे दोबारा नहीं लिखेंगे।"

"और मेरी माँ कैसी हैं? आप सब कैसे हैं?"

मुझे उम्मीद है कि मेरी माँ की हालत ठीक है; हालाँकि उनका मनोबल काफी गिरा हुआ है। वह ऊपर हैं और आप सभी को देखकर उन्हें बहुत खुशी होगी। वह अभी तक अपने ड्रेसिंग रूम से बाहर नहीं निकली हैं। मैरी और किटी, भगवान का शुक्र है, बिल्कुल ठीक हैं।

"लेकिन आप—आप कैसी हैं?" एलिजाबेथ चिल्लाई। "आप तो पीली पड़ गई हैं। आपने कितना कुछ सहा होगा!"

हालांकि, उसकी बहन ने उसे आश्वस्त किया कि वह पूरी तरह से स्वस्थ है; और श्रीमान और श्रीमती गार्डिनर के अपने बच्चों के साथ व्यस्त रहने के दौरान चल रही उनकी बातचीत, अब पूरे समूह के आने से रुक गई। जेन दौड़कर अपने चाचा और चाची के पास गई और मुस्कुराते हुए तो आँसुओं के साथ उनका स्वागत और धन्यवाद किया।

जब वे सब ड्राइंग रूम में थे, तो एलिज़ाबेथ द्वारा पूछे गए प्रश्न स्वाभाविक रूप से अन्य लोगों द्वारा दोहराए गए, और उन्हें जल्द ही पता चल गया कि जेन के पास बताने के लिए कोई जानकारी नहीं थी। हालाँकि, उसके हृदय की उदारता से उपजे अच्छे की आशा अभी भी उसके मन में थी; उसे अब भी उम्मीद थी कि सब कुछ

अच्छा ही होगा, और हर सुबह लिडिया या उसके पिता की ओर से कोई पत्र आएगा, जिसमें उनकी गतिविधियों का विवरण होगा, और शायद उनकी शादी की घोषणा भी होगी।

श्रीमती बेनेट, जिनके अपार्टमेंट में वे सभी कुछ मिनटों की बातचीत के बाद गए, ने उनका ठीक उसी तरह स्वागत किया जैसा कि उम्मीद की जा सकती थी; आँसू और खेद के विलाप के साथ, विकहम के दुष्ट आचरण के खिलाफ निंदा करते हुए, और अपने स्वयं के कष्टों और दुर्व्यवहार की शिकायतों के साथ; उस व्यक्ति को छोड़कर सभी को दोषी ठहराते हुए, जिसकी नासमझी भरी उदारता के कारण ही उनकी बेटी की गलतियाँ हुई थीं।

“अगर मैं अपने पूरे परिवार के साथ ब्राइटन जाने की अपनी बात मनवा पाती, तो ऐसा न होता; लेकिन बेचारी लिडिया की देखभाल करने वाला कोई नहीं था। फोस्टर परिवार ने उसे अपनी नज़रों से दूर क्यों जाने दिया? मुझे यकीन है कि उनकी तरफ से कोई बड़ी लापरवाही हुई होगी, क्योंकि अगर उसकी अच्छी तरह देखभाल की जाती तो वह ऐसी हरकत करने वाली लड़की नहीं थी। मैं हमेशा सोचती थी कि वे उसकी ज़िम्मेदारी उठाने के लायक नहीं हैं; लेकिन मेरी बात नहीं मानी गई, जैसा कि हमेशा होता है। बेचारी बच्ची! और अब मिस्टर बेनेट चले गए हैं, और मुझे पता है कि वह विकहम से जहाँ भी मिलेंगे, लड़ेंगे और फिर मारे जाएँगे, और हम सबका क्या होगा? कोलिन्स परिवार हमें उनकी कब्र में दफ़न होने से पहले ही निकाल देगा, और अगर आप हम पर दया नहीं करेंगे, भाई, तो मुझे नहीं पता कि हम क्या करेंगे।”

उन सभी ने ऐसे भयावह विचारों का पुरजोर विरोध किया; और श्री गार्डिनर ने उसके और उसके पूरे परिवार के प्रति अपने स्नेह का सामान्य आश्वासन देने के बाद उससे कहा कि वह अगले ही दिन लंदन में होंगे और लिडिया को वापस लाने के हर प्रयास में श्री बेनेट की सहायता करेंगे।

उन्होंने आगे कहा, “बेकार की घबराहट में मत पड़ो; हालांकि सबसे बुरे हालात के लिए तैयार रहना ठीक है, लेकिन इसे निश्चित मान लेने की कोई जरूरत नहीं है। उन्हें ब्राइटन छोड़े हुए अभी एक हफ्ता भी नहीं हुआ है। कुछ दिनों में हमें उनके बारे में कुछ खबर मिल सकती है; और जब तक हमें यह पता न चल जाए कि उनकी शादी नहीं हुई है और न ही शादी करने का उनका कोई इरादा है, तब तक इस मामले को खत्म मत समझो। जैसे ही मैं शहर पहुँचूँगा, मैं अपने भाई के पास जाऊँगा और उसे अपने साथ ग्रेसचर्च स्ट्रीट ले आऊँगा; फिर हम मिलकर तय करेंगे कि आगे क्या करना है।”

"ओह! मेरे प्यारे भाई," श्रीमती बेनेट ने उत्तर दिया, "मैं यही तो चाहती थी। अब जब तुम शहर पहुँचो, तो उन्हें ढूँढ़ लेना, चाहे वे कहीं भी हों; और अगर उनकी शादी नहीं हुई है, तो उनकी शादी करवा देना। और शादी के कपड़ों के लिए उन्हें इंतज़ार मत करवाना, बल्कि लिडिया से कहना कि शादी के बाद वह अपनी मर्ज़ी से जितने चाहे उतने पैसे खर्च कर सकती है। और सबसे ज़रूरी बात, श्री बेनेट को झगड़ा करने से रोकना। उन्हें बताना कि मेरी हालत कितनी भयानक है, मैं बुरी तरह डरी हुई हूँ—मेरे पूरे शरीर में कंपकंपी और फड़फड़ाहट हो रही है—मेरी पसलियों में ऐंठन हो रही है, सिर में दर्द है, और दिल में इतनी ज़ोर की धड़कन है कि मुझे रात-दिन चैन नहीं आता। और मेरी प्यारी लिडिया से कहना कि जब तक वह मुझसे न मिल ले, तब

तक अपने कपड़ों के बारे में किसी को कुछ न बताए, क्योंकि उसे नहीं पता कि सबसे अच्छे गोदाम कौन से हैं। ओह, भाई, तुम कितने दयालु हो! मुझे पता है तुम सब कुछ कर लोगे।"

लेकिन श्री गार्डिनर ने यद्यपि उन्हें इस कार्य में अपने गंभीर प्रयासों का आश्वासन दिया, फिर भी वे उनकी आशाओं और आशंकाओं दोनों में संयम बरतने की सलाह देने से नहीं बच सके; और भोजन परोसे जाने तक उनसे इसी तरह बातचीत करने के बाद, वे सभी उन्हें छोड़कर चले गए ताकि वे अपनी बेटियों की अनुपस्थिति में सेवा कर रही गृहस्वामी के सामने अपनी सारी भावनाएँ व्यक्त कर सकें।

यद्यपि उसके भाई और बहन को यकीन था कि परिवार से इस तरह अलग रहने का कोई वास्तविक कारण नहीं था, फिर भी उन्होंने इसका विरोध करने का प्रयास नहीं किया, क्योंकि वे जानते थे कि उसमें इतनी समझदारी नहीं थी कि वह नौकरों के सामने, जब वे भोजन पर सेवा कर रहे हों, तो अपनी बात पर संयम रखे, और उन्होंने यह बेहतर समझा कि घर का केवल एक सदस्य, और वह व्यक्ति जिस पर वे सबसे अधिक भरोसा कर सकते थे, इस विषय पर उसकी सभी चिंताओं और आशंकाओं को समझे।

भोजन कक्ष में जल्द ही मैरी और किट्टी भी आ गईं, जो अपने-अपने कमरों में व्यस्त होने के कारण पहले नहीं आ पाई थीं। एक अपनी किताबों से आई थी, और दूसरी अपने श्रृंगार से। हालाँकि, दोनों के चेहरे काफी शांत थे; और उनमें कोई बदलाव नहीं दिख रहा था, सिवाय इसके कि अपनी प्रिय बहन के बिछड़ने या इस मामले में खुद पर आए गुस्से के कारण किट्टी के लहजे में सामान्य से अधिक चिड़चिड़ाहट थी। जहाँ तक मैरी की बात है, वह इतनी संयमित थी कि मेज पर बैठने के तुरंत बाद उसने गंभीर चिंतन के भाव से एलिजाबेथ से फुसफुसाकर कहा:

"यह एक बेहद दुर्भाग्यपूर्ण घटना है, और शायद इसकी खूब चर्चा होगी। लेकिन हमें द्वेष की लहर को रोकना होगा, और एक-दूसरे के घायल हृदयों में बहन के स्नेह का मरहम लगाना होगा।"

फिर, एलिजाबेथ में जवाब देने की कोई इच्छा न देखकर, उसने आगे कहा, "यद्यपि यह घटना लिडिया के लिए दुर्भाग्यपूर्ण होगी, लेकिन हम इससे यह उपयोगी सबक सीख सकते हैं: कि एक स्त्री के सतीत्व का नुकसान अपूरणीय है; कि एक गलत कदम उसे अंतहीन विनाश की ओर ले जाता है; कि उसकी प्रतिष्ठा जितनी सुंदर है उतनी ही नाजुक भी है; और कि उसे दूसरे लिंग के अयोग्य लोगों के प्रति अपने व्यवहार में अत्यधिक सतर्क रहना चाहिए।"

एलिजाबेथ ने आश्चर्य से अपनी आँखें ऊपर उठाईं, लेकिन वह इतनी दुखी थी कि कोई जवाब नहीं दे सकी। वहीं, मैरी ने अपने सामने मौजूद बुराई से नैतिक सीख लेकर खुद को दिलासा देना जारी रखा।

दोपहर में, दोनों बड़ी मिस बेनेट को आधे घंटे का समय मिला; और एलिज़ाबेथ ने तुरंत इस अवसर का लाभ उठाते हुए कुछ सवाल पूछे, जिन्हें जेन भी जानने के लिए उतनी ही उत्सुक थी। इस घटना के भयानक परिणाम पर शोक व्यक्त करने के बाद, जिसे एलिज़ाबेथ लगभग निश्चित मान रही थी और मिस बेनेट भी पूरी तरह असंभव नहीं कह सकती थीं, एलिज़ाबेथ ने बात आगे बढ़ाते हुए कहा, "लेकिन मुझे इसके बारे में वह

सब कुछ बताओ जो मैंने पहले नहीं सुना है। मुझे और जानकारी दो। कर्नल फोर्स्टर ने क्या कहा? क्या उन्हें भागने से पहले किसी बात का कोई आशंक नहीं था? उन्होंने तो उन्हें हमेशा के लिए साथ देखा होगा।"
"कर्नल फोर्स्टर ने यह स्वीकार किया कि उन्हें अक्सर कुछ पक्षपात का संदेह होता था, खासकर लिडिया के पक्ष में, लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं था जिससे उन्हें चिंता हो। मुझे उनके लिए बहुत दुख है! उनका व्यवहार अत्यंत सजग और दयालु था। वे हमें अपनी चिंता का आश्वासन देने के लिए हमारे पास आ रहे थे, इससे पहले कि उन्हें इस बात का कोई अंदाजा हो कि वे स्कॉटलैंड नहीं गए हैं: जब यह आशंका पहली बार फैली, तो इसने उनकी यात्रा को तेज कर दिया।"
"क्या डेनी को यकीन था कि विकहम शादी नहीं करेगी? क्या उसे उनके जाने की योजना के बारे में पता था? क्या कर्नल फोर्स्टर ने खुद डेनी को देखा था?"
"हाँ; लेकिन, जब उससे पूछताछ की गई, तो डेनी ने उनकी योजनाओं के बारे में कुछ भी जानने से इनकार कर दिया और इस बारे में अपनी वास्तविक राय नहीं बताई। उसने उनके विवाह न करने के अपने तर्क को दोहराया नहीं - और इससे, मुझे उम्मीद है, कि शायद पहले उसे गलत समझा गया होगा।"
"और जब तक कर्नल फोर्स्टर खुद नहीं आए, मुझे लगता है कि आप में से किसी को भी उनके वास्तव में विवाहित होने पर कोई संदेह नहीं था?"
"ऐसा विचार हमारे मन में कैसे आ सकता था? मैं थोड़ी बेचैन थी—अपनी बहन की उससे शादी को लेकर थोड़ी डरी हुई थी, क्योंकि मुझे पता था कि उसका व्यवहार हमेशा सही नहीं रहा था। मेरे माता-पिता को इस बारे में कुछ नहीं पता था; उन्हें बस इतना लग रहा था कि यह रिश्ता कितना नासमझी भरा होगा। किट्टी ने, हम सब से ज़्यादा जानने का दिखावा करते हुए, बड़े गर्व से कहा कि लिडिया के आखिरी पत्र में उसने उसे इस कदम के लिए तैयार किया था। लगता है, उसे कई हफ़्तों से पता था कि वे दोनों एक-दूसरे से प्यार करते हैं।"
"लेकिन ब्राइटन जाने से पहले नहीं?"
"नहीं, मुझे ऐसा नहीं लगता।"
"और क्या कर्नल फोर्स्टर खुद विकहम के बारे में अच्छी राय रखते थे? क्या वह उसके असली चरित्र को जानते थे?"
मुझे यह स्वीकार करना होगा कि अब वह विकहम के बारे में पहले की तरह अच्छी बातें नहीं करते थे। उनका मानना था कि वह अविवेकी और खर्चीला था। और इस दुखद घटना के बाद, ऐसा कहा जाता है कि उसने मेरिटन को भारी कर्ज में छोड़ दिया है; लेकिन मुझे उम्मीद है कि यह बात गलत साबित होगी।
"ओह, जेन, अगर हम इतने गुप्त न होते, अगर हमने उसके बारे में जो कुछ भी जानते थे वह बता दिया होता, तो ऐसा नहीं हो सकता था!"
"शायद यही बेहतर होता," उसकी बहन ने जवाब दिया। "लेकिन किसी व्यक्ति की वर्तमान भावनाओं को जाने बिना उसके पिछले दोषों को उजागर करना अनुचित लगता था। हमने नेक इरादों से काम किया।"

"क्या कर्नल फोर्स्टर अपनी पत्नी को लिडिया द्वारा लिखे गए नोट का विवरण दोहरा सकते हैं?"
"वह इसे हमारे देखने के लिए अपने साथ लाया था।"
फिर जेन ने उसे अपने पर्स से निकाला और एलिजाबेथ को दे दिया। उसमें ये बातें लिखी थीं:
मेरी प्यारी हैरियट,
"जब आपको पता चलेगा कि मैं कहाँ गई हूँ, तो आप हँसेंगे, और कल सुबह जब आपको मेरी कमी महसूस होगी, तो आपकी हैरानी देखकर मैं भी हँसे बिना नहीं रह पाऊँगी। मैं ग्रेटना ग्रीन जा रही हूँ, और अगर आप यह नहीं समझ पाए कि किसके साथ, तो मैं आपको मूर्ख समझूँगी, क्योंकि दुनिया में केवल एक ही पुरुष है जिससे मैं प्यार करती हूँ, और वह एक फरिश्ता है। मैं उसके बिना कभी खुश नहीं रह सकती, इसलिए जाने में कोई हर्ज नहीं है। अगर आपको अच्छा नहीं लगता, तो लॉन्गबोर्न में उन्हें मेरे जाने की सूचना भेजने की ज़रूरत नहीं है, क्योंकि जब मैं उन्हें पत्र लिखूँगी और अपने नाम 'लिडिया विकहम' से हस्ताक्षर करूँगी, तो इससे उनकी हैरानी और भी बढ़ जाएगी।" यह तो बहुत ही मजेदार होगा! मैं हंसते-हंसते लिख भी नहीं पा रही। कृपया प्रैट से मेरी माफी मांग लेना कि मैं आज रात उनके साथ नृत्य करने के अपने वादे पर कायम नहीं रह पाई। उनसे कहना कि मुझे उम्मीद है कि जब उन्हें सब पता चलेगा तो वे मुझे माफ कर देंगे; और उनसे यह भी कहना कि अगली बार जब हम मिलेंगे तो मैं उनके साथ बड़े चाव से नृत्य करूंगी। लॉन्गबोर्न पहुँचते ही मैं अपने कपड़े मंगवा लूंगी; लेकिन मैं चाहती हूँ कि आप सैली से कह दें कि मेरे कढ़ाई वाले मलमल के गाउन में जो बड़ा चीरा लगा है उसे पैक करने से पहले सिल दें। अलविदा। कर्नल फोर्स्टर को मेरा प्यार देना। मुझे उम्मीद है कि आप हमारी सुखद यात्रा के लिए जाम उठाएंगे।
"आपका स्नेही मित्र,
"लिडिया बेनेट।"
"ओह! कितनी नासमझ, नासमझ लिडिया!" एलिज़ाबेथ ने पत्र खत्म करते हुए कहा। "ऐसे समय में लिखा गया यह कैसा पत्र है! लेकिन कम से कम इससे यह तो पता चलता है कि वह अपनी यात्रा को लेकर गंभीर थी। बाद में वह उसे चाहे जो भी मना ले, यह उसकी तरफ से बदनामी की कोई साजिश नहीं थी। मेरे बेचारे पिता! उन्हें कितना बुरा लगा होगा!"
"मैंने किसी को इतना सदमे में कभी नहीं देखा। वह पूरे दस मिनट तक एक शब्द भी नहीं बोल सका। मेरी माँ तुरंत बीमार पड़ गई और पूरा घर अफरा-तफरी में डूब गया!"
"ओह! जेन," एलिजाबेथ चिल्लाई, "क्या उस नौकरानी में से कोई ऐसी थी जिसे दिन ढलने से पहले पूरी कहानी पता नहीं चली?"
"मुझे नहीं पता। मुझे उम्मीद है कि ऐसा हुआ होगा। लेकिन ऐसे समय में सतर्क रहना बहुत मुश्किल है। मेरी माँ को बहुत ज़्यादा मानसिक आघात लगा था, और हालाँकि मैंने अपनी पूरी कोशिश की कि उन्हें हर संभव सहायता प्रदान करूँ, मुझे डर है कि मैं उतना नहीं कर पाई जितना मैं कर सकती थी! लेकिन जो कुछ भी हो सकता था, उसके डर ने लगभग मेरी सोचने-समझने की शक्ति छीन ली थी।"

"उसकी देखभाल करते-करते तुम पर बहुत बोझ पड़ गया है। तुम ठीक नहीं लग रहे हो। काश मैं तुम्हारे साथ होती! तुमने सारी चिंता और परेशानी अकेले ही झेली है।"
"मैरी और किट्टी बहुत दयालु थीं, और मुझे पूरा यकीन है कि वे हर तरह की थकान में मेरा साथ देतीं; लेकिन मुझे यह उन दोनों के लिए ठीक नहीं लगा। किट्टी दुबली-पतली और नाज़ुक है; और मैरी इतनी पढ़ाई करती है कि उसके आराम के समय में खलल डालना ठीक नहीं होगा। मेरे पिता के जाने के बाद, मेरी चाची फिलिप्स मंगलवार को लॉन्गबोर्न आईं; और इतनी दयालु थीं कि गुरुवार तक मेरे साथ रहीं। उन्होंने हम सभी को बहुत सहारा और मदद दी। और लेडी लुकास भी बहुत दयालु थीं; वे बुधवार सुबह हमसे सांत्वना देने के लिए यहाँ आईं और अपनी या अपनी किसी भी बेटी की सेवाएँ देने की पेशकश की, अगर वे हमारे काम आ सकें।"
"उसे घर पर ही रहना चाहिए था," एलिज़ाबेथ रोते हुए बोली; "शायद उसका इरादा अच्छा था, लेकिन ऐसी विपत्ति में पड़ोसियों से मिलना कितना ज़रूरी है। मदद करना नामुमकिन है; सहानुभूति असहनीय है। उन्हें दूर से ही हम पर विजय प्राप्त करने दो और संतुष्ट रहो।"
इसके बाद उसने यह पता लगाने की कोशिश की कि उसके पिता ने शहर में रहते हुए अपनी बेटी को वापस लाने के लिए क्या उपाय करने का इरादा किया था।
जेन ने जवाब दिया, "मुझे लगता है कि उनका मतलब एप्सम जाना था, जहाँ उन्होंने आखिरी बार घोड़े बदले थे, वहाँ चौकीदारों से मिलना और उनसे कुछ जानकारी निकालने की कोशिश करना था। उनका मुख्य उद्देश्य क्लैफम से उन्हें लाने वाली तांगे की गाड़ी का नंबर पता करना था। वह गाड़ी लंदन से किराए के साथ आई थी; और चूंकि उन्हें लगा कि एक सज्जन और महिला का एक गाड़ी से दूसरी गाड़ी में जाना ध्यान देने योग्य हो सकता है, इसलिए उन्होंने क्लैफम में पूछताछ करने का सोचा। अगर उन्हें किसी भी तरह पता चल जाता कि कोचवान ने पहले किस घर में किराया दिया था, तो उन्होंने वहाँ पूछताछ करने का फैसला किया और उम्मीद जताई कि गाड़ी का स्टैंड और नंबर पता करना असंभव नहीं होगा। मुझे उनके किसी अन्य इरादे के बारे में नहीं पता; लेकिन उन्हें जाने की इतनी जल्दी थी और उनका मनोबल इतना खराब था कि मुझे इतनी जानकारी भी निकालने में मुश्किल हुई।"

अध्याय 6

पूरा दल अगली सुबह श्री बेनेट के पत्र की उम्मीद कर रहा था, लेकिन डाक से उनकी ओर से एक भी पत्र नहीं आया। उनका परिवार जानता था कि वे आम तौर पर पत्र लिखने में बेहद लापरवाह और टालमटोल करने वाले थे; लेकिन ऐसे समय में उन्हें उनसे सक्रियता की उम्मीद थी। उन्हें यही निष्कर्ष निकालना पड़ा कि उनके पास कोई अच्छी खबर नहीं है; हालांकि अगर उन्हें इसकी भी पुष्टि हो जाती तो उन्हें खुशी होती। श्री गार्डिनर ने रवाना होने से पहले केवल पत्रों का ही इंतजार किया था।

जब वह चला गया, तो उन्हें कम से कम इस बात का यकीन था कि उन्हें चल रही घटनाओं के बारे में लगातार जानकारी मिलती रहेगी, और उनके चाचा ने विदाई के समय वादा किया कि वे मिस्टर बेनेट को जल्द से जल्द लॉन्गबोर्न लौटने के लिए मना लेंगे, जिससे उनकी बहन को बहुत तसल्ली मिली, जो इसे अपने पति के द्वंद्वयुद्ध में मारे जाने से बचने की एकमात्र सुरक्षा मानती थी।

श्रीमती गार्डिनर और बच्चे कुछ और दिनों के लिए हर्टफोर्डशायर में ही रुकने वाले थे, क्योंकि श्रीमती गार्डिनर को लगा कि उनकी उपस्थिति उनकी भतीजियों के लिए उपयोगी हो सकती है। उन्होंने श्रीमती बेनेट की देखभाल में उनका साथ दिया और खाली समय में उन्हें बहुत सहारा दिया। उनकी दूसरी चाची भी अक्सर उनसे मिलने आती थीं और हमेशा, जैसा कि उन्होंने कहा, उन्हें खुश करने और उनका हौसला बढ़ाने के इरादे से आती थीं—हालांकि, चूंकि वह विकहम की फिजूलखर्ची या अनियमितता की कोई न कोई नई घटना बताए बिना कभी नहीं आती थीं, इसलिए वह उन्हें पहले से ज़्यादा निराश करके ही जाती थीं।

ऐसा लग रहा था मानो मेरिटन के सभी लोग उस आदमी को बदनाम करने में लगे थे, जो तीन महीने पहले तक मानो प्रकाश के दूत जैसा था। उसे इलाके के हर व्यापारी का कर्जदार घोषित कर दिया गया था, और उसकी साज़िशें, जिन्हें छल का नाम दिया गया था, हर व्यापारी के परिवार तक फैल चुकी थीं। हर कोई कहता था कि वह दुनिया का सबसे दुष्ट युवक है; और सबको धीरे-धीरे यह एहसास होने लगा कि उसकी अच्छाई के दिखावे पर उन्हें हमेशा से शक था। एलिज़ाबेथ, हालाँकि उसे कही गई बातों पर आधा भी विश्वास नहीं था, फिर भी उसे इतना यकीन हो गया कि उसकी बहन के बर्बाद होने का उसका पहले का भरोसा और भी पक्का हो गया; और जेन, जिसे इस पर और भी कम यकीन था, लगभग निराश हो गई, खासकर इसलिए कि अब वह समय आ गया था जब अगर वे स्कॉटलैंड गए होते, जिसके बारे में उसने पहले कभी पूरी तरह से निराशा नहीं जताई थी, तो उन्हें उनके बारे में कुछ न कुछ खबर ज़रूर मिल जाती।

श्री गार्डिनर रविवार को लॉन्गबोर्न से रवाना हुए; मंगलवार को उनकी पत्नी को उनका पत्र मिला; उसमें उन्होंने बताया कि पहुँचते ही उन्होंने अपने भाई का पता लगा लिया और उन्हें ग्रेसचर्च स्ट्रीट आने के लिए मना लिया; श्री बेनेट उनके आने से पहले एप्सम और क्लैफम गए थे, लेकिन उन्हें कोई संतोषजनक जानकारी नहीं मिली; और अब उन्होंने शहर के सभी प्रमुख होटलों में पूछताछ करने का निश्चय कर लिया था, क्योंकि श्री

बेनेट को लगता था कि हो सकता है कि लंदन आने पर ठहरने की व्यवस्था करने से पहले वे उनमें से किसी एक होटल में रुके हों। श्री गार्डिनर को स्वयं इस प्रयास से कोई सफलता मिलने की उम्मीद नहीं थी, लेकिन चूंकि उनके भाई इसमें उत्सुक थे, इसलिए उन्होंने इसमें उनकी सहायता करने का इरादा किया। उन्होंने आगे लिखा कि श्री बेनेट फिलहाल लंदन छोड़ने के लिए बिल्कुल अनिच्छुक लग रहे थे और उन्होंने जल्द ही दोबारा लिखने का वादा किया। इस आशय का एक परिशिष्ट भी था:

मैंने कर्नल फोर्स्टर को पत्र लिखकर उनसे अनुरोध किया है कि यदि संभव हो तो रेजिमेंट में उस युवक के कुछ करीबी लोगों से पता करें कि क्या विकहम के कोई रिश्तेदार या परिचित हैं जो यह जानते हों कि वह शहर के किस हिस्से में छिपा हुआ है। यदि कोई ऐसा व्यक्ति मिल जाए जिससे इस तरह का सुराग मिलने की संभावना हो, तो यह अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकता है। फिलहाल हमारे पास कोई जानकारी नहीं है। मुझे पूरा विश्वास है कि कर्नल फोर्स्टर इस मामले में हमें संतुष्ट करने के लिए अपनी पूरी कोशिश करेंगे। लेकिन, दोबारा सोचने पर, शायद लिज़ी ही हमें बता पाएगी कि उसके कौन-कौन से रिश्तेदार जीवित हैं, किसी और से बेहतर।

एलिज़ाबेथ को यह समझने में कोई कठिनाई नहीं हुई कि उसके अधिकार के प्रति यह आदर कहाँ से आया; परन्तु वह इस सम्मान के अनुरूप कोई संतोषजनक जानकारी नहीं दे सकती थी। उसने कभी नहीं सुना था कि उसके माता-पिता के अलावा कोई और रिश्तेदार थे, और वे दोनों कई साल पहले मर चुके थे। हालाँकि, यह संभव था कि उसके कुछ साथी, जो उस क्षेत्र में रहते थे, अधिक जानकारी दे सकें; और यद्यपि उसे इसकी बहुत अधिक उम्मीद नहीं थी, फिर भी यह आवेदन एक उम्मीद की किरण थी।

लॉन्गबोर्न में अब हर दिन चिंता से भरा होता था; लेकिन सबसे ज़्यादा चिंता तब होती थी जब डाक आने का इंतज़ार होता था। चिट्ठियों का आना हर सुबह की बेसब्री का मुख्य कारण होता था। चिट्ठियों के ज़रिए ही अच्छी या बुरी हर बात बताई जाती थी, और हर आने वाले दिन किसी न किसी महत्वपूर्ण खबर की उम्मीद रहती थी।

लेकिन मिस्टर गार्डिनर से दोबारा खबर मिलने से पहले ही, उनके पिता के लिए एक पत्र आया, जो किसी और तरफ से था - मिस्टर कॉलिन्स की तरफ से; जेन को निर्देश दिया गया था कि उनकी अनुपस्थिति में उनके लिए आने वाले सभी पत्रों को खोलें, इसलिए उसने वह पत्र पढ़ा; और एलिजाबेथ, जो जानती थी कि उनके पत्र कितने दिलचस्प होते थे, उसने भी जेन की तरफ देखा और पत्र पढ़ लिया। पत्र इस प्रकार था:

"मेरे प्रिय सर,

हमारे रिश्ते और जीवन में मेरी स्थिति के कारण, मैं आपके इस गहरे दुख पर अपनी संवेदना व्यक्त करना अपना कर्तव्य समझता हूँ, जिसकी सूचना हमें कल हर्टफोर्डशायर से आए एक पत्र से मिली। प्रिय महोदय, निश्चिंत रहें कि श्रीमती कॉलिन्स और मैं आपके और आपके पूरे परिवार के साथ इस दुख की घड़ी में हार्दिक सहानुभूति रखते हैं, जो कि अत्यंत कष्टदायी है, क्योंकि इसका कारण ऐसा है जिसे समय कभी दूर नहीं कर सकता। मेरी ओर से ऐसे सभी तर्क दिए जाएँगे जो इस घोर विपत्ति को कम कर सकें या आपको इस

परिस्थिति में सांत्वना दे सकें, जो किसी भी माता-पिता के मन के लिए सबसे अधिक पीड़ादायक होती है। आपकी बेटी की मृत्यु तो इसके मुकाबले एक आशीर्वाद होती। और यह और भी दुखद है, क्योंकि जैसा कि मेरी प्रिय शार्लेट ने मुझे बताया है, यह मानने का कारण है कि आपकी बेटी के इस अनैतिक व्यवहार का कारण अत्यधिक लाड़-प्यार है; हालाँकि, साथ ही, आपको और श्रीमती बेनेट को सांत्वना देने के लिए, मेरा मानना है कि उसका स्वभाव स्वाभाविक ही होगा। यह बहुत बुरा है, वरना इतनी कम उम्र में वह इतना बड़ा अपराध नहीं कर सकती थी। चाहे जो भी हो, आप पर बहुत दया आती है; इस राय में न केवल श्रीमती कॉलिन्स, बल्कि लेडी कैथरीन और उनकी बेटी भी मुझसे सहमत हैं, जिन्हें मैंने यह मामला बताया है। वे भी मेरी तरह इस बात से सहमत हैं कि एक बेटी की यह गलती बाकी सभी बेटियों के भविष्य के लिए हानिकारक साबित होगी; क्योंकि जैसा कि लेडी कैथरीन ने स्वयं विनम्रता से कहा है, भला कौन ऐसे परिवार से संबंध रखना चाहेगा? और इस विचार से मुझे पिछले नवंबर की एक घटना पर और भी संतोष होता है; क्योंकि अगर ऐसा न होता, तो मैं भी आपके इस सारे दुख और अपमान में शामिल होता। इसलिए, प्रिय महोदय, मैं आपको सलाह देता हूँ कि आप जितना हो सके खुद को सांत्वना दें, अपनी इस नालायक बेटी को हमेशा के लिए अपने स्नेह से विमुख कर दें और उसे अपने जघन्य अपराध का फल भुगतने दें।

"मैं हूँ, महोदय, इत्यादि, इत्यादि।"

श्री गार्डिनर ने कर्नल फोर्स्टर से उत्तर मिलने तक दोबारा पत्र नहीं लिखा; और तब भी उनके पास भेजने के लिए कोई सुखद खबर नहीं थी। यह ज्ञात नहीं था कि विकहम का किसी से कोई संबंध था, और यह निश्चित था कि जीवित रहते हुए उनका कोई करीबी परिचित नहीं था। उनके पूर्व परिचित अनेक थे; लेकिन जब से वे मिलिशिया में थे, ऐसा प्रतीत नहीं होता था कि उनमें से किसी के साथ उनकी कोई विशेष मित्रता थी। इसलिए, ऐसा कोई व्यक्ति नहीं था जिससे उनके बारे में कोई खबर मिल सके। और अपनी दयनीय आर्थिक स्थिति के कारण, गोपनीयता बनाए रखने का एक बहुत मजबूत कारण था, इसके अतिरिक्त उन्हें लिडिया के रिश्तेदारों द्वारा भेद खुलने का भी डर था, क्योंकि अभी-अभी यह पता चला था कि उन्होंने जुए में काफी बड़ी रकम का कर्ज छोड़ दिया था। कर्नल फोर्स्टर का मानना था कि ब्राइटन में उनके खर्चों को पूरा करने के लिए एक हजार पाउंड से अधिक की आवश्यकता होगी। शहर में उन पर काफी कर्ज था, लेकिन ईमानदारी के कर्ज तो और भी अधिक थे। श्री गार्डिनर ने लॉन्गबोर्न परिवार से इन विवरणों को छिपाने का प्रयास नहीं किया। जेन ने उनकी बातें सुनकर दहशत से भर गई। "एक जुआरी!" वह चिल्लाई। "यह तो बिलकुल अप्रत्याशित है। मुझे इसका ज़रा भी अंदाज़ा नहीं था।"

श्री गार्डिनर ने अपने पत्र में आगे लिखा कि वे अगले दिन, यानी शनिवार को अपने पिता को घर पर देखने की उम्मीद कर सकते हैं। अपने सभी प्रयासों की असफलता से निराश होकर, उन्होंने अपने बहनोई के आग्रह पर परिवार के पास लौटने की सहमति दे दी थी और कहा था कि आगे की खोज जारी रखने के लिए जो भी उचित लगे, वह उन्हें सौंप दें। जब श्रीमती बेनेट को इस बारे में पता चला, तो उन्होंने उतनी संतुष्टि व्यक्त नहीं की जितनी उनके बच्चों को उम्मीद थी, क्योंकि इससे पहले उन्हें उनके जीवन की बहुत चिंता थी।

"क्या, वो घर आ रहा है, और बेचारी लिडिया को साथ लाए बिना?" वो चिल्लाई। "पक्का वो उन्हें ढूंढे बिना लंदन नहीं छोड़ेगा। अगर वो चला गया, तो विकहम से कौन लड़ेगा और उसे लिडिया से शादी करने के लिए कौन मजबूर करेगा?"

जैसे ही श्रीमती गार्डिनर घर पर रहने की इच्छा करने लगीं, यह तय किया गया कि वे और बच्चे उसी समय लंदन जाएँगे जब श्री बेनेट वहाँ से लौटेंगे। इसलिए, कोच ने उन्हें उनकी यात्रा का पहला चरण पूरा कराया और अपने मालिक को वापस लॉन्गबोर्न ले आया।

श्रीमती गार्डिनर एलिज़ाबेथ और उसके डर्बीशायर के दोस्त को लेकर बहुत परेशान थीं, जो उस इलाके से आने के बाद से उनके साथ थे। उनकी भतीजी ने कभी भी स्वेच्छा से उनका नाम उनके सामने नहीं लिया था; और श्रीमती गार्डिनर को उनसे पत्र मिलने की जो थोड़ी-बहुत उम्मीद थी, वह भी पूरी नहीं हुई। एलिज़ाबेथ को पेम्बर्ली से लौटने के बाद से कोई पत्र नहीं मिला था।

परिवार की वर्तमान दयनीय स्थिति ने उसके मन की उदासी के लिए किसी अन्य बहाने की आवश्यकता को खत्म कर दिया था; इसलिए इससे कुछ भी उचित अनुमान नहीं लगाया जा सकता था, हालांकि एलिजाबेथ, जो उस समय तक अपनी भावनाओं से काफी अच्छी तरह परिचित हो चुकी थी, पूरी तरह जानती थी कि अगर उसे डार्सी के बारे में कुछ भी पता न होता, तो वह लिडिया की बदनामी के डर को कुछ हद तक बेहतर ढंग से सहन कर सकती थी। उसने सोचा कि इससे उसे दो रातों में से एक रात की नींद हराम होने से राहत मिल जाती।

जब श्री बेनेट पहुंचे, तो वे अपने सामान्य दार्शनिक संयम में थे। उन्होंने हमेशा की तरह कम ही बोला; जिस काम के लिए वे गए थे, उसका कोई जिक्र नहीं किया, और उनकी बेटियों को इस बारे में बोलने की हिम्मत जुटाने में काफी समय लगा।

दोपहर तक, जब वह चाय पर उनके साथ शामिल हुए, तब एलिजाबेथ ने इस विषय को उठाने का साहस किया; और फिर, जब उसने संक्षेप में उनके द्वारा सहन की गई पीड़ा के लिए अपना दुख व्यक्त किया, तो उन्होंने उत्तर दिया, "उसकी बात मत करो। मेरे अलावा और किसे कष्ट सहना चाहिए? यह मेरी अपनी गलती है, और मुझे इसका एहसास होना चाहिए।"

"तुम्हें अपने प्रति ज्यादा कठोर नहीं होना चाहिए," एलिजाबेथ ने उत्तर दिया।

"तुम मुझे इस बुराई से सावधान कर सकती हो। इंसान का स्वभाव ही ऐसा है कि वह आसानी से इसमें फंस जाता है! नहीं, लिज़ी, मुझे जीवन में एक बार यह महसूस करने दो कि इसमें मेरी कितनी गलती है। मैं इस भावना से अभिभूत होने से नहीं डरती। यह जल्द ही दूर हो जाएगी।"

"क्या आपको लगता है कि वे लंदन में हैं?"

"हाँ; और कहाँ उन्हें इतनी अच्छी तरह से छिपाया जा सकता है?"

"और लिडिया लंदन जाना चाहती थी," किट्टी ने आगे कहा।

उसके पिता ने रूखेपन से कहा, "तो वह खुश है; और उसका वहां रहना शायद कुछ समय के लिए ही होगा।"

फिर थोड़ी देर चुप रहने के बाद उन्होंने आगे कहा:
"लिज़ी, मई में मुझे दी गई आपकी सलाह सही साबित हुई, इसके लिए मेरे मन में आपके प्रति कोई दुर्भावना नहीं है, और घटना को देखते हुए, यह आपकी महान बुद्धि को दर्शाता है।"
उनकी बातचीत में मिस बेनेट ने बाधा डाली, जो अपनी मां के लिए चाय लेने आई थीं।
"यह तो एक परेड है," वह चिल्लाया, "जो मन को भाती है; यह दुर्भाग्य को भी एक अलग ही शान देती है! किसी और दिन मैं यही करूंगा; मैं अपनी लाइब्रेरी में, नाइट कैप और पाउडर वाले गाउन में बैठूंगा और जितना हो सके उतना हंगामा करूंगा; या शायद मैं इसे तब तक टाल दूं जब तक किट्टी भाग न जाए।"
"मैं भागने वाली नहीं हूँ, पापा," किट्टी ने चिढ़कर कहा। "अगर मैं कभी ब्राइटन गई, तो मैं लिडिया से भी बेहतर व्यवहार करूंगी।"
"तुम ब्राइटन जाओ। पचास पाउंड के लिए भी मैं तुम्हें ईस्टबोर्न के इतने पास ब्राइटन जाने की इजाज़त नहीं दूँगा! नहीं, किटी, मैंने आखिरकार सावधान रहना सीख लिया है, और इसका असर तुम पर भी पड़ेगा। कोई भी अधिकारी मेरे घर में दोबारा नहीं आएगा, न ही गाँव से होकर गुजरेगा। पार्टियों में जाना पूरी तरह से मना है, सिवाय इसके कि तुम अपनी किसी बहन के साथ जाओ। और जब तक तुम यह साबित नहीं कर देती कि तुमने हर दिन के दस मिनट समझदारी से बिताए हैं, तब तक तुम्हें घर से बाहर कदम नहीं रखना है।"
किट्टी, जिसने इन सभी धमकियों को गंभीरता से लिया, रोने लगी।
"अच्छा, अच्छा," उसने कहा, "खुद को दुखी मत करो। अगर तुम अगले दस साल तक अच्छी लड़की बनी रहोगी, तो मैं तुम्हें दस साल पूरे होने पर एक समीक्षा समारोह में ले जाऊंगा।"

अध्याय 7

श्री बेनेट के लौटने के दो दिन बाद, जब जेन और एलिजाबेथ घर के पीछे झाड़ियों में साथ-साथ टहल रही थीं, तो उन्होंने घर की नौकरानी को अपनी ओर आते देखा। उन्हें लगा कि वह उन्हें उनकी माँ के पास बुलाने आई है, इसलिए वे उससे मिलने आगे बढ़ीं; लेकिन, जब वे उसके पास पहुँचीं, तो उसने बुलावे के बजाय मिस बेनेट से कहा, "महोदया, आपको परेशान करने के लिए क्षमा चाहती हूँ, लेकिन मुझे उम्मीद थी कि आपको शहर से कोई अच्छी खबर मिली होगी, इसलिए मैंने आपसे पूछने की हिम्मत की।"

"तुम्हारा क्या मतलब है, हिल? हमें शहर से कोई खबर नहीं मिली है।"

"प्रिय महोदया," श्रीमती हिल ने अत्यंत आश्चर्य से कहा, "क्या आपको नहीं पता कि श्री गार्डिनर की ओर से मालिक के लिए एक संदेशवाहक आया है? वह पिछले आधे घंटे से यहाँ हैं, और मालिक को एक पत्र मिला है।"

लड़कियाँ इतनी बेताबी से दौड़ पड़ीं कि उन्हें अंदर जाने का समय ही नहीं मिला। वे प्रवेश कक्ष से होते हुए नाश्ते के कमरे में गईं; वहाँ से पुस्तकालय में; उनके पिता न तो कहीं थे; और वे अपनी माँ के साथ ऊपर जाकर उन्हें ढूँढ़ने ही वाली थीं कि तभी उन्हें बटलर मिला, जिसने कहा:

"अगर आप मेरे मालिक को ढूंढ रही हैं, महोदया, तो वह छोटे से जंगल की ओर जा रहे हैं।"

यह सूचना मिलते ही वे तुरंत एक बार फिर हॉल से गुजरे और अपने पिता के पीछे लॉन पार करके दौड़ने लगे, जो जानबूझकर बाड़े के एक तरफ स्थित एक छोटे से जंगल की ओर जा रहे थे।

जेन, जो एलिजाबेथ जितनी फुर्तीली और दौड़ने की उतनी आदी नहीं थी, जल्द ही पीछे रह गई, जबकि उसकी बहन हांफते हुए उसके पास पहुंची और उत्सुकता से चिल्लाई:

"ओह पापा, क्या खबर है—क्या खबर है? क्या आपने मेरे चाचा से कुछ सुना है?"

"हां, मुझे उनसे एक्सप्रेस द्वारा एक पत्र मिला है।"

"तो फिर इससे क्या खबर मिलती है—अच्छी या बुरी?"

"इसमें भला क्या अच्छा होने की उम्मीद है?" उसने अपनी जेब से पत्र निकालते हुए कहा। "लेकिन शायद आप इसे पढ़ना चाहें।"

एलिजाबेथ ने बेसब्री से उसके हाथ से उसे छीन लिया। अब जेन भी आ गई।

उनके पिता ने कहा, "इसे ज़ोर से पढ़ो, क्योंकि मुझे खुद भी ठीक से नहीं पता कि यह किस बारे में है।"

ग्रेसचर्च स्ट्रीट, सोमवार, 2 अगस्त।

मेरे प्यारे भाई,

"अंततः मैं आपको अपनी भतीजी के बारे में कुछ समाचार भेज पा रहा हूँ, और मुझे आशा है कि यह आपको संतोषजनक लगेगा। शनिवार को आपके जाने के तुरंत बाद, मुझे सौभाग्यवश पता चल गया कि वे लंदन के

किस हिस्से में हैं। विवरण मैं आपसे मुलाकात तक गुप्त रखूँगा; इतना जानना ही काफी है कि उनका पता चल गया है। मैंने उन दोनों को देख लिया है—"

"तो फिर जैसा मैंने हमेशा चाहा था," जेन चिल्लाई; "उनकी शादी हो गई!"

एलिजाबेथ ने आगे पढ़ा:

मैंने उन दोनों को देखा है। उनकी शादी नहीं हुई है, और न ही मुझे उनकी शादी करने की कोई मंशा नज़र आई है; लेकिन अगर आप मेरी ओर से किए गए वादों को पूरा करने के लिए तैयार हैं, तो मुझे उम्मीद है कि जल्द ही उनकी शादी हो जाएगी। आपसे बस इतना ही अपेक्षित है कि आप अपनी बेटी को, समझौते के द्वारा, आपके और मेरी बहन की मृत्यु के बाद आपके बच्चों के बीच सुरक्षित रखे गए पाँच हज़ार पाउंड में से उसका बराबर हिस्सा सुनिश्चित करें; और इसके अलावा, अपने जीवनकाल में उसे प्रति वर्ष सौ पाउंड देने का वादा करें। ये ऐसी शर्तें हैं जिन्हें, सब कुछ देखते हुए, मैंने आपके लिए, जहाँ तक मुझे लगता है, बिना किसी संकोच के पूरा किया। मैं इसे एक्सप्रेस द्वारा भेज रहा हूँ, ताकि मुझे आपका जवाब मिलने में कोई देरी न हो। इन विवरणों से आप आसानी से समझ जाएँगे कि श्री विकहम की परिस्थितियाँ उतनी निराशाजनक नहीं हैं जितनी आमतौर पर मानी जाती हैं। इस मामले में दुनिया को धोखा दिया गया है; और मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि उनके सभी ऋण चुकाने के बाद भी, मेरी भतीजी के लिए कुछ अतिरिक्त धन बचेगा। उसके अपने भाग्य पर निर्भर करता है। यदि, जैसा कि मेरा अनुमान है, आप मुझे इस पूरे मामले में अपने नाम से कार्य करने के लिए पूर्ण अधिकार भेजते हैं, तो मैं तुरंत हैगरस्टन को उचित समझौता तैयार करने के निर्देश दूंगा। आपको दोबारा शहर आने की जरा भी जरूरत नहीं पड़ेगी; इसलिए लॉन्गबोर्न में शांति से रहें और मेरी तत्परता और देखभाल पर भरोसा रखें। कृपया जितनी जल्दी हो सके अपना उत्तर भेजें और स्पष्ट रूप से लिखें। हमने यह उचित समझा है कि मेरी भतीजी का विवाह इसी घर से हो, और मुझे आशा है कि आप इससे सहमत होंगे। वह आज हमारे पास आ रही है। जैसे ही कोई और निर्णय लिया जाएगा, मैं आपको फिर से लिखूंगा। आपका, इत्यादि।

"एडव. गार्डिनर."

"क्या यह संभव है?" एलिजाबेथ ने अपनी बात खत्म करते हुए कहा। "क्या यह संभव है कि वह उससे शादी करेगा?"

"तो फिर विकहम उतना भी अयोग्य नहीं है जितना हमने सोचा था," उसकी बहन ने कहा। "मेरे प्यारे पिताजी, मैं आपको बधाई देती हूँ।"

"और क्या तुमने पत्र का जवाब दिया?" एलिजाबेथ चिल्लाई।

"नहीं; लेकिन इसे जल्द ही करना होगा।"

फिर उसने अत्यंत गंभीरता से उससे विनती की कि वह पत्र लिखने में और समय बर्बाद न करे।

"ओह! मेरे प्यारे पिताजी," वह रोते हुए बोली, "वापस आइए और तुरंत लिखिए। सोचिए कि ऐसे मामले में हर पल कितना महत्वपूर्ण होता है।"

"अगर आपको खुद लिखने में परेशानी होती है, तो मैं आपके लिए लिख देती हूँ," जेन ने कहा।
उन्होंने जवाब दिया, "मुझे यह बिल्कुल पसंद नहीं है, लेकिन यह करना ही होगा।"
और ऐसा कहकर वह उनके साथ वापस मुड़ा और घर की ओर चल पड़ा।
"और क्या मैं पूछ सकती हूँ—" एलिजाबेथ ने कहा; "लेकिन मुझे लगता है कि शर्तों का पालन करना ही होगा।"
"अनुपालन किया गया! मुझे केवल इस बात पर शर्म आती है कि उसने इतनी कम मांग की।"
और उन्हें शादी करनी ही होगी! फिर भी वह कैसा आदमी है!
"हाँ, हाँ, उन्हें शादी करनी ही होगी। इसके अलावा कोई चारा नहीं है। लेकिन दो बातें हैं जो मैं जानना चाहता हूँ; एक तो यह कि तुम्हारे चाचा ने इसके लिए कितना पैसा खर्च किया है; और दूसरी यह कि मैं उन्हें यह पैसा कैसे चुकाऊँगा।"
"पैसा! मेरे चाचा!" जेन चिल्लाई, "आपका क्या मतलब है, महोदय?"
"मेरा मतलब है, कोई भी समझदार व्यक्ति मेरे जीवनकाल में सौ डॉलर प्रति वर्ष और मेरे मरने के बाद पचास डॉलर जैसे मामूली प्रलोभन पर लिडिया से शादी नहीं करेगा।"
“यह बिल्कुल सच है,” एलिजाबेथ ने कहा; “हालांकि मुझे पहले यह ख्याल नहीं आया था। उनके सारे कर्ज चुकाने के बाद भी कुछ बकाया रह गया! ओह! यह तो मेरे चाचा जी का ही काम होगा! उदार और भले आदमी, मुझे लगता है उन्होंने खुद को काफी परेशान कर लिया है। इतनी छोटी रकम से यह सब नहीं हो सकता।”
"नहीं," उसके पिता ने कहा; "अगर विकहम उसे दस हजार पाउंड से एक पैसा कम में अपना लेता है, तो वह मूर्ख है। मुझे अपने रिश्ते की शुरुआत में ही उसके बारे में इतना बुरा सोचने पर खेद होगा।"
"दस हजार पाउंड! भगवान न करे! इतनी बड़ी रकम का आधा हिस्सा कैसे चुकाया जाएगा?"
श्री बेनेट ने कोई उत्तर नहीं दिया, और वे सभी गहरी सोच में डूबी हुई घर पहुँचने तक चुप रहीं। फिर उनके पिता लिखने के लिए पुस्तकालय चले गए, और लड़कियाँ नाश्ते के कमरे में चली गईं।
“और सच में उनकी शादी होने वाली है!” एलिजाबेथ ने अकेले होते ही खुशी से चिल्लाकर कहा। “यह कितना अजीब है! और इसके लिए हमें शुक्रगुजार होना चाहिए। उनकी शादी हो रही है, भले ही उनकी खुशी की संभावना कम हो और उसका चरित्र कितना भी बुरा हो, हमें खुशी मनाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। ओह, लिडिया!”
जेन ने जवाब दिया, "मैं यह सोचकर खुद को तसल्ली देती हूँ कि अगर उसे लिडिया से सच्चा लगाव न होता तो वह उससे शादी ज़रूर नहीं करता। हालाँकि हमारे दयालु चाचा ने उसे बेगुनाह साबित करने के लिए कुछ किया है, लेकिन मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि दस हज़ार पाउंड या उसके आस-पास की कोई रकम दी गई होगी। उसके अपने बच्चे हैं और शायद और भी हों। वह आधा दस हज़ार पाउंड कैसे दे सकता है?"

“अगर उन्हें कभी पता चल जाए कि विकहम पर कितना कर्ज़ है और हमारी बहन के लिए उनकी तरफ से कितना बकाया है, तो हमें ठीक-ठीक पता चल जाएगा कि मिस्टर गार्डिनर ने उनके लिए क्या किया है, क्योंकि विकहम के पास खुद का एक पैसा भी नहीं है। मेरे चाचा और चाची की दयालुता का बदला कभी नहीं चुकाया जा सकता। उनका उसे घर लाना, उसे अपनी सुरक्षा और सहारा देना, उसके भले के लिए इतना बड़ा बलिदान है कि सालों की कृतज्ञता भी उसे पूरी तरह से बयां नहीं कर सकती। अब तो वह सचमुच उनके साथ है! अगर इस दयालुता से वह अब दुखी नहीं होती, तो वह कभी खुश रहने के लायक नहीं होगी! जब वह पहली बार मेरी चाची से मिलेगी, तो उसके लिए यह कितना अद्भुत अनुभव होगा!”

जेन ने कहा, "हमें दोनों पक्षों की सारी बातें भुलाने की कोशिश करनी चाहिए। मुझे उम्मीद है कि वे खुश रहेंगे। उसका उससे शादी करने के लिए राजी होना इस बात का सबूत है कि उसने सही राह पकड़ ली है। उनका आपसी स्नेह उन्हें सहारा देगा; और मुझे पूरा भरोसा है कि वे इतनी शांति से बस जाएंगे और इतने समझदारी से जीवन व्यतीत करेंगे कि समय के साथ उनकी पिछली नादानी भुला दी जाएगी।"

"उनका आचरण ऐसा रहा है," एलिजाबेथ ने उत्तर दिया, "जिसे न तो आप, न मैं, और न ही कोई कभी भूल सकता है। इसके बारे में बात करना व्यर्थ है।"

अब लड़कियों को यह एहसास हुआ कि उनकी माँ को शायद इस घटना की बिल्कुल भी जानकारी नहीं थी। इसलिए वे पुस्तकालय गईं और अपने पिता से पूछा कि क्या वे नहीं चाहेंगे कि वे उन्हें इस बारे में बता दें। वे लिख रहे थे और बिना सिर उठाए, शांत भाव से उत्तर दिया:

"जैसा आप चाहें।"

"क्या हम मेरे चाचा का पत्र उसे पढ़कर सुनाने के लिए ले जा सकते हैं?"

"जो कुछ भी तुम्हें पसंद हो, ले लो और चले जाओ।"

एलिज़ाबेथ ने उनकी लेखन-मेज से पत्र उठाया और वे दोनों साथ में ऊपर चली गईं। मैरी और किट्टी दोनों श्रीमती बेनेट के साथ थीं: इसलिए एक ही संदेश सभी के लिए पर्याप्त था। खुशखबरी की थोड़ी तैयारी के बाद, पत्र ज़ोर से पढ़ा गया। श्रीमती बेनेट अपनी खुशी को मुश्किल से रोक पाईं। जैसे ही जेन ने श्री गार्डिनर की लिडिया की शीघ्र शादी की आशा पढ़ी, उनकी खुशी फूट पड़ी और हर अगली पंक्ति ने उनकी उमंग को और बढ़ा दिया। अब वह खुशी से इतनी उत्तेजित थीं, जितनी वह चिंता और झुंझलाहट से कभी नहीं होती थीं। अपनी बेटी की शादी होने की खबर ही उनके लिए काफी थी। उन्हें अपनी बेटी की खुशी के लिए कोई डर नहीं था, न ही उनके किसी दुराचार की याद से उन्हें कोई शर्मिंदगी महसूस हुई।

“मेरी प्यारी लिडिया!” वो चिल्लाई। “ये तो वाकई बहुत खुशी की बात है! उसकी शादी होने वाली है! मैं उसे फिर देख पाऊँगी! सोलह साल की उम्र में उसकी शादी होगी! मेरे प्यारे भाई! मुझे पता था कि क्या होगा। मुझे पता था कि वो सब संभाल लेंगे! मैं उसे देखने के लिए कितनी तरस रही हूँ! और प्यारे विकहम को भी देखने के लिए! लेकिन कपड़े, शादी के कपड़े! मैं अपनी बहन गार्डिनर को इसके बारे में तुरंत लिखूँगी। लिज़ी, मेरी प्यारी, अपने पिताजी के पास जाओ और उनसे पूछो कि वो उसे कितना देंगे। रुको, रुको, मैं खुद जाती हूँ।

किटी, हिल के लिए घंटी बजा देना। मैं अभी कपड़े पहन लेती हूँ। मेरी प्यारी लिडिया! जब हम मिलेंगे तो हम कितने खुश होंगे!"

उनकी सबसे बड़ी बेटी ने इन तीव्र भावनाओं से कुछ राहत दिलाने का प्रयास किया, और इसके लिए उसने उनके विचारों को उन दायित्वों की ओर मोड़ा, जिनके तहत श्री गार्डिनर के व्यवहार ने उन सभी को लाद दिया था।

उन्होंने आगे कहा, "इस सुखद परिणाम का श्रेय काफी हद तक उनकी दयालुता को जाता है। हमें पूरा विश्वास है कि उन्होंने श्री विकहम को आर्थिक सहायता देने का वादा किया है।"

"वाह," उसकी माँ ने खुशी से कहा, "सब ठीक है; भला ये सब कौन करेगा, उसके अपने चाचा के अलावा? अगर उनका अपना परिवार न होता, तो मुझे और मेरे बच्चों को उनकी सारी दौलत मिल जाती, तुम्हें पता है; और कुछ तोहफ़ों के अलावा, ये पहली बार है जब हमें उनसे कुछ मिला है। वाह! मैं कितनी खुश हूँ! कुछ ही समय में मेरी बेटी की शादी हो जाएगी। श्रीमती विकहम! ये कितना अच्छा लगता है! और वो तो पिछले जून में ही सोलह साल की हुई थी। मेरी प्यारी जेन, मैं इतनी घबराई हुई हूँ कि मुझे यकीन है मैं लिख नहीं पा रही; इसलिए मैं बोलकर लिखवा रही हूँ, और तुम मेरे लिए लिखो। हम तुम्हारे पिता से पैसों के बारे में बाद में बात कर लेंगे; लेकिन अभी सामान का इंतज़ाम कर लेना चाहिए।"

वह कैलिको, मलमल और कैम्ब्रिक के सभी विवरणों पर चर्चा कर रही थी और कुछ ही देर में कई सारे आदेश लिखवा देती, अगर जेन ने बड़ी मुश्किल से उसे अपने पिता से सलाह लेने के लिए फुर्सत मिलने तक रुकने के लिए राजी न किया होता। जेन ने कहा कि एक दिन की देरी से कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा; और उसकी माँ हमेशा की तरह इतनी जिद्दी नहीं थी, बल्कि खुश थी। उसके मन में और भी कई विचार आ रहे थे।

"मैं तैयार होते ही मेरिटन जाऊंगी और अपनी बहन फिलिप्स को यह खुशखबरी सुनाऊंगी। और वापस आते ही लेडी लुकास और मिसेज लॉन्ग से मिलूंगी। किट्टी, नीचे जाकर गाड़ी मंगवा लो। मुझे यकीन है कि थोड़ी देर हवा लगने से बहुत आराम मिलेगा। लड़कियों, क्या मैं मेरिटन में आपके लिए कुछ कर सकती हूँ? अरे! हिल आ रहा है! मेरे प्यारे हिल, क्या तुमने खुशखबरी सुनी? मिस लिडिया की शादी होने वाली है; और तुम सब उसकी शादी में खूब जश्न मनाओगे।"

श्रीमती हिल ने तुरंत अपनी खुशी जाहिर करना शुरू कर दिया। एलिजाबेथ ने बाकी लोगों के साथ उनकी बधाई स्वीकार की, और फिर इस मूर्खता से तंग आकर अपने कमरे में चली गई ताकि वह निश्चिंत होकर सोच सके।

बेचारी लिडिया की हालत कम से कम बहुत खराब ही होगी; लेकिन इससे बदतर न होने पर उसे शुक्रगुजार होना चाहिए था। वह ऐसा महसूस करती थी; और यद्यपि भविष्य में उसकी बहन के लिए न तो तार्किक सुख और न ही सांसारिक समृद्धि की उम्मीद की जा सकती थी, फिर भी दो घंटे पहले जिस बात का उन्हें डर था, उसे याद करके उसे उन सभी लाभों का एहसास हुआ जो उन्होंने हासिल किए थे।

अध्याय 8

श्री बेनेट ने अपने जीवन के इस दौर से पहले कई बार चाहा था कि अपनी पूरी आमदनी खर्च करने के बजाय, अपने बच्चों और अपनी पत्नी (यदि वह उनके बाद जीवित रहती) के बेहतर भरण-पोषण के लिए एक वार्षिक राशि बचाकर रखें। अब उनकी यह इच्छा पहले से कहीं अधिक प्रबल थी। यदि उन्होंने इस मामले में अपना कर्तव्य निभाया होता, तो लिडिया को अपने चाचा का ऋणी न होना पड़ता, चाहे वह सम्मान या प्रतिष्ठा आज उसके लिए ही क्यों न खरीदी जा रही हो। ग्रेट ब्रिटेन के सबसे निकम्मे नौजवानों में से एक को अपना पति बनाने की संतुष्टि तब अपने उचित स्थान पर होती।

उन्हें इस बात की गंभीर चिंता थी कि किसी के लिए भी इतने कम लाभ वाले कार्य का खर्चा पूरी तरह से उनके बहनोई के कंधों पर उठाया जाए, और उन्होंने ठान लिया था कि यदि संभव हो तो वे उनकी सहायता की सीमा का पता लगाएंगे और जितनी जल्दी हो सके उस दायित्व को पूरा करेंगे।

जब श्री बेनेट ने पहली बार शादी की थी, तब बचत को पूरी तरह से बेकार माना जाता था, क्योंकि ज़ाहिर है, उन्हें एक बेटा होना ही था। बेटा बालिग होते ही उत्तराधिकार में हिस्सेदारी करेगा, जिससे विधवा और छोटे बच्चों का भरण-पोषण हो जाएगा। पाँच बेटियाँ एक के बाद एक जन्म लेती रहीं, लेकिन बेटा अभी आना बाकी था; और श्रीमती बेनेट, लिडिया के जन्म के कई वर्षों बाद से, इस बात को लेकर आश्वस्त थीं कि बेटा होगा। अंततः इस बात की उम्मीद छोड़ दी गई थी, लेकिन तब तक बचत करने में बहुत देर हो चुकी थी। श्रीमती बेनेट में बचत करने की प्रवृत्ति नहीं थी, और उनके पति की स्वतंत्रता की चाहत ने ही उन्हें अपनी आय से अधिक खर्च करने से रोका था।

विवाह के अनुबंध के अनुसार श्रीमती बेनेट और बच्चों के लिए पाँच हज़ार पाउंड तय किए गए थे। लेकिन इसे बच्चों में किस अनुपात में बाँटा जाए, यह माता-पिता की इच्छा पर निर्भर था। कम से कम लिडिया के संबंध में, यह एक ऐसा मुद्दा था जिसका अब निपटारा होना था, और श्री बेनेट को अपने सामने रखे प्रस्ताव को स्वीकार करने में कोई संकोच नहीं था। अपने भाई की दयालुता के लिए कृतज्ञता व्यक्त करते हुए, उन्होंने संक्षेप में ही सही, किए गए सभी कार्यों के प्रति अपनी पूर्ण स्वीकृति और अपने लिए किए गए वादों को पूरा करने की अपनी तत्परता लिखित रूप में दी। उन्होंने पहले कभी नहीं सोचा था कि अगर विकहम उनकी बेटी से शादी करने के लिए राजी हो जाता है, तो उन्हें मौजूदा व्यवस्था की तुलना में इतनी कम असुविधा होगी। उन्हें सालाना सौ पाउंड में से मुश्किल से दस पाउंड का ही नुकसान होगा; क्योंकि लिडिया के भोजन, जेब खर्च और उसकी माँ के हाथों से मिलने वाले निरंतर उपहारों को देखते हुए, उस राशि के मुकाबले उसका खर्च बहुत कम था।

यह जानकर उसे बहुत खुशी हुई कि यह काम उसकी तरफ से बहुत कम मेहनत से हो गया; क्योंकि फिलहाल उसकी इच्छा यही थी कि काम में उसे कम से कम परेशानी हो। जब उसके गुस्से का पहला आवेश

शांत हुआ, जिसके कारण वह उसे ढूंढने के लिए सक्रिय हुआ था, तो वह स्वाभाविक रूप से अपनी पुरानी सुस्ती में लौट आया। उसका पत्र जल्दी ही भेज दिया गया; क्योंकि काम शुरू करने में वह भले ही धीमा था, लेकिन उसे पूरा करने में वह बहुत तेज था। उसने अपने भाई के प्रति अपने ऋण के बारे में और अधिक जानकारी मांगी, लेकिन लिडिया से इतना नाराज था कि उसे कोई संदेश नहीं भेज सका।

यह खुशखबरी घर में तेज़ी से फैल गई, और पड़ोस में भी उतनी ही तेज़ी से। पड़ोस में इसे शालीनता से लिया गया। बेशक, अगर मिस लिडिया बेनेट शहर में आ जातीं तो बातचीत के लिहाज़ से ज़्यादा फ़ायदेमंद होता; या, सबसे सुखद विकल्प के तौर पर, किसी दूरदराज के फार्महाउस में दुनिया से अलग-थलग रहतीं। लेकिन उनसे शादी करने के बारे में बहुत कुछ कहा जा सकता था; और मेरिटन की सभी द्वेषपूर्ण बूढ़ी महिलाओं द्वारा उनके भले के लिए पहले से व्यक्त की गई शुभकामनाएँ इस बदले हालात में ज़रा भी कम नहीं हुईं, क्योंकि ऐसे पति के साथ उनका दुख निश्चित माना जा रहा था।

श्रीमती बेनेट को नीचे आए दो सप्ताह हो गए थे; लेकिन इस खुशी के दिन वे फिर से अपनी मेज के मुखिया के स्थान पर बैठीं और बेहद प्रसन्न थीं। शर्मिंदगी की कोई भावना उनकी जीत को फीका नहीं कर सकी। सोलह वर्ष की जेन के बाद से ही उनकी सबसे बड़ी इच्छा रही बेटी की शादी अब पूरी होने वाली थी, और उनके विचार और शब्द पूरी तरह से भव्य विवाह समारोह, उत्तम मलमल के वस्त्र, नई गाड़ियों और नौकरों पर केंद्रित थे। वे अपनी बेटी के लिए आस-पड़ोस में उपयुक्त घर की तलाश में व्यस्त थीं, और उनकी आय का अंदाजा लगाए बिना ही उन्होंने आकार और महत्व में कमी के कारण कई घरों को अस्वीकार कर दिया।

"हे पार्क ठीक रहेगा," उसने कहा, "अगर गोल्डिंग परिवार उसे छोड़ दे तो—या स्टोक का बड़ा घर, अगर ड्राइंग रूम बड़ा हो; लेकिन ऐशवर्थ बहुत दूर है! मैं उसे अपने से दस मील दूर नहीं रख सकती; और पल्विस लॉज की बात करें तो, उसकी अटारी बहुत भयानक है।"

नौकरों के रहते हुए उनके पति ने उन्हें बिना किसी रुकावट के बोलने दिया। लेकिन जब नौकर चले गए, तो उन्होंने उनसे कहा: "श्रीमती बेनेट, अपने बेटे और बेटी के लिए इनमें से कोई भी या सभी घर लेने से पहले, आइए हम एक स्पष्ट समझौता कर लें। इस मोहल्ले के किसी भी घर में उन्हें कभी प्रवेश नहीं मिलेगा। मैं लॉन्गबोर्न में उनका स्वागत करके उनकी धृष्टता को बढ़ावा नहीं दूंगा।"

इस घोषणा के बाद लंबा विवाद चला; लेकिन श्री बेनेट अपने रुख पर अडिग रहे। जल्द ही यह विवाद एक और विवाद में बदल गया; और श्रीमती बेनेट को आश्चर्य और भय के साथ पता चला कि उनके पति अपनी बेटी के लिए कपड़े खरीदने के लिए एक गिनी भी नहीं देंगे। उन्होंने विरोध किया कि इस अवसर पर उन्हें अपनी बेटी से किसी भी प्रकार का स्नेह नहीं मिलना चाहिए। श्रीमती बेनेट को यह बात समझ में नहीं आई। उनका क्रोध इस हद तक बढ़ सकता है कि वे अपनी बेटी को एक ऐसा विशेषाधिकार देने से इनकार कर दें जिसके बिना उसका विवाह शायद ही वैध माना जाएगा, यह उनकी समझ से परे था। उन्हें इस बात का कहीं अधिक भय था कि नए कपड़ों की कमी उनकी बेटी के विवाह पर कितना कलंक लगाएगी, बजाय इसके कि उनकी बेटी शादी से दो सप्ताह पहले विकम के साथ भाग गई थी और उसके साथ रह रही थी।

एलिजाबेथ को अब इस बात का बेहद अफसोस था कि उस क्षणिक व्याकुलता में आकर उसने मिस्टर डार्सी को अपनी बहन के बारे में अपनी आशंकाओं से अवगत करा दिया था; क्योंकि चूंकि उसकी शादी जल्द ही उस भागकर शादी करने के सिलसिले को उचित अंत दे देगी, इसलिए वे उस अप्रिय शुरुआत को उन सभी लोगों से छिपाने की उम्मीद कर सकते थे जो तुरंत मौके पर मौजूद नहीं थे।

उसे इस बात का ज़रा भी डर नहीं था कि उसके ज़रिए यह बात और फैल जाएगी। ऐसे बहुत कम लोग थे जिनकी गोपनीयता पर वह इतना भरोसा कर सकती थी; लेकिन साथ ही, ऐसा कोई नहीं था जिसके बारे में अपनी बहन की कमज़ोरी का पता चलने पर उसे इतना दुख होता—हालाँकि, ऐसा उसे व्यक्तिगत रूप से होने वाले किसी नुकसान के डर से नहीं था, क्योंकि कम से कम उनके बीच एक ऐसी खाई थी जिसे पाटना असंभव लग रहा था। अगर लिडिया की शादी पूरी ईमानदारी से हुई होती, तो यह मानना असंभव था कि मिस्टर डार्सी ऐसे परिवार से जुड़ते जहाँ हर आपत्ति के साथ-साथ अब एक ऐसे व्यक्ति के साथ घनिष्ठ संबंध और गठबंधन भी जुड़ जाता जिसे वह उचित ही तिरस्कार करते थे।

ऐसे रिश्ते को देखते हुए, उसे आश्चर्य नहीं हुआ कि वह पीछे हट गया। डर्बीशायर में उसने जिस स्नेह का आश्वासन दिया था, उसे पाने की उसकी इच्छा, इस तरह के आघात के बाद तर्कसंगत रूप से टिक नहीं सकती थी। वह अपमानित हुई, दुखी हुई; उसे पछतावा हुआ, हालांकि उसे खुद भी नहीं पता था कि किस बात का। जब उसे अब उससे कोई लाभ मिलने की उम्मीद नहीं थी, तो वह उसके सम्मान से ईर्ष्या करने लगी। जब उससे कोई खबर मिलने की थोड़ी सी भी संभावना नहीं थी, तब भी वह उसके बारे में सुनना चाहती थी। जब उनके मिलने की कोई संभावना नहीं बची, तब भी उसे यकीन था कि वह उसके साथ खुश रह सकती थी।

वह अक्सर सोचती थी कि यह उसके लिए कितनी बड़ी जीत होगी, अगर उसे पता होता कि जिन प्रस्तावों को उसने चार महीने पहले गर्व से ठुकरा दिया था, उन्हें अब वह अत्यंत प्रसन्नता और कृतज्ञता के साथ स्वीकार कर लेता! उसे इसमें कोई संदेह नहीं था कि वह अपनी जाति के सबसे उदार पुरुषों के समान ही उदार था; लेकिन जब तक वह नश्वर था, तब तक यह जीत तो निश्चित थी।

अब उसे समझ आने लगा था कि स्वभाव और प्रतिभा दोनों में वही एक ऐसा व्यक्ति था जो उसके लिए सबसे उपयुक्त था। उसकी समझदारी और स्वभाव, भले ही उससे भिन्न थे, उसकी सभी इच्छाओं को पूरा करते। यह एक ऐसा मिलन था जो दोनों के लिए लाभकारी होता; उसकी सहजता और जीवंतता से उसका मन शांत हो जाता, उसके व्यवहार में सुधार आता; और उसके विवेक, ज्ञान और दुनियादारी की समझ से उसे कहीं अधिक लाभ प्राप्त होता।

लेकिन अब ऐसा सुखमय विवाह भी उन प्रशंसकों को वैवाहिक सुख का वास्तविक अर्थ नहीं सिखा सकता था। उनके परिवार में जल्द ही एक ऐसा संबंध बनने वाला था जो बिल्कुल अलग था और दूसरे की संभावना को पूरी तरह से नकारता था।

विकहम और लिडिया को एक सहनीय स्वतंत्रता में कैसे रखा जाएगा, यह वह कल्पना भी नहीं कर सकती थी। लेकिन वह आसानी से अनुमान लगा सकती थी कि स्थायी सुख उस जोड़े को कितना कम मिल सकता है जो केवल इसलिए एक साथ आए हैं क्योंकि उनकी भावनाएं उनके सद्गुणों से अधिक प्रबल थीं।

श्री गार्डिनर ने जल्द ही अपने भाई को पुनः पत्र लिखा। श्री बेनेट के आभार के जवाब में उन्होंने संक्षेप में उत्तर दिया और अपने परिवार के किसी भी सदस्य के कल्याण को बढ़ावा देने की अपनी तत्परता का आश्वासन दिया; और अंत में निवेदन किया कि इस विषय पर उनसे फिर कभी चर्चा न की जाए। उनके पत्र का मुख्य उद्देश्य उन्हें यह सूचित करना था कि श्री विकहम ने मिलिशिया छोड़ने का निर्णय ले लिया है।
उन्होंने आगे कहा, "मेरी दिली इच्छा थी कि जैसे ही उनकी शादी तय हो जाए, वे ऐसा करें। और मुझे लगता है कि आप मुझसे सहमत होंगे कि उस कोर से उनका अलग होना उनके और मेरी भतीजी दोनों के हित में अत्यंत उचित है। श्री विकहम नियमित सेना में भर्ती होना चाहते हैं; और उनके पुराने दोस्तों में अभी भी कुछ ऐसे लोग हैं जो सेना में उनकी सहायता करने में सक्षम और इच्छुक हैं। उन्हें जनरल —— की रेजिमेंट में एक एनसाइन पद का वादा मिला है, जो इस समय उत्तर में तैनात है। राज्य के इस हिस्से से इतनी दूर होने का यह एक लाभ है। उनका वादा सच्चा है; और मुझे आशा है कि अलग-अलग लोगों के बीच, जहाँ दोनों को अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखनी होगी, वे दोनों अधिक विवेकशील होंगे। मैंने कर्नल फोर्स्टर को पत्र लिखकर हमारी वर्तमान व्यवस्थाओं के बारे में सूचित किया है और उनसे अनुरोध किया है कि वे ब्राइटन और उसके आसपास के श्री विकहम के विभिन्न लेनदारों को शीघ्र भुगतान का आश्वासन देकर संतुष्ट करें, जिसके लिए मैंने स्वयं वचनबद्धता दी है। और क्या आप मेरिटन में उनके लेनदारों को भी इसी तरह का आश्वासन देने का कष्ट करेंगे?" मैं उनकी जानकारी के अनुसार एक सूची संलग्न करूँ? उन्होंने अपने सभी ऋण चुका दिए हैं; मुझे उम्मीद है कि कम से कम उन्होंने हमें धोखा नहीं दिया है। हैगरस्टन को हमारे निर्देश मिल गए हैं, और सब कुछ एक सप्ताह में पूरा हो जाएगा। वे फिर उनकी रेजिमेंट में शामिल हो जाएँगे, जब तक कि उन्हें पहले लॉन्गबोर्न में आमंत्रित न किया जाए; और मुझे श्रीमती गार्डिनर से पता चला है कि मेरी भतीजी दक्षिण छोड़ने से पहले आप सभी से मिलने की बहुत इच्छुक है। वह ठीक है, और आपसे और आपकी माँ से उसे सादर प्रणाम करने का अनुरोध करती है।—आपका, आदि।
"ई. पर्दे."
श्री बेनेट और उनकी बेटियों को विकहम के उस क्षेत्र से चले जाने के सभी फायदे उतने ही स्पष्ट रूप से दिखाई दिए जितने श्री गार्डिनर को। लेकिन श्रीमती बेनेट इससे इतनी खुश नहीं थीं। लिडिया का उत्तर में बस जाना, ठीक उस समय जब उन्हें उसके साथ सबसे अधिक खुशी और गर्व की उम्मीद थी, क्योंकि उन्होंने हर्टफोर्डशायर में रहने की अपनी योजना को बिल्कुल नहीं छोड़ा था, उनके लिए एक बड़ी निराशा थी; और इसके अलावा, यह बहुत दुख की बात थी कि लिडिया को उस रेजिमेंट से अलग किया जा रहा था जहाँ वह सभी से परिचित थी और उसके कई चहेते थे।

"वह श्रीमती फोर्स्टर को बहुत पसंद करती हैं," उसने कहा, "उन्हें भेजना बहुत बुरा लगेगा! और कई नौजवान भी हैं जिन्हें वह बहुत पसंद करती हैं। जनरल —— की रेजिमेंट में अधिकारी शायद इतने अच्छे न हों।" उनकी बेटी ने उत्तर जाने से पहले अपने परिवार में फिर से शामिल होने का अनुरोध किया, जिसे पहले तो पूरी तरह से अस्वीकार कर दिया गया। लेकिन जेन और एलिजाबेथ, जो अपनी बहन की भावनाओं और प्रतिष्ठा को ध्यान में रखते हुए चाहती थीं कि उसके माता-पिता उसकी शादी पर ध्यान दें, ने उनसे इतनी गंभीरता से, फिर भी इतने तर्कसंगत और इतने विनम्र ढंग से आग्रह किया कि वे शादी के तुरंत बाद उन्हें और उनके पति को लॉन्गबोर्न में स्वीकार कर लें, कि वे उनकी बात मानने और उनकी इच्छा के अनुसार कार्य करने के लिए राजी हो गए। और उनकी माँ को यह जानकर संतोष हुआ कि उत्तर भेजे जाने से पहले वे अपनी विवाहित बेटी को आस-पड़ोस में दिखा सकेंगी। इसलिए जब मिस्टर बेनेट ने अपने भाई को फिर से पत्र लिखा, तो उन्होंने उनके आने की अनुमति भेज दी; और यह तय हो गया कि समारोह समाप्त होते ही वे लॉन्गबोर्न के लिए रवाना हो जाएँगे। हालाँकि, एलिजाबेथ को आश्चर्य हुआ कि विकहम इस योजना के लिए कैसे सहमत हो गए, और यदि उन्होंने केवल अपनी इच्छा का ध्यान रखा होता, तो उनसे मिलना उनकी अंतिम इच्छा होती।

अध्याय 9

उनकी बहन की शादी का दिन आ गया; और जेन और एलिजाबेथ को शायद उससे भी ज़्यादा अपनी बहन के लिए दुख हो रहा था। उन्हें लेने के लिए गाड़ी भेजी गई थी और उन्हें रात के खाने तक उसी में वापस लौटना था। उनके आने से बड़ी मिस बेनेट को डर लग रहा था, और जेन को तो और भी ज़्यादा। जेन ने लिडिया को वही भावनाएँ दिखाईं जो उसे खुद होतीं अगर वो दोषी होती, और अपनी बहन के कष्टों के बारे में सोचकर वह बहुत दुखी थी।

वे आ गए। परिवार के सभी सदस्य नाश्ते के कमरे में उनका स्वागत करने के लिए एकत्रित थे। जैसे ही गाड़ी दरवाजे पर आकर रुकी, श्रीमती बेनेट के चेहरे पर मुस्कान खिल उठी; उनके पति का चेहरा एकदम गंभीर था; उनकी बेटियाँ घबराई हुई, चिंतित और बेचैन थीं।

लिडिया की आवाज प्रवेश कक्ष में सुनाई दी; दरवाजा खुल गया और वह दौड़कर कमरे में आ गई। उसकी माँ आगे बढ़ी, उसे गले लगाया और हर्षोल्लास से उसका स्वागत किया; फिर स्नेह भरी मुस्कान के साथ विकम को उसका हाथ दिया, जो अपनी पत्नी के पीछे-पीछे आ रहा था; और उन दोनों को बड़ी खुशी से बधाई दी, जिससे उनकी प्रसन्नता का स्पष्ट अंदाजा लग रहा था।

फिर उन्होंने श्री बेनेट की ओर रुख किया, जिनसे उनका स्वागत कुछ खास सौहार्दपूर्ण नहीं था। उनके चेहरे पर गंभीरता आ गई और उन्होंने मुश्किल से ही कुछ बोला। दरअसल, युवा जोड़े का सहज आत्मविश्वास ही उन्हें उत्तेजित करने के लिए काफी था। एलिजाबेथ को घृणा हुई और मिस बेनेट भी स्तब्ध रह गईं। लिडिया अब भी लिडिया ही थी; बेबाक, निर्भीक, चंचल, शोर मचाने वाली और निडर। वह एक-एक बहन के पास जाकर बधाई मांगती रही; और जब अंत में वे सब बैठ गईं, तो उन्होंने उत्सुकता से कमरे का चारों ओर देखा, उसमें कुछ छोटे-मोटे बदलाव देखे और हंसते हुए कहा कि वह बहुत समय से यहाँ नहीं आई थी।

विकहम उससे ज़्यादा परेशान नहीं था, लेकिन उसका व्यवहार हमेशा इतना अच्छा था कि अगर उसका चरित्र और उसका वैवाहिक जीवन ठीक होता, तो रिश्ते का दावा करते समय उसकी मुस्कान और सहज बातचीत उन सभी को प्रसन्न कर देती। एलिज़ाबेथ ने पहले कभी नहीं सोचा था कि वह इतना आत्मविश्वास दिखा पाएगा; लेकिन वह बैठ गई और मन ही मन ठान लिया कि भविष्य में वह ऐसे धृष्ट पुरुष की धृष्टता पर कोई सीमा नहीं लगाएगी। वह और जेन दोनों शरमा गईं; लेकिन जिन दो लोगों ने उन्हें उलझन में डाला था, उनके गालों के रंग में कोई बदलाव नहीं आया।

बातचीत की कोई कमी नहीं थी। दुल्हन और उसकी माँ दोनों ही बहुत तेज़ी से बोल रही थीं; और विकम, जो संयोगवश एलिज़ाबेथ के पास ही बैठा था, पड़ोस में अपने परिचितों के बारे में पूछने लगा। उसकी सहजता और हास्यबोध की बराबरी एलिज़ाबेथ अपने जवाबों में नहीं कर पा रही थी। ऐसा लग रहा था मानो दोनों के

पास दुनिया की सबसे सुखद यादें हों। अतीत की कोई भी बात उन्हें दुख नहीं देती थी; और लिडिया स्वेच्छा से उन विषयों पर बात करने लगी जिन पर उसकी बहनें कभी बात भी नहीं करतीं।

“ज़रा सोचो, मुझे गए हुए तीन महीने ही हुए हैं; लगता है जैसे बस दो हफ्ते ही बीते हों; और इस बीच में बहुत कुछ घटित हो चुका है। हे भगवान! जब मैं गई थी, तो मुझे यकीन है कि वापस आने तक मेरी शादी होने का कोई ख्याल भी नहीं था! हालाँकि मुझे लगता था कि अगर मेरी शादी हो जाती तो कितना मज़ा आता।”

उसके पिता ने अपनी आँखें ऊपर उठाईं। जेन परेशान थी। एलिज़ाबेथ ने लिडिया की ओर भावपूर्ण ढंग से देखा; लेकिन लिडिया, जो कभी भी किसी ऐसी बात को अनसुना नहीं करती थी जिसे वह सुनना या देखना नहीं चाहती थी, खुशी से बोली, "ओह! माँ, क्या यहाँ आस-पास के लोगों को पता है कि आज मेरी शादी हो गई है? मुझे डर था कि शायद उन्हें पता न हो; और हम विलियम गोल्डिंग को उनकी गाड़ी में मिले, इसलिए मैंने ठान लिया कि उन्हें पता चलना चाहिए, और इसलिए मैंने उनके बगल वाला शीशा नीचे कर दिया, अपना दस्ताना उतार दिया, और अपना हाथ खिड़की के फ्रेम पर इस तरह रख दिया कि वह अंगूठी देख सकें, और फिर मैंने झुककर खूब मुस्कुराया।"

एलिज़ाबेथ अब और बर्दाश्त नहीं कर सकी। वह उठी और कमरे से बाहर भाग गई; और तब तक वापस नहीं लौटी जब तक उसने उन्हें भोजन कक्ष की ओर जाते हुए नहीं सुना। फिर वह जल्दी ही उनके पास पहुँच गई और उसने देखा कि लिडिया घबराई हुई अदा से अपनी माँ के दाहिनी ओर गई और अपनी बड़ी बहन से कह रही थी, "आह! जेन, अब मैं तुम्हारी जगह ले रही हूँ, और तुम्हें नीचे जाना होगा, क्योंकि मैं शादीशुदा हूँ।"

यह सोचना असंभव था कि समय लिडिया को उस शर्मिंदगी का सामना करवाएगा जिससे वह पहले पूरी तरह मुक्त थी। उसका उत्साह और खुशी बढ़ती गई। वह श्रीमती फिलिप्स, लुकास परिवार और उनके सभी पड़ोसियों से मिलने और उनके द्वारा "श्रीमती विकहम" कहकर पुकारे जाने की तीव्र इच्छा रखती थी; और इसी बीच, वह भोजन के बाद श्रीमती हिल और दोनों नौकरानियों को अपनी अंगूठी दिखाने और अपनी शादी का दावा करने के लिए गई।

"अच्छा, माँ," उसने नाश्ते के कमरे में लौटकर कहा, "और मेरे पति के बारे में आपका क्या ख्याल है? क्या वो आकर्षक आदमी नहीं हैं? मुझे यकीन है कि मेरी सभी बहनें मुझसे ईर्ष्या करती होंगी। काश उन्हें मेरी आधी किस्मत भी मिल जाए। उन्हें ब्राइटन जाना चाहिए। वहाँ तो पति मिलने की सबसे अच्छी जगह है। कितना अफ़सोस है, माँ, कि हम सब वहाँ नहीं गए।"

"बिल्कुल सही; और अगर मेरी मर्ज़ी चलती तो हम ऐसा करते। लेकिन मेरी प्यारी लिडिया, मुझे तुम्हारा इतनी दूर जाना बिल्कुल पसंद नहीं है। क्या ऐसा होना ज़रूरी है?"

"अरे वाह! हाँ; इसमें कोई बुराई नहीं है। मुझे तो यह बहुत पसंद आएगा। आप, पापा और मेरी बहनें, आप सब ज़रूर हमसे मिलने आएँ। हम पूरी सर्दी न्यूकैसल में रहेंगे, और मुझे पूरा यकीन है कि वहाँ कुछ पार्टीज़ होंगी, और मैं उन सबके लिए अच्छे साथी ढूंढने का पूरा ध्यान रखूँगी।"

"मुझे यह बहुत पसंद आएगा!" उसकी माँ ने कहा।

और फिर जब तुम चले जाओगे, तो शायद मेरी एक-दो बहनों को पीछे छोड़ जाओगे; और मुझे पूरा यकीन है कि सर्दी खत्म होने से पहले मैं उनके लिए पति ढूंढ लूंगी।
"इस एहसान के लिए मैं आपका धन्यवाद करती हूं," एलिजाबेथ ने कहा; "लेकिन मुझे पति पाने का आपका तरीका खास पसंद नहीं है।"
उनके आगंतुकों को उनके साथ दस दिनों से अधिक नहीं रुकना था। श्री विकहम को लंदन छोड़ने से पहले ही अपना कमीशन मिल चुका था, और उन्हें दो सप्ताह के अंत में अपनी रेजिमेंट में शामिल होना था।
श्रीमती बेनेट के अलावा किसी को भी इस बात का अफसोस नहीं था कि उनका प्रवास इतना कम समय का होगा; और उन्होंने अपनी बेटी के साथ समय बिताकर और घर पर बार-बार पार्टियां आयोजित करके इस समय का भरपूर लाभ उठाया। ये पार्टियां सभी को पसंद आईं; परिवार के दायरे से दूर रहना उन लोगों के लिए कहीं अधिक वांछनीय था जो समझदार थे, बजाय उनके जो समझदार नहीं थे।
लिडिया के प्रति विकहम का स्नेह ठीक वैसा ही था जैसा एलिज़ाबेथ ने अनुमान लगाया था; लिडिया का उसके प्रति स्नेह उसके बराबर नहीं था। उसे यह समझने के लिए शायद ही किसी और चीज़ की आवश्यकता थी कि उनका भाग जाना लिडिया के प्रेम की प्रबलता के कारण हुआ था, न कि विकहम के प्रेम के कारण; और अगर उसे यह पक्का न होता कि उसका भागना मजबूरी में हुआ था, तो वह यह सोचकर हैरान होती कि बिना उससे ज़बरदस्त प्रेम किए भी उसने उसके साथ भागने का फैसला क्यों किया; और अगर ऐसा था, तो वह ऐसा युवक नहीं था जो साथी पाने के अवसर को ठुकरा दे।
लिडिया उससे बेहद प्यार करती थी। वह हर मौके पर उसे अपना प्रिय विकहम ही कहती थी; कोई भी उसके साथ प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकता था। वह दुनिया का हर काम बेहतरीन तरीके से करता था; और उसे पूरा यकीन था कि वह 1 सितंबर को पूरे देश में किसी और से ज़्यादा पक्षियों का शिकार करेगा।
एक सुबह, उनके आने के कुछ ही समय बाद, जब वह अपनी दो बड़ी बहनों के साथ बैठी थी, तो उसने एलिजाबेथ से कहा:
"लिज़ी, मुझे लगता है मैंने तुम्हें अपनी शादी के बारे में कभी नहीं बताया। जब मैंने मम्मी और बाकी सबको सब कुछ बताया था, तब तुम वहाँ नहीं थी। क्या तुम यह जानने के लिए उत्सुक नहीं हो कि सब कुछ कैसे हुआ?"
"नहीं, बिल्कुल नहीं," एलिजाबेथ ने जवाब दिया; "मुझे लगता है कि इस विषय पर जितना कम कहा जाए उतना अच्छा है।"
"ला! तुम तो बिल्कुल अजीब हो! लेकिन मुझे तुम्हें बताना ही होगा कि सब कैसे हुआ। हमारी शादी सेंट क्लेमेंट चर्च में हुई, क्योंकि विकहम का घर उसी इलाके में था। और यह तय हुआ था कि हम सब ग्यारह बजे तक वहाँ पहुँच जाएँगे। मेरे चाचा, चाची और मैं साथ जाने वाले थे; और बाकी लोग चर्च में हमसे मिलने वाले थे। खैर, सोमवार की सुबह आई, और मैं बहुत परेशान थी! मुझे बहुत डर लग रहा था, कि कहीं कुछ ऐसा न हो जाए जिससे शादी टल जाए, और फिर मैं बिल्कुल पागल हो जाऊँगी। और मेरी चाची, जब मैं कपड़े पहन

रही थी, तब उपदेश दे रही थीं और बातें कर रही थीं जैसे कोई प्रवचन पढ़ रही हों। हालाँकि, मैंने दस में से एक शब्द भी नहीं सुना, क्योंकि मैं, जैसा कि तुम समझ सकते हो, अपने प्यारे विकहम के बारे में सोच रही थी। मैं यह जानने के लिए बेताब थी कि क्या वह अपनी नीली कोट में शादी करेगा।"

खैर, हमेशा की तरह हमने दस बजे नाश्ता किया; मुझे लगा कि यह कभी खत्म नहीं होगा; क्योंकि, आपको यह समझना होगा कि जब तक मैं उनके साथ थी, मेरे चाचा और चाची बेहद अप्रिय थे। अगर आप यकीन मानिए, तो मैं दो हफ्ते तक वहाँ रही, लेकिन एक बार भी घर से बाहर कदम नहीं रखा। न कोई पार्टी, न कोई कार्यक्रम, न कुछ और। सच कहूँ तो लंदन थोड़ा सुनसान था, लेकिन फिर भी लिटिल थिएटर खुला था। खैर, जैसे ही गाड़ी दरवाजे पर पहुँची, मेरे चाचा को उस भयानक आदमी मिस्टर स्टोन के यहाँ काम से बुलाया गया। और फिर, आप जानते हैं, एक बार जब वे मिल जाते हैं, तो फिर बात खत्म नहीं होती। खैर, मैं इतनी डर गई थी कि मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्या करूँ, क्योंकि मेरे चाचा को मुझे विदा करना था; और अगर हम तय समय से आगे निकल जाते, तो हमारी शादी पूरे दिन नहीं हो पाती। लेकिन, सौभाग्य से, वह दस मिनट में वापस आ गए, और फिर हम सब निकल पड़े। हालाँकि, मुझे बाद में याद आया कि अगर उन्हें जाने से रोक दिया जाता, तो शादी को टालने की ज़रूरत नहीं थी, क्योंकि मिस्टर डार्सी वह भी शायद उतना ही अच्छा प्रदर्शन कर सकता था।"

"मिस्टर डार्सी!" एलिजाबेथ ने अत्यंत आश्चर्य से दोहराया।

"अरे हाँ! वो तो विकहम के साथ आने वाला था, तुम्हें पता है। लेकिन हे भगवान! मैं तो बिलकुल भूल ही गई! मुझे इसके बारे में एक शब्द भी नहीं कहना चाहिए था। मैंने उनसे कितना पक्का वादा किया था! विकहम क्या कहेगा? ये तो बिलकुल गुप्त रखना था!"

"अगर इसे गुप्त रखना है," जेन ने कहा, "तो इस विषय पर एक शब्द भी मत कहना। आप इस बात पर भरोसा रख सकते हैं कि मैं आगे कोई पूछताछ नहीं करूंगी।"

"ओह! बिल्कुल," एलिजाबेथ ने जिज्ञासा से भरी हुई आवाज़ में कहा; "हम आपसे कोई सवाल नहीं पूछेंगे।"

"धन्यवाद," लिडिया ने कहा, "क्योंकि अगर आप ऐसा करते, तो मैं निश्चित रूप से आप सबको बता देती, और फिर विकहम नाराज हो जाता।"

इस तरह के प्रोत्साहन के कारण, एलिजाबेथ को मजबूर होकर भाग जाना पड़ा और उसने सवाल पूछने से खुद को रोक लिया।

लेकिन इस विषय पर अनभिज्ञ रहना असंभव था; या कम से कम जानकारी जुटाने का प्रयास न करना असंभव था। श्री डार्सी उनकी बहन की शादी में गए थे। यह ठीक वैसा ही दृश्य था, और ठीक वैसी ही भीड़-भाड़ वाली जगह थी, जहाँ जाहिर तौर पर उनका सबसे कम काम था, और जाने का सबसे कम प्रलोभन था। इसके अर्थ को लेकर उनके मन में तेजी से कई अटकलें उठने लगीं; लेकिन वह किसी से भी संतुष्ट नहीं थीं। जो अटकलें उन्हें सबसे अच्छी लगीं, क्योंकि वे उनके आचरण को सबसे उत्तम रूप में प्रस्तुत करती थीं, वे भी अत्यंत असंभव प्रतीत हुईं। वह इस तरह के असमंजस को सहन नहीं कर सकीं; और जल्दी से एक कागज

का टुकड़ा उठाकर अपनी चाची को एक छोटा सा पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने लिडिया द्वारा गिराई गई चीज का स्पष्टीकरण मांगा, यदि वह उस गोपनीयता के अनुरूप थी जो निर्धारित की गई थी।

उन्होंने आगे कहा, "आप आसानी से समझ सकते हैं कि मुझे यह जानने की कितनी उत्सुकता होगी कि हममें से किसी से भी कोई संबंध न रखने वाला और (तुलनात्मक रूप से) हमारे परिवार के लिए अजनबी जैसा व्यक्ति ऐसे समय में आपके बीच कैसे हो सकता है। कृपया तुरंत लिखें और मुझे बताएं—जब तक कि इसके पीछे कोई बहुत ही ठोस कारण न हो, जैसा कि लिडिया को लगता है कि गोपनीयता बनाए रखना आवश्यक है; और अगर ऐसा है तो मुझे अनभिज्ञता से ही संतुष्ट रहना होगा।"

"ऐसा तो नहीं है कि मैं ऐसा करूंगी," उसने पत्र समाप्त करते हुए मन ही मन कहा; "और मेरी प्यारी चाची, अगर आप मुझे सम्मानजनक तरीके से नहीं बताएंगी, तो मैं निश्चित रूप से इसे जानने के लिए छल-कपट और हथकंडे अपनाने पर मजबूर हो जाऊंगी।"

जेन की सम्मान की कोमल भावना ने उसे लिडिया द्वारा कही गई बातों के बारे में एलिजाबेथ से अकेले में बात करने की अनुमति नहीं दी; एलिजाबेथ को इस बात की खुशी थी; जब तक यह स्पष्ट नहीं हो जाता कि उसकी पूछताछ से कोई संतोषजनक जवाब मिलेगा या नहीं, तब तक वह बिना किसी विश्वासपात्र के रहना बेहतर समझती थी।

अध्याय 10

एलिज़ाबेथ को अपने पत्र का उत्तर यथाशीघ्र प्राप्त होने की संतुष्टि मिली। पत्र मिलते ही वह तुरंत उस छोटे से जंगल में चली गई जहाँ उसे कोई परेशान न करे, और वहाँ की एक बेंच पर बैठ गई और खुश होने की तैयारी करने लगी; क्योंकि पत्र की लंबाई ने उसे आश्वस्त कर दिया था कि उसमें इनकार नहीं था।

ग्रेसचर्च स्ट्रीट, 6 सितंबर।

मेरी प्यारी भतीजी,

"मुझे अभी-अभी आपका पत्र मिला है, और मैं आज सुबह का पूरा समय इसका उत्तर देने में लगाऊँगा, क्योंकि मुझे लगता है कि थोड़े से लेखन में वह सब कुछ नहीं समा पाएगा जो मुझे आपको बताना है। मुझे स्वीकार करना होगा कि मैं आपके अनुरोध से आश्चर्यचकित हूँ; मुझे आपसे इसकी उम्मीद नहीं थी। लेकिन मुझे नाराज़ मत समझिएगा, क्योंकि मैं केवल आपको यह बताना चाहता हूँ कि मुझे आपकी ओर से ऐसी पूछताछ की आवश्यकता नहीं समझी थी। यदि आप मेरी बात नहीं समझना चाहते, तो मेरी गुस्ताखी के लिए क्षमा करें। आपके चाचा भी मेरी ही तरह आश्चर्यचकित हैं—और केवल इस विश्वास के कारण ही कि आप भी इसमें शामिल हैं, उन्होंने ऐसा किया है। लेकिन यदि आप वास्तव में निर्दोष और अनभिज्ञ हैं, तो मुझे और स्पष्ट रूप से बताना होगा।"

"लॉन्गबोर्न से मेरे घर लौटने के ठीक उसी दिन, आपके चाचा के यहाँ एक बहुत ही अप्रत्याशित मेहमान आया। मिस्टर डार्सी आए थे और उनके साथ कई घंटे बंद कमरे में रहे। मेरे पहुँचने से पहले ही सब कुछ खत्म हो चुका था; इसलिए मेरी जिज्ञासा उतनी तीव्र नहीं थी जितनी आपकी रही होगी। वह मिस्टर गार्डिनर को यह बताने आए थे कि उन्हें पता चल गया है कि आपकी बहन और मिस्टर विकहम कहाँ हैं, और उन्होंने उन दोनों को देखा और उनसे बात की; विकहम से कई बार, और लिडिया से एक बार। जहाँ तक मुझे पता चला है, वह हमारे एक दिन बाद ही डर्बीशायर से निकले थे और उन्हें ढूंढने के इरादे से शहर आए थे। उन्होंने जो कारण बताया वह यह था कि उन्हें खुद पर विश्वास था कि विकहम की निकम्मीपन इतनी मशहूर नहीं हुई थी कि किसी भी चरित्रवान युवती के लिए उससे प्यार करना या उस पर भरोसा करना असंभव हो जाए। उन्होंने उदारतापूर्वक इसका सारा दोष अपने गलत अहंकार पर डाला और स्वीकार किया कि उन्होंने पहले अपने निजी कार्यों को दुनिया के सामने उजागर करना अपने लिए उचित नहीं समझा था। उनका चरित्र स्वयं ही सब कुछ बयां करता था। इसलिए उन्होंने आगे बढ़कर कदम उठाना अपना कर्तव्य बताया, और वह उस बुराई को दूर करने का प्रयास कर रहा था जो उसने स्वयं उत्पन्न की थी। यदि उसका कोई और उद्देश्य होता, तो मुझे यकीन है कि इससे उसे कभी शर्मिंदगी नहीं होती। शहर में आने के कुछ दिनों बाद ही वह उन्हें ढूंढ पाया था; लेकिन उसके पास अपनी खोज को निर्देशित करने के लिए कुछ ऐसा था जो हमारे पास नहीं था; और इस बात का एहसास ही उसके हमारे पीछे आने के संकल्प का एक और कारण था।

ऐसा लगता है कि एक महिला हैं, श्रीमती यंग, जो कुछ समय पहले मिस डार्सी की गवर्नेंस थीं, और किसी असहमति के कारण उन्हें पद से हटा दिया गया था, हालांकि उन्होंने इसका कारण नहीं बताया। फिर उन्होंने एडवर्ड स्ट्रीट में एक बड़ा घर लिया और तब से किराए पर मकान देकर अपना गुजारा कर रही हैं। वह जानते थे कि यह श्रीमती यंग, विकहम से अच्छी तरह परिचित थीं; और शहर पहुंचते ही वह उनके पास विकहम के बारे में जानकारी लेने गए। लेकिन उन्हें अपनी मनचाही जानकारी प्राप्त करने में दो-तीन दिन लग गए। मुझे लगता है कि वह रिश्वत और भ्रष्टाचार के बिना अपना विश्वास नहीं तोड़ेंगी, क्योंकि वह वास्तव में जानती थीं कि उनका दोस्त कहां मिलेगा। विकहम वास्तव में लंदन पहुंचने पर सबसे पहले उनके पास ही गया था, और अगर वह उन्हें अपने घर में ठहरा पातीं, तो वे वहीं रहने लगते। आखिरकार, हमारे दयालु मित्र को मनचाहा पता मिल गया। वे —— स्ट्रीट में थे। उन्होंने विकहम को देखा और बाद में लिडिया से मिलने पर जोर दिया। उन्होंने स्वीकार किया कि लिडिया से मिलने का उनका पहला उद्देश्य था... लिडिया को उसकी वर्तमान अपमानजनक स्थिति छोड़ने और अपने दोस्तों के पास जल्द से जल्द लौटने के लिए मनाने की कोशिश की, और अपनी तरफ से हर संभव सहायता की पेशकश की। लेकिन उसने पाया कि लिडिया वहीं रहने के लिए पूरी तरह दृढ़ थी। उसे अपने किसी दोस्त की परवाह नहीं थी; उसे उसकी कोई मदद नहीं चाहिए थी; वह विकहम को छोड़ने के बारे में सोच भी नहीं सकती थी। उसे पूरा यकीन था कि उनकी शादी कभी न कभी जरूर होगी, और इससे कोई फर्क नहीं पड़ता था कि कब होगी। उसकी ऐसी भावनाओं को देखते हुए, उसने सोचा कि अब बस शादी करवाना और उसे जल्द से जल्द करवाना ही बाकी है, जो कि विकहम के साथ अपनी पहली ही बातचीत में उसे आसानी से पता चल गया था कि विकहम का कभी इरादा ही नहीं था। उसने स्वीकार किया कि कुछ बहुत जरूरी जिम्मेदारियों के कारण उसे रेजिमेंट छोड़नी पड़ी; और लिडिया के भागने के सभी बुरे परिणामों का दोष केवल उसकी अपनी मूर्खता पर डालने में उसे कोई संकोच नहीं था। वह तुरंत अपना पद त्यागने वाला था; और अपने भविष्य के बारे में वह बहुत कम अनुमान लगा सकता था। उसे कहीं तो जाना ही था, लेकिन वह नहीं जानता था कि कहाँ, और वह यह भी जानता था कि उसके पास गुजारा करने के लिए कुछ नहीं होगा। पर।

श्री डार्सी ने उनसे पूछा कि उन्होंने आपकी बहन से तुरंत शादी क्यों नहीं कर ली। हालाँकि श्री बेनेट को बहुत धनी नहीं माना जाता था, फिर भी वे उनके लिए कुछ कर सकते थे, और शादी से उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार अवश्य होता। लेकिन इस प्रश्न के उत्तर में उन्हें पता चला कि विकहम अभी भी किसी दूसरे देश में शादी करके अपनी किस्मत को और अधिक प्रभावी ढंग से संवारने की उम्मीद पाले हुए था। ऐसी परिस्थितियों में, उनके लिए तत्काल लाभ के प्रलोभन से बचना मुश्किल था।

"वे कई बार मिले, क्योंकि बहुत कुछ चर्चा करनी थी। विकहम बेशक अपनी अपेक्षा से अधिक चाहता था; लेकिन अंततः उसे तर्कसंगत होना पड़ा।"

उनके बीच सब कुछ सुलझ जाने के बाद, मिस्टर डार्सी का अगला कदम आपके चाचा को इसकी सूचना देना था, और मेरे घर आने से एक शाम पहले वे सबसे पहले ग्रेसचर्च स्ट्रीट गए। लेकिन मिस्टर गार्डिनर वहाँ नहीं

मिले, और आगे पूछताछ करने पर मिस्टर डार्सी को पता चला कि आपके पिता अभी भी उनके साथ हैं, लेकिन अगली सुबह शहर छोड़ देंगे। उन्होंने आपके पिता को आपके चाचा की तरह सलाह लेने के लिए उपयुक्त व्यक्ति नहीं समझा, और इसलिए उन्होंने आपके पिता के जाने के बाद उनसे मिलने का समय टाल दिया। उन्होंने अपना नाम नहीं बताया, और अगले दिन तक केवल इतना ही पता था कि एक सज्जन व्यक्ति काम के सिलसिले में उनसे मिलने आए थे।

"शनिवार को वह फिर आया। तुम्हारे पिता बाहर गए हुए थे, तुम्हारे चाचा घर पर थे, और जैसा कि मैंने पहले कहा था, उन्होंने आपस में काफी बातचीत की।"

"वे रविवार को फिर मिले, और तब मैंने भी उसे देखा। सोमवार से पहले सब कुछ तय नहीं हुआ था: जैसे ही सब कुछ तय हुआ, संदेशवाहक को लॉन्गबोर्न के लिए रवाना कर दिया गया। लेकिन हमारा मेहमान बहुत जिद्दी था। मुझे लगता है, लिज़ी, कि आखिरकार उसकी असली खामी जिद्दीपन ही है। उस पर समय-समय पर कई दोषों का आरोप लगाया गया है, लेकिन यही असली दोष है। ऐसा कोई काम नहीं था जो वह खुद न करे; हालाँकि मुझे यकीन है (और मैं यह धन्यवाद पाने के लिए नहीं कह रही हूँ, इसलिए इस बारे में कुछ नहीं कहूँगी), तुम्हारे चाचा बड़ी आसानी से सारा मामला सुलझा देते।"

"उन्होंने लंबे समय तक इस मामले में एक साथ संघर्ष किया, जो कि इसमें शामिल सज्जन या महिला दोनों के लिए अनुचित था। लेकिन अंततः आपके चाचा को हार माननी पड़ी, और अपनी भतीजी के काम आने के बजाय, उन्हें केवल संभावित श्रेय से ही संतोष करना पड़ा, जो उन्हें बिल्कुल पसंद नहीं आया; और मुझे सच में लगता है कि आज सुबह आपके पत्र ने उन्हें बहुत प्रसन्न किया होगा, क्योंकि इससे उन्हें एक ऐसा स्पष्टीकरण देना पड़ा जिससे उनका खोया हुआ गौरव छिन जाए और जिसका हक हो उसे प्रशंसा मिले। लेकिन, लिज़ी, यह बात आप तक या ज़्यादा से ज़्यादा जेन तक ही सीमित रहनी चाहिए।"

"मुझे लगता है कि आप अच्छी तरह जानती हैं कि युवाओं के लिए क्या किया गया है। उनके कर्ज चुकाए जाने हैं, जो मेरे विचार से एक हजार पाउंड से कहीं अधिक हैं, उनके अपने कर्ज के अलावा एक हजार पाउंड और दिए जाने हैं, और उनका कमीशन भी खरीदा जाना है। यह सब काम अकेले उन्हीं के द्वारा किए जाने का कारण वही है जो मैंने ऊपर बताया है। उन्हीं के संकोच और उचित विचारहीनता के कारण विकहम के चरित्र को गलत समझा गया था, और परिणामस्वरूप उन्हें उसी रूप में स्वीकार किया गया और उन पर ध्यान दिया गया। शायद इसमें कुछ सच्चाई थी; हालाँकि मुझे संदेह है कि उनका संकोच, या किसी का भी संकोच, इस घटना के लिए जिम्मेदार हो सकता है। लेकिन इन सभी मीठी बातों के बावजूद, मेरी प्यारी लिज़ी, आप पूरी तरह आश्वस्त रह सकती हैं कि अगर हमने इस मामले में उनके किसी अन्य हित को ध्यान में न रखा होता, तो आपके चाचा कभी नहीं मानते।"

"जब इन सब बातों पर फैसला हो गया, तो वह अपने दोस्तों के पास लौट आया, जो अभी भी पेम्बर्ली में ठहरे हुए थे; लेकिन यह तय किया गया कि शादी के समय वह एक बार फिर लंदन में मौजूद रहेगा, और उस समय सभी वित्तीय मामलों को अंतिम रूप दिया जाएगा।"

मुझे लगता है मैंने अब आपको सब कुछ बता दिया है। यह एक ऐसी बात है जिसे सुनकर आपको बहुत आश्चर्य होगा; मुझे उम्मीद है कि कम से कम इससे आपको कोई असुविधा नहीं होगी। लिडिया हमारे पास आई थी; और विकहम को घर में लगातार आने-जाने की अनुमति थी। वह बिल्कुल वैसा ही था जैसा वह हर्टफोर्डशायर में मेरे जानने के समय था; लेकिन मैं आपको यह नहीं बताती कि जब वह हमारे साथ रही तो मैं उसके व्यवहार से कितनी असंतुष्ट थी, अगर मुझे पिछले बुधवार को जेन के पत्र से यह पता न चलता कि घर लौटने पर उसका व्यवहार बिल्कुल वैसा ही था जैसा पहले था, और इसलिए अब जो मैं आपको बता रही हूँ उससे आपको कोई नया दुख नहीं होगा। मैंने उससे बार-बार बहुत गंभीरता से बात की, उसे उसके द्वारा किए गए सभी बुरे कामों और उसके परिवार पर लाए गए सभी दुर्भाग्य के बारे में बताया। अगर उसने मेरी बात सुनी भी तो यह उसकी किस्मत थी, क्योंकि मुझे यकीन है कि उसने ध्यान नहीं दिया। मैं कभी-कभी बहुत क्रोधित हो जाती थी, लेकिन तब मुझे अपनी प्यारी एलिजाबेथ और जेन याद आ जाती थीं, और उनके लिए मैं उसके साथ धैर्य रखती थी।

श्री डार्सी समय पर लौट आए, और जैसा कि लिडिया ने आपको बताया, वे शादी में शामिल हुए। उन्होंने अगले दिन हमारे साथ भोजन किया, और बुधवार या गुरुवार को फिर से शहर छोड़ने वाले थे। मेरी प्यारी लिज़ी, क्या तुम मुझसे बहुत नाराज़ हो जाओगी अगर मैं इस अवसर का लाभ उठाकर (जो कहने की हिम्मत मुझमें पहले कभी नहीं हुई) यह कहूँ कि मैं उन्हें कितना पसंद करती हूँ। उनका व्यवहार हमारे प्रति हर तरह से उतना ही सुखद रहा है जितना कि डर्बीशायर में रहते समय था। उनकी समझदारी और राय मुझे बहुत पसंद हैं; उनमें बस थोड़ी और चंचलता की कमी है, और अगर वे समझदारी से शादी करें, तो उनकी पत्नी उन्हें यह सिखा सकती है। मैंने उन्हें बहुत चालाक समझा था;—उन्होंने शायद ही कभी तुम्हारा नाम लिया हो। लेकिन चालाकी आजकल फैशन बन गई है।

"अगर मैंने कुछ ज़्यादा ही धृष्टता की हो तो मुझे क्षमा कर दीजिए, या कम से कम मुझे पार्क से बाहर निकालने की हद तक दंडित न कीजिए। जब तक मैं पूरे पार्क का चक्कर नहीं लगा लेता, तब तक मुझे पूरी तरह से खुशी नहीं मिलेगी। एक छोटी सी गाड़ी, जिसमें टट्टुओं की एक प्यारी सी जोड़ी हो, बिल्कुल सही रहेगी।"

"लेकिन मुझे अब और नहीं लिखना चाहिए। बच्चे पिछले आधे घंटे से मुझे बुला रहे हैं।"

आपका अत्यंत हार्दिक धन्यवाद,

"एम. गार्डिनर."

इस पत्र की सामग्री ने एलिज़ाबेथ के मन में उथल-पुथल मचा दी, जिसमें यह तय करना मुश्किल था कि सुख अधिक है या दुःख। मिस्टर डार्सी उसकी बहन की शादी को आगे बढ़ाने के लिए क्या कर रहे होंगे, इस बारे में अनिश्चितता से उत्पन्न अस्पष्ट और अस्थिर संदेह, जिसे वह अत्यधिक परोपकार समझकर बढ़ावा देने से डरती थी और साथ ही साथ एहसान के बोझ से दयनीय स्थिति में होने से भी भयभीत थी, पूरी तरह से सच साबित हुए! वह जानबूझकर उनका पीछा करते हुए शहर तक आया था, उसने इस खोज से जुड़ी हर परेशानी और कष्ट स्वयं पर ले लिया था; जिसमें उसे उस महिला से विनती करनी पड़ी थी जिससे वह घृणा करता था और

जिसे वह तुच्छ समझता था, और जहाँ उसे उस व्यक्ति से बार-बार मिलना, तर्क करना, मनाना और अंत में रिश्वत देना पड़ा, जिससे वह हमेशा सबसे ज्यादा बचना चाहता था, और जिसका नाम लेना भी उसके लिए एक सजा थी। उसने यह सब उस लड़की के लिए किया था जिसे वह न तो सम्मान देता था और न ही आदर करता था। उसके दिल में यह बात दबी हुई थी कि उसने यह सब उसके लिए किया था। लेकिन यह आशा जल्द ही अन्य बातों से टूट गई, और उसे जल्द ही एहसास हुआ कि उसका घमंड भी अपर्याप्त था, जब उसे उसके प्रति स्नेह पर निर्भर रहना पड़ा—एक ऐसी महिला के लिए जिसने उसे पहले ही ठुकरा दिया था—कि वह विकहम के साथ संबंध के प्रति घृणा जैसी स्वाभाविक भावना को दूर कर सके। विकहम का बहनोई! हर तरह का अभिमान इस रिश्ते से विद्रोह करेगा। उसने निश्चित रूप से बहुत कुछ किया था। वह यह सोचकर शर्मिंदा थी कि कितना। लेकिन उसने अपने हस्तक्षेप का एक कारण बताया था, जिस पर विश्वास करना कोई मुश्किल नहीं था। यह स्वाभाविक था कि उसे लगे कि वह गलत था; वह उदार था, और उसके पास इसका उपयोग करने के साधन भी थे; और यद्यपि वह खुद को उसका मुख्य प्रेरक नहीं मानती थी, फिर भी वह शायद यह मान सकती थी कि उसके प्रति पक्षपात बनाए रखने से उस मामले में उसके प्रयासों में मदद मिल सकती है जहाँ उसकी मानसिक शांति का गहरा संबंध है। यह जानना बहुत दर्दनाक था, बेहद दर्दनाक, कि वे एक ऐसे व्यक्ति के ऋणी थे जिसे कभी प्रतिफल नहीं मिल सकता था। लिडिया की बहाली, उसका चरित्र, सब कुछ, उसी के कारण संभव हुआ था। ओह! वह अपने द्वारा उकसाई गई हर अप्रिय भावना, उसके प्रति कही गई हर अभद्र बात पर कितना दुखी थी। वह स्वयं तो शर्मिंदा थी; लेकिन उसे उस पर गर्व था। गर्व इस बात का कि दया और सम्मान के एक नेक काम में उसने अपने ऊपर काबू पा लिया था। उसने अपनी चाची द्वारा उसकी प्रशंसा को बार-बार पढ़ा। यह पर्याप्त नहीं था; लेकिन इससे उसे प्रसन्नता हुई। उसे कुछ हद तक खुशी भी हुई, हालांकि अफसोस के साथ, यह जानकर कि वह और उसके चाचा दोनों इस बात पर कितने दृढ़ थे कि श्री डार्सी और उसके बीच स्नेह और विश्वास कायम है।

किसी के आने की आहट से वह अपनी सीट और अपने विचारों से जाग उठी; और इससे पहले कि वह किसी और रास्ते पर मुड़ पाती, विकहम ने उसे पकड़ लिया।

"मुझे खेद है कि मैं आपकी एकांत सैर में बाधा डाल रहा हूँ, मेरी प्यारी बहन?" उसने उसके पास आकर कहा।

"बिल्कुल," उसने मुस्कुराते हुए जवाब दिया; "लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि व्यवधान अवांछित ही होना चाहिए।"

"अगर ऐसा हुआ तो मुझे वाकई बहुत दुख होगा। हम हमेशा अच्छे दोस्त रहे हैं; और अब तो हम और भी अच्छे दोस्त हैं।"

"सच है। क्या बाकी लोग भी आ रहे हैं?"

"मुझे नहीं पता। श्रीमती बेनेट और लिडिया गाड़ी से मेरिटन जा रही हैं। और मेरी प्यारी बहन, मुझे हमारे चाचा और चाची से पता चला है कि तुमने वास्तव में पेम्बर्ली देख लिया है।"

उसने सकारात्मक उत्तर दिया।
"मुझे आपकी इस खुशी से लगभग ईर्ष्या हो रही है, फिर भी मुझे लगता है कि यह मेरे लिए बहुत ज्यादा होगा, वरना मैं इसे न्यूकैसल जाते समय ले सकता था। और आपने उस बूढ़ी हाउसकीपर को देखा होगा, है ना? बेचारी रेनॉल्ड्स, वह हमेशा मुझे बहुत पसंद करती थी। लेकिन ज़ाहिर है उसने आपका नाम नहीं लिया।"
"हां, उसने किया।"
और उसने क्या कहा?
"तुम्हारे सेना में भर्ती होने की बात और उसके मन में डर था कि कहीं इसका नतीजा अच्छा न निकले। इतनी दूरी से, तुम्हें पता है, बातें अजीब तरह से गलत तरीके से पेश की जाती हैं।"
"ज़रूर," उसने होंठ दबाते हुए जवाब दिया। एलिज़ाबेथ को उम्मीद थी कि उसने उसे चुप करा दिया है; लेकिन थोड़ी देर बाद ही उसने कहा:
"पिछले महीने डार्सी को शहर में देखकर मुझे आश्चर्य हुआ। हम कई बार एक-दूसरे के पास से गुजरे। मुझे आश्चर्य है कि वह वहां क्या कर रहा होगा।"
"शायद वह मिस डी बोर्ग से शादी की तैयारी कर रहे होंगे," एलिजाबेथ ने कहा। "इस समय उन्हें वहां ले जाने का कोई खास कारण जरूर होगा।"
"निस्संदेह। क्या आपने लैम्बटन में रहते हुए उसे देखा था? मुझे लगा कि गार्डिनर्स से मुझे यही पता चला था कि आपने उसे देखा था।"
"हां; उन्होंने हमें अपनी बहन से मिलवाया।"
"और क्या तुम उसे पसंद करते हो?"
"बहुत ज्यादा।"
मैंने सुना है कि पिछले एक-दो वर्षों में उसमें असाधारण सुधार आया है। जब मैंने उसे आखिरी बार देखा था, तब वह इतनी होनहार नहीं थी। मुझे बहुत खुशी है कि आपको वह पसंद आई। मुझे उम्मीद है कि वह सफल होगी।
मुझे पूरा यकीन है कि वह ऐसा कर पाएगी; वह सबसे कठिन दौर से गुजर चुकी है।
"क्या आप किम्पटन गांव से होकर गए थे?"
मुझे याद नहीं कि हमने ऐसा किया था।
मैं इसका जिक्र इसलिए कर रहा हूँ, क्योंकि यही वह पद है जो मुझे मिलना चाहिए था। कितना रमणीय स्थान! शानदार पादरी का घर! यह हर तरह से मेरे लिए उपयुक्त होता।
आपको उपदेश देना कैसा लगता?
"बेहद अच्छा। मुझे इसे अपना कर्तव्य समझना चाहिए था, और मेहनत तो कुछ भी नहीं लगती। किसी को पछतावा नहीं करना चाहिए; लेकिन, सच कहूँ तो, यह मेरे लिए बहुत ही सुखद होता! ऐसे जीवन की शांति

और एकांत मेरी सारी खुशियों को पूरा कर देता! लेकिन ऐसा होना मुमकिन नहीं था। क्या तुमने कभी डार्सी को केंट में रहते हुए इस घटना का ज़िक्र करते सुना था?"
"मुझे विश्वसनीय सूत्रों से पता चला है कि यह अधिकार आपको केवल सशर्त रूप से और वर्तमान संरक्षक की इच्छा पर सौंपा गया था।"
"हाँ, तुमने देखा है। हाँ, उसमें कुछ सच्चाई थी; मैंने तुम्हें शुरू से ही बताया था, तुम्हें याद होगा।"
"मैंने यह भी सुना है कि एक समय ऐसा भी था, जब उपदेश देना आपको उतना पसंद नहीं था जितना कि अभी लगता है; आपने वास्तव में कभी भी पदभार न संभालने का संकल्प लिया था, और तदनुसार व्यवसाय प्रभावित हुआ था।"
"आपने ऐसा किया था! और यह पूरी तरह निराधार नहीं था। आपको याद होगा कि जब हमने पहली बार इस बारे में बात की थी, तब मैंने आपको इस मुद्दे पर क्या बताया था।"
अब वे लगभग घर के दरवाजे पर पहुँच चुके थे, क्योंकि वह उससे पीछा छुड़ाने के लिए तेजी से चली थी; और अपनी बहन की खातिर उसे उकसाना नहीं चाहती थी, इसलिए उसने केवल एक हंसमुख मुस्कान के साथ जवाब दिया:
"आइए, श्रीमान विकहम, हम भाई-बहन हैं, आप जानते ही हैं। आइए अतीत को लेकर झगड़ा न करें। मुझे आशा है कि भविष्य में हम हमेशा एकमत रहेंगे।"
उसने अपना हाथ आगे बढ़ाया; उसने स्नेहपूर्ण विनम्रता के साथ उसे चूमा, हालांकि उसे यह भी नहीं पता था कि उसे कैसे देखना चाहिए, और वे घर में प्रवेश कर गए।

अध्याय 11

श्री विकहम इस बातचीत से इतने संतुष्ट थे कि उन्होंने फिर कभी इस विषय को उठाकर खुद को परेशान नहीं किया और न ही अपनी प्यारी बहन एलिजाबेथ को उकसाया; और एलिजाबेथ को यह जानकर खुशी हुई कि उन्होंने उन्हें चुप रखने के लिए काफी कुछ कह दिया था।

उनके और लिडिया के जाने का दिन जल्द ही आ गया, और श्रीमती बेनेट को अलगाव स्वीकार करने के लिए मजबूर होना पड़ा, जो कि, चूंकि उनके पति ने न्यूकैसल जाने की उनकी योजना में बिल्कुल भी सहमति नहीं दी थी, इसलिए कम से कम बारह महीने तक चलने की संभावना थी।

"ओह! मेरी प्यारी लिडिया," वह रोते हुए बोली, "हम फिर कब मिलेंगे?"

"हे भगवान! मुझे नहीं पता। शायद इन दो-तीन सालों में नहीं।"

"मुझे अक्सर पत्र लिखना, मेरे प्रिय।"

"जितनी बार हो सके। लेकिन आप जानते हैं कि विवाहित महिलाओं के पास लिखने के लिए ज्यादा समय नहीं होता। मेरी बहनें शायद मुझे लिखें। उनके पास करने के लिए और कुछ नहीं होगा।"

श्री विकहम की विदाई उनकी पत्नी की विदाई से कहीं अधिक स्नेहपूर्ण थी। वे मुस्कुराए, आकर्षक दिखे और उन्होंने कई प्यारी बातें कहीं।

घर से बाहर निकलते ही श्री बेनेट ने कहा, "वह अब तक का सबसे बेहतरीन इंसान है। वह मुस्कुराता है, व्यंग्य करता है और हम सभी से प्यार जताता है। मुझे उस पर बहुत गर्व है। मैं सर विलियम लुकास को भी चुनौती देता हूँ कि वे इससे बेहतर दामाद पैदा करके दिखाएँ।"

अपनी बेटी को खोने के गम से श्रीमती बेनेट कई दिनों तक बेहद उदास रहीं।

उन्होंने कहा, "मैं अक्सर सोचती हूं कि दोस्तों से बिछड़ने से बुरा कुछ नहीं होता। उनके बिना इंसान बहुत अकेला और उदास लगता है।"

"देखिए, महोदया, बेटी से शादी करने का यही परिणाम होता है," एलिजाबेथ ने कहा। "इससे आपको यह जानकर अधिक संतुष्टि मिलेगी कि आपकी बाकी चारों बेटियाँ अविवाहित हैं।"

"ऐसा कुछ नहीं है। लिडिया मुझे इसलिए नहीं छोड़ रही क्योंकि उसकी शादी हो गई है, बल्कि इसलिए कि उसके पति की रेजिमेंट बहुत दूर है। अगर वह पास होती, तो वह इतनी जल्दी नहीं जाती।"

लेकिन इस घटना से उत्पन्न निराशा की स्थिति जल्द ही दूर हो गई और उनके मन में आशा की एक नई लहर दौड़ गई। यह खबर तब फैली जब नेदरफील्ड की गृहणी को अपने मालिक के आगमन की तैयारी करने का आदेश मिला, जो एक-दो दिन में कई हफ्तों तक वहां शिकार करने के लिए आने वाले थे। श्रीमती बेनेट काफी बेचैन थीं। उन्होंने जेन की ओर देखा, मुस्कुराईं और कभी सिर हिलाया।

"वाह वाह, तो श्रीमान बिंगले आ रहे हैं, बहन," (क्योंकि श्रीमती फिलिप्स ने सबसे पहले उन्हें यह खबर दी थी)। "वाह, यह तो अच्छी बात है। वैसे मुझे इसकी कोई परवाह नहीं है। वह हमारे लिए कुछ भी नहीं हैं, और मुझे यकीन है कि मैं उन्हें फिर कभी नहीं देखना चाहती। लेकिन फिर भी, अगर उन्हें पसंद आए तो उनका नेदरफील्ड में स्वागत है। और कौन जाने क्या हो जाए? लेकिन इससे हमें कोई फर्क नहीं पड़ता। बहन, हमने बहुत पहले ही तय कर लिया था कि हम इस बारे में किसी से बात नहीं करेंगे। तो क्या यह पक्का है कि वह आ रहे हैं?"

“आप इस पर भरोसा कर सकते हैं,” दूसरे ने उत्तर दिया, “क्योंकि श्रीमती निकोल्स कल रात मेरिटन में थीं; मैंने उन्हें वहाँ से गुजरते देखा और खुद जाकर सच्चाई जानने की कोशिश की; और उन्होंने मुझे बताया कि यह बिल्कुल सच है। वह ज़्यादा से ज़्यादा गुरुवार को, और शायद बुधवार को ही आ जाएँगे। उन्होंने मुझे बताया कि वह बुधवार को कसाई की दुकान पर कुछ मांस मंगवाने जा रही थीं, और उनके पास बत्तखों के तीन जोड़े हैं जो काटने के लिए बिल्कुल तैयार हैं।”

मिस बेनेट को उसके आने की खबर सुनकर चेहरा लाल हो गया था। कई महीनों से उन्होंने एलिजाबेथ से उसका नाम नहीं लिया था; लेकिन अब, जैसे ही वे दोनों अकेले हुए, उन्होंने कहा:

"आज जब मेरी चाची ने हमें इस खबर के बारे में बताया, तो मैंने देखा कि तुम मुझे देख रही थी, लिज़ी; और मुझे पता है कि मैं परेशान लग रही थी। लेकिन यह मत सोचो कि यह कोई मामूली बात थी। मैं बस उस पल के लिए घबरा गई थी, क्योंकि मुझे लगा कि लोग मुझे देख रहे हैं। मैं तुम्हें यकीन दिलाती हूँ कि इस खबर से मुझे न तो खुशी हुई है और न ही दुख। मुझे बस एक बात की खुशी है कि वह अकेले आ रहे हैं; क्योंकि इससे हम उन्हें कम देखेंगे। ऐसा नहीं है कि मुझे खुद से डर लगता है, बल्कि मुझे दूसरों की टिप्पणियों से डर लगता है।"

एलिज़ाबेथ को समझ नहीं आ रहा था कि इसका क्या मतलब निकाले। अगर उसने उसे डर्बीशायर में न देखा होता, तो वह मान सकती थी कि वह वहाँ केवल उसी उद्देश्य से आया होगा जो स्वीकार किया गया था; लेकिन वह अब भी उसे जेन के प्रति पक्षपाती मानती थी, और वह इस बात को लेकर दुविधा में थी कि उसके अपने दोस्त की अनुमति से आने की संभावना अधिक है या बिना अनुमति के आने की हिम्मत करने की।

"फिर भी यह कठिन है," वह कभी-कभी सोचती थी, "कि यह बेचारा आदमी उस घर में नहीं आ सकता जिसे उसने कानूनी रूप से किराए पर लिया है, बिना इस सारी अटकलों को जन्म दिए! मैं उसे उसके हाल पर छोड़ दूंगी।"

अपनी बहन के कहे और उसके आगमन की प्रत्याशा में उसके मन में जो भावनाएँ थीं, उनके बावजूद एलिज़ाबेथ आसानी से समझ सकती थी कि उसकी मनोदशा इससे प्रभावित हो रही थी। उसकी मनोदशा पहले से कहीं अधिक विचलित और अस्थिर थी।

लगभग एक साल पहले उनके माता-पिता के बीच जिस विषय पर इतनी गर्मजोशी से चर्चा हुई थी, उसे अब फिर से उठाया गया।

"मेरी प्यारी, जैसे ही मिस्टर बिंगले आएंगे, तुम निश्चित रूप से उनकी सेवा करोगी," श्रीमती बेनेट ने कहा।
नहीं, नहीं। आपने पिछले साल मुझे उससे मिलने के लिए मजबूर किया था और वादा किया था कि अगर मैं उससे मिलने जाऊँगा तो वह मेरी बेटियों में से किसी एक से शादी कर लेगा। लेकिन कुछ नहीं हुआ, और मैं दोबारा इस तरह के बेकार काम पर नहीं भेजा जाऊँगा।
उनकी पत्नी ने उन्हें समझाया कि नेदरफील्ड लौटने पर आस-पड़ोस के सभी सज्जनों से इस तरह का ध्यान रखना कितना आवश्यक होगा।
“यह एक ऐसा शिष्टाचार है जिससे मुझे घृणा है,” उसने कहा। “अगर उसे हमारी संगति चाहिए, तो वह खुद ही ढूंढ ले। उसे पता है हम कहाँ रहते हैं। मैं अपने पड़ोसियों के हर बार जाने और वापस आने पर उनके पीछे भागने में अपना समय बर्बाद नहीं करूँगा।”
"खैर, मुझे बस इतना पता है कि अगर आप उनकी सेवा नहीं करेंगे तो यह बेहद असभ्य होगा। लेकिन फिर भी, मैं उन्हें यहाँ भोजन पर आमंत्रित करने से पीछे नहीं हटूँगी, मैंने ठान लिया है। हमें जल्द ही श्रीमती लॉन्ग और गोल्डिंग्स को बुलाना होगा। इससे हम तेरह लोग हो जाएँगे, इसलिए उनके लिए मेज पर पर्याप्त जगह होगी।"
इस संकल्प से उसे सांत्वना मिली और वह अपने पति के असभ्य व्यवहार को बेहतर ढंग से सहन करने लगी; हालाँकि यह जानकर उसे बहुत दुख हुआ कि उसके पड़ोसी शायद उससे पहले ही मिस्टर बिंगले को देख लेंगे। जैसे-जैसे उनके आने का दिन नजदीक आता गया:
जेन ने अपनी बहन से कहा, "मुझे तो उसके आने पर भी अफ़सोस होने लगा है। कुछ नहीं होता; मैं उसे पूरी तरह से अनदेखा कर सकती थी, लेकिन इस तरह लगातार उसके बारे में सुनना मेरे लिए असहनीय है। मेरी माँ का इरादा अच्छा है; पर उन्हें नहीं पता, और न ही किसी को पता चल सकता है, कि उनकी बातों से मुझे कितना दुख होता है। मैं बहुत खुश हो जाऊँगी, जब उसका नेदरफ़ील्ड में रहना खत्म हो जाएगा!"
"काश मैं तुम्हें दिलासा देने के लिए कुछ कह पाती," एलिजाबेथ ने उत्तर दिया; "पर यह मेरे बस में नहीं है। तुम्हें इसे महसूस करना होगा; और किसी पीड़ित को धैर्य का उपदेश देने की सामान्य संतुष्टि मुझे नहीं मिल सकती, क्योंकि तुममें हमेशा से बहुत धैर्य रहा है।"
श्री बिंगले आ गए। श्रीमती बेनेट ने नौकरों की मदद से इसकी सूचना सबसे पहले प्राप्त कर ली, ताकि उनकी चिंता और बेचैनी का दौर जितना लंबा हो सके उतना लंबा खिंच सके। उन्होंने निमंत्रण भेजने से पहले के दिनों को गिनना शुरू कर दिया; उन्हें उनसे मिलने की कोई उम्मीद नहीं थी। लेकिन हर्टफोर्डशायर पहुंचने के तीसरे दिन सुबह, उन्होंने अपने ड्रेसिंग रूम की खिड़की से उन्हें बाड़े में प्रवेश करते और घर की ओर घोड़े पर सवार होकर जाते देखा।
उनकी बेटियाँ भी उनकी खुशी में शामिल होने के लिए उत्सुकता से बुलाई गईं। जेन दृढ़ता से मेज पर अपनी जगह पर बैठी रही; लेकिन एलिजाबेथ, अपनी माँ को संतुष्ट करने के लिए, खिड़की के पास गई—उसने देखा —उसने मिस्टर डार्सी को उनके साथ देखा, और फिर अपनी बहन के पास बैठ गई।

"उनके साथ एक सज्जन व्यक्ति हैं, माँ," किट्टी ने कहा; "वह कौन हो सकते हैं?"
"शायद कोई परिचित होगा, मेरी प्रिय; मुझे यकीन है कि मैं नहीं जानती।"
"ला!" किटी ने जवाब दिया, "यह बिल्कुल उस आदमी जैसा दिखता है जो पहले उसके साथ रहता था। श्रीमान, उसका नाम क्या था? वह लंबा, घमंडी आदमी।"
"हे भगवान! मिस्टर डार्सी!—हाँ, मैं कसम खाती हूँ। वैसे तो मिस्टर बिंगले के किसी भी मित्र का यहाँ हमेशा स्वागत होगा; लेकिन इसके अलावा मुझे कहना पड़ेगा कि मुझे उन्हें देखना भी पसंद नहीं है।"
जेन ने एलिज़ाबेथ को हैरानी और चिंता से देखा। डर्बीशायर में हुई उनकी मुलाकात के बारे में उसे ज़्यादा कुछ पता नहीं था, इसलिए वह अपनी बहन की उस असहजता को समझ पा रही थी जो उसे डार्सी का स्पष्टीकरण पत्र मिलने के बाद लगभग पहली बार उससे मिलने पर महसूस हुई होगी। दोनों बहनें असहज थीं। दोनों एक-दूसरे के लिए और ज़ाहिर तौर पर अपने लिए भी चिंतित थीं; और उनकी माँ डार्सी के प्रति अपनी नापसंदगी और मिस्टर बिंगले के दोस्त होने के नाते ही उनसे विनम्र व्यवहार करने के अपने संकल्प के बारे में बोलती रहीं, लेकिन उनकी कोई भी बहन उन्हें सुन नहीं पा रही थी। लेकिन एलिज़ाबेथ की बेचैनी के कुछ ऐसे कारण थे जिनका जेन को अंदाज़ा नहीं था, क्योंकि जेन ने अभी तक श्रीमती गार्डिनर का पत्र दिखाने या उनके प्रति अपने बदले हुए विचारों के बारे में बताने की हिम्मत नहीं जुटाई थी। जेन के लिए, वह केवल एक ऐसा व्यक्ति था जिसके प्रस्ताव को उसने ठुकरा दिया था और जिसकी खूबियों को उसने कम आंका था; लेकिन अपनी व्यापक जानकारी के अनुसार, वह वह व्यक्ति था जिसके कारण पूरा परिवार पहले उपकार के लिए ऋणी था, और जिसके प्रति वह रुचि रखती थी, भले ही उतनी कोमल न हो, लेकिन कम से कम उतनी ही उचित और न्यायसंगत जितनी जेन बिंगले के लिए रखती थी। उसके आने पर, नेदरफील्ड और लॉन्गबोर्न में उसके आने पर, और स्वेच्छा से उससे दोबारा मिलने की कोशिश करने पर, उसकी हैरानी लगभग उतनी ही थी जितनी उसने डर्बीशायर में उसके बदले हुए व्यवहार को पहली बार देखकर महसूस की थी।
उसके चेहरे से जो रौनक गायब हो गई थी, वह आधे मिनट के लिए और भी चमक के साथ लौट आई, और उसकी आँखों में खुशी की मुस्कान छा गई, क्योंकि उस क्षण के लिए उसने सोचा कि उसका स्नेह और इच्छाएँ अभी भी अटल हैं। लेकिन वह निश्चिंत नहीं थी।
"पहले मुझे देखने दो कि वह कैसा व्यवहार करता है," उसने कहा; "उसके बाद ही उम्मीद करने का सही समय होगा।"
वह एकाग्र मन से काम में लगी हुई थी, खुद को शांत रखने की कोशिश कर रही थी और आँखें उठाने की हिम्मत नहीं कर रही थी, जब तक कि नौकरानी के दरवाजे के पास आने पर उसकी उत्सुकता ने उसकी बहन के चेहरे पर नज़र नहीं डाली। जेन सामान्य से थोड़ी पीली लग रही थी, लेकिन एलिजाबेथ की अपेक्षा अधिक शांत थी। सज्जनों के आने पर उसका चेहरा और लाल हो गया; फिर भी उसने उनका सहजता से और उचित

व्यवहार से स्वागत किया, जिसमें किसी प्रकार की नाराजगी या अनावश्यक चापलूसी का कोई लक्षण नहीं था।

एलिज़ाबेथ ने शिष्टाचार के अनुसार दोनों से जितना कम कहा, उतना ही कहा और फिर से अपने काम में लग गई, उस उत्साह के साथ जो उसमें अक्सर नहीं होता था। उसने डार्सी पर बस एक नज़र डाली थी। वह हमेशा की तरह गंभीर दिख रहा था; और, उसने सोचा, वह हर्टफोर्डशायर में जैसा दिखता था, वैसा ही दिख रहा था, न कि पेम्बर्ली में जैसा उसने उसे देखा था। लेकिन, शायद वह अपनी माँ की उपस्थिति में वैसा नहीं हो सकता जैसा वह अपने चाचा और चाची के सामने होता था। यह एक दुखद, लेकिन असंभव नहीं, अनुमान था।

बिंगले को भी उसने एक पल के लिए देखा था, और उस थोड़े समय में ही उसने उसे प्रसन्न और शर्मिंदा दोनों भावों में देखा। श्रीमती बेनेट ने उसका जिस शिष्टाचार से स्वागत किया, उससे उनकी दोनों बेटियाँ शर्मिंदा हो गईं, विशेष रूप से जब इसकी तुलना उनके मित्र के प्रति श्रीमती बेनेट के ठंडे और औपचारिक अभिवादन और संबोधन से की गई।

विशेष रूप से एलिजाबेथ, जो जानती थी कि उसकी माँ ने अपनी प्रिय पुत्री को अपूरणीय बदनामी से बचाने में बाद वाले की ऋणी थी, इस तरह के अनुचित व्यवहार से बेहद आहत और व्यथित हुई।

डार्सी ने उससे पूछा कि मिस्टर और मिसेज़ गार्डिनर कैसे हैं, जिसका जवाब वह उलझन के बिना नहीं दे सकी, और फिर लगभग कुछ नहीं बोला। वह उसके पास नहीं बैठा था; शायद यही उसकी चुप्पी का कारण था; लेकिन डर्बीशायर में ऐसा नहीं था। वहाँ वह उसके दोस्तों से बात करता था, जब वह उससे बात नहीं कर पाता था। लेकिन अब कई मिनट बीत गए और उसकी आवाज़ सुनाई नहीं दी; और जब कभी-कभार, जिज्ञासा के आवेग को रोक न पाने के कारण, उसने अपनी नज़रें उसकी ओर उठाईं, तो उसने पाया कि वह अक्सर जेन को ही देख रहा था, न कि उसे, और अक्सर ज़मीन पर ही देख रहा था। पिछली बार जब वे मिले थे, उससे कहीं ज़्यादा विचारशीलता और उसे खुश करने की कम चिंता स्पष्ट रूप से व्यक्त हुई। वह निराश थी, और इस बात पर खुद से नाराज़ भी थी।

"क्या मैं इससे कुछ और उम्मीद कर सकती थी!" उसने कहा। "फिर भी वह आया क्यों?"

वह उसके अलावा किसी और से बातचीत करने के मूड में नहीं थी; और उससे बात करने की हिम्मत भी उसमें मुश्किल से ही थी।

उसने उसकी बहन के बारे में पूछताछ की, लेकिन इससे अधिक कुछ नहीं कर सकी।

"मिस्टर बिंगले, आपको गए हुए काफी समय हो गया है," श्रीमती बेनेट ने कहा।

वह तुरंत इसके लिए सहमत हो गया।

मुझे डर लगने लगा था कि तुम कभी वापस नहीं आओगे। लोग कहते थे कि तुम माइकलमास पर पूरी तरह से यह जगह छोड़ दोगे; लेकिन, मुझे उम्मीद है कि यह सच नहीं है। तुम्हारे जाने के बाद से आस-पड़ोस में बहुत सारे बदलाव हुए हैं। मिस लुकास की शादी हो गई है और वह बस गई हैं। और मेरी एक बेटी भी। मुझे लगता है कि तुमने इसके बारे में सुना होगा; वास्तव में, तुमने इसे अखबारों में जरूर देखा होगा। मुझे पता है कि यह

द टाइम्स और द कूरियर में छपा था; हालाँकि इसे उस तरह से नहीं छापा गया था जैसा छापा जाना चाहिए था। बस इतना लिखा था, 'हाल ही में, जॉर्ज विकहम, एस्क्वायर ने मिस लिडिया बेनेट से शादी की,' उनके पिता, उनके रहने की जगह या किसी भी चीज़ का कोई ज़िक्र नहीं था। यह मेरे भाई गार्डिनर का बनाया हुआ था, और मुझे आश्चर्य है कि उसने इसे इतना बेतुका कैसे बना दिया। क्या तुमने इसे देखा था?
बिंगले ने जवाब दिया कि हाँ, और बधाई दी। एलिजाबेथ की आँखें ऊपर उठाने की हिम्मत नहीं हुई। इसलिए, वह यह नहीं बता सकी कि मिस्टर डार्सी कैसे दिख रहे थे।
“बेटी की शादी अच्छे घर में होना बेशक बहुत खुशी की बात है,” उसकी माँ ने आगे कहा, “लेकिन साथ ही, श्रीमान बिंगले, उसका मुझसे इस तरह दूर जाना बहुत दुखद है। वे न्यूकैसल चले गए हैं, जो उत्तर की ओर काफी दूर लगता है, और मुझे नहीं पता कि वे वहाँ कितने दिन रहेंगे। उसकी रेजिमेंट वहीं है; क्योंकि मुझे लगता है कि आपने उसके ——शायर छोड़कर नियमित सेना में शामिल होने के बारे में सुना होगा। भगवान का शुक्र है! उसके कुछ दोस्त हैं, हालाँकि शायद उतने नहीं जितने के वह हकदार है।”
एलिज़ाबेथ, जो जानती थी कि यह बात मिस्टर डार्सी पर कही गई है, शर्म से इतनी व्याकुल थी कि वह मुश्किल से अपनी जगह पर बैठ पा रही थी। फिर भी, उसने बोलने की हिम्मत जुटाई, जो पहले किसी और चीज़ ने इतनी प्रभावी ढंग से नहीं की थी; और उसने बिंगले से पूछा कि क्या वह फिलहाल देश में कुछ दिन रुकने का इरादा रखता है। बिंगले का मानना था कि वह कुछ हफ्तों के लिए रुकेगा।
“जब आप अपने सारे पक्षी मार डालें, श्रीमान बिंगले,” उसकी माँ ने कहा, “मैं आपसे विनती करती हूँ कि आप यहाँ आएँ और श्रीमान बेनेट की जागीर में जितने चाहें उतने पक्षियों का शिकार करें। मुझे पूरा विश्वास है कि वे आपकी कृपा करने में अत्यंत प्रसन्न होंगे और आपके लिए सबसे अच्छे पक्षी बचाकर रखेंगे।”
इस तरह की अनावश्यक, दखलंदाजी भरी तवज्जो से एलिजाबेथ का दुख और भी बढ़ गया! अगर ठीक एक साल पहले जैसी अच्छी उम्मीदें थीं, वैसी ही उम्मीदें अब भी जाग उठें, तो उसे पूरा यकीन था कि सब कुछ उसी दुखद अंजाम की ओर तेज़ी से बढ़ जाएगा। उस पल उसे एहसास हुआ कि सालों की खुशियाँ भी जेन या खुद को इस तरह के दर्दनाक भ्रम के पलों की भरपाई नहीं कर सकतीं।
"मेरे दिल की पहली इच्छा यही है," उसने मन ही मन कहा, "कि मैं उन दोनों में से किसी के भी साथ फिर कभी न रहूँ। उनकी संगति से ऐसा कोई सुख नहीं मिल सकता जो इस दुख को दूर कर सके! काश मैं उन दोनों में से किसी को भी फिर कभी न देखूँ!"
फिर भी, वह दुख, जिसकी भरपाई वर्षों की खुशियाँ भी नहीं कर पाईं, कुछ समय बाद ही उसे कुछ राहत देने लगा, जब उसने देखा कि उसकी बहन की सुंदरता ने उसके पुराने प्रेमी के मन में उसके लिए फिर से आकर्षण जगा दिया है। जब वह पहली बार आया, तो उसने उससे बहुत कम बात की; लेकिन हर पाँच मिनट में वह उस पर ज़्यादा ध्यान देने लगा। उसे वह पिछले साल की तरह ही सुंदर लगी; उतनी ही सौम्य और सहज, हालाँकि पहले जितनी बातूनी नहीं रही। जेन चाहती थी कि उसमें कोई बदलाव न दिखे, और उसे पूरा

यकीन था कि वह पहले की तरह ही बातें करती है। लेकिन उसका मन इतना व्यस्त रहता था कि उसे पता ही नहीं चलता था कि वह कब चुप है।

जब सज्जन जाने के लिए उठे, तो श्रीमती बेनेट ने अपनी इच्छित शिष्टता का ध्यान रखा और उन्हें कुछ दिनों बाद लॉन्गबोर्न में रात्रिभोज के लिए आमंत्रित किया गया और उनका कार्यक्रम तय हो गया।

"श्रीमान बिंगले, मैं आपकी बहुत आभारी हूँ," उन्होंने आगे कहा, "क्योंकि पिछली सर्दियों में जब आप शहर गए थे, तो आपने वापस आते ही हमारे साथ पारिवारिक रात्रिभोज करने का वादा किया था। आप जानते हैं, मैं भूली नहीं हूँ; और मैं आपको विश्वास दिलाती हूँ कि मुझे बहुत निराशा हुई कि आप वापस नहीं आए और अपना वादा नहीं निभाया।"

इस बात को देखकर बिंगले थोड़ा शर्मिंदा सा हो गया और उसने कुछ काम की वजह से न आ पाने पर अपनी चिंता ज़ाहिर की। फिर वे चले गए।

श्रीमती बेनेट का उस दिन उन्हें वहीं रुकने और भोजन करने के लिए कहने का बहुत मन था; लेकिन, हालांकि वह हमेशा बहुत अच्छा भोजन परोसती थीं, उन्हें नहीं लगता था कि जिस व्यक्ति पर उनकी इतनी उत्सुक निगाहें थीं, उसके लिए दो से कम व्यंजन पर्याप्त होंगे, या दस हजार डॉलर सालाना कमाने वाले व्यक्ति की भूख और स्वाभिमान को संतुष्ट कर पाएंगे।

अध्याय 12

उनके जाते ही एलिजाबेथ अपना मन बहलाने के लिए बाहर चली गई; या दूसरे शब्दों में, उन विषयों पर बिना किसी रुकावट के विचार करने के लिए जो उसके मन को और भी उदास कर सकते थे। मिस्टर डार्सी का व्यवहार उसे आश्चर्यचकित और परेशान कर रहा था।

"अगर वह सिर्फ चुप रहने, गंभीर रहने और उदासीन रहने के लिए आया था," उसने कहा, "तो वह आया ही क्यों था?"

वह इसे किसी भी ऐसे तरीके से हल नहीं कर सकती थी जिससे उसे खुशी मिले।

"जब वह शहर में होता था, तब वह मेरे चाचा और चाची के प्रति अभी भी मिलनसार और प्रसन्नतापूर्ण हो सकता था; तो मेरे प्रति क्यों नहीं? अगर वह मुझसे डरता है, तो यहाँ क्यों आया? अगर उसे अब मेरी परवाह नहीं है, तो चुप क्यों है? चिढ़ा रहा है, चिढ़ा रहा है! मैं अब उसके बारे में और नहीं सोचूंगी।"

कुछ समय के लिए अनजाने में ही उसका संकल्प तब कायम रहा जब उसकी बहन उसके पास आई और एक हंसमुख चेहरे के साथ उससे मिली, जिससे पता चलता था कि वह एलिजाबेथ की तुलना में अपने मेहमानों से अधिक संतुष्ट थी।

"अब," उसने कहा, "यह पहली मुलाकात हो जाने के बाद, मैं पूरी तरह से निश्चिंत महसूस कर रही हूँ। मैं अपनी ताकत जानती हूँ, और उसके आने से मुझे फिर कभी शर्मिंदगी नहीं होगी। मुझे खुशी है कि वह मंगलवार को यहाँ भोजन करेगा। तब यह सार्वजनिक रूप से देखा जाएगा कि हम दोनों तरफ से केवल सामान्य और उदासीन परिचितों के रूप में मिल रहे हैं।"

"जी हां, बिल्कुल उदासीन," एलिजाबेथ ने हंसते हुए कहा। "ओह, जेन, अपना ख्याल रखना।"

"मेरी प्यारी लिज़ी, क्या तुम मुझे इतना कमजोर समझती हो कि मैं अभी खतरे में पड़ जाऊं?"

मुझे लगता है कि आप उसे पहले की तरह ही अपने प्यार में पागल करने के बहुत बड़े खतरे में हैं।

उन्होंने मंगलवार तक उन सज्जनों को दोबारा नहीं देखा; और इस बीच, श्रीमती बेनेट उन सभी सुखद योजनाओं के आगे हार मान रही थीं, जिन्हें बिंगले के अच्छे स्वभाव और सामान्य शिष्टाचार ने आधे घंटे की मुलाकात में पुनर्जीवित कर दिया था।

मंगलवार को लॉन्गबोर्न में एक बड़ा समारोह आयोजित किया गया था; और जिन दो लोगों के आने का बेसब्री से इंतज़ार किया जा रहा था, वे खेल-प्रेमी होने के नाते समय के पाबंद थे और बिल्कुल समय पर पहुँच गए। जब वे भोजन कक्ष में पहुँचे, तो एलिज़ाबेथ उत्सुकता से देखने लगी कि क्या बिंगले उसकी बहन के पास बैठेगा, जो उनकी पिछली सभी पार्टियों में बिंगले की ही रहती थी। उसकी समझदार माँ, जो खुद भी यही सोच

रही थी, ने उसे अकेले बैठने के लिए आमंत्रित नहीं किया। कमरे में प्रवेश करते ही वह थोड़ा हिचकिचाया; लेकिन तभी जेन ने मुड़कर देखा और मुस्कुरा दी: बात पक्की हो गई। वह उसके बगल में बैठ गया।
जीत की भावना से ओतप्रोत होकर एलिजाबेथ ने अपने मित्र की ओर देखा। उसने इसे गरिमापूर्ण उदासीनता से सहन किया, और एलिजाबेथ को लगा होगा कि बिंगले को खुश रहने की स्वीकृति मिल गई है, यदि उसने यह न देखा होता कि उसकी आँखें भी श्री डार्सी की ओर मुड़ी हुई थीं, और उसके चेहरे पर आधी हँसी और घबराहट का भाव था।
खाने के समय, उनकी बहन के प्रति उनका व्यवहार ऐसा था मानो वे उनकी प्रशंसा करते हों। हालांकि यह प्रशंसा पहले की तुलना में अधिक छिपी हुई थी, फिर भी एलिजाबेथ को विश्वास हो गया कि यदि उन्हें पूरी तरह से उन पर छोड़ दिया जाए, तो जेन और उनकी अपनी खुशी शीघ्र ही सुनिश्चित हो जाएगी। हालांकि वह परिणाम पर भरोसा करने की हिम्मत नहीं कर पा रही थी, फिर भी उनके व्यवहार को देखकर उसे आनंद मिला। इससे उसे वह सारी ऊर्जा मिली जो उसके मन में हो सकती थी; क्योंकि वह बिल्कुल भी खुश नहीं थी। मिस्टर डार्सी उनसे लगभग उतनी ही दूरी पर थे जितनी मेज उन्हें अलग कर सकती थी। वे उनकी माँ के एक तरफ बैठे थे। वह जानती थी कि ऐसी स्थिति से न तो किसी को खुशी मिलेगी और न ही कोई बेहतर दिखेगा। वह इतनी पास नहीं थी कि उनकी बातचीत सुन सके, लेकिन वह देख सकती थी कि वे कितनी कम बार एक-दूसरे से बात करते थे और जब भी बात करते थे तो उनका व्यवहार कितना औपचारिक और ठंडा होता था। उनकी माँ की असभ्यता ने एलिजाबेथ के मन में इस बात का एहसास और भी कष्टदायक बना दिया कि वे उनके प्रति कितने ऋणी थे। और कई बार वह यह कहने का सौभाग्य पाने के लिए कुछ भी देने को तैयार रहती थी कि उसकी दयालुता पूरे परिवार के लिए न तो अनजान थी और न ही अनसुनी।
उसे उम्मीद थी कि शाम उन्हें एक साथ लाने का कोई मौका देगी; कि यह मुलाकात औपचारिक अभिवादन से परे कुछ और बातचीत करने का अवसर दिए बिना ही समाप्त नहीं होगी। चिंतित और बेचैन, सज्जनों के आने से पहले ड्राइंग रूम में बीता समय इतना उबाऊ और नीरस था कि वह लगभग चिड़चिड़ी हो गई थी। वह उनके आगमन का बेसब्री से इंतजार कर रही थी क्योंकि यही वह पल था जिस पर शाम के उसके सारे सुख की उम्मीद टिकी थी।
"अगर वह मेरे पास नहीं आता, तो," उसने कहा, "मैं उसे हमेशा के लिए छोड़ दूंगी।"
वे सज्जन आए; और उसने सोचा कि वे उसकी उम्मीदों पर खरे उतरेंगे; लेकिन अफसोस! महिलाएं मेज के चारों ओर इतनी घनी भीड़ में बैठी थीं, जहाँ मिस बेनेट चाय बना रही थीं और एलिजाबेथ कॉफी परोस रही थीं, कि उनके पास बैठने के लिए एक भी जगह खाली नहीं थी। और सज्जनों के आने पर, लड़कियों में से एक पहले से भी ज़्यादा उसके करीब आ गई और फुसफुसाते हुए बोली:
"ये लोग आकर हमें अलग नहीं कर सकते, मैंने ठान लिया है। हमें इनमें से किसी की ज़रूरत नहीं है; है ना?"

डार्सी कमरे के दूसरे हिस्से में चला गया था। वह अपनी आँखों से उसका पीछा करती रही, जिससे भी वह बात करता, उससे ईर्ष्या करती रही, किसी को कॉफ़ी पिलाने की भी उसमें ज़रा भी सब्र नहीं थी; और फिर अपनी मूर्खता पर खुद को कोसने लगी!

"एक आदमी जिसे एक बार ठुकरा दिया गया हो! मैं भला इतनी मूर्ख कैसे हो सकती हूँ कि उससे दोबारा प्यार की उम्मीद करूँ? क्या स्त्री में कोई ऐसी है जो उसी स्त्री को दोबारा प्रस्ताव देने जैसी कमजोरी का विरोध न करे? इससे ज़्यादा अपमानजनक बात और कोई नहीं हो सकती!"

हालांकि, उसके द्वारा स्वयं कॉफी का कप वापस लाने से उसे थोड़ी राहत मिली; और उसने इस अवसर का लाभ उठाते हुए कहा:

"क्या तुम्हारी बहन अभी भी पेम्बर्ली में है?"

"हां, वह क्रिसमस तक वहीं रहेगी।"

"और बिल्कुल अकेली? क्या उसके सभी दोस्त उसे छोड़कर चले गए हैं?"

"श्रीमती एनेस्ली उनके साथ हैं। बाकी लोग इन तीन हफ्तों से स्कारबोरो गए हुए हैं।"

उसके पास कहने के लिए और कुछ नहीं था; लेकिन अगर वह उससे बात करना चाहता, तो शायद उसे बेहतर सफलता मिलती। फिर भी, वह कुछ मिनटों तक चुपचाप उसके पास खड़ा रहा; और अंत में, जब उस युवती ने एलिज़ाबेथ से फिर फुसफुसाकर कुछ कहा, तो वह चला गया।

जब चाय के बर्तन हटा दिए गए और ताश की मेजें लगा दी गईं, तो सभी महिलाएं उठ खड़ी हुईं। एलिजाबेथ को उम्मीद थी कि वह भी जल्द ही उसके साथ आ जाएगा, लेकिन तभी उसकी सारी उम्मीदें टूट गईं जब उसने देखा कि वह उसकी माँ के व्हिस्ट खेलने के लालच का शिकार हो गया और कुछ ही क्षणों में बाकी लोगों के साथ बैठ गया। अब उसकी सारी खुशी की उम्मीदें खत्म हो गईं। उन्हें पूरी शाम अलग-अलग मेजों पर बैठना पड़ा और अब उसे बस यही उम्मीद थी कि उसकी निगाहें बार-बार कमरे के उसके हिस्से की ओर मुड़ेंगी, जिससे वह भी उसकी तरह ही असफल खेलेगा।

श्रीमती बेनेट ने नेदरफील्ड के दोनों सज्जनों को रात के खाने पर रोकने की योजना बनाई थी; लेकिन दुर्भाग्य से उनकी गाड़ी बाकी सभी गाड़ियों से पहले बुक हो गई, और उन्हें रोकने का उन्हें कोई मौका नहीं मिला।

“तो बच्चियों,” उसने उनके अकेले रह जाने पर कहा, “आज का दिन कैसा रहा? मुझे यकीन है कि सब कुछ बहुत अच्छा बीता। खाना इतना बढ़िया था जितना मैंने पहले कभी नहीं देखा। हिरण का मांस एकदम सही भुना हुआ था—और सबने कहा कि उन्होंने इतना मोटा मांस पहले कभी नहीं देखा। सूप पिछले हफ्ते ल्यूकेस के यहाँ के सूप से पचास गुना बेहतर था; और यहाँ तक कि मिस्टर डार्सी ने भी माना कि तीतर बहुत अच्छे से पके थे; और मुझे लगता है कि उनके पास कम से कम दो-तीन फ्रांसीसी रसोइये तो होंगे ही। और, मेरी प्यारी जेन, मैंने तुम्हें इतना सुंदर पहले कभी नहीं देखा। मिसेज लॉन्ग ने भी यही कहा, क्योंकि मैंने उनसे पूछा था कि क्या तुम सुंदर नहीं लग रही हो। और तुम्हें क्या लगता है उन्होंने इसके अलावा क्या कहा होगा? 'आह! मिसेज बेनेट, आखिरकार हम उन्हें नेदरफील्ड में ले ही आए।' और सच में ले आए। मुझे लगता है कि मिसेज लॉन्ग

बहुत ही अच्छी इंसान हैं—और उनकी भतीजियाँ बहुत ही अच्छे व्यवहार वाली लड़कियाँ हैं, और बिल्कुल भी सुंदर नहीं हैं: मुझे वे बहुत पसंद हैं।”

संक्षेप में, श्रीमती बेनेट बहुत खुश थीं; उन्होंने जेन के प्रति बिंगले के व्यवहार को इतना देख लिया था कि उन्हें यकीन हो गया था कि आखिरकार वह उसे पा लेंगी; और जब वह खुश मिजाज में होती हैं तो अपने परिवार को होने वाले लाभ की उनकी उम्मीदें इतनी अतार्किक होती हैं कि अगले दिन उसे वहां दोबारा न देखकर और उसके प्रस्ताव न रखे जाने पर उन्हें काफी निराशा हुई।

"आज का दिन बहुत ही सुखद रहा," मिस बेनेट ने एलिजाबेथ से कहा। "साथी बहुत ही अच्छे से चुने गए थे, सब एक-दूसरे के साथ बहुत अच्छे से मेल खाते थे। मुझे उम्मीद है कि हम अक्सर मिलते रहेंगे।"

एलिजाबेथ मुस्कुराई।

"लिज़ी, तुम्हें ऐसा नहीं करना चाहिए। मुझ पर शक मत करो। इससे मुझे बहुत शर्म आती है। मैं तुम्हें यकीन दिलाती हूँ कि अब मैंने उसकी बातों का आनंद लेना सीख लिया है, एक मिलनसार और समझदार नौजवान के तौर पर, बिना किसी स्वार्थ के। उसके मौजूदा व्यवहार से मुझे पूरा यकीन है कि उसका कभी भी मेरा दिल जीतने का कोई इरादा नहीं था। बस बात इतनी है कि उसमें बोलने की कला और सबको खुश करने की चाहत बाकी सब पुरुषों से कहीं ज़्यादा है।"

"तुम बहुत निर्दयी हो," उसकी बहन ने कहा, "तुम मुझे मुस्कुराने नहीं देती और हर पल मुझे मुस्कुराने के लिए उकसाती हो।"

"कुछ मामलों में विश्वास करना कितना मुश्किल होता है!"

और दूसरों में तो यह बिल्कुल असंभव है!

"लेकिन आप मुझे यह समझाने की कोशिश क्यों कर रहे हैं कि मैं जितना स्वीकार करता हूं उससे कहीं अधिक महसूस करता हूं?"

"यह एक ऐसा प्रश्न है जिसका उत्तर देना मुझे मुश्किल से ही आता है। हम सभी को सिखाना अच्छा लगता है, हालांकि हम केवल वही सिखा सकते हैं जो जानने लायक नहीं है। मुझे क्षमा करें; और यदि आप उदासीनता बनाए रखते हैं, तो मुझे अपना विश्वासपात्र न बनाएं।"

अध्याय 13

इस मुलाकात के कुछ दिनों बाद, श्री बिंगले फिर आए, और इस बार अकेले। उनके मित्र उस सुबह लंदन के लिए रवाना हो गए थे, लेकिन दस दिनों में घर लौटने वाले थे। वे उनके साथ एक घंटे से अधिक समय तक बैठे रहे और बेहद प्रसन्न थे। श्रीमती बेनेट ने उन्हें भोजन के लिए आमंत्रित किया; लेकिन उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए बताया कि वे कहीं और व्यस्त हैं।

उसने कहा, "अगली बार जब तुम फोन करोगे, तो मुझे उम्मीद है कि हम ज्यादा भाग्यशाली होंगे।"

वह किसी भी समय विशेष रूप से प्रसन्न रहेगा, इत्यादि; और यदि वह उसे अनुमति दे, तो वह उनसे मिलने का शीघ्र अवसर तलाश लेगा।

क्या आप कल आ सकते हैं?

जी हां, कल के लिए उनका कोई काम नहीं था; और उन्होंने तुरंत उनका निमंत्रण स्वीकार कर लिया।

वह आया, और इतने सही समय पर आया कि कोई भी महिला तैयार नहीं थी। श्रीमती बेनेट अपनी ड्रेसिंग गाउन में, आधे-अधूरे बालों के साथ, अपनी बेटी के कमरे में दौड़कर गईं और चिल्लाईं:

"मेरी प्यारी जेन, जल्दी करो और नीचे आओ। वह आ गए हैं—श्रीमान बिंगले आ गए हैं। सचमुच आ गए हैं। जल्दी करो, जल्दी करो। यहाँ, सारा, अभी मिस बेनेट के पास आओ और उन्हें गाउन पहनने में मदद करो। मिस लिज़ी के बालों की चिंता मत करो।"

"हम जितनी जल्दी हो सके नीचे आ जाएंगे," जेन ने कहा; "लेकिन मुझे लगता है कि किट्टी हम दोनों से ज्यादा फुर्तीली है, क्योंकि वह आधे घंटे पहले ही ऊपर चली गई थी।"

"अरे! किट्टी को छोड़ो! उसका इससे क्या लेना-देना है? जल्दी आओ, जल्दी आओ! तुम्हारी कमरबंद कहाँ है, मेरी प्यारी?"

लेकिन जब उसकी मां चली गई, तो जेन अपनी बहनों में से किसी एक के बिना नीचे जाने के लिए राजी नहीं हुई।

उन्हें अकेले पाने की वही बेचैनी शाम को फिर से दिखाई दी। चाय के बाद, श्री बेनेट अपनी आदत के अनुसार पुस्तकालय में चले गए और मैरी अपने वाद्य यंत्र के पास ऊपर चली गईं। पाँच में से दो बाधाएँ दूर हो जाने पर, श्रीमती बेनेट काफी देर तक एलिजाबेथ और कैथरीन को देखती और आँख मारती रहीं, लेकिन उन पर कोई असर नहीं हुआ। एलिजाबेथ ने उनकी ओर ध्यान नहीं दिया; और जब अंत में किटी ने देखा, तो उसने बड़ी मासूमियत से कहा, "क्या बात है माँ? आप मुझे बार-बार आँख क्यों मार रही हैं? मैं क्या करूँ?"

"कुछ नहीं बच्ची, कुछ नहीं। मैंने तुम्हें आँख नहीं मारी।" फिर वह पाँच मिनट और चुपचाप बैठी रही; लेकिन इतने कीमती मौके को बर्बाद न कर पाने के कारण, वह अचानक उठी और किटी से बोली, "इधर आओ मेरी प्यारी, मैं तुमसे बात करना चाहती हूँ," और उसे कमरे से बाहर ले गई। जेन ने तुरंत एलिज़ाबेथ की ओर एक

नज़र डाली जिससे उसकी इस पूर्व नियोजित योजना पर नाराज़गी और उससे विनती ज़ाहिर हुई कि वह इसके आगे न झुके। कुछ ही मिनटों में, श्रीमती बेनेट ने दरवाज़ा आधा खोला और आवाज़ लगाई:
"लिज़ी, मेरी प्यारी, मैं तुमसे बात करना चाहता हूँ।"
एलिजाबेथ को जाने के लिए मजबूर किया गया था।
"हम उन्हें अकेले ही छोड़ देते हैं, तुम्हें पता है ना;" उसकी माँ ने हॉल में पहुँचते ही कहा। "किटी और मैं ऊपर मेरे ड्रेसिंग रूम में बैठने जा रहे हैं।"
एलिजाबेथ ने अपनी मां से तर्क करने का कोई प्रयास नहीं किया, बल्कि चुपचाप हॉल में तब तक बैठी रही जब तक कि वह और किटी नजरों से ओझल नहीं हो गईं, फिर वह ड्राइंग रूम में लौट आई।
श्रीमती बेनेट की उस दिन की योजनाएँ व्यर्थ साबित हुईं। बिंगले हर मायने में आकर्षक थे, सिवाय इसके कि वे उनकी बेटी के प्रेमी होने का दावा करते थे। उनकी सहजता और प्रसन्नता ने उन्हें शाम की महफ़िल में एक बेहद सुखद सदस्य बना दिया; और उन्होंने माँ की अनुचित दखलअंदाज़ी को सहन किया, और उनकी सभी बेतुकी बातों को धैर्य और संयम के साथ सुना, जो बेटी को विशेष रूप से पसंद आया।
उन्हें रात के खाने पर रुकने के लिए शायद ही किसी निमंत्रण की आवश्यकता थी; और उनके जाने से पहले, मुख्य रूप से उनके और श्रीमती बेनेट के प्रयासों से, अगली सुबह उनके पति के साथ शिकार करने के लिए उनके आने का एक समझौता हो गया।
उस दिन के बाद, जेन ने अपनी उदासीनता का कोई संकेत नहीं दिया। बहनों के बीच बिंगले के बारे में एक शब्द भी नहीं बोला गया; लेकिन एलिजाबेथ इस सुखद विश्वास के साथ सो गई कि अगर मिस्टर डार्सी तय समय के भीतर वापस नहीं लौटे तो सब कुछ जल्द ही सुलझ जाएगा। हालांकि, गंभीरता से, उसे काफी हद तक यकीन था कि यह सब उस सज्जन की सहमति से ही हुआ होगा।
बिंगले अपने तय समय पर पहुंचा; और उसने और श्री बेनेट ने सुबह का समय साथ बिताया, जैसा कि पहले से तय था। श्री बेनेट अपने साथी की अपेक्षा कहीं अधिक मिलनसार थे। बिंगले में अहंकार या मूर्खता का कोई अंश नहीं था जो उन्हें उपहास का पात्र बना सके या उन्हें चुप करा सके; और वह पहले से कहीं अधिक बातूनी और कम सनकी था। बिंगले निश्चित रूप से उनके साथ भोजन पर लौटा; और शाम को श्रीमती बेनेट की तरकीब फिर से काम आई ताकि सभी को बिंगले और उनकी बेटी से दूर रखा जा सके। एलिजाबेथ, जिसे एक पत्र लिखना था, चाय के तुरंत बाद नाश्ते के कमरे में चली गई; क्योंकि बाकी सभी ताश खेलने के लिए बैठने वाले थे, इसलिए वह अपनी माँ की योजनाओं का विरोध करने के लिए मौजूद नहीं रहना चाहती थी।
लेकिन जब पत्र लिखकर वह ड्राइंग रूम में लौटी, तो उसे असीम आश्चर्य हुआ कि उसकी माँ उससे कहीं अधिक चतुर निकली थी। दरवाजा खोलते ही उसने देखा कि उसकी बहन और बिंगले चूल्हे के पास एक साथ खड़ी थीं, मानो किसी गंभीर बातचीत में मशगूल हों; और अगर इससे संदेह न भी होता, तो दोनों के चेहरे, जिस तरह से वे जल्दी से मुड़कर एक-दूसरे से दूर चली गईं, सब कुछ बयां कर देते। उनकी स्थिति काफी अजीब थी; लेकिन उसे लगा कि उसकी स्थिति उससे भी बदतर थी। दोनों में से किसी ने एक शब्द भी नहीं

बोला; और एलिजाबेथ फिर से जाने ही वाली थी कि बिंगले, जो बाकी दोनों की तरह बैठ गई थी, अचानक उठी और अपनी बहन से कुछ फुसफुसाते हुए कमरे से बाहर भाग गई।
जेन एलिजाबेथ से कुछ भी छिपा नहीं सकती थी, क्योंकि विश्वास से उसे खुशी मिलती; और तुरंत उसे गले लगाते हुए, उसने अत्यंत भावुकता के साथ स्वीकार किया कि वह दुनिया की सबसे खुश इंसान है।
"यह तो हद से ज़्यादा है!" उसने आगे कहा। "मैं इसके लायक नहीं हूँ। ओह! बाकी सब इतने खुश क्यों नहीं हैं?"
एलिज़ाबेथ की बधाई में जो सच्चाई, स्नेह और खुशी झलक रही थी, उसे शब्दों में बयां करना नामुमकिन था। हर एक दयालु वाक्य जेन के लिए नई खुशी लेकर आया। लेकिन फिलहाल वह अपनी बहन के साथ रुकना नहीं चाहती थी और जो कहना बाकी था, उसका आधा भी नहीं कहना चाहती थी।
“मुझे तुरंत अपनी माँ के पास जाना होगा,” वह रोते हुए बोली। “मैं किसी भी कीमत पर उनकी स्नेहपूर्ण चिंता को नज़रअंदाज़ नहीं करूँगी; और न ही उन्हें यह बात मेरे अलावा किसी और से सुनने दूँगी। वह पहले ही मेरे पिता के पास जा चुके हैं। ओह! लिज़ी, यह जानकर कि जो मैं उन्हें बताने वाली हूँ उससे मेरे पूरे प्यारे परिवार को इतनी खुशी मिलेगी! मैं इतनी खुशी कैसे सहन करूँगी!”
फिर वह जल्दी से अपनी मां के पास चली गई, जिसने जानबूझकर कार्ड पार्टी को भंग कर दिया था और किटी के साथ ऊपर की मंजिल पर बैठी थी।
अब अकेली रह गई एलिजाबेथ उस तेजी और सहजता पर मुस्कुरा रही थी जिसके साथ आखिरकार वह मामला सुलझ गया था, जिसने उन्हें पिछले कई महीनों तक अनिश्चितता और झुंझलाहट में रखा था।
"और यही है," उसने कहा, "उसके दोस्त की सारी चिंता और सावधानी का अंत! उसकी बहन के सारे झूठ और छल का अंत! सबसे सुखद, सबसे बुद्धिमान, सबसे तर्कसंगत अंत!"
कुछ ही मिनटों में बिंगले भी उनके साथ आ गईं, जिनकी अपने पिता के साथ हुई बातचीत संक्षिप्त और उद्देश्यपूर्ण रही थी।
दरवाजा खोलते हुए उसने जल्दबाजी में पूछा, "तुम्हारी बहन कहाँ है?"
"मेरी मां ऊपर हैं। मुझे पूरा यकीन है कि वो अभी थोड़ी देर में नीचे आ जाएंगी।"
फिर उसने दरवाजा बंद कर दिया और उसके पास आकर बहन की तरह शुभकामनाएं और स्नेह जताया। एलिजाबेथ ने ईमानदारी और दिल से उनके रिश्ते की संभावना पर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने बड़े सौहार्द से हाथ मिलाया; और फिर, जब तक उसकी बहन नीचे नहीं आई, उसे उसकी सारी बातें सुननी पड़ीं, जो उसने अपनी खुशी और जेन के गुणों के बारे में कही थीं; और प्रेमी होने के बावजूद, एलिजाबेथ को वास्तव में विश्वास था कि उसकी खुशियों की सारी उम्मीदें तर्कसंगत थीं, क्योंकि उनका आधार जेन की उत्कृष्ट समझ और असाधारण स्वभाव था, और जेन और उसके बीच भावनाओं और रुचियों की सामान्य समानता थी।
वह शाम उन सभी के लिए असाधारण आनंद से भरी थी; मिस बेनेट के मन की संतुष्टि ने उनके चेहरे पर ऐसी मधुर चमक ला दी थी कि वे पहले से कहीं अधिक सुंदर लग रही थीं। किटी मुस्कुराती और शरमाती रही, और

आशा करती रही कि जल्द ही उसकी बारी आएगी। श्रीमती बेनेट अपनी भावनाओं को संतुष्ट करने के लिए पर्याप्त गर्मजोशी भरे शब्दों में अपनी सहमति या प्रशंसा व्यक्त नहीं कर सकीं, हालांकि उन्होंने आधे घंटे तक बिंगले से केवल इसी विषय पर बात की; और जब श्री बेनेट रात के खाने पर उनके साथ शामिल हुए, तो उनकी आवाज और हावभाव से स्पष्ट रूप से पता चल रहा था कि वे वास्तव में कितने खुश थे।
हालांकि, जब तक उनका मेहमान रात के लिए विदा नहीं हो गया, तब तक उसने इस बारे में एक शब्द भी नहीं कहा; लेकिन उसके जाते ही, वह अपनी बेटी की ओर मुड़ा और बोला:
"जेन, मैं आपको बधाई देता हूं। आप बहुत खुश महिला होंगी।"
जेन तुरंत उसके पास गई, उसे चूमा और उसकी अच्छाई के लिए उसे धन्यवाद दिया।
“तुम एक अच्छी लड़की हो,” उसने उत्तर दिया, “और मुझे यह सोचकर बहुत खुशी हो रही है कि तुम दोनों का जीवन सुखमय होगा। मुझे पूरा विश्वास है कि तुम दोनों साथ में बहुत अच्छा करोगी। तुम्हारा स्वभाव बिल्कुल एक जैसा है। तुम दोनों इतनी आज्ञाकारी हो कि कोई बात कभी तय नहीं हो पाएगी; इतनी सहज हो कि हर नौकर तुम्हें धोखा देगा; और इतनी उदार हो कि तुम हमेशा अपनी आमदनी से ज़्यादा खर्च करोगी।”
"मुझे उम्मीद है ऐसा नहीं होगा। पैसों के मामलों में लापरवाही या असावधानी मुझसे कभी नहीं की जा सकती।"
“उनकी आमदनी से भी ज़्यादा! मेरे प्यारे श्रीमान बेनेट,” उनकी पत्नी चिल्लाईं, “आप क्या कह रहे हैं? अरे, उनकी सालाना आमदनी चार-पाँच हज़ार है, और शायद इससे भी ज़्यादा।” फिर अपनी बेटी से कहा, “ओह! मेरी प्यारी जेन, मैं बहुत खुश हूँ! मुझे यकीन है कि मैं पूरी रात एक पल भी नहीं सो पाऊँगी। मुझे पता था कि ऐसा ही होगा। मैंने हमेशा कहा था कि आखिरकार ऐसा ही होगा। मुझे यकीन था कि तुम इतनी खूबसूरत यूँ ही नहीं हो सकती! मुझे याद है, जैसे ही मैंने उन्हें देखा, जब वे पिछले साल पहली बार हर्टफोर्डशायर आए थे, मैंने सोचा था कि तुम दोनों का मिलना कितना मुमकिन है। ओह! वे अब तक के सबसे खूबसूरत नौजवान हैं!”
विकहम, लिडिया, सबको भुला दिया गया। जेन उसकी सबसे प्यारी बेटी थी, और उस पल उसे किसी और की परवाह नहीं थी। उसकी छोटी बहनें जल्द ही उससे उन सुख-सुविधाओं के लिए उत्सुक होने लगीं, जिन्हें वह भविष्य में बाँट सकती थी।
मैरी ने नेदरफील्ड स्थित पुस्तकालय के उपयोग के लिए याचिका दायर की; और किट्टी ने हर सर्दियों में वहां कुछ बॉल पार्टियों के आयोजन के लिए बहुत विनती की।
इस समय से बिंगले स्वाभाविक रूप से लॉन्गबोर्न में रोजाना आने-जाने वाला व्यक्ति बन गया था; वह अक्सर नाश्ते से पहले आता था और हमेशा रात के खाने के बाद तक रुकता था; सिवाय तब जब किसी असभ्य पड़ोसी ने, जिससे उसे बेहद नफरत थी, उसे रात के खाने का निमंत्रण दिया हो और जिसे वह स्वीकार करने के लिए खुद को बाध्य समझता हो।
अब एलिज़ाबेथ के पास अपनी बहन से बात करने का बहुत कम समय बचता था; क्योंकि जब तक जेन मौजूद रहती थी, उसके पास किसी और पर ध्यान देने का समय नहीं होता था; लेकिन कभी-कभार होने वाले

उन अलगाव के पलों में वह उन दोनों के लिए काफी उपयोगी साबित होती थी। जेन की अनुपस्थिति में, वह हमेशा एलिज़ाबेथ के साथ ही रहता था, ताकि उसके बारे में बातें करने का आनंद ले सके; और जब बिंगले चला जाता था, तो जेन भी लगातार इसी तरह से अपना सुकून तलाशती थी।
एक शाम उसने कहा, "उसने मुझे बहुत खुश कर दिया, यह बताकर कि उसे बिल्कुल भी पता नहीं था कि मैं पिछली वसंत ऋतु में शहर में थी! मुझे विश्वास ही नहीं हो रहा था कि ऐसा संभव है।"
"मुझे भी यही आशंका थी," एलिजाबेथ ने जवाब दिया। "लेकिन उसने इसका क्या कारण बताया?"
"यह उसकी बहन का ही काम रहा होगा। वे निश्चित रूप से मेरे साथ उसके जान-पहचान वालों के दोस्त नहीं थे, जिस पर मुझे आश्चर्य नहीं है, क्योंकि कई मामलों में वह कहीं अधिक बेहतर विकल्प चुन सकता था। लेकिन जब वे देखेंगे, जैसा कि मुझे विश्वास है, कि उनका भाई मेरे साथ खुश है, तो वे संतुष्ट होना सीख जाएंगे, और हमारे संबंध फिर से अच्छे हो जाएंगे; हालांकि हम कभी भी पहले जैसे एक-दूसरे के लिए नहीं हो सकते।"
"यह अब तक का सबसे कठोर भाषण है जो मैंने तुम्हें बोलते सुना है," एलिजाबेथ ने कहा। शाबाश! मुझे सचमुच बहुत बुरा लगेगा अगर मैं तुम्हें फिर से मिस बिंगले के झूठे स्नेह का शिकार होते देखूँ।"
"क्या तुम विश्वास करोगी, लिज़ी, कि जब वह पिछले नवंबर में शहर गया था, तो वह वास्तव में मुझसे प्यार करता था, और मेरे उदासीन होने के विश्वास के अलावा और कुछ भी उसे दोबारा आने से नहीं रोक सकता था!"
"उन्होंने थोड़ी सी गलती जरूर की; लेकिन यह उनकी विनम्रता की प्रशंसा का विषय है।"
इससे स्वाभाविक रूप से जेन ने उसकी संकोचशीलता और अपने अच्छे गुणों को कम महत्व देने की प्रशंसा की। एलिजाबेथ को यह देखकर खुशी हुई कि उसने अपनी सहेली के हस्तक्षेप को ज़ाहिर नहीं किया था; क्योंकि जेन का हृदय भले ही दुनिया में सबसे उदार और क्षमाशील था, फिर भी वह जानती थी कि यह एक ऐसी बात थी जो उसके मन में उसके प्रति पूर्वाग्रह पैदा कर सकती थी।
"मैं सचमुच सबसे भाग्यशाली प्राणी हूँ!" जेन चिल्लाई। "ओह! लिज़ी, मैं अपने परिवार से अलग होकर सबसे ज़्यादा भाग्यशाली क्यों हूँ! काश मैं तुम्हें भी इतना खुश देख पाती! काश तुम्हारे लिए कोई और ऐसा ही आदमी मिल जाता!"
"अगर आप मुझे ऐसे चालीस आदमी भी दे दें, तो भी मैं कभी आपकी तरह खुश नहीं हो सकती। जब तक मुझमें आपका स्वभाव, आपकी अच्छाई नहीं होगी, तब तक मुझे आपकी खुशी नहीं मिल सकती। नहीं, नहीं, मुझे खुद ही अपना गुजारा करने दीजिए; और शायद, अगर मेरी किस्मत बहुत अच्छी रही, तो मुझे समय आने पर कोई और मिस्टर कॉलिन्स मिल जाए।"
लॉन्गबोर्न परिवार की स्थिति लंबे समय तक गुप्त नहीं रह सकती थी। श्रीमती बेनेट को यह बात श्रीमती फिलिप्स से फुसफुसाकर बताने का विशेषाधिकार प्राप्त था, और उन्होंने बिना किसी अनुमति के मेरिटन में अपने सभी पड़ोसियों से भी यही करने का साहस किया।

बेनेट परिवार को शीघ्र ही दुनिया का सबसे भाग्यशाली परिवार घोषित कर दिया गया, हालांकि कुछ ही सप्ताह पहले, जब लिडिया पहली बार भाग गई थी, तब उन्हें आम तौर पर दुर्भाग्य के लिए ही चुना गया था।

अध्याय 14

एक सुबह, जेन से बिंगले की सगाई होने के लगभग एक सप्ताह बाद, जब वह और परिवार की महिलाएं भोजन कक्ष में एक साथ बैठे थे, तभी अचानक एक गाड़ी की आवाज़ से उनका ध्यान खिड़की की ओर गया; और उन्होंने देखा कि एक घोड़ागाड़ी लॉन में आ रही है। सुबह का इतना समय मेहमानों के लिए ठीक नहीं था, और इसके अलावा, वह गाड़ी उनके किसी भी पड़ोसी की गाड़ी से मेल नहीं खाती थी। घोड़े डाक से लाए गए थे; और न तो गाड़ी, न ही उसके आगे चल रहे नौकर की वर्दी, उनके लिए जानी-पहचानी थी। हालांकि, यह निश्चित था कि कोई आ रहा है, इसलिए बिंगले ने तुरंत मिस बेनेट को इस तरह की दखलंदाजी से बचने और उनके साथ झाड़ियों में चलने के लिए मना लिया। वे दोनों चल पड़े, और बाकी तीनों के अनुमान, हालांकि थोड़े संतोषजनक, तब तक जारी रहे जब तक कि दरवाजा नहीं खुला और उनका मेहमान अंदर नहीं आया। वह लेडी कैथरीन डी बोर्ग थीं।

वे सभी निश्चित रूप से आश्चर्यचकित होने की उम्मीद कर रहे थे; लेकिन उनका आश्चर्य उनकी अपेक्षा से कहीं अधिक था; और श्रीमती बेनेट और किट्टी का आश्चर्य, हालांकि वह उनके लिए पूरी तरह से अपरिचित थी, एलिजाबेथ की तुलना में कहीं कम था।

वह सामान्य से कहीं अधिक अभद्र भाव से कमरे में दाखिल हुई, एलिजाबेथ के अभिवादन का उसने सिर झुकाकर ही जवाब दिया और बिना कुछ कहे बैठ गई। एलिजाबेथ ने उनके प्रवेश करते ही अपनी माँ को उनका नाम बताया था, हालाँकि उन्होंने परिचय का कोई अनुरोध नहीं किया था।

श्रीमती बेनेट, हालांकि इतनी उच्च कोटि की अतिथि के आने से आश्चर्यचकित थीं, फिर भी उन्होंने अत्यंत विनम्रता से एलिज़ाबेथ का स्वागत किया। कुछ क्षण मौन बैठने के बाद, उन्होंने बहुत ही कठोर स्वर में एलिज़ाबेथ से कहा,

"मुझे उम्मीद है कि आप ठीक होंगी, मिस बेनेट। मुझे लगता है कि वह महिला आपकी माँ हैं।"

एलिजाबेथ ने बहुत संक्षिप्त रूप से उत्तर दिया कि वह थी।

"और मुझे लगता है कि वह आपकी बहनों में से एक है।"

"जी महोदया," श्रीमती बेनेट ने लेडी कैथरीन से बात करते हुए प्रसन्नता से कहा। "वह मेरी सबसे छोटी बेटी है। मेरी सबसे छोटी बेटी की हाल ही में शादी हुई है, और मेरी सबसे बड़ी बेटी कहीं आसपास ही है, एक युवक के साथ टहल रही है, जो मुझे लगता है कि जल्द ही परिवार का हिस्सा बन जाएगा।"

"यहाँ आपका पार्क बहुत छोटा है," लेडी कैथरीन ने थोड़ी देर चुप रहने के बाद जवाब दिया।

"यह रोज़िंग्स की तुलना में कुछ भी नहीं है, मेरी लेडी, मैं यह कह सकता हूँ; लेकिन मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि यह सर विलियम लुकास के घर से कहीं अधिक बड़ा है।"

"गर्मी के मौसम में शाम के समय यह बैठक कक्ष बहुत असुविधाजनक होगा; खिड़कियाँ पूरी तरह पश्चिम की ओर हैं।"
श्रीमती बेनेट ने उन्हें आश्वस्त किया कि वे रात के खाने के बाद कभी भी वहाँ नहीं बैठते थे, और फिर आगे कहा:
"क्या मैं आपसे यह पूछने की अनुमति ले सकता हूँ कि आपने श्रीमान और श्रीमती कॉलिन्स को कुशल मंगल पाया?"
"जी हां, बिल्कुल। मैंने उन्हें परसों रात देखा था।"
अब एलिजाबेथ को उम्मीद थी कि शार्लोट की ओर से उसे कोई पत्र मिलेगा, क्योंकि यही उसके बुलावे का एकमात्र संभावित कारण प्रतीत होता था। लेकिन कोई पत्र नहीं मिला, और वह पूरी तरह से हैरान रह गई।
श्रीमती बेनेट ने बड़ी विनम्रता से महारानी से कुछ जलपान करने का अनुरोध किया; लेकिन लेडी कैथरीन ने बहुत दृढ़ता से और असभ्य तरीके से कुछ भी खाने से इनकार कर दिया; और फिर उठकर एलिजाबेथ से कहा,
"मिस बेनेट, आपके लॉन के एक तरफ एक सुंदर सा छोटा सा जंगली इलाका दिखाई दिया। अगर आप मुझे अपना साथ देंगी तो मुझे उसमें घूमने में खुशी होगी।"
“जाओ, मेरी प्यारी बेटी,” उसकी माँ ने कहा, “और महारानी को अलग-अलग रास्ते दिखाओ। मुझे लगता है कि उन्हें आश्रम पसंद आएगा।”
एलिजाबेथ ने आज्ञा का पालन किया और अपना छाता लेने के लिए अपने कमरे में दौड़कर नीचे अपने सम्मानित अतिथि के साथ गई। जब वे हॉल से गुज़र रहे थे, लेडी कैथरीन ने भोजन कक्ष और ड्राइंग रूम के दरवाज़े खोले और एक संक्षिप्त निरीक्षण के बाद उन्हें शालीन कमरे बताते हुए आगे बढ़ गईं।
उसकी गाड़ी दरवाजे पर ही खड़ी रही, और एलिजाबेथ ने देखा कि उसकी दासी उसमें बैठी है। वे चुपचाप उस पथरीले रास्ते पर आगे बढ़ीं जो झाड़ियों की ओर जाता था; एलिजाबेथ ने ठान लिया था कि वह उस महिला से बातचीत करने की कोशिश नहीं करेगी जो अब पहले से कहीं अधिक उद्दंड और अप्रिय हो गई थी।
"मैं भला उसे उसके भतीजे की तरह कैसे सोच सकती हूँ?" उसने उसके चेहरे की ओर देखते हुए कहा।
जैसे ही वे झाड़ियों के झुरमुट में दाखिल हुए, लेडी कैथरीन ने निम्नलिखित ढंग से बोलना शुरू किया:—
"मिस बेनेट, मेरी इस यात्रा का कारण समझने में आपको कोई परेशानी नहीं होगी। आपका अपना दिल, आपकी अपनी अंतरात्मा, आपको बता देगी कि मैं क्यों आया हूँ।"
एलिजाबेथ ने स्वाभाविक आश्चर्य के साथ देखा।
"जी हां, आप गलत हैं, महोदया। मुझे आपको यहां देखकर जो सम्मान मिला है, उसका कारण मैं बिलकुल भी नहीं बता सकता।"
"मिस बेनेट," उनकी लेडीशिप ने गुस्से भरे स्वर में उत्तर दिया, "आपको पता होना चाहिए कि मुझसे खिलवाड़ नहीं किया जा सकता। लेकिन आप चाहे जितनी भी बेईमानी करना चाहें, आप मुझे बेईमान नहीं पाएँगी। मेरा

चरित्र हमेशा से अपनी ईमानदारी और स्पष्टवादिता के लिए प्रसिद्ध रहा है, और इस जैसे महत्वपूर्ण मामले में मैं निश्चित रूप से इससे विचलित नहीं होऊँगी। दो दिन पहले मुझे एक बेहद चिंताजनक खबर मिली। मुझे बताया गया कि न केवल आपकी बहन का बहुत ही लाभकारी विवाह होने वाला है, बल्कि आप, मिस एलिजाबेथ बेनेट, भी संभवतः जल्द ही मेरे भतीजे, मेरे अपने भतीजे, श्री डार्सी से विवाह करने वाली हैं। हालाँकि मैं जानती हूँ कि यह एक घिनौना झूठ है, हालाँकि मैं उन्हें इतना नुकसान नहीं पहुँचाना चाहती कि इसकी सच्चाई पर विश्वास करूँ, फिर भी मैंने तुरंत यहाँ आने का फैसला किया ताकि मैं आपको अपने विचार बता सकूँ।"

"अगर आपको लगता है कि यह सच होना असंभव है," एलिजाबेथ ने आश्चर्य और तिरस्कार से भरे स्वर में कहा, "तो मुझे आश्चर्य है कि आपने इतनी दूर आने की जहमत क्यों उठाई। इससे आपको क्या लाभ हो सकता है?"

"ऐसी रिपोर्ट का सर्वत्र खंडन करने पर जोर देना।"

एलिजाबेथ ने शांत स्वर में कहा, "आपका लॉन्गबोर्न आकर मुझसे और मेरे परिवार से मिलना, इस बात की पुष्टि ही करेगा; अगर वास्तव में ऐसी कोई खबर मौजूद है।"

"अगर! तो क्या आप इससे अनभिज्ञ होने का नाटक कर रहे हैं? क्या आपने स्वयं ही इसे जानबूझकर प्रचारित नहीं किया है? क्या आपको नहीं पता कि ऐसी खबर हर जगह फैलाई जा रही है?"

मैंने इसके बारे में कभी नहीं सुना था।

"और क्या आप यह भी कह सकते हैं कि इसका कोई आधार नहीं है?"

मैं यह दावा नहीं करता कि मैं आपकी महोदया के समान स्पष्टवादी हूं। आप मुझसे प्रश्न पूछ सकती हैं जिनका उत्तर देना मैं उचित नहीं समझूंगा।

"यह बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। मिस बेनेट, मैं संतुष्ट होना चाहता हूँ। क्या मेरे भतीजे ने आपको शादी का प्रस्ताव दिया है?"

"महामहिम ने इसे असंभव घोषित कर दिया है।"

"ऐसा होना चाहिए; जब तक उसकी बुद्धि काम करती है, ऐसा होना ही चाहिए। लेकिन तुम्हारी कला और प्रलोभनों ने मोह में आकर उसे अपने और अपने परिवार के प्रति अपने कर्तव्यों को भुला दिया होगा। हो सकता है तुमने उसे अपने जाल में फंसा लिया हो।"

"अगर मैंने ऐसा किया है, तो मैं इसे स्वीकार करने वाला आखिरी व्यक्ति होऊंगा।"

"मिस बेनेट, क्या आप जानती हैं कि मैं कौन हूँ? मुझे इस तरह की भाषा सुनने की आदत नहीं है। मैं दुनिया में उनका लगभग सबसे करीबी रिश्तेदार हूँ, और मुझे उनके सभी प्रिय मामलों को जानने का पूरा अधिकार है।"

"लेकिन आपको मेरा जानने का कोई अधिकार नहीं है; और न ही इस तरह का व्यवहार मुझे कभी खुलकर बोलने के लिए प्रेरित करेगा।"

"मुझे ठीक से समझ लीजिए। जिस विवाह की आप कल्पना कर रहे हैं, वह कभी नहीं हो सकता। जी नहीं, कभी नहीं। मिस्टर डार्सी की सगाई मेरी बेटी से हो चुकी है। अब आपको क्या कहना है?"
"बस इतना ही; कि अगर वह ऐसा है, तो आपके पास यह मानने का कोई कारण नहीं है कि वह मुझे कोई प्रस्ताव देगा।"
लेडी कैथरीन एक पल के लिए हिचकिचाईं, और फिर जवाब दिया:
"उनका रिश्ता एक खास तरह का है। बचपन से ही उनका एक-दूसरे के लिए ही रिश्ता तय था। यह उनकी मां और उनकी मां दोनों की दिली तमन्ना थी। जब वे पालने में थे, तभी हमने उनके मिलन की योजना बना ली थी: और अब, जब दोनों बहनों की इच्छाएं शादी के रूप में पूरी होने वाली थीं, तो एक नीच कुल की, दुनिया में महत्वहीन और परिवार से बिल्कुल अलग युवती के कारण इसमें रुकावट आ रही है! क्या आप उनके दोस्तों की इच्छाओं का कोई लिहाज नहीं करते? मिस डी बोर्ग के साथ उनके मौन समझौते का? क्या आप शिष्टाचार और शालीनता की भावना से पूरी तरह बेखबर हैं? क्या आपने मुझे यह कहते नहीं सुना कि बचपन से ही उनका रिश्ता उनकी चचेरी बहन के लिए तय था?"
"हाँ, और मैंने यह पहले भी सुना था। लेकिन इससे मुझे क्या लेना-देना? अगर आपके भतीजे से मेरी शादी पर कोई और आपत्ति नहीं है, तो मैं यह जानकर बिल्कुल भी पीछे नहीं हटूँगी कि उसकी माँ और चाची चाहती थीं कि वह मिस डी बोर्ग से शादी करे। आप दोनों ने शादी की योजना बनाने में अपनी पूरी कोशिश की। इसका पूरा होना दूसरों पर निर्भर था। अगर मिस्टर डार्सी न तो सम्मान से और न ही स्वभाव से अपनी चचेरी बहन के प्रति बाध्य हैं, तो वे दूसरा विकल्प क्यों नहीं चुन सकते? और अगर मैं ही वह विकल्प हूँ, तो मैं उन्हें क्यों न स्वीकार करूँ?"
"क्योंकि मान-सम्मान, मर्यादा, विवेक, बल्कि स्वार्थ भी इसकी निंदा करते हैं। जी हां, मिस बेनेट, स्वार्थ; क्योंकि अगर आप जानबूझकर सबकी इच्छा के विरुद्ध काम करेंगी, तो उनके परिवार या दोस्तों द्वारा आपकी ओर ध्यान दिए जाने की उम्मीद न करें। उनसे जुड़े हर व्यक्ति द्वारा आपकी निंदा की जाएगी, आपको अपमानित किया जाएगा और आपका तिरस्कार किया जाएगा। आपका यह संबंध कलंक होगा; हममें से कोई भी आपका नाम तक नहीं लेगा।"
"ये तो बहुत बड़ी विपत्तियाँ हैं," एलिजाबेथ ने उत्तर दिया। "लेकिन मिस्टर डार्सी की पत्नी होने के नाते, उनकी स्थिति से स्वाभाविक रूप से इतनी असाधारण खुशियाँ जुड़ी हुई हैं कि कुल मिलाकर उनके पास शिकायत करने का कोई कारण नहीं हो सकता।"
"हठी, अड़ियल लड़की! मुझे तुम पर शर्म आती है! क्या यही तुम्हारा पिछले वसंत में तुम्हारे प्रति मेरे स्नेह का आभार है? क्या उस बात के लिए मेरा कुछ भी हक़ नहीं है? चलिए बैठते हैं। मिस बेनेट, आपको समझना होगा कि मैं यहाँ अपने उद्देश्य को पूरा करने के दृढ़ संकल्प के साथ आई हूँ; और मैं इससे पीछे नहीं हटूँगी। मुझे किसी की मनमानी के आगे झुकने की आदत नहीं है। मुझे निराशा सहने की आदत नहीं है।"
"इससे आपकी वर्तमान स्थिति और भी दयनीय हो जाएगी; लेकिन इसका मुझ पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।"

"मैं नहीं चाहती कि कोई मुझे बाधित करे। चुपचाप मेरी बात सुनो। मेरी बेटी और मेरा भतीजा एक-दूसरे के लिए ही बने हैं। वे अपनी माँ की तरफ से एक ही कुलीन वंश से हैं; और अपने पिता की तरफ से प्रतिष्ठित, सम्मानित और प्राचीन—भले ही उन्हें कोई उपाधि प्राप्त न हो—परिवारों से हैं। दोनों तरफ से उनका भाग्य शानदार है। उनके परिवारों के हर सदस्य ने उन्हें एक-दूसरे के लिए ही चुना है; तो भला उन्हें कौन अलग कर सकता है? एक ऐसी युवती का घमंड, जिसके पास न परिवार है, न रिश्तेदार, न धन-दौलत। क्या इसे बर्दाश्त किया जा सकता है! लेकिन ऐसा नहीं होना चाहिए, ऐसा नहीं होगा। अगर तुम अपनी भलाई के प्रति सचेत होते, तो तुम उस परिवेश को छोड़ना नहीं चाहते जिसमें तुम्हारा पालन-पोषण हुआ है।"
"आपके भतीजे से शादी करके मैं खुद को उस दायरे से बाहर नहीं मानूंगी। वह एक सज्जन व्यक्ति हैं; मैं एक सज्जन व्यक्ति की बेटी हूं; इस मामले में हम बराबर हैं।"
"सच है। तुम एक सज्जन की बेटी हो। लेकिन तुम्हारी माँ कौन थी? तुम्हारे चाचा-चाची कौन हैं? मुझे उनकी स्थिति से अनभिज्ञ मत समझो।"
एलिजाबेथ ने कहा, "मेरे संबंध चाहे जो भी हों, अगर आपके भतीजे को उन पर कोई आपत्ति नहीं है, तो उनका आपसे कोई लेना-देना नहीं है।"
"मुझे एक बार साफ-साफ बता दो, क्या तुम्हारी उससे सगाई हो गई है?"
हालांकि एलिजाबेथ केवल लेडी कैथरीन को प्रसन्न करने के उद्देश्य से इस प्रश्न का उत्तर नहीं देती, फिर भी क्षण भर विचार करने के बाद वह कहने के लिए बाध्य थी:
"मैं नहीं हूँ।"
लेडी कैथरीन प्रसन्न प्रतीत हुईं।
और क्या आप मुझसे वादा करेंगे कि आप कभी भी इस तरह की सगाई नहीं करेंगे?
मैं इस तरह का कोई वादा नहीं करूंगा।
"मिस बेनेट, मैं स्तब्ध और अचंभित हूँ। मुझे आपसे अधिक समझदार युवती की उम्मीद थी। लेकिन आप यह सोचकर खुद को धोखा न दें कि मैं कभी पीछे हटूँगा। जब तक आप मुझे वह आश्वासन नहीं दे देतीं जिसकी मुझे आवश्यकता है, मैं नहीं जाऊँगा।"
और मैं इसे कभी नहीं दूंगी। मैं इतनी बेतुकी बात के लिए डरने वाली नहीं हूँ। आप चाहती हैं कि मिस्टर डार्सी आपकी बेटी से शादी करें; लेकिन क्या मेरी यह मनचाही प्रतिज्ञा देने से उनकी शादी की संभावना थोड़ी भी बढ़ जाएगी? मान लीजिए कि वह मुझसे प्यार करते हैं, तो क्या मेरा उनका हाथ ठुकराना उन्हें अपनी चचेरी बहन को देने के लिए मजबूर कर देगा? मुझे कहने दीजिए, लेडी कैथरीन, कि आपने इस असाधारण प्रस्ताव के समर्थन में जो तर्क दिए हैं, वे उतने ही बेतुके हैं जितना कि यह प्रस्ताव गलत था। अगर आपको लगता है कि मैं ऐसी बातों से प्रभावित हो जाऊंगी, तो आपने मेरे चरित्र को पूरी तरह गलत समझा है। आपके भतीजे को आपके उनके मामलों में दखल देने से कितनी सहमति होगी, यह मैं नहीं कह सकती; लेकिन आपको मेरे

मामलों में दखल देने का कोई अधिकार नहीं है। इसलिए, मैं आपसे निवेदन करती हूँ कि इस विषय पर और अधिक चर्चा न करें।
"इतनी जल्दी मत कीजिए। अभी बात खत्म नहीं हुई है। मैंने पहले ही जो आपत्तियां उठाई हैं, उनमें एक और जोड़नी है। आपकी सबसे छोटी बहन के कुख्यात भाग जाने की घटना से मैं भली-भांति परिचित हूं। मुझे सब पता है; कि उस युवक की उससे शादी एक दिखावटी समझौता थी, जो आपके पिता और चाचाओं के खर्चे पर हुई थी। और क्या ऐसी लड़की मेरे भतीजे की बहन हो सकती है? क्या उसका पति, उसके दिवंगत पिता के प्रबंधक का बेटा, उसका भाई हो सकता है? हे भगवान! आप ये क्या सोच रहे हैं? क्या पेम्बर्ली की पवित्रता को इस तरह कलंकित किया जाना चाहिए?"
“अब आपके पास कहने के लिए कुछ नहीं बचा है,” उसने नाराज़गी से जवाब दिया। “आपने हर तरह से मेरा अपमान किया है। मुझे घर वापस जाने के लिए विनती करनी होगी।”
और बोलते-बोलते वह खड़ी हो गईं। लेडी कैथरीन भी खड़ी हुईं और वे वापस मुड़ गईं। उनकी पत्नी बेहद क्रोधित थीं।
"तुम्हें मेरे भतीजे की इज्जत और प्रतिष्ठा की कोई परवाह नहीं है! निर्दयी, स्वार्थी लड़की! क्या तुम्हें यह नहीं लगता कि तुम्हारे साथ संबंध रखने से वह सबके सामने बदनाम हो जाएगा?"
"लेडी कैथरीन, मुझे और कुछ नहीं कहना है। आप मेरी भावनाओं को जानती हैं।"
"तो क्या आप उसे पाने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं?"
"मैंने ऐसी कोई बात नहीं कही है। मैंने केवल उस तरीके से कार्य करने का संकल्प लिया है, जो मेरी अपनी राय में, आपकी या मुझसे पूरी तरह से असंबंधित किसी भी व्यक्ति की परवाह किए बिना, मेरी खुशी का कारण बनेगा।"
"यह ठीक है। तो फिर तुम मेरी बात मानने से इनकार कर रहे हो। तुम कर्तव्य, सम्मान और कृतज्ञता के आह्वान का पालन करने से इनकार कर रहे हो। तुम उसे उसके सभी मित्रों की नजरों में बर्बाद करने और उसे दुनिया की नजरों में तिरस्कार का पात्र बनाने पर तुले हुए हो।"
“इस समय न तो कर्तव्य, न सम्मान, न कृतज्ञता का मुझ पर कोई अधिकार है। श्री डार्सी से विवाह करने से इनमें से किसी भी सिद्धांत का उल्लंघन नहीं होगा। और उनके परिवार की नाराजगी या दुनिया के आक्रोश की बात करें, अगर मुझसे शादी करने से ऐसा होता भी है, तो मुझे इससे जरा भी चिंता नहीं होगी—और आम तौर पर दुनिया इतनी समझदार होगी कि वह इस उपहास में शामिल नहीं होगी।”
"और यही है आपकी असली राय! यही है आपका अंतिम निर्णय! बहुत खूब। अब मुझे पता चल गया है कि मुझे क्या करना है। मिस बेनेट, यह मत सोचिए कि आपकी महत्वाकांक्षा कभी पूरी होगी। मैं आपको परखने आया था। मुझे उम्मीद थी कि आप समझदार होंगी; लेकिन यकीन मानिए, मैं अपनी बात मनवाकर रहूंगा।"

इसी तरह लेडी कैथरीन बोलती रहीं, जब तक कि वे गाड़ी के दरवाजे तक नहीं पहुँच गईं। फिर अचानक मुड़कर उन्होंने कहा, "मैं आपसे विदा नहीं ले रही हूँ, मिस बेनेट। मैं आपकी माँ को कोई शुभकामनाएँ नहीं भेज रही हूँ। आप ऐसी किसी भी प्रशंसा की पात्र नहीं हैं। मैं बहुत ही गंभीर रूप से नाराज़ हूँ।"
एलिजाबेथ ने कोई जवाब नहीं दिया; और लेडी कैथरीन को घर में वापस आने के लिए मनाने की कोशिश किए बिना, चुपचाप खुद ही अंदर चली गई। सीढ़ियों पर चढ़ते समय उसने गाड़ी के दूर जाने की आवाज़ सुनी। उसकी माँ अधीरता से ड्रेसिंग रूम के दरवाजे पर उससे मिलीं और पूछने लगीं कि लेडी कैथरीन अंदर आकर आराम क्यों नहीं कर रही हैं।
उनकी बेटी ने कहा, "उन्होंने इसे चुना नहीं था, वह खुद जाएंगी।"
"वह बहुत ही सुंदर महिला हैं! और उनका यहाँ आना बेहद विनम्रतापूर्ण था! क्योंकि मुझे लगता है कि वह केवल हमें यह बताने आई थीं कि कोलिन्स परिवार ठीक है। मुझे यकीन है कि वह कहीं जा रही हैं, और इसलिए मेरिटन से गुजरते हुए उन्होंने सोचा कि आपसे भी मिल लें। मुझे लगता है कि उन्हें आपसे कुछ खास कहना नहीं था, लिज़ी?"
एलिजाबेथ को यहाँ थोड़ा झूठ बोलना पड़ा; क्योंकि उनकी बातचीत के सार को स्वीकार करना असंभव था।

अध्याय 15

इस असाधारण मुलाकात से एलिजाबेथ की मनःस्थिति इतनी बिगड़ गई थी कि वह आसानी से इससे उबर नहीं पाई; कई घंटों तक वह इसके बारे में सोचना बंद नहीं कर पाई। ऐसा प्रतीत हुआ कि लेडी कैथरीन ने वास्तव में मिस्टर डार्सी के साथ अपनी कथित सगाई तोड़ने के एकमात्र उद्देश्य से ही रोज़िंग्स से यह यात्रा की थी। यह एक तर्कसंगत योजना थी, इसमें कोई संदेह नहीं! लेकिन उनकी सगाई की खबर कहाँ से आई होगी, यह एलिजाबेथ समझ नहीं पा रही थी; तभी उसे याद आया कि डार्सी का बिंगले का घनिष्ठ मित्र होना और एलिजाबेथ का जेन की बहन होना, ऐसे समय में जब एक शादी की उम्मीद ने सबको दूसरी शादी के लिए उत्सुक कर दिया था, इस बात का अंदाजा लगाने के लिए काफी था। वह खुद भी यह महसूस करना नहीं भूली थी कि उसकी बहन की शादी से वे दोनों अक्सर एक-दूसरे से मिलेंगे। और इसलिए, लुकास लॉज में उसके पड़ोसियों ने (क्योंकि कॉलिन्स परिवार के साथ उनके संपर्क के माध्यम से, उसने अनुमान लगाया, यह खबर लेडी कैथरीन तक पहुँच गई थी) इसे लगभग निश्चित और तत्काल होने वाला बताया था, जिसे वह भविष्य में संभव मान रही थी।

लेडी कैथरीन के हाव-भाव पर गौर करते हुए, एलिजाबेथ को इस बात की चिंता सता रही थी कि इस हस्तक्षेप को जारी रखने के क्या परिणाम हो सकते हैं। कैथरीन द्वारा उनके विवाह को रोकने के दृढ़ संकल्प के बारे में कही गई बातों से एलिजाबेथ को लगा कि उसे अपने भतीजे से इस बारे में बात करनी चाहिए; और वह यह कहने की हिम्मत नहीं कर पा रही थी कि कहीं वह भी उससे संबंध रखने से जुड़ी बुराइयों को उसी तरह न समझ ले। वह अपने भतीजे के प्रति उसके स्नेह की सही मात्रा या उसके निर्णय पर उसकी निर्भरता को नहीं जानती थी, लेकिन यह मानना स्वाभाविक था कि वह अपनी चाची को उससे कहीं अधिक सम्मान देता होगा; और यह निश्चित था कि अपने से इतने असमान संबंध रखने वाले व्यक्ति से विवाह की विपत्तियों को गिनाते हुए, उसकी चाची उसकी सबसे कमजोर कड़ी पर प्रहार करेगी। अपनी गरिमा की धारणाओं के कारण, वह शायद यह महसूस करेगा कि जो तर्क एलिजाबेथ को कमजोर और हास्यास्पद लग रहे थे, उनमें बहुत समझदारी और ठोस तर्क छिपे हैं।

यदि वह पहले इस बात को लेकर दुविधा में था कि उसे क्या करना चाहिए, जो अक्सर संभव प्रतीत होता था, तो इतने करीबी रिश्तेदार की सलाह और विनती उसके सभी संदेह दूर कर सकती थी और उसे तुरंत यह निश्चय दिला सकती थी कि वह गरिमापूर्ण जीवन जीते हुए यथासंभव प्रसन्न रहेगा। ऐसी स्थिति में वह फिर कभी वापस नहीं लौटेगा। लेडी कैथरीन उसे शहर से गुजरते समय देख सकती हैं; और बिंगले से किया गया उसका नेदरफील्ड वापस आने का वादा टूट जाएगा।

"इसलिए, अगर कुछ दिनों के भीतर उसके दोस्त को अपना वादा न निभाने का कोई बहाना मिल जाए, तो मैं उसे समझ जाऊंगी। तब मैं उसकी वफादारी की हर उम्मीद, हर इच्छा छोड़ दूंगी। अगर वह सिर्फ मुझे याद

करके ही संतुष्ट हो जाता है, जबकि वह मेरा स्नेह और हाथ पा सकता था, तो मैं भी जल्द ही उसे याद करना छोड़ दूंगी।"

परिवार के बाकी सदस्यों को जब पता चला कि उनका मेहमान कौन था, तो उन्हें बहुत आश्चर्य हुआ; लेकिन उन्होंने उसी तरह के अनुमान से उनकी जिज्ञासा को शांत कर दिया, जिससे श्रीमती बेनेट की जिज्ञासा शांत हुई थी; और एलिजाबेथ इस विषय पर बहुत ज्यादा मजाक उड़ाए जाने से बच गई।
अगली सुबह जब वह सीढ़ियों से नीचे जा रही थी, तो उसकी मुलाकात उसके पिता से हुई, जो अपने पुस्तकालय से हाथ में एक पत्र लिए बाहर आए थे।
"लिज़ी," उसने कहा, "मैं तुम्हें ढूंढने जा रहा था; मेरे कमरे में आ जाओ।"
वह उसके पीछे-पीछे वहाँ गई; और यह जानने की उसकी उत्सुकता और बढ़ गई कि वह उसे क्या बताना चाहता है, क्योंकि उसे लग रहा था कि यह किसी न किसी तरह उस पत्र से जुड़ा हुआ है जो उसके पास था। अचानक उसे लगा कि यह लेडी कैथरीन का पत्र हो सकता है; और वह इसके बाद आने वाली सभी संभावित व्याख्याओं के बारे में सोचकर घबरा गई।
वह अपने पिता के पीछे-पीछे चूल्हे के पास गई और दोनों बैठ गए। फिर उन्होंने कहा,
"आज सुबह मुझे एक पत्र मिला है जिसने मुझे बेहद आश्चर्यचकित कर दिया है। चूंकि यह मुख्य रूप से आपसे संबंधित है, इसलिए आपको इसकी विषयवस्तु अवश्य जाननी चाहिए। मुझे पहले पता नहीं था कि मेरी दो बेटियाँ विवाह के कगार पर हैं। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर मैं आपको हार्दिक बधाई देता हूँ।"
एलिजाबेथ के गालों पर तुरंत लाली आ गई जब उसे पता चला कि यह पत्र चाची के बजाय भतीजे का है; और वह तय नहीं कर पा रही थी कि उसे इस बात से ज़्यादा खुशी होनी चाहिए कि उसने अपनी बात स्पष्ट की, या इस बात से नाराज़ होना चाहिए कि उसका पत्र उसे संबोधित नहीं था; तभी उसके पिता ने आगे कहा:
"आप सचेत लग रही हैं। ऐसी बातों में युवतियों की समझ बहुत अच्छी होती है; लेकिन मुझे लगता है कि मैं आपकी बुद्धिमत्ता को भी चुनौती दे सकती हूँ, अगर मैं आपके प्रशंसक का नाम बता सकूँ। यह पत्र श्री कॉलिन्स की ओर से है।"
"श्री कॉलिन्स की ओर से! और उन्हें क्या कहना है?"
"बिल्कुल काम की बात है। वह मेरी सबसे बड़ी बेटी के आने वाले विवाह पर बधाई देते हुए शुरू करते हैं, जिसके बारे में उन्हें कुछ मिलनसार, गपशप करने वाले लुकास परिवार के सदस्यों से पता चला है। मैं इस विषय पर उनके कहे को पढ़कर आपकी बेचैनी नहीं बढ़ाऊंगा। जो आपसे संबंधित है, वह इस प्रकार है:
'श्रीमती कॉलिन्स और मेरी ओर से इस शुभ अवसर पर हार्दिक बधाई देने के बाद, अब मैं एक और विषय पर एक छोटा सा संकेत देना चाहता हूँ; जिसके बारे में हमें उसी स्रोत से सूचना मिली है। ऐसा माना जाता है कि आपकी बेटी एलिजाबेथ, अपनी बड़ी बहन के बेनेट उपनाम छोड़ने के बाद, जल्द ही बेनेट उपनाम धारण नहीं करेगी, और उसके जीवनसाथी को इस देश के सबसे प्रतिष्ठित व्यक्तियों में से एक माना जा सकता है।'

"क्या तुम अंदाज़ा लगा सकती हो, लिज़ी, कि इसका मतलब किससे है?" "यह नौजवान एक अनोखे तरीके से हर उस चीज़ से नवाज़ा गया है जिसकी एक इंसान का दिल सबसे ज़्यादा ख्वाहिश कर सकता है—शानदार संपत्ति, कुलीन रिश्तेदारी और व्यापक संरक्षण। फिर भी इन सभी प्रलोभनों के बावजूद, मैं अपनी चचेरी बहन एलिज़ाबेथ और तुम्हें इस बात से आगाह करना चाहता हूँ कि इस सज्जन के प्रस्तावों को जल्दबाज़ी में स्वीकार करने से तुम्हें क्या नुकसान हो सकते हैं, जिनका तुम ज़ाहिर तौर पर तुरंत फ़ायदा उठाना चाहोगी।"
"क्या तुम्हें पता है, लिज़ी, कि यह सज्जन कौन हैं? लेकिन अब यह बात सामने आ गई है:
"आपको आगाह करने का मेरा मकसद निम्नलिखित है। हमारे पास यह मानने का कारण है कि उनकी चाची, लेडी कैथरीन डी बोर्ग, इस शादी को दोस्ताना नजरिए से नहीं देखती हैं।"
"देखो, मिस्टर डार्सी ही असली हीरो हैं! लिज़ी, मुझे लगता है मैंने तुम्हें चौंका दिया है। क्या वो या ल्यूकेस परिवार हमारे जान-पहचान वालों में से किसी ऐसे आदमी को चुन सकते थे, जिसका नाम उनकी कही बातों को झूठ साबित करने में ज़्यादा कारगर साबित होता? मिस्टर डार्सी, जो किसी भी औरत को सिर्फ़ उसकी खामी देखने के लिए देखते हैं, और जिन्होंने शायद तुम्हें अपनी पूरी ज़िंदगी में कभी देखा ही नहीं! ये तो वाकई कमाल है!"
एलिजाबेथ ने अपने पिता की हंसी-मजाक में शामिल होने की कोशिश की, लेकिन वह केवल एक बेमन से मुस्कुरा सकी। उनके पिता की हास्य-व्यंग्य भरी बातें उसे पहले कभी इतनी अप्रिय नहीं लगीं थीं।
"क्या आपका ध्यान कहीं और नहीं भटक रहा है?"
"ओह! जी हाँ। कृपया आगे पढ़ते रहिए।"
"कल रात जब मैंने महारानी से इस विवाह की संभावना के बारे में बात की, तो उन्होंने हमेशा की तरह विनम्रता से इस अवसर पर अपनी भावना व्यक्त की; जब यह स्पष्ट हो गया कि मेरी चचेरी बहन की ओर से कुछ पारिवारिक आपत्तियों के कारण, वह इस विवाह को कभी भी अपनी सहमति नहीं देंगी, जिसे उन्होंने इतना अपमानजनक बताया। मैंने अपनी चचेरी बहन को इसकी सूचना देना अपना कर्तव्य समझा, ताकि वह और उनके प्रतिष्ठित प्रेमी को पता चल जाए कि वे क्या करने जा रहे हैं, और वे जल्दबाजी में ऐसे विवाह में न पड़ें जिसे विधिवत मंजूरी नहीं मिली है।" श्री कॉलिन्स आगे कहते हैं, 'मुझे सचमुच बहुत खुशी है कि मेरी चचेरी बहन लिडिया का दुखद मामला इतनी अच्छी तरह से दबा दिया गया है, और मुझे केवल इस बात की चिंता है कि शादी से पहले उनके साथ रहने की बात इतनी आम हो गई। हालांकि, मुझे अपने पद के कर्तव्यों की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए, और न ही इस बात पर अपनी हैरानी व्यक्त करने से पीछे हटना चाहिए कि आपने शादी के तुरंत बाद उस युवा जोड़े को अपने घर में जगह दी। यह बुराई को बढ़ावा देना था; और अगर मैं लॉन्गबोर्न का रेक्टर होता, तो मैं इसका कड़ा विरोध करता। आपको एक ईसाई होने के नाते उन्हें अवश्य क्षमा कर देना चाहिए, लेकिन उन्हें कभी भी अपनी नज़रों के सामने आने की अनुमति नहीं देनी चाहिए, और न ही उनके नाम को अपने सामने लेने देना चाहिए।' ईसाई क्षमा के बारे में उनकी यही धारणा है! उनके पत्र का बाकी हिस्सा केवल उनकी प्यारी शार्लेट की स्थिति और सुलह की उनकी उम्मीद के बारे में है। लेकिन,

लिज़ी, ऐसा लगता है कि आपको यह पसंद नहीं आया। मुझे उम्मीद है कि आप नखरे नहीं दिखाएंगी और एक बेकार की खबर पर नाराज़गी का नाटक नहीं करेंगी। आखिर हम जीने का मकसद क्या है, सिवाय अपने पड़ोसियों का मज़ाक उड़ाना और बदले में उन पर हंसना?
"ओह!" एलिजाबेथ चिल्लाई, "मैं तो बहुत खुश हूँ। लेकिन यह कितना अजीब है!"
"हाँ—यही तो इसे मज़ेदार बनाता है। अगर उन्होंने किसी और को चुना होता तो कुछ भी नहीं होता; लेकिन उनकी पूर्ण उदासीनता और आपकी स्पष्ट नापसंदगी ने इसे इतना आनंददायक रूप से हास्यास्पद बना दिया है! हालाँकि मुझे लिखना बिल्कुल पसंद नहीं है, फिर भी मैं किसी भी कीमत पर मिस्टर कॉलिन्स के पत्रों को नहीं छोड़ूँगी। बल्कि, जब मैं उनका कोई पत्र पढ़ती हूँ, तो मैं उन्हें विकहम से भी ज़्यादा पसंद करती हूँ, भले ही मैं अपने दामाद की धृष्टता और पाखंड को कितना भी महत्व देती हूँ। और लिज़ी, लेडी कैथरीन ने इस खबर पर क्या कहा? क्या उन्होंने अपनी सहमति देने से इनकार करने के लिए फोन किया था?"
इस सवाल के जवाब में बेटी ने सिर्फ हंस दी; और चूंकि यह सवाल बिना किसी शक के पूछा गया था, इसलिए उसके बार-बार पूछे जाने पर भी उसे कोई दुख नहीं हुआ। एलिजाबेथ अपने भावों को ज़ाहिर करने में इतनी असमर्थ कभी नहीं हुई थी। उसे हंसना ज़रूरी लग रहा था, जबकि वह रोना चाहती थी। उसके पिता ने मिस्टर डार्सी की उदासीनता के बारे में जो कहा था, उससे उसे बहुत दुख हुआ था, और वह इस बात पर हैरानी जताने के अलावा कुछ नहीं कर सकती थी कि कहीं उसने कुछ ज़्यादा ही तो नहीं देख लिया।

अध्याय 16

एलिज़ाबेथ को उम्मीद थी कि मिस्टर बिंगले अपने दोस्त से माफ़ी का कोई पत्र लिखेंगे, लेकिन इसके बजाय वे लेडी कैथरीन के आने के कुछ ही दिनों के भीतर डार्सी को अपने साथ लॉन्गबोर्न ले आए। दोनों सज्जन जल्दी पहुँच गए; और मिसेज़ बेनेट के उन्हें अपनी चाची से मिलने की बात बताने से पहले ही, जिससे उनकी बेटी कुछ पल के लिए डर गई थी, बिंगले, जो जेन के साथ अकेले रहना चाहते थे, ने सबके साथ बाहर घूमने का प्रस्ताव रखा। इस पर सहमति बन गई। मिसेज़ बेनेट को घूमने की आदत नहीं थी; मैरी के पास कभी समय नहीं होता था; लेकिन बाकी पाँचों एक साथ चल पड़े। हालाँकि, बिंगले और जेन जल्द ही दूसरों से आगे निकल गए। वे पीछे रह गए, जबकि एलिज़ाबेथ, किटी और डार्सी आपस में बातें करते रहे। दोनों में से किसी ने भी ज़्यादा कुछ नहीं कहा; किटी उनसे इतनी डरी हुई थी कि बात नहीं कर पा रही थी; एलिज़ाबेथ मन ही मन कोई बड़ा फैसला ले रही थी; और शायद डार्सी भी ऐसा ही कर रहे थे।

वे लुकास परिवार की ओर चल पड़े, क्योंकि किट्टी मारिया से मिलना चाहता था; और चूंकि एलिजाबेथ ने इसे सार्वजनिक मुद्दा बनाने की कोई आवश्यकता नहीं समझी, इसलिए किट्टी के जाने के बाद वह अकेले ही साहसपूर्वक उसके साथ आगे बढ़ गई। अब उसके संकल्प को अमल में लाने का समय था, और जब उसका साहस बुलंद था, तो उसने तुरंत कहा:

"श्रीमान डार्सी, मैं बहुत स्वार्थी प्राणी हूँ; और अपनी भावनाओं को संतुष्ट करने के लिए, मुझे इस बात की परवाह नहीं है कि मैं आपकी भावनाओं को कितना ठेस पहुँचा रही हूँ। मेरी बेचारी बहन के प्रति आपकी अतुलनीय दयालुता के लिए मैं आपका धन्यवाद किए बिना नहीं रह सकती। जब से मुझे इसके बारे में पता चला है, मैं आपको यह बताने के लिए बहुत उत्सुक रही हूँ कि मैं इसके लिए कितनी आभारी हूँ। अगर मेरे परिवार के बाकी सदस्यों को भी पता चल जाए, तो मुझे केवल अपनी कृतज्ञता ही व्यक्त नहीं करनी होगी।"

"मुझे बहुत खेद है, बेहद खेद है," डार्सी ने आश्चर्य और भावुकता भरे स्वर में उत्तर दिया, "कि आपको उस बात की जानकारी मिली जिससे आपको गलतफहमी हो सकती है। मुझे नहीं लगा था कि श्रीमती गार्डिनर इतनी कम भरोसेमंद हैं।"

"मेरी चाची को दोष मत दीजिए। लिडिया की लापरवाही ने सबसे पहले मुझे यह बताया कि आप इस मामले में शामिल थीं; और, ज़ाहिर है, जब तक मुझे पूरी जानकारी नहीं मिल गई, मुझे चैन नहीं आया। मैं अपने पूरे परिवार की ओर से आपको उस उदारता और करुणा के लिए बार-बार धन्यवाद देना चाहता हूँ, जिसके कारण आपने इतनी मेहनत की और इतने कष्ट सहे, ताकि आप उन्हें उजागर कर सकें।"

“यदि आप मुझे धन्यवाद देना चाहते हैं,” उन्होंने उत्तर दिया, “तो केवल अपने लिए ही दें। मैं इस बात से इनकार नहीं करूँगा कि आपको खुशी देने की इच्छा ने मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने वाले अन्य

कारणों को और बल दिया होगा। लेकिन आपके परिवार का मुझ पर कोई एहसान नहीं है। यद्यपि मैं उनका बहुत सम्मान करता हूँ, मेरा मानना है कि मैंने केवल आपके बारे में ही सोचा।"

एलिज़ाबेथ इतनी शर्मिंदा थी कि एक शब्द भी नहीं बोल पाई। कुछ देर रुकने के बाद, उसकी सहेली ने कहा, "तुम इतनी उदार हो कि मुझसे मज़ाक नहीं करोगी। अगर तुम्हारी भावनाएँ अभी भी वैसी ही हैं जैसी पिछले अप्रैल में थीं, तो मुझे तुरंत बता दो। मेरी भावनाएँ और इच्छाएँ बदली नहीं हैं, लेकिन तुम्हारा एक शब्द मुझे इस विषय पर हमेशा के लिए चुप करा देगा।"

एलिज़ाबेथ, उसकी स्थिति की असाधारण असहजता और चिंता को भांपते हुए, अब बोलने के लिए मजबूर हुई; और तुरंत ही, हालांकि बहुत धाराप्रवाह नहीं, उसने उसे समझा दिया कि जिस समय का उसने जिक्र किया था, उसके बाद से उसकी भावनाओं में इतना गहरा बदलाव आ चुका था कि वह उसके वर्तमान आश्वासनों को कृतज्ञता और प्रसन्नता के साथ स्वीकार कर रही थी। इस जवाब से उसे जो खुशी मिली, वैसी खुशी उसने शायद पहले कभी महसूस नहीं की थी; और उसने उस अवसर पर उतनी ही संवेदनशीलता और गर्मजोशी से अपनी भावनाएं व्यक्त कीं, जितनी एक प्रेम में डूबा हुआ व्यक्ति कर सकता है। यदि एलिज़ाबेथ उसकी आंखों में देख पाती, तो वह देख सकती थी कि उसके चेहरे पर फैली हार्दिक खुशी की अभिव्यक्ति उस पर कितनी जंच रही थी; लेकिन, हालांकि वह देख नहीं सकती थी, वह सुन सकती थी, और उसने उसे उन भावनाओं के बारे में बताया, जो यह साबित करती हैं कि वह उसके लिए कितनी महत्वपूर्ण थी, और इस तरह उसके स्नेह को हर पल और अधिक मूल्यवान बनाती जा रही थीं।

वे बिना दिशा जाने ही चलते रहे। उनके मन में इतना कुछ विचार करने, महसूस करने और कहने को था कि किसी और बात पर ध्यान देने का समय ही नहीं था। उन्हें जल्द ही पता चल गया कि उनकी वर्तमान अच्छी समझ उनकी चाची के प्रयासों के कारण थी, जो लंदन से लौटते समय उनसे मिलने आई थीं और वहाँ उन्होंने लॉन्गबोर्न की अपनी यात्रा, उसका उद्देश्य और एलिज़ाबेथ के साथ हुई बातचीत का सार बताया; उन्होंने एलिज़ाबेथ के हर उस कथन पर विशेष बल दिया, जो उनकी समझ में उनकी हठधर्मिता और आत्मविश्वास को दर्शाता था; इस विश्वास में कि ऐसा वर्णन उनके भतीजे से वह वादा प्राप्त करने के उनके प्रयासों में सहायक होगा जो उन्होंने देने से इनकार कर दिया था। लेकिन, दुर्भाग्य से, इसका परिणाम बिल्कुल विपरीत हुआ।

उन्होंने कहा, "इसने मुझे आशा करना सिखाया, क्योंकि इससे पहले मैंने शायद ही कभी खुद को आशा करने की अनुमति दी थी। मैं आपके स्वभाव को इतना जानता था कि मुझे यकीन था कि अगर आपने मेरे खिलाफ पूरी तरह से, अटल रूप से फैसला कर लिया होता, तो आप लेडी कैथरीन के सामने खुलकर और स्पष्ट रूप से इसे स्वीकार कर लेते।"

एलिजाबेथ का चेहरा लाल हो गया और वह हंसते हुए बोली, "हां, आप मेरी स्पष्टवादिता के बारे में इतना तो जानते ही हैं कि आप मुझ पर विश्वास कर सकते हैं कि मैं ऐसा कर सकती हूं। आपके सामने इतनी बुरी तरह

से आपकी निंदा करने के बाद, मुझे आपके सभी रिश्तेदारों के सामने आपकी निंदा करने में कोई संकोच नहीं होगा।"
"आपने मेरे बारे में ऐसा क्या कहा, जो मैं उचित नहीं था? क्योंकि, भले ही आपके आरोप निराधार थे, गलत धारणाओं पर आधारित थे, उस समय आपके प्रति मेरा व्यवहार घोर निंदा का पात्र था। यह अक्षम्य था। मैं इसके बारे में सोचे बिना घृणा महसूस नहीं कर सकता।"
"उस शाम के लिए हम दोनों में से किसे दोषी माना जाए, इस पर हम झगड़ा नहीं करेंगे," एलिजाबेथ ने कहा। "अगर हम दोनों के आचरण की बारीकी से जांच की जाए, तो वह निर्दोष नहीं होगा; लेकिन मुझे उम्मीद है कि तब से हम दोनों के व्यवहार में सुधार आया है।"
मैं इतनी आसानी से खुद को समझा नहीं सकता। उस समय मैंने जो कहा था, मेरा व्यवहार, मेरा बर्ताव, उस पूरी घटना के दौरान मेरे हाव-भाव, ये सब बातें मुझे आज भी और कई महीनों से असहनीय पीड़ा दे रही हैं। आपकी फटकार, जो बिल्कुल सटीक थी, मैं कभी नहीं भूलूंगा: 'अगर आपने और अधिक सभ्य तरीके से व्यवहार किया होता।' ये आपके शब्द थे। आप नहीं जानते, आप शायद ही कल्पना कर सकते हैं, कि उन्होंने मुझे कितना कष्ट दिया है; हालाँकि, मैं स्वीकार करता हूँ, मुझे उनकी सच्चाई को समझने में कुछ समय लगा।
"मुझे बिल्कुल भी उम्मीद नहीं थी कि वे इतना गहरा प्रभाव डालेंगे। मुझे जरा भी अंदाजा नहीं था कि उन्हें इस तरह महसूस किया जा सकता है।"
"मुझे इस बात पर आसानी से यकीन हो सकता है। मुझे पूरा यकीन है कि आपने तब मुझे हर तरह की भावना से रहित समझा था। आपके चेहरे के हाव-भाव मैं कभी नहीं भूलूंगा, जब आपने कहा था कि मैं आपसे किसी भी तरह से बात नहीं कर सकता था जिससे आप मुझे स्वीकार कर लें।"
"ओह! मैंने तब जो कहा था उसे दोहराइए मत। ये यादें बिल्कुल भी ठीक नहीं रहेंगी। मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि मुझे उस बात पर लंबे समय से बहुत शर्म आती है।"
डार्सी ने अपने पत्र का जिक्र किया। उसने कहा, "क्या इसे पढ़कर आपके मन में मेरे लिए सकारात्मक विचार आए? क्या इसे पढ़कर आपने इसकी सामग्री पर विश्वास किया?"
उसने बताया कि इसका उस पर क्या प्रभाव पड़ा था, और कैसे धीरे-धीरे उसके सभी पुराने पूर्वाग्रह दूर हो गए थे।
उन्होंने कहा, "मुझे पता था कि मैंने जो लिखा है उससे आपको दुख होगा, लेकिन यह ज़रूरी था। मुझे उम्मीद है कि आपने पत्र नष्ट कर दिया होगा। खासकर उसका एक हिस्सा, उसकी शुरुआत, जिसे आप दोबारा पढ़ लें तो मुझे बहुत डर लगेगा। मुझे कुछ ऐसे शब्द याद हैं जिन्हें पढ़कर आप मुझसे नफरत करने लग सकते हैं।"
"यदि आपको लगता है कि मेरी नज़र में सम्मान बनाए रखना आवश्यक है, तो पत्र को निश्चित रूप से जला दिया जाएगा; लेकिन, हालांकि हम दोनों के पास यह मानने का कारण है कि मेरे विचार पूरी तरह से अपरिवर्तनीय नहीं हैं, मुझे उम्मीद है कि वे इतनी आसानी से नहीं बदलेंगे जितना कि इससे प्रतीत होता है।"

डार्सी ने जवाब दिया, "जब मैंने वह पत्र लिखा था, तब मुझे लगा था कि मैं पूरी तरह शांत और संयमित हूं, लेकिन अब मुझे यकीन हो गया है कि वह पत्र मन की भयानक कड़वाहट में लिखा गया था।"
"शायद पत्र की शुरुआत कड़वाहट से हुई थी, लेकिन अंत ऐसा नहीं था। विदाई तो मानो एक तरह की दया है। लेकिन अब उस पत्र के बारे में और मत सोचो। पत्र लिखने वाले और पत्र पाने वाले, दोनों की भावनाएँ अब उस समय से इतनी अलग हैं कि उससे जुड़ी हर अप्रिय बात को भुला देना चाहिए। तुम्हें मेरी कुछ बातें सीखनी चाहिए। अतीत को केवल उसी रूप में याद करो जिससे तुम्हें आनंद मिले।"
मैं आपको इस तरह के किसी भी दर्शन का श्रेय नहीं दे सकता। आपके आत्मनिरीक्षण इतने दोषरहित होने चाहिए कि उनसे उत्पन्न संतोष दर्शन का नहीं, बल्कि उससे कहीं बेहतर, निर्दोषता का हो। लेकिन मेरे साथ ऐसा नहीं है। दर्दनाक यादें आ जाती हैं जिन्हें रोका नहीं जा सकता, जिन्हें रोका जाना चाहिए। मैं अपने पूरे जीवन में स्वार्थी रहा हूँ, व्यवहार में, हालांकि सिद्धांत में नहीं। बचपन में मुझे सही-गलत सिखाया गया, लेकिन मुझे अपने गुस्से को नियंत्रित करना नहीं सिखाया गया। मुझे अच्छे सिद्धांत दिए गए, लेकिन उन्हें घमंड और अहंकार में पालन करने के लिए छोड़ दिया गया। दुर्भाग्य से इकलौता बेटा (कई वर्षों तक इकलौता बच्चा), मैं अपने माता-पिता द्वारा बिगाड़ा गया था, जो स्वयं अच्छे होने के बावजूद (विशेष रूप से मेरे पिता, जो पूरी तरह से दयालु और मिलनसार थे), मुझे स्वार्थी और अभिमानी होने की अनुमति दी, प्रोत्साहित किया, लगभग सिखाया; अपने परिवार के दायरे से बाहर किसी की परवाह न करना; बाकी दुनिया को नीचा समझना; कम से कम उनकी समझ और मूल्य को अपने से कमतर समझना। आठ से आठ साल की उम्र तक मैं ऐसा ही था। बीस साल का था; और अगर तुम न होतीं, मेरी प्यारी, सबसे सुंदर एलिज़ाबेथ, न होतीं, तो मैं आज भी वैसा ही होता! मैं तुम्हारा कितना ऋणी हूँ! तुमने मुझे एक सबक सिखाया, जो शुरू में वाकई कठिन था, लेकिन बहुत लाभदायक साबित हुआ। तुम्हारे कारण ही मैं सही मायने में विनम्र हुआ। मैं तुम्हारे पास इस संदेह के साथ आया था कि मेरा स्वागत होगा। तुमने मुझे दिखाया कि एक योग्य स्त्री को प्रसन्न करने के लिए मेरे सारे दावे कितने अपर्याप्त थे।
"क्या तब आपने खुद को इस बात के लिए मना लिया था कि मुझे ऐसा करना चाहिए?"
"जी हां, मैंने किया था। मेरी इस घमंड के बारे में आप क्या सोचेंगे? मुझे लगा था कि आप मेरी बातों का इंतज़ार कर रहे थे।"
"मेरे व्यवहार में कुछ गलती जरूर रही होगी, लेकिन जानबूझकर नहीं, मैं आपको यकीन दिलाता हूँ। मेरा इरादा आपको धोखा देने का कभी नहीं था, लेकिन कभी-कभी मेरा मन बहक जाता है। उस शाम के बाद आपने मुझसे कितनी नफरत की होगी?"
"तुम्हें नफरत है! शायद पहले तो मुझे गुस्सा आया था, लेकिन जल्द ही मेरा गुस्सा सही दिशा में मुड़ने लगा।"
"मुझे यह पूछने में लगभग डर लग रहा है कि जब हम पेम्बर्ली में मिले थे, तब आपने मेरे बारे में क्या सोचा था। आपने मुझे आने के लिए दोषी ठहराया था?"
"नहीं, बिलकुल नहीं; मुझे आश्चर्य के अलावा कुछ भी महसूस नहीं हुआ।"

"आपकी ओर से ध्यान दिए जाने पर मुझे जितनी हैरानी हुई, उतनी ही आपको भी हुई होगी। मेरे अंतरात्मा ने मुझे बताया कि मैं किसी असाधारण शिष्टाचार का हकदार नहीं था, और मैं स्वीकार करता हूँ कि मुझे अपने हक से अधिक की उम्मीद नहीं थी।"

डार्सी ने उत्तर दिया, "मेरा उद्देश्य आपको हर संभव विनम्रता से यह दिखाना था कि मैं अतीत के लिए इतना नीच नहीं हूँ कि नाराज़ रहूँ; और मुझे आशा थी कि मैं आपकी क्षमा प्राप्त कर सकूँ, आपकी नाराज़गी को कम कर सकूँ, यह दिखाकर कि मैंने आपकी फटकारों पर ध्यान दिया है। अन्य इच्छाएँ कब उत्पन्न हुईं, यह मैं ठीक से नहीं कह सकता, लेकिन मेरा मानना है कि आपसे मिलने के लगभग आधे घंटे बाद ही ऐसा हुआ।"

फिर उसने उसे बताया कि जॉर्जियाना उससे जान-पहचान होने से कितनी प्रसन्न थी, और अचानक समाप्त होने से कितनी निराश थी; जिससे स्वाभाविक रूप से उस समाप्ति का कारण पता चला, और उसे जल्द ही पता चला कि उसकी बहन की तलाश में डर्बीशायर से उसका पीछा करने का उसका संकल्प सराय छोड़ने से पहले ही बन चुका था, और वहाँ उसकी गंभीरता और विचारशीलता किसी अन्य संघर्ष से उत्पन्न नहीं हुई थी, बल्कि ऐसे उद्देश्य को पूरा करने के लिए आवश्यक संघर्षों से उत्पन्न हुई थी।

उसने एक बार फिर आभार व्यक्त किया, लेकिन यह विषय दोनों के लिए इतना दर्दनाक था कि इस पर और अधिक चर्चा करना उचित नहीं था।

कई मील तक इत्मीनान से चलने के बाद, और इस बात का बिल्कुल भी ध्यान न रखते हुए कि उन्हें इसके बारे में कुछ पता ही नहीं था, अंत में जब उन्होंने अपनी घड़ियाँ देखीं, तो उन्हें पता चला कि घर जाने का समय हो गया है।

"मिस्टर बिंगले और जेन का क्या होगा!" इस आश्चर्य भरे सवाल ने उनके प्रेम प्रसंग की चर्चा को जन्म दिया। डार्सी उनकी सगाई से बेहद खुश था; उसके दोस्त ने ही उसे सबसे पहले इसकी सूचना दी थी।

"मुझे पूछना ही होगा कि क्या आपको आश्चर्य हुआ?" एलिजाबेथ ने कहा।

"बिल्कुल नहीं। जब मैं वहां से गया था, तब मुझे लगा था कि ऐसा जल्द ही होगा।"

"यानी, आपने अनुमति दे दी थी। मुझे इसका अंदाज़ा था।" और हालाँकि उसने इस शब्द पर हैरानी जताई, लेकिन उसने पाया कि मामला लगभग वैसा ही था।

"लंदन जाने से एक शाम पहले," उसने कहा, "मैंने उससे एक बात कबूल की, जो मुझे बहुत पहले ही कर देनी चाहिए थी। मैंने उसे उन सभी बातों के बारे में बताया जिनसे उसके मामलों में मेरा पहले का दखल बेतुका और अनुचित लगता था। वह बहुत हैरान हुआ। उसे ज़रा भी शक नहीं था। मैंने उसे यह भी बताया कि मुझे लगता है कि मैंने जो सोचा था कि तुम्हारी बहन उससे उदासीन है, वह मेरी गलती थी; और चूंकि मैं आसानी से देख सकता था कि उसका उससे लगाव कम नहीं हुआ था, इसलिए मुझे उनके साथ खुश रहने में कोई संदेह नहीं था।"

अपने दोस्त को निर्देश देने के उसके सहज तरीके को देखकर एलिजाबेथ मुस्कुराए बिना नहीं रह सकी।

"जब आपने उससे कहा था कि मेरी बहन उससे प्यार करती है, तो क्या आपने यह बात अपने खुद के अवलोकन के आधार पर कही थी, या केवल पिछली वसंत ऋतु में मुझे मिली जानकारी के आधार पर?" उसने कहा।
"पहले वाले से। मैंने हाल ही में यहां की अपनी दो यात्राओं के दौरान उसे बारीकी से देखा था; और मुझे उसके स्नेह का पूरा यकीन हो गया था।"
"और मुझे लगता है कि आपके इस आश्वासन ने उन्हें तुरंत आश्वस्त कर दिया।"
"हाँ, ऐसा ही हुआ। बिंगले बेहद सहज और विनम्र हैं। उनके संकोच ने उन्हें इतने नाजुक मामले में अपने विवेक पर भरोसा करने से रोक रखा था, लेकिन मेरे भरोसे ने सब कुछ आसान बना दिया। मुझे एक बात स्वीकार करनी पड़ी, जिससे कुछ समय के लिए, और उचित ही, उन्हें बुरा लगा। मैं यह बात छुपा नहीं सका कि आपकी बहन पिछली सर्दियों में तीन महीने शहर में रही थी, कि मुझे यह पता था और मैंने जानबूझकर उनसे यह बात छिपाई थी। वे नाराज़ हुए। लेकिन मुझे यकीन है कि उनकी नाराज़गी उतनी ही देर तक रही जितनी देर तक उन्हें आपकी बहन के विचारों पर संदेह रहा। उन्होंने अब मुझे दिल से माफ़ कर दिया है।"
एलिज़ाबेथ यह कहना चाहती थी कि मिस्टर बिंगले एक बेहद सुखद मित्र थे; इतने सरल स्वभाव के कि उनका महत्व अमूल्य था; लेकिन उसने खुद को रोक लिया। उसे याद आया कि उन्हें अभी हंसी का पात्र बनना सीखना बाकी था, और अभी इसकी शुरुआत करना थोड़ा जल्दी था। बिंगले की खुशी की कामना करते हुए, जो निश्चित रूप से उनकी अपनी खुशी से कम ही थी, उसने घर पहुँचने तक बातचीत जारी रखी। हॉल में वे अलग हो गए।

अध्याय 17

"मेरी प्यारी लिज़ी, तुम कहाँ घूम रही थीं?" यह सवाल एलिज़ाबेथ को जेन ने कमरे में आते ही पूछा, और बाकी सबने भी जब वे सब खाने के लिए बैठे तो यही सवाल दोहराया। जवाब में उसे बस इतना ही कहना था कि वे इधर-उधर भटकती रहीं, इतनी दूर कि उन्हें खुद भी पता नहीं चला। बोलते समय उसका चेहरा लाल हो गया; लेकिन न तो इससे और न ही किसी और बात से सच्चाई पर शक हुआ।

शाम शांति से गुज़री, कोई असाधारण घटना नहीं हुई। जो प्रेमी-प्रेमिका थे, वे बातें कर रहे थे और हंस रहे थे, जबकि जो नहीं थे, वे चुप थे। डार्सी का स्वभाव ऐसा नहीं था कि खुशी खिलखिलाकर प्रकट हो; और एलिज़ाबेथ, जो बेचैन और परेशान थी, जानती तो थी कि वह खुश है, पर उसे ऐसा महसूस नहीं हो रहा था; क्योंकि तात्कालिक शर्मिंदगी के अलावा, उसके सामने और भी मुसीबतें थीं। उसे इस बात का अंदाज़ा था कि जब उसकी स्थिति सबके सामने आएगी तो परिवार में क्या प्रतिक्रिया होगी; वह जानती थी कि जेन के अलावा कोई भी उसे पसंद नहीं करता; और उसे यह भी डर था कि दूसरों के बीच उसकी यह नापसंदगी उसकी सारी दौलत और रुतबे से भी दूर नहीं हो पाएगी।

रात में उसने जेन के सामने अपने दिल की बात कह दी। हालाँकि मिस बेनेट के स्वभाव में संदेह का कोई स्थान नहीं था, लेकिन यहाँ वह बिल्कुल अविश्वास में थी।

"तुम मजाक कर रही हो, लिज़ी। ऐसा हो ही नहीं सकता! मिस्टर डार्सी से सगाई! नहीं, नहीं, तुम मुझे धोखा नहीं दे सकती। मुझे पता है यह नामुमकिन है।"

"यह तो वाकई एक दुखद शुरुआत है! मेरी पूरी उम्मीद आप पर टिकी थी; और मुझे यकीन है कि अगर आप मुझ पर विश्वास नहीं करेंगे तो कोई और भी नहीं करेगा। फिर भी, मैं पूरी ईमानदारी से कह रही हूँ। मैं सच के सिवा कुछ नहीं बोल रही। वह अब भी मुझसे प्यार करता है, और हमारी सगाई हो चुकी है।"

जेन ने संदेह भरी निगाहों से उसकी ओर देखा। "ओह, लिज़ी! ऐसा नहीं हो सकता। मुझे पता है कि तुम उसे कितना नापसंद करती हो।"

"तुम्हें इस मामले की कोई जानकारी नहीं है। यह सब भुला देना चाहिए। शायद मैंने हमेशा उससे उतना प्यार नहीं किया जितना अब करती हूँ। लेकिन ऐसे मामलों में, अच्छी याददाश्त अक्षम्य होती है। यह आखिरी बार है जब मैं इसे खुद याद रखूँगी।"

मिस बेनेट अब भी पूरी तरह से आश्चर्यचकित दिख रही थीं। एलिजाबेथ ने एक बार फिर, और अधिक गंभीरता से, उन्हें इसकी सत्यता का आश्वासन दिया।

"हे भगवान! क्या सच में ऐसा हो सकता है! लेकिन अब मुझे आपकी बात माननी ही पड़ेगी," जेन चिल्लाई। "मेरी प्यारी लिज़ी, मैं तुम्हें बधाई देती हूँ—लेकिन क्या तुम निश्चित हो? मेरे सवाल के लिए माफ़ करना—क्या तुम्हें पूरा यकीन है कि तुम उसके साथ खुश रह सकती हो?"

इसमें कोई शक नहीं है। हमारे बीच यह पहले से ही तय है कि हम दुनिया के सबसे खुशहाल जोड़े होंगे। लेकिन क्या तुम खुश हो, जेन? क्या तुम्हें ऐसा भाई पसंद आएगा?
"हाँ, बहुत ज़्यादा। बिंगले और मुझे इससे ज़्यादा खुशी और किसी चीज़ से नहीं मिल सकती। लेकिन हमने इस पर विचार किया, हमने इसे असंभव बताया। और क्या तुम सच में उससे उतना प्यार करती हो जितना करना चाहिए? ओह, लिज़ी! बिना स्नेह के शादी करने के बजाय कुछ भी करो। क्या तुम्हें पूरा यकीन है कि तुम वही महसूस करती हो जो तुम्हें करना चाहिए?"
"ओह, हाँ! जब मैं आपको सब कुछ बताऊँगी, तो आपको लगेगा कि मैं जरूरत से ज्यादा भावुक हूँ।"
"आपका क्या मतलब है?"
"मुझे यह स्वीकार करना होगा कि मैं बिंगले से ज्यादा उसे प्यार करती हूँ। मुझे डर है कि आप नाराज हो जाएँगे।"
"मेरी प्यारी बहन, अब गंभीर हो जाओ। मैं बहुत गंभीरता से बात करना चाहता हूँ। मुझे बिना देरी किए सब कुछ बता दो। क्या तुम मुझे बताओगी कि तुम उससे कब से प्यार करती हो?"
"यह इतनी धीरे-धीरे हुआ है कि मुझे ठीक से याद भी नहीं कि यह कब शुरू हुआ। लेकिन मेरा मानना है कि इसकी शुरुआत पेम्बर्ली में उनके खूबसूरत मैदानों को पहली बार देखने के समय से ही हुई होगी।"
हालांकि, उनसे गंभीरता दिखाने की एक और विनती का वांछित प्रभाव पड़ा; और उन्होंने जल्द ही अपने प्रेम के गंभीर आश्वासनों से जेन को संतुष्ट कर दिया। जब मिस बेनेट इस बात से आश्वस्त हो गईं, तो उन्हें और कुछ नहीं चाहिए था।
"अब मैं बहुत खुश हूँ," उसने कहा, "क्योंकि तुम भी मेरी तरह खुश होगे। मैं हमेशा से उसका सम्मान करती थी। अगर सिर्फ़ तुम्हारे प्रति उसके प्यार की बात होती, तो भी मैं हमेशा उसका आदर करती; लेकिन अब, बिंगले के दोस्त और तुम्हारे पति के रूप में, मेरे लिए बिंगले और तुम ही सबसे प्यारे हो। लेकिन लिज़ी, तुम मुझसे बहुत धूर्त और संकोची रही हो। तुमने मुझे पेम्बर्ली और लैम्बटन में जो कुछ हुआ, उसके बारे में कितना कम बताया! मुझे जो कुछ भी पता है, वह किसी और से पता चला है, तुमसे नहीं।"
एलिज़ाबेथ ने उसे अपने गुप्त रखने के पीछे के कारण बताए। वह बिंगले का ज़िक्र करने को तैयार नहीं थी; और अपनी भावनाओं की अस्थिरता के कारण वह उसके दोस्त का नाम लेने से भी बच रही थी। लेकिन अब वह लिडिया की शादी में उसकी भूमिका को उससे छिपा नहीं सकती थी। सब कुछ स्वीकार कर लिया गया, और आधी रात बातचीत में बीत गई।

अगली सुबह खिड़की पर खड़ी श्रीमती बेनेट चिल्लाईं, "हे भगवान! पता नहीं वो अप्रिय श्री डार्सी हमारे प्यारे बिंगले के साथ फिर से यहाँ आ रहे हैं! हमेशा यहाँ आकर इतना परेशान करने का उनका क्या मतलब है? मुझे तो लगा ही नहीं था कि वो शिकार पर गए होंगे या कुछ और काम पर, और हमें अपनी मौजूदगी से

परेशान नहीं करेंगे। अब हम उनका क्या करें? लिज़ी, तुम्हें फिर से उनके साथ बाहर जाना चाहिए, ताकि वो बिंगले के रास्ते में न आएं।"
एलिजाबेथ को इतने सुविधाजनक प्रस्ताव पर हंसी रोकना मुश्किल हो रहा था; फिर भी वह वास्तव में इस बात से परेशान थी कि उसकी माँ हमेशा उसे इस तरह के विशेषण से पुकारती रहती थी।
जैसे ही वे अंदर आए, बिंगले ने उन्हें इतने भावपूर्ण ढंग से देखा और इतने गर्मजोशी से हाथ मिलाया कि उनकी अच्छी जानकारी पर कोई संदेह नहीं रहा; और थोड़ी देर बाद उन्होंने ज़ोर से कहा, "श्रीमती बेनेट, क्या यहाँ आसपास कोई और गली नहीं है जिसमें लिज़ी आज फिर से रास्ता भटक जाए?"
श्रीमती बेनेट ने कहा, "मैं श्री डार्सी, लिज़ी और किट्टी को सलाह देती हूँ कि वे आज सुबह ओकहम माउंट तक पैदल चलें। यह एक अच्छी लंबी सैर है, और श्री डार्सी ने ऐसा नज़ारा पहले कभी नहीं देखा है।"
“यह शायद बाकियों के लिए बहुत अच्छा रहेगा,” श्री बिंगले ने उत्तर दिया; “लेकिन मुझे यकीन है कि किटी के लिए यह बहुत ज़्यादा होगा। है ना, किटी?” किटी ने स्वीकार किया कि वह घर पर ही रहना पसंद करेगी।
डार्सी ने पहाड़ से नज़ारा देखने की बहुत उत्सुकता जताई, और एलिज़ाबेथ ने चुपचाप सहमति दे दी। जब वह तैयार होने के लिए ऊपर सीढ़ियों पर गई, तो श्रीमती बेनेट उसके पीछे-पीछे गईं और बोलीं:
"मुझे बहुत अफ़सोस है, लिज़ी, कि तुम्हें उस अप्रिय व्यक्ति के साथ अकेले रहना पड़ रहा है। लेकिन मुझे उम्मीद है कि तुम्हें बुरा नहीं लगेगा: यह सब जेन के लिए है, तुम्हें पता है; और उससे बात करने की कोई ज़रूरत नहीं है, सिवाय कभी-कभार के। इसलिए, खुद को असुविधा में मत डालो।"
टहलते समय यह तय हुआ कि शाम के समय मिस्टर बेनेट की सहमति ली जाए। एलिज़ाबेथ ने अपनी माँ से सहमति मांगने का विचार अपने तक ही सीमित रखा। वह यह तय नहीं कर पा रही थी कि उसकी माँ इस पर कैसी प्रतिक्रिया देंगी; कभी-कभी उसे संदेह होता था कि क्या उनकी सारी दौलत और रुतबा भी उस आदमी के प्रति उनकी घृणा को दूर कर पाएगा। लेकिन चाहे वह इस रिश्ते के घोर विरोधी हों या इससे बेहद खुश, यह निश्चित था कि उनका व्यवहार उनकी भावनाओं के अनुरूप नहीं होगा; और वह मिस्टर डार्सी को अपनी खुशी की पहली उमंग सुनने को उतना ही असहनीय मानती थी जितना कि अपनी असहमति की पहली तीव्रता को।

शाम को, श्री बेनेट के पुस्तकालय में जाने के तुरंत बाद, उसने श्री डार्सी को भी उठते और उनके पीछे जाते देखा, और यह देखकर उसकी बेचैनी चरम पर पहुँच गई। उसे अपने पिता के विरोध का डर नहीं था, लेकिन वह दुखी होने वाले थे; और यह कि यह उसकी वजह से हो—कि वह, उनकी सबसे प्रिय संतान, अपने चुनाव से उन्हें दुखी कर रही है, उन्हें अपने विदा लेने के कारण भय और पछतावे से भर रही है—यह एक भयानक विचार था, और वह तब तक दुखी बैठी रही जब तक श्री डार्सी फिर से प्रकट नहीं हुए, और उन्हें देखकर, उनकी मुस्कान से उसे थोड़ी राहत मिली। कुछ ही मिनटों में वह उस मेज के पास पहुँचे जहाँ वह किटी के

साथ बैठी थी; और, उसके काम की प्रशंसा करने का नाटक करते हुए, फुसफुसाते हुए कहा, "अपने पिता के पास जाओ, वह तुम्हें पुस्तकालय में बुला रहे हैं।" वह तुरंत चली गई।

उसके पिता कमरे में इधर-उधर घूम रहे थे, गंभीर और चिंतित दिख रहे थे। "लिज़ी," उन्होंने कहा, "तुम क्या कर रही हो? क्या तुम पागल हो गई हो कि इस आदमी को स्वीकार कर रही हो? क्या तुमने हमेशा उससे नफरत नहीं की है?"

उस समय वह कितनी बेसब्री से चाहती थी कि उसके पहले के विचार अधिक तर्कसंगत होते, उसकी अभिव्यक्ति अधिक संयमित होती! इससे उसे उन स्पष्टीकरणों और घोषणाओं से मुक्ति मिल जाती जिन्हें देना अत्यंत असुविधाजनक था; लेकिन अब वे आवश्यक थे, और उसने कुछ झिझक के साथ मिस्टर डार्सी के प्रति अपने लगाव का आश्वासन दिया।

"या दूसरे शब्दों में कहें तो, आप उसे पाने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। वह बेशक अमीर है, और आपके पास जेन से ज़्यादा अच्छे कपड़े और शानदार गाड़ियाँ हो सकती हैं। लेकिन क्या वे आपको खुश कर पाएँगी?"

"क्या मेरी उदासीनता के बारे में आपकी धारणा के अलावा आपको कोई और आपत्ति है?" एलिजाबेथ ने कहा।

"बिल्कुल नहीं। हम सब जानते हैं कि वह एक घमंडी और अप्रिय किस्म का आदमी है; लेकिन अगर आप सच में उसे पसंद करते हैं तो यह कुछ भी नहीं होगा।"

"हाँ, मैं उसे पसंद करती हूँ," उसने आँखों में आँसू लिए उत्तर दिया। "मैं उससे प्यार करती हूँ। वास्तव में उसमें कोई अनुचित घमंड नहीं है। वह बेहद मिलनसार है। आप नहीं जानते कि वह वास्तव में कैसा है; इसलिए कृपया उसके बारे में इस तरह बोलकर मुझे दुख न पहुँचाएँ।"

“लिज़ी,” उसके पिता ने कहा, “मैंने उसे अपनी सहमति दे दी है। वह वास्तव में ऐसा व्यक्ति है जिसे मैं कभी भी मना करने की हिम्मत नहीं करूँगा, अगर वह मुझसे कुछ माँगे। अब मैं तुम्हें भी यह सहमति दे रहा हूँ, अगर तुम उसे अपने साथ रखना चाहती हो। लेकिन मैं तुम्हें सलाह देता हूँ कि इस बारे में थोड़ा सोच लो। मैं तुम्हारा स्वभाव जानता हूँ, लिज़ी। मैं जानता हूँ कि तुम न तो खुश रह सकती हो और न ही सम्मान पा सकती हो, जब तक तुम अपने पति का सचमुच सम्मान नहीं करोगी; जब तक तुम उसे श्रेष्ठ नहीं मानोगी। तुम्हारी प्रतिभाएँ तुम्हें असमान विवाह में सबसे बड़े खतरे में डाल देंगी। तुम बदनामी और दुख से शायद ही बच पाओगी। मेरी बच्ची, मुझे यह दुख न सहना पड़े कि तुम अपने जीवनसाथी का सम्मान नहीं कर पा रही हो। तुम्हें पता नहीं है कि तुम क्या कर रही हो।”

एलिजाबेथ, और भी अधिक भावुक होकर, अपने उत्तर में गंभीर और दृढ़ थी; और अंततः, बार-बार यह आश्वासन देकर कि मिस्टर डार्सी वास्तव में उसकी पसंद थे, उनके प्रति अपने दृष्टिकोण में आए क्रमिक परिवर्तन को समझाकर, यह बताते हुए कि उनका स्नेह एक दिन का नहीं, बल्कि कई महीनों के इंतजार के बाद पैदा हुआ था, और उनके सभी अच्छे गुणों को ऊर्जा के साथ गिनाकर, उसने अपने पिता के अविश्वास को दूर किया और उन्हें इस विवाह के लिए राजी कर लिया।

"खैर, मेरी प्यारी," उसने उसके चुप होने पर कहा, "मुझे और कुछ नहीं कहना है। अगर ऐसा है, तो वह तुम्हारे लायक है। मैं तुम्हें, मेरी लिज़ी, किसी कम योग्य व्यक्ति को नहीं सौंप सकता था।"
सकारात्मक प्रभाव को और पुख्ता करने के लिए, उसने फिर उसे बताया कि मिस्टर डार्सी ने लिडिया के लिए स्वेच्छा से क्या किया था। यह सुनकर वह आश्चर्यचकित रह गया।
"यह तो वाकई चमत्कारों से भरी शाम है! और डार्सी ने सब कुछ कर दिया; रिश्ता तय किया, पैसे दिए, उस आदमी का कर्ज़ चुकाया और उसे उसका कमीशन भी दिलवाया! अच्छा हुआ। इससे मेरी बहुत सारी झंझट और बचत हो जाएगी। अगर यह तुम्हारे चाचा की करतूत होती, तो मैं उन्हें ज़रूर पैसे दे देता; लेकिन ये उग्र नौजवान प्रेमी हर बात अपनी मनमानी से करते हैं। मैं कल उन्हें पैसे देने की पेशकश करूँगा; वह तुम्हारे लिए अपने प्यार का इज़हार करेंगे और बात वहीं खत्म हो जाएगी।"
फिर उन्हें कुछ दिन पहले श्री कॉलिन्स का पत्र पढ़ने पर हुई उनकी शर्मिंदगी याद आ गई; और कुछ देर तक उन पर हंसने के बाद, उन्होंने अंत में उन्हें जाने दिया—कमरे से निकलते हुए उन्होंने कहा, "अगर मैरी या किटी के लिए कोई युवक आए, तो उन्हें अंदर भेज देना, क्योंकि मैं बिल्कुल खाली हूँ।"
एलिज़ाबेथ के मन से अब एक बहुत बड़ा बोझ उतर गया था; और अपने कमरे में आधे घंटे के शांत चिंतन के बाद, वह काफी संयम के साथ दूसरों के साथ शामिल हो सकी। हाल ही में हुई घटनाएँ इतनी ताज़ा थीं कि खुशी मनाना संभव नहीं था, लेकिन शाम शांति से गुज़र गई; अब डरने लायक कोई बात नहीं थी, और सहजता और परिचितता का सुकून समय के साथ मिल जाएगा।
जब उनकी मां रात को अपने ड्रेसिंग रूम में गईं, तो वह उनके पीछे गईं और उन्होंने वह महत्वपूर्ण बात कही। इसका असर बेहद असाधारण था; क्योंकि पहली बार सुनकर श्रीमती बेनेट एकदम शांत बैठी रहीं और एक शब्द भी नहीं बोल पाईं। कई मिनटों तक उन्हें समझ नहीं आया कि उन्होंने क्या सुना; हालांकि आम तौर पर उन्हें अपने परिवार के हित में कही गई किसी भी बात पर या किसी प्रेमी के आने पर विश्वास करने में कोई हिचक नहीं होती थी। आखिरकार वह थोड़ा संभलने लगीं, कुर्सी पर बेचैनी से इधर-उधर हिलने लगीं, उठतीं, फिर बैठ जातीं, आश्चर्य करतीं और खुद को धन्यवाद देतीं।
हे भगवान! मुझे आशीर्वाद दें! ज़रा सोचो! हे भगवान! मिस्टर डार्सी! किसने सोचा होगा! और क्या यह सचमुच सच है? ओह! मेरी प्यारी लिज़ी! तुम कितनी अमीर और कितनी महान बनोगी! तुम्हारे पास कितना पैसा, कितने गहने, कितनी गाड़ियाँ होंगी! जेन का तो इसके सामने कुछ भी नहीं है—बिल्कुल भी नहीं। मैं बहुत खुश हूँ—कितनी प्रसन्न हूँ। कितना आकर्षक आदमी!—कितना सुंदर! कितना लंबा!—ओह, मेरी प्यारी लिज़ी! कृपया मुझे माफ़ कर दो कि मैंने पहले उसे इतना नापसंद किया था। मुझे उम्मीद है कि वह इसे नज़रअंदाज़ कर देगा। प्यारी, प्यारी लिज़ी। शहर में एक घर! हर चीज़ आकर्षक! तीन बेटियाँ शादीशुदा! दस हज़ार सालाना! हे भगवान! मेरा क्या होगा। मैं पागल हो जाऊँगी।

यह इस बात का पर्याप्त प्रमाण था कि उनकी स्वीकृति पर संदेह करने की कोई आवश्यकता नहीं थी: और एलिजाबेथ, यह जानकर प्रसन्न हुई कि ऐसी भावुकता केवल उसी ने सुनी है, और जल्दी से चली गई। लेकिन अपने कमरे में तीन मिनट भी नहीं बीते थे कि उसकी माँ उसके पीछे-पीछे चली गई।

"मेरे प्यारे बच्चे," वह रोते हुए बोली, "मुझे इसके अलावा और कुछ सूझ ही नहीं रहा! दस हज़ार सालाना, और शायद इससे भी ज़्यादा! ये तो किसी लॉर्ड के बराबर ही है! और एक विशेष लाइसेंस भी। तुम्हारी शादी विशेष लाइसेंस से ही होगी। लेकिन मेरे प्यारे, मुझे बताओ कि मिस्टर डार्सी को कौन सा व्यंजन खास तौर पर पसंद है, ताकि मैं उसे कल खा सकूँ।"

यह इस बात का बुरा संकेत था कि उसकी माँ का उस सज्जन के प्रति व्यवहार कैसा हो सकता है; और एलिज़ाबेथ ने पाया कि यद्यपि उसे उनके हार्दिक स्नेह का पूरा भरोसा था और उसके रिश्तेदारों की सहमति भी थी, फिर भी कुछ कमी रह गई थी। लेकिन अगला दिन उसकी अपेक्षा से कहीं बेहतर बीता; क्योंकि श्रीमती बेनेट सौभाग्यवश अपने होने वाले दामाद से इतना आदर रखती थीं कि वे उनसे बात करने का साहस नहीं करती थीं, सिवाय इसके कि उन्हें कोई विशेष ध्यान दें या उनकी राय के प्रति अपना सम्मान व्यक्त करें। एलिजाबेथ को यह देखकर संतोष हुआ कि उसके पिता उससे जान-पहचान बनाने के लिए प्रयासरत थे; और श्री बेनेट ने जल्द ही उसे आश्वस्त किया कि उनकी नजरों में उसकी प्रतिष्ठा हर घंटे बढ़ रही है।

उन्होंने कहा, "मैं अपने तीनों दामादों की बहुत प्रशंसा करता हूँ। शायद विकहम मेरा सबसे पसंदीदा है; लेकिन मुझे लगता है कि मुझे आपका पति भी जेन के पति जितना ही पसंद आएगा।"

अध्याय 18

एलिज़ाबेथ का मन फिर से खिल उठा और वह मिस्टर डार्सी से यह जानना चाहती थी कि आखिर उन्हें उससे प्यार क्यों हुआ। उसने कहा, "शुरुआत कैसे हुई? मैं समझ सकती हूँ कि एक बार शुरू करने के बाद आप कितनी प्यारी बातें करते हैं; लेकिन आखिर ऐसी क्या बात थी जिसने आपको ऐसा करने के लिए प्रेरित किया?"

"मैं उस घंटे, उस जगह, उस नज़र या उन शब्दों को ठीक से याद नहीं कर सकता, जिन्होंने नींव रखी। बहुत समय बीत चुका है। मुझे पता भी नहीं चला कि मैंने शुरुआत कर दी है और मैं बीच में पहुँच चुका था।"

"मेरी सुंदरता का तो तुमने पहले ही विरोध कर दिया था, और जहाँ तक मेरे व्यवहार की बात है—मेरा बर्ताव तुम्हारे प्रति कम से कम हमेशा असभ्यता की सीमा पर ही रहता था, और मैं तुमसे कभी भी तुम्हें पीड़ा पहुँचाने की इच्छा के बिना बात नहीं करती थी। अब सच बताओ; क्या तुमने मेरी धृष्टता की प्रशंसा की?"

"मैंने ऐसा आपके मन की जीवंतता के लिए किया।"

आप इसे सीधे-सीधे गुस्ताखी कह सकते हैं। यह उससे कुछ कम नहीं थी। असल बात यह है कि आप शिष्टाचार, आदर और बेवजह की तवज्जो से तंग आ चुके थे। आप उन महिलाओं से घृणा करते थे जो हमेशा सिर्फ आपकी स्वीकृति के लिए बोलती, देखती और सोचती रहती थीं। मैंने आपको आकर्षित किया और आपमें रुचि पैदा की, क्योंकि मैं उनसे बिल्कुल अलग थी। अगर आप वास्तव में मिलनसार न होते, तो आप इसके लिए मुझसे नफरत करते; लेकिन आपने खुद को छिपाने की कितनी भी कोशिश की हो, आपकी भावनाएँ हमेशा नेक और न्यायसंगत थीं; और अपने दिल में, आप उन लोगों को पूरी तरह से तुच्छ समझते थे जो इतनी लगन से आपका अभिनंदन करते थे। लीजिए—मैंने आपको इसका कारण बताने की परेशानी से बचा लिया; और वास्तव में, सब बातों पर विचार करने के बाद, मुझे यह पूरी तरह से तर्कसंगत लगने लगा है। बेशक, आप मुझमें कोई वास्तविक अच्छाई नहीं जानते थे—लेकिन प्यार में पड़ने पर कोई भी इसके बारे में नहीं सोचता।

"क्या जेन के बीमार होने के दौरान नेदरफील्ड में उसके प्रति आपके स्नेहपूर्ण व्यवहार में कोई अच्छाई नहीं थी?"

"प्यारी जेन! उसके लिए इससे कम कौन कर सकता था? लेकिन इसे एक गुण बना लो। मेरे अच्छे गुण तुम्हारी देखरेख में हैं, और तुम्हें उन्हें जितना हो सके बढ़ा-चढ़ाकर बताना है; और बदले में, यह मेरा फर्ज है कि मैं तुम्हें चिढ़ाने और तुमसे झगड़ने के मौके ढूंढूं; और मैं सीधे तुमसे यह पूछकर शुरू करूंगा कि आखिर आखिर तुम सीधे मुद्दे पर आने से इतनी कतरा क्यों रही थीं। जब तुमने पहली बार फोन किया था और बाद में यहां खाना खाया था, तब तुम मुझसे इतनी शर्मा क्यों रही थीं? खासकर, जब तुमने फोन किया था, तब तुम ऐसी क्यों लग रही थीं जैसे तुम्हें मेरी परवाह ही न हो?"

"क्योंकि तुम गंभीर और चुप थे, और तुमने मुझे कोई प्रोत्साहन नहीं दिया।"
"लेकिन मुझे शर्मिंदगी महसूस हुई।"
"और मैं भी ऐसा ही था।"
"जब आप रात के खाने पर आए थे, तब आप मुझसे और अधिक बात कर सकते थे।"
"जिस व्यक्ति ने कम महसूस किया हो, वह शायद ऐसा कर सकता है।"
"कितनी बदनसीब बात है कि आपके पास एक वाजिब जवाब था, और मैं भी इतनी वाजिब थी कि उसे मान लिया! लेकिन मुझे हैरानी होती है कि अगर आपको अपने हाल पर छोड़ दिया जाता तो आप कितनी देर तक बोलते रहते। मुझे हैरानी होती है कि अगर मैंने आपसे पूछा न होता तो आप कब बोलते! लिडिया के प्रति आपकी दयालुता के लिए आपको धन्यवाद देने के मेरे संकल्प का वाकई बहुत असर हुआ। मुझे डर है कि बहुत ज़्यादा ही असर हुआ; क्योंकि अगर हमारा सुकून वादे के उल्लंघन से मिले तो नैतिकता का क्या मतलब रह जाता है? मुझे इस विषय का ज़िक्र ही नहीं करना चाहिए था। यह बिल्कुल ठीक नहीं है।"
आपको परेशान होने की ज़रूरत नहीं है। नतीजा बिल्कुल सही होगा। लेडी कैथरीन द्वारा हमें अलग करने के अनुचित प्रयासों ने मेरे सभी संदेह दूर कर दिए। मेरी वर्तमान खुशी आपकी कृतज्ञता व्यक्त करने की उत्सुकता के कारण नहीं है। मैं आपके किसी संकेत का इंतज़ार करने के मूड में नहीं थी। मेरी चाची की जानकारी ने मुझे आशा दी थी, और मैंने तुरंत सब कुछ जानने का निश्चय कर लिया था।
"लेडी कैथरीन बेहद उपयोगी साबित हुई हैं, जिससे उन्हें खुशी मिलनी चाहिए, क्योंकि उन्हें दूसरों की मदद करना अच्छा लगता है। लेकिन मुझे बताइए, आप नेदरफील्ड किसलिए आए थे? क्या सिर्फ लॉन्गबोर्न जाकर शर्मिंदा होने के लिए? या आपका इरादा कुछ और गंभीर था?"
"मेरा असली मकसद आपसे मिलना था, और यह परखना था कि क्या मैं कभी आपको मुझसे प्यार करने के लिए राजी कर पाऊंगा। मेरा घोषित मकसद, या जो मैंने खुद से कहा था, वह यह देखना था कि क्या आपकी बहन अभी भी बिंगले के प्रति आकर्षित है, और यदि वह है, तो उसके सामने वह बात कबूल करना जो मैंने बाद में की।"
"क्या आपमें कभी लेडी कैथरीन को यह बताने का साहस होगा कि उनके साथ क्या होने वाला है?"
"एलिज़ाबेथ, मुझे साहस से ज़्यादा समय की ज़रूरत होगी। लेकिन यह काम होना ही चाहिए, और अगर आप मुझे एक कागज़ का टुकड़ा देंगी, तो यह तुरंत हो जाएगा।"
"और अगर मुझे खुद पत्र न लिखना होता, तो मैं आपके पास बैठकर आपकी लिखावट की समरूपता की प्रशंसा करती, जैसा कि एक और युवती ने कभी किया था। लेकिन मेरी एक चाची भी हैं, जिनकी उपेक्षा अब और नहीं की जा सकती।"
मिस्टर डार्सी के साथ अपनी घनिष्ठता को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किए जाने की बात स्वीकार करने की अनिच्छा के कारण, एलिजाबेथ ने श्रीमती गार्डिनर के लंबे पत्र का कभी उत्तर नहीं दिया था; लेकिन अब, वह बात कहने

को पाकर, जिसका उसे पता था कि बहुत स्वागत होगा, उसे यह जानकर लगभग शर्मिंदगी हुई कि उसके चाचा और चाची पहले ही तीन दिन की खुशी खो चुके हैं, और उसने तुरंत इस प्रकार लिखा:

"मेरी प्यारी चाची, मुझे पहले ही आपका धन्यवाद करना चाहिए था, जैसा कि मुझे करना चाहिए था, आपके लंबे, दयालु, संतोषजनक और विस्तृत विवरण के लिए; लेकिन सच कहूँ तो, मैं लिखने के लिए बहुत चिड़चिड़ी थी। आपने वास्तविकता से कहीं अधिक अनुमान लगाया। लेकिन अब आप जितना चाहें उतना अनुमान लगाएँ; अपनी कल्पना को खुली छूट दें, इस विषय पर अपनी कल्पना को हर संभव उड़ान भरने दें, और यदि आप मुझे वास्तव में विवाहित नहीं मानती हैं, तो आप बहुत बड़ी गलती नहीं कर सकतीं। आपको बहुत जल्द फिर से लिखना होगा, और पिछली बार की तुलना में उनकी बहुत अधिक प्रशंसा करनी होगी। झीलों पर न जाने के लिए मैं आपका बार-बार धन्यवाद करती हूँ। मैं इतनी मूर्ख कैसे हो सकती थी कि ऐसा चाहूँ! टट्टुओं का आपका विचार बहुत ही प्यारा है। हम हर दिन पार्क का चक्कर लगाएंगे। मैं दुनिया की सबसे खुश इंसान हूँ। शायद दूसरे लोगों ने भी पहले ऐसा कहा होगा, लेकिन किसी ने इतने सटीक ढंग से नहीं। मैं जेन से भी ज्यादा खुश हूँ; वह केवल मुस्कुराती है, मैं खिलखिलाती हूँ। श्री डार्सी आपको दुनिया भर का सारा प्यार भेज रहे हैं जो वह मेरी ओर से दे सकते हैं। आप सभी क्रिसमस पर पेम्बर्ली आएँ। आपकी," वगैरह।"

मिस्टर डार्सी का लेडी कैथरीन को लिखा पत्र एक अलग शैली में था; और इन दोनों से भी बिल्कुल अलग वह पत्र था जो मिस्टर बेनेट ने मिस्टर कॉलिन्स को उनके पिछले पत्र के जवाब में भेजा था।

"प्रिय महोदय,

"मुझे आपको एक बार फिर बधाई देनी होगी। एलिजाबेथ जल्द ही मिस्टर डार्सी की पत्नी बनने वाली हैं। लेडी कैथरीन को जितना हो सके सांत्वना दें। लेकिन, अगर मैं आपकी जगह होती, तो मैं भतीजे का साथ देती। उसमें अभी बहुत कुछ देने की क्षमता है।"

"भवदीय, इत्यादि।"

मिस बिंगले ने अपने भाई को उसकी आने वाली शादी पर जो बधाई दी, वह दिखावटी और बनावटी थी। उन्होंने इस अवसर पर जेन को भी पत्र लिखकर अपनी खुशी ज़ाहिर की और अपने पुराने स्नेह भरे वादों को दोहराया। जेन धोखे में नहीं थी, लेकिन वह बनावटी ज़रूर थी; और यद्यपि उसे उन पर कोई भरोसा नहीं था, फिर भी उसने उन्हें उनकी अपेक्षा से कहीं अधिक दयालु जवाब लिखने से खुद को रोक नहीं पाई।

मिस डार्सी ने ऐसी ही सूचना पाकर जो खुशी जाहिर की, वह उतनी ही सच्ची थी जितनी उनके भाई ने इसे भेजते समय व्यक्त की थी। कागज के चार पन्ने उनकी सारी खुशी और अपनी बहन से प्यार पाने की उनकी दिली इच्छा को व्यक्त करने के लिए अपर्याप्त थे।

मिस्टर कॉलिन्स की ओर से कोई जवाब आने से पहले, या उनकी पत्नी की ओर से एलिज़ाबेथ को बधाई देने से पहले ही, लॉन्गबोर्न परिवार को पता चला कि कॉलिन्स परिवार खुद लुकास लॉज आ गया है। इस अचानक आगमन का कारण जल्द ही स्पष्ट हो गया। लेडी कैथरीन अपने भतीजे के पत्र की बातों से इतनी क्रोधित हो गई थीं कि शार्लोट, जो वास्तव में इस रिश्ते से बहुत खुश थीं, तूफान के शांत होने तक वहां से चले जाना

चाहती थीं। ऐसे समय में, अपने दोस्त का आना एलिज़ाबेथ के लिए सच्ची खुशी थी, हालांकि अपनी मुलाकातों के दौरान उन्हें कभी-कभी यह खुशी महंगी लगती होगी, जब उन्होंने मिस्टर डार्सी को अपने पति के दिखावे और चापलूसी भरे व्यवहार का सामना करते देखा। फिर भी, उन्होंने इसे अद्भुत शांति से सहन किया। यहां तक कि उन्होंने सर विलियम लुकास की बात भी बड़े ही शालीनता से सुनी, जब उन्होंने उन्हें देश के सबसे प्रतिभाशाली रत्न को पाने पर बधाई दी और सेंट जेम्स में अक्सर मिलने की उम्मीद जताई। अगर उन्होंने कभी कंधे उचकाए भी, तो वह सर विलियम के नज़र से ओझल होने के बाद ही हुआ।

श्रीमती फिलिप्स की अशिष्टता, उनके धैर्य पर एक और, और शायद उससे भी बड़ा, बोझ थी; और यद्यपि श्रीमती फिलिप्स और उनकी बहन, दोनों ही उनसे इतना आदर करती थीं कि बिंगले के अच्छे स्वभाव से प्रेरित आत्मीयता से बात नहीं कर पाती थीं, फिर भी, जब भी वे बोलतीं, तो अशिष्टता से ही बोलती थीं। उनके प्रति उनका सम्मान, यद्यपि उन्हें अधिक शांत बनाता था, किसी भी तरह से उन्हें अधिक शालीन नहीं बनाता था। एलिजाबेथ ने उन्हें दोनों की लगातार नजरों से बचाने के लिए हर संभव प्रयास किया, और हमेशा उन्हें अपने तक ही सीमित रखने की कोशिश करती रहीं, और अपने परिवार के उन सदस्यों तक ही सीमित रखने के लिए उत्सुक रहती थीं जिनसे वे बिना किसी झिझक के बात कर सकें; और यद्यपि इन सब से उत्पन्न असहज भावनाओं ने प्रेम प्रसंग के समय का आनंद काफी हद तक कम कर दिया, फिर भी इसने भविष्य की आशा को बढ़ा दिया; और वह उस समय का बेसब्री से इंतजार कर रही थीं जब वे उस समाज से दूर चले जाएंगे जो उन दोनों को बिल्कुल भी पसंद नहीं था, और पेम्बर्ली में अपने पारिवारिक समारोह के सुख-सुविधाओं और शालीनता का आनंद लेंगे।

अध्याय 19

अपनी मातृत्व भावनाओं के बावजूद, श्रीमती बेनेट के लिए वह दिन बहुत खुशी भरा था जब उन्होंने अपनी दो सबसे योग्य बेटियों से छुटकारा पा लिया। यह अनुमान लगाया जा सकता है कि बाद में उन्होंने श्रीमती बिंगले से कितनी प्रसन्नता और गर्व के साथ मुलाकात की और श्रीमती डार्सी के बारे में बातें कीं। काश, उनके परिवार के हित में, मैं कह पाती कि इतने सारे बच्चों को संवारने की उनकी दिली इच्छा पूरी होने से उन्हें इतना सुखद अनुभव मिला कि वे जीवन भर एक समझदार, मिलनसार और सुशिक्षित महिला बनी रहीं; हालांकि शायद उनके पति के लिए यह सौभाग्य की बात थी, जिन्हें घरेलू सुख का इतना असामान्य रूप शायद पसंद न आता, कि वे अब भी कभी-कभी घबरा जाती थीं और हमेशा थोड़ी नासमझ रहती थीं।

श्री बेनेट को अपनी दूसरी बेटी की बहुत याद आती थी; उसके प्रति स्नेह उन्हें घर से बाहर जाने के लिए किसी और चीज़ से ज़्यादा प्रेरित करता था। उन्हें पेम्बर्ली जाना बहुत अच्छा लगता था, खासकर तब जब वहाँ जाने की किसी को उम्मीद न हो।

श्री बिंगले और जेन केवल एक साल के लिए नेदरफील्ड में रहे। उनकी माँ और मेरिटन रिश्तेदारों के इतने करीब रहना न तो उनके शांत स्वभाव को भाता था और न ही जेन के स्नेही हृदय को। उनकी बहनों की दिली इच्छा तब पूरी हुई; उन्होंने डर्बीशायर के पड़ोसी काउंटी में एक संपत्ति खरीदी, और जेन और एलिजाबेथ, अन्य सभी सुख-सुविधाओं के अलावा, एक-दूसरे से तीस मील की दूरी पर रहने लगीं।

किट्टी, अपने आर्थिक लाभ के लिए, अपना अधिकांश समय अपनी दो बड़ी बहनों के साथ बिताती थी। ऐसे समाज में, जो उसके सामान्य जीवन से कहीं बेहतर था, उसका बहुत विकास हुआ। वह लिडिया की तरह उग्र स्वभाव की नहीं थी; और लिडिया के प्रभाव से दूर रहकर, उचित ध्यान और मार्गदर्शन से वह कम चिड़चिड़ी, कम अज्ञानी और कम नीरस हो गई। लिडिया के साथ रहने के अतिरिक्त नुकसान से बचने के लिए उसे विशेष रूप से सावधानी से रखा जाता था, और हालांकि श्रीमती विकहम अक्सर उसे पार्टियों और युवा पुरुषों के वादे के साथ अपने घर आने और रहने के लिए आमंत्रित करती थीं, उसके पिता कभी भी उसके जाने के लिए सहमत नहीं होते थे।

मैरी इकलौती बेटी थी जो घर पर ही रही; और श्रीमती बेनेट के अकेले बैठने में असमर्थ होने के कारण उसे शैक्षणिक गतिविधियों से दूर रहना पड़ा। मैरी को दुनिया से अधिक घुलना-मिलना पड़ा, लेकिन वह हर सुबह की मुलाकात के दौरान उपदेश देना जारी रख सकती थी; और चूंकि अब वह अपनी बहनों की सुंदरता और अपनी सुंदरता की तुलना से आहत नहीं होती थी, इसलिए उसके पिता को संदेह था कि उसने इस बदलाव को बिना किसी हिचकिचाहट के स्वीकार कर लिया था।

विकहम और लिडिया की बात करें तो, उनकी बहनों की शादी से उनके चरित्र में कोई बड़ा बदलाव नहीं आया। उन्होंने दार्शनिक भाव से इस बात को स्वीकार किया कि एलिजाबेथ को अब उनकी कृतघ्नता और

झूठ के बारे में पता चल ही जाएगा, जो पहले उन्हें पता नहीं था; और इन सब के बावजूद, उन्हें पूरी तरह से उम्मीद थी कि डार्सी को अपना भाग्य बनाने के लिए राजी किया जा सकता है। एलिजाबेथ को लिडिया से शादी की बधाई का जो पत्र मिला, उससे उन्हें यह स्पष्ट हो गया कि कम से कम उनकी पत्नी से तो, भले ही खुद उन्हें न हो, ऐसी उम्मीद थी। पत्र में कुछ इस प्रकार लिखा था:

मेरी प्यारी लिज़ी,

"मैं तुम्हें खुशियाँ देना चाहती हूँ। अगर तुम मिस्टर डार्सी से उतना ही प्यार करते हो जितना मैं करती हूँ मेरे प्यारे विकहम, तो तुम बहुत खुश रहोगे। तुम्हारा इतना धनवान होना बहुत सुकून देता है, और जब तुम्हारे पास करने को कुछ न हो, तो मुझे उम्मीद है कि तुम हमारे बारे में सोचोगे। मुझे यकीन है कि विकहम को दरबार में जगह बहुत पसंद आएगी, और मुझे नहीं लगता कि बिना किसी मदद के हमारे पास गुजारा करने के लिए पर्याप्त पैसा होगा। कोई भी जगह ठीक रहेगी, लगभग तीन-चार सौ सालाना; लेकिन अगर तुम न चाहो तो मिस्टर डार्सी से इस बारे में बात मत करना।"

"आपका, इत्यादि।"

चूंकि एलिजाबेथ ऐसा बिल्कुल नहीं चाहती थी, इसलिए उसने अपने जवाब में इस तरह की हर विनती और उम्मीद को खत्म करने की कोशिश की। हालांकि, अपने निजी खर्चों में मितव्ययिता बरतते हुए, वह अपनी क्षमता के अनुसार उन्हें अक्सर मदद भेजती थी। उसे हमेशा से यह स्पष्ट था कि दो ऐसे फिजूलखर्ची करने वाले और भविष्य की परवाह न करने वाले व्यक्तियों के नेतृत्व में उनकी आमदनी उनके गुजारे के लिए बहुत कम होगी; और जब भी वे अपना ठिकाना बदलते, जेन या खुद से बिल चुकाने के लिए थोड़ी-बहुत मदद की गुहार जरूर लगाई जाती थी। शांति बहाल होने के बाद जब उन्हें घर मिला, तब भी उनका रहन-सहन बेहद अस्थिर था। वे हमेशा सस्ते ठिकाने की तलाश में एक जगह से दूसरी जगह भटकते रहते थे और हमेशा जरूरत से ज्यादा खर्च करते थे। उसके प्रति उसका स्नेह जल्द ही उदासीनता में बदल गया; उसका स्नेह कुछ समय तक बना रहा; और अपनी कम उम्र और तौर-तरीकों के बावजूद, उसने शादी से मिली प्रतिष्ठा को बरकरार रखा।

हालाँकि डार्सी कभी भी पेम्बर्ली में उनका स्वागत नहीं कर सके, फिर भी एलिज़ाबेथ की खातिर उन्होंने उनके पेशे में उनकी मदद की। जब उनके पति लंदन या बाथ में मौज-मस्ती करने जाते थे, तब लिडिया कभी-कभार वहाँ आती थीं; और वे दोनों अक्सर बिंगलेज़ के साथ इतने लंबे समय तक रहते थे कि बिंगलेज़ का अच्छा मूड भी बिगड़ जाता था और वे उन्हें जाने का इशारा देने की बात तक करने लगते थे।

मिस बिंगले डार्सी की शादी से बहुत आहत थीं; लेकिन चूंकि उन्होंने पेम्बर्ली में आने-जाने का अधिकार बनाए रखना उचित समझा, इसलिए उन्होंने अपनी सारी नाराजगी त्याग दी; वह जॉर्जियाना को पहले से कहीं अधिक प्यार करने लगीं, डार्सी के प्रति लगभग पहले की तरह ही सजग रहने लगीं, और एलिजाबेथ के प्रति शिष्टाचार की हर कमी को पूरा कर दिया।

पेंबरली अब जॉर्जियाना का घर था; और बहनों का लगाव ठीक वैसा ही था जैसा डार्सी देखना चाहता था। वे एक-दूसरे से उतना ही प्यार कर पा रही थीं जितना उन्होंने चाहा था। जॉर्जियाना एलिज़ाबेथ को दुनिया में बहुत सम्मान देती थी; हालाँकि शुरू में वह अक्सर अपने भाई से उसकी जीवंत, चंचल और बातचीत करने की शैली को सुनकर आश्चर्यचकित रह जाती थी। जिसने हमेशा उसके मन में एक ऐसा सम्मान जगाया था जो उसके स्नेह पर लगभग हावी हो जाता था, अब वह उसे खुलेआम हंसी-मजाक का पात्र देखती थी। उसके मन को ऐसा ज्ञान प्राप्त हुआ जो उसे पहले कभी नहीं मिला था। एलिज़ाबेथ के निर्देशों से, वह समझने लगी कि एक महिला अपने पति के साथ ऐसी स्वतंत्रताएँ ले सकती है जो एक भाई अपनी दस साल से अधिक छोटी बहन को हमेशा नहीं देता।

अपने भतीजे की शादी से लेडी कैथरीन बेहद नाराज़ थीं; और जब उन्होंने शादी की घोषणा करने वाले पत्र का जवाब देते हुए अपने स्वभाव की स्पष्टवादिता का परिचय दिया, तो उन्होंने उसे, विशेष रूप से एलिज़ाबेथ को, इतनी अपमानजनक भाषा में लिखा कि कुछ समय के लिए दोनों के बीच कोई संपर्क नहीं रहा। लेकिन अंततः, एलिज़ाबेथ के समझाने पर, वह अपनी नाराज़गी को भुलाकर सुलह करने के लिए राज़ी हो गया; और अपनी चाची के थोड़े और विरोध के बाद, उनका गुस्सा या तो उसके प्रति स्नेह के कारण, या उसकी पत्नी के व्यवहार को देखने की जिज्ञासा के कारण कम हो गया; और उन्होंने पेम्बर्ली में उनसे मिलने की कृपा की, जबकि वहाँ के जंगल न केवल ऐसी मालकिन की उपस्थिति से, बल्कि शहर से आने वाले अपने चाचा और चाची के आने-जाने से भी प्रदूषित हो गए थे।

गार्डिनर परिवार के साथ उनके हमेशा से ही बेहद घनिष्ठ संबंध थे। डार्सी और एलिजाबेथ दोनों ही उनसे बहुत प्यार करते थे; और वे दोनों उन लोगों के प्रति हार्दिक कृतज्ञता का भाव रखते थे, जिन्होंने एलिजाबेथ को डर्बीशायर लाकर उन दोनों को मिलाने का माध्यम बने थे।

sjeet

यह पुस्तक www.aliceandbooks.com से डाउनलोड की गई है। आप हमारी वेबसाइट पर सार्वजनिक डोमेन की कई और पुस्तकें पा सकते हैं।